

विदेह VIDEHA

विदेह-सदेह १-३७ विस्तृत अध्ययन

Videha Sadeha 1-37 Detailed Study

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ४ / २२ · Volume 4 of 22

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह-सदेह २ — विस्तृत अध्ययन	२५०० प्रश्न
प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।	
In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.	

अध्याय १ : विदेह-सदेह २ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड १९७ : विदेह-सदेह २ — भाषा अकादमी, पाण्डुलिपि आ संस्थागत पुनर्जीवन

१. भाषा अकादमी सभक पहिल प्राथमिकता की कहल गेल?

- (A) आधारभूत संरचनाक विकास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२. आधारभूत संरचना पश्चात् कोन काज शुरू करबाक बात अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्थानीय भाषाक विकास आ शोध।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३. पाण्डुलिपि सम्बन्धी कोन योजना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पाण्डुलिपिक प्रकाशन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४. प्रकाशित पुस्तकक बिक्रीक व्यवस्था किएक जरूरी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अकादमीकेँ आर्थिक रूपसँ मजबूत बनाबय लेल।

५. भाषा संस्थान सभक गतिविधि बहुत वर्षसँ कोना रहल कहल गेल?

- (A) मंद।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६. केवल किछु दरमाहा आ साहित्यकारक महिमा-मंडनसँ आगू बढ़य लेल की जरूरी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सरकारक इमानदार प्रयास।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७. शोधक काज शुरू भेलासँ के लाभान्वित होएत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्यक शोधार्थी आ छात्र सभ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८. दुर्लभ पाण्डुलिपि पुस्तकाकार रूपमे आबि गेलासँ की होएत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्यप्रेमी सोझा सामग्री आओत।

९. एहि खण्डमे संस्थागत पुनर्जीवनक आधार की अछि?

- (A) संरचना, शोध, प्रकाशन आ आर्थिक व्यवस्था।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०. खण्ड १९७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भाषा अकादमी सभकेँ आधारभूत संरचना, शोध, पाण्डुलिपि-प्रकाशन आ पुस्तक-बिक्रीसँ पुनर्जीवित करबाक जरूरत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १९८ : विदेह-सदेह २ — सुशान्त झा: मैथिली गीत-संगीतक डिजिटल संरक्षण

११. सुशान्त झा फुरसति भेटला पर की सुनबाक कोशिश करैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली गीत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२. यू-ट्यूबपर उपलब्ध मैथिली गीतमे बेसीतर कोन प्रकारक गीत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बियाहक गीत आ भक्ति गीत।

१३. मैथिलीक विराट लोकगीत-संसारक मुख्य समस्या की कहल गेल?

- (A) सभकेँ एकठाम पौनाई मुश्किल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४. गीत-संग्रहक दोसर कठिनाई की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सभ गीतक रिकॉर्डिंग नहि भेल वा संकलन कठिन अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५. सुशान्त झा कोन तरहक वेबसाइट चाहैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जतय मैथिल लोक मैथिली गीत-संगीतक आनन्द लऽ सकथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६. कापीराइटक संकट कोन काजमे बाधा बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लोकप्रिय मैथिली गीत वेबसाइटपर राखबामे।

१७. नव तकनीक सही उपयोग मैथिली लेल की करि सकैत अछि?

- (A) गीत-संगीतक विराट संसार मैथिल भाषी धरि पहुँचा सकैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८. डिजिटल संरक्षणक लक्ष्य केवल मनोरंजन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, भाषा-संस्कृति रक्षाक साधन सेहो अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९. सुशान्त झाक चिन्ता कोन साम्राज्यवादसँ बचबाक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अंग्रेजी आ हिंदीक भाषाई साम्राज्यवाद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०. खण्ड १९८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली गीत-संगीतक डिजिटल संकलन भाषा-संस्कृति संरक्षणक जरूरी उपाय अछि।

खण्ड १९९ : विदेह-सदेह २ — मैथिली धरोहर: लोकगीत, नाटक, लोककथा

२१. सुशान्त झाक अनुसार मैथिली लोकधरोहरमे की-की अछि?

- (A) लोकगीत, नाटक, लोककथा आ आख्यान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२. ई धरोहर कोन प्रकारक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बड्ड पैघ धरोहर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३. एहि धरोहरक लेल मुख्य जरूरत की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संयोजन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४. आम मैथिलकें जोड़बाक लेल की जरूरी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिलीक सभ रूपकें दिल खोलि अपनायब।

२५. 'पंचकोसीक ग्रंथि'सँ बाहर आबय केँ किएक कहल गेल?

- (A) मैथिलीक व्यापक रूप स्वीकार करबाक लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६. लोकधरोहरक संयोजनसँ की सम्भावना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आम मैथिलसँ मजबूत जुड़ाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७. एहि खण्डमे मैथिली संस्कृतिक संकटक समाधान की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) धरोहरक संकलन, संयोजन आ सर्वरूप स्वीकार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८. मैथिली गीत-संगीतक डिजिटल पहुँच कोन समुदाय लेल कल्पित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दिल्ली-बंबईसँ अमेरिका धरि रहएबला मैथिल लेल।

२९. लोकगीत आ आख्यान एतय केवल अतीत नहि, आओर की अछि?

- (A) भविष्यक भाषा-जुड़ावक साधन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०. खण्ड ९९९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक लोकगीत, नाटक, लोककथा आ आख्यानक संयोजन आम मैथिलकेँ भाषासँ जोड़ि सकैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १००० : विदेह-सदेह २ — ऑडियो-विजुअल जमाना आ नव तकनीक

३१. सुशान्त झाक अनुसार आबएबला जमाना कोन प्रकारक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ऑडियो-विजुअल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२. नव तकनीकक उपयोग सतर्कतासँ केलासँ मैथिलीकेँ की लाभ?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गीत-संगीतक विराट संसार भाषी लोक धरि पहुँचत।

३३. ऑडियो-विजुअल माध्यम मैथिली धरोहर लेल की बनैत अछि?

- (A) संग्रह, प्रसार आ पुनर्जीवनक साधन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४. डिजिटल युगमे भाषा-संरक्षणक प्रमुख चुनौती की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बिखरल सामग्रीकेँ व्यवस्थित मंच देब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५. मैथिली गीतक वेबसाइटक कल्पना कोन बुनियादी लक्ष्य रखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सहज उपलब्धता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६. कापीराइट संकटक उल्लेख डिजिटल कार्यमे की सिखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संग्रह संग अधिकार-सावधानी जरूरी अछि।

३७. ऑडियो-विजुअल जमाना लोकधरोहरक कुन पक्ष मजबूत करैत अछि?

- (A) सुनबाक आ देखबाक जीवंतता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८. ई खण्ड मैथिली संस्थाक जरूरतसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संरक्षित डिजिटल भंडार बनेबाक आवश्यकता देखबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९. मैथिलीकेँ नव तकनीक अपनाबयमे ककरा सँ बाहर आबय पड़ैत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पंचकोसीक संकीर्ण ग्रंथिसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०. खण्ड १०००क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ऑडियो-विजुअल तकनीक मैथिली धरोहरकेँ संग्रहित, प्रसारित आ पुनर्जीवित करबाक प्रमुख साधन बनि सकैत अछि।

खण्ड १००१ : विदेह-सदेह २ — मिथिलाक विकास-दृष्टि: पुल, बिजली आ पर्यटन

४१. कोसीपर कोन दू प्रकारक पुलक चर्चा अछि?

- (A) रेलवे पुल आ सड़क पुल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२. ई पुल सभ मिथिलाक लेल की साबित होएत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलाकेँ फेरसँ जोड़ैबला।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३. लेखक कोन फोर लेन हाईवेक कल्पना करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मोकामासँ जयनगर तक भाया समस्तीपुर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४. हाईवे नंबर २८ क सम्बन्धमे की अपेक्षा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मुजफ्फरपुरसँ बरौनी आ आगू गुवाहाटी दिस फोर लेन बनय।

४५. नेपालसँ की आओत तँ मिथिला जगमगाएत कहल गेल?

- (A) प्रचुर बिजली।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६. नेपालमे कोन स्थिति कायम होयबाक आशा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) शांति आ सुव्यवस्था।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७. नेपाल आबएबला अन्तरराष्ट्रीय पर्यटक मिथिला दिस किएक आकि सकैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पर्यटन स्थलक विकास भेलासँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८. जनकपुर, वैशाली, पाटलिपुत्र, बोधगया, नालंदाकेँ की बनाओल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पर्यटन सर्किट।

४९. मिथिलाक संस्कृति पर्यटक लेल कोना उपयोगी बनि सकैत अछि?

- (A) नीक पैकेजिंग द्वारा आकर्षणक आधार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०. खण्ड १००१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पुल, सड़क, नेपालक बिजली आ सांस्कृतिक पर्यटन मिथिलाक विकास-दृष्टिक प्रमुख आधार छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १००२ : विदेह-सदेह २ — पोखरि, माछ-मखान आ क्षेत्रीय अर्थनीति

५१. लेखकक अनुसार मिथिलामे कोन प्राकृतिक संसाधनक कमी नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पोखरि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२. पोखरि व्यवस्थित केलासँ कोन उत्पादनक पैघ आधार बनि सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) माछ-मखान।

५३. पोखरिक सौन्दर्यीकरणसँ की बढ़ावा भेटि सकैत अछि?

- (A) कए तरहक आर्थिक गतिविधि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४. दरभंगा आ पूर्णिया कोन रूपमे उभरबाक कल्पना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मेडिकल हब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५. मुजफ्फरपुरकेँ कोन उद्योगक केन्द्र रूपमे देखल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निर्माण आ मोटर उद्योग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६. भागलपुर फेरसँ कोन क्षेत्रमे ख्याति अर्जित करत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सिल्क आ हस्तकला।

५७. मधुबनीमे कोन प्रकारक आयोजनक कल्पना अछि?

- (A) कलापर आधारित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८. कोसीक बाढ़पर काबू भेलासँ कोन कल्पना आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कोसीमे स्टीमर चलि सकैत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९. भारत-नेपाल सम्बन्धक तुलना किनका संग कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अमेरिका आ कनाडाक सम्बन्धसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०. खण्ड १००२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिलाक पोखरि, कला, उद्योग, स्वास्थ्य आ नदी-संसाधन क्षेत्रीय अर्थनीतिक आधार बनि सकैत अछि।

खण्ड १००३ : विदेह-सदेह २ — मैथिलीकें लऽ असुविधाजनक प्रश्न

६१. लेखकक असुविधाजनक प्रश्न कोन मूल चिन्तासँ जुड़ल अछि?

- (A) मैथिली भाषा आ मिथिलांचलक विकास अपेक्षित रूपमे किएक नहि भेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२. लेखकक अनुसार मैथिली साहित्य आ विकासक चिन्ता केकर दिमागी कसरत बनि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) किछु मुट्ठी भरि लोकक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३. दरभंगा-मधुबनीमे मैथिल धियापुता कोन भाषामे बात करैत छथि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिंदीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४. लेखक एहि स्थितिक मूल कारण खोजबाक लेल की करबाक बात करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तहमे जाएबाक।

६५. मैथिली संग पैघ अन्यायक संकेत कोन रूपमे अछि?

- (A) एकरा किछु खास इलाकासँ बाँधि देबाक प्रवृत्ति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६. आम मैथिलक उदासीनता भाषा-विकास लेल की चुनौती बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भाषा-संघर्षकें सीमित मंडली धरि रोकेत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७. बाल-पीढ़ी हिंदीमे बात करैत अछि—ई कोन संकट देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मातृभाषिक व्यवहारक कमजोर पड़ब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८. एहि खण्डक प्रश्न केवल साहित्यिक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नहि, सामाजिक, शैक्षिक आ भाषिक व्यवहारसँ जुड़ल अछि।

६९. 'असुविधाजनक प्रश्न'क उद्देश्य की अछि?

- (A) संतोषक आवरण हटाकऽ यथार्थपर विचार करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०. खण्ड १००३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली विकासक बाधा बुझबाक लेल आम मैथिलक भाषिक व्यवहार आ उदासीनतापर कठोर प्रश्न जरूरी अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १००४ : विदेह-सदेह २ — डॉ. शंभु कुमार सिंह: निर्धनता आ आधुनिक मैथिली नाटक

७१. डॉ. शंभु कुमार सिंहक जन्म कहिया भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १८ अप्रैल १९६५।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२. हुनक जन्मस्थान कोन गाम/प्रखंडसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सहरसा जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआर गाम।

७३. हुनका एम.ए. मैथिलीमे कोन उपलब्धि भेटल?

- (A) स्वर्णपदक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४. हुनक पी-एच.डी. विषय की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली नाटकक सामाजिक विवर्तन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५. आलेखक शीर्षक कोन समस्या पर केन्द्रित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आधुनिक मैथिली नाटकमे चित्रित निर्धनताक समस्या।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६. लेखक भारतक अधिकांश जनता कतय रहैत छथि कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गाममे।

७७. गामक लोक गरीबीक जीवन किएक बिता रहल छथि?

- (A) अनियमित बरखा, सरकारी उपेक्षा, अशिक्षा आ पिछड़ापनक कारणेँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८. निर्धनता मनुखकेँ कोना बना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बेवस, लाचार आ शक्तिहीन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९. मैथिली नाट्य साहित्यमे निर्धनता समस्याक उदाहरणमे कोन-कोन नाटक आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) वीर-वीरेन्द्र, मनोरथ, कुहेस, कनियाँ-पुतरा, ओकरा आँगनक बारहमासा आदि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०. खण्ड १००४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) डॉ. शंभु कुमार सिंह आधुनिक मैथिली नाटकमे निर्धनताकेँ सामाजिक समस्या रूपमे पढ़ैत छथि।

खण्ड १००५ : विदेह-सदेह २ — निर्धनताक मानवीय असर

८१. लेखक निर्धनताकेँ मानव जीवनक कोन प्रकारक समस्या मानैत छथि?

- (A) भयंकर अभिशाप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२. निर्धन मनुख कोन स्थितिमे जीबए बाध्य होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दोसरक दयापर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३. दू-साँझक रोटी आ वस्त्रक अभाव कोन प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्वतंत्रता आ आत्मिक उच्चताक दावा खोखला भऽ जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४. निर्धनताक कारण मनुख कोना बनि जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तंगदिल, कमजोर आ अपन इच्छाक मारएबला।

८५. लेखकक अनुसार गरीब किसान शहर गेलापर की कहबैत छथि?

- (A) मजदूर वा बोनिहार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६. गामक गरीबीक कारणमे कोन तत्व सभ देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनियमित बरखा, सरकारी उपेक्षा, अशिक्षा आ पिछड़ापन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७. निर्धनता केवल आर्थिक स्थिति अछि कि व्यापक मानवीय संकट?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) व्यापक मानवीय संकट।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८. लेखकक निर्धनता-विमर्शक आरम्भ कोन आधारसँ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भारतीय ग्रामीण जीवनक गरीबीसँ।

८९. निर्धनताक कारण विचार प्रकट करबामे की बाधा अबैत अछि?

- (A) स्वतंत्र रूपसँ विचार प्रकट करब कठिन भऽ जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०. खण्ड १००५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) निर्धनता मनुक्खक जीवन, इच्छा, स्वतंत्रता आ सम्मानकेँ क्षीण करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १००६ : विदेह-सदेह २ — निर्धनता आ मैथिली नाटकक उदाहरण

९१. लेखक निर्धनता समस्याक उदाहरण कोन साहित्यिक विधामे देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आधुनिक मैथिली नाटकमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२. निर्धनता-विमर्शमे हरिमोहन झाक कोन नाटक आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कनियाँ-पुतरा।

९३. महेन्द्र मलंगियाक कोन नाटक निर्धनता-विमर्शमे आयल?

- (A) ओकरा आँगनक बारहमासा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४. नचिकेताक कोन नाटक सूचीमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नायकक नाम जीवन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५. अरविन्द कुमार “अक्कू”क कोन नाटक सूचीमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आगि धधकि रहल छै।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६. गोविन्द झाक कोन नाटक गरीबीक प्रसंगमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंतिम प्रणाम।

९७. गंगेश गुंजनक कोन नाटक निर्धनता उदाहरणमे आयल?

- (A) बुधिबधिया।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८. आधुनिक मैथिली नाटकक सूची लेखक लेल की प्रमाण बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गरीबीक समस्या साहित्यिक विषय रूपमे बार-बार उठल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९. निर्धनता-विमर्शक नाटक सभमे वर्गीय पीड़ाक केन्द्र कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निम्नवर्ग आ सर्वहारा जीवन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००. खण्ड १००६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आधुनिक मैथिली नाटक गरीबीकें सामाजिक यथार्थक मुख्य समस्या रूपमे अंकित करैत अछि।

खण्ड १००७ : विदेह-सदेह २ — “मनोरथ”मे गरीबीक बोध

१०१. “मनोरथ”मे लक्ष्मीनाथ अपन नामकें की होयबाक चाही कहैत छथि?

- (A) दरिद्रनाथ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२. “मनोरथ”मे गरीबक धीया-पुताक सम्बन्धमे कोन भाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ सभ सोचि-समझि काज करैत आ सुख-सुविधा त्यागैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३. डॉ. प्रेम शंकर सिंहक कथन कोन बात देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आर्थिक दशाक क्षीणतासँ मनुष्य संकटापन्न समस्या झेलैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४. “मनोरथ”क गरीबी-विमर्श व्यक्तिगत अछि कि सामाजिक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) व्यक्तिगत पीड़ासँ सामाजिक संकट धरि बढ़ैत अछि।

१०५. लक्ष्मीनाथक आत्म-कथनमे कोन भाव मुखर अछि?

- (A) अपन निर्धनतापर करुण व्यंग्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६. गरीबक सुख-सुविधा त्यागबाक प्रसंग कोन वर्गीय दबाव देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आर्थिक अभावक नैतिक दबाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७. “मनोरथ”क उदाहरण आलेखमे कएक उपयोगी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गरीबीक नाटकीय प्रस्तुति स्पष्ट करबाक लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८. “मनोरथ”मे आर्थिक कमजोरी कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मानवीय संकट आ अपमानक रूपमे।

१०९. गरीबीक कारणेँ विचार आ काज पर की असर पड़ैत अछि?

- (A) व्यक्ति विवशता मे सीमित भऽ जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०. खण्ड १००७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “मनोरथ” गरीबीक निजी करुणा आ सामाजिक विवशता दुनूकें उजागर करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १००८ : विदेह-सदेह २ — “ओकरा आँगनक बारहमासा”क निम्नवर्गीय यथार्थ

१११. “ओकरा आँगनक बारहमासा”क केन्द्रबिन्दु की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सर्वहारा वर्गक यातनापूर्ण जीवन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२. एहि नाटकमे बारहो मास कोन लोक लेल फुसि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गरीब लोक लेल।

११३. कातिक मास खेतिहर मजदूर लेल कोन रूपमे आयल?

- (A) दुखक मास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४. कातिकक गीतमे कोन अभाव व्यक्त अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अन्नक अभाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५. नाटकक बारहमासा कोन परिवारक दशा देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गरीब परिवारक बारहो मासक दुर्दशा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६. लेखकक अनुसार कातिकमे निम्नवर्गक स्थिति कोना भऽ जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दयनीय।

११७. ई नाटक मिथिलाक निम्नवर्गीय समाजक की कहल गेल?

- (A) अलबम।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८. नाटकक रोस आ हाहाकार कतयसँ उठैत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलाक लाख-लाख आँगनसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९. “ओकरा आँगनक बारहमासा”मे ऋतु-सौन्दर्य किएक उलटि जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गरीबीक अनुभवमे प्रकृति-सुख अर्थहीन भऽ जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०. खण्ड १००८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई नाटक निम्नवर्गीय मिथिला समाजक बारहमासी गरीबीक मर्मस्पर्शी चित्र अछि।

खण्ड १००९ : विदेह-सदेह २ — “अंतिम प्रणाम” आ “बुधिबधिया”मे गरीबी

१२१. “अंतिम प्रणाम”मे गरीबीक कोन चरम स्थिति देखाओल गेल?

- (A) मुइलाक बाद कफन किनबाक लेल टका नहि रहब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२. “अंतिम प्रणाम”मे गरीब सभ मिलि की करबाक आशा व्यक्त करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दस गोटे मिलि किछु कऽ सकबाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३. “बुधिबधिया”मे गरीबीक दृष्टान्त कोन रूपमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एकर देहपर एक बीत वस्त्र नहि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४. सरकारी व्यवस्था गरीब धरि किएक नहि पहुँचैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लाभ गरीब लोक धरि नहि पहुँचि सकैत अछि।

१२५. “अंतिम प्रणाम”मे मुरारी कोन दुखक उल्लेख करैत अछि?

- (A) तीन-तीनटा बच्चाकेँ भुखले सुतैत देखब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६. मुरारी घरवालीक कोन दशा देखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फाटल वस्त्रमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७. महगी आ गरीबीक प्रसंगमे सामान्य लोकक संघर्ष कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भोजन, वस्त्र आ आवास जुटएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८. “बुधिबधिया”क गरीबी-विमर्श सरकारक कोन कमी देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गरीब दिस पर्याप्त ध्यान नहि।

१२९. एहि नाटक सभमे गरीबी केवल पृष्ठभूमि अछि?

- (A) नहि, कथा-स्थितिक नैतिक केन्द्र अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०. खण्ड १००९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “अंतिम प्रणाम” आ “बुधिबधिया” गरीबीक देहगत, पारिवारिक आ संस्थागत यातना देखबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०१० : विदेह-सदेह २ — आधुनिक सामाजिक नाटकक मूल-स्वर

१३१. वर्तमान युगमे कोन दू शक्तिक बीच संघर्ष कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सामाजिक चेतनाक गतिशीलता आ परंपरागत रूढ़ि व्यवस्थाक जड़ता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२. आधुनिक सामाजिक मैथिली नाटकक मूल-स्वर कोन तत्वसँ भरल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संघर्ष, तनाव आ सामाजिक समस्या।

१३३. नाटककारक सामाजिक दृष्टि कोन काज करैत अछि?

- (A) सामाजिक जीवनक यथार्थ व्यक्त करैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४. मिथिलांचलक समाजमे आर्थिक विपन्नता कोन रूपमे बदलि गेल कहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्वाभाविकता मे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५. निर्धनता-विमर्शक नाट्य-समीक्षा कोन आयाम जोड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्यिक सामाजिक उत्तरदायित्व।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६. सामाजिक नाटकमे रूढ़ि आ चेतनाक संघर्ष किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ समाजक बदलैत दबाव देखबैत अछि।

१३७. आधुनिक मैथिली नाटकक गरीबी-विमर्श केकर जीवनक अस्तव्यस्तता देखबैत अछि?

- (A) आर्थिक विपन्न लोकक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८. नाट्य-साहित्यक यथार्थक अभिव्यक्ति कोन बातपर निर्भर कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नाटककारक सामाजिक दृष्टि आ रचना-दृष्टिपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९. निर्धनता विषयक आलेखक अन्तिम वैचारिक बल कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गरीबीकेँ सामाजिक संरचना आ नाट्य-संवेदना सँ जोड़ब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०. खण्ड १०१०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आधुनिक मैथिली नाटक समाजक संघर्ष, तनाव आ आर्थिक विपन्नताकेँ यथार्थ रूपमे व्यक्त करैत अछि।

खण्ड १०११ : विदेह-सदेह २ — आशीष अनचिन्हारक व्यंग्य-आलोचना

१४१. आशीष अनचिन्हारक आलोचनात्मक लेखक शीर्षक की अछि?

- (A) अन्हारपर इजोतक कहिओ विजय नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२. लेखक पूर्ण वाक्य कोन रूपमे प्रस्तुत करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अन्हारपर इजोतक कहिओ विजय नहि, सरकारपर जनताक कोनो धाख नहि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३. शीर्षक पढ़िते पाठक रचियताकेँ की घोषित कऽ सकैत छथि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निराशावादी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४. लेखक पाठककेँ कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अगुताथि जुनि।

१४५. शीर्षक बाहरसँ पूर्ण होइतो भीतरसँ कोना कहल गेल?

- (A) अपूर्ण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६. आलोचनाक आरम्भमे लेखक कोन शैली अपनबैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) व्यंग्यात्मक संवाद शैली।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७. पूर्ण वाक्यक दोसर अंश कोन सामाजिक-राजनीतिक संकेत देत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सरकारपर जनताक धाखक अभाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८. एहि लेखमे शीर्षकक व्याख्या कोन आलोचनात्मक उपाय बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) व्यंग्यक अर्थ-क्षेत्र खोलबाक उपाय।

१४९. लेखकक स्वर केवल निराशा अछि?

- (A) नहि, ओ व्यंग्य आ आलोचनात्मक चेतना अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०. खण्ड १०११क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आशीष अनचिन्हार शीर्षकक उलटबाँसी सँ रुपकांत ठाकुरक राजनीतिक व्यंग्य दिस पाठककें लऽ जाइत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०१२ : विदेह-सदेह २ — मैथिली व्यंग्यक तीन विडम्बना

१५१. लेखकक अनुसार मैथिलीमे कोन विधा प्रचुर मात्रा मे नहि लिखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) व्यंग्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२. दोसरी विडम्बना कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) व्यंग्य लिखाइतो स्तरीय आलोचना नहि होइत।

१५३. तेसरी विडम्बना कोन अछि?

- (A) स्तरीय आलोचना आबितो हरिमोहन झाकेँ शिखर मानि सभकेँ भुट्टा बना देल जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४. आलोचक आलोचना करैत काल कोन नाम बार-बार घुसिआएल रहैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हरिमोहन बाबू।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५. मैथिली व्यंग्यक आलोचनात्मक समस्या की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) व्यंग्यकेँ अक्सर हास्य मानि लेल जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६. हास्य आ व्यंग्यक मिलावटसँ कोन परिणाम होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) व्यंग्यकारक असल राजनीतिक धार ओझल भऽ जाइत अछि।

१५७. पं. चन्द्रनाथ मिश्र “अमर” कोन क्षेत्रक प्रतिनिधि कहल गेल?

- (A) हास्यक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८. हरिमोहन बाबूकेँ लेखक कोन उपाधिसँ जुड़ल देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हास्य-व्यंग्य सम्राट।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९. लेखकक व्यंग्य-विमर्श कोन सुधारक माँग करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) व्यंग्य आ हास्यक भेद स्पष्ट करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०. खण्ड १०१२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली व्यंग्यक मुख्य संकट रचनाक कमी, आलोचनाक कमी आ हास्य-व्यंग्य भेदक भ्रम अछि।

खण्ड १०१३ : विदेह-सदेह २ — रुपकांत ठाकुरक जीवन आ रचना

१६१. रुपकांत ठाकुरक जन्मक साल कोन कहल गेल?

- (A) १९३०।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२. रुपकांत ठाकुर कखन रचनारत भेलाह कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९६०क लगीच।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३. रुपकांत ठाकुरक मृत्यु कोन साल भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९७२।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४. रुपकांत ठाकुरक रचनाक सक्रिय अवधि लगभग कतबा कहल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बारह बर्ष।

१६५. रुपकांत ठाकुरक कथा-संग्रह “मोमक नाक” कोन सूचीमे अछि?

- (A) पाँच प्रकाशित पोथीमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६. “धूकल केरा” कोन प्रकारक पोथी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कथा-संग्रह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७. रुपकांत ठाकुरक नाटकमे कोन नाम आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लगाम आ वचन वैष्णव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८. “नहला पर दहला” कोन विधाक कृति कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उपन्यास।

१६९. लेखक अनुसार आलोचना रुपकांतक कतेक रचनासँ परिचित जकाँ देखाइत अछि?

- (A) मात्र ६ गोट हास्य-व्यंग्य रचना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०. खण्ड १०१३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रुपकांत ठाकुर अल्प आयु आ कम समयमे कथा, नाटक आ उपन्यासक महत्त्वपूर्ण व्यंग्यकार रूपमे उभरलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०१४ : विदेह-सदेह २ — राजनीतिक व्यंग्यक अर्थ

१७१. लेखक राजनीतिक व्यंग्यकेँ कोन आधारपर चिन्हैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समकालीन अथवा पूर्वकालिक राजनीति आ शासन-व्यवस्थापर निशाना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२. लेखक अपन परिभाषाकेँ कोन रूपमे सावधानीसँ रखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अकादमिक परिभाषा नहि।

१७३. राजनीतिक व्यंग्यक लक्ष्य कोन-कोन होइ सकैत अछि?

- (A) राजनीति, शासन-व्यवस्था आ ओकर संचालक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४. लेखक अनुसार मैथिली व्यंग्यकार राजनीतिक व्यंग्यकेँ कोना जनैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पर्याप्त रूपेँ नहि जनैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५. राजनीतिक व्यंग्य केवल हँसाबाक लेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नहि, सत्ता-संरचना पर चोट करबाक लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६. लेखक पाठककेँ राजनीतिक चेतना देखाबए किनका लग लऽ जाइत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रुपकांत ठाकुर लग।

१७७. राजनीतिक व्यंग्यक विवेचन लेल कोन पोथी चुनल गेल?

- (A) मोमक नाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८. “मोमक नाक”मे कतेक कथा कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नौ गोटा कथा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९. लेखक कथा-क्रमक बारेमे की स्पष्ट करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ओ अनिवार्य रूपेँ पहिल कथासँ शुरू नहि करताह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०. खण्ड १०१४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राजनीतिक व्यंग्य सत्ता, जनता आ शासन-संरचनाक आलोचना करबाक धारदार माध्यम अछि।

खण्ड १०१५ : विदेह-सदेह २ — “मर्द माने की”क सामाजिक व्यंग्य

१८१. “मर्द माने की” कोन संग्रहक अंतिम कथा रूपमे चर्चित अछि?

- (A) मोमक नाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२. कथाक शीर्षकसँ लेखक की संकेत करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मर्दक परिभाषा देल गेल हएत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३. कथामे “मर्द माने”क श्रृंखला कोन रूपमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मर्द माने कमौआ, कमौआ माने विआहल, विआहल माने बुड़िबक, बुड़िबक माने बड़द।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४. लेखकक अनुसार मैथिल समाजमे कोन धारणा देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कमौए मर्द होइत अछि।

१८५. “बुढ़िबक माने बड़द”सँ कोन स्थिति संकेतित अछि?

- (A) खाली खटनाइसँ मतलब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६. कथा समाजक कोन संस्था पर व्यंग्य करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मर्दानगी आ विवाह-संस्कारक सामाजिक दबाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७. लेखक एहि कथासँ रुपकांतक कोन पक्ष देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सामाजिक चेतना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८. “मर्द माने की”मे हास्यक भीतर कोन आलोचना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पुरुष-सत्ता आ श्रम-उपयोगक आलोचना।

१८९. एहि कथाक विवेचन राजनीतिक व्यंग्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) समाजक सत्ता-रचना पर चोट करैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०. खण्ड १०१५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “मर्द माने की” मैथिल समाजक कमौआ-मर्द धारणा पर तीक्ष्ण सामाजिक व्यंग्य प्रस्तुत करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०१६ : विदेह-सदेह २ — “ठोकल ठक्क” आ “जय गंगा जी”

१९१. “ठोकल ठक्क”मे कोन चरित्र-प्रवृत्ति देखाओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कमीशन खाएबला भातिज आ जमाय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२. “ठोकल ठक्क”मे भातिज/जमाय किनका तक नहि छोड़ैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पित्ती आ ससुरोकेँ।

१९३. “ठोकल ठक्क”सँ लेखक तात्कालीन राजनीति कोन वाक्यमे देखैत छथि?

- (A) सरकारपर जनताक कोनो धाख नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४. “सरकारपर जनताक कोनो धाख नहि”क अर्थ लेखक कोना करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बेशर्म, निर्लज्ज, हेहर, थेथर सरकार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५. “जय गंगा जी”मे रेलगाड़ीक तुलना किनका संग कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कांग्रेसी नेता संग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६. रेलगाड़ी लोककें पेटमे राखि की बिसरि जाइत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओकर सुख-दुख अथवा उन्नति-अवनति।

१९७. “जय गंगा जी”मे पवदानपर चढ़ल यात्रीक प्रश्न की देखबैत अछि?

- (A) विकासक लाभसँ बाहर छूटल लोक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८. पंचवर्षीय योजनाक प्रसंगमे लेखक कोन बात पर व्यंग्य देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उन्नतिक कागजी आकड़ा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९. “ठोकल ठक्क” आ “जय गंगा जी”क साझा राजनीतिक सूत्र की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सत्ता, भ्रष्टाचार आ विकासक खोखलापन पर व्यंग्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००. खण्ड १०१६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रुपकांत ठाकुर निजी स्वार्थ, कमीशनखोरी आ कागजी विकास पर राजनीतिक व्यंग्य करैत छथि।

खण्ड १०१७ : विदेह-सदेह २ — “मोमक नाक”मे जनता आ सत्ता

२०१. “मोमक नाक” शीर्षक कथा कोन संग्रहक पहिल कथा आ नाम-दाता अछि?

- (A) मोमक नाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२. कथामे “भला आदमी”क परिभाषा कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आजुक युगमे उनटि गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३. जनताकेँ कोन उपमा देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मोमक नाक जकाँ लुजबुज।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४. जनता जखन जाहि दिस नफगर रहै छैक तखन की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तिन्हरे घूमि जाइत अछि।

२०५. लेखक एहि उद्घरणमे केकर चारित्रिक विशेषता देखैत छथि?

- (A) जम्बूद्वीप सँ एखुनका भारतीय जनता धरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६. रूपकांत ठाकुरक रचना आलोचक बिसरलाक बादो कतय खचित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पाठकक मोनमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७. लेखकक अनुसार रूपकांतक प्रथम आ अंतिम सफलता कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पाठकक मोनमे रहब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८. “मोमक नाक”क जनता-विमर्श कोन आलोचना करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अवसरवादी जन-चरित्रक।

२०९. एहि कथामे सत्ता मात्र दोषी अछि?

- (A) नहि, जनता सेहो आलोचनाक दायरामे अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०. खण्ड १०१७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “मोमक नाक” जनता, सत्ता आ अवसरवाद पर तीक्ष्ण व्यंग्य करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०१८ : विदेह-सदेह २ — हृदय नारायण झा आ लुप्तप्राय लोकगीत

२११. हृदय नारायण झा कोन संस्थासँ जुड़ल कलाकार कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आकाशवाणीक बी हाइग्रेड कलाकार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२. हृदय नारायण झा कोन परम्परागत शिक्षा प्राप्त कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) योगक शिक्षा।

२१३. मिथिलाक संस्कृति आ परम्पराकें सुरक्षित रखबाक श्रेय किनका देल गेल?

- (A) मैथिली लोकगीतकें।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४. लोकगीतमे सामान्यतः की नहि होइत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कृत्रिमता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५. मैथिली लोकगीत कोन-कोन बातक यथार्थ रूप अनुभव करबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार, कला आ सामाजिक आकांक्षा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६. मिथिलामे जन्मसँ विवाह धरि व्यवहार कोन संग सम्पन्न होइत रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गीतक संग।

२१७. लोकगीतक परंपरा विकसित करबाक उद्देश्य की छल?

- (A) मूल संस्कृति आ परंपराक प्रति उदार बनाबए।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८. देश-काल-परिस्थिति बदललासँ लोकगीतमे की आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रचनामे विविधता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९. आदर्श आचार पर आधारित लोकगीत कतय स्थान पबैत रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोककण्ठमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०. खण्ड १०१८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली लोकगीत मिथिलाक संस्कृति, व्यवहार आ सामाजिक स्मृतिक जीवित आधार अछि।

खण्ड १०१९ : विदेह-सदेह २ — सोहर, पुत्रकामना आ प्रसव-पीड़ा

२२१. पुत्रकामना, जन्म आ लोकाचारक गीत कोन नामसँ प्रचलित कहल गेल?

- (A) सोहर, खेलउना, छठिहार, पीपर पिलाई, आँख अँजाई, बधैया आदि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२. सोहरमे भक्त हृदय स्त्री कोन इच्छा व्यक्त करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पुत्रकामना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३. पुत्रकामना गीतमे “एकहि पुत्र” सँ की अभिलाषा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जीउरा जुड़एबाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४. प्रसव पीड़ामे स्त्री सासु, जेठानी, ननदिकेँ कोना बूझए लगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) स्वार्थी आ कठोर।

२२५. पुत्र जन्मक बाद स्त्रीक भावमे की परिवर्तन होइत अछि?

- (A) सभ कष्ट बिसरि जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६. प्रसव-गीतमे स्त्री अपन मायकेँ किएक स्मरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दरद बाँटि लेबाक आशासँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७. “पिया जी के माए” गीतमे कोन सम्बन्धक तनाव देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सासु-बहुक प्रसवकालीन अनुभव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८. सोहरक भाव-विस्तार केवल धार्मिक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नहि, लौकिक आ भावनात्मक दुनू अछि।

२२९. जन्मगीत मिथिलाक सामाजिक सम्बन्धकेँ कोना देखबैत अछि?

- (A) परिवारक भीतर स्नेह, तनाव आ आशा सभ प्रकट करैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०. खण्ड १०१९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सोहर गीत जन्म, मातृत्व, पुत्रकामना आ स्त्री-मनक करुण अनुभवक लोक-साक्ष्य अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०२० : विदेह-सदेह २ — छठिहार, खेलउना आ ननदि-भाउज सम्बन्ध

२३१. मिथिलामे जन्मक प्रथम उत्सव कोन कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) छठिहार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२. छठिहारक गीतमे किनका बीच हास-परिहास व्यक्त होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ननदि आ भाउजक बीच।

२३३. खेलउना गीत कोन सम्बन्धक मधुरता देखबैत अछि?

- (A) ननदि आ भाउजक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४. गीतमे ननदि आँगन, दुअर आ सोइरीमे अबैत काल कोन वस्तु उल्लेख अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बिछिया, बोली, बेसरि आदि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५. भाउज-ननदि हास-परिहासमे ननदि की माँग करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) इनाम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६. ननदि बच्चा उठाकऽ चलि गेलापर भाउज की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बउआ फिर्ता देबाक आग्रह।

२३७. ननदि “भइया के राज” माँगलापर भाउज कोन तर्क दैत अछि?

- (A) बउआ की लेतै?
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८. बधइया गीतमे ननदि कोन वस्तु सभ नहि लेबाक कहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अँगूठी, मुनरी, बाली, कनफूल आदि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९. ई गीत सभ लुप्त भेलासँ कोन प्रश्न उठैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) परंपरागत सम्बन्धक मधुरता कोना प्रभावित होएत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०. खण्ड १०२०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) छठिहार, खेलउना आ बधइया गीत ननदि-भाउज सम्बन्धक हास्य, अधिकार आ स्नेहक सुरक्षित करैत अछि।

खण्ड १०२१ : विदेह-सदेह २ — विआह संस्कारक लुप्तप्राय गीत

२४१. विआह संस्कार गीतक परंपरा मिथिलामे कोना रहल कहल गेल?

- (A) अत्यन्त व्यापक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२. विआह-पूर्व वर खोजएबाक समय गाओल गीत कोन नामसँ चिन्हित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सम्मर, कुमार, लगन आदि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३. विआह योग्य कन्याक लेल सुयोग्य वर खोजए के जाइत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पिता आ अन्य सम्बन्धी लोकनि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४. विआह संस्कार गीत लोकजीवनमे कहियासँ आरम्भ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विआहपूर्वहिसँ।

२४५. विआह गीतक परंपरा लुप्तप्राय होयब की संकेत करैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृतिक कमजोर पड़ब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६. विआह संस्कार गीत केवल मनोरंजन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, विधि-व्यवहारक सांस्कृतिक विधान सेहो अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७. विवाह-गीतमे परिवारक कोन पक्ष सामने अबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रिश्ता, विधि, हास्य आ करुणा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८. “लुप्तप्राय” शब्द एहि प्रसंगमे की चेतावनी दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परंपरा बचएबाक आवश्यकता।

२४९. विवाह-पूर्व गीत सामाजिक निर्णय प्रक्रियासँ कोना जुड़ल अछि?

- (A) वर-खोज आ लगन-प्रसंगसँ गीतमय बनबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५०. खण्ड १०२१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलाक विवाह संस्कार गीत विवाह-पूर्व खोजसँ विवाह-विधि धरि सामाजिक-सांस्कृतिक जीवनसँ सँजोइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०२२ : विदेह-सदेह २ — परिछन गीत आ धुरछक

२५१. मिथिलाक विवाह संस्कारमे कोन गीत-धुन लुप्तप्राय कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) परिछन गीतक पारंपरिक गीत आ धुन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५२. परिछन गीतमे बेटी आ जमायक कोन प्रतीकात्मक रूप व्यक्त अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बेटी लक्ष्मी आ जमाय विष्णु।

२५३. परिछनक विधि आरम्भ होइत काल पहिल बिछ कोन होइत अछि?

- (A) धुरछक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५४. धुरछकमे सोहागिन स्त्री माथपर की लैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कलश।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५५. धुरछक गीतमे दुलहासँ कोन संकेत होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जलपूर्ण घटमे द्रव्य अर्पित करबाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५६. धुरछक बाद परिछन डाला मे कोन-कोन उपचार सजाओल रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चानन, सिन्दुर, काजर, बेसन, राई, लवण आदि।

२५७. परिछन गीतमे दुलहाक चाल केर तुलना किनका संग अछि?

- (A) सिंहक निर्भय चाल संग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५८. दुलहाक हाथक शोभा कोन प्रतीकसँ तुलना पबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हरिक हाथक सुदर्शनसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५९. परिछन गीतक सांस्कृतिक काज की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दुलहा-स्वागत आ वैवाहिक मंगलकें गीतमय करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६०. खण्ड १०२२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परिछन आ धुरछक गीत विवाह-संस्कारक मंगल, प्रतीक आ स्वागत-परंपराकें जीवित रखैत अछि।

खण्ड १०२३ : विदेह-सदेह २ — समदाउनक करुणा

२६१. नवतुरिया पीढ़ीक बीच कोन गीतक पद आ भास लुप्तप्राय कहल गेल?

- (A) करुणा प्रधान उदासी ओ समदाउन गीत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६२. समदाउन गीतमे “बेटी के जनम जुनि देब” कहि किनका संबोधित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सूरज गोसइयाँ/विधाता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६३. एक समदाउनमे सीताक कोन भाव व्यक्त अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नहिरासँ बिछोहक करुण भाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६४. कहरिया गीतमे सीता मिथिला नगरियाकें कोना संबोधित करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सुभग पवित्र भूमि।

२६५. समदाउनमे माय-बाबू सम्बन्ध कोन बिम्बसँ व्यक्त अछि?

- (A) माएक नयनसँ गंगा नीर आ बाबूक कठोर हृदय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६६. सीताक बिछोह गीतमे के-के स्मृति बनि अबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बाबा, काकी, भाइ-भतीजा आ सखिया-सलेहर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६७. समदाउनक करुणा कोन सामाजिक अनुभवसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विदाई आ नहिरासँ बिछोह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६८. कहरिया भासक गीतमे प्राकृतिक स्मृति कोन रूपमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बेला, चमेली, चम्पा, मालती, वन आ गाछ।

२६९. समदाउन गीत लुप्त भेलासँ कोन भाव-संपदा कमजोर होएत?

- (A) विदाईक करुणा लोक-संवेदना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७०. खण्ड १०२३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समदाउन गीत मिथिलाक विदाई, नहिरा-स्मृति आ स्त्री-करुणाक महत्त्वपूर्ण लोक-साक्ष्य अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०२४ : विदेह-सदेह २ — लगनी, जँतसार आ श्रम-गीत

२७१. मिथिलाक व्यावहारिक लोकगीतमे कोन श्रमप्रधान गीत प्रसिद्ध कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लगनी आ जँतसार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७२. लगनी गीत कोन गृहस्थी उपकरण/कार्यसँ जुड़ल परंपरा रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जाँत चलबएबाक।

२७३. लगनी गीतमे कतेक स्त्रीक स्वरक परंपरा कहल गेल?

- (A) दू स्त्रीक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७४. लगनी गीतक भाव-स्वरूप कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भक्तिभाव, करुणा आ व्यवहार प्रधान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७५. लगनी गीत परस्पर सम्बन्धकें की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समृद्ध बनबैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७६. मशीनीकरणक युगमे जाँतक चलन कोना भऽ गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रायः बन्द।

२७७. दूर देहातमे लगनीक गीत एखनहुँ कतय सुरक्षित अछि?

- (A) लोककण्ठमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७८. लगनी गीतक उदाहरण कोन पदावलीसँ संकलित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साहेबदास पदावलीसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७९. लगनी-जाँतसार लुप्त होयब कोन परिवर्तनक संकेत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गृहस्थी श्रम-संस्कृतिक बदलि जाएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८०. खण्ड १०२४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लगनी आ जाँतसार मिथिलाक श्रम, भक्ति, करुणा आ स्त्री-सहयोगक लोकगीत परंपरा अछि।

खण्ड १०२५ : विदेह-सदेह २ — लगनी गीतक भाव-संरचना

२८१. लगनी गीतक भाव-संरचना कोन-कोन तत्त्वसँ बनल कहल गेल?

- (A) भक्तिभाव, करुणा आ व्यवहार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८२. लगनी गीत परस्पर सम्बन्धकें की करबाक साधन कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समृद्ध करबाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८३. लगनी गीतक गायनक परंपरा कोन श्रम-काजसँ जुड़ल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जाँत चलबैत दू स्त्रीक स्वर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८४. मशीनीकरणक कारण लगनी परंपरापर की असर पड़ल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जाँतक चलन प्रायः बन्द भऽ गेल।

२८५. दूर देहातमे लगनी गीत कोना बाँचल कहल गेल?

- (A) कतहु-कतहु लोककण्ठमे सुरक्षित।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८६. राधाकृष्ण भक्ति आधारित लगनी गीत कोन पदावलीसँ संकलित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साहेबदास पदावलीसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८७. लगनी-जाँतसार गृहस्थीक कोन अंग कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अभिन्न अंग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८८. लगनी गीत श्रम आ भाव दुनूकें कोना जोड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) घर-गृहस्थी श्रमकें भक्ति आ करुणा संग जोड़ैत अछि।

२८९. लगनी परंपराक क्षय कोन सांस्कृतिक चिन्ता जनबैत अछि?

- (A) गृहस्थी श्रमगीतक स्मृति लुप्त होयबाक चिन्ता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९०. खण्ड १०२५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लगनी गीत मिथिलाक श्रम, भक्ति, करुणा आ स्त्री-सहयोगक जीवित परंपरा रहल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०२६ : विदेह-सदेह २ — लगनी पदमे कृष्ण-विरह

२९१. पहिल लगनी पदमे “बसहु वृन्दावन” कहि किनका संबोधित भाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कृष्ण/कान्हाकेँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९२. “जौं तोहें जएबह हरि” पंक्तिमे कोन भाव व्यक्त अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हरि बिन एको घड़ी जीब कठिन।

२९३. गीतमे “मधुबन तेजि” नहि जाएबाक आग्रह किनका सँ अछि?

- (A) मोहन सँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९४. लगनी पदमे “हमर सपथ तोहि माधव” कोन भावक संकेत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनुनय आ विरहपूर्ण विनती।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९५. पहिल लगनी पदमे कंस प्रसंग किएक आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कृष्णक धर्म-संघर्ष आ अवतारी काजक संकेत लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९६. “साहेब आओत कृष्ण माधव” पंक्ति कोन आशा रखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कृष्णक पुनरागमनक आशा।

२९७. लगनीक एहि पदमे लोकगायन आ भक्ति कोना मिलैत अछि?

- (A) गृहस्थी श्रमक गीत कृष्ण-विरहक भाव लैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९८. कान्हा, माधव, मोहन नाम सभ एक गीतमे की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कृष्ण-भक्तिक विविध स्नेहिल संबोधन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९९. पहिल लगनी पदक मूल भाव की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कृष्ण-विरह आ लौटबाक प्रार्थना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३००. खण्ड १०२६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लगनीक पहिल पद गृहस्थी श्रमगीतकें कृष्ण-विरहक भक्ति-संवेदना संग जोड़ैत अछि।

खण्ड १०२७ : विदेह-सदेह २ — लगनी पदमे उधो आ मधुपुर

३०१. दोसर लगनी पदमे दुःख कहबाक कठिनाई कोना व्यक्त अछि?

- (A) वचन मुखमे नहि आबए।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०२. “धैरज धएलो नहि जाइछ” पंक्तिमे कोन अवस्था अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विरहक असह्य अधैर्य।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०३. गीतमे हरि कुबुजी अधीन भेल कहब की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गोकुल छोड़ल कृष्णपर लोक-विरहक शिकायत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०४. “कओन साहेब हरि आनब” पंक्तिमे कोन प्रश्न अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हरिकें फेर के आनत।

३०५. तेसर लगनी पदमे माधव कतय बसैत कहल गेल?

- (A) मधुपुरमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०६. वन-वन माधव मुरली टेरए पंक्तिमे कोन छवि अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मुरली बजबैत कृष्णक स्मृति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०७. “दुख सुख लिखियो बनाइए” पंक्तिमे कोन संचार-भाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विरहिणीक संदेश लिखबाक इच्छा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०८. “हरि बिन फाटय छाती” कोन अनुभूति प्रकट करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विरहक शारीरिक-मानसिक पीड़ा।

३०९. दोसर-तेसर लगनी पदक साझा भाव की अछि?

- (A) कृष्ण-विरह, शिकायत आ संदेशक आकुलता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१०. खण्ड १०२७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उद्यो आ मधुपुरक लगनी पद कृष्ण-विरहक असह्यता, संदेश-व्याकुलता आ गोकुल-स्मृति व्यक्त करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०२८ : विदेह-सदेह २ — मलार गीतक लुप्तप्राय परंपरा

३११. मिथिलामे कोन ऋतु/भावप्रधान गीत आ धुन लुप्तप्राय कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मलार गीत आ धुन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१२. मलार गीतक परंपरा मिथिलामे कोना रहल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समृद्ध।

३१३. वर्तमानमे मलारक कोन अंश लुप्तप्राय कहल गेल?

- (A) ओ गीत आ धुन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१४. मलार गीतक किछु पद कोन पदावलीसँ संकलित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साहेबदास पदावलीसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१५. मलार परंपराक चर्चा लगनीक बाद किएक अर्थपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दूनू लुप्तप्राय लोकसंगीत परंपराक अंश अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१६. मलार गीतक संरक्षण किएक आवश्यक बुझाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिलाक ऋतु-भाव आ राग-स्मृति बचएबाक लेल।

३१७. स्रोतमे मलारक स्थिति कोन विरोधाभास देखबैत अछि?

- (A) परंपरा समृद्ध छल, मुदा वर्तमानमे लुप्तप्राय अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१८. मलार गीतक पदावली-संकलन कोन काज करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लुप्तप्राय परंपराक दस्तावेजीकरण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१९. मलार गीतक “धुन”क उल्लेख किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोकगीत केवल शब्द नहि, गायन-स्वर परंपरा सेहो अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२०. खण्ड १०२८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मलार मिथिलाक समृद्ध किंतु लुप्तप्राय गीत-धुन परंपरा अछि, जकर संरक्षण जरूरी अछि।

खण्ड १०२९ : विदेह-सदेह २ — मलार पदमे निरमोहिया प्रियतम

३२१. पहिल मलार पदमे प्रियतमकेँ कोना संबोधित कएल गेल?

- (A) बड़ निरमोहिया।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२२. “आतुर वचन हमर नहि मानए” पंक्तिमे कोन भाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रेमिका/विरहिणीक उपेक्षित विनती।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२३. “परम विषम भेल रतिया” पंक्ति कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विरहमे राति कठिन भऽ जाएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२४. काँपत देह आ घाम घमि आवत पंक्तिमे कोन अवस्था अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रेम-विरहक देहगत व्याकुलता।

३२५. “बहत नीर दुहूँ आँखिया” पंक्तिमे की व्यक्त अछि?

- (A) दूनू आँखिसँ नोर बहब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२६. रमानन्द भामिनिकेँ की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) थिर रहूँ आ सुख बीच दुःख बताउ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२७. पहिल मलार पदक मूल भाव की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निरमोह प्रियतमक उपेक्षा आ विरहिणीक व्याकुलता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२८. एहि पदमे मलारक करुण पक्ष कोना व्यक्त अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राति, देह, नोर आ विनतीक बिम्बसँ।

३२९. प्रियतमकेँ “निरमोहिया” कहब कोन भाव खोलैत अछि?

- (A) प्रेममे उपेक्षा आ शिकायत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३०. खण्ड १०२९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पहिल मलार पद निरमोह प्रियतमक कारण उत्पन्न विरह, व्याकुलता आ करुण रुदन व्यक्त करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०३० : विदेह-सदेह २ — मलार पदमे पाती आ विरह

३३१. दोसर मलार पदमे उधोसँ मुख्य प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कओने विधि पाती लिखब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३२. पाती लिखबाक उपकरण रूपमे कोन बिम्ब आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंचल पत्र, नयन जल, काजर आ नख।

३३३. “नख लिखि नहि थिर छाती” पंक्तिमे कोन मनःस्थिति अछि?

- (A) विरहमे स्थिरता न रहब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३४. चन्द्र किरण पियाकेँ की करत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बध करत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३५. रेशम वसन, कनक तन भूषण आ पवन कोन रूपमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जिबघाती।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३६. रमानन्द विरहिणीकेँ श्यामक सम्बन्धमे की आश्वासन दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) श्याम आएताह।

३३७. पाती-विमर्श विरहिणीक कोन असमर्थता देखबैत अछि?

- (A) दुःख लिखि नहि सकबाक असमर्थता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३८. दोसर मलार पदमे प्रकृतिक बिम्ब कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चन्द्र किरण आ पवन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३९. “पाती” पदक भाव-संरचना की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संदेश लिखबाक इच्छा आ विरहक अस्थिरता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४०. खण्ड १०३०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मलारक पाती-पद विरहिणीक असमर्थ लेखन, अश्रु, प्रकृति-पीड़ा आ श्याम-आशाक गीत अछि।

खण्ड १०३१ : विदेह-सदेह २ — मलार पदमे चतुर घटबरबा

३४१. तेसर मलार पदमे उधोकेँ कोना संबोधित कएल गेल?

- (A) बड़ रे चतुर घटबरबा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४२. घटबरबा दूरसँ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बजओलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४३. नाव चढ़ाओलाक बाद घटबरबा की केलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मँझाधार लऽ गेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४४. नाव हिलओलनि पंक्तिमे नायिका पर की असर भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) डेरओलनि।

३४५. आँचर धएलनि आ झिकझोरलनि पंक्तिमे कोन नाटकीयता अछि?

- (A) चपल, छेड़छाड़पूर्ण मिलन-स्थितिक बिम्ब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४६. तेसर पदक कवि-संकेत कोन नामसँ अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सुकविदास।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४७. “जुग जुग जीबए घटबरबा” पंक्ति कोन भाव समाप्ति दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चपल प्रेमक मंगल-कामना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४८. नाव-मँझधारक बिम्ब प्रेमगीतमे की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिलन-खेल आ जोखिमक भाव बनबैत अछि।

३४९. तेसर मलार पद पहिल दू पदसँ कत्ते भिन्न अछि?

- (A) करुण विरहसँ अधिक चपल रति-लीलाक रूप लैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५०. खण्ड १०३१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चतुर घटबरबाक मलार पद प्रेम, चपलता, नाव-बिम्ब आ रति-लीलाक लोकगीत रूप प्रस्तुत करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०३२ : विदेह-सदेह २ — बटगमनी गीतक परंपरा

३५१. बटगमनी गीतक परंपरा कोन भावसँ परिपूर्ण कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रेम, श्रृंगार आ रति-भाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५२. बटगमनी गीत एखनहुँ कोन अवसर पर गाओल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मांगलिक अनुष्ठानक बाटमे।

३५३. स्त्री-समूह कोन-कोन स्थल/विधि लेल निकलैत काल बटगमनी गबैत छथि?

- (A) डिहबार, ब्रह्मस्थान, माटिमंगल, आम-महु बियाह आदि लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५४. बटगमनी गबैत काल कोन बाजाक साथ कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ढोल-पिपही बाजा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५५. नब पीढ़ीक मैथिल ललनाक बीच कोन अभाव कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उमंग, उत्साह आ प्रगल्भताक अभाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५६. बटगमनी गीत सभ लुप्तप्राय किएक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गीतक प्रति उदासीनताक कारणे।

३५७. बटगमनी परंपरा लोकजीवनमे कोन मार्ग-संस्कृति देखबैत अछि?

- (A) विधि लेल जात बाटकेँ गीतमय करबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५८. बटगमनीक स्त्री-केंद्रितता कोन बातसँ स्पष्ट अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्त्री गण लोकनिक समूह द्वारा गायन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५९. बटगमनीक क्षय केवल गीतक क्षय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नहि, अनुष्ठानिक स्त्री-उमंगक क्षय सेहो अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६०. खण्ड १०३२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बटगमनी मांगलिक यात्रा, स्त्री-समूह, श्रृंगार आ लोक-उत्साहक लुप्तप्राय गीत परंपरा अछि।

खण्ड १०३३ : विदेह-सदेह २ — बटगमनीमे श्रृंगार आ नायिका-उक्ति

३६१. पहिल बटगमनी पदमे श्रृंगारक कथन केकर उक्तिमे अछि?

- (A) नायिकाक उक्तिमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६२. बटगमनीमे स्नेहन, चुम्बन, आलिंगन, राग आ अनुराग कोन भाव बनबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संभोग-श्रृंगारक भाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६३. “काँच कली पहु तोड़थि” पंक्तिमे कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) श्रृंगारिक नायिका-बिम्ब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६४. “लए कोरा बैसाए” पंक्ति कोन निकटता देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रेमी-प्रेमिकाक शारीरिक सान्निध्य।

३६५. “अधर सुधा सम पीबथि” पंक्तिमे कोन रसबोध अछि?

- (A) अधर-स्पर्शक मधुरता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६६. “यौवन देखि लोभाय” पंक्ति की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) यौवनाकर्षण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६७. “भुजपाश बान्हि” पंक्तिमे कोन क्रिया अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आलिंगन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६८. “पहु भेल कठिन कठोर” पंक्तिमे नायिकाक स्वर कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अनुभवक तीव्रता व्यक्त करैत।

३६९. “नहि नहि जौं हम भाखब” पंक्तिमे कोन संकेत अछि?

- (A) अनकहल अंतरंग अनुभव।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७०. खण्ड १०३३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बटगमनीक नायिका-उक्ति श्रृंगार, आलिंगन, यौवनाकर्षण आ संकेतात्मक रति-अनुभव व्यक्त करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०३४ : विदेह-सदेह २ — बटगमनीमे परदेशी पतिक मिलन-उत्कंठा

३७१. दोसर बटगमनी पदमे पति कतयसँ आएल छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) परदेशसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७२. “कतेक दिवस पर प्रीतम आएल” पंक्ति कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दीर्घ विरह बाद मिलनक हर्ष।

३७३. “मन दए नेह लगाएब” पंक्तिमे नायिकाक कोन इच्छा अछि?

- (A) स्नेहपूर्वक मिलन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७४. “रचि रचि अंक लगाएब” पंक्तिमे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आलिंगनक उत्कंठा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७५. नायिका पतिकेँ कोना कहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चतुर सयान।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७६. ई दिन काटि लेलापर नायिका की करबाक कहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बर गान करबाक।

३७७. नायिका प्रियतमकेँ की सुनएबाक चाहैत अछि?

- (A) गीत/गान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७८. “पहु करता बड़ मान” पंक्ति कोन आशा देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रियतम द्वारा आदर/मान भेटबाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७९. बटगमनीक एहि पदमे श्रृंगार ककर संग जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विरह बाद पुनर्मिलनक उत्साह संग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८०. खण्ड १०३४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बटगमनीमे परदेशी पतिक आगमन स्त्रीक सजग प्रेम, मिलन-तैयारी आ गीतमय हर्षक रूपमे व्यक्त अछि।

खण्ड १०३५ : विदेह-सदेह २ — लुप्तप्राय लोकगीतक समेकित अर्थ

३८१. लगनी, मलार आ बटगमनी तीनू परंपरा कोन संकटसँ जुड़ल अछि?

- (A) लुप्तप्राय होयबाक संकट।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८२. लगनी गीत गृहस्थी श्रमसँ जुड़ैत अछि, मलार मुख्यतः कोन भावसँ?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ऋतु, विरह आ रागात्मक भावसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८३. बटगमनीक सामुदायिक स्थान कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मांगलिक अनुष्ठानक बाट।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८४. एहि गीत सभक लुप्तता कोन व्यापक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लोकस्मृति आ सांस्कृतिक व्यवहारक संरक्षण।

३८५. साहेबदास पदावलीक उल्लेख कोन परंपराकेँ स्रोत देत अछि?

- (A) लगनी आ मलारक संकलित पदकेँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८६. लोककण्ठमे सुरक्षित रहबाक अर्थ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) परंपरा लिखित मात्र नहि, जीवित गायनमे रहल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८७. मशीनीकरण कोन गीतक व्यवहारिक आधारकेँ कमजोर करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लगनी-जँतसार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८८. नव पीढ़ीक उदासीनता कोन गीतक लुप्ततासँ विशेष जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बटगमनी।

३८९. समेकित दृष्टिसँ ई खण्ड सभ की मांग करैत अछि?

- (A) लोकगीतक संग्रह, गायन आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९०. खण्ड १०३५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लगनी, मलार आ बटगमनी मिथिलाक श्रम, विरह, राग, श्रृंगार आ मांगलिक जीवनक लुप्तप्राय लोकधरोहर अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०३६ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रपर विशेषक आरम्भ

३९१. लुप्तप्राय गीत-विमर्शक बाद कोन विशेष खण्ड आरम्भ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जयकान्त मिश्रपर विशेष।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९२. जयकान्त मिश्र विशेषमे प्रथम नाम कोन लेखकक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) डॉ. गंगेश गुंजन।

३९३. जयकान्त मिश्र विशेषमे दोसर नाम किनकर अछि?

- (A) विद्या मिश्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९४. डॉ. गंगेश गुंजन जयकान्त मिश्रक निधनकेँ कोन तरहक अवसर कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ऐतिहासिक शोकक अवसर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९५. गंगेश गुंजन जयकान्त बाबूक रूपक कोन देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) महान पोथी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९६. “पोथी, अध्याय नहि, पोथी” कथन जयकान्त मिश्रक कोन मान्यता देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समग्रता आ विराट ज्ञान-व्यक्तित्व।

३९७. विशेष खण्डक स्वर कोना आरम्भ होइत अछि?

- (A) श्रद्धांजलि आ आलोचनात्मक स्मरणक स्वरमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९८. जयकान्त मिश्रपर विशेषमे व्यक्तिगत आ साहित्यिक स्मृति कोना मिलैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गंगेश गुंजनक मूल्यांकन आ विद्या मिश्रक पारिवारिक स्मरण द्वारा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९९. जयकान्त मिश्र विशेषक आरम्भिक भाव की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) महान क्षति आ असाधारण विद्वत्ताक स्वीकार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४००. खण्ड १०३६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जयकान्त मिश्रपर विशेष श्रद्धांजलि, विद्वत-मूल्यांकन आ पारिवारिक स्मरणक संयुक्त खण्ड रूपमे खुलैत अछि।

खण्ड १०३७ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त बाबूक मौलिकता

४०१. गंगेश गुंजन जयकान्त बाबूक मौलिकताकें कोन दू बुद्धिक समन्वय कहैत छथि?

- (A) मैथिलीक लौकिक आ शास्त्रीय बुद्धिक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०२. जयकान्त बाबूक दृष्टि कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) व्यवहारक अति दूरगामी दृष्टांत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०३. उर्दूक गालिब फिराक गोरखपुरीक उद्धरण किएक देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अगिला पीढ़ीक ईर्ष्या-योग्य सान्निध्यक भाव व्यक्त करबाक लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०४. हमरा लोकनिक पीढ़ी कोन सौभाग्यपर कृतार्थ बनत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जयकान्त बाबूक स्नेह-शिक्षा पर।

४०५. “संस्था सेहो मरि जाइत छैक” कथनक संग की अमर रहैत कहल गेल?

- (A) किताब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०६. गंगेश गुंजनक अनुसार जयकान्त बाबूक काज संस्थासँ ऊपर किएक देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) किताबक स्थायी जीवनक कारणे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०७. लौकिक आ शास्त्रीय बुद्धिक समन्वय जयकान्त मिश्रक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) परंपरा आ व्यवहार दुनूक गहिरी समझ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०८. “दूरगामी दृष्टांत” शब्द हुनकर कृतित्वक कोन असर देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दीर्घकालिक प्रभाव।

४०९. गंगेश गुंजनक श्रद्धांजलिमे आलोचना आ भक्ति कोना संतुलित अछि?

- (A) मूल्यांकन विद्वत्ताक आधारपर, स्वर श्रद्धापूर्ण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१०. खण्ड १०३७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गंगेश गुंजन जयकान्त मिश्रकेँ लौकिक-शास्त्रीय बुद्धि समन्वय, स्थायी पुस्तक-स्मृति आ पीढ़ीगत सौभाग्यक व्यक्तित्व मानैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०३८ : विदेह-सदेह २ — “मैथिलीक आधुनिक वेद” कथन

४११. गंगेश गुंजन अंतःकरणसँ जयकान्त बाबूकेँ की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिलीक आधुनिक वेद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१२. “कतोक गोटेकेँ संभव जे नहियो रुचन्हि” कथन की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लेखक अपन कथनक साहस जानैत छथि।

४१३. “आधुनिक वेद” रूपक जयकान्त बाबूक कोन गरिमा बनबैत अछि?

- (A) ज्ञान-स्रोत आ प्रमाण-व्यक्तित्वक गरिमा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१४. ई कथन शोकमात्र अछि कि मूल्यांकन सेहो?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मूल्यांकन सेहो।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१५. जयकान्त बाबूक निधनकेँ “महान क्षति” कहबाक आधार की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हुनकर मौलिकता आ व्यापक ज्ञान-व्यक्तित्व।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१६. “आधुनिक वेद” कहबामे भाषा-साहित्यक कोन भाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली विद्वत्ता प्रति उच्चतम सम्मान।

४१७. लेखक अंतःकरणसँ कथन करब कोन नैतिकता देखबैत अछि?

- (A) सच्चा श्रद्धा आ आत्मविश्वास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१८. ई रूपक जयकान्त मिश्रक काजकेँ कोन स्तर पर रखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सांस्कृतिक-ज्ञानात्मक आधारस्तर पर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१९. “संस्था मरि जाइत, किताब जीवित” संग “आधुनिक वेद” कथन केना जुड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्थायी ग्रंथीयता आ ज्ञान-स्मृति द्वारा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२०. खण्ड १०३८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “मैथिलीक आधुनिक वेद” कथन जयकान्त मिश्रक ज्ञान-गरिमा, स्थायी कृतित्व आ भाषिक-सांस्कृतिक महत्त्वक चरम सम्मान अछि।

खण्ड १०३९ : विदेह-सदेह २ — विद्या मिश्रक बाल-स्मरण

४२१. विद्या मिश्रक लेख शीर्षकमे जयकान्त मिश्रक स्मरण कोन संबोधनसँ अछि?

- (A) भाइजी काका।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२२. विद्या मिश्र बाल्यावस्थामे घरमे किनकर चर्चा सुनैत रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) डॉ. जयकान्त मिश्रक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२३. नेनपनमे विद्या मिश्र केकर विकास आ उन्नतिक प्रति जयकान्त मिश्रक समर्पणसँ प्रभावित रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिल आर मिथिलाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२४. विद्या मिश्रक लेल जयकान्त मिश्र कोन रूपमे रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आदर्श।

४२५. विद्या मिश्र सदैव की करबाक लेल लालायित रहथि?

- (A) हुनकासँ भेंट करबाक आ देखबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२६. बाल-स्मरणमे जयकान्त मिश्रक छवि कोन माध्यमे बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) घरक चर्चा आ विद्वत-प्रभावक माध्यमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२७. विद्या मिश्रक स्मरण सार्वजनिक इतिहास अछि कि निजी अनुभव?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निजी अनुभवसँ सार्वजनिक विद्वत्ता दिस खुलैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२८. जयकान्त मिश्र पारिवारिक सम्बन्धमे हुनकर सभसँ पैघ मामाजीक की रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साढ़ू।

४२९. विद्या मिश्रक बाल-स्मरण जयकान्त मिश्रक कोन पक्ष उजागर करैत अछि?

- (A) विद्वत्ता संग आदर्शात्मक पारिवारिक प्रतिष्ठा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३०. खण्ड १०३९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विद्या मिश्रक स्मरण जयकान्त मिश्रक बालमनक आदर्श, पारिवारिक प्रतिष्ठा आ मिथिला-मैथिली समर्पणक प्रतीक बनबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०४० : विदेह-सदेह २ — विवाह-सम्बन्ध आ विद्वानक परिवार

४३१. विद्या मिश्र अपन स्नातकक कोन वर्षमे छलिह जखन विवाह-संबंधक प्रसंग उठल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विज्ञानक द्वितीय वर्षमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३२. डॉ. जयकान्त मिश्रक सभसँ छोट बेटा कतय आएल रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) धनबाद।

४३३. विद्या मिश्रक बाबूजी तहिया कतय पदस्थापित रहथि?

- (A) धनबादमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३४. जयकान्त मिश्रक बेटा विद्या मिश्रक विवाह लेल केकर नाम प्रस्तावित करबाक बात कहलन्हि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हेमकान्त मिश्र।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३५. कतेक समयक भीतर विद्या मिश्र हेमक संग विवाहित भऽ गेलीह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एक मासक भीतर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३६. विवाहक समाचार सुनि विद्या मिश्र किएक प्रसन्न भेलीह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ विद्वान आ लेखकक परिवारसँ जुड़ए जा रहल छलीह।

४३७. विवाह बाद हुनकर जयकान्त मिश्र संग सम्बन्ध कोना परिवर्तित भेल?

- (A) ओ परिवारक पुतोहु बनलीह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३८. विद्या मिश्र विवाह प्रसंगकेँ कोन सांस्कृतिक अर्थ दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विद्वान लेखकक परिवारमे प्रवेशक सौभाग्य।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३९. हेमकान्त मिश्रक उल्लेख जयकान्त मिश्र-स्मरणमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जयकान्त मिश्रक परिवार संग लेखिकाक प्रत्यक्ष सम्बन्ध जोड़ैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४०. खण्ड १०४०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विद्या मिश्रक विवाह-प्रसंग जयकान्त मिश्रक विद्वान परिवारसँ निजी सम्बन्ध आ सम्मानक पुल बनबैत अछि।

खण्ड १०४१ : विदेह-सदेह २ — हरिवंश राय बच्चन आ विद्वत-परंपरा

४४१. विद्या मिश्र कोन प्रसिद्ध लेखकसँ पत्राचार माध्यमे नजदीक रहबाक बात कहैत छथि?

- (A) डॉ. हरिवंश राय बच्चन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४२. विद्या मिश्र बच्चनजीकेँ की सूचना देलन्हि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) इलाहाबादक डॉ. जयकान्त मिश्रक भातिजक संग विवाह होए जा रहल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४३. बच्चनजीक उत्तरमे विवाह कोन परिवारमे होयबाक खुशी छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विद्वानक परिवारमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४४. बच्चनजी जयकान्त मिश्रकेँ कोन शैक्षिक पदसँ जोड़ि स्मरैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) इलाहाबाद विश्वविद्यालयक अंग्रेजी विभागाध्यक्ष।

४४५. बच्चनजी जयकान्त मिश्रकेँ अपन कोन मानैत छथि?

- (A) गुरु।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४६. जयकान्त मिश्रक पिता डॉ. उमेश मिश्रकेँ बच्चनजी कोन मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अपन गुरु।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४७. बच्चनजी द्वारा परिवारक वर्णन विद्या मिश्रक लेल कोना रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आह्लादकारी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४८. एखनहुँ ओ वर्णन सोचैत विद्या मिश्र कोना अनुभव करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उत्फुल्लित।

४४९. हरिवंश राय बच्चन प्रसंग जयकान्त मिश्रक की प्रमाणित करैत अछि?

- (A) अंग्रेजी आ मैथिली दुनू जगतक विद्वत-प्रतिष्ठा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५०. खण्ड १०४१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हरिवंश राय बच्चनक स्मरण जयकान्त मिश्र आ हुनकर परिवारकें गहिरी विद्वत-परंपरा, गुरुता आ अकादमिक सम्मानसँ जोड़ैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०४२ : विदेह-सदेह २ — अमेरिका, इलाहाबाद आ पारिवारिक क्षति

४५१. विद्या मिश्रक परिवार कहिया संयुक्त राज्य अमेरिकामे बसि गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९९९ ई. मे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५२. अमेरिकामे बसलाक बादो हुनकर हृदय, आत्मा आ मस्तिष्क कतय रहैत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) इलाहाबादमे।

४५३. ओ त्रिवेणीपर भेल काज सभकेँ कोना अनुभव करैत छथि?

- (A) परिवारक प्रति आदर आ प्रेमक भाग रूपमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५४. जयकान्त मिश्रक कुन गुण सभ अनुकरणीय कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समर्पण, परम्परा, सरलता आ संस्कृतिक प्रति लगाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५५. परिवार हुनका कोन-कोन रूपमे क्षति रूपेँ अनुभव करत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) परिवारक मुखिया, गुरु आ भाइजी काका।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५६. विद्या मिश्रक अनुसार ई क्षति केकर लेल पैघ अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परिवार आ समाजक लेल।

४५७. अमेरिका-इलाहाबाद प्रसंग कोन सांस्कृतिक बोध दैत अछि?

- (A) प्रवासमे रहितो मूल स्मृति आ परिवार-संस्कार जोगाएब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५८. जयकान्त मिश्रक सरलता आ संस्कृति-लगाव स्मरणमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ विद्वत्ता संग मानवीय संस्कार जोड़ैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५९. विद्या मिश्रक लेखमे “भाइजी काका” संबोधन कोन नजदीकी देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आदरपूर्ण पारिवारिक आत्मीयता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६०. खण्ड १०४२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रवासक बावजूद विद्या मिश्रक स्मरण जयकान्त मिश्रकेँ इलाहाबाद, त्रिवेणी, परिवार, गुरुता आ संस्कृति-संस्कारक केन्द्र रूपमे राखैत अछि।

खण्ड १०४३ : विदेह-सदेह २ — होलीक संदेश: कथा आ नैतिकता

४६१. “होलीक संदेश” लेख किनकर नामसँ आरम्भ अछि?

- (A) डा. चन्देश्वर शाह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६२. होलीक रंग-अबीर खेलबासँ पहिने की आवश्यक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सम्मत जराएब/होलीका दहन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६३. होलीका कथामे प्रह्लाद कोन भक्त रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विष्णु भक्त।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६४. हिरण्यकश्यप प्रह्लादकेँ मारबाक लेल किनका आगिमे प्रवेश करए आज्ञा देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) होलिकाकेँ।

४६५. भगवानक कृपासँ आगिमे के सुरक्षित रहल?

- (A) प्रह्लाद।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६६. होलीका कथासँ पहिल संदेश की लेल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अन्याय-अत्याचार करनिहारक अंत होइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६७. हिरण्यकश्यपक अहंकारक मूल कारण की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) धन-बल आ सुख-भोगक मद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६८. ईश्वरीय शक्ति वा आशीर्वादक उपयोग केना करबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जनकल्याणमे।

४६९. होलीक कथाक नैतिक केन्द्र की अछि?

- (A) भक्ति, अहंकार-विनाश आ शक्ति केर सदुपयोग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७०. खण्ड १०४३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) होलीक संदेश प्रह्लाद-होलिका कथासँ अन्याय-विरोध, अहंकार-विनाश आ जनकल्याणक नैतिक शिक्षा दैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०४४ : विदेह-सदेह २ — होलीक व्यवहारिक सावधानी

४७१. सम्मत जरएबाक लेल टोलक सक्रिय लोक कतेक बेर की करैत छथि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कतहुँ-कतहुँसँ लकड़ी-काठी चुप्पे अनैत छथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७२. होली दिन नीक भोजनक नामपर की करबापर चेतावनी देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ऋण करब।

४७३. मस्ती नामपर कोन वस्तु सभक अधिक प्रयोगक चेतावनी अछि?

- (A) भाँग, धथुर, दारू-ताड़ी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७४. रंग-अबीर खेलबाक नामपर कोन हानिकारक वस्तुक उदाहरण देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अलकतरा आ इनामेल सन रंग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७५. बीमार व्यक्तिकेँ बलपूर्वक रंग लगएबाक परिणाम की भऽ सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ओकर रोग बढ़ि सकैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७६. लेखकक अनुसार कोनो काज करैत समय केकर हित ध्यानमे रहबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन आ समाजक हित।

४७७. विद्यापतिक गीतमे पार्वती शिवसँ की आग्रह करैत छथि?

- (A) नटवेश धरिकऽ नाच देखेबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७८. शिव नाचलासँ कोन आशंका कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गंगाधर बहि धरती जलमग्न भऽ जाएत आ सर्प सभ अनर्थ करैत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७९. विद्यापतिक गीतक अंतिम अर्थ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बुद्धिमानीपूर्वक गौराक मान राखि नाच देखाओल गेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८०. खण्ड १०४४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) होलीक व्यवहारिक संदेश उत्सवमे संयम, अहिंसा, सामाजिक जिम्मेदारी आ बुद्धिमानीपूर्वक आनंदक आग्रह करैत अछि।

खण्ड १०४५ : विदेह-सदेह २ — विद्या मिश्र: यू.एस. मे मैथिलक होली

४८१. “मैथिल रंग बरसे” लेख केकर होली-अनुभव प्रस्तुत करैत अछि?

- (A) यू.एस. मे मैथिलक होली।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८२. विद्या मिश्रक वर्णनमे एहि बेरक होली कतय मनाओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हुनकर घरमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८३. होली-समारोहमे मोटामोटी कतेक परिवार छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पचीस-तीस परिवार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८४. समारोहमे उपस्थित परिवार सभ कोन समुदायसँ सम्बन्धित छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सभ मैथिल रहथि।

४८५. प्रतीक झा केकर नाति आ पुत्र कहल गेलाह?

- (A) प्रो. हरिमोहन झाक नाति आ डॉ. रमा झाक पुत्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८६. विद्या मिश्रक प्रयासक मुख्य उद्देश्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पाबनि-तिहार पारम्परिक रूपमे मनाएब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८७. पारम्परिक होली मनएबाक उद्देश्य अगिला पीढ़ीक बच्चा लेल की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अनुकरण, अनुभव आ अर्थ-बोध।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८८. यू.एस. मे मैथिलक होलीक सामाजिक अर्थ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रवासमे सांस्कृतिक निरंतरता बनाएब।

४८९. एहि खण्डमे होली केवल रंगक खेल रहि जाइत अछि?

- (A) नहि, ई सामुदायिक-सांस्कृतिक आयोजन बनैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९०. खण्ड १०४५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विद्या मिश्रक लेख प्रवासी मैथिल परिवारक सामूहिक आ परम्परागत होलीक चित्र दैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०४६ : विदेह-सदेह २ — प्रवासी होलीमे बाल-संस्कार

४९१. पछिला साल बच्चा सभ कोन नाटकक मंचन कएने रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिरण्यकश्यप/होलिकाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९२. बच्चा सभकेँ कोन बातक पूर्ण ज्ञान कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) होली पाबनि कोना आ किएक मनाओल जाइत अछि।

४९३. रंग लगएब आ गरा मिलबाक ज्ञान बच्चा सभकेँ कोन रूपमे देल गेल?

- (A) परम्परागत अर्थ सहित।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९४. होली-संस्कारमे खानपान आ गीतक स्थान की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) परम्पराक अभिन्न भाग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९५. प्रवासी बच्चा सभ लेल नाटकक प्रयोग किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पर्वक कथा आ मूल्य खेल-रूपमे बुझएबाक लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९६. विद्या मिश्रक विवरणमे बाल-पीढ़ी कोना देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परम्परा ग्रहण करबाक सक्रिय पीढ़ी रूपमे।

४९७. प्रवासी संदर्भमे होलीक कथा-स्मरण कोन कमी पूरा करैत अछि?

- (A) देशसँ दूर सांस्कृतिक दूरी घटबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९८. बाल-संस्कारक केन्द्रमे केवल मनोरंजन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, ज्ञान आ अनुभव सेहो अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९९. हिरण्यकश्यप/होलिका नाटक बाल-शिक्षामे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) होलीक नैतिक-कथात्मक आधार समझबैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५००. खण्ड १०४६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रवासी होली बाल-पीढ़ीकेँ कथा, गीत, खानपान आ संस्कारसँ जोड़बाक माध्यम बनैत अछि।

खण्ड १०४७ : विदेह-सदेह २ — प्रवासी मैथिलक सहभागिता आ प्रतियोगिता

५०१. यू.एस. होलीमे मैथिल लोकनि कोन-कोन ठामसँ अएलाह?

- (A) न्यू-जर्सी, विर्जिनिया, वाशिंगटन डी.सी. आ मेरीलेण्डसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०२. लेखिका कतेक स्टेड्सक मैथिल उपस्थित रहबाक संकेत करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चारि-पाँच स्टेड्स।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०३. समारोहमे सभसँ नीक उत्तरक अतिरिक्त कोन प्रतियोगिता रहए?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सर्वोत्तम ड्रेस-समन्वय आ पार्सल देबाक प्रतियोगिता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०४. प्रतियोगिता सभमे प्रश्न कोन विषयसँ सम्बन्धित छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला संस्कृतिसँ।

५०५. सर्वोत्तम उत्तर चुनबाक प्रक्रिया कोना भेल?

- (A) सभटा उत्तर पढ़ि वोट देल गेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०६. समारोहक प्रति सहभागी लोकक भाव की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बहु उत्साह आ उत्सुकता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०७. बसंतक छुट्टीक कारण के सभ सहभागी भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्कूल-कॉलेजक बच्चा सभ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०८. बच्चा सभक प्रतिक्रिया कोना वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) एतेक नीक लगल जे अगिला बरिख सेहो सम्मिलित होएबाक सोचलन्हि।

५०९. प्रवासी प्रतियोगिता सभक सांस्कृतिक उपयोग की अछि?

- (A) मिथिला-संस्कृतिक खेल-प्रश्न आ सहभागितासँ जीवित राखब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१०. खण्ड १०४७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रवासी मैथिल होली बहु-राज्य सहभागिता, सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी आ बाल-उत्साहक आयोजन बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०४८ : विदेह-सदेह २ — डॉ. गंगेश गुंजन: बजार आ कविता

५११. डॉ. गंगेश गुंजनक आलेख कोन कविता-संग्रहपर केन्द्रित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विनीत उत्पलक कविता-संग्रहपर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१२. गंगेश गुंजनक अनुसार विश्व बजारी समाजमे भाषा-साहित्यपर की असर पड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बजारे जकाँ मंदी पसरल अछि।

५१३. लेखक अनुसार साहित्यमे कोन विधा आओर बेसी अनठिआएल अछि?

- (A) कविता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१४. कविता केवल कोन वस्तु नहि बनि सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भव्य ड्राइंग रूमक इम्पोर्टेड दामी वस्तुक नमूना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१५. भाषाक वर्तमान बाजारू जीवन लेखक कोन आधारपर देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भाषिक उपयोगिता आ क्रय-विक्रय-मूल्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१६. कवि सभकेँ कोन भेद नैतिक बुद्धियँ बुझबाक प्रयोजन कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बजार आ कविताक भाषाक भेद।

५१७. बजारक दबावमे कविता कोन खतरा झेलैत अछि?

- (A) नव पैकेटक नव उत्पाद बनि जाएबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१८. गंगेश गुंजनक चर्चा कोन कारणेँ आरम्भ भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उत्पल जीक कविता-पाण्डुलिपिक लाथें।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१९. एहि आलोचनाक मूल चिन्ता की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कविता, भाषा आ बजारक द्वन्द्व।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२०. खण्ड १०४८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गंगेश गुंजन कविता केँ बाजारू प्रदर्शनसँ बचाकऽ भाषिक-सांस्कृतिक जीवनसँ जोड़बाक आग्रह करैत छथि।

खण्ड १०४९ : विदेह-सदेह २ — कविता, भाषा आ कविक दायित्व

५२१. लेखक अनुसार कविता कोन सवारीपर लोक धरि यात्रा करैत अछि?

- (A) भाषाक सवारीपर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२२. कविता-यात्रामे जेहन सवारी, जेहन सवार ताहि अनुसार की ठहरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तेहन यात्रा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२३. कवितामे गन्तव्य, काव्यबोध आ जीवन-दर्शनक संग कोन कर्म-कुशलता जोड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ड्राइभरी-पायलटी वा बहलमानी-कोचमानी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२४. कवि अपन साधनाक प्रक्रियासँ की विकसित करैत जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कविताक अन्यान्य तत्व।

५२५. भाषाक सवारी रूपक कविता लेल की स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषा कविताक लोक-यात्राक माध्यम अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२६. कविक कर्मकुशलता रूपकमे की संकेतित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) शिल्प, दिशा आ नियंत्रण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२७. गंगेश गुंजनक अनुसार कविताक समझ केवल कथ्य धरि सीमित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नहि, भाषा, गन्तव्य, युग आ दर्शन धरि फैलल अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२८. कविता-भाषा सम्बन्ध पर लेखकक दृष्टि कोन प्रकारक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गंभीर आ नैतिक।

५२९. कविताक सवारी कमजोर भेलासँ की समस्या उत्पन्न होएत?

- (A) यात्रा आ गन्तव्य दुनू प्रभावित होएत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३०. खण्ड १०४९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कविता भाषाक सवारीपर लोक धरि पहुँचैत अछि, तँ कविक भाषा-बोध आ शिल्प-दायित्व अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०५० : विदेह-सदेह २ — प्रकाशन, कविता आ मैथिल लेखकक यथार्थ

५३१. गंगेश गुंजन व्यापक भाषाक कवि सभक कोन प्रवृत्ति उल्लेख करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अपन कविता-पोथी अपने छपाबैत छथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३२. ब्रांड प्रकाशकसँ छपएबाक लेल लेखक सभ की करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) धन दैत छथि वा सरकारी पुस्तकालयमे खपबाक वचन दैत छथि।

५३३. मैथिलीमे लेखक-कविकें सामान्यतः की करए पड़ैत छैक?

- (A) अपन साहित्य अपने छपबावए पड़ैत छैक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३४. लेखक महाकवि यात्रीजीक प्रसंग किएक याद करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पोथी-प्रसार आ विक्रयसँ मैथिल लेखकक उद्यम देखएबाक लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३५. “प्रकाशक कतए?” प्रश्न कोन यथार्थ देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली प्रकाशन-संरचनाक अभाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३६. साहित्य कवि-साहित्यकारक संसारमे जीवित, अन्यथा की अनुभव कएल जा रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मृत नहि तँ अनुपस्थित।

५३७. एहि खण्डमे प्रकाशन-संकट मात्र आर्थिक अछि?

- (A) नहि, साहित्यक प्रसार आ पाठक पहुँचसँ सेहो जुड़ल अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३८. लेखक आलोचना मैथिली साहित्यक कोन कठिनाई सामने अनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक-निर्भर प्रकाशन व्यवस्था।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३९. पुस्तकालयमे थोक खपएबाक प्रसंग की सूचित करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रकाशनक बाजारू व्यवस्था।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४०. खण्ड १०५०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गंगेश गुंजन प्रकाशन-संकट द्वारा कविता, पाठक आ मैथिल लेखकक युग-यथार्थ उजागर करैत छथि।

खण्ड १०५१ : विदेह-सदेह २ — विनीत उत्पल: पाण्डुलिपि आ कवि-दुस्साहस

५४१. एक मैथिल युवक दिल्लीमे लेखककें की देलनि?

- (A) मैथिली कविताक पाण्डुलिपि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४२. युवक लेखकसँ कोन आग्रह कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भूमिका लिखि देबाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४३. प्रथम दृष्टया लेखककें युवक कोना बुझएलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दुस्साहसी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४४. लेखकक अनुसार साहस नहि रहत तँ कोन बाट धए सकब कठिन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कविताक बाट।

५४५. भूमिका-लेखनक काज एहि युगमे की कऽ लेलक कहल गेल?

- (A) अपन धर्मान्तरण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४६. मैथिली कविताक भविष्य सामने उपस्थित भेलापर लेखकक प्रतिक्रिया की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्वागत करब आवश्यक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४७. पाण्डुलिपि पढ़लाक बाद लेखककेँ की अनुभव भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कवि-प्रतिभा प्रिय आ आश्चर्यकारक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४८. विनीत उत्पलक प्रति लेखकक भाव कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) स्वागत, स्नेह आ शुभांशा।

५४९. एहि प्रसंगमे “दुस्साहस” नकारात्मक अछि?

- (A) नहि, सृजनात्मक साहसक संकेत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५०. खण्ड १०५१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विनीत उत्पलक पाण्डुलिपि लेखक लेल नव मैथिली कविताक आश्चर्यकारक भविष्यक संकेत बनेत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०५२ : विदेह-सदेह २ — कविक प्रस्तावना आ समकालीनता

५५१. विनीत उत्पलक कविक प्रस्तावना की करबामे सहायक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिनक कविताक संसार बुझबामे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५२. प्रस्तावना कोना लिखल गेल कहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) स्पष्ट बुद्धि आ पूर्ण मनोयोगसँ।

५५३. प्रस्तावना हिनकर रचनाक की उद्घोष जकाँ अछि?

- (A) बुनियादी वर्तमान आ सरोकारक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५४. लेखकक अनुसार नवीन पीढ़ीक रचनाकारक सम्मुख सभसँ प्रखर चुनौती प्रायः की रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अपन वर्तमान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५५. अतीत आ भविष्य रचनाकारक सामने कोन स्थिति मे रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अढ़मे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५६. समाजक भविष्य निर्माणमे रचनाकारक भूमिका कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परोक्ष मुदा प्रमुख।

५५७. कविक दायित्व कोन अनुभवकें विकसित करब अछि?

- (A) समकालीनताक ज्ञान आ अनुभवकें विवेकसम्मत संवेदना रूपमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५८. कवि जीवनक दुःख-द्वन्द्व आ यथार्थकें कोना पकड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सघनता आ व्यापकता सँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५९. रचनामे दूरगामी प्राणवत्ताक कलात्मक शिल्प देब कोन बातक चिह्न अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कविक प्रतिभा-सामर्थ्यक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६०. खण्ड १०५२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कवि अपन वर्तमान, युग-यथार्थ आ सामाजिक भविष्यकें विवेकसम्मत संवेदना मे रूपान्तरित करबाक दायित्व राखैत अछि।

खण्ड १०५३ : विदेह-सदेह २ — कविताक जिजीविषा आ विनीतक काव्य-संसार

५६१. लेखक अनुसार मनुक्खक जिजीविषा आ कविताक जिजीविषामे की भेद अछि?

- (A) तात्त्विक किछु भेद नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६२. कवि अन्ततः की होइत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मनुक्खे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६३. विनीतजीक कविता कतेक अर्थ-छायासँ वेष्टित अनुभव भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तीन अर्थ-छायासँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६४. तीन अर्थ-छाया मे कोन-कोन तत्व आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कथनक कोटि, पकड़ आ प्रयोगक विधि।

५६५. विनीत उत्पलकें लेखक कोन प्रकारक कवि कहैत छथि?

- (A) टटका, ऊर्जावान-संवेदनशील कवि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६६. लेखक विनीतक भविष्य लेल की विश्वास व्यक्त करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पथ प्रशस्त हेतनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६७. लेखक अन्तमे कोन आशा व्यक्त करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कालजयी कविताक आशा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६८. कविताक जिजीविषा विचार कविताकें कोना देखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवन-संघर्षक सहयात्री रूपमे।

५६९. विनीतक कविताक मूल्यांकनमे लेखकक स्वर की अछि?

- (A) समालोचनात्मक आ उत्साहवर्धक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७०. खण्ड १०५३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गंगेश गुंजन विनीत उत्पलक कवितामे कथन, पकड़ आ विधिक आधार पर ऊर्जावान भविष्यक संकेत देखैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०५४ : विदेह-सदेह २ — रामभरोस कापडि “भ्रमर”: परिचय

५७१. रामभरोस कापडि “भ्रमर” कोन संस्थाक अध्यक्ष कहल गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साझा प्रकाशन, ललितपुर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७२. रामभरोस कापडि “भ्रमर”क जन्मस्थान की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बघचौरा, जिला धनुषा।

५७३. “बन्नकोठरी: औनाइत धुँआ” कोन विधाक कृति अछि?

- (A) कविता संग्रह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७४. “नहि, आब नहि” कोन प्रकारक कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दीर्घ कविता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७५. “तोरा संगे जएबौ रे कुजबा” कोन विधाक संग्रह अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कथा संग्रह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७६. “मोमक पघलैत अधर” कोन विधासँ सम्बन्धित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गीत, गजल संग्रह।

५७७. “रानी चन्द्रावती” कोन विधाक कृति अछि?

- (A) नाटक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७८. “लोक नाट्य: जट-जटिन” कोन प्रकृतिक कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनुसन्धान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७९. रामभरोस काण्डिक कृतिसूची हुनकर कोन रचनात्मक विस्तार देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कविता, कथा, नाटक, गीत, सांस्कृतिक निबन्ध आ अनुसन्धान।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८०. खण्ड १०५४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रामभरोस काण्डि “भ्रमर” नेपालक मैथिली रचना, संस्कृति आ संस्थागत साहित्यिक क्षेत्रक बहुविध व्यक्तित्व छथि।

खण्ड १०५५ : विदेह-सदेह २ — नेपालक पत्रकारिता आ भाषिक असमानता

५८१. नेपालमे पत्रकारिताक विधिवत शुरूआत कोन पत्रक प्रकाशनसँ मानल गेल?

- (A) गोरखापत्र समाचारपत्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८२. गोरखापत्रक प्रकाशन कोन संवत् मे प्रारम्भ भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) वि.स. १९५८।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८३. लेखकक अनुसार गोरखापत्र मुख्यतः केकर पृष्ठपोषण करैत आएल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नेपाली भाषा आ नेपाली भाषी सभक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८४. नेपाली पत्रकारिताक इतिहासमे की नुकाएल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समस्त नेपालक पत्रकारिताक व्यथा-कथा।

५८५. राजनीतिकर्मी लोकनि कोन अवधिक शोषणक बात करैत छथि?

- (A) गोरखासँ शाह वंशीय राजघराना धरिक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८६. लेखकक अनुसार गणतंत्र नेपालमे अवस्था की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उपर असमानता आ उपेक्षाक स्थिति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८७. असमानता कोन-कोन क्षेत्रमे कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा संचार-साहित्यिक क्षेत्रमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८८. एहि आलोचनाक केन्द्र की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नेपालक संचार-इतिहासमे भाषिक आ क्षेत्रीय उपेक्षा।

५८९. लेखक पत्रकारिताक इतिहासकें केवल संस्थागत उपलब्धि मानैत छथि?

- (A) नहि, ओहि इतिहासमे उपेक्षित समुदाय केर व्यथा देखैत छथि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९०. खण्ड १०५५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रामभरोस कापडि नेपालक पत्रकारिता-इतिहासमे नेपाली-केंद्रितता आ मधेशी/अन्य भाषिक उपेक्षाक प्रश्न उठबैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०५६ : विदेह-सदेह २ — समावेशी संचारक अपेक्षा

५९१. लेखकक आलेखक शीर्षकमे संचारक संग कोन क्षेत्र जोड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्य क्षेत्र।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९२. शीर्षकमे “समावेशी स्वरूप” कोन माँगक संकेत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सब भाषिक-सांस्कृतिक समुदायक प्रतिनिधित्व।

५९३. नेपालक बहुभाषिक समाजमे संचारक मुख्य दायित्व की होयबाक चाही?

- (A) सब समुदायक आवाजकेँ स्थान देब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९४. साहित्य क्षेत्रमे समावेशी अपेक्षा किएक जरूरी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भाषिक अस्मिता आ सांस्कृतिक न्याय लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९५. गोरखापत्रक उदाहरण समावेशी संचारक अभाव कोना देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एक भाषा-समुदायकेँ प्राथमिकता देबाक रूपमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९६. लेखक “सत्य तँ ई अछि” कहि कोन बात पर बल दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राजनीतिक परिवर्तनक बादो अवस्था उएह रहबाक।

५९७. समावेशी संचारक अपेक्षा केकर विरोधमे ठाढ़ अछि?

- (A) एकभाषी/केन्द्रित प्रभुत्वक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९८. साहित्यक समावेशी स्वरूप समाजमे की मजबूत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बहुलता आ सम्मान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९९. एहि खण्डक आलोचनात्मक दृष्टि कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संचार आ साहित्यकेँ लोकतांत्रिक बनएबाक आग्रह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६००. खण्ड १०५६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नेपालक संचार आ साहित्य क्षेत्रमे वास्तविक समावेशिता बिना भाषिक-सांस्कृतिक न्याय संभव नहि।

खण्ड १०५७ : विदेह-सदेह २ — नेपाली राज्य, मधेश आ प्रतिनिधित्व

६०१. लेखक मधेशवासीक शोषणक चर्चा कोन सन्दर्भमे करैत छथि?

- (A) राजनीतिक इतिहास आ पत्रकारिता-संचारक उपेक्षा सन्दर्भमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०२. राजनीतिक परिवर्तनक बावजूद लेखक केहन निरंतरता देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उपेक्षा आ असमानताक निरंतरता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०३. मधेशी प्रश्न संचार क्षेत्रमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कारण प्रतिनिधित्व बिना लोकतंत्र अधूरा रहैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०४. लेखकक आलोचना केवल पुरान राजतंत्र पर सीमित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नहि, एखनक गणतंत्र नेपाल धरि फैलल अछि।

६०५. संचार-साहित्य क्षेत्रमे मधेशी उपेक्षा कोन बातक रूपक अछि?

- (A) राष्ट्रक बहुभाषिक यथार्थक अस्वीकार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०६. एहि विमर्शमे भाषा आ भूगोलक सम्बन्ध की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भाषा समुदायक क्षेत्रीय पहचानसँ जुड़ल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०७. समावेशी प्रतिनिधित्वक अभावक परिणाम की होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उपेक्षित समुदायक व्यथा-कथा दबि जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०८. लेखकक आग्रह कोन स्वरूपक पत्रकारिता लेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बहुभाषिक आ बहुसमुदायिक पत्रकारिता।

६०९. मधेश विमर्श साहित्य क्षेत्रसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) साहित्य समुदायिक अनुभवकें आवाज दैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१०. खण्ड १०५७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रामभरोस कापडि नेपाली राज्य-संचारक इतिहासमे मधेशी प्रतिनिधित्वक कमी आ समावेशी सुधारक आवश्यकता देखबैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०५८ : विदेह-सदेह २ — भाषा, बाजार आ संचार-न्याय: समेकन

६११. गंगेश गुंजन आ रामभरोस कापडिक आलेखक साझा चिन्ता की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भाषा-संस्कृति पर बाजार/प्रभुत्वक दबाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१२. कविता आ पत्रकारिता दुनू मे भाषा कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लोक धरि पहुँचबाक माध्यम।

६१३. समावेशी संचार आ कविताक नैतिक भाषा-बोधमे साझा सूत्र की अछि?

- (A) लोक-संवेदना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१४. बाजारू भाषा आ एकभाषी राज्य-भाषा दुनू कोन खतरा पैदा करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बहुल सांस्कृतिक अनुभवक क्षरण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१५. लेख सभकें साथ पढ़लासँ मैथिली साहित्यक कोन सरोकार स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भाषिक अस्मिता आ सांस्कृतिक न्याय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१६. कविता, प्रवासी पर्व आ संचार-विमर्शक साझा लक्ष्य की मानल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समुदायिक स्मृति आ पहचान बचाएब।

६१७. भाषा-संस्कृति विमर्शमे पाठकक भूमिका की अछि?

- (A) सक्रिय ग्रहणकर्ता आ संरक्षक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१८. समेकित अध्ययनक आधार पर “विदेह-सदेह २” कोन रूपमे उभरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली सामाजिक-सांस्कृतिक चेतनाक दस्तावेज।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१९. एहि खण्डक मुख्य निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भाषा आ संस्कृति केँ बाजार, उपेक्षा आ विस्मृति सँ बचएबाक साझा प्रयास आवश्यक अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२०. खण्ड १०५८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषा, कविता, प्रवास आ संचारक चर्चा मिलिकऽ सांस्कृतिक न्याय आ स्मृति-संरक्षणक व्यापक परियोजना बनैत अछि।

खण्ड १०५९ : विदेह-सदेह २ — भालचन्द्र झा: बाल-शिक्षणपर निबन्धक आरम्भ

६२१. भालचन्द्र झाक निबन्धक शीर्षक की अछि?

- (A) बाल-शिक्षणपर निबन्ध — हमर शिक्षण-यात्रा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२२. लेखकक शिक्षण-यात्रा कतेक पुरान गप्प कहि आरम्भ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पचीस-तीस बरख पुरान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२३. लेखक नव-नव कोन डिप्लोमा कएने रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ए.टी.डी. — आर्ट टीचर्स डिप्लोमा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२४. लेखक पहिल नोकरी कतय केलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मुम्बईक एक प्रसिद्ध स्कूलक प्राथमिक विभागमे।

६२५. लेखकक समय-विन्यास कोना छल?

- (A) आध दिन नोकरी आ आध दिन कॉलेजक पढ़ाइ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२६. किछुए दिनमे अभिभावक सभक उपराग ककरा लऽ कऽ आबए लागल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखकक पढ़एबाक पद्धति लऽ कऽ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२७. उपरागक बात अन्ततः किनका धरि पहुँचि गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मुख्याध्यापक धरि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२८. मुख्याध्यापक शैक्षणिक क्षेत्रमे कोन सम्मानसँ विभूषित छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राष्ट्रपति अवार्डसँ।

६२९. मुख्याध्यापकक समर्पणक उदाहरण कोन अछि?

- (A) बेटीक बियाहक दिनो भोरमे टेबुलपर हाजिर रहब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३०. खण्ड १०५९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भालचन्द्र झा अपन बाल-शिक्षण अनुभवक आरम्भ कला-शिक्षक, प्रयोगशीलता आ स्कूल-संदर्भसँ करैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०६० : विदेह-सदेह २ — शिशु-वर्ग, चित्रकला आ आत्म-प्रगटीकरण

६३१. शिशु-वर्गक नेन्ना सभ पहिल बेर स्कूल अबैत की करैत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) माए-बापकेँ छोड़ैत नहि आ कनैत रहैत छल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३२. लेखक नेन्ना सभक ध्यान बँटएबाक लेल की आनलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कागज आ ओईल पेस्टल।

६३३. किछु नेन्ना कागज आ पेन्सिल देखिते की केलक?

- (A) कागज चिरि देलक आ पेन्सिल टुकड़ी-टुकड़ी कऽ देलक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३४. एक नेन्ना पेन्सिल लऽ कागजपर की केलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बिना उठौने पूरा कागज भरि देलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३५. लेखक एहि क्रियाक अर्थपर कतेक दिन सोचैत रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बहुत दिन धरि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३६. लेखकक विश्वास की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) छोटो-सँ-छोट प्रत्येक कृतिक किछु अर्थ आ प्रयोजन होइत अछि।

६३७. लेखकक अनुसार आत्म-प्रगटीकरण हेतु कोन माध्यम अत्यन्त प्रभावी अछि?

- (A) चित्रकला।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३८. चित्रकला किएक सरल आ श्रेष्ठ माध्यम कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नेन्ना बिना संस्कार वा व्याकरण अपन मोनक गप्प व्यक्त कऽ सकैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३९. बाल-शिक्षणमे कला लेखक लेल कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बाल-मनोभाव बुझबाक सेतु।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४०. खण्ड १०६०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चित्रकला शिशु मनक क्रोध, ऊर्जा, भय आ आत्म-अभिव्यक्तिक सहज माध्यम बनैत अछि।

खण्ड १०६१ : विदेह-सदेह २ — कक्षा, प्रयोग आ कला-शिक्षणक पद्धति

६४१. स्कूलक माहौलसँ नेन्ना सभ घुलि-मिलि गेलापर लेखक की कएलनि?

- (A) एकटा आर प्रयोग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४२. प्रयोग लेल लेखक कक्षा मे की करौलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साफ-सफाई करा कऽ पूरा फर्शपर उज्जर पलेन कागज राखलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४३. कला-शिक्षणमे रूटीनसँ हटि लेखकक रुचि कोनमे छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नव-नव प्रयोग करबामे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४४. लेखक बिनु ककरो कहने स्कूलमे कोन तरहक काज करैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अनेक तरहक विधाक काज।

६४५. बाल-शिक्षणमे खुला फर्श-कागज प्रयोगक उद्देश्य की बुझल जा सकैत अछि?

- (A) बालक मुक्त अभिव्यक्ति लेल स्थान देब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४६. लेखकक पद्धति पारम्परिक पाठशाला पद्धतिसँ कोना अलग अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ बच्चाक स्वतः क्रिया आ अनुभूति केँ महत्व दैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४७. अभिभावक सभक उपरागक बावजूद लेखकक प्रयोगशीलता की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शिक्षणक वैकल्पिक दृष्टि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४८. कला-कक्षा लेखक लेल मात्र चित्र बनाएबाक स्थान अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नहि, बाल-मन पढ़बाक प्रयोगशाला अछि।

६४९. नव-नव प्रयोग बाल-शिक्षणमे कोन मूल्य जोड़ैत अछि?

- (A) सृजनशीलता आ आत्मविश्वास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५०. खण्ड १०६१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भालचन्द्र झाक कला-शिक्षण पद्धति रूटीन तोड़ि बालकक स्वतः अभिव्यक्ति आ प्रयोगपर आधारित अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०६२ : विदेह-सदेह २ — बाल-व्यवहारक अर्थ आ शिक्षकक संवेदनशीलता

६५१. लेखक छोटो-सँ-छोट कृतिकें कोना देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अर्थपूर्ण आ प्रयोजनयुक्त।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५२. बालकक क्रोध वा ऊर्जा चित्रमे प्रकट भेलाक बाद की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ शांत भऽ गेल।

६५३. लेखक बालकक क्रियाकें केना नहि देखैत छथि?

- (A) निरर्थक उपद्रव रूपमे नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५४. शिक्षकक संवेदनशीलता कोन बातमे देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बाल-क्रियाक अर्थ बुझबाक धैर्यमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५५. कला माध्यमे बालक की व्यक्त कऽ सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अपन मोनक गप्प।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५६. बिना संस्कार वा व्याकरणक अभिव्यक्ति कोन क्षेत्रमे सम्भव बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चित्रकला मे।

६५७. बाल-शिक्षणक एहि दृष्टिकेँ कोन शैक्षणिक मूल्य कहल जा सकैत अछि?

- (A) बाल-मनोविज्ञानक सम्मान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५८. नेन्नाक कागज फाड़ब वा रंग घसब शिक्षक लेल की बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अध्ययनक संकेत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५९. एहि खण्डमे शिक्षकक भूमिका की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दण्डदाता नहि, अर्थ-बूझनिहार सहयात्री।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६०. खण्ड १०६२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संवेदनशील शिक्षक बालकक हर क्रियामे अर्थ खोजि ओकर आत्म-अभिव्यक्तिक मार्ग खोलैत अछि।

खण्ड १०६३ : विदेह-सदेह २ — बाल-शिक्षण आ परिवारक भूमिका

६६१. निबन्धक अन्तिम भागमे लेखक कोन बच्चाक सन्दर्भमे उपाय सुझाबैत छथि?

- (A) विशेष पारिवारिक अनुभवसँ प्रभावित विद्यार्थीक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६२. लेखक पहिने किनका बुझएबाक सलाह दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) घरबालीकेँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६३. लेखक किछु दिनक लेल की करबाक सलाह दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) छुट्टी लऽ कऽ सपरिवार बाहर घुमि आउ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६४. यात्राक पूरा कार्यक्रम केकरा केन्द्रमे राखि बनाओल जेबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओहि बच्चाकेँ।

६६५. यात्रामे किनक समान सहभागिता रहबाक चाही?

- (A) सतभाय, सतबहीन, सतमाय आ पिता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६६. बच्चाप्रति सभक व्यवहार कोन प्रकारक रहबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सहज, देखाबा रहित।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६७. बच्चाकेँ कोन शंका नहि होयबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जानि-बुझि कऽ ओकरा पर विशेष ध्यान देल जा रहल अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६८. पुरान अनुभवक सम्बन्धमे लेखक की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ने चर्चा होए आ ने पुनरावृत्ति।

६६९. पारिवारिक उपचारक मूल उद्देश्य की अछि?

- (A) बच्चाकेँ पुरनका दुःस्वप्नसँ बाहर अनएब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७०. खण्ड १०६३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बाल-शिक्षण केवल विद्यालयक काज नहि, परिवारक सहज, संवेदनशील आ सामूहिक व्यवहारसँ सेहो जुड़ल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०६४ : विदेह-सदेह २ — बाल-शिक्षण यात्राक समेकित अर्थ

६७१. लेखक अन्तमे कोन विषयकेँ सकारात्मक उद्यमक श्रेय देब योग्य मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चित्रकला सन सृजनशील विषयकेँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७२. चित्रकला माध्यमे विद्यार्थी की करबामे सक्षम भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन आंतरिक भावना व्यक्त।

६७३. भालचन्द्र झाक शिक्षण-दृष्टि मे कला कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) आंतरिक भावनाकेँ बाहर आनबाक माध्यम।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७४. निबन्ध विद्यालय, बालक आ परिवारक कोन सम्बन्ध देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तीनू मिलि बाल-विकासक वातावरण बनबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७५. बाल-शिक्षणक सफलताक लेल शिक्षकमे कोन गुण जरूरी देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संवेदनशीलता, धैर्य आ सृजनशील प्रयोग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७६. निबन्धक समेकित संदेश की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बालकक भीतरक भाव बुझू आ ओकरा अभिव्यक्ति दियौ।

६७७. कला-शिक्षणकेँ लेखक केवल अतिरिक्त गतिविधि मानैत छथि?

- (A) नहि, बाल-मन बुझबाक मूल साधन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७८. बालकक पुरान अनुभव पर ने चर्चा ने पुनरावृत्ति करबाक सलाह की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बाल-मनक नाजुकता प्रति सावधानी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७९. एहि निबन्धक शैक्षणिक महत्त्व की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बाल-केन्द्रित, कला-आधारित आ परिवार-संवेदनशील शिक्षण-दृष्टि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८०. खण्ड १०६४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “हमर शिक्षण-यात्रा” बाल-शिक्षणमे चित्रकला, संवेदना, प्रयोग आ परिवारक सामूहिक भूमिकाकेँ महत्त्व दैत अछि।

खण्ड १०६५ : विदेह-सदेह २ — जीवकान्तः जन्म, परिवार आ आरम्भिक जीवन

६८१. प्रबोध सम्मान २०१० लेल चयनित जीवकान्तसँ साक्षात्कार के लेने छथि?

- (A) विनीत उत्पल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८२. जीवकान्तक जन्म कहिया भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) २७ जुलाई १९३६।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८३. जीवकान्तक जन्म कतय भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मामाक गाम अभुआढ़, सुपौल जिला।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८४. किछु दिन बाद जीवकान्तक लालन-पालन कतय भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन गाम मधुबनक डेओढ़मे।

६८५. जीवकान्तक पिता कतेक भाइ छलथि?

- (A) चारि भाइ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८६. बाल्यकालमे परिवारक प्रकृति कोन छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संयुक्त परिवार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८७. संयुक्त परिवारमे कतेक बच्चाक लालन-पालन संगे भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १५-१६ बच्चा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८८. जीवकान्तक छोट भाइ के छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नवकांत झा।

६८९. नवकांत झा कोन सेवासँ अवकाश ग्रहण कएलनि?

- (A) सेंट्रल बैंकक नौकरीसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९०. खण्ड १०६५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्तक आरम्भिक जीवन संयुक्त परिवार, अभुआढ़-जन्म आ मधुबन-लालन-पालनक पृष्ठभूमिसँ बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०६६ : विदेह-सदेह २ — जीवकान्तक परिवार आ लेखन-सहयोग

६९१. जीवकान्तक पैघ बेटा अरुण कतय कार्यरत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चेन्नईमे बैंकमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९२. जीवकान्तक छोट बेटा वरुण कतय काज करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लखीसरायमे एल.आई.सी.मे।

६९३. जीवकान्तक बेटी प्रेम कतय ब्याहल छथि?

- (A) नेपालक राजविराजमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९४. घरमे आन लोक मैथिली लिखैत छल कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, भाइ वा बच्चा मैथिलीमे नहि लिखैत छल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९५. जीवकान्तक कनियाक नाम की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शचि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९६. शुरूमे शचि जीवकान्तक लेखनकें कोना देखैत छलीह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) फालतूक काज बुझैत छलीह।

६९७. रातिमे शचि लाइट किएक मिझा दैत छलीह?

- (A) अनिद्राक बीमारीक कारण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९८. बादमे शचिक भूमिका कोना बदलल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ सहयोग करए लगलीह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९९. जीवकान्त अपन लेखन लेल किनकर आभारी छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कनियाँक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७००. खण्ड १०६६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्तक लेखन-जीवनमे पारिवारिक विरोधसँ सहयोग धरि बदलैत वातावरण महत्वपूर्ण रहल।

खण्ड १०६७ : विदेह-सदेह २ — मैथिली साहित्य दिश आकर्षण

७०१. जीवकान्तक कहब अनुसार हुनकर पढ़ाइ कोना शुरू भेल?

- (A) देरीसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०२. स्कूलमे नाम लिखबाक लेल जीवकान्त के गेल छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ अपने गेल छलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०३. बाल्यकालमे लिखबाक अभ्यास कोन माध्यमपर होइत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) माटिपर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०४. गाममे कोन ग्रन्थक पाठ होइत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तुलसीदासक रामायणक।

७०५. रामायणक श्लोकपर लोक की करैत छल?

- (A) तर्क-वितर्क आ अनेक अर्थ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०६. घरमे कोन प्रेससँ छपल मोटका रामायण छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बेकटेश्वर स्टीम प्रेस।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०७. रामायण-पाठ देख जीवकान्तक मोनमे कोन प्रश्न उठल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हमहूँ किएक नहि लिखी?
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०८. शुरूमे जीवकान्त की लिखलनि जे आर्यावर्तमे छपल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कविता।

७०९. १९६४ ई. मे जीवकान्त कोन परीक्षा प्राइवेटसँ केलनि?

- (A) बी.ए.।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१०. खण्ड १०६७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रामायण-पाठ, माटिपर लिखबाक अभ्यास आ आर्यावर्तमे कविता-प्रकाशन जीवकान्तक लेखकीय आरम्भक आधार बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०६८ : विदेह-सदेह २ — मिथिला मिहिर, पहिल कविता आ लेखकीय निर्णय

७११. जीवकान्त कतेक मास अहापोहमे रहलाह जे हिंदीमे लिखी वा मैथिलीमे?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) छह मास।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१२. कौन पत्रिका जीवकान्तकेँ बेसी प्रभावित केलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला मिहिर।

७१३. जीवकान्त रवींद्रनाथ टैगोरक साहित्यसँ प्रभावित भेलाह कि नहि?

- (A) हँ, प्रभावित भेलाह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१४. किछु काल बाद जीवकान्त कोन निर्णय लेलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नित दिन लिखबाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१५. २४ जनवरी १९६५ कें मिथिला मिहिरमे जीवकान्तक कोन पहिल कविता छपल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) इजोरिया आ टिटही।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१६. पहिल कविता छपलाक बाद जीवकान्तकें की भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जोश।

७१७. जीवकान्त नौकरीक सिलसिलामे गृह जिला मधुबनीक कोन-कोन गाममे रहलाह?

- (A) खजौली, देहोल, पोखराम आदि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१८. गाम-जीवनसँ जीवकान्त की पेलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवनानुभवक व्यापक अनुभव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१९. इंग्लिश मीडियम स्कूल खुजलासँ लोक की बिसरि गेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संस्कृत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२०. खण्ड १०६८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला मिहिर, पहिल कविता आ गाम-जीवनक अनुभव जीवकान्तक मैथिली-लेखन निर्णयकें दृढ़ केलक।

खण्ड १०६९ : विदेह-सदेह २ — जीवकान्तक कविता-दृष्टि

७२१. जीवकान्त कोन विधाकेँ अपन प्रिय विधा कहैत छथि?

- (A) कविता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२२. जीवकान्तक अनुसार कोनो गप कवितामे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बेसी नीकसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२३. आलोचक हुनकर कथा-लेखनपर कोन टिप्पणी करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कथामे सब किछु अलग-अलग नहि करैत छी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२४. जीवकान्तक कथामे पाठककेँ की करए पड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन दिशसँ सूत्र जोड़ए।

७२५. जीवकान्त अपन लेखनक मूल की मानैत छथि?

- (A) कविता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२६. जीवकान्तकेँ अपन गप कोन चीजक संग प्रेषित करब नीक लगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कविताक संग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२७. कविताक आरम्भ कतहुसँ हो, अन्ततः कहाँ पहुँचैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तार्किक परिणति तक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२८. लोकक अनुसार जीवकान्तक कविता आखिरमे की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) टर्न लऽ लैत अछि।

७२९. अलग-अलग पाठक जीवकान्तक कवितामे की देखैत अछि?

- (A) अलग-अलग गप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३०. खण्ड १०६९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त कविता केँ लेखनक मूल, गहन अभिव्यक्ति आ बहु-पाठ सम्भावनाक विधा मानैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०७० : विदेह-सदेह २ — प्रोत्साहन, मिथिला मिहिर आ उपन्यास

७३१. जीवकान्तक कविता पढ़ि यात्रीजी सोमदेवकेँ की कहलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जीवकान्त कहियो उपन्यास लिखताह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३२. मिथिला मिहिरसँ जीवकान्तकेँ की आएल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लिखबाक आमंत्रण।

७३३. मिथिला मिहिरक आमंत्रणकेँ जीवकान्त कोना लेलनि?

- (A) चुनौतीक रूपमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३४. जीवकान्त शिक्षक संघसँ जुड़ल रहबाक कारण कतय जाइत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पटना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३५. पटना जाएबाक काल जीवकान्तकेँ की भेटैत रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोकसँ भेट आ प्रोत्साहन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३६. जीवकान्त कतेक उपन्यास फरमाइशपर लिखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तीनटा।

७३७. फरमाइशपर लिखल उपन्यास कोन रूपमे छपल?

- (A) धारावाहिक रूपमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३८. जीवकान्तक लेखन-यात्रामे प्रोत्साहन कोन-कोन स्रोतसँ भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) यात्रीजी, मिथिला मिहिर आ पटना-संपर्कसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३९. मिथिला मिहिरक भूमिका जीवकान्त लेल की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लेखनक मंच आ चुनौती।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४०. खण्ड १०७०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) यात्रीजीक संकेत, मिथिला मिहिरक आमंत्रण आ पटना-संपर्क जीवकान्तक गद्य-लेखनकें गति देलक।

खण्ड १०७१ : विदेह-सदेह २ — पुरस्कार, पत्रिका आ अनुवाद

७४१. साहित्य अकादमीक पुरस्कारकें जीवकान्त लोकक कोन दृष्टिसँ देखैत कहलथि?

- (A) संदेहक दृष्टिसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४२. जीवकान्त अपन विषयमे साहित्य अकादमीक राजनीति जनैत छथि कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि जनैत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४३. जीवकान्त कोन जीवन-स्थानक बात पुरस्कार-राजनीतिसँ दूरी लेल कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गाममे रहैत छी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४४. समकालीन भारतीय साहित्य शुरू भेलापर जीवकान्त की कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) किछु अनुवाद।

७४५. समकालीन भारतीय साहित्यमे मैथिलीमे पहिल कहानी केकर आएल कहल गेल?

- (A) जीवकान्तक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४६. एकटा अनुवाद के कएलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) केदार कानन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४७. हिंदी संपादक आ पत्रिका जीवकान्तक रचना कोना छपैत रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आदरसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४८. कतेक शहरसँ प्रकाशित पत्रिकामे जीवकान्तक रचना छपै लागल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कोलकाता, मुंबई आ दिल्ली।

७४९. पुरस्कार-विलम्ब पर जीवकान्तक रुख की छल?

- (A) ओहि सभमे नहि पड़ैत छी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५०. खण्ड १०७१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त पुरस्कार-राजनीतिसँ दूर रहि अनुवाद, पत्रिका आ बहुभाषिक प्रकाशनद्वारा मैथिलीकेँ व्यापक मंच धरि लऽ गेलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०७२ : विदेह-सदेह २ — तकैत अछि चिड़ै आ काव्य-स्वीकृति

७५१. जीवकान्तक पहिल कविता-संग्रहक नाम की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तकैत अछि चिड़ै।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५२. “तकैत अछि चिड़ै” कोन साल छपल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) २००३।

७५३. कोन संग्रहपर साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल?

- (A) तकैत अछि चिड़ै।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५४. “तकैत अछि चिड़ै”क हिंदी अनुवादक नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) निशांतक चिड़िया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५५. हिंदी अनुवाद के छापलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्य अकादमी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५६. जीवकान्तक लेखनपर विश्वविद्यालयमे की भऽ रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) शोध।

७५७. प्रखर आलोचक जीवकान्तक लेखनबारे की करि रहल अछि?

- (A) प्रशंसा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५८. “तकैत अछि चिड़ै” प्रसंग जीवकान्तक रचनात्मक स्थिति की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) काव्य-स्वीकृति आ संस्थागत मान्यता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५९. हिंदी अनुवादक प्रकाशन कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली कविताक भाषापार पहुँच।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६०. खण्ड १०७२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “तकैत अछि चिड़ै” जीवकान्तक काव्य-स्वीकृति, पुरस्कार, अनुवाद आ अकादमिक रुचिक केन्द्र बनल।

खण्ड १०७३ : विदेह-सदेह २ — समीक्षा-प्रवृत्ति आ नव लेखक

७६१. जीवकान्त स्वयंकेँ समीक्षक रूपमे कतेक प्रोफेशनल मानैत छथि?

- (A) ओते प्रोफेशनल नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६२. नव पोथी पढ़लाक बाद जीवकान्त की करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) छोट-छोट टिप्पणी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६३. ४० सालमे जीवकान्त लगभग कतेक पोथीपर टिप्पणी कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ६०-७० टा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६४. समीक्षा बाद जीवकान्त कोन क्रियाक उल्लेख करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हास-परिहास आ चर्चा।

७६५. जीवकान्तक अनुसार नव लेखक कोना आबि रहल अछि?

- (A) तेजीसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६६. नव लेखक कतयसँ सेहो आबि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) देहातसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६७. बीच वाला पीढ़ीमे कतेक लेखक भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अद्भुत लेखक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६८. महाप्रकाश आ सुभाषचंद्र यादव अपन रचनामे की चित्रित करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लोक-विवशता आ निर्धनता।

७६९. मैथिली कविता जीवकान्तक अनुसार कोना भऽ रहल अछि?

- (A) गंभीर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७०. खण्ड १०७३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त समीक्षा केँ अनौपचारिक टिप्पणीक रूपमे करैत छथि आ नव लेखक/नव कविता मे गंभीरता देखैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०७४ : विदेह-सदेह २ — मैथिली समीक्षा पर जीवकान्तक कठोर दृष्टि

७७१. जीवकान्तक अनुसार समीक्षा मूलतः कतयसँ आएल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) यूरोपसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७२. यूरोपमे समीक्षा कोन आधारपर होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अन्वेषण आ समुचित परिप्रेक्ष्य।

७७३. जीवकान्तक अनुसार हिन्दुस्तान एहि विधामे कोना अछि?

- (A) पिछड़ल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७४. जीवकान्त हिंदी समीक्षा पर की टिप्पणी करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नीक समीक्षा नहि भऽ रहल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७५. जीवकान्त नामवर सिंहबारे लोक-वेदक कोन कथन उद्धृत करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समीक्षा नहि, भाषण दैत छथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७६. समीक्षामे जीवकान्त कोन कमी देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तटस्थ मूल्यांकनक कमी।

७७७. नीक लेखक आ अयोग्य लेखकक सम्बन्धमे जीवकान्तक शिकायत की अछि?

- (A) नीक लेखक दबा देल जाइत अछि, अयोग्यकें कन्हापर बैसा देल जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७८. विद्यापति पर जीवकान्तक अनुसार मैथिलीमे की कमी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नीक समीक्षा नहि भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७९. “सोनारक काज लोहारक हथौड़ीसँ नहि” रूपक की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विधा-योग्य साधन आ दक्षताक आवश्यकता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८०. खण्ड १०७४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्त मैथिली-हिन्दी समीक्षा मे तटस्थता, परिप्रेक्ष्य आ बौद्धिक औजारक गंभीर कमी देखैत छथि।

खण्ड १०७५ : विदेह-सदेह २ — अनुभव, शिक्षक आ मैथिली प्रचार

७८१. जीवकान्तक अनुसार सभ लोकक की होइत अछि?

- (A) अपन अनुभव।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८२. लेखक अपन अनुभवकें ठीक-ठाक कए की बना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) शास्त्र।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८३. सभटा लेखक अपन अनुभवकें की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पुनर्जीवित।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८४. जीवकान्तक अनुसार मैथिली प्रचार-प्रसार कोन बातसँ बढ़त?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) शिक्षक स्तर बढ़लासँ।

७८५. मिथिलामे जीवकान्त कोन कमी देखैत छथि?

- (A) शिक्षक कमी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८६. स्त्री शिक्षा पर जीवकान्तक टिप्पणी की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) एखनो बेसी नहि अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८७. साक्षरता बढ़लासँ आर्थिक स्थिति पर की असर कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आर्थिक स्थिति नीक होएत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८८. जीवकान्तक अनुसार मैथिली कतय बढ़ि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) इंटरनेटपर।

७८९. जीवकान्त कोन व्यक्ति/संस्थाक काज नीक कहलथि?

- (A) गौरीनाथ आ कोलकाताक स्वस्ति फाउंडेशन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९०. खण्ड १०७५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त अनुभव, शिक्षक-स्तर, साक्षरता, स्त्री-शिक्षा आ इंटरनेटकेँ मैथिली विकाससँ जोड़ैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०७६ : विदेह-सदेह २ — विद्रोही प्रवृत्ति आ अन्याय-विरोध

७९१. जीवकान्तक अनुसार जनताकेँ सरकारसँ की चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सुरक्षा आ सड़क।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९२. आजादीक संग जीवकान्त कोन बातक उल्लेख करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नुटि सेहो भेटल।

७९३. कोन लोकक संग दुर्व्यवहार भऽ रहल अछि कहल गेल?

- (A) कमजोर लोकक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९४. जीवकान्तक मनोदशा कोन पक्षमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अन्यायक खिलाफ आवाज उठएबाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९५. १९७० ई. मे कोलकातामे जीवकान्तक भेट किनकासँ भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) किरणजीसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९६. किरणजी जीवकान्तक स्टैंडबारे की कहलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सत्ता विरोधी अछि।

७९७. जीवकान्त किरणजीक कथनकेँ कोना मानैत छथि?

- (A) हुनकर गप ठीक छल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९८. जीवकान्तक विद्रोह कोन सामाजिक आधारसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कमजोर लोक आ अन्याय-विरोधसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९९. सत्ता-विरोधी रुख जीवकान्तक रचना-दृष्टिमे कोन संकेत दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) न्यायमुखी चेतना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८००. खण्ड १०७६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्तक विद्रोही प्रवृत्ति सत्ता-विरोध नहि मात्र, कमजोर लोकक पक्ष आ अन्याय-विरोधक साहित्यिक नैतिकता अछि।

खण्ड १०७७ : विदेह-सदेह २ — मार्क्सवाद, गरीबी आ समानता

८०१. जीवकान्तक अनुसार मार्क्सवादक पहिने गरीबी छल कि नहि?

- (A) छल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०२. गरीबीक व्यापक वर्णन जीवकान्त कोन कविक कवितामे देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विद्यापति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०३. गरीबी-सन्दर्भमे जीवकान्त कोन गीतक उल्लेख करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कखन हरब दुख मोर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०४. जीवकान्त अपन लेखनकेँ मार्क्सवादसँ प्रभावित मानैत छथि कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हँ, प्रभावित मानैत छथि।

८०५. मार्क्सवादक अतिरिक्त जीवकान्त किनकासँ प्रभावित छथि?

- (A) लोहियासँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०६. जीवकान्त कोन विचारकेँ प्रमुखता दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बराबरी आ समानता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०७. मार्क्सक समर्थक रहबाक लेल जीवकान्त की नहि लेलहुँ कहलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दीक्षा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०८. गरीबीक खिलाफ गरीबक पक्षमे की सभ दिन होइत रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लिखल जाइत रहल अछि।

८०९. जीवकान्तक मार्क्सवाद बोध कोन मूल्यपर केन्द्रित अछि?

- (A) समानता आ गरीबक पक्ष।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१०. खण्ड १०७७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त मार्क्सवादकें गरीबी-विमर्श, बराबरी, समानता आ लोहियावादी प्रभावक संग पढ़ैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०७८ : विदेह-सदेह २ — मार्क्सवादक सीमा, गांधी आ भारतीय संस्कृति

८११. जीवकान्तक अनुसार मार्क्सवाद उत्तम विचार भएओ कोन पक्षमे बेसी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिंसाक पक्षमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१२. भारतीय राजनीति आ संस्कृतिमे मार्क्सवादक संभावना कतेक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कम।

८१३. जीवकान्तक अनुसार भारतमे कोन विचार प्रबल भेल?

- (A) समाजवाद।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१४. भारतीय संस्कृति कोन सूत्रपर आधारित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सर्वे भवन्तु सुखिनः।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१५. एहि आधारपर जीवकान्त किनका प्रासंगिक मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गांधी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१६. मार्क्सवाद बारंबार की करैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन रास्तासँ भटकैत अछि।

८१७. मार्क्सवादक नीति जमीनपर उतारब कोना कहल गेल?

- (A) कठिन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१८. रूसक जमीनपर उतरल मार्क्सवाद कोन चीजक समर्थक बनि गेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) राष्ट्रवादक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१९. जीवकान्तक मार्क्सवाद-आलोचना कोन रूपक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समर्थक-आलोचकक विवेकपूर्ण स्थिति।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२०. खण्ड १०७८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्त मार्क्सवादक समानतामूल्य स्वीकार करैत, हिंसा आ भारतीय परिस्थिति मे ओकर सीमाकेँ गांधी-संस्कृति संदर्भमे देखैत छथि।

खण्ड १०७९ : विदेह-सदेह २ — सुमनजी, अध्यात्म आ सांस्कृतिक स्मृति

८२१. सुमनजीक बड़ाइ लिखलापर जीवकान्त अपन स्थिति कोना कहलथि?

- (A) अछूत भऽ गेलहुँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२२. जीवकान्तक अनुसार सुमनजीक कोन लेखन अद्भुत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अध्यात्मपर लिखल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२३. सुमनजी कोन भाषा मे सेहो लिखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संस्कृतमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२४. सुमनजी कोन विषयक ध्वजवाहक कहल गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संस्कृति आ मूल्यक।

८२५. सुमनजी मैथिली कविताकें कतय लऽ गेलथि कहल गेल?

- (A) उत्कृष्टता तक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२६. जीवकान्त मार्क्सवादी भएओ की बिसरि जाएब उचित नहि मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) वेद-पुराण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२७. अभिनंदन ग्रंथ लेल लेख कोना लिखाओल गेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) फरमाइशी लेख।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२८. जीवकान्त सुमनजीपर कोन पक्ष लिखलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) काव्य आ आध्यात्म।

८२९. सुमनजी प्रसंग जीवकान्तक वैचारिकता की देखबैत अछि?

- (A) मार्क्सवादक संग सांस्कृतिक स्मृतिक स्वीकृति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३०. खण्ड १०७९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त सुमनजीक काव्य-आध्यात्मकें मान दैत मार्क्सवाद आ सांस्कृतिक परम्परा बीच संवाद स्थापित करैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०८० : विदेह-सदेह २ — कवितामे परिवर्तन आ विषय-विस्तार

८३१. जीवकान्त पाँच साल बाद की बदललहुँ कहलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अपन विषय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३२. जीवकान्तक अनुसार हर क्षेत्रमे की करबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परिवर्तन।

८३३. जे परिवर्तनक समर्थक होएत, ओ कोना होएत कहल गेल?

- (A) कालजयी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३४. असहमतिक कविता कतयसँ आएल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पंजाब आ बंगालसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३५. बंगालक कोन कविक उल्लेख भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सुभाष मुखोपाध्याय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३६. जीवकान्तक अनुसार कविताक विषय कोना रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सभ दिन बदलैत।

८३७. विद्यापति कोन दू विषय लऽ कऽ लिखलथि कहल गेल?

- (A) शृंगार आ भक्ति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३८. दोसर विश्वयुद्धमे देशप्रेमक कविता सम्बन्धमे की देखल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई मनुष्यकेँ बर्बाद कऽ रहल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३९. जीवकान्तक अनुसार स्थायी काव्य-विषय सभमे की-की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आदमी, मित्रता, सुख-दुख।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४०. खण्ड १०८०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्त कविता मे परिवर्तन, विषय-विस्तार आ समयानुसार रूप-बदलावकेँ कालजयी सृजनक शर्त मानैत छथि।

खण्ड १०८१ : विदेह-सदेह २ — मैथिली समाज, गुटबाजी आ गुणवत्ता

८४१. मैथिली समाजक स्थिति पर जीवकान्त कोन प्रवृत्तिक उल्लेख करैत छथि?

- (A) पैरवी-पैगाम आ गुटबाजी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४२. जीवकान्त अपन गाम आ समाजकेँ कोना नहि मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सिद्धांतवादी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४३. गाम-समाजकेँ जीवकान्त कोन प्रवृत्तिसँ जोड़ैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जवाहरवादी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४४. गुटबाजीक कारण कोन चीजसँ समझौता भऽ जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) क्वालिटीसँ।

८४५. नीक लोकक नाम लेबासँ लोक की भऽ जाएबाक डर मानैत अछि?

- (A) अपवित्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४६. जीवकान्तक समाज-आलोचनाक केन्द्र की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गुणवत्ता पर गुटबाजी भारी पड़ब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४७. मैथिली समाजक ई आलोचना साहित्यिक क्षेत्रसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रचनात्मक मूल्यांकन प्रभावित करैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४८. जीवकान्तक वाणी समाजबारे कोन प्रकारक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कटु मुदा आत्मालोचनात्मक।

८४९. गुटबाजी साहित्यक कोन मूल्यकेँ कमजोर करैत अछि?

- (A) न्यायपूर्ण मूल्यांकन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५०. खण्ड १०८१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त मैथिली समाजमे पैरवी, गुटबाजी आ गुणवत्ता-संझौता केँ साहित्यिक-सामाजिक संकट रूपमे देखैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०८२ : विदेह-सदेह २ — चेला विवाद, प्रभाव आ रचनात्मक उत्तरदायित्व

८५१. जीवकान्त अपन पेशागत अतीतक कारण की छलहुँ कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गुरुजी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५२. साइंस टीचर रहबाक कारण जीवकान्त की स्वाभाविक मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) शिष्य बनबे करत।

८५३. जीवकान्तक अनुसार सभ आदमी की छोड़ैत अछि?

- (A) अपन प्रभाव।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५४. जीवकान्त किनका-किनका नाम प्रभाव-सन्दर्भमे उल्लेख करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कुणाल, प्रदीप बिहारी आदि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५५. तारानंद वियोगी जीवकान्तक कविता कतय पढ़ैत रहल कहलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मिथिला मिहिरमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५६. जीवकान्त स्वयं किनकर चेला कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) यात्रीजी आ विद्यापतिक।

८५७. जीवकान्त की नहि बनेने छी कहलथि?

- (A) कमांडो, पुरस्कार-पैरवीकार वा दलाल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५८. जीवकान्तक रचनासँ प्रभावित भऽ कियो रचना-कर्ममे आएल ताहिमे ओ की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हमर की गलती?
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५९. चेला विवादमे जीवकान्त प्रभावकेँ कोना देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्वाभाविक साहित्यिक प्रेरणा रूपमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६०. खण्ड १०८२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्त चेला-विवादकेँ रचनात्मक प्रभाव आ शिक्षक-संबंधक स्वाभाविक परिणाम मानि पैरवी-संस्कृतिकेँ अस्वीकार करैत छथि।

खण्ड १०८३ : विदेह-सदेह २ — समीक्षा विवाद आ विषममनक टिप्पणी

८६१. मोहन भारद्वाज कोन कविता-संग्रहपर समीक्षा केने रहथि?

- (A) गामक कविता, कविताक गाम।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६२. मोहन भारद्वाजक समीक्षामे कवितासभबारे कोन कथन उद्धृत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सभटा समकालीन संभावनाकेँ खारिज करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६३. एहि संदर्भमे जीवकान्त किनका पत्र पढेलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गौरीनाथकेँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६४. पत्रक फोटोस्टेट कॉपी जीवकान्त केना पढेलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आओरो लोककेँ।

८६५. एकहि रचनासँ सभटा कविता खारिज भऽ जाएब जीवकान्तक अनुसार की अछि?

- (A) संभव नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६६. जीवकान्तक विरोधक पत्र कोन पत्रिकामे आएल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कोनो पत्रिकामे नहि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६७. गौरीनाथ ओहि पत्रकेँ की बना देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मुद्दा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६८. किछु गोटे मोहन भारद्वाजक समीक्षाकेँ की कहलन्हि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गदगदी समीक्षा।

८६९. जीवकान्त समीक्षक सभपर कोन तीक्ष्ण टिप्पणी करैत छथि?

- (A) दारू, पैसा आ मूर्खता पी कऽ विषवमन करैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७०. खण्ड १०८३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवकान्त समीक्षा-विवादमे एकपक्षीय खारिजकरण, गदगदी समीक्षा आ आलोचनात्मक अनैतिकताक कड़ा विरोध करैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०८४ : विदेह-सदेह २ — लेखकीय नैतिकता, सत्य आ पोथी-संकट

८७१. स्वयं-अनुदित पोथीपर पुरस्कार प्रसंगमे जीवकान्त कोन लेखकक उदाहरण सुनैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मायानंद मिश्र।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७२. मायानंद मिश्र पुरस्कार लेलन्हि तखन जीवकान्त की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ जरूर सोचने हेताह।

८७३. साहित्य आ लेखनमे जीवकान्त लोककें कोना रहबाक चाही कहैत छथि?

- (A) ईमानदार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७४. जीवकान्त कोन कृति मे ईमानदारीसँ लिखने छी कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पंजरि प्रेम प्रकाशिया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७५. जीवनक सत्य आ समाजक स्थिति लिखनिहार लेखक अपन धरतीपर की भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बदनाम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७६. जीवकान्त कोन लेखकक उदाहरण देलथि जे समाजक सत्य लिखलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राजकमल चौधरी।

८७७. मधुबनीमे मैथिलीक पोथी नहि बिकएबाक सम्बन्धमे जीवकान्त मुख्य जिम्मा कोन क्षेत्रपर देखैत छथि?

- (A) प्रकाशक आ सर्कुलेशन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७८. जीवकान्त किनका उदाहरण दैत छथि जे पोथी सभ ठाम बिकाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गीता प्रेस।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७९. लोक-वेदक अनुसार लोक पोथी कोना लए चाहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) खैरातमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८०. खण्ड १०८४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जीवकान्त लेखकीय ईमानदारी, समाज-सत्यक जोखिम आ मैथिली पोथीक प्रकाशन-सर्कुलेशन संकटकें एकसंग देखैत छथि।

खण्ड १०८५ : विदेह-सदेह २ — राजमोहन झासँ साक्षात्कार: साहित्य आ जन-सामान्य

८८१. राजमोहन झासँ साक्षात्कार के लेने छथि?

- (A) गजेन्द्र ठाकुर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८२. गजेन्द्र ठाकुरक पहिल प्रश्न मैथिली साहित्यकार सभपर कोन आरोप उठबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीकेँ जन-सामान्यसँ दूर प्रदर्शनक वस्तु बनाओल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८३. राजमोहन झा एहि आरोपपर पहिल प्रतिक्रिया की दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्यकारकेँ दोषी कोना कहब, से प्रश्न करैत छथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८४. गजेन्द्र ठाकुरक अनुसार साहित्यकार सभ कोन सीमा धरि सीमित रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गोष्ठी आ कवि-सम्मेलन धरि।

८८५. गजेन्द्र ठाकुरक अनुसार साहित्यकार सभ की छोड़ि देलन्हि?

- (A) गाम-घर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८६. गजेन्द्र ठाकुर साहित्य लिखल-पढ़ल-सुनलाकेँ कोन रूपकसँ जोड़ैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फैशन जेकाँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८७. राजमोहन झाक अनुसार पहिनुका साहित्यकार सभ एना करथि कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नहि करथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८८. एहि प्रारम्भिक बहसमे मुख्य चिन्ता की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्य आ समाजक बीच बढ़ैत दूरी।

८८९. गजेन्द्र ठाकुर मैथिली साहित्यकार सभकेँ समाज आ राजनीतिसँ कोना देखैत छथि?

- (A) दूर रहल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९०. खण्ड १०८५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साक्षात्कारक आरम्भ मैथिली साहित्यक जन-विमुखता, गोष्ठी-केन्द्रितता आ समाजसँ दूरीक प्रश्नसँ होइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०८६ : विदेह-सदेह २ — हरिमोहन झाक लोकप्रियता

८९१. गजेन्द्र ठाकुरक अनुसार गाममे लोक मुख्यतः केकर रचना पढ़ने-सुनने छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हरिमोहन झाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९२. मिथिला मिहिरक बारे गजेन्द्र ठाकुर की कहलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गाम-गाम जाइत छल, बादमे बन्द भऽ गेल।

८९३. हरिमोहन झाकेँ छोड़ि गामक लोक दोसर साहित्यकारक नामो सुनने छल कि नहि?

- (A) नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९४. हरिमोहन झाक लोकप्रियता राजमोहन झाक अनुसार कोना बुझाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रहस्य जेकाँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९५. हरिमोहन झाक साहित्यपर कोन आलोचना होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ओ सम्पूर्ण समाज नहि, एक विशेष वर्ग चित्रित केलन्हि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९६. राजमोहन झाक अनुसार हरिमोहन झाक साहित्यसँ की तैयार भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पाठक-वर्ग।

८९७. हरिमोहन झाक लोकप्रियता सम्बन्धी तैयार समाधान भेटल कि नहि?

- (A) नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९८. एहि बहसमे लोकप्रियताक प्रमुख प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दोसर साहित्यकार हरिमोहन झा जेकाँ लोकधरि किएक नहि पहुँचलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९९. राजमोहन झा लोकप्रियताकें कोन सामाजिक परिणामसँ जोड़ैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पाठक वर्गक अस्तित्वमे आएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९००. खण्ड १०८६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हरिमोहन झाक लोकप्रियता मैथिलीमे पाठक-वर्ग निर्माणक महत्वपूर्ण उदाहरण बनैत अछि, मुदा ओकर सीमा आ कारण दूनू बहसक विषय रहैत अछि।

खण्ड १०८७ : विदेह-सदेह २ — साहित्यक उद्देश्य

९०१. गजेन्द्र ठाकुर साहित्यबारे कोन मूल प्रश्न उठबैत छथि?

- (A) साहित्य उद्देश्यपूर्ण होएबाक चाही वा मात्र मनोरंजन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०२. राजमोहन झाक अनुसार साहित्यमे मनोरंजन रहबाक चाही कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रहबाक चाही।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०३. राजमोहन झाक अनुसार साहित्यक अन्तिम उद्देश्य की नहि होएबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मात्र मनोरंजन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०४. विभिन्न स्तरक लोक लेल साहित्य कोना होएबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विभिन्न स्तरक।

९०५. राजमोहन झाक अनुसार साहित्य केकर पूर्ति करबाक चाही?

- (A) लोकक आवश्यकता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०६. एहि उत्तरमे साहित्यक द्वैत स्वरूप की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मनोरंजन आ उद्देश्य दूनू।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०७. साहित्य उद्देश्य पर राजमोहन झा कोन प्रक्रिया जरूरी मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्वयं-विश्लेषण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०८. साहित्य पढ़बाक प्रेरणा लेल राजमोहन झा की आवश्यक मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मनोरंजनक तत्व।

९०९. ई खण्ड मैथिली साहित्यक कोन संकटसँ जुड़ैत अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी कम करबाक संकट।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१०. खण्ड १०८७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) राजमोहन झा साहित्यक मनोरंजक होएबाक संग लोकक आवश्यकता पूर्ति करनिहार उद्देश्यपूर्ण विधा मानैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०८८ : विदेह-सदेह २ — माइग्रेशन आ भाषा-संकट

९११. गजेन्द्र ठाकुर मैथिली भाषा सम्बन्धमे बारंबार सुनल कोन कथन उठबैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली भाषा मरि रहल अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१२. गजेन्द्र ठाकुर माइग्रेशनकें कुल मिलाकर कोन चीज कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नीक चीज।

९१३. एक पीढ़ी में नब्बे प्रतिशत जनसंख्या माइग्रेट किए गेलासँ की संकट आबि सकैत अछि?

- (A) भाषा-संरक्षणक संकट।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१४. भारतसँ बाहर जाएबला लोकक भाषा कोन बनैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अंग्रेजी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१५. भारतमें दोसर ठाम जाएबला अदहा गोटे कोन भाषा बजए लगैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिन्दी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१६. राजमोहन झाक अनुसार लोकमें कोन प्रेम घटल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषा प्रेम।

९१७. राजमोहन झाक अनुसार लोक की छोड़ि रहल अछि?

- (A) मैथिली।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१८. गजेन्द्र ठाकुर नेपालमें मैथिलीकेँ ककर कारण अप्रत्यक्ष लाभ भेल कहलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हिन्दी-विरोधक कारण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१९. राजमोहन झाक अनुसार भारतमें स्थिति कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) खराब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२०. खण्ड १०८८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) माइग्रेशन, अंग्रेजी-हिन्दीक दबाव आ घटैत भाषा-प्रेम मैथिलीक जन-आधार पर संकट बनि रहल अछि, यद्यपि नेपालक स्थिति अलग संकेत दैत अछि।

खण्ड १०८९ : विदेह-सदेह २ — भाषा-प्रेम आ नेपाल-भारत सन्दर्भ

९२१. राजमोहन झाक अनुसार पहिने लोकमे की बेसी छल?

- (A) समर्पण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२२. भारतक मैथिली भाषी प्रदेशक विषयमे गजेन्द्र ठाकुर कोन बात सत्य मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भाषा-संकट गंभीर अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२३. नेपालमे मैथिलीकें अप्रत्यक्ष लाभ कोन विरोधसँ भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिन्दी-विरोधसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२४. राजमोहन झाक छोट टिप्पणी “भारतमे स्थिति खराप छै” कोन विषयपर अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली भाषाक स्थिति।

९२५. भाषा-प्रेम घटलासँ मैथिलीपर की असर पड़ैत अछि?

- (A) लोक मैथिली छोड़ए लगैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२६. एहि प्रसंगमे पीढ़ीगत अन्तर कोना देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पहिने समर्पण बेसी, आब कम।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२७. भारत आ नेपालक तुलना मैथिलीबारे की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) राजनीतिक-सामाजिक परिस्थिति भाषाक स्थिति बदलैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२८. भाषा-संकट पर साक्षात्कारक भाव की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चिन्तित।

९२९. एहि खण्डमे “भाषा प्रेम” कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा-रक्षा केर सामाजिक आधार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३०. खण्ड १०८९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) राजमोहन झा भारतमे मैथिलीक खराब स्थिति, घटैत भाषा-प्रेम आ पहिलुक समर्पणक कमी पर चिन्ता व्यक्त करैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०९० : विदेह-सदेह २ — पुरस्कार-विवाद आ आरम्भ

९३१. गजेन्द्र ठाकुर कोन लेखकसँ साहित्य अकादमी पुरस्कार देबाक विरोधक प्रसंग उठबैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बबुआ जी झा “अज्ञात”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३२. राजमोहन झाक अनुसार ओ स्वयं विरोध केने रहथि कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नहि।

९३३. राजमोहन झाक अनुसार विरोध कतयक लोक कएने रहथि?

- (A) दिल्लीमे आन-आन सभ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३४. सामूहिक वक्तव्य कोन पत्रिकाक आरम्भक तीसम अंकमे आएल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आरम्भ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३५. २००१क साहित्य अकादमी पुरस्कार कोन कृतिपर देल गेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) “प्रतिज्ञा पाण्डव”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३६. २००१क अनुवाद पुरस्कार किनका देल जाएबाक विरोध भेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सुरेश्वर झा।

९३७. राजमोहन झाक अनुसार आरम्भ बन्द भेल कि स्थिति?

- (A) स्थिति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३८. पुरस्कार-विवादमे मुख्य प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विरोधक आधार आ चयन-न्याय।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३९. सामूहिक वक्तव्यक प्रसंग कोन बातक संकेत दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली साहित्यिक जगतमे सार्वजनिक विवाद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४०. खण्ड १०९०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बबुआ जी झा “अज्ञात” आ सुरेश्वर झा सम्बन्धी पुरस्कार-विवाद मैथिली साहित्यिक संसारमे चयन, विरोध आ पत्रिका-आधारित हस्तक्षेपक प्रश्न खोलैत अछि।

खण्ड १०९१ : विदेह-सदेह २ — अनुवाद पुरस्कार आ चयन प्रक्रिया

९४१. भालचन्द्र झाक कोन एकांकी मूलभाषासँ सोझे अनूदित कहल गेल?

- (A) “बीछल बेराएल मराठी”।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४२. सुभाष चन्द्र यादवक कोन कृति बंगला सँ मैथिली अनुवाद छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “बिहाड़ि आउ”।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४३. गजेन्द्र ठाकुरक अनुसार मूल समस्या मैथिलीक कोन-कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पाठक-शून्यता, साहित्यिक जनसँ दूरी, भाषाक मृत होएबाक खतरा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४४. राजमोहन झा विरोधबारे की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विरोध होइत अछि, मुदा लोक परवाह नहि करैत छथि।

१४५. सिद्धार्थ राईक नेपाली कविता-संग्रहक मैथिली अनुवाद कोन नामसँ भेल?

- (A) “ओ लोकनि जे नहि घुरलाह”।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६. “ओ लोकनि जे नहि घुरलाह”क अनुवाद के केलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मेनका मल्लिक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७. मनप्रसाद सुब्बाक नेपाली कविता-संग्रहक अनुवाद कोन नामसँ भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) “अक्षर आर्केष्ट्रा”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८. “अक्षर आर्केष्ट्रा”क अनुवादक के कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रदीप बिहारी।

१४९. २००७ मे अनुवाद पुरस्कार लेल प्रशंसित उदाहरण के छथि?

- (A) अनन्त बिहारी लाल दास “इन्दु”।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०. खण्ड १०९१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनुवाद पुरस्कारक बहसमे सीधा अनुवाद, जूरीक पढ़ाइ, चयन-निरन्तरता आ मैथिली पाठक-संकट एकसंग उठैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०९२ : विदेह-सदेह २ — जूरी, गुटबन्दी आ अनुवादक आवश्यकता

१५१. गजेन्द्र ठाकुरक अनुसार जूरीमे अधिकतर के छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पुरने लोक सभ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२. पुरना लोकमे कोन-कोन उपाधि लेल घमासानक उल्लेख अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पहिल कथा, पहिल कविता, पहिल नाटक, पहिल पत्र-पत्रिका आदि।

९५३. राजमोहन झाक अनुसार आइ-काल्हिक साहित्यकारमे की बेसी भेल अछि?

- (A) गुटबन्दी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५४. राजमोहन झाक अनुसार पहिने गुटबन्दी रहए कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५५. गजेन्द्र ठाकुर फ्रेंच भाषाक कोन लेखकक नोबेल पुरस्कारक उदाहरण दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जीन मेरी गुस्ताव ली क्लाजियो।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५६. फिलिप रॉथ कतयक लेखक रूपमे उल्लिखित छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अमेरिकाक न्यू जर्सीक।

९५७. अमेरिकाक आत्ममुग्धता प्रसंगमे कोन बात कहल गेल?

- (A) अनुवादपर ध्यान नहि देल जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५८. राजमोहन झा अनुवादक कोना मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बहुत जरूरी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५९. अनुवाद कोन कार्यमे सहायक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तुलना करब आ जीवनानुभवकें विस्तार देब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६०. खण्ड १०९२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जूरीक पुरानपन, साहित्यिक गुटबन्दी आ अनुवादक उपेक्षा मैथिली साहित्यक तुलनात्मक विस्तारमे बाधा रूपमे देखाओल गेल अछि।

खण्ड १०९३ : विदेह-सदेह २ — रामाश्रय झा “रामरग”: परिचय

९६१. रामाश्रय झा “रामरग”क जन्मवर्ष कोन देल गेल अछि?

- (A) १९२८।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६२. रामाश्रय झा “रामरग” किन-किन रूपमे परिचित कहल गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विद्वान, वागयकार, शिक्षक आ मंच सम्पादक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६३. रामरंगजी सँ गप-शप के लेने छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गजेन्द्र ठाकुर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६४. गप-शपक दिनांक की देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ६ जुलाई २००८।

९६५. गजेन्द्र ठाकुर रामरंगजीकेँ अभिवादन कोना करैत छथि?

- (A) गोर लगैत छी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६६. रामरंगजी अपन वयस बारे की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ८० बरख पार केलहुँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६७. रामरंगजी स्वास्थ्य प्रसंगमे कोन बात कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संगीतमे बहटरल रहैत छी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६८. गजेन्द्र ठाकुर संगीतकेँ कोन विशेषता देलथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संगीतक अपन फराक भाषा होइत अछि।

९६९. गजेन्द्र ठाकुर मैथिली संगीतक परम्परा किनका सँ रामरंग धरि जोड़ैत छथि?

- (A) विद्यापति आ लोचनसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७०. खण्ड १०९३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रामाश्रय झा “रामरंग”क परिचय विद्वान-संगीतकार-शिक्षक रूपमे होइत अछि आ संवाद हुनकर अस्सी बरखक संगीत-साधनासँ आरम्भ होइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०९४ : विदेह-सदेह २ — रामरंगजीक मिथिला-सम्बद्ध राग

९७१. रामरंगजी अपन मिथिलासँ सम्बन्धित कतेक रागक रचना कएने छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तीन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७२. रामरंगजीक तीन रागमे पहिल नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राग तीरभुक्ति।

९७३. रामरंगजीक दोसर रागक नाम की अछि?

- (A) राग विद्यापति कल्याण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७४. रामरंगजीक तेसर रागक नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) राग वैदेही भैरव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७५. तीरभुक्ति आ विद्यापति कल्याणमे कोन भाषा मे खयाल बनल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली भाषामे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७६. संगीत रामायणक बालकाण्डमे कोन-कोन रागमे मैथिली खयाल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राग भूपाली आ बिलावल।

९७७. संगीत रामायणक पृष्ठ ३ पर कोन वन्दना बिलावलमे अछि?

- (A) श्री गणेशजीक वन्दना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७८. संगीत रामायणक पृष्ठ २० पर भूपालीमे कोन वन्दना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) श्री शंकरजीक वन्दना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७९. संगीत रामायणक पृष्ठ ८७ पर कोन रागमे मिथिला प्रदेशक वन्दना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) राग तीरभुक्त्ति।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८०. खण्ड १०९४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रामरंगजी मिथिला-सम्बद्ध राग, मैथिली खयाल आ संगीत रामायणक रचनासँ मैथिली संगीत-परम्पराकेँ शास्त्रीय विस्तार दैत छथि।

खण्ड १०९५ : विदेह-सदेह २ — रामरंगजीक रागशास्त्र आ संरक्षण प्रश्न

९८१. संगीत रामायणक पृष्ठ १२० पर कोन रागक रचना कहल गेल?

- (A) राग वैदेही भैरव।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८२. वैदेही भैरवक पृष्ठ १२०क रचना कोन भाषामे कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हिन्दीमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८३. “अभिनव गीताञ्जली”क कोन भागमे विद्यापति कल्याण रागक खयाल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पंचम भाग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८४. अभिनव गीताञ्जलीक कोन पृष्ठपर विद्यापति कल्याणक विलम्बित-द्रुत खयाल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) २६५ आ २६६।

९८५. गजेन्द्र ठाकुर कोन कमीक उल्लेख करैत छथि?

- (A) तीनू रागक पूर्ण रागशास्त्र नहि अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८६. रामरंगजी अपन बहुत रचना सम्बन्धमे की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बहुत रचना मोन अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८७. रामरंगजी किएक लिखब कठिन बुझबैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हाथ थरथराइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८८. गजेन्द्र ठाकुर तीनू रागक विस्तृत विवरण किएक चाहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पुस्तकाकार छपबाक लेल।

९८९. रामरंगजी अन्तमे की आश्वासन दैत छथि?

- (A) तीनूक विस्तृत विवरण पठाएब, लिखैत छी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९०. खण्ड १०९५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रामरंगजीक राग-साधना संग ओकर लिखित रागशास्त्र, संरक्षण आ पुस्तकाकार प्रकाशनक आवश्यकता संवादमे प्रमुख बनैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०९६ : विदेह-सदेह २ — जनकपुरमे चक्काजाम कवि गोष्ठी

९९१. “जनकपुरमे चक्काजाम कवि गोष्ठी” लेख केकर नामसँ देल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जितेन्द्र झा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९२. जनकपुरधामक साहित्यकार आ रंगकर्मी कोन दिन सड़कपर कवितावाचन कएने छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) शुक्र दिन ११ दिसम्बर।

९९३. कवि गोष्ठीमे कोन माग कएल गेल?

- (A) मिथिला राज्यक माग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९४. नेपालमे चक्काजामबारे लेख की कहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई कोनो नव बात नहि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९५. जनकपुरधामक साहित्यकार-रंगकर्मी कोन प्रकारक चक्काजाम कएलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रचनात्मक चक्काजाम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९६. कवि गोष्ठी कतय कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पिडारी चौकपर।

९९७. पिडारी चौक जनकपुरक कोन रूपमे कहल गेल?

- (A) प्रवेशद्वार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९८. गोष्ठीमे कविसभ नेपालक नव संविधानमे की चाहैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलाराज्यक व्यवस्था।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९९. नेपालमे तखन कोन प्रक्रिया चलि रहल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नव संविधान लिखबाक प्रक्रिया।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०००. खण्ड १०९६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जनकपुरक चक्काजाम कवि गोष्ठी साहित्यिक अभिव्यक्तिकें मिथिला राज्यक राजनीतिक-सांस्कृतिक मागसँ जोड़ैत अछि।

खण्ड १०१७ : विदेह-सदेह २ — मिथिला राज्यक माग आ सहभागिता

१००१. रंगकर्मी रन्जु झा नया संविधानमे कोन बात सुनिश्चित होएबाक चाही कहलनि?

- (A) मिथिला राज्य आ मधेशीक हक-अधिकार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००२. गोष्ठीमे डा. राजेन्द्र प्रसाद विमल सहभागी छलाह कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) छलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००३. मिनापक अध्यक्ष रूपमे कोन नाम देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सुनिल मल्लिक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००४. गोष्ठीमे सुनिल मिश्र, काशीकान्त झा, प्रमिला मिश्र, रमेश रंजन, रंजु झा, मदन ठाकुर आदि के रूपमे उल्लिखित छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सहभागी।

१००५. गोष्ठी केकर सहभागितामे कएल गेल?

- (A) मिथिला राज्य संघर्ष समिति जनकपुर आ मिनापक सहभागितामे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००६. चक्काजामक कारण कोन सड़क खण्डमे सवारी साधन नहि चलि सकल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जनकपुर-महेन्द्रनगर सड़क खण्ड।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००७. संविधान सभामे मिथिला राज्यक माग कोना पड़ि रहल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कमजोर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००८. एहि गोष्ठीसँ मागक की परिणाम भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) थोड़बहुत चर्चा बटोरलक।

१००९. चक्काजाम कवि गोष्ठीमे साहित्यकारक भूमिका की छल?

- (A) राज्य-अधिकारक मागकें सार्वजनिक आवाज देब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१०. खण्ड १०९७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चक्काजाम कवि गोष्ठी नव संविधान, मिथिला राज्य, मधेशी अधिकार आ जनकपुरक सांस्कृतिक प्रतिरोधकें एक मंचपर आनैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १०९८ : विदेह-सदेह २ — “प्रिय पाहुन” विवाह गीत क्यासेट

१०११. “प्रिय पाहुन” कोन प्रकारक सामग्री समेटल क्यासेट अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पारम्परिक मैथिली विवाह गीत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१२. “प्रिय पाहुन”मे विवाहक कोन चरणसँ कोन चरण धरि गीत संग्रहित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परिछनसँ विदाई धरि।

१०१३. एहि क्यासेटक प्रस्तुति कोन कलाकारक एकल प्रस्तुति अछि?

- (A) अंशुमाला।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१४. एहि क्यासेटक विशेषता रूपमे अंशुमाला कोन गीतक उल्लेख करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयमाल गीत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१५. जयमाल गीतकें मिथिलाक कोन प्रकारक गीत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मौलिक गीत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१६. जीमनार गीत कोन अवसरक गीत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) वरियाती खएबाक काल।

१०१७. जीमनार गीत आब बहुतोक ठोरपर की नहि चढ़ैत अछि कहल गेल?

- (A) नहि चढ़ैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१८. “प्रिय पाहुन”मे जीमनारकें की देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) महत्त्व।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१९. अंशुमालाक कहब अनुसार “प्रिय पाहुन” ककरा पसन्द पड़ि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नव आ पुरान दुनू पीढ़ीक लोककें।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२०. खण्ड १०१८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “प्रिय पाहुन” विवाहक परम्परागत गीत-संसारकें परिछनसँ विदाई धरि अंशुमालाक स्वरमे सहेजबाक प्रयास अछि।

खण्ड १०१९ : विदेह-सदेह २ — “प्रिय पाहुन”क गीत-संग्रह आ निर्माण

१०२१. “प्रिय पाहुन”मे कन्या लगन गीत अछि कि नहि?

- (A) अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२२. “प्रिय पाहुन”मे परिछन गीत अछि कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२३. “देखु रसे रसे दुलहा” कोन क्यासेटमे संकलित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रिय पाहुन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२४. “प्रिय पाहुन”मे देहरि छेकाओनक गीत अछि कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अछि।

१०२५. “प्रिय पाहुन”मे सिन्दुरदान आ समदाओनक गीत अछि कि नहि?

- (A) अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२६. एहि क्यासेटमे सीमाक भीतरक हँसी-मजाक संग की देखएबाक प्रयास अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नुकाएल प्रेम।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२७. “प्रिय पाहुन” कोन क्यासेटक प्रस्तुति रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गंगा क्यासेट।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२८. एखन “प्रिय पाहुन” कोन रूपमे उपलब्ध कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) केवल ऑडियो रूपमे।

१०२९. गीत-संकलन केकर अछि?

- (A) हृदय नारायण झा आ शशि किरण झा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३०. खण्ड १०९९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “प्रिय पाहुन”मे विवाहक प्रमुख संस्कार-गीत, मर्यादित हास्य, प्रेम, गीत-संकलन आ ऑडियो प्रस्तुति एकसाथ संग्रहीत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११०० : विदेह-सदेह २ — “प्रिय पाहुन”क संगीत आ सांस्कृतिक आशा

१०३१. “प्रिय पाहुन”मे संगीत केकर अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कमल मोहन चुन्नुक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३२. गायिका अंशुमालाके एहि क्यासेटसँ कतेक आशा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बहुत बेसी आशा।

१०३३. आधुनिक गीतक बजारमे “प्रिय पाहुन” कोन स्थान बना सकैत अछि कहल गेल?

- (A) अलग स्थान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३४. “प्रिय पाहुन”क केन्द्र आधुनिक गीत नहि, कोन परम्परा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली विवाह-गीत परम्परा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३५. क्यासेटक सांस्कृतिक प्रयोजन की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विवाह-संस्कारक गीत-सम्पदा सहेजब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३६. जयमाल आ जीमनार गीतक उल्लेख कोन बातक संकेत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला विवाहक मौलिकता आ विलुप्ति-संकटक।

१०३७. नव-पुरान दुनू पीढ़ीक पसन्दक उल्लेख की देखबैत अछि?

- (A) परम्पराक पीढ़ीगत सेतु।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३८. ऑडियो क्यासेट माध्यमक महत्त्व की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गीत-परम्परा सुनबाक रूपमे जीवित रहैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३९. “प्रिय पाहुन” लेखक समापन कोन आशासँ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ई विवाह गीत आधुनिक बजारमे अलग स्थान बनाओत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४०. खण्ड ११००क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “प्रिय पाहुन” आधुनिक गीतक बजारमे मैथिली विवाह-गीत परम्पराकेँ अलग पहचान देबाक सांस्कृतिक परियोजना रूपमे देखल गेल अछि।

खण्ड ११०१ : विदेह-सदेह २ — अमरनाथ झा: चुनाव-स्मृति आ सामाजिक चेतना

१०४१. अमरनाथ झा अपन लेखमे खुशवन्त सिंहक कोन प्रसंग उद्धृत करैत छथि?

- (A) आइ-काल्हिक चुनावपर टिप्पणी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४२. आशुतोषक निबन्धक उद्धरण कोन परिवर्तनक बात करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) देशक राजनीतिक दिशा बदलि रहल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४३. आशुतोषक पंक्तिमे वोटर कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बुधियार भऽ रहल छथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४४. आशुतोषक अनुसार नव सिविल सोसाइटी नेता लोकनिक लेल की तैयार करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जिम्मेदारी।

१०४५. अमरनाथ झाकेँ १९७१क कोन घटना याद अछि?

- (A) भारत-पाक युद्ध।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४६. १९७१क स्मृतिमे गामक बूढ़-पुरान लोक केकरा पर गर्व करैत रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भारतीय सैनिकपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४७. १९७४ आसपास अमरनाथ झाकेँ कोन आन्दोलनक मोन पड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जे.पी. आन्दोलन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४८. जे.पी. आन्दोलनमे युवा सभ कोना भए गेल छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) न्यायवादी-आन्दोलनकारी।

१०४९. अमरनाथ झाक पैघ भाय आ छोट बहनोइ कतय प्रदर्शनमे भाग लेने रहथि?

- (A) दुमकामे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५०. खण्ड ११०१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अमरनाथ झा वर्तमान चुनाव-चेतना केँ १९७१ युद्ध-स्मृति आ १९७४ जे.पी. आन्दोलनक ग्रामीण अनुभवसँ जोड़ैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११०२ : विदेह-सदेह २ — जे.पी. आन्दोलन, आपातकाल आ किशोर चेतना

१०५१. अमरनाथ झाक पितियौत भाय आ संगी सभक मैट्रिक परीक्षा कोना गेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बड्ड खराब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५२. परीक्षा खराब गेलाक बाद ओ सभ की बनि गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आन्दोलनकारी।

१०५३. आन्दोलनकारी भेलाक बाद ओ सभ कतय गेल रहथि?

- (A) जेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५४. १९७५-७६ मे अमरनाथ झा अपनाकेँ कोना बुझए लागल छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पैघ क्रान्तिकारी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५५. तहिया अमरनाथ झा कोन कक्षामे पढ़ैत रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कक्षा ७-८।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५६. आपातकालक विरोधमे अमरनाथ झा की लिखने छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन पहिल कविता।

१०५७. अमरनाथ झाक पहिल कविता के फाड़ि देलन्हि?

- (A) माझिल भाए।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५८. १९७७क चुनावमे बहुत लोक कोन पार्टीक संग देलन्हि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जनता पार्टी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५९. परिवारक कुलगुरु सेहो एहि बेर केकरा भोट देबाक कहए लगलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जनता पार्टीकें।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६०. खण्ड ११०२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जे.पी. आन्दोलन आ आपातकाल अमरनाथ झाक किशोर मनमे राजनीतिक चेतना, कविता आ जनतापक्षी उत्साहक आरम्भ बनल।

खण्ड ११०३ : विदेह-सदेह २ — ग्रामीण राजनीति, अभाव आ बौद्धिक व्यंग्य

१०६१. १९७७क नारा “अन्न खाऊ कौरवक, गुण गाऊ पांडवक” कोन राजनीतिक माहौल देखबैत अछि?

- (A) जनता पार्टीक पक्षक माहौल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६२. अमरनाथ झा अपन किशोर मनकें कोना वर्णित करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पूर्ण क्रांतिकारी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६३. ओ अपन स्मृति कोन आजुक राज्य/क्षेत्रक गामसँ जोड़ैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) झारखण्डक संताल परगनाक गाम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६४. हाई स्कूलक माटिक धरतीकें कीसँ निपबाक बात अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गोबरसँ।

१०६५. स्कूल लेल पानि कतयसँ आनए पड़ैत छल?

- (A) १ किलोमीटरसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६६. गोबर कतयसँ आनए पड़ैत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लग-पासक जंगलसँ २-३ किलोमीटरसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६७. लेखक ओहि क्षेत्रबारे लोकक सामान्य धारणा कोना कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पहिने रोटी दिअ, तखन राजनीति करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६८. तहिया जनसाधारण मात्र नहि, के धरि हस्तक्षेप कएने रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) धर्मगुरु।

१०६९. लेखक “विशिष्ट लोक” आ “कलमक जादूगर” कहि कोन भाव रचैत छथि?

- (A) स्वयम्भू बौद्धिकतापर व्यंग्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७०. खण्ड ११०३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अमरनाथ झा ग्रामीण अभाव, किशोर क्रांतिकारिता आ बौद्धिक दम्भपर व्यंग्यक माध्यमे राजनीति-स्मृति लिखैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११०४ : विदेह-सदेह २ — विष्णु प्रभाकरक स्मृति

१०७१. “विष्णु प्रभाकर जी सादगीक प्रतिमूर्ति छलाह” शीर्षक कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) श्रद्धा आ स्मरण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७२. अमरनाथ झाक अनुसार १९९० वर्ष हुनका लेल कोना छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) काफी महत्त्वपूर्ण।

१०७३. मोहन पैलेसक छतपर चलए वाला काफी हाउसक गोष्ठीमे लेखक ककर संग गेल होएबाक अनुमान करैत छथि?

- (A) प्रो. राजकुमार जैनक संग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७४. ओहि मंडलीमे विष्णु प्रभाकर जी कोन वेशमे सुशोभित छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खादी धरी, गाँधी टोपी पहिरने।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७५. शनिवारी गोष्ठीक सिलसिला कतेक वर्ष धरि चलल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९९५ तक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७६. ओहि वर्षसभमे लेखककें किनकर साहचर्य भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लेखक, कवि, कलाकार आ पत्रकार।

१०७७. काफी हाउस मे लोक अमरनाथ झाकें प्रायः कोन विषयक शिक्षक बुझैत रहथि?

- (A) हिन्दीक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७८. डॉ. हेमचंद्र जैन अमरनाथ झाकें की कहैत रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अहाँ अपन बौद्धिक लुकसँ आतंकित करैत छी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७९. १९९४ मे भारतीय भाषा लेल संघर्षक क्रममे लेखककें कतय पठाओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तिहाड़ जेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८०. खण्ड ११०४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अमरनाथ झा विष्णु प्रभाकरक सादगी, काफी हाउसक साहित्यिक मंडली आ भारतीय भाषा आन्दोलनक स्मृतिकें आत्मीय श्रद्धांजलि रूपमे जोड़ैत छथि।

खण्ड ११०५ : विदेह-सदेह २ — आचार्य पंकज: परिचय आ आरम्भ

१०८१. अमरनाथ झा अपन परिचय कोन रूपमे दैत छथि?

- (A) दिल्ली विश्वविद्यालयक स्वामी श्रद्धानंद कॉलेजक इतिहास विभागक असोसिएट प्रोफेसर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८२. आचार्य पंकजक मूल नाम की देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ज्योतींद्र प्रसाद झा “पंकज”।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८३. पंकजजीक जन्म कहिया भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९१९ मे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८४. पंकजजी १९३४ मे कतय अध्यापन शुरू कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) देवघरक हिंदी विद्यापीठमे।

१०८५. अमरनाथ झा पंकजजीकेँ कोन क्षेत्रमे साहित्यक अलख जगओनिहार मानैत छथि?

- (A) संताल परगना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८६. पंकजजीक बहुमुखी प्रतिभाक असर कोन रूपमे कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समस्त संताल परगनाकेँ शिक्षाक लौ सँ रौशन करब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८७. १९४२ क भारत छोड़ो आन्दोलनमे पंकजजीक भूमिका कोन रूपमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शिक्षकक हैसियतसँ कमान सम्भारब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८८. पंकजजी १९५४ मे कोन महाविद्यालयसँ जुड़लाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संताल परगना महाविद्यालय, दुमका।

१०८९. पंकजजीक आरम्भिक रचनात्मक पहिचान कोन विधा सभसँ जुड़ल छल?

- (A) कविता, समीक्षा आ एकांकी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९०. खण्ड ११०५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आचार्य पंकज शिक्षण, आन्दोलन आ साहित्यिक माध्यमे संताल परगनाक सांस्कृतिक जागरणक व्यक्तित्व छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११०६ : विदेह-सदेह २ — पंकजजीक कृति आ पंकज-गोष्ठी

१०९१. पंकजजीक १९५८ क कविता-संग्रहक नाम की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्नेहदीप।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९२. १९६४ मे पंकजजीक दोसर कविता-संग्रह कोन नामसँ छपल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उद्गार।

१०९३. १९६५ मे बनल पैघ साहित्यिक संगठनक नाम की राखल गेल?

- (A) पंकज-गोष्ठी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९४. पंकज-गोष्ठी १९६५ सँ १९७५ धरि कोन रूपमे वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संपूर्ण संताल परगनाक असगर आ सभसँ पैघ साहित्यिक आन्दोलन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९५. पंकज-गोष्ठी द्वारा प्रकाशित कविता-संकलनक नाम की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अर्पण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९६. पंकज-गोष्ठी द्वारा प्रकाशित एकांकी-संकलनक नाम की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्यकार।

१०९७. स्रोतमे पंकजजीक समकालीन रूपमे किनकर नाम आयल?

- (A) लक्ष्मी नारायण “सुधांशु”, जनार्दन प्रसाद मिश्र “परमेश” आ बुद्धिनाथ झा “कैरव”।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९८. पंकजजीक विद्वता सँ परिचित हिंदी रचनाकार सभमे कोन नाम आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रामधारी सिंह “दिनकर” आ सुमित्रानंदन पन्त आदि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९९. पंकज-गोष्ठीक मान्यता बिना ओहि समय कोन स्थिति कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कोनो साहित्यकारहि नहि कहाइत रहथि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११००. खण्ड ११०६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पंकज-गोष्ठी पंकजजीक नेतृत्वमे संताल परगनाक साहित्यिक संस्थागत आन्दोलन बनल।

खण्ड ११०७ : विदेह-सदेह २ — पंकजजीक स्मृति आ भाषिक प्रसंग

११०१. पंकजजीक देहावसान कतेक वर्षक अल्पायुमे भेल कहल गेल?

- (A) ५८ वर्ष।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०२. हिंदी जगत पंकजजीकेँ बिसरि देलाक बादो के हुनका स्मृतिमे जिवैत रखने अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संताल परगनाक साहित्यकार आ लाखों लोक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०३. संताल परगनाक गाम-शहरमे पंकजजीसँ सम्बन्धित की प्रचलित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) किम्वदंती।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०४. अमरनाथ झा पंकजजीक कृतिकेँ कतय प्रस्तुत करबाक सहायता चाहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बृहत्तर हिंदी जगत समक्ष।

११०५. अमरनाथ झाक परिवार कतेक बरससँ खैरबनी ग्राममे रहैत कहल गेल?

- (A) लगभग ३५० बरससँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०६. अमरनाथ झा अपन घरेलू भाषाक सम्बन्धमे की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) घरमे शुद्ध मैथिली नहि बाजैत छी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०७. हुनकर बोलीमे कोन दू भाषिक तत्वक सम्मिश्रण कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली आ अंगिका।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०८. भाषा-व्रुटिक सम्बन्धमे लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) क्षमा करबाक।

११०९. पंकजजीक स्मृति-विमर्श कोन व्यापक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) स्थानीय साहित्यिक महापुरुषकें बृहत्तर जगतमे पुनः चिन्हएबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११०. खण्ड ११०७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पंकजजीक स्मृति लोकजीवनमे जीवित अछि आ अमरनाथ झा ओकरा व्यापक साहित्यिक मानचित्रमे पुनः राखए चाहैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११०८ : विदेह-सदेह २ — तूलिका, नव पीढ़ी आ विदेह

११११. विदेह:सदेह:१ मे विदेहक पहिल २५ अंकक कतेक रचना प्रकाशित भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ११३ गोटेक रचना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११२. ओहि रचनाकार-विस्तारमे कतेक वर्षक तूलिका सँ कतेक वर्षक आद्याचरण झा धरि उल्लेख अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १४ वर्षीय तूलिका सँ ८८ वर्षीय श्री आद्याचरण झा धरि।

१११३. तूलिका किछु दिनसँ रचना किएक नहि पठा रहल छलीह?

- (A) सी.बी.एस.ई.क १०म कक्षाक तैयारीमे लागल रहबाक कारण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११४. तूलिका कोन विद्यालयक छात्रा कहल गेलीह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) डी.ए.वी., बी.एस.ई.वी., पटना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११५. तूलिकाकेँ १०म कक्षामे कतेक प्रतिशत अंक भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ९६.८ प्रतिशत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११६. परिणामक बाद तूलिका कोन तैयारीमे लागल छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) इन्जीनियरिंगक तैयारीमे।

१११७. विदेह लेल तूलिकाक रचना पुनः आबयबाक बात कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) युवा प्रतिभाक फेर पत्रिका-संवादमे प्रवेश।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११८. तूलिका प्रसंग विदेहक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विभिन्न पीढ़ीक रचनाकारकेँ स्थान देबाक क्षमता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११९. तूलिकाक उपलब्धि केकरा संग जोड़ल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शिक्षा आ रचनात्मकता दुनू संग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२०. खण्ड ११०८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तूलिका प्रसंग विदेहमे नव पीढ़ीक शैक्षिक उपलब्धि आ रचनात्मक उपस्थिति दुनूक संकेत दैत अछि।

खण्ड ११०९ : विदेह-सदेह २ — स्वास्तिका आ बाल-उपस्थिति

११२१. स्वास्तिका कोन कक्षाक छात्रा रूपमे उल्लेखित छथि?

- (A) कक्षा २।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२२. स्वास्तिका कोन विद्यालयसँ जुड़ल कहल गेलीह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) माउन्ट कार्मेल, पटना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२३. स्वास्तिका प्रसंग विदेहमे कोन आयु-वर्गक उपस्थिति सूचित करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बाल रचनाकार/बाल प्रतिभा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२४. तूलिका आ स्वास्तिका प्रसंग मिलि विदेहक कोन स्वरूप देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पीढ़ी-समावेशक मंच।

११२५. बाल-उपस्थिति साहित्यिक पत्रिकाक लेल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भविष्यक पाठक-लेखक समुदाय तैयार करबाक लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२६. स्वास्तिकाक परिचयमे विस्तृत लेखन-विवरण भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, केवल संक्षिप्त परिचय भेटैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२७. एहन संक्षिप्त परिचयकेँ प्रश्न बनबैत समय की सावधानी चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उपलब्ध तथ्यसँ बाहर नहि जाएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२८. विदेहक बाल-लेखन सन्दर्भमे स्वास्तिका कोन संकेत दैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बाल पाठक/रचनाकारक सामाजिक उपस्थिति।

११२९. स्वास्तिका प्रसंगकेँ तूलिका प्रसंगसेँ जोड़लासेँ की बुझाईत अछि?

- (A) विदेहमे शिशु सँ किशोर धरि प्रतिभाकेँ जगह भेटैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३०. खण्ड ११०९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्वास्तिका प्रसंग विदेहमे बाल उपस्थिति आ भविष्यक साहित्यिक पीढ़ीक संकेत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १११० : विदेह-सदेह २ — “हुगली ऊपर बहैत गंगा”क आलोचनात्मक आरम्भ

११३१. “हुगली ऊपर बहैत गंगा” केकर कथा-संग्रह कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रामभरोस कापड़ि भ्रमरक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३२. एहि संग्रहमे कतेक कथा अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ३२ गोटा कथा।

११३३. संग्रहक नामक अन्तिम कथा कोन अछि?

- (A) हुगली ऊपर बहैत गंगा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३४. शीर्षक कथामे कोन पात्र सभक माध्यमे नारी-मोनक संवेदना उभारल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हीरा आ सोना बाई।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३५. आलोचक नारीकेँ केवल की नहि मानबाक बात करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) देह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३६. कामुक पुरुष नारीक देहकेँ कोना बुझैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन धन-सम्पत्ति।

११३७. भौतिकवादी युगमे कोन लिप्सा मानवीय मूल्यकेँ गिरबैत कहल गेल?

- (A) धनक अतिशय लिप्सा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३८. शीर्षक कथा आलोचक लेल कोन बड़ विषय खोलैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नारी-संवेदना आ मानवीय मर्यादा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३९. स्रोतक आरम्भिक आलोचना कोन सामाजिक दोष पर प्रहार करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नारीकेँ भोग-सामग्री बुझबाक मानसिकता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४०. खण्ड १११०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “हुगली ऊपर बहैत गंगा”क आलोचना नारी-देहक वस्तुकरणक विरोध आ नारी-मोनक प्रतिष्ठापर आरम्भ होइत अछि।

खण्ड ११११ : विदेह-सदेह २ — हीरा, सोनाबाई आ मनुष्यता

११४१. शीर्षक कथामे हीरा सोनाबाईक ओतय किएक अबैत अछि?

- (A) असन्तोष आ खौंड़ी मेटएबाक लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४२. सोनाबाई अपन पेशामे कोन बात नहि करैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कोताही।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४३. हीराकेँ सोनाबाई लग की अनुभव होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नारीक प्रति सम्मान-भाव जागि जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४४. सोनाबाई हीरासँ भेटल अनुभवकेँ कोन रूपमे देखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सुच्या मनुखक दर्शन।

११४५. हीरा-सोनाक सम्बन्धमे कोन भाव जागि उठैत अछि?

- (A) अपनत्व-बोध।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४६. आलोचकक अनुसार शिल्पक दृष्टिँ ई कथा कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कनेक कमजोर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४७. कथक दृष्टिँ ई कथा की चीखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मनुष्यक मनुष्यताक स्वाद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४८. सोना आ हीराक प्रसंगमे दैहिक भोगसँ बेशी कोन तत्त्व महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मोनक राग।

११४९. हीरा-सोनाबाई प्रसंग अमानवीय समाजमे कोन संभावना देखबैत अछि?

- (A) सम्मान आ मानवीय संवेदनाक संभावना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५०. खण्ड ११११क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हीरा-सोनाबाई प्रसंग देह-व्यापारक अन्हारमे सेहो मनुष्यता, सम्मान आ अपनत्वक चमक देखबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १११२ : विदेह-सदेह २ — भौतिकता, वासना आ सामाजिक अस्मिता

११५१. आलोचक प्रश्न उठबैत छथि जे मनुष्यक मनुष्यताकेँ अमानवीय बनाएबाक दोषी के?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जन-समाज।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५२. कुटिल पुरुषक अहं स्त्रीकेँ कोन रूपमे बुझि पबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भोगक सामग्री।

११५३. हीरा आ सोनाबाई सन निष्ठा उभरए तँ कोन चदर फाटत कहल गेल?

- (A) विकृतिक विषाक्त चदरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५४. विश्वास आ हार्दिकतामे स्त्री-पुरुषक आकर्षण की सिद्ध होएत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मानवीय आकांक्षाक पूर्तिमे सहायक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५५. हीरा आ सोनाक हृदयमे कोन भाव अंकुरित होइत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) वास्तविक प्रेम-भाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५६. अभिजातीय संस्कृतिक विरोधक रूपमे कोन व्यापक बोध उभरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सामाजिक अस्मिताक व्यापक बोध।

११५७. सामाजिक जीवनक यथार्थ कतय झलकि उठैत अछि?

- (A) दुनूक संघर्षमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५८. ई आलोचना केवल निजी प्रेमक कथा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, सामाजिक अस्मिता आ अमानवीयता-विरोधक प्रश्न अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५९. एहि खण्डक केन्द्रीय प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) वासना-प्रधान समाजमे मानवीय सम्बन्ध कतेक सम्भव अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६०. खण्ड १११२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भ्रमरक कथा-संसार देह-वासना आ भौतिकताक बीच सामाजिक अस्मिता आ मनुष्यता खोजैत अछि।

खण्ड १११३ : विदेह-सदेह २ — भगजोगनी, कामरेड आ आत्मचेतना

११६१. “भगजोगनी” कथामे रेखाक कोन प्रवृत्ति घर उजारबाक सीमा धरि बढ़ैत अछि?

- (A) भोगवादी लिप्सा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६२. रेखा की बिसरि जाइत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अर्थ-लिप्सा सम्बन्धकें गीडि जाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६३. “भगजोगनी”मे कथाकार कोन उपसंस्कृतिपर प्रहार करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रेम आ यौन सम्बन्धी गेठ खोलैत उपसंस्कृतिपर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६४. “कामरेड” कथा कोन विचारधाराकें लऽ कऽ सृजित भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साम्यवादी विचारधारा।

११६५. “कामरेड”मे कोन नारा/भाव आयल?

- (A) गरीब-गरीब सभ एक हो।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६६. “कामरेड”मे धनी-गरीबक बीच की बढ़ैत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) असमानताक खधिया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६७. “सुपत-कुपत आब हमहुँ सभ कहबै” कथन कोन उद्देश्य देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आत्मचेतना जगएबाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६८. भगजोगनी आ कामरेड दुनू मिलि कोन द्वंद्व देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भोगवादी लिप्सा आ वर्गीय आत्मचेतना।

११६९. एहि खण्डमे सामाजिक आलोचना कोन दिश जाएत अछि?

- (A) व्यक्तिगत वासना सँ वर्गीय असमानता धरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७०. खण्ड १११३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भ्रमरक कथामे भोगवादी विघटन आ गरीबक आत्मचेतना दुनू सामाजिक यथार्थक रूपमे उभरैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १११४ : विदेह-सदेह २ — “उड़ान” आ प्रवासी ठगी

११७१. “उड़ान” कथामे रजिन्दर कापर कतय उड़ान भरबाक लोभमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कतार दिस।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७२. रजिन्दर कापर पहिल एजेन्टक कतेक टाका देल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दस हजार टाका।

११७३. दोसर एजेन्ट कतेक टाका लेल?

- (A) अस्सी हजार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७४. तेसर खेपक कर्जा कतेक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पन्चान्वे हजार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७५. रजिन्दर ठकाइतो की आशा रखने रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उड़ान भरबाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७६. एजेन्टक लेल उड़ान कोन अर्थ राखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चोखे नफा।

११७७. कथा पाखण्डी चरित्रक की करैत अछि?

- (A) पर्दाफाश।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७८. “उड़ान”मे जीवनक लक्ष्य केवल की नहि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवन जीनाइये मात्र।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७९. एहि कथा मे प्रवासक सपना कोन सामाजिक संकट बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ठगी, कर्जा आ असुरक्षित आशा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८०. खण्ड १११४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “उड़ान” प्रवासी कमाइक सपनाक भीतर एजेन्ट-ठगी आ जीवन-मूल्यक संकट उजागर करैत अछि।

खण्ड १११५ : विदेह-सदेह २ — मधेश, अस्मिता आ आन्दोलन

११८१. मधेश प्रसंगमे कोन नारा/माग आयल?

- (A) एक मधेश, एक प्रदेश।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८२. कथामे मधेशी आ पहाड़ी बीच कोन बात समानतामे पटबाक अपेक्षा अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खधिया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८३. अयोधी मास्टरक जीवन कोना खेपाएल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मास्टेरीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८४. अयोधी मास्टरक बेटा अशोककँ की नहि भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नोकरी।

११८५. अपेक्षित योग्यता अछैतो कोन समस्या देखाओल गेल?

- (A) व्यवस्था तेहन बनल जे मधेशकें के पूछए।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८६. अस्मितापर चोट लगलापर मनमे की पनुगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आक्रोश।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८७. मधेशी होयबापर कोन भाव जखन विषमतासँ भिड़ैत अछि तखन पीड़ा उठैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गौरवबोध।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८८. मधेश-आन्दोलनक कथा कोन व्यापक विषय उद्घासित करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राष्ट्रीयता, अस्मिता आ समएक सत्य।

११८९. एहि खण्डमे कथा सामाजिक आन्दोलनकें कोना देखैत अछि?

- (A) व्यक्तिगत पीड़ासँ सामूहिक अस्मिता धरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९०. खण्ड ११९५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मधेश प्रसंग व्यवस्था-उपेक्षा, अस्मिताबोध आ समानताक आन्दोलनक कथा-रूप प्रस्तुत करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १११६ : विदेह-सदेह २ — “नेओक जोड़” आ सामाजिक परिवर्तन

११९१. “नेओक जोड़” कथामे निरसन बाबूक पुत्रीक नाम की आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सरोजा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९२. सरोजाक जीवन केकर संग छलाइत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अन्तन आ रानीक संग।

११९३. कथाकार सरोजाक कोन पीड़ा उभारैत छथि?

- (A) मार्मिक पीड़ा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९४. ई कथा फोकिला मानसिकताक दम्भाकें की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आरो उघार करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९५. ओढ़ल अभिभावकत्विक नीति कोना प्रकट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सरेआम चौबटियापर नग्न भऽ जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९६. कथा निजी संवेदनाकें कोन रूपमे बदलैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सार्वभौमिक।

११९७. कथा एक दिस की देखार करैत अछि?

- (A) हृदयहीनता आ मूल्यहीनता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९८. दोसर दिस कथा कोन सुगबुगी देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) परिवर्तनक सुगबुगी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९९. “नेओक जोड़”क सामाजिक सनेस की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अमानवीयताक खोल चीरीचोंत करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२००. खण्ड १११६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “नेओक जोड़” स्त्री-दुःस्थिति, अभिभावकत्विक छल आ सामाजिक परिवर्तनक आवश्यकता उजागर करैत अछि।

खण्ड १११७ : विदेह-सदेह २ — किसुनमा, अमरलत्ती आ नैतिक संकट

१२०१. किसुनमा कतय कमाइत घर अबैत अछि कहल गेल?

- (A) पंजाबमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०२. किसुनमाक पत्नी कोन नाम/पहिचानसँ आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उत्तीमपुरवाली।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०३. किसुनमा केकर बच्चा देखैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आन बापक बच्चा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०४. किसुनमा अन्तिम परिणतिमे की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अबोध नेनाक हत्या।

१२०५. “अमरलत्ती” कथामे रेखा कोन रूपमे चतरैत अछि?

- (A) अमरलती बनि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०६. रेखा की करैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आनक बसल-बसाओल घर उजारैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०७. रमेशक कामलोलुपता रेखाक कोन भाव जाग्रत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) काम-भाव।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०८. अमरलत्ती सामाजिक कुव्यवस्था आ मानवीय व्यथा केँ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उभारैत अछि।

१२०९. किसुनमा आ अमरलत्ती दुनू प्रसंगमे कोन साझा संकट अछि?

- (A) वासना, अविश्वास आ हिंसक नैतिक विघटन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१०. खण्ड १११७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) किसुनमा आ अमरलत्ती प्रसंग परिवार, वासना, अविश्वास आ हिंसक परिणामक सामाजिक त्रास देखबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १११८ : विदेह-सदेह २ — आशा-संदीप आ नेनपनक स्मृति

१२११. आशाक हृदयमे कोन प्रेमक उपजामे मानसिक पीड़ा प्रतिफलित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सम्बन्धक पीड़ा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१२. आशा आ संदीपक बीच कोन स्थिति भेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मोन-मिलानी।

१२१३. आशाक माय-बापक हृदयमे उठैत विरक्ति भाव की करैत अछि?

- (A) सम्बन्ध-सूत्र खण्डित करैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१४. आशा की विकसित करबाक प्रयास करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मानसिक पीड़ा सहबाक क्षमता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१५. नरेशक मोनमे कोन तरंग प्रवाहित होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्मृतिक तरंग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१६. फलैशबैक कथामे बालपनक कोन भाव सभ आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) निडरता, निश्चलता आ सौहार्द्र।

१२१७. उमेरक चारिम प्रहरमे कोन भाव पनुगैत कहल गेल?

- (A) भय, सुरक्षा, षड्यंत्र आ सामाजिक विद्रूपता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१८. सभ्य समाजक अंग बनबाक लेल लोक की ओढ़ैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) छल-क्षुद्रताक खोल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१९. आशा-संदीप आ नरेश प्रसंग कोन द्वंद्व देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रेमक पीड़ा आ बालस्मृतिक निर्मलता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२०. खण्ड १११८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भ्रमरक कथा प्रेम, परिवार, स्मृति आ सामाजिक मुखौटाक बीच मानवीय पीड़ाकेँ उभारैत अछि।

खण्ड १११९ : विदेह-सदेह २ — भ्रमरक कथा-दृष्टि आ नारी संघर्ष

१२२१. नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यमे भ्रमरक कथामे की अछि कहल गेल?

- (A) जीवनक राग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२२. भ्रमरक कथामे नव युगक नारी प्रति कोन भाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विशेष श्रद्धा-भाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२३. हिनक बेसी कथामे केकर संघर्ष अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नारी जीवनक संघर्ष।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२४. युग यथार्थक त्रासदी कोन ठाम उपजैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सामाजिक विडम्बनामे।

१२२५. कथाकारक छटपटाइत मोनमे केकर चीख अछि?

- (A) अबला नारीक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२६. भ्रमरक कथामे टूटैत सम्बन्ध आ अर्थलिप्सा संग कोन समस्या उठैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रोटीक समस्या।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२७. कथाकारक भाषा कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सहज आ सरल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२८. भ्रमरक कथा-संसारमे नारी पीड़ा कोन रूपमे आउत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सामाजिक सत्य उजागर करैत।

१२२९. एहि खण्डक केन्द्रीय आलोचनात्मक बिन्दु की अछि?

- (A) नारी संघर्षक माध्यमे समाजक विडम्बना देखब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३०. खण्ड १११९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भ्रमरक कथा नारी-संघर्ष, सामाजिक विडम्बना आ जीवनक रागक माध्यमे नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यकें समृद्ध करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११२० : विदेह-सदेह २ — संस्कृति, परिवर्तन आ नव मूल्यबोध

१२३१. कोनो सभ्यता-संस्कृतिकें गतिशील राखब केकर दायित्व कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समाजक लोकक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३२. जे सभ्यता-संस्कृति जीवनमे नहि उतरि सकए ओकरा संग की उचित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परित्याग।

१२३३. कथाकार जीवनक अर्थक खोजमे कोन आसरा लैत छथि?

- (A) प्रेमक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३४. कथाकार समयक परिवर्तनकेँ कोना टांकए चाहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) युगक अनुकूलै।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३५. सामाजिक विसंगतिसँ उत्पन्न विषयमे कथाकार कोन आयाम जोड़ैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आर्थिक स्थिति आ सांस्कृतिक आयाम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३६. परिवर्तनकारी सोच कोन चीजक संवाहक बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नव सामाजिक मूल्यबोधक।

१२३७. भ्रमरक कथामे सड़ल-गलल परंपराक प्रति दृष्टि कोन अछि?

- (A) आलोचनात्मक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३८. कथा-साहित्यक सामाजिक भूमिका एहि खण्डमे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समाजक परिवर्तनकारी प्रश्न पनुगबैत रहब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३९. नव समाजक आकांक्षा कोन आधारपर उभरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रेम, परिवर्तन आ सामाजिक मूल्यबोध।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४०. खण्ड ११२०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भ्रमरक कथाकार सड़ल परंपरा छोड़ि प्रेम, परिवर्तन आ नव सामाजिक मूल्यबोधक पक्षधर छथि।

खण्ड ११२१ : विदेह-सदेह २ — शोषितक अस्मिता आ नारी-अधिकार

१२४१. भ्रमरक लेखनी केकर अस्मिता-अधिकारक बात उठबैत अछि?

- (A) शोषित-पीड़ितक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४२. कथाकार केकर पक्षमे भऽ जाइत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दबल-कुचलल लोकक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४३. पुरुषक पौरुषत्व स्रोतमे मुख्यतः कतय केन्द्रित कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) वासना मे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४४. कथाकारक बेचैन मोनमे कोन धारा रस-प्लावित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समतामूलक आ प्रेममूलक धारा।

१२४५. स्त्री वर्गक प्रति पुरुष वर्गक कोन मानसिकता उजागर होइत अछि?

- (A) दम्भ, क्रूर मानसिकता आ अव्यवस्था।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४६. सम-सामयिक प्रश्नक झड़ीमे कथा कोन औकाति देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रोटीक औकाति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४७. नारीक अन्तरमोनमे पैसि कथाकार की स्वच्छ करबाक प्रयास करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मानसिक विकार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४८. सामाजिक नैतिकता आ धार्मिकताक अड़मे कोन संस्कृति प्रति विद्रोह मुखरित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साम्राज्यवादी संस्कृति।

१२४९. भ्रमरक स्त्री-विमर्श मात्र कामुकता अछि?

- (A) नहि, सामाजिक मूल्यबोधक संवाहक बनैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५०. खण्ड ११२१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भ्रमरक कथा शोषितक अधिकार, नारी-अस्मिता आ पुरुष-दम्भक आलोचना मार्फत सामाजिक मूल्यबोध गढ़ैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११२२ : विदेह-सदेह २ — शिल्प, अनुभव आ कथा-सौन्दर्य

१२५१. आलोचकक अनुसार भ्रमर कथक प्रति जतेक सजग छथि, ततेक कोन प्रति नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शिल्पक प्रति।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५२. शैलीक दृष्टिँ सजगता कम रहबाक कारण की बाधित होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कथा-सौन्दर्य।

१२५३. तैयो भ्रमरक कोन दृष्टि सतत चौकन्ना रहैत अछि?

- (A) अनुभववादी दृष्टि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५४. भ्रमरक अनुभववादी दृष्टि केकर यथार्थक चित्रण करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अपन गाम-घर आ पड़ोसियाक देखल-भोगल यथार्थ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५५. भ्रमरमे कोन क्षमता अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कहबाक क्षमता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५६. भ्रमरक चौकन्ना दृष्टि समाजक प्रति कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सजग।

१२५७. भ्रमर समाजमे आइयो निरीह केकर सृष्टि करैत छथि?

- (A) पात्रक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५८. हिनक संवेदनशील मोन खास कोन पात्रसँ छुबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नारी पात्रसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५९. जतय पात्रक चरित्र-चित्रण सजीव भेल, ओतय की मुखरित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कथाक सौन्दर्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६०. खण्ड ११२२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भ्रमरक कथा शिल्पगत सीमाक बावजूद अनुभव, समाज-सजगता आ पात्र-संवेदनासँ प्रभावी बनैत अछि।

खण्ड ११२३ : विदेह-सदेह २ — नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यमे भ्रमरक योगदान

१२६१. नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यमे भ्रमरक कथा कोन दू दृष्टिसँ प्रभाव छोड़ैत अछि?

- (A) मात्रात्मक आ गुणात्मक दुनू दृष्टिसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६२. भ्रमरक कथा एक दिस कथा-साहित्यक की भरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भण्डार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६३. दोसर दिस कथा-दृष्टिमे भ्रमरक कथा की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मूल्यबोधक संवाहक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६४. भ्रमरक कथाक जीवन-दृष्टि कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मानवीय मूल्यबोधक जीवन-दृष्टि।

१२६५. भ्रमरक कथा सामाजिक परिवर्तनमे की सिद्ध करत कहल गेल?

- (A) अपन औकाति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६६. भविष्यमे भ्रमरक कथा कोन वस्तु बनबाक आशा जगबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ऐतिहासिक मूल्यक वस्तु।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६७. संग्रहक छपाइ-सफाई कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) देखनुक आ मनमोहक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६८. पोथीक कोन अंश विशेष आकर्षित करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आवरण।

१२६९. आलोचनाक अन्तिम स्वर कोन अछि?

- (A) आशा आ विश्वास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७०. खण्ड ११२३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भ्रमरक कथा नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यमे मात्रा, गुण, मूल्यबोध आ भविष्यक ऐतिहासिक महत्त्वक दृष्टिँ उल्लेखनीय अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११२४ : विदेह-सदेह २ — “आशाक किरण”: मैथिली आ टेलिभिजन

१२७१. “आशाक किरण” लेख के लिखलनि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जितेन्द्र झा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७२. लेखकक अनुसार मैथिली भाषा धीरे-धीरे कतय स्थान बना रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विद्युतीय संचार माध्यममे।

१२७३. दिल्लीसँ संचालित सम्पूर्ण मैथिली टेलिभिजनक नाम की देल गेल?

- (A) सौभाग्य मिथिला।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७४. सौभाग्य मिथिला कोन प्रकारक टेलिभिजन कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मनोरंजनात्मक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७५. एहि टेलिभिजनमे कोन सामग्री प्रमुखता पबैत रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गीत-नाद आ टेली-श्रृंखला।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७६. मैथिली समुदाय जनसंख्याक अनुपातमे की नहि पाबि रहल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन संचार माध्यम।

१२७७. भारत-नेपाल सीमामे बांटल प्रतीकात्मक मिथिला कोन बाध्यतासँ मुक्त नहि भेल?

- (A) आन भाषाक माध्यमसँ सुसूचित होयबाक बाध्यता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७८. नेपाल वनक मधेश स्पेशल कार्यक्रममे कोन भाषामे समाचार आ गीतनाद प्रसारित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली भाषामे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७९. लेखकक अनुसार मैथिलीकेँ सुनिश्चित भविष्य लेल की चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सशक्त संचार माध्यम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८०. खण्ड ११२४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “आशाक किरण” मैथिली टेलिभिजनक आरम्भिक प्रयास, संचार-अभाव आ भाषिक भविष्यक प्रश्नकेँ एक संग रखैत अछि।

खण्ड ११२५ : विदेह-सदेह २ — फूल चन्द्र झा “प्रवीण”: जीवन-परिचय

१२८१. फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क जन्म-तिथि की देल गेल अछि?

- (A) १० अक्टूबर १९६१।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८२. फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क पिताक नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) श्री श्याम सुन्दर झा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८३. हुनकर माताक नाम की देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) श्रीमती चन्द्रकला देवी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८४. फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क ग्राम कोन कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तुमौल।

१२८५. हुनकर पत्रालय कोन देल गेल अछि?

- (A) पुतइ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८६. हुनकर जिला कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दरभंगा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८७. फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क व्यवसाय की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अध्यापन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८८. हुनकर अभिरुचि-सूचीमे लेखनक अतिरिक्त कोन क्षेत्र सभ आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चित्रकला, अभिनय, गीत-संगीत आ सामाजिक कार्य।

१२८९. एहि परिचयक आधारपर फूल चन्द्र झा “प्रवीण” केहन व्यक्तित्व देखाइत छथि?

- (A) शिक्षण, साहित्य, कला आ सामाजिक कार्यसँ जुड़ल बहुआयामी व्यक्तित्व।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९०. खण्ड ११२५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फूल चन्द्र झा “प्रवीण” दरभंगाक शिक्षकीय, रचनात्मक आ सांस्कृतिक व्यक्तित्व छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११२६ : विदेह-सदेह २ — फूल चन्द्र झा “प्रवीण”: रचना-संसार

१२९१. फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क कविता-संग्रहमे “आयल नवल प्रभात”क उल्लेख कोन सूचीमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रचना संसारमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९२. “वसंतक बजनिजा” कोन विधाक कृति रूपमे देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कविता-संग्रह।

१२९३. “पाङल गाछक छाहरि” केकर कविता-संग्रह सूचीमे अछि?

- (A) फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९४. “हमरा मोनक खंजन चिड़ैया” कोन विधासँ सम्बद्ध अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कविता-संग्रह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९५. “आन्दोलन” आ “लुत्ती” कोन विधाक रचना रूपमे देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नाटक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९६. “सामाजिक न्याय” आ “गुरूआइनि” कोन रचनावर्गमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नाटक।

१२९७. “भूत होइत भविष्य” कोन विधाक कृति कहल गेल?

- (A) कथा-संग्रह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९८. “हमरा जनैत” कोन विधाक कृति कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) निबंध-संग्रह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९९. फूल चन्द्र झा “प्रवीण” मल्लिनाथक अनुवाद कोन भाषासँ कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अंग्रेजीसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३००. खण्ड ११२६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) फूल चन्द्र झा “प्रवीण” कविता, नाटक, कथा, निबंध, सम्पादन आ अनुवाद सभमे सक्रिय रचनाकार छथि।

खण्ड ११२७ : विदेह-सदेह २ — फूल चन्द्र झा “प्रवीण”: सम्पादन, सम्मान आ सहभागिता

१३०१. फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क संकलन-सम्पादनमे “बाबू भोलालाल दास रचनावली”क कोन खण्ड देल गेल?

- (A) पहिल खण्ड।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०२. “मधुपजी बीछल बेरायल कविता” हुनकर कोन प्रकारक कार्यमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संकलन-सम्पादन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०३. २००६ मे हुनका कोन राष्ट्रीय शिखर सम्मान भेटल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कविचूड़ामणि पं. काशीकांत मिश्र “मधुप” सम्मान।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०४. २००८ मे कोन सम्मानक उल्लेख अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विद्यापति सम्मान।

१३०५. २००९ मे कोन सम्मानक उल्लेख अछि?

- (A) सुमन स्मृति सम्मान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०६. “जखन-तखन” पत्रिकामे हुनकर भूमिका कोन रूपमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सम्पादन सहयोग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०७. स्रोतमे हुनकर सहभागिता कोन मंच सभमे कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कविसम्मेलनमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०८. विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हुनकर कोन-कोन विधाक सहयोग कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गीत, कविता, कथा, लेख आ निबंध।

१३०९. एहि परिचयमे सम्पादकक टिप्पणी की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) रचनाकारक विस्तृत साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक संक्षिप्त परिचय देब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१०. खण्ड ११२७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क कार्य रचना-संग्रहसँ आगाँ बढ़ि सम्पादन, सम्मान आ सार्वजनिक साहित्यिक सहभागिता धरि विस्तृत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११२८ : विदेह-सदेह २ — “मैथिली शिशु साहित्य लोक”: आरम्भिक अवधारणा

१३११. “मैथिली शिशु साहित्य लोक” आलेखक आरम्भमे मैथिली लोक साहित्यमे केकर अम्बार कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शिशु लोक साहित्यक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१२. शिशु लोक साहित्यक कतेक भाग लिपिबद्ध आ कतेक भाग मौखिक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) किछु लिपिबद्ध आ बेसी मौखिक।

१३१३. शिशु लोक साहित्य केकर द्वारा भेल मानल गेल?

- (A) अज्ञात लोक रचनाकारक द्वारा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१४. ई साहित्य हजारो वर्ष धरि कोन परम्परामे जीबैत रहल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मौखिक परम्परामे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१५. मौखिक परम्परामे जीबाक कारणेँ एकर की नष्ट भऽ रहल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मौलिकता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१६. लोक-विशेष, वर्ग-विशेष आ क्षेत्र-विशेषक कारणेँ कोन अन्तर पाओल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) शब्द आ उच्चारणमे अन्तर।

१३१७. आलेखमे मुख्य रूपेँ कोन विधाकेँ केन्द्रमे राखल गेल?

- (A) पद्य विधा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१८. पद्यक अतिरिक्त आलेखमे की कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) थोड़-बहुत आनो विधासभ पर विचार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१९. शिशु लोक साहित्यक संरक्षणक समस्या एहि आरम्भमे कोना देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मौखिक परम्परा टूटलासँ शब्द, उच्चारण आ मौलिकता बदलैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२०. खण्ड ११२८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली शिशु लोक साहित्य अज्ञात लोक-रचनाकारक मौखिक धरोहर अछि, जकर संरक्षण आवश्यक अछि।

खण्ड ११२९ : विदेह-सदेह २ — शिशु लोक साहित्यक स्रोत आ वर्गीकरण

१३२१. मैथिली शिशु लोक साहित्य लिपिबद्ध करबाक प्रयासमे प्रो. प्रफुल्ल कुमार सिंह “मौन”क कोन ग्रंथ उपयोगी कहल गेल?

- (A) मैथिलीक नेना गीत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२२. डा. अणिमा सिंहक कोन कृति स्रोतमे देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “शिशु गीत आ खेल” तथा सम्पूर्ण बाल साहित्य।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२३. डा. दमन कुमार झाक कोन ग्रंथ उपयोगी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) “मैथिली बाल साहित्य”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२४. लेखक मैथिली शिशु लोक साहित्यक कतेक भागमे बाँटैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तीन भागमे।

१३२५. पहिल भाग कोन अछि?

- (A) लालन-पालनसँ सम्बद्ध।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२६. दोसर भाग कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खेल आ मनोरंजनसँ सम्बद्ध।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२७. तेसर भाग कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ज्ञानोपयोगी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२८. शिशु लोक साहित्यक वर्गीकरणक उद्देश्य की बुझाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बालजीवनक भिन्न अवस्थासँ जुड़ल सामग्री व्यवस्थित करब।

१३२९. स्रोतग्रंथक उल्लेख आलेखमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पूर्व संकलन आ अध्ययनक आधार देखबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३०. खण्ड ११२९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आलेख शिशु लोक साहित्यकेँ लालन-पालन, खेल-मनोरंजन आ ज्ञानोपयोगी तीन विभागमे रखि पूर्व ग्रंथ सभक आधार स्वीकार करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११३० : विदेह-सदेह २ — लालन-पालनक परिवेश आ जन्मोत्तर पद

१३३१. लालन-पालनसँ सम्बद्ध लोक साहित्यक परिवेश कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) घर-आँगनसँ दलान धरि सीमित।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३२. नेनाक जन्म लितहि ओकर कानमे की पड़ैत छैक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सोहर।

१३३३. नेनाक अवस्था बदललासँ शिशु लोक साहित्य कोना होइत अछि?

- (A) परिवर्तित होइत जाइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३४. जन्मक बाद नेनाक देह कतेको बेर कोन तेलसँ जाँतल-पीचल जाइत छैक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कडूतेलसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३५. तेल लगबैत जतनिहारिक ठोर पर अनायास कोन पंक्ति चल अबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) “चै-चै-चै बौआ सूतभैं”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३६. “बौआ मत्था पच्यनि तेल” कोन क्रियासँ जुड़ल पद अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नेनाक देह/माथ पर तेल-पचायब आ लालन-पालन।

१३३७. चानि पर तेल पचाएलाक बाद नेनाकेँ कतय पारल जाइत अछि?

- (A) अपन दुनू टाँगपर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३८. “धोबियाक पाट सन” पंक्ति कोन संदर्भमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नेनाक देह उँगारबाक पालन-पदमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३९. ई प्रारम्भिक पद्य शिशुक कोन अनुभवसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्पर्श, तेल-मालिश, देह-संभार आ सुतएबाक वातावरण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४०. खण्ड ११३०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लालन-पालनक आरम्भिक शिशु लोक साहित्य जन्म, सोहर, तेल-मालिश आ घरेलू स्नेहक पद सभसँ बनैत अछि।

खण्ड ११३१ : विदेह-सदेह २ — मामा-नाना गाम, संझा मैया आ रक्षा-पद्य

१३४१. तेल आ देह-संभारक बाद नेनाकेँ हाथसँ लोकैत काल नेना की करए लगैत अछि?

- (A) डरे कानए लगैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४२. “बौआ आम तोड़ू / बौआ जाम तोड़ू” कोन प्रसंगमे कहल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नेनाकेँ बहटारए/हाथसँ लोकएबाक बाद।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४३. टाँग पकड़ि उनटा कऽ झुलबैत कोन गाम देखबाक पंक्ति कहल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मामा गाम, नाना गाम आ अपन गाम।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४४. जँ नेना मामा गाममे रहल तँ केकर चौल कएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दादा-दादीक।

१३४५. जे नेना अपन गाममे रहल ते केकर चौल कएल जाइत अछि?

- (A) नाना-नानीक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४६. पहिल साँझ दीप लेसलाक बाद नेनाक रक्षार्थ केकरासँ प्रार्थना कएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संझा-मैयासँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४७. “आको मैया चाको” पंक्ति कोन प्रकारक पद्य अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रक्षा-प्रार्थना पद्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४८. रक्षा-पद्य मे “काल-भैरव” की करथि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रक्षा करथि।

१३४९. “बौआ सूतय सुखक राती” पंक्ति कोन आशय दैत अछि?

- (A) नेनाक सुख-निद्रा आ रक्षा-कामना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५०. खण्ड ११३१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मामा-नाना गामक खेल-पद्य आ संझा मैया रक्षा-प्रार्थना नेनाक लालन-पालनमे सम्बन्ध, खेल आ सुरक्षा-कामना जोड़ैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११३२ : विदेह-सदेह २ — नजरि-गुजरि, दीप आ आनी-मानी

१३५१. बेसी देखनुहुक नेनाकेँ क्यौ की लगा दै से डर रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नजरि-गुजरि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५२. नजरि-गुजरि प्रसंगमे “हँसनी-खिलनी” कतय गेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बजार।

१३५३. नजरि-पद्य मे दोहाइ केकर देल गेल?

- (A) राजा धनपाल आ मौरगनी माए।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५४. दीपक इजोतपर नेना अपन दृष्टि केन्द्रित कऽ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) डिम्हा घुमबैत आनन्द लैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५५. छठिहारक रातिक दीप सम्बन्धी जनश्रुति कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दीप मिझा कऽ लोक राखि लैत छल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५६. बेटाकेँ छठिहारक दीपसँ कतेक वर्ष धरि टोटमा करबाक जनश्रुति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) छः वर्ष धरि।

१३५७. बेटीकेँ एहि दीपसँ कतेक वर्ष धरि टोटमा करबाक जनश्रुति अछि?

- (A) तीन वर्ष धरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५८. नेना बैसऽ लगैत अछि तखन लोक कोन जिज्ञासा-पद्य कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “आनी-मानी हम जानी”।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५९. जँ नेना बिचला आँगुर पकड़ि लैत अछि तँ की मानल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जिज्ञासा पूरा होएबाक सम्भावना प्रबल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६०. खण्ड ११३२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नजरि-गुजरि, दीप-टोटमा आ आनी-मानी शिशु लोकविश्वास, खेल आ बालबोधक लोक विधि देखबैत अछि।

खण्ड ११३३ : विदेह-सदेह २ — ठाढ़ होएब, डेग उठएब आ चन्ना मामा

१३६१. नेना ठाढ़ होएब आरम्भ करैत अछि तखन की बेर-बेर घटैत अछि?

- (A) बेर-बेर खसि पड़ैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६२. घर-परिवारक लोक नेनाकेँ कोन भऽर दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आँगुरक भऽर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६३. “था.....था.....दिग्-दिग् था” पंक्ति कोन कार्यमे प्रयोग होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नेनाकेँ ठाढ़ होएब आ डेग उठएब सिखएबामे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६४. “डेग बढैया.....हम्मर बाबू.....हम्मर भैया” कोन भाव दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रोत्साहनक भाव।

१३६५. झौलाएत नेनाकेँ कोरामे लऽ घुमएबाक क्रममे कोन परम्परा रहल अछि?

- (A) कथा-गीतक परम्परा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६६. चन्नामामाकेँ देखबैत नेनाकेँ कोन पंक्ति कहल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “चन्ना मामा आ रे आ, पारे आ”।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६७. चन्ना मामा गीतमे सोनाक कटोरामे की नेने आबए कहल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दूध-भात।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६८. दोसर चन्ना मामा गीतमे केराक भारक संग की-की आनबाक बात अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पूड़ी-पकमान आ फोका मखान।

१३६९. चन्ना मामा गीतक अभिनयमे लोक नेनाकेँ की करबाक अभिनय करैत छथि?

- (A) खोआबाक अभिनय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७०. खण्ड ११३३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) डेग सिखएबाक पद आ चन्ना मामा गीत शिशु-चेष्टा, खेल, आहार-कल्पना आ स्नेहिल अभिनयकेँ जोड़ैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११३४ : विदेह-सदेह २ — तरेगण, तारा बेटी आ विनिमय-श्रृंखला

१३७१. तरेगण दिस तकबैत कोन पंक्ति आरम्भ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) “एक तारा दू तारा”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७२. “तारा बेटी” कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बड़ बुधियारि।

१३७३. तारा बेटी गीतमे गंगाकातसँ की अनल गेल?

- (A) बालु।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७४. बालु के लयलक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कनुनियाँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७५. घस्सा के खा गेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गैया।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७६. गैया की देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दूध।

१३७७. दूध के पी गेल?

- (A) बिलैया।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७८. मूसा के खेलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चिलहोरबा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७९. हाथी अंततः के लयलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मामा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८०. खण्ड ११३४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) “एक तारा दू तारा” गीत शिशु-मनोरंजनमे क्रमिक विनियम, कल्पना आ स्मृति-शृंखलाक लोक-कला देखबैत अछि।

खण्ड ११३५ : विदेह-सदेह २ — लोरी, निनियाँ आ दीर्घायु-कामना

१३८१. सुतयबाक काल नेनाकेँ कतय लऽ बेर-बेर सोहराओल जाइत अछि?

- (A) जाँघपर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८२. लोरी गाबैत काल जाँघकेँ कोना कएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नीचाँ-उपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८३. लोरीक आरम्भिक पंक्ति कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) “आगे निनियाँ आ आ”।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८४. “नininियाँ एलै बिढ़िनियाँसँ” पंक्ति कोन विधासँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लोरी।

१३८५. लोरीमे बौआ कोना अयलै कहल जाइत अछि?

- (A) मातृकसँ/ममहरसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८६. ममहरमे बौआकेँ की खएबाक उल्लेख अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आरब चाउरक भात आ सोरहिया गायक दूध।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८७. पोखरिक टेंगस के छोड़ाओल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बोनक बगुला।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८८. लोरीक अन्तमे ब्राह्मण आसीस दैत कोन कामना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बौआ लाख बरीस जीबथि।

१३८९. लोरी सभक माध्यमसँ नेनाकेँ सुतएबाक संग की कामना कएल जाइछ?

- (A) दीर्घायु होएबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९०. खण्ड ११३५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लोरी शिशु-निद्रा, ममहरक स्नेह, भोजन-कल्पना आ दीर्घायु-कामनाकेँ एक संग बाँधैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११३६ : विदेह-सदेह २ — घुघुआ-मना, धुआँ-चुआँ आ पालन-खेल

१३९१. नेनाक संग अपनो मनोरंजन करबाक क्रममे लोक कोना पढ़ि रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अपने उतान भऽ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९२. नेनाकेँ कतय बैसाकऽ पैर उपर-नीचाँ कएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पैरपर।

१३९३. एहि पालन-गीतकेँ कतहु कोन नामसँ जानल जाइत अछि?

- (A) घुघुआ-मना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९४. एहि खेलक दोसर नाम की देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) धुआँ-चुआँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९५. गीतमे “मनसा नाम की” पंक्ति कोन खेलसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) घुआँ घूँ लल्ले छूँ लल्ले।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९६. गीतमे मामा कतय गेलै कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पटना।

१३९७. “मामी सुतलै” कतय कहल गेल?

- (A) अंगना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९८. “मामा घरमे चोर पैसल” बाद की कहल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) “दोड़ हो भगिनमा”।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९९. खेलमे “नव घर उठे” कहि की कएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पैर उठाएल जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४००. खण्ड ११३६क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) घुघुआ-मना/धुआँ-चुआँ पालन-खेलमे देह-गतिशीलता, गीत, नाटक आ नेनाक आनन्द एक संग उपस्थित अछि।

खण्ड ११३७ : विदेह-सदेह २ — नेनाक मोन बहटारबाक पद्य

१४०१. जावत काल धरि नेना जागल रहैत अछि, ओकरा की चाही कहल गेल?

- (A) एक ने एकटा लोकक सानिध्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०२. नेनाकँ बहटारबाक लेल गायक अतिरिक्त के-के गाबऽ लगैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नानी, दादी, दीदी आदि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०३. “अलिया गै, मलिया गै” पद्यमे गोला बड़द की खाइ छौ कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) खेत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०४. एहि पद्यमे रखबार के कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बाबा।

१४०५. “लाल गाछी गेली” पद्यमे लाला की पेली कहल गेल?

- (A) आम।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०६. “बाघ छै, बघिनियाँ छै” पंक्ति कोन पद्यमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लाल गाछी गेली पद्यमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०७. बाबा आँगनमे की कुटाइ कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चूड़ा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०८. पड़बा किएक रूसल जाइ छै कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नजरि लगबाक कारण।

१४०९. बहटारबला पद्यक मुख्य उद्देश्य की अछि?

- (A) कानैत/जागैत नेनाकें मोनोरंजन आ सांत्वना देब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१०. खण्ड ११३७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नेनाक मोन बहटारबाक पद्य परिवार, पशु, खेत, डर, हास्य आ सान्त्वनाक लोक-संसार बनबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११३८ : विदेह-सदेह २ — दीदीक भूमिका आ दीदी-पद्य

१४११. नेनाक लालन-पालनमे माए, दादी, नानीक संग केकर महत्त्वपूर्ण योगदान कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दीदी अर्थात पिउसिक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१२. दीदी-पद्यमे “डलिया दे” की तोड़ए लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिरचाइ।

१४१३. “ककरा घर नुकाएब गे”क उत्तर कोन घर अछि?

- (A) बाबा घर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१४. “बीचे बाट पर खसली गे” बाद की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सब बरियतिया हँसली।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१५. दोसर दीदी-पद्यमे बेटा कतय कनै छी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) खोपड़ीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१६. “नाचय दहिन” के कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पमरियाकें।

१४१७. खाइ लेल की देल गेल?

- (A) दालि भात।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१८. खाए लेल ओ की लेलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सोहारी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१९. सुतइ लेल की देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अलंग-पलंग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२०. खण्ड ११३८क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दीदी-पद्य शिशु-लालनमे पिउसि/दीदीक भूमिकाकेँ हास्य, खेल आ घरेलू सम्बन्धक संग रखैत अछि।

खण्ड ११३९ : विदेह-सदेह २ — मामा-मामीसँ जुड़ल पालन-पद्य

१४२१. बेटीकेँ संतानक योग्यता भेलापर कोन परम्परा एखनो बाँचल कहल गेल?

- (A) नैहर आनि लेबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२२. एहना स्थितिमे नेनाकेँ केकर बेसी दुलार-मलार भेटैत रहलैक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मामा, मामी, नाना, नानीक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२३. मामा पद्यमे मामा केकर भीड़पर जाएबाक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पोखरी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२४. मामा केकरा मारि आनथि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चिक्कन पड़बा।

१४२५. मामी हाथकें की देबाक कहल गेल?

- (A) तेल फोरन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२६. मामा पद्यमे “अपने खइहऽ” कोन वस्तु कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लाल-लाल कुटिया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२७. मामी-पद्यमे “मामी ये भात” की करैए कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उधिआए।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२८. मामी-पद्यमे कोठी पर के स्नान करैए?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सुग्गा।

१४२९. “आब नहि जाएबै मामाक अँगना” पंक्ति कोन भाव दैत अछि?

- (A) ममहरक दुलार आ शिकायतक बाल-स्वर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३०. खण्ड ११३९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मामा-मामी पालन-पद्य नैहर, ममहरक दुलार, भोजन, शिकायत आ बाल-भावनाकें जीवित रखैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११४० : विदेह-सदेह २ — खेल आ मनोरंजनसँ सम्बद्ध शिशु लोक साहित्य

१४३१. खेल आ मनोरंजनसँ सम्बद्ध शिशु लोक साहित्यक परिवेश कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बेसी विस्तृत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३२. एहि खेल-मनोरंजनक ठाम सभमे रस्ता-पेराक संग कोन-कोन स्थान आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परती-पराँत, विद्यालय-परिसर आ खेलक मैदान।

१४३३. नेनाक झुण्ड कतबा समय जमा होइत अछि कहल गेल?

- (A) भोर साँझ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३४. झुण्ड जमा भेलापर नेना सभ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रंग-बिरंगक खेल खेलाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३५. छोट-छोट नेना बेसीकाल कोन गीत-खेल खेलैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अटकन-मटकन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३६. अटकन-मटकन पद्यमे “पूस महागर”क संग की आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पुरनी पत्ता।

१४३७. “माघ मास”मे की फरए कहल गेल?

- (A) करैला।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३८. गीतमे नेनाक विकल्प कोन दू वस्तु अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सिंगही आ मुँगरी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३९. जँ नेना “सिंगही” कहैत अछि तँ ओकरा की कएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बिट्टू काटल जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४०. खण्ड ११४०क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) खेल-मनोरंजनक शिशु लोक साहित्य घरसँ बाहर रस्ता, विद्यालय आ खेलक मैदान धरि पसरल सामूहिक बाल-संसार अछि।

खण्ड ११४१ : विदेह-सदेह २ — अटकन-मटकनक रूपान्तर आ खेल-नियम

१४४१. अटकन-मटकनक दोसर रूपमे “केरा कूस”क संग कोन शब्द आयल?

- (A) महागर जागर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४२. दोसर रूपमे “पुरनिक पत्ता” कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हिल्लै-डोल्लै।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४३. दोसर रूपमे करैला की करै कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) फूलै।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४४. अटकन-मटकनक दोसर रूपमे “आमुन गोटी”क संग कोन गोटी आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जामुन गोटी।

१४४५. “तेतरी सोहाग गोटी” पंक्ति कोन खेल-गीतमे आयल?

- (A) अटकन-मटकन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४६. जँ नेना “मुँगरी” कहैत अछि तँ की होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मुक्कासँ मारल जाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४७. सिंगही-मुँगरीक प्रश्न शिशु-खेलमे की बनबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उत्तर-आधारित खेल-क्रिया।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४८. अटकन-मटकनक रूपान्तर की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मौखिक परम्परामे पाठ-भेद।

१४४९. एहि खेलमे बालमनोविज्ञानक कोन पक्ष देखाइत अछि?

- (A) चयन, प्रतीक्षा आ हास्यपूर्ण दण्डक खेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५०. खण्ड ११४१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अटकन-मटकनक विभिन्न रूप शिशु लोकगीतक मौखिक विविधता, खेल-नियम आ बाल-आनन्दक उदाहरण अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११४२ : विदेह-सदेह २ — गाछ, नदी, चकमक देवता आ खेलक चित्र

१४५१. दोसरा खेल-पद्यमे गाछ की करै कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ठाँए-ठाँए।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५२. ओहि पद्यमे नदी की करै कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गौंगिआए।

१४५३. कमलक फूल कोना जाइत अछि कहल गेल?

- (A) दुनू अलगल जाए।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५४. “सीकीक डाली”क संग कोन फूल आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चमेली क फूल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५५. “चकमक देवता” कतय चलैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बड़ी दूर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५६. हाथीपर के कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हथबरबा भैया।

१४५७. घोड़ापर के अछि कहल गेल?

- (A) रजपूत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५८. बंका कतबा बंका बिकाइए कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तीन-तीन बंका।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५९. रामजीक सुतल पुतहुआ की करैत रहए?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) धान कूटैत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६०. खण्ड ११४२क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गाछ-नदी-देवता-हाथी-घोड़ा-पद्म बाल-खेलमे प्रकृति, यात्रा, जातीय पात्र आ घरेलू श्रमक रंगीन लोकचित्र रचैत अछि।

खण्ड ११४३ : विदेह-सदेह २ — फुद्दी कथा-काव्य आ बाल मनोविज्ञान

१४६१. लेखक बाल मनोविज्ञानक ध्यानमे राखि नेनाक समुचित विकास आ उल्लास लेल कोन साहित्य थोड़े नहि प्रतीत होइत अछि कहैत छथि?

- (A) मैथिली शिशु लोक साहित्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६२. खेलसँ सम्बद्ध बाल-कथा काव्यमे एकटा की छलै?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फुद्दी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६३. फुद्दी कतय बैसल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कुसपर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६४. कुस ओकर की चीरि देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पेट।

१४६५. ओहिसँ कतेक धार निकलल?

- (A) तीनटा धार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६६. तीन धारमे कतेक सुखले-सुखले छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दूटा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६७. जाहिमे पानि नहि छल, ताहिमे कतेक हेलबार पैसल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तीनटा हेलबार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६८. तीन हेलबारमे कतेक डुबिए-डुबिए गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दूटा।

१४६९. जकर पते नहि, से कतेक ब्राह्मण नोतलक?

- (A) तीनटा ब्राह्मण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७०. खण्ड ११४३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फुद्दी कथा-काव्य असम्भव, उलटबाँसी आ संख्या-शृंखला द्वारा बालमनक खेल, हास्य आ स्मृति अभ्यास करबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११४४ : विदेह-सदेह २ — शिशु लोक साहित्य: संरक्षण, विकास आ समेकन

१४७१. फुद्दी कथा-काव्य नेना सभ कोना सुनैत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बड़ मनोयोगसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७२. लालन-पालनसँ खेल धरि शिशु लोक साहित्यक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मौखिक परम्परा।

१४७३. शिशु लोक साहित्यक मौलिकता किएक नष्ट भेल जा रहल अछि?

- (A) मौखिक परम्परामे जीबाक कारणेँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७४. शब्द आ उच्चारणमे अन्तर ककर कारणेँ पाओल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लोक-विशेष, वर्ग-विशेष आ क्षेत्र-विशेषक कारणेँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७५. लालन-पालनक पद्य मुख्यतः कोन परिवेशमे रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) घर-आँगनसँ दलान धरि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७६. खेल-मनोरंजनक साहित्य घरसँ बाहर कतय-कतय पसरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रस्ता-पेरा, परती-पराँत, विद्यालय-परिसर आ खेलक मैदान धरि।

१४७७. लोरी सभक माध्यमसँ सुतएबाक अतिरिक्त कोन कामना होइत अछि?

- (A) नेनाक दीर्घायु होएबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७८. दीदी, मामा, मामी आ नानी-दादीक पद्य शिशु लोक साहित्यमे की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सम्बन्धक सामूहिकता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७९. एहि खण्डसमूहक अध्ययन लेल मुख्य सावधानी की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पद्यक पाठभेदकेँ लोक-परम्पराक अंग मानब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८०. खण्ड ११४४क निष्कर्ष की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली शिशु लोक साहित्य बालविकास, परिवार, लोकविश्वास, खेल, स्मृति आ मौखिक परम्पराक बहुमूल्य धरोहर अछि।

खण्ड ११४५ : विदेह-सदेह २ — रेलगाड़ी खेलक रचना आ अभिनय

१४८१. नेना-भुटका झुण्ड कखनो काल एक-दोसरक की पकड़ि रेलगाड़ी बनबैत अछि?

- (A) डार्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८२. रेलगाड़ी खेलमे एक गोटा नेना की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) इंजिन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८३. रेलगाड़ी खेलमे आर सभ नेना की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) डिब्बा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८४. रेलगाड़ी खेलमे नेना सभ कोना चलैत/घुमैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) घुमि-घुमि कऽ।

१४८५. रेलगाड़ी पद्यमे गाड़ी कोना कहल गेल अछि?

- (A) झकमक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८६. रेलगाड़ी पद्यमे पहिया ककर कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लोहारक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८७. रेलगाड़ी पद्यमे बेल ककर कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सरकारक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८८. रेलगाड़ी पद्यमे कुड़आमे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पानी।

१४८९. रेलगाड़ी पद्यमे एक सय हाथी कतय गेल कहल गेल?

- (A) बान्हपर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९०. खण्ड ११४५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रेलगाड़ी खेलमे नेना सभ देह-श्रृंखला, भूमिका-विभाजन आ पद्य-लय द्वारा सामूहिक अभिनय करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११४६ : विदेह-सदेह २ — कबड्डी खेलक लोक-पद्य

१४९१. स्रोतमे मिथिलाक कोन खेलक बड्ड पुरान परम्परा कहल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कबड्डी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९२. कबड्डीक पहिल पद्य कोन शब्दसँ शुरू होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कबड्डी-कबड्डीकार।

१४९३. पहिल कबड्डी पद्यमे मैना बच्चा कतय अछि?

- (A) अण्डापार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९४. दोसर कबड्डी पद्यमे “चेत कबड्डी” पछाति की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आबऽ दे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९५. दोसर पद्यमे तबला सम्बन्धी कोन आग्रह अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तबला बजाबऽ दे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९६. दोसर पद्यमे तबलामे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पड़सा।

१४९७. तेसर कबड्डी पद्यमे खेलए गेलापर की फुटि गेल?

- (A) कपार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९८. तेसर पद्यमे रेशमक डोरामे की कटि गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हाथ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९९. तेसर पद्यमे आम, चकलेट आ चीनीक संग कोन वस्तु आयल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्लेट।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५००. खण्ड ११४६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कबड्डी-पद्य पुरान खेल-परम्परा, लय, जोखिम, हास्य आ शारीरिक खेलक लोक-स्मृति समेटैत अछि।

खण्ड ११४७ : विदेह-सदेह २ — गिरगिटरानी खेलक अभिनय-विधान

१५०१. गिरगिटरानी खेल मुख्यतः ककर मध्य खेलाएल जाइत रहल अछि?

- (A) मिथिलाक कन्या लोकनिक मध्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०२. गिरगिटरानी खेलमे एकटा कन्या की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गिरगिट।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०३. गिरगिट बनल कन्याक कतेक जाँघ पकड़ल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दूटा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०४. एकटा कन्या ओकर कोन अंग पकड़ि बैसि जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दुनू पैर।

१५०५. खेलक पद्य “गिरगिटमाला”मे प्रश्न की अछि?

- (A) कहाँ-कहाँसँ आएल छी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०६. उत्तरमे “बौआ लाला” कोना आएल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) देस-देससँ आएल छी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०७. गिरगिटरानी पद्यमे आम छोड़ि की आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गुद्दा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०८. गुद्दा ककर हाथमे देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) राजाक बेटीक हाथमे।

१५०९. मजे कोठलियामे की सभ अछि कहल गेल?

- (A) साँप आ बाघ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१०. खण्ड ११४७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गिरगिटरानी खेल कन्या-समूहक शारीरिक अभिनय, प्रश्नोत्तर पद्य आ कल्पनात्मक लोक-कथा-श्रृंखला अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११४८ : विदेह-सदेह २ — गिरगिटियाँ रानीक दोसर पाठ

१५११. गिरगिटरानीक दोसर रूपमे सम्बोधन कोना शुरू होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हे गिरगिटियाँ रानी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१२. दोसर पाठमे पहिल प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तौँ कतएसँ अएलह।

१५१३. दोसर पाठमे हमरालेल की अनलह पूछलाक बाद कोन वस्तु आयल?

- (A) कान खोड़ि गुजुआ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१४. गुजुआ ककर लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) राजा बेटी हाथक लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१५. राजा बेटी की देलक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हाथी छोड़ि घोड़ा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१६. घोड़ा कतय चरए गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विरदावनमे।

१५१७. विरदावनमे की-की देखल कहल गेल?

- (A) साँप आ बाघ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१८. गिरगिट बनल कन्या उत्तर देबाक समय की उठबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मूड़ी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१९. तीनू सहयोगी कन्या ओकरा की करैत रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) घुमबैत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२०. खण्ड ११४८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गिरगिटियाँ रानीक दोसर पाठ यात्रा, उपहार, पशु-चित्र आ देह-अभिनयक मिश्रित बाल-लोकनाट्य अछि।

खण्ड ११४९ : विदेह-सदेह २ — कटहरक गाछ बला खेल

१५२१. कटहरक गाछ बला खेलमे एकटा नेना ठाढ़ भऽ की अभिनय करैत अछि?

- (A) गाछक अभिनय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२२. आन नेना सभ ओकर की पकड़ि बैसि रहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पैर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२३. पैर पकड़ि बैसल नेना सभ कोन फलक अभिनय करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कटहर फलक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२४. खेलक पद्यमे “हमरा बाड़ी” पछाति की प्रश्न अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) के हुहुआए।

१५२५. पद्यमे उत्तर रूपमे के आयल अछि?

- (A) राज कोतवाल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२६. कोतवाल की-की मँगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आरब चौरा, नव ढकना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२७. कोतवाल फलक अभिनय करैत नेना सभकेँ हाथसँ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) टेबैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२८. गाछ काँच फल लेल की कहैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) काँच छै तऽ छोड़ि दू।

१५२९. गाछ पाकल फल लेल की कहैत अछि?

- (A) पाकल छै तऽ लऽ लू।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३०. खण्ड ११४९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कटहरक गाछ खेलमे नेना सभ गाछ, फल आ कोतवालक भूमिका द्वारा लोक-कृषि आ अभिनय सीखैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११५० : विदेह-सदेह २ — झिझिर कोना खेलक संरचना

१५३१. “झिझिर कोना” खेल कतेक नेना द्वारा खेलाएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पाँच गोटा नेना द्वारा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३२. झिझिर कोना खेल कतय खेलाएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कोनो खाली घरमे।

१५३३. एहि खेलमे कतेक कोन होइत अछि?

- (A) चारिटा कोन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३४. ई खेल बेसीकाल खाली दलानक कोठली वा कतय खेलाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विद्यालयमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३५. खेलक पद्य कोन शब्दसँ शुरू होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) झिझिर कोना—झिझिर कोना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३६. पद्यमे कोन प्रश्न पूछल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कोन कोना जैब।

१५३७. उत्तरमे कोना-चयन कोना कहल गेल?

- (A) एहि कोना जैब, ओहि कोना जैब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३८. झिझिर कोना खेलमे स्थानिक ज्ञानक आधार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चारि कोन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३९. ई खेल व्यक्तिगत नहि, केहन खेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समूह-आधारित।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४०. खण्ड ११५०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) झिझिर कोना खेल चारि कोन, पाँच नेना आ स्थान-चयनक पद्य द्वारा बाल-स्थानबोध विकसित करैत अछि।

खण्ड ११५१ : विदेह-सदेह २ — साँप डिग-डिग सामूहिक खेल

१५४१. “साँप डिग-डिग” केहन खेल कहल गेल अछि?

- (A) सामूहिक खेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४२. एहि खेलमे बहुत नेना कोना ठाढ़ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हत्था जोड़ि सोझ पाँतीमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४३. खेलक पद्यमे पहिल प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) की रे बकरिया।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४४. दोसर पंक्तिमे की रे कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) छकरिया।

१५४५. बकरी कतय कहल गेल?

- (A) खेतमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४६. धान किएक खेलकौ पछाति उत्तर की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खेतौ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४७. “रोज लेबौ”क उत्तर की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नहि देबौ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४८. तखन नेना सभ कोन अभिनय करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दू हाथक बीच दऽ बन्हएबाक अभिनय।

१५४९. खेलक दोहराव शब्द की अछि?

- (A) साँप-डिगडिग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५०. खण्ड ११५१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साँप डिग-डिग सामूहिक पाँती, प्रश्नोत्तर, बकरी-धान प्रसंग आ बन्हएबाक अभिनयसँ बनल खेल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११५२ : विदेह-सदेह २ — आत्मरक्षा, खिस्सा-पिहानी आ लोक-शिक्षा

१५५१. लेखक पशु-पक्षी सभक अबोध नेनाकेँ की सिखबैत रहबाक तुलना करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आत्मरक्षाक उपाय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५२. शिशु लोक साहित्य मे आत्मरक्षार्थ की उपलब्ध अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) खिस्सा-पिहानी गद्य आ पद्य दुनूमे।

१५५३. आत्मरक्षा-विषयक लोकप्रिय उदाहरणमे कोन गाछक खिस्सा आयल?

- (A) बगिया गाछक खिस्सा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५४. आत्मरक्षा-लोककथामे ककर खिस्सा बेसी लोकप्रिय भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गोनू झाक खिस्सा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५५. ननदि-भाउजसँ जुड़ल आँझुलक खिस्साक आरम्भ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सातो भाइ परदेस गेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५६. आँझुलक खिस्सामे ककर दुःख देने गेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आँझुलकै।

१५५७. झाँझी कुकुरक कोन खिस्सा आयल?

- (A) सौतिनक खिस्सा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५८. सौतिनक खिस्सामे “मोर मन” सम्बन्धी भाव की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मोर मन नहि पतिआइ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५९. एहि खिस्सा-पिहानीक शैक्षिक भूमिका की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अबोध नेना केँ सावधानी आ आत्मरक्षा सिखाएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६०. खण्ड ११५२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आत्मरक्षा-सम्बद्ध खिस्सा-पिहानी नेना सभकेँ खेल-गल्पक माध्यमसँ सावधानी, बुद्धि आ जीवन-व्यवहार सिखबैत अछि।

खण्ड ११५३ : विदेह-सदेह २ — निरर्थक शब्द आ ध्वनि-आनन्द

१५६१. लेखक किछु लोक-साहित्य मे कोन शब्द-प्रयोग बुझना जाइत अछि कहैत छथि?

- (A) निरर्थक शब्द सभक प्रयोग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६२. निरर्थक शब्दक पहिल उदाहरण कोना शुरू होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) औका-बौका।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६३. औका-बौका पद्यमे कतेक तरौका कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तीन तरौका।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६४. औका-बौका पद्यमे लौआक संग की आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लाठी।

१५६५. ओहि पद्यमे चाननक संग की आयल?

- (A) काठी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६६. चाननक बागमे कोन जोड़ी आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) इजय-विजय।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६७. दोसर उदाहरण कोन शब्दसँ आरम्भ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ईटा-माटी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६८. ईटा-माटी पद्यमे कतेकम लइकी भागल जाइ?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आठम।

१५६९. आलू बम बेटा बम पछाति भौजी की करैत छथि?

- (A) नाचए छमाछम।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७०. खण्ड ११५३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) निरर्थक प्रतीत होइत शब्द बाल-लोकपद्य मे ध्वनि, लय, हास्य आ स्मरण-आनन्दक साधन बनैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११५४ : विदेह-सदेह २ — ज्ञानोपयोगी शिशु लोक साहित्यक आरम्भ

१५७१. ज्ञानोपयोगी खण्डमे परिवारकें की कहल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सामाजिक जीवनक पहिल पाठशाला।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७२. मैथिली शिशु लोक साहित्यक माध्यममें नेनाकें की देल जाइत रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अनेक प्रकारक शिक्षा।

१५७३. ज्ञानोपयोगी लोक-साहित्यक पहिल उदाहरण कोन ज्ञान लेल अछि?

- (A) अंक ज्ञान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७४. अंक ज्ञानक खेलक नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अट्टा-पट्टा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७५. अट्टा-पट्टा खेलमे नेनाक कोन हाथपर थापर मारल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दहिना हाथपर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७६. थापर मारैत बेरा-बेरी की पकड़ल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आँगुर।

१५७७. अट्टा-पट्टा पद्यमे बौआकेँ कतेक बेट्टा कहल गेल?

- (A) पाँचगो।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७८. पहिल बेट्टा कतय गेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गायमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७९. दोसर बेट्टा कतय गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) महींसमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८०. खण्ड ११५४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ज्ञानोपयोगी शिशु लोक साहित्य परिवार, खेल आ अंक-अभ्यास द्वारा नेना सभक आरम्भिक शिक्षा करबैत अछि।

खण्ड ११५५ : विदेह-सदेह २ — अट्टा-पट्टा आ एकसँ पाँच धरि अंकज्ञान

१५८१. अट्टा-पट्टा पद्यमे तेसर बेट्टा कतय गेल?

- (A) बड़दमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८२. चारिम बेट्टा कतय गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बकरीमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८३. पाँचम बेट्टा कतय गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) छकरीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८४. अट्टा-पट्टा पछाति तरह्तीपर की रखल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन आँगुर।

१५८५. बुढ़िया सम्बन्धी पंक्तिमे ओ की-की करैत अछि?

- (A) रन्हलक, पकौलक, खएलक, पीलक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८६. आँगुरकें डेगा-डेगी बढ़बैत कतय धरि लऽ जाएल जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हाथसँ काँख धरि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८७. गुदगुदी लगलापर नेना की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जोर-जोरसँ हँसैत लोट-पोट भऽ जाइत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८८. एहि खेलसँ नेनाकें कतेक धरि अंकक ज्ञान होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) एकसँ पाँच धरि।

१५८९. अट्टा-पट्टा खेलमे स्पर्श आ गुदगुदी की बनैत अछि?

- (A) शिक्षणक आनन्दमय साधन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९०. खण्ड ११५५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अट्टा-पट्टा खेल स्पर्श, आँगुर, गुदगुदी आ पशु-क्रम द्वारा एकसँ पाँच धरि अंकज्ञान करबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११५६ : विदेह-सदेह २ — दहाइ आ सैकड़ा गिनतीक खेल

१५९१. दहाइ-सैकड़ा खेलमे कतेक नेना ठाढ़ भऽ खेलाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दू आ दूसँ अधिक नेना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९२. एहि खेलमे नेना सभ कीसँ संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आँगुरसँ।

१५९३. गिनतीक पंक्तिमे दस पछाति की आयल?

- (A) बीस।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९४. दससँ शुरू पंक्ति कतय धरि जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सौ धरि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९५. सौमे की लागल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) धागा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९६. धागा लगलापर चोर की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) निकलिकऽ भागा।

१५९७. रानी बेटी की करैत अछि कहल गेल?

- (A) सोइती।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९८. फूलकें माला की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गोइती।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९९. मेम की खाए कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बिस्कुट।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६००. खण्ड ११५६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दहाइ-सैकड़ा खेल गिनती, संकेत, चोर-रानी कथा आ लयक माध्यमसँ संख्याबोध बढ़बैत अछि।

खण्ड ११५७ : विदेह-सदेह २ — घो-घो रानी आ अंग-ज्ञान

१६०१. “घो-घो रानी” खेलमे एकटा नेना कतय ठाढ़ होइत अछि?

- (A) बीचमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०२. चारूकात नेना सभ कोना ठाढ़ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हत्था जोड़ी कऽ वृत्ताकार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०३. घो-घो रानी पद्यमे प्रश्न की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कत्ते पानी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०४. पानीक पहिल स्तर कोन देह-अंग धरि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) एड़ी धरि।

१६०५. एड़ी पछाति पानी कोन स्तर धरि पहुँचैत अछि?

- (A) ठेहुन धरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०६. क्रममे जाँघ पछाति कोन अंग आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) डाँड़।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०७. क्रममे ढोढ़ी पछाति कोन अंग अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पेट।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०८. अन्तमे “चुभुक” कहि नेना सभ की अभिनय करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) डूबि कऽ नहएबाक अभिनय।

१६०९. एहि खेलसँ नेना सभकेँ कोन ज्ञान कराओल जाइत अछि?

- (A) अंगक ज्ञान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१०. खण्ड ११५७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) घो-घो रानी खेल पानीक स्तर, देह-अंग आ अभिनयक माध्यमसँ नेना सभकेँ अंग-ज्ञान दैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११५८ : विदेह-सदेह २ — छिट्टा-पथिया आ आकार-ज्ञान

१६११. आकार-ज्ञानक खेलमे एकटा नेना अपन दुनू हाथकेँ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उठा कऽ पैघ आकार बनबैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१२. पैघ आकार बनलाक बाद ओ क्रमशः की करैत जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) छोट करैत जाइत अछि।

१६१३. प्रथम प्रश्न “एतेक टा की”क उत्तर की अछि?

- (A) छिट्टा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१४. दोसरा आकारक उत्तर की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पथिया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१५. तेसरा आकारक उत्तर की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मउनी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१६. चारिम आकारक उत्तर की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चुक्का।

१६१७. चुक्कामे की अछि कहल गेल?

- (A) अंडा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१८. अंडा के फोरए कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कउआ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१९. अन्तमे “ती-ती-ती” कहैत नेना सभ की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कूदऽ लगैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२०. खण्ड ११५८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) छिट्टा-पथिया-मउनी-चुक्का खेल हाथक आकार, वस्तु-नाम आ कूदक माध्यमसँ आकार-ज्ञान करबैत अछि।

खण्ड ११५९ : विदेह-सदेह २ — वस्तु-उपयोगक श्रृंखला: लोहासँ खड़ही धरि

१६२१. वस्तु-उपयोग खेल ककर ज्ञान करबैत अछि?

- (A) किछु वस्तुक उपयोगक ज्ञान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२२. खेलक पंक्तिमे खेलए-धूपए गेलहुँ तँ की भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) एगो लोहा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२३. लोहा कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हाँसू गढ़ाबऽ लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२४. हाँसू कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) खड़ही कटाबऽ लेल।

१६२५. खड़ही कथी लेल कहल गेल?

- (A) बंगला छराबऽ लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२६. बंगला कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भैसी बन्हाबऽ लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२७. भैसी कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चोतबा पड़ाबऽ लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२८. चोतबा कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंगना निपाबऽ लेल।

१६२९. एहि खेलक प्रश्न-उत्तर पद्धति ककर अभ्यास करबैत अछि?

- (A) कारण-कार्य आ उपयोग-सम्बन्ध।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३०. खण्ड ११५९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) वस्तु-उपयोग खेल लोहा, हाँसू, खड़ही, बंगला, भैसी आ चोतबा द्वारा उपयोग-श्रृंखला बुझबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६० : विदेह-सदेह २ — वस्तु-उपयोगक श्रृंखला: अंगनासँ बौआ धरि

१६३१. अंगना कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गहूँम सुखाबऽ लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३२. गहूँम कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आटा पिसाबऽ लेल।

१६३३. आटा कथी लेल कहल गेल?

- (A) पूरी पकाबऽ लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३४. पूरी कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भौजीकेँ मँगाबऽ लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३५. भौजी कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बेटा जनमाबऽ लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३६. बेटा कथी लेल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कोरामे खेलाबऽ लेल।

१६३७. खेलक अन्तमे की टूटि गेल कहल गेल?

- (A) टाइल-गुल्ली।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३८. टाइल-गुल्ली टूटलापर बौआ की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रूसि गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३९. एहि शृंखलामे घरेलू अर्थनीति कोना देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) धान्य, आटा, भोजन, परिवार आ नेना-पालनक क्रमसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४०. खण्ड ११६०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंगना सँ बौआ धरि उपयोग-शृंखला नेना सभकेँ घरेलू श्रम, भोजन, परिवार आ पालनक सम्बन्ध सिखबैत अछि।

खण्ड ११६१ : विदेह-सदेह २ — शिशु लोक-साहित्यक समेकित उपयोगिता

१६४१. उपरोक्त विवेचनसँ लेखककेँ की लगैत अछि?

- (A) मैथिली शिशु लोक-साहित्य नेनाक प्रत्येक पक्षसँ जुड़ल रहल अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४२. कुन लोक साहित्यक अधिकता पाओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लालन-पालन आ खेल-मनोरंजनसँ सम्बद्ध।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४३. खेलक माध्यमसँ मनोरंजनक संग नेना-भुटकामे की भावना जगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एकता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४४. एकताक संग दोसर कोन भावना जगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सहयोग।

१६४५. सहयोगक अतिरिक्त कोन मानवीय भाव जगैत अछि?

- (A) सहानुभूति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४६. नेना-भुटकामे प्रेमक भावना ककर माध्यमसँ जगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खेलक माध्यमसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४७. खेलक अतिरिक्त अभिनयक ज्ञान कखने सँ होमए लगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आरम्भसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४८. अभिनयक संग कोन कला-रूपक ज्ञान होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नृत्य आ गीत।

१६४९. अमूल्य धरोहरकें की करबाक प्रयोजन बताओल गेल?

- (A) सहेजि कऽ समेटबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५०. खण्ड ११६१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली शिशु लोक-साहित्य बालजीवनक प्रत्येक पक्ष, खेल, प्रेम, सहयोग, अभिनय, नृत्य आ गीतक शिक्षा समेटैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६२ : विदेह-सदेह २ — मौलिकता, विकृति आ संरक्षणक आवश्यकता

१६५१. लेखकक अनुसार धरोहर दिनानुदिन की त्यागि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अपन मौलिकता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५२. मौलिकता छोड़ि ई कोन रूप अपनौने जा रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विकृत रूप।

१६५३. जँ हम सभ सचेष्ट नहि होएब तँ की सम्भावना अछि?

- (A) धरोहरक मूल्यवान वस्तु नष्ट भऽ जाएबाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५४. एहि विषयपर पहिनो बहुत गोटा की कएलनि अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) काज।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५५. लेखक मानैत छथि जे एखनो किछु लोक की करि रहलाह अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) काज।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५६. एहि विषयक फलक कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ततेक विस्तृत।

१६५७. उपलब्ध संकलन किएक यथेष्ट नहि मानल जा सकैत?

- (A) फलक अत्यन्त विस्तृत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५८. संकलित साहित्यसँ बेसी लोक साहित्य एखनो कतय छिड़िआएल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लोकक ठोरपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५९. संरक्षणक मूल प्रयोजन की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मौलिक शिशु लोक-साहित्यकेँ नष्ट होएबासँ बचाएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६०. खण्ड ११६२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) शिशु लोक-साहित्यक मौलिकता विकृत भेल जा रहल अछि, तँ उपलब्ध संकलनसँ आगाँ बढ़ि ठोरपर छिरिआएल सामग्री सहेजब आवश्यक अछि।

खण्ड ११६३ : विदेह-सदेह २ — पाश्चात्य प्रभाव आ चन्न मामा प्रश्न

१६६१. वर्तमानमे कोन सभ्यता मिथिलाकेँ चारूकातसँ गछारने जा रहल अछि कहल गेल?

- (A) पाश्चात्य-सभ्यता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६२. लोक “चन्न मामा आ रे आ”केँ त्यागि कोन कविता दिस भागि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६३. लोक अपन कोन वस्तु त्यागि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अपन विशिष्ट-वस्तु।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६४. लेखकक समक्ष कोन प्रश्न अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) यक्ष प्रश्न।

१६६५. मिथिलाक अमूल्य निधि ककर परिचिति दैत रहल अछि?

- (A) एहिठामक संस्कृतिक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६६. मुख्य प्रश्न ई अछि जे एहि निधिकेँ कोना राखल जाए?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अक्षुण्ण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६७. ई चिन्ता कोन सांस्कृतिक संघर्ष देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्थानीय लोक-स्मृति आ पाश्चात्य प्रभावक संघर्ष।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६८. “आँखि मुनिकऽ भागल” अभिव्यक्ति की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अनुकरणक अचेत प्रवृत्ति।

१६६९. चन्न मामा प्रतीक कोन धरोहरक प्रतिनिधि अछि?

- (A) मैथिली शिशु लोक-साहित्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७०. खण्ड ११६३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चन्न मामा आ द्विकल द्विकलक तुलना मिथिलाक शिशु-लोकधरोहर पर पाश्चात्य प्रभावक दबाव देखबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६४ : विदेह-सदेह २ — नव तकनीक आ संरक्षणक जोरगर प्रयास

१६७१. लेखक कहैत छथि जे हम सब कोन शताब्दीक देहति पार करि रहल छी?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) इक्कीसम शताब्दीक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७२. विज्ञान अपन विस्तार कतय धरि पसारि चुकल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सुदूर देहात धरि।

१६७३. नव-नव तकनीक द्वारा असंकलित साहित्यकें कतेक काल धरि जोगा राखल जा सकैत अछि?

- (A) चिरकाल धरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७४. असंकलित शिशु लोक साहित्यकें पहिने की कएल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संकलित।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७५. संकलनक संग एकरा की कऽ राखल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जोगा कऽ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७६. एहि साहित्यक प्रचार-प्रसार ककरा धरि कराओल जा सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जन-जन धरि।

१६७७. एहि लेल जरूरी की अछि?

- (A) समधानल डेग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७८. समधानल डेगक संग कोन प्रयास चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जोरगर प्रयास।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७९. नव तकनीकक उपयोगक लक्ष्य की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोकधरोहरक दीर्घकालिक संरक्षण आ प्रसार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८०. खण्ड ११६४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नव तकनीक, समधानल डेग आ जोरगर प्रयास द्वारा असंकलित मैथिली शिशु लोक-साहित्यक संरक्षण आ जन-प्रसार सम्भव अछि।

खण्ड ११६५ : विदेह-सदेह २ — केदार काननक समीक्षा-दृष्टि

१६८१. “जगदीश प्रसाद मंडलक पछताबापर एक दृष्टि” लेख के लिखने छथि?

- (A) केदार कानन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८२. केदार कानन जगदीश प्रसाद मंडलक निजी पहचानमे कोन बात रेखांकित करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गंभीर साम्यवादी दृष्टि, जीवनानुभव आ मैथिल जीवनक चित्रण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८३. जगदीश प्रसाद मंडलक अभिव्यक्तिक संबंधमे समीक्षक की कहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हुनका कहबाक अपन ढंग अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८४. लेखन आरम्भक समयक संबंधमे की संकेत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ एक बएसपर आबि गेलाक बाद लेखन शुरू कएलनि।

१६८५. हुनक कृतिक परायणसँ लेखन देरिसँ शुरू भेल बुझाईत अछि कि नहि?

- (A) नहि, से बुझाईत नहि अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८६. लेखनपूर्व हुनक मानसक अवस्था कोना बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) वस्तु सभ कागतपर उतरबासँ पहिनहि मानस मे रचित-खचित छल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८७. जगदीश प्रसाद मंडल जीवनक कोन अनुभव सहि लेखनमे उतरैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सघन-बीहड़ झंझावात।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८८. समीक्षक हुनका कोन रूपमे स्वागत करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) श्रेष्ठ शिल्पी रूपमे।

१६८९. एहि खण्डमे समीक्षा-दृष्टिक मुख्य स्वर की अछि?

- (A) अनुभव, विचार आ शिल्पक सम्मान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९०. खण्ड ११६५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) केदार कानन जगदीश प्रसाद मंडलकें जीवनानुभव, साम्यवादी दृष्टि आ मैथिल अभिव्यक्तिक श्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६६ : विदेह-सदेह २ — पछताबा कथा: रघुनाथ आ अमेरिका-गमन

१६९१. “पछताबा” कथा ककर कृति रूपमे चर्चित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मंडलक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९२. कथा कतय आयोजित गोष्ठीमे पढ़ल गेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सुपौलमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९३. रघुनाथ कोन घरसँ बहराएल पात्र छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्वतंत्रता सेनानीक घरसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९४. रघुनाथ कोन पढ़ाइक पछाति नोकरी लेल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) इंजीनियरिंगक पढ़ाइक पछाति।

१६९५. रघुनाथ किनका संग अमेरिका गेल?

- (A) अपन पत्नी संग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९६. अमेरिका जाएत समय रघुनाथ के-के छोड़ि गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) माता-पिता, परिवार, सर-सम्बन्धी आ समाज।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९७. अमेरिकाक समाजकेँ स्रोतमे कोना चित्रित कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चाक-चिक्य आ भोगवादी समाज।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९८. अमेरिकामे रघुनाथ लेल मुख्य चिन्ता की रहि गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पाइ कमाएब।

१६९९. एहि कथानकमे प्रवासक मूल तनाव की अछि?

- (A) पाइ आ भोगवादी जीवनक कारण परिवार-संस्कारसँ दूरी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७००. खण्ड ११६६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रघुनाथ इंजीनियरिंगक बाद पत्नी संग अमेरिका जाइत छथि आ परिवार-समाज छोड़ि भोगवादी जीवनमे पाइ-केंद्रित भऽ जाइत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६७ : विदेह-सदेह २ — शिवनाथ दम्पती आ फ्लैशबैक संरचना

१७०१. रघुनाथक माता-पिता ककर नामसँ चिन्हित छथि?

- (A) शिवनाथ आ हुनक पत्नी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०२. रघुनाथक अमेरिका गेलाक बाद माता-पिता कतय रहि जाइत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गामपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०३. आरम्भमे माता-पिता ककर वियोगमे मलीन रहैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पुत्रक वियोगमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०४. थोड़ेक दिन पछाति शिवनाथ दम्पती कोना जीवन जीबैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ढंगसँ आ सुखसँ।

१७०५. कथा कोन पद्धतिमे चलैत अछि?

- (A) फ्लैशबैकमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०६. फ्लैशबैकक माध्यमे की उदघाटित होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनेक-अनेक उपकथा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०७. माता-पिताक जीवन चित्रण कोन भाव दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) वियोगक बादो स्वाभिमानी ग्रामीण संतुलन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०८. कथाक संरचना सीधी रेखा मात्र अछि कि स्मृतिमूलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) स्मृतिमूलक आ फ्लैशबैक-आधारित।

१७०९. उपकथा सभक उदघाटन कथाक की विशेषता देखबैत अछि?

- (A) कथानकक बहुस्तरीयता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१०. खण्ड ११६७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रघुनाथक माता-पिता गाममे रहि वियोगक बादो जीवन सँभालैत छथि, आ कथा फ्लैशबैकद्वारा उपकथा खोलैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६८ : विदेह-सदेह २ — अमेरिका जीवन, उबारूपन आ पश्चाताप

१७११. खण्ड ११६८मे अमेरिकाक जीवनसँ पहिने के उबैत अछि?

- (A) रघुनाथक पत्नी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१२. रघुनाथक पत्नीकेँ अमेरिकामे कोन अभाव अनुभव होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ने क्यो संगी ने क्यो गप कएनिहार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१३. एक दिन कोन भाव रघुनाथोकेँ होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पश्चाताप।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१४. पश्चाताप भेलाक बाद रघुनाथ की करैत रहि जाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओछाइनपर छटपटाइत टा रहि जाइत अछि।

१७१५. कथा गाम अएबाक कोन परिणति देखबैत अछि?

- (A) गाम अएबाक कार्यरूप परिणति नहि देखबैत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१६. रघुनाथक पश्चाताप कतेक सक्रिय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भावनात्मक अछि, कार्यरूप नहि बनैत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१७. अमेरिका जीवनक अकेलापन मुख्यतः ककर अनुभवसँ शुरू होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पत्नीकेँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१८. “ओछाइनपर छटपटाइत” छवि की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) असहाय आ निष्क्रिय अपराध-बोध।

१७१९. कथाक शीर्षक “पछताबा” कथानकमे कोना सार्थक होइत अछि?

- (A) प्रवासक बाद उत्पन्न पश्चातापद्वारा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२०. खण्ड ११६८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अमेरिकाक एकाकी जीवनसँ पत्नी उबैत छथि, रघुनाथो पछताइत छथि, मुदा पश्चाताप कार्यरूप निर्णय धरि नहि पहुँचैत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११६९ : विदेह-सदेह २ — पछताबाक मैथिल अभिव्यक्ति आ उपमा

१७२१. समीक्षक कथा पढ़बाक अनुभव कोना बतबैत छथि?

- (A) मोनलग्गू।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२२. कथा पढ़बामे क्रम भंग कतय होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कतहु नहि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२३. कथामे कोन अभिव्यक्ति समीक्षककेँ नीक लगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिल अभिव्यक्ति।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२४. शिवनाथक अवस्था लेल पाकल आमक कोन उपमा देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आम तोड़ैसँ पहिनहि खसि पड़बाक।

१७२५. दुनूक मन टूटबाक उपमा कोन वस्तुसँ देल गेल?

- (A) अएनापर पाथरक लोढ़ी खसलासँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२६. अरमान आ सपना टूटबाक उपमा कोन वस्तुसँ अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) फूटल फुकना बैलूनक हवा जेकाँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२७. करेज सक्त होएबाक उपमा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पाकल आमक आँठी जेकाँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२८. डिबियाक इजोतक उपमा कोन तेलसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंडीक तेलमे जरैत डिबिया।

१७२९. समीक्षक अंतर्मे लेखकसँ कोन आशा करैत छथि?

- (A) ओ अनुभवकें आरो व्यापकता दैत नव-नव कृति देताह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३०. खण्ड ११६९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पछताबा कथा मोनलगू, अविच्छिन्न आ मैथिल उपमासँ समृद्ध कहल गेल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७० : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक अक्षर-पुरुष व्यक्तित्व

१७३१. “जयकान्त मिश्र जीवन आ साहित्य-साधना” लेख के लिखने छथि?

- (A) प्रेमशंकर सिंह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३२. लेखमे जयकान्त मिश्रक जीवन-काल कोना देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९२२-२००९।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३३. जयकान्त मिश्रकें कोन प्रकारक पुरुष कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दिव्य अक्षर पुरुष।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३४. ओ मैथिलीकें विश्व स्तरपर की करबाक लेल संघर्षरत रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रतिष्ठित करबाक लेल।

१७३५. ओ मातृभाषाक माध्यमे कोन शिक्षा नीति लागू करएबामे सक्रिय रहलाह?

- (A) प्राथमिक शिक्षा नीति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३६. वैज्ञानिक आलोचनात्मक ग्रंथक संबंधमे हुनक योगदान की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रणयन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३७. ओ शोध आ अनुसंधानक कोन दिशा खोललनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नव दिशा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३८. ओ कोन विभूतिकें प्रकाशमे अनबाक प्रयत्न कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्यक हेड़ाएल-भुतिआएल विभूति।

१७३९. मैथिली भाषा-साहित्यक निष्प्राण धमनीमे हुनका की संचार करबाक रूपक देल गेल?

- (A) नव रक्तक संचार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४०. खण्ड ११७०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रेमशंकर सिंह जयकान्त मिश्रकें मातृभाषा, शोध, शिक्षा आ साहित्य-उत्थानक दिव्य अक्षर पुरुष मानैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७१ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक प्रथम दर्शन

१७४१. लेखक छात्रावस्थासँ ककर नामसँ अवगत छलाह?

- (A) जयकान्त मिश्रक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४२. प्रथम दर्शनक अवसर लेखककें कतय भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पटना मे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४३. जयकान्त मिश्र पटना मे कोन प्रसंगमे आएल रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) बिहार पब्लिक सर्भिस कमीशनमे इन्टरभ्यू देबाक हेतु।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४४. लेखक कमीशन आफिसमे ककर दर्शनार्थ गेल छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रोफेसर शैलेन्द्र मोहन झा।

१७४५. ई घटना कोन सालक कहल गेल?

- (A) १९६३ ई.।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४६. ओ समय लेखक कोन कक्षाक छात्र छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पटना विश्वविद्यालयक एम.ए. मैथिलीक अन्तिम वर्ष।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४७. लेखकक विस्तृत परिचय जयकान्त मिश्रकें के देलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शैलेन्द्र बाबू।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४८. लेखक भागलपुर विश्वविद्यालयमे कोन पदपर अएलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिलीक लेक्चरर।

१७४९. विद्यापति पर्वमे जयकान्त मिश्र की देलनि?

- (A) सारगर्भित गंभीर व्याख्यान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५०. खण्ड ११७१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखकक जयकान्त मिश्रसँ प्रथम परिचय पटना मे भेल आ बादमे विद्यापति पर्वमे हुनक व्याख्यान मातृभाषानुराग जगबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७२ : विदेह-सदेह २ — निजी पुस्तकालय आ शोध-सहायता

१७५१. लेखक शोधकार्यक समय जयकान्त मिश्रक निजी पुस्तकालय देखबाक हेतु कतय गेलाह?

- (A) इलाहाबाद।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५२. लेखकक मुख्य कार्य कोन उपन्यासक समालोचना देखब छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कन्यादान आ द्विरागमन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५३. कन्यादानक प्रकाशन-साल स्रोतमे की देल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९३३।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५४. द्विरागमनक प्रकाशन-साल स्रोतमे की देल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९४३।

१७५५. हरिमोहन झाक एहि उपन्याससभ पर वृहत समालोचना के लिखने छलाह?

- (A) श्रीकृष्ण मिश्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५६. समालोचना कोन पत्रिकामे प्रकाशित भेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिला मिहिर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५७. जयकान्त मिश्र लेखकक शोधकें सारगर्भित बनएबाक लेल की करबा देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आवश्यक सामग्री टाइप करबा देलनि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५८. ओ समय कोन सुविधा उपलब्ध नहि छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जिराक्स।

१७५९. टाइप कौपी लेखकक पुस्तकालयमे कोन रूपमे रहल?

- (A) स्मृतिक धरोहर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६०. खण्ड ११७२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक निजी पुस्तकालय आ शोध-सहायता लेखक लेल अमूल्य सिद्ध भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७३ : विदेह-सदेह २ — दीर्घ सम्पर्क आ शुभकामना

१७६१. लेखक कहैत छथि जे जयकान्त मिश्रसँ कतेक बेर भेट भेल?

- (A) तकर ठेकान नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६२. विश्वविद्यालय अनुदान आयोगक स्तरपर लेखककेँ ककर सान्निध्य भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६३. विश्वविद्यालय स्तरक अतिरिक्त कोन समितिक संगोष्ठीमे भेट भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चेतना समितिक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६४. प्रयागक कोन संस्थाक आयोजनोत्सवपर भेट भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला सांस्कृतिक संगम प्रयाग।

१७६५. ब्रजकिशोर वर्माक कोन पुस्तकक सम्पादनक्रममे सामग्री जुटाओल गेल?

- (A) हुनकासँ भेट भेल छल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६६. एहि पुस्तक-संपादनक क्रममे लेखककेँ कतेक बेर दर्शन-सान्निध्य भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सहस्राधिक बेर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६७. जयकान्त मिश्र लेखककेँ कोन सेवार्थ उत्प्रेरित करैत रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मातृभाषाक सेवार्थ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६८. सतत शुभकामना कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गुरुतुल्य प्रेरणा आ संरक्षण।

१७६९. दीर्घ सम्पर्कक मुख्य आधार की रहल?

- (A) साहित्य, विश्वविद्यालय, संगोष्ठी आ संपादन-कार्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७०. खण्ड ११७३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखकक जयकान्त मिश्रसँ दीर्घ सम्पर्क विश्वविद्यालय, संगोष्ठी, प्रयाग आयोजन आ संपादन-कार्यक माध्यमे निरन्तर गाढ़ भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७४ : विदेह-सदेह २ — पारिवारिक पृष्ठभूमि आ मातृभाषानुराग

१७७१. जयकान्त मिश्रक पारिवारिक पृष्ठभूमिमे ककर प्रति अगाध आस्था छल?

- (A) संस्कृतक पठन-पाठन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७२. हुनक पितामहक नाम की देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) महामहोपाध्याय पण्डित जयदेव मिश्र।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७३. हुनक पिताक नाम की देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) महामहोपाध्याय डाक्टर उमेश मिश्र।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७४. पिता आ पितामहक अनुराग कोन क्षेत्रसँ संबंधित छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संस्कृत शिक्षण।

१७७५. जयकान्त मिश्रक पठन-पाठन कोन शिक्षा-पद्धति अनुरूप भेल?

- (A) पाश्चात्य शिक्षा अनुरूप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७६. हुनक शिक्षा ककर छत्रछायामे भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पिता आ प्रोफेसर अमरनाथ झा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७७. ओहि समय इलाहाबाद कोन परम्पराक केन्द्र-बिन्दु कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आधुनिक यूरोपियन परम्परा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७८. अमरनाथ झा कोन विभागक सर्वेसर्वा रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंग्रेजी विभाग।

१७७९. पाश्चात्य शिक्षित भेलाक बादो जयकान्त मिश्रक हृदयमे की बलवती छल?

- (A) मातृभाषानुराग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८०. खण्ड ११७४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संस्कृत-प्रधान परिवार आ पाश्चात्य शिक्षा-दुनू पृष्ठभूमिक बीच जयकान्त मिश्रक मातृभाषानुराग जीवनभर सक्रिय रहल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७५ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक अध्यापन-यात्रा

१७८१. जयकान्त मिश्र कतेक वर्षक अवस्थामे इलाहाबाद विश्वविद्यालयमे लेक्चरर भेलाह?

- (A) २१ वर्ष।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८२. ओ कोन विभागमे लेक्चरर भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्टडीज एण्ड मार्डन यूरोपियन विभाग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८३. सन् १९४४ मे ओ कोन-कोन पदपर आसीन भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रीडर, यूनिभर्सिटी प्रोफेसर आ विभागाध्यक्ष।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८४. इलाहाबाद विश्वविद्यालयसँ अवकाश कखन ग्रहण कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९८३ ई.।

१७८५. अवकाशोपरान्त हुनका अध्यापनसँ मुक्ति भेटल कि नहि?

- (A) नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८६. सागर विश्वविद्यालय हुनका कोन रूपमे चयन कएलकनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भिजीटिंग फेलो।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८७. सागर विश्वविद्यालयमे ओ कतेक वर्ष धरि कार्यरत रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९८५ सँ १९८८ धरि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८८. १९८६ मे हुनका कोन बोर्ड हेतु आमंत्रित कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ऑल इण्डिया बोर्ड फार रिसर्च एवार्ड इन ह्यूमैनिटीज।

१७८९. चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालयमे ओ कोन पद/क्षेत्रमे रहलाह?

- (A) डीन फैकल्टी ऑफ लैंग्वेजेज एण्ड सोशल साइंस।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९०. खण्ड ११७५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक अध्यापन-यात्रा इलाहाबादसँ सागर, मैसूर आ चित्रकूट धरि विस्तृत रहल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७६ : विदेह-सदेह २ — अनुसंधान-प्रेरणा आ अमरनाथ झा

१७९१. जयकान्त मिश्रकें मैथिल सरस्वतीक कोन पुत्र कहल गेल?

- (A) वरद पुत्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९२. लेखकक अनुसार जयकान्त मिश्र मातृभाषाकें की देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जीवनदान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९३. ओ अनुसन्धानक दिशामे किएक उन्मुख भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) इलाहाबाद विश्वविद्यालयक पृष्ठभूमि आ अध्यापन-वृत्तिसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९४. हुनका हृदयमे कोन तीव्र आकांक्षा छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अनुसन्धानक।

१७९५. ओ आरम्भमे कोन विषयपर शोध करए चाहैत छलाह?

- (A) शेक्सपियरक ड्रामापर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९६. ई विचार लऽ कऽ ओ ककरा लग गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रोफेसर अमरनाथ झाक लग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९७. अमरनाथ झा शेक्सपियर विषयक बारेमे की तर्क देलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) शेक्सपियरपर हजारो पोथी उपलब्ध अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९८. अमरनाथ झा भारतीय छात्रक पढ़ाई संदर्भमे की प्रश्न उठौलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ ऑक्सफोर्डक प्रकाशन पढ़त, भारतीय लेखकक पोथी नहि।

१७९९. एहि संवादक परिणाम की भेल?

- (A) जयकान्त मिश्र मैथिली शोध दिस प्रेरित भेलाह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८००. खण्ड ११७६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अमरनाथ झाक दूरदर्शी सलाह जयकान्त मिश्रकँ शेक्सपियर छोड़ि मैथिली अनुसन्धान दिस मोड़लक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७७ : विदेह-सदेह २ — अंग्रेजीमे मैथिली शोधक संकल्प

१८०१. अमरनाथ झा जयकान्त मिश्रकेँ कोन विषयपर काज करबाक कहलथिन?

- (A) मैथिलीक काज।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०२. मैथिली विषय सुनि जयकान्त मिश्रक अवस्था कोना भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ सन्न रहि गेलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०३. जयकान्त मिश्र पुनः साहस कऽ ककरा विषयमे जिज्ञासा कएलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०४. अमरनाथ झाक उत्तर की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हँ, मैथिली।

१८०५. अमरनाथ झाक अनुसार अमैथिल भाषी कोन बात जानत?

- (A) मैथिली साहित्यक विषय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०६. मैथिलीपर अंग्रेजीमे लिखलासँ कोन डिग्री भेटत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अंग्रेजीमे डी.फिल.।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०७. प्रोफेसर झा कतेक प्रकारक साहित्यमनीषी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दूरदर्शी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०८. एहि सलाहकेँ लेखमे की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उपयुक्त सलाह आ प्रेरणा।

१८०९. अमरनाथ झा कहने छलाह जे इएह काज जयकान्त मिश्रकें की बनाओत?

- (A) अजर, अमर आ अक्षुण्ण यशक भागी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१०. खण्ड ११७७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अमरनाथ झाक सलाहसँ जयकान्त मिश्र अंग्रेजी माध्यमे मैथिलीपर शोध करबाक ऐतिहासिक संकल्प धरलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७८ : विदेह-सदेह २ — ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचरक महत्त्व

१८११. जयकान्त मिश्रक अनुसंधान वर्तमान परिप्रेक्ष्यमे ककर पर्याय बनि गेल?

- (A) मैथिली आ प्रोफेसर मिश्रक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१२. हुनक नामोल्लेख बिना मैथिलीक कृति कोना लगैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनोना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१३. हिनक प्रमुख अनुसन्धानात्मक कृतिक नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१४. एहि कृतिपर इलाहाबाद विश्वविद्यालय कोन उपाधि देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) डी.फिल।

१८१५. डी.फिल. उपाधि कोन वर्षमे भेटल?

- (A) १९४८ ई.।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१६. पश्चात् ई कृति कतेक खण्डमे प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दुइ खण्डमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१७. प्रकाशित होतहि ई कृति कोन रूपमे उदघोषित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली साहित्यक अमूल्य निधि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१८. हुनकासँ पूर्व मैथिलीक कोन प्रकारक ग्रंथ नहि छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्येतिहासिक ग्रंथ।

१८१९. हुनक अनुसंधान मैथिलीमे की कहल जा सकैत अछि?

- (A) दिशा-बोधक अनुसंधान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२०. खण्ड ११७८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचर मैथिली साहित्येतिहासक प्रथम दिशा-बोधक अनुसन्धान रूपमे प्रतिष्ठित भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११७९ : विदेह-सदेह २ — इतिहासक स्वागत आ विद्वत् प्रतिक्रिया

१८२१. जयकान्त मिश्रक इतिहासक फलस्वरूप अन्य भाषा-भाषीकें की बोध भेल?

- (A) मैथिली साहित्य सम्पन्न भाषा-साहित्य थिक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२२. मैथिली साहित्यक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि कोन शताब्दीसँ अविच्छिन्न कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तेरहम शताब्दीसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२३. प्रथम खण्डपर कोन भाषा-शास्त्रीक कथन उद्धृत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२४. सुनीति कुमार चटर्जी एहि इतिहासकें कोना मानैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रथमे-प्रथमे प्रकाशित इतिहास, स्वागतयोग्य।

१८२५. एहि साहित्यक गरिमाकेँ जनमानसक समक्ष के प्रस्तुत कएलनि?

- (A) जयकान्त मिश्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२६. खण्ड ११७९मे ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचरक द्वितीय खण्डपर आमुख के लिखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रोफेसर अमरनाथ झा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२७. शोध-प्रबन्धक निर्देशकक नाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रियरंजन सेन।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२८. प्रियरंजन सेनक अनुसार जयकान्त मिश्रक काज कोन प्रकारक छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अत्यन्त साहसिक।

१८२९. विद्वत् प्रतिक्रिया की प्रमाणित करैत अछि?

- (A) कृतिक ऐतिहासिक गरिमा आ स्वीकार्यता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३०. खण्ड ११७९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक इतिहास सुनीति कुमार चटर्जी, अमरनाथ झा आ प्रियरंजन सेन सन विद्वानक मान्यतासँ प्रतिष्ठित भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८० : विदेह-सदेह २ — मिथिलाक लोक-साहित्य पर जयकान्त मिश्र

१८३१. हिनक गहन अनुसन्धानात्मक प्रवृत्तिक परिचय कोन कृतिसँ भेटैत अछि?

- (A) एन इण्ट्रोडक्शन टु द फोक लिटरेचर ऑफ मिथिला।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३२. एहि कृतिमे ओ ककर विश्लेषण कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलांचलक लोक साहित्य।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३३. शोध-साहित्य संचयनक क्रममे ओ कोन सामग्री संकलित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोक साहित्यसँ संबंधित उपलब्ध सामग्री।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३४. ओ एहि लोक साहित्यक विश्लेषण कोन भाषामे कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंग्रेजीमे।

१८३५. ओ की प्रमाणित कएलनि?

- (A) समृद्धशाली विपुल लोक साहित्य जनमानसमे छिड़िआएल अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३६. लोक साहित्य दिस ककर प्रयोजन बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनुसंधानक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३७. जयकान्त मिश्र लोक साहित्यकेँ कोन रूपमे देखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मिथिलाक समृद्ध जन-सांस्कृतिक भंडार रूपमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३८. एहि कृतिक भाषिक महत्त्व की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंग्रेजी माध्यमे मिथिलाक लोक-साहित्यक परिचय।

१८३९. लोकसाहित्य शोध जयकान्त मिश्रक अध्ययन-विस्तार की देखबैत अछि?

- (A) साहित्येतिहाससँ लोकसाहित्य धरि व्यापकता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४०. खण्ड ११८०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र मिथिलाक लोक-साहित्यक संकलन, अंग्रेजी विश्लेषण आ अनुसन्धानक आवश्यकता प्रमाणित करैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८१ : विदेह-सदेह २ — नेपाल-यात्रा आ पाण्डुलिपि-संचयन

१८४१. जयकान्त मिश्र अनुसंधानक आकांक्षा पूर्ति लेल कतेक बेर नेपाल गेलाह?

- (A) दुइ बेर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४२. पहिल नेपाल-यात्राक उद्देश्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) शोध-प्रबन्धक सामग्री संकलन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४३. दोसर नेपाल-यात्राक उद्देश्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पहिल यात्रामे नहि भेटल पाण्डुलिपिकें मूर्त रूप देब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४४. नेपाल-यात्राक क्रममे ओ कोन बहुमूल्य सामग्री संकलित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली भाषा आ साहित्यक नाटकादिक पाण्डुलिपि।

१८४५. नाटकादिक पाण्डुलिपि संकलनक बाद ओ की करौलनि?

- (A) प्रकाशित करौलनि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४६. एहि प्रकाशनक फलस्वरूप के लाभान्वित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भावी अनुसन्धानकर्ता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४७. उक्त कृतिक सम्पादनक्रममे भूमिका कोन-कोन भाषामे लिखल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अंग्रेजी आ मैथिलीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४८. भूमिका द्वारा ओ ककर मूल्यांकन कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नाटकादिक।

१८४९. एहि कार्यसँ मैथिलीक कतिपय समस्या पर की प्रभाव भेल?

- (A) ओझरौठ सोझराओल गेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५०. खण्ड ११८१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक नेपाल-यात्रा मैथिली नाटक-पाण्डुलिपि संचयन, प्रकाशन आ भावी शोधक पथ-प्रदर्शन लेल महत्वपूर्ण रहल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८२ : विदेह-सदेह २ — अनुसन्धानसँ बदलैत मैथिली-अवधारणा

१८५१. जयकान्त मिश्रक अनुसन्धान कोन बात बदलि देलक?

- (A) सम्पूर्ण अवधारणा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५२. अनुसंधानक बाद ई अवधारणा कोना भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सकारात्मक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५३. आब मैथिली कोन विषय मानल जाए लागल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गंभीर अध्ययनक विषय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५४. एहि सकारात्मकतासँ कोन मार्ग प्रशस्त भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली साहित्यक विकास मार्ग।

१८५५. लेखक एहि दिशामे हुनक प्रयासकेँ कोना कहैत छथि?

- (A) स्तुत्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५६. अवधारणाक परिवर्तन मैथिली अध्ययनमे की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उपेक्षासँ गंभीर शास्त्रीय अध्ययन दिस गमन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५७. सकारात्मकता ककर विकास लेल उपयोगी ठहरल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली साहित्यक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५८. एहि खण्डमे जयकान्त मिश्रक योगदानक स्वर की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अध्ययन-मान्यता निर्माण।

१८५९. सम्पूर्ण अवधारणाकें बदलि देबाक मूल साधन की रहल?

- (A) गहन अनुसन्धान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६०. खण्ड ११८२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक अनुसन्धान मैथिलीकें गंभीर अध्ययनक विषय बनबैत सकारात्मक अवधारणा आ विकास-पथ तैयार कएलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८३ : विदेह-सदेह २ — साहित्य-साधना आ द्विभाषिक उद्देश्य

१८६१. स्रोतमे अगिला उपशीर्षक कोन अछि?

- (A) साहित्य-साधना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६२. जयकान्त मिश्रक रचनावली कोन-कोन प्रकारक बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मौलिक, सम्पादित आ स्वतंत्र आलेखादि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६३. हुनक रचनावली कोन-कोन भाषामे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अंग्रेजी आ मैथिलीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६४. ओ मैथिली साहित्यकें की देबाक निमित्त लेखन कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नव दिशा।

१८६५. ओ दुनू भाषामे लेखन कोना कएलनि?

- (A) समान रूपेण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६६. द्विभाषिक लेखनक पाछाँ कोन उद्देश्य छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अमैथिल भाषी सेहो गौरव-गरिमा जानय-बुझय।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६७. साहित्य-साधना मे मैथिली आ अंग्रेजी दुनू प्रयोगक महत्त्व की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्थानीय आ वैश्विक पाठक-दुनू धरि पहुँचनाइ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६८. स्वतंत्र आलेखादि शब्द ककर विस्तार देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हुनक लेखनक बहुविध रूप।

१८६९. नव दिशा देबाक उद्देश्य कोन साहित्यसँ जुड़ल अछि?

- (A) मैथिली साहित्यसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७०. खण्ड ११८३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक साहित्य-साधना मैथिली आ अंग्रेजी दुनू भाषामे मैथिलीक गौरव-गरिमा प्रसारित करबाक उद्देश्यसँ चलल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८४ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक प्रमुख कृति-सूची

१८७१. ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचर वॉल्यूम-१ कोन वर्षक कृति अछि?

- (A) १९४९।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७२. ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचर वॉल्यूम-२ कोन वर्षक कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९५०।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७३. एन इण्ट्रोडक्शन टु फोक लिटरेचर ऑफ मिथिला वॉल्यूम-१ कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९५०।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७४. एन इण्ट्रोडक्शन टु फोक लिटरेचर ऑफ मिथिला वॉल्यूम-२ कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९५१।

१८७५. खण्ड ११८४मे जयकान्त मिश्रक ए केस ऑफ मैथिली कोन वर्षक कृति अछि?

- (A) १९६३।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७६. कीर्त्तनिजा नाटक कोन वर्षक मौलिक मैथिली कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९६५।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७७. खण्ड ११८४मे जयकान्त मिश्रक तिरहुता ककहारा कोन वर्षक मौलिक मैथिली कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९६७।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७८. मैथिलीमे प्राथमिक शिक्षा कोन वर्षक कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९६९।

१८७९. वृहत मैथिली शब्दकोश खण्ड-१ कोन वर्षक कृति अछि?

- (A) १९७३।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८०. खण्ड ११८४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक कृति-सूचीमे मैथिली साहित्य इतिहास, लोक-साहित्य, मैथिली-प्रकरण, कीर्त्तनिजा नाटक, तिरहुता ककहारा, प्राथमिक शिक्षा आ शब्दकोश प्रमुख रूपेँ आबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८५ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक मौलिक अंग्रेजी कृति

१८८१. जयकान्त मिश्रक जीवकोपार्जन कोन पेशासँ भेलनि?

- (A) अंग्रेजीक प्रोफेसरक रूपमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८२. ओ अंग्रेजी साहित्य मे कोन प्रवृत्तिक परिचय देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रचनात्मक प्रवृत्ति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८३. Lectures on Thomas Hardy कोन वर्ष सभमे देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९५५ आ १९६५।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८४. Lectures on Four Poets क पहिल संस्करण कोन वर्ष सभसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९५७ आ १९६३।

१८८५. Complete style in English Poetry कोन वर्षक कृति अछि?

- (A) १९७७।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८६. Romantic Poets सम्बन्धी Lectures on Four Poets कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९८७।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८७. Victorian Poets सम्बन्धी Lectures on Four Poets कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९९२।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८८. मौलिक अंग्रेजी कृतिसूची हुनक कोन पहचान देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अंग्रेजी अध्यापक आ आलोचक दुनू रूप।

१८८९. अंग्रेजी कृति-सूची मैथिली-साधनाक संग कोना जुड़ैत अछि?

- (A) ओ द्विभाषिक वैदुष्यक प्रमाण दैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९०. खण्ड ११८५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र अंग्रेजीक प्रोफेसर रहि अंग्रेजी आलोचना-साहित्य मे सेहो सक्रिय रचनात्मक योगदान देलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८६ : विदेह-सदेह २ — नेपाल-संचित सम्पादित कृति

१८९१. नेपाल यात्रामे जयकान्त मिश्रकेँ कोन बहुमूल्य धरोहर भेटल?

- (A) मैथिलीक नाटकादि आ अन्य कृति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९२. ई सामग्री कतय धूल-धूसरित भऽ रहल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नेपाल दरबार लाइब्ररीमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९३. ओ सामग्रीकेँ कोना प्रकाशित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सयत्न आनि ऐतिहासिक भूमिका लिखि सम्पादित कऽ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९४. धूर्तसमागम ककर कृति रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ज्योतिरीश्वर।

१८९५. गौरी परिणय ककर कृति अछि?

- (A) शिवदत्त।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९६. गौरी स्वयंवरक कान्हाराम संस्करण कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९६०।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९७. गोरक्षविजय ककर कृति रूपमे सम्पादित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विद्यापति।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९८. रुक्मिणी परिणय ककर कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रमापति।

१८९९. सम्पादित कृतिसूची मिथिला-अध्ययनमे की देखबैत अछि?

- (A) पाण्डुलिपि-संरक्षण आ ऐतिहासिक संपादनक परम्परा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९००. खण्ड ११८६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र नेपाल दरबार लाइब्ररीसँ मैथिली नाटक-पाण्डुलिपि आनि ऐतिहासिक भूमिका सहित सम्पादित-प्रकाशित कएलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८७ : विदेह-सदेह २ — सम्पादित कृति, सह-सम्पादन आ अनुवाद

१९०१. कृष्ण केलिमाला ककर कृति रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) नन्दीपति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०२. श्री कृष्णजन्मरहस्य ककर कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) श्रीकान्त गणक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०३. गौरीस्वयंवरक लालकवि संस्करण कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९६२।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०४. विद्या विलाप कोन शासक-संबंधी कृति रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मल्लशासक।

१९०५. Encyclopadie of Indian Literature मे हुनक भूमिका कोन खण्डसँ जुड़ल अछि?

- (A) Maithili Section।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०६. आधुनिक गद्यक निर्माता कोन व्यक्ति पर कृति अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्र।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०७. सह सम्पादनमे कोन कृति देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कीर्तिपताका-विद्यापति-1960।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०८. जयकान्त मिश्रक अनुवाद ककर मोनोग्राफसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उमेश मिश्रक।

१९०९. ई अनुवाद कोन संस्थाक भारतक साहित्य निर्माता सिरीजसँ जुड़ल अछि?

- (A) साहित्य अकादेमी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१०. खण्ड ११८७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक सम्पादन, सह-सम्पादन आ अनुवाद मैथिली धरोहरकेँ आधुनिक शोध-पाठक धरि पहुँचबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८८ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक निबन्ध-सूची: आरम्भिक दशक

१९११. हुनक मैथिली निबन्ध कोन पत्र-पत्रिकादिमे प्रकाशित होइत रहल?

- (A) मैथिली पत्रकादिमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१२. प्रोफेसर गंगापति सिंहक सुशीला उपन्यासक समीक्षा कतय प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिला मिहिरमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१३. मिथिलाक जन साहित्य कोन पत्र/अंकसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चौपाड़ि मधुमास-2011।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१४. मिथिलाक इतिहास सम्बन्धी किछु समस्या कोन सम्मेलन-संग्रहसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रथम अखिल भारतीय लेखक सम्मेलन, रचना संग्रह प्रथम भाग।

१९१५. प्रथम अखिल भारतीय लेखक सम्मेलनमे ओ कोन विभागक अध्यक्षीय भाषण देलनि?

- (A) नाटक विभाग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१६. आधुनिक मैथिली साहित्य पर अंग्रेजीक प्रभाव कतय प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) वैदेही नवम्बर-दिसम्बर 1957।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१७. हमर नेपाल यात्रा कतय प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) वैदेही जनवरी 1958।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१८. पूर्वांचलीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृतिक पारस्परिक प्रभाव कोन संगोष्ठीसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चेतना समिति संगोष्ठी-1972।

१९१९. आधुनिक मिथिलामे कीर्तनक चेतना कोन वर्षक चेतना समिति संगोष्ठीमे आयल?

- (A) १९७३।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२०. खण्ड १९८८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक आरम्भिक निबन्ध-सूची उपन्यास-समीक्षा, इतिहास, नाटक, अंग्रेजी-प्रभाव, नेपाल-यात्रा आ पूर्वांचलीय सांस्कृतिक विमर्श धरि फैलल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११८९ : विदेह-सदेह २ — निबन्ध-सूची: भाषा, संस्कृति आ आन्दोलन

१९२१. परम्पराक परित्याग: साहित्यक अस्तित्वक प्रश्न कोन वर्षसँ जुड़ल अछि?

- (A) १९७४।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२२. मैथिली नाटक ओ रंगमंच: वर्तमान स्थिति एवं भविष्य कोन वर्षक विषय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९७७।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२३. भारतीय संविधान: मैथिलीक समस्या कतय प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चेतना समिति स्मारिका-1977।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२४. जीवित जातिक जीवित भाषा कतय आ कखन प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला मिहिर, 11 जून 1978।

१९२५. संगीत शास्त्र ओ पूर्वाञ्जलीय गीति काव्य कोन वर्षक संगोष्ठी-विषय अछि?

- (A) १९७९।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२६. साहित्य ओ प्रतिबद्धता कोन वर्षक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९८०।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२७. साहित्य मे परिवर्तनक स्वर कोन वर्षसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९८४।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२८. राष्ट्रीय ओ आञ्चलिक संस्कृतिक विकास कोन वर्षक विषय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९८६।

१९२९. मैथिली आन्दोलन: अद्यतन स्थिति कोन वर्षक अछि?

- (A) १९८९।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३०. खण्ड ११८९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक निबन्ध भाषा, संविधान, रंगमंच, संस्कृति, प्रतिबद्धता, समालोचना आ मैथिली आन्दोलनक लगातार बौद्धिक रेखा बनबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९० : विदेह-सदेह २ — निबन्ध-सूची: उत्तरवर्ती लेख आ समग्र साधना

१९३१. साहित्यिक समालोचना: सन्दर्भ इतिहास लेखनक कोन वर्षक संगोष्ठी-विषय अछि?

- (A) १९८७।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३२. विद्यापति पर्व कोना करी कतय प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चेतना समिति स्मारिका-1987।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३३. महाकाव्यमे युगीन संकेत कोन वर्षक विषय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९८८।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३४. यात्रीक मूल्यांकन कविक रुपमे करबाक थिक कोन वर्षसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) २०००।

१९३५. मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज कोन वर्षक संगोष्ठी-विषय अछि?

- (A) २००३।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३६. समग्र कृतिक अवलोकनसँ जयकान्त मिश्रक की परिचय भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साहित्य-साधनाक यथार्थ परिचय।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३७. ओ मातृभाषाक विकासार्थ कोना रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सतत कार्यरत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३८. ओ परवर्ती पीढ़ीक लेल की छोड़ि गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अक्षय कृति।

१९३९. हुनक वैदुष्य वर्तमान पीढ़ीक लेल की बनल?

- (A) पाथेय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४०. खण्ड ११९०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक उत्तरवर्ती लेखन आ समग्र कृति मातृभाषा-विकासक सतत साधना आ नव जीवनक संभावना देखबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९१ : विदेह-सदेह २ — जयकान्त मिश्रक सम्मान: मूल परिप्रेक्ष्य

१९४१. सम्मान खण्डमे जयकान्त मिश्रकें कोन पुरुष कहल गेल?

- (A) मातृभाषानुरागी एवं साहित्यानुरागी कीर्ति पुरुष।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४२. हुनक योगदान ककर सम्मानार्थ बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक सम्मानार्थ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४३. भारतक नेशनल एकेडेमी ऑफ लेटर्सक संग कोन-कोन संस्थादि हिनका सम्मानित कएलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विभिन्न मातृभाषा सेवी संस्थादि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४४. सम्मानक आधार की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मातृभाषा आ साहित्यक सेवा।

१९४५. हिनका सम्मानित कएल गेलाक भाव स्रोतमे कोना अछि?

- (A) गौरवान्वित कएल गेलन्हि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४६. नेशनल एकेडेमी ऑफ लेटर्स शब्द ककर संकेत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साहित्य अकादेमी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४७. सम्मान-सूची जयकान्त मिश्रक कोन पक्ष उजागर करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समाज-मान्य मातृभाषा-सेवक रूप।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४८. सम्मानक प्रसंगमे “अनुप्राणित” शब्द कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हुनक योगदानसँ प्रेरित संस्था-समाज।

१९४९. सम्मान-प्रसंगक मूल भाव की अछि?

- (A) सेवा सँ सम्मानक प्राप्ति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५०. खण्ड ११९१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक मातृभाषा-साहित्य सेवा राष्ट्रीय आ मातृभाषा-सेवी संस्थाद्वारा बारम्बार सम्मानित भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९२ : विदेह-सदेह २ — आरम्भिक सम्मान आ मिथिला विभूति

१९५१. मिथिला मण्डल मुम्बई हिनका कोन अवसरपर सम्मानित कएलक?

- (A) अखिल भारतीय मैथिली सम्मेलनक अवसरपर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५२. मुम्बईक सम्मानपत्र कखन देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 31 दिसम्बर 1969।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५३. चेतना समिति पटना कोन वर्षमे सम्मानित कएलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) १९९०।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५४. चेतना समिति कोन सम्मान देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मिथिला विभूति ताम्रपत्र।

१९५५. चेतना समितिक सम्मानक कारण की छल?

- (A) मातृभाषाक अतुलित सेवा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५६. मिथिला सांस्कृतिक संगम प्रयाग कखन सम्मानपत्र समर्पित कएलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) १९९५ ई.।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५७. प्रयागक सम्मान ककर आधारपर देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्यिक, रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक कार्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५८. धनबाद स्थित विद्यापति समिति कखन सम्मानपत्र देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९९९ ई.।

१९५९. विद्यापति समितिक सम्मानक आधार की छल?

- (A) मातृभाषाक उत्थानार्थ कार्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६०. खण्ड १९९२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मुम्बई, पटना, प्रयाग आ धनबादक संस्थासभ जयकान्त मिश्रक मातृभाषा-सेवा, आन्दोलन आ उत्थान-कार्यक सम्मान कएलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९३ : विदेह-सदेह २ — साहित्य अकादेमी आ उत्तरवर्ती सम्मान

१९६१. साहित्य अकादेमी नई दिल्ली कखन भाषा सम्मान देलक?

- (A) २००० ई.।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६२. साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान कोन विशेषज्ञता लेल देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कालजयी मध्यकालीन मैथिली साहित्यक विशेषज्ञ रूपमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६३. मीट द ऑथर कार्यक्रम कखन आयोजित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) २८ मई २०००।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६४. मीट द ऑथर कार्यक्रमक संयुक्त तत्वावधानमे कोन संस्था सभ छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्य अकादेमी नई दिल्ली आ मिथिला सांस्कृतिक संगम प्रयाग।

१९६५. कोलकाताक कोन संस्था २००६ मे अभिनन्दन कएलक?

- (A) मिथिला सांस्कृतिक परिषद कोलकाता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६६. कोलकाताक संस्थाकेँ स्रोतमे कोन विशेषण देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बंगभूमिक जगता ज्योति संस्था।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६७. भाषा सम्मान जयकान्त मिश्रक कोन राष्ट्रीय स्वीकृति देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य विशेषज्ञक मान्यता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६८. मीट द ऑथर आयोजन हुनक कोन महत्त्व देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लेखक-व्यक्तित्वक सार्वजनिक स्वीकार्यता।

१९६९. उत्तरवर्ती सम्मान-सूची में 2000 आ 2006क स्थान की अछि?

- (A) राष्ट्रीय आ प्रवासी मैथिल सांस्कृतिक मान्यता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७०. खण्ड ११९३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) साहित्य अकादेमीक भाषा सम्मान, मीट द ऑथर आ कोलकाता अभिनन्दन जयकान्त मिश्रक राष्ट्रीय-प्रवासी प्रतिष्ठा प्रमाणित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९४ : विदेह-सदेह २ — प्रयाग आ मैथिली संस्थान-निर्माण

१९७१. स्रोतमे प्रयागकेँ कोन कालसँ मैथिलीक कार्यस्थल कहल गेल?

- (A) अति प्राचीन कालहिसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७२. प्रयाग मैथिलीक कार्यस्थल रहलाक पहिल कारण की बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गंगा-यमुना आ विलुप्त सरस्वतीक संगम।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७३. दोसर कारण की बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विद्याक केन्द्र हैबाक कारणेँ विद्यानुरागी लोकनिक जमावड़ा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७४. स्वाधीनतासँ पूर्व प्रयागक मातृभाषानुरागी रूपमे के उल्लेखित छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जयकान्त मिश्र।

१९७५. ओ मैथिलीक विकासार्थ कतेक संस्था स्थापित कएलनि?

- (A) दू संस्था।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७६. ओहि दू संस्थामे पहिल संस्था कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तीरभुक्ति पब्लिकेशन्स।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७७. दोसर संस्था कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७८. दूनू संस्था कोन वर्षमे स्थापित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) १९४४ ई.।

१९७९. संस्था-संस्थापक रूपमे जयकान्त मिश्रक कार्य की देखबैत अछि?

- (A) भाषा-साधनाक संगठनात्मक रूप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८०. खण्ड ११९४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रयागक सांस्कृतिक-शैक्षिक वातावरणमे जयकान्त मिश्र 1944 मे तीरभुक्ती पब्लिकेशन्स आ अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति स्थापित कएलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९५ : विदेह-सदेह २ — संस्था, प्रकाशन आ मैथिली समाचार

१९८१. जयकान्त मिश्र स्थापित संस्थासभक वर्तमान परिदृश्य कोना कहल गेल?

- (A) ऐतिहासिक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८२. ई संस्था तत्कालीन साहित्यकार लोकनिमे की अनलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जनजागरण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८३. एहि संस्थासभ द्वारा ककर पुस्तकक प्रकाशन भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कतिपय समकालीन साहित्यकार लोकनिक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८४. एहि प्रकाशनक महत्त्व कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ऐतिहासिक महत्व।

१९८५. संस्था द्वारा प्रकाशित अनियतकालीन पत्रिका कोन अछि?

- (A) मैथिली समाचार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८६. मैथिली समाचार पाठककेँ ककर सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नव प्रकाशन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८७. वर्तमान परिदृश्यमे मैथिली समाचार कोन विषय समर्थनमे समाचार प्रकाशित करैत आबि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) स्वतन्त्र मिथिला राज्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८८. मैथिली समाचार कतेक दशकसँ प्रकाशित करैत आबि रहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विगत दुइ दशकसँ।

१९८९. एकर सम्पादन के करथि?

- (A) जयकान्त मिश्र स्वयं।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९०. खण्ड १९९५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक संस्थासभ प्रकाशन, जनजागरण आ मैथिली समाचारक माध्यमे भाषिक-सांस्कृतिक चेतना सक्रिय कएलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १९९६ : विदेह-सदेह २ — पी.ई.एन. मे मैथिली

१९९१. पी.ई.एन. संस्थाक पूर्ण आशय स्रोतमे कोना देल गेल?

- (A) Poets, Essayist and Novelist।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९२. पी.ई.एन. संस्थापक ककरा कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सोफिया वाडिया।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९३. जयकान्त मिश्र पी.ई.एन. मे कोन रूपमे रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सक्रिय सदस्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९४. ओ पी.ई.एन. मार्फत ककर ध्यान मैथिली दिस आकर्षित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भारतीय भाषा-साहित्यानुरागी लोकनिक।

१९९५. ओ मैथिली भाषा आ साहित्यक की कएलनि?

- (A) पुनराख्यान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९६. पी.ई.एन. प्रसंगमे मैथिलीकेँ कोन रूपमे मान्यता दिऔलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भारतक प्राचीनतम भाषाक रूपमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९७. पी.ई.एन. मान्यताक बाद की सहायता भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अग्रिम योजनाकेँ क्रियान्वित करबामे अभूतपूर्व सहायता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९८. पी.ई.एन.मे पढ़ल भाषणादि कतय प्रकाशित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कार्य-विवरणीमे।

१९९९. पी.ई.एन. गतिविधि जयकान्त मिश्रक कोन रणनीति देखबैत अछि?

- (A) अन्तर्राष्ट्रीय/भारतीय साहित्यिक मंचपर मैथिली प्रतिष्ठा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०००. खण्ड १९९६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र पी.ई.एन. मे सक्रिय रहि मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्य जगतमे प्राचीनतम भाषा रूपे प्रतिष्ठित करौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९७ : विदेह-सदेह २ — पी.ई.एन. अधिवेशन आ भाषिक मान्यता

२००१. जयकान्त मिश्र पी.ई.एन.क कोन अधिवेशनमे 1957 मे सहभागी भेलाह?

- (A) बड़ौदा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००२. 1959 मे ओ कतयक अधिवेशनमे सहभागी भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भुवनेश्वर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००३. 1964 मे ओ कतय सम्मिलित भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लखनऊ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००४. एहि अधिवेशनसभमे सहभागी भऽ ओ ककर पुनराख्यान कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली भाषा आ साहित्यक।

२००५. पी.ई.एन. द्वारा मान्यता भेटब मैथिली आन्दोलन लेल किएक उपयोगी छल?

- (A) अग्रिम योजनाकेँ क्रियान्वित करबामे सहायता भेटल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००६. अधिवेशनमे पठित भाषणादि ककर दस्तावेज बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संस्थाक कार्य-विवरणी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००७. बड़ौदा, भुवनेश्वर आ लखनऊक क्रम की देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लगातार मंचीय सक्रियता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००८. पी.ई.एन. प्रसंगमे जयकान्त मिश्रक लक्ष्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली भाषा-साहित्यक ध्यान आकर्षण आ मान्यता।

२००९. पी.ई.एन. गतिविधि मैथिलीक कोन रूप स्थापित करैत अछि?

- (A) प्राचीन आ साहित्यसम्पन्न भाषा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१०. खण्ड ११९७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1957, 1959 आ 1964क पी.ई.एन. अधिवेशनसभमे जयकान्त मिश्र मैथिली भाषा-साहित्यक पुनराख्यान कऽ भाषिक मान्यताक मार्ग मजबूत कएलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९८ : विदेह-सदेह २ — पुस्तक प्रदर्शनीक प्रेरणा

२०११. बिहारक तत्कालीन राज्यपालक नाम स्रोतमे की अछि?

- (A) डा. रंगनाथ रामचन्द्र दिवाकर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१२. डा. दिवाकर कोन मंचपर भाषण देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ऑल इण्डिया पर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१३. ओ मैथिलीकें कोन प्रकारक भाषा कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ज्ञान ग्रन्थस्थ प्राचीन भाषा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१४. मैथिलीक विकासमे एहि उद्गारक भूमिका कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अति महत्वपूर्ण।

२०१५. जयकान्त मिश्र ई व्याख्यान सुनि कोना भेलाह?

- (A) अत्यधिक उत्साहित।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१६. पुस्तक प्रदर्शनी प्रसंग स्रोतमे कोन व्यापक अर्थमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक भविष्यक दिशा-निर्देश।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१७. दिवाकरक उद्गार जयकान्त मिश्र लेल की बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) काज तेज करबाक प्रेरणा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१८. एहि प्रसंगमे मैथिलीकें ककर आधारपर प्रस्तुत कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ज्ञान-ग्रन्थ आ प्राचीनता।

२०१९. पुस्तक प्रदर्शनीक आरम्भिक मानसिक आधार की छल?

- (A) मैथिलीक प्राचीन गौरवक सार्वजनिक प्रदर्शन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२०. खण्ड ११९८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) डा. रंगनाथ रामचन्द्र दिवाकरक मैथिली-समर्थक उद्गार जयकान्त मिश्रकें पुस्तक प्रदर्शनी आ मान्यता-कार्य तेज करबाक प्रेरणा देलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड ११९९ : विदेह-सदेह २ — नेहरू भेट आ मैथिली पुस्तक-उपहार

२०२१. इलाहाबाद विश्वविद्यालयकें स्रोतमे कोन शिक्षाक हृदयस्थल कहल गेल?

- (A) प्राच्य एवं प्रतीच्य उच्च शिक्षाक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२२. जयकान्त मिश्रक कर्मभूमि कतय रहल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) इलाहाबाद विश्वविद्यालयमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२३. पण्डित जवाहरलाल नेहरूक जन्मभूमि कोन स्थान कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) इलाहाबाद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२४. जयकान्त मिश्र नेहरूसँ कखन दर्शनार्थी रूपमे भेटलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सन् 1960 ई. मे।

२०२५. नेहरूसँ भेट कतय भेल?

- (A) आनन्द भवनमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२६. ओ ककर पदसँ नेहरू लग गेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समितिक अध्यक्ष आ अंग्रेजी विभागक व्याख्याता रूपमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२७. नेहरूकें कोन काव्य-संग्रह उपहार देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चित्रा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२८. नेहरूकें कोन कथा-संग्रह सेहो देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गल्पाञ्जलि।

२०२९. उपहार ककर कृति छल?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र यात्रीक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३०. खण्ड ११९९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र 1960 मे आनन्द भवनमे नेहरूकें यात्रीक चित्रा आ गल्पाञ्जलि उपहार दऽ मैथिलीक साहित्यिक परम्परा रखलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०० : विदेह-सदेह २ — नेहरू समक्ष मैथिलीक गौरव आ सरकारी मान्यता

२०३१. जयकान्त मिश्र नेहरूसँ मैथिली सम्बन्धी कोन बात कहलनि?

- (A) तेरहम शताब्दीसँ गौरवशाली साहित्यिक परम्परा उपलब्ध अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३२. मैथिली सरकारी मान्यताक अभावमे कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सर्वथा उपेक्षित।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३३. नेहरू हुनक कथन कोना सुनलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ध्यानसँ आ स्नेहपूर्वक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३४. नेहरूक कथनमे भाषाक समृद्धि ककर मात्र विषय नहि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संस्थागत पुनर्गठनक।

२०३५. नेहरूक कथनमे भाषा सम्बन्धी कोन बात स्वीकारल गेल?

- (A) सुदृढ़ साहित्यसँ भाषाक समृद्धि अनुभव होइत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३६. एहि भेटक मुख्य उद्देश्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली भाषा-साहित्यक सरकारी मान्यता लेल आग्रह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३७. नेहरू समक्ष तेरहम शताब्दीक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिलीक प्राचीन साहित्यिक निरन्तरता देखेबाक लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३८. नेहरूक प्रतिक्रिया जयकान्त मिश्र लेल की संकेत देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली साहित्यक समृद्धि पर सहानुभूतिपूर्ण ध्यान।

२०३९. एहि प्रसंगमे पुस्तक-उपहार आ मौखिक निवेदनक सम्बन्ध की अछि?

- (A) दूनू मैथिली गौरव प्रस्तुत करबाक साधन छल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४०. खण्ड १२००क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नेहरू समक्ष जयकान्त मिश्र मैथिलीक तेरहम शताब्दीसँ चलैत साहित्यिक परम्परा आ सरकारी उपेक्षा रखलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०१ : विदेह-सदेह २ — न्यायमूर्ति बी. मल्लिक सलाह

२०४१. नेहरू भेटक क्रममे जयकान्त मिश्रक भेंट ककरासँ भेल?

- (A) इलाहाबाद हाईकोर्टक चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति बी. मल्लिक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४२. न्यायमूर्ति मल्लिक की कहलथिन?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) एहि रूपेँ मातृभाषाकेँ मान्यता नहि भेटि सकैछ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४३. मल्लिकक अनुसार मान्यता लेल की अपनाबए पड़त?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आन्दोलनक तरीका।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४४. आन्दोलनक तरीका ककर ध्यान आकर्षित करबाक उपक्रम छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जनमानस आ साहित्य चिन्तक लोकनिक।

२०४५. आन्दोलनमे ककर परम्परा प्रस्तुत करबाक कहल गेल?

- (A) समृद्धशाली, गौरवशाली आ वैभवशाली साहित्यक परम्परा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४६. मल्लिकक विचारसँ जयकान्त मिश्र कोना भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उत्प्रेरित।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४७. मल्लिकक सलाह मान्यता आन्दोलनमे की मोड़ देलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निवेदनसँ जन-साहित्यिक प्रदर्शन दिस।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४८. आन्दोलनक तरीका मूलतः की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समृद्ध साहित्यक सार्वजनिक परिचय।

२०४९. एहि खण्डमे बी. मल्लिकक भूमिका की अछि?

- (A) रणनीतिक मार्गदर्शक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५०. खण्ड १२०१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) न्यायमूर्ति बी. मल्लिक जयकान्त मिश्रकेँ मैथिली मान्यता लेल साहित्य-समृद्धि देखबैत आन्दोलनक तरीका अपनाबए कहलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०२ : विदेह-सदेह २ — इलाहाबाद मैथिली पुस्तक प्रदर्शनी

२०५१. इलाहाबादमे मैथिली पुस्तक प्रदर्शनी कतय आयोजित भेल?

- (A) सर गंगानाथ संस्कृत रिसर्च इन्सटीच्यूटमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५२. ई प्रदर्शनी कखन आयोजित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 15 दिसम्बर 1961 ई. केँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५३. प्रदर्शनीक उद्घाटन लेल के अनुरोधित छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जस्टिस बी. मल्लिक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५४. ताधरि जस्टिस मल्लिक कोन पदपर छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) कमीशन फॉर माइनोरिटी लैंग्वेजजक चेयरमैन।

२०५५. जस्टिस मल्लिक प्रदर्शनी उद्घाटन स्वीकार कएलनि कि नहि?

- (A) स्वीकार कएलनि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५६. प्रदर्शनीमे प्रबुद्ध साहित्य चिन्तक लोकनि ककरासँ अवगत भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली भाषा आ साहित्यक प्राचीनतम गौरवशाली परम्परा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५७. एहि प्रदर्शनीक प्रभाव साहित्यचिन्तक लोकनि पर कोना पड़ल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अमिट छाप छोड़लक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५८. एहि अवसरपर ककर काव्यपाठ भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) यशस्वी कवि वैद्यनाथ मिश्र यात्रीक।

२०५९. इलाहाबाद प्रदर्शनीक मूल उपलब्धि की छल?

- (A) मैथिलीक गौरवक सार्वजनिक विद्वत् परिचय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६०. खण्ड १२०२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1961क इलाहाबाद मैथिली पुस्तक प्रदर्शनी जस्टिस मल्लिकक उद्घाटन आ यात्रीक काव्यपाठ सहित मैथिलीक गौरव सार्वजनिक कएलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०३ : विदेह-सदेह २ — दिल्ली राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी

२०६१. इलाहाबाद प्रदर्शनीसँ प्रेरित भऽ जयकान्त मिश्र की सोचलनि?

- (A) दिल्लीमे एहन प्रदर्शनी आयोजित करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६२. दिल्ली प्रदर्शनीक आयोजनार्थ ओ कोन स्रोतसँ लोन लेलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अपन प्रोभिडेण्ट फण्डसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६३. दिल्लीक ऐतिहासिक राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी कखन भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) 8 आ 9 जनवरी 1963 ई.।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६४. प्रदर्शनी कतय आयोजित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दिल्लीक आजाद भवनमे।

२०६५. आयोजनमे आर्थिक-सामुदायिक सहयोग कोना जुटल?

- (A) मिथिलांचलक विभिन्न क्षेत्रसँ चन्दा एकत्रित भेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६६. प्रदर्शनीक सजावट कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हृदयाकर्षक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६७. पुस्तक-संग्रहमे कोन संस्था विशेष उल्लेखनीय कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मिथिला इन्स्टीच्यूट दरभंगा आ पटना विश्वविद्यालय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६८. कौन सांसद सहभागी भेल रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ललितनारायण मिश्र एवं यमुना प्रसाद मंडल।

२०६९. प्रधानमंत्री नेहरूक उद्घाटनमे सहयोग के देलनि?

- (A) भारत सरकारक संसदीय कार्य मंत्री बाबू सत्यनारायण सिंह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७०. खण्ड १२०३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1963क दिल्ली राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी जयकान्त मिश्रक निजी जोखिम, सामुदायिक सहयोग, विशाल पुस्तक-संग्रह आ नेहरू उद्घाटनसँ ऐतिहासिक बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०४ : विदेह-सदेह २ — दिल्ली प्रदर्शनीक प्रभाव आ अकादेमी प्रवेश

२०७१. दिल्ली प्रदर्शनीमे नेहरू कतेक देर विलम्बसँ पहुँचलाह?

- (A) पन्द्रह मिनट।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७२. पुस्तकक अम्बार देखि नेहरू कोना भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हतप्रभ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७३. नेहरू विजिटिंग रजिस्टरमे मैथिलीकेँ कोन प्रकारक भाषा कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लम्बा समयसँ रहैत आ आइयो लोकमे जीवित भाषा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७४. नेहरूक टिप्पणीमे मैथिली ककर अधिकारी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रोत्साहनक।

२०७५. प्रदर्शनी सफल बनएबा लेल कोन हास्य-व्यंग्य सम्राट उपस्थित छलाह?

- (A) प्रोफेसर हरिमोहन झा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७६. प्रदर्शनीमे मायानन्द मिश्र आ रामस्वरूप नटुआक अतिरिक्त के-के आएल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनेको राजनीतिक, साहित्यिक आ मैथिली-प्रेमी गण्यमान्य।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७७. कार्यक्रमक झाँकी कतय प्रदर्शित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सिनेमा हॉलमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७८. पुस्तक प्रदर्शनी जयकान्त मिश्रक कोन गुणक सबल प्रमाण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सफल आयोजक।

२०७९. प्रदर्शनीक बाद मैथिली आन्दोलनक स्थिति कोना कही गेल?

- (A) एक डेग आगू बढ़ल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८०. खण्ड १२०४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दिल्ली प्रदर्शनी नेहरूक सकारात्मक टिप्पणी, जन-उपस्थिति आ दृश्य-प्रसारसँ मैथिली आन्दोलनकेँ एक डेग आगू बढ़ौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०५ : विदेह-सदेह २ — साहित्य अकादेमीक सामान्य परिषदमे प्रवेश

२०८१. साहित्य अकादेमीक सामान्य परिषदमे विश्वविद्यालय प्रतिनिधि कोना मनोनीत होइत छथि?

- (A) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयक अक्षरानुक्रमसँ बीस प्रतिनिधि पाँच वर्ष लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८२. सामान्य परिषदक सदस्यक नामक अनुशांसा के करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सम्बद्ध विश्वविद्यालयक कुलपति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८३. जयकान्त मिश्रक पिता के छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्र।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८४. डा. उमेश मिश्रक कोन विश्वविद्यालयक कुलपति नियुक्त कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सर कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक।

२०८५. कुलपति कार्यालय प्रो. जयकान्त मिश्रक नाम कतेक बेर प्रस्तुत कएलक?

- (A) तीन बेर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८६. कुलपति आरम्भमे फाइल किएक वापस करैत रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हुनका आशंका छलनि जे जनमानस पुत्रक नाम अनुशांसा पर आरोप लगाओत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८७. अन्ततः जयकान्त मिश्रक नाम कोन कारणेँ अनुशांसित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सामाजिक दबावक कारणेँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८८. सामान्य परिषदमे प्रवेशक बाद जयकान्त मिश्र की आरम्भ कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिलीक मान्यतार्थ आन्दोलन।

२०८९. ओ अन्य भाषा-भाषी सदस्य लोकनिक ध्यान कोन दिशामे आकर्षित कएलनि?

- (A) मैथिलीक गौरवशाली साहित्यिक परम्परा दिस।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९०. खण्ड १२०५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र सामान्य परिषदमे प्रवेश कऽ मैथिली मान्यताक आन्दोलनकेँ संस्थागत स्तरपर आगू बढ़ौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०६ : विदेह-सदेह २ — कुलपति उमेश मिश्र आ अनुशंसाक नैतिक द्वन्द्व

२०९१. डा. उमेश मिश्रक मनमे कोन नैतिक संकोच छल?

- (A) अपन पुत्रक नाम अनुशंसित करबाक आरोप लगत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९२. मातृभाषानुरागी कुलपतिक इच्छा की छलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) एहन व्यक्तिक नाम जाय जे मैथिलीक पुरातन परम्परा सबल तर्कसँ प्रस्तुत कऽ सकए।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९३. कुलपति ककरा अंग्रेजीमे नेहरूकेँ कनभिन्स कऽ सकबाक योग्य बुझैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रोफेसर जयकान्त मिश्रकेँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९४. फाइल बारम्बार कोना वापस भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बिनु कोनो टिप्पणी कएने।

२०९५. एहि प्रसंगमे कुलपति कार्यालयक भूमिका की छल?

- (A) जयकान्त मिश्रक नाम अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९६. सामाजिक दबाबक फल की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कुलपति जयकान्त मिश्रक नाम अनुशंसित कएलथिन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९७. अनुशंसाक बाद जयकान्त मिश्र कोन पदपर पहुँचलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्य अकादेमीक सामान्य परिषदक सदस्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९८. एहि घटना सँ मैथिली आन्दोलनकेँ कोन मंच भेटल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्य अकादेमीक संस्थागत मंच।

२०९९. एहि खण्डक मुख्य तनाव की अछि?

- (A) नैतिक संकोच आ मातृभाषा-सेवा बीचक द्वन्द्व।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१००. खण्ड १२०६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उमेश मिश्रक नैतिक संकोच सामाजिक दबाबक बाद हटैत अछि आ जयकान्त मिश्र अकादेमीमे मैथिलीक आवाज बनैत छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०७ : विदेह-सदेह २ — अकादेमी प्रवेशक बाद मैथिली आन्दोलन

२१०१. सामान्य परिषदक सदस्य बनितहि जयकान्त मिश्रक पहिल दिशा की छल?

- (A) मैथिलीक मान्यतार्थ आन्दोलन प्रारम्भ करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०२. ओ अन्य भाषा-भाषी सदस्य लोकनिक समक्ष मैथिलीक कोन पक्ष रखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गौरवशाली साहित्यिक परम्परा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०३. एहि आन्दोलनक उद्देश्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्य अकादेमीसँ मैथिलीकेँ मान्यता दियाबय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०४. मान्यताक पाछाँ हुनक जीवनक कोन पक्ष स्रोतमे रेखांकित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) त्याग आ बलिदान।

२१०५. फाँड़ बान्हि कऽ पाछाँ पड़लनि वाक्यांश कोन बात देखबैत अछि?

- (A) दृढ़ संकल्प आ लगातार प्रयत्न।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०६. सामान्य परिषदक माननीय सदस्य लोकनिक ध्यान आकर्षित करबाक साधन की बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक महत्व निरूपित करब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०७. अंग्रेजीमे तर्क प्रस्तुत करबाक महत्त्व की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अकादेमीक राष्ट्रीय मंचपर मैथिलीक पक्ष स्पष्ट करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०८. एहि खण्डमे जयकान्त मिश्रक छवि कोना बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) संस्थागत आन्दोलनकारी आ भाषा-प्रतिनिधि।

२१०९. मैथिली आन्दोलनमे अकादेमी प्रवेशक फल की भेल?

- (A) भाषा-मान्यताक प्रयास परिषदक भीतर पहुँचल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११०. खण्ड १२०७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अकादेमी प्रवेश जयकान्त मिश्रकें मैथिली मान्यताक राष्ट्रीय संस्थागत प्रवक्ता बनौलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०८ : विदेह-सदेह २ — मैथिली मान्यता लेल बुकलेट आ तर्क

२१११. जयकान्त मिश्र मैथिलीक मान्यतार्थ अंग्रेजीमे कतेक बुकलेट लिखलनि?

- (A) दू।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११२. ओहि बुकलेटमे पहिल शीर्षक की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) A case for Maithili।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११३. दोसर बुकलेटक शीर्षक की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) They say about Maithili।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११४. बुकलेट सभ केकरा बीच वितरित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्य अकादेमीक सदस्य लोकनिक बीच।

२११५. बुकलेट लिखबाक मूल उद्देश्य की छल?

- (A) मैथिलीक महत्व आ मान्यताक पक्ष स्पष्ट करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११६. दिल्ली पुस्तक प्रदर्शनीमे नेहरू कोन संकेत देने रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीकेँ मान्यता भेटबाक चाही।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११७. नेहरूक संकेतक बादो दुर्भाग्यजनक घटना की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नेहरूक मृत्यु भऽ गेलनि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११८. बुकलेट रणनीति ककरा लक्ष्य कएने छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अकादेमीक माननीय सदस्य लोकनिक।

२११९. एहि खण्डमे भाषा-अधिकारक साधन की अछि?

- (A) दस्तावेजी तर्क आ लिखित अभियान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२०. खण्ड १२०८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र दू अंग्रेजी बुकलेट द्वारा मैथिली मान्यताक संस्थागत तर्क सदस्य लोकनिक बीच पहुँचौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२०९ : विदेह-सदेह २ — सुनीति कुमार चटर्जी आ समिति गठन

२१२१. नेहरूक मृत्युपरांत साहित्य अकादेमीक अध्यक्ष के बनलाह?

- (A) प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२२. सुनीति कुमार चटर्जी मैथिलीक कोन पक्षसँ पूर्व परिचित रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक गौरव-गरिमा आ महत्वसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२३. हुनका अध्यक्ष बनितहि जयकान्त मिश्रक आशा कोना बढ़ल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मान्यता भेटबामे मात्र वैधानिक प्रक्रिया शेष बुझाए लगल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२४. मान्यता प्रसंगमे की गठित कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) एक समिति।

२१२५. समितिमे भाषाविद् डा. सुकुमार सेनक संग आर के नामित छलाह?

- (A) प्रो. हजारी प्रसाद द्विवेदी आ डा. सुभद्र झा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२६. डा. सुकुमार सेनक जीवन-वर्ष स्रोतमे कोना देल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1900-1992।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२७. प्रो. हजारी प्रसाद द्विवेदीक जीवन-वर्ष स्रोतमे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) 1907-1979।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२८. डा. सुभद्र झाक जीवन-वर्ष स्रोतमे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) 1909-2000।

२१२९. समितिक बैठक कतय आहूत भेल?

- (A) दिल्लीमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३०. खण्ड १२०९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सुनीति कुमार चटर्जीक अध्यक्षताक बाद मैथिली मान्यताक प्रक्रिया समिति गठन धरि पहुँचल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१० : विदेह-सदेह २ — जनजागरण आ पोस्टकार्ड अभियान

२१३१. समिति बैठकसँ पूर्व कोन क्षेत्रमे जनजागरण भऽ गेल छल?

- (A) मिथिलांचलमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३२. कोलकाताक कोन समूह सभ एहि अभियानसँ जुड़ल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रवासी मातृभाषा सेवी संस्थादिक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३३. मान्यता माँगक समर्थन लेल कोन अभियान चलाओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पोस्टकार्ड अभियान।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३४. पोस्टकार्ड अभियानक लक्ष्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली मान्यताक माँगकेँ समर्थन देब।

२१३५. प्रो. मिश्रक प्रयास स्रोतमे कोना कहल गेल?

- (A) ऐतिहासिक घटनाक रूपमे सतत चिरस्थायी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३६. जनजागरण ककर संग समानान्तर चलल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रवासी संस्था सभक समर्थन संग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३७. एहि अभियानमे भाषा-आन्दोलनक कोन रूप देखाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जन-सहभागिता आ संस्थागत दबाब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३८. कोलकाताक प्रवासी संस्था सभक भूमिका कोन छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मातृभाषा-सेवा आ समर्थन।

२१३९. एहि खण्डक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) मान्यता अभियान केवल व्यक्तिगत नहि, सामुदायिक सेहो बनल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४०. खण्ड १२१०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलांचल आ प्रवासी संस्था सभक जनजागरण-पोस्टकार्ड अभियान मैथिली मान्यता माँगकें व्यापक बनौलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२११ : विदेह-सदेह २ — तिरहुता वा मिथिलाक्षरक स्वतंत्र अस्तित्व

२१४१. मैथिली भाषाक प्राचीन स्वतंत्र लिपिक एक नाम की अछि?

- (A) तिरहुता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४२. मिथिलाक्षरक दोसर नाम स्रोतमे कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलाक्षर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४३. तिरहुता नामसँ की ज्ञान होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ई लिपि तिरहुत देशक थिक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४४. भाषा आ सभ्यता जकाँ लिपि आ भाषाक सम्बन्ध कोना कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परस्पर अन्योन्याश्रित।

२१४५. मैथिली पर लिपिसँ सम्बन्ध छूटबाक प्रभाव की बताओल गेल?

- (A) भाषाक प्रति आकर्षण घटैत जाएत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४६. तिरहुता जाननिहारक स्थिति स्रोतमे कोना वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संख्या दिनानुदिन नगण्य भेल जा रहल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४७. ई स्थिति मैथिली लेल कोन प्रकारक विषय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चिन्तनीय विषय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४८. जयकान्त मिश्र एहि प्रश्नपर कोना विचार कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गम्भीरतापूर्वक।

२१४९. तिरहुता संरक्षणक प्रयोजन ओ किएक बुझलनि?

- (A) मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बचाएबाक लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५०. खण्ड १२११क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तिरहुता मैथिलीक स्वतंत्र प्राचीन लिपि अछि, जकर संरक्षण भाषा-स्वातंत्र्यसँ जुड़ल अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१२ : विदेह-सदेह २ — लिपि-भाषा सम्बन्ध आ मैथिली संकट

२१५१. अपन लिपिसँ सम्बन्ध छूटलासँ भाषाक प्रति की घटैत अछि?

- (A) आकर्षण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५२. एहि सम्बन्धक प्रत्यक्ष प्रमाण स्रोतमे कोन भाषा कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५३. तिरहुता जाननिहारक कमि ककर लेल चिन्तनीय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५४. जयकान्त मिश्रक विचारमे तिरहुता संरक्षण लेल की चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रयास।

२१५५. स्वतंत्र लिपि भाषाक कोन पक्ष स्थापित करैत अछि?

- (A) भाषाक अलग सांस्कृतिक अस्तित्व।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५६. लिपि-विलुप्ति मैथिली लेल किएक संकटकारी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कारण भाषा-आकर्षण आ स्वतंत्रता कमजोर पड़ैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५७. तिरहुता प्रश्नपर गम्भीर विचारक अर्थ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संरक्षणक ठोस आवश्यकता स्वीकार करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५८. एहि खण्डमे भाषा आ लिपिक सम्बन्ध कोना देखाओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) एक-दोसर पर निर्भर।

२१५९. मैथिलीक स्वतंत्र भाषिक दावा लेल लिपि किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) किएक तँ स्वतंत्र लिपि स्वतंत्र परम्पराक प्रमाण बनैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६०. खण्ड १२१२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लिपिसँ दूरी मैथिली चेतनाक क्षय करैत अछि, तँ तिरहुता संरक्षण भाषिक अस्तित्वक शर्त बनैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१३ : विदेह-सदेह २ — अकादेमी प्रश्न आ तिरहुता तर्क

२१६१. साहित्य अकादेमी मान्यता प्रसंगमे कोन प्रश्न उठल?

- (A) मैथिलीक स्वतंत्र लिपिक अस्तित्व छैक वा नहि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६२. जयकान्त मिश्र एहि प्रश्नक उत्तरमे की तर्क देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीकेँ अपन स्वतंत्र लिपि छैक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६३. ओ तिरहुताक इतिहास कोना वर्णित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पुरातन इतिहास।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६४. हुनकर मान्यता अनुसार मैथिलीक स्वतंत्र अस्तित्व स्थापित करबामे कठिनता ककर कारणेँ भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लिपिक कारणेँ।

२१६५. जँ तिरहुता संरक्षित रहितए तँ कोन कठिनता नहि होइत?

- (A) मैथिलीक स्वतंत्र अस्तित्व सिद्ध करबाक कठिनता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६६. अकादेमी प्रसंगमे तिरहुता कोन प्रकारक प्रमाण बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) स्वतंत्र भाषिक अस्तित्वक प्रमाण।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६७. जयकान्त मिश्रक तर्कक केन्द्र की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लिपि, पुरातन इतिहास आ भाषिक स्वातंत्र्य।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६८. एहि खण्डमे तिरहुता प्रश्न ककर संग जुड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली मान्यताक वैधानिक प्रश्न संग।

२१६९. तिरहुता संरक्षणक असफलतासँ कोन आरोप बल पबैत अछि?

- (A) मैथिलीकँ हिन्दी अंग कहबाक प्रवृत्ति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७०. खण्ड १२१३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अकादेमीमे मैथिली मान्यताक तर्क स्वतंत्र तिरहुता लिपि आ ओकर पुरातन इतिहास पर टिकैत छल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१४ : विदेह-सदेह २ — दरभंगा राज, कैथी आ देवनागरी प्रभाव

२१७१. पुरातन कालमे मिथिलांचलमे तिरहुता संग कोन लिपिक प्रचलन छल?

- (A) कैथी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७२. दरभंगा राजक कार्यकलापमे कोन लिपि प्रयोग होइत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तिरहुता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७३. तिरहुता हटाकऽ कोन लिपि लादल गेल कहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हिन्दी-बहुल देवनागरी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७४. एहि परिवर्तनक दुष्परिणाम की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) तिरहुता शनैः-शनैः जनमानससँ विलुप्त होइत गेल।

२१७५. तिरहुता विलुप्तिसँ मैथिली पर कोन भाषिक आरोप लागल?

- (A) मैथिलीकँ हिन्दीक अंग कहल गेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७६. एहि तुलनामे कोन भाषादिक नाम स्रोतमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ब्रजभाषा आ अवधी।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७७. जँ तिरहुता प्रचलित रहैत तँ की नहि होइत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहन विवादक उद्भावना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७८. संस्कृत लेल वैकल्पिक रूपमे भारतभरि कोन लिपि व्यवहृत होबए लागल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) देवनागरी।

२१७९. देवनागरी प्रभावक परिणाम मैथिली साहित्यकार पर की भेल?

- (A) ओ तिरहुताक स्थानपर देवनागरी प्रयोग करए लगलाह।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८०. खण्ड १२१४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दरभंगा राजसँ जनमानस धरि तिरहुता हटि देवनागरीक प्रभाव बढ़ल, जाहिसँ मैथिलीक स्वतंत्रता विवादित भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१५ : विदेह-सदेह २ — तिरहुता पुनर्जीवनक असफल प्रयास

२१८१. तिरहुता संरक्षणार्थ स्रोतमे प्रयास भेल कि नहि?

- (A) कतिपय प्रयास अवश्य कएल गेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८२. ओहि प्रयास सभक परिणाम कोना वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कोनो प्रयास सफल नहि भऽ सकल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८३. दरभंगासँ तिरहुता लिपिमे की बाहर करबाक प्रयास भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समाचार पत्र।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८४. दरभंगा समाचार-पत्र प्रयासक परिणाम की भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओहो विफल रहल।

२१८५. मैथिली भाषी जनमानस कोन लिपि सभमे पढ़ैत-लिखैत छल?

- (A) तिरहुता आ कैथी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८६. एहिसँ अतिरिक्त कोनो लिपिक ज्ञान लोककें छल कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नहि, अतिरिक्त कोनो लिपिक प्रयोगक ज्ञान नहि छल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८७. तिरहुता पुनर्जीवन लेल पुस्तक भण्डारसँ के प्रयास कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जीवनाथ राय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८८. जीवनाथ राय कोन ग्रन्थ रचलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिलीक प्रथम पुस्तक।

२१८९. जीवनाथ राय प्रयासक समग्र परिणाम की भेल?

- (A) ओ सफल नहि भऽ सकल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९०. खण्ड १२१५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तिरहुता बचएबाक समाचार-पत्र आ पुस्तक-आधारित प्रयास भेल, मुदा व्यापक रूपेँ सफल नहि भऽ सकल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१६ : विदेह-सदेह २ — मैथिली कोश आ तिरहुता ककहारा

२१९१. मैथिली कोश प्रकाशित करबाक प्रसंगमे जयकान्त मिश्र कोन टाइप बनएबाक प्रयास कएलनि?

- (A) विशुद्ध तिरहुता लिपिक टाइप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९२. हुनकर बलवती इच्छा की छलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कोश तिरहुता लिपिमे प्रकाशित हो।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९३. एहि भावनासँ प्रेरित भऽ ओ कोन पुस्तक लिखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तिरहुता ककहारा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९४. तिरहुता ककहारा कोन वर्षक पुस्तक छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) 1967।

२१९५. दैव-दुर्योगक कारणेँ हुनक प्रयासक परिणाम की भेल?

- (A) सफलीभूत नहि भऽ पौलनि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९६. जयकान्त मिश्रक मान्यता अनुसार तिरहुता अपनायल रहितए तँ कोन काज सुकर होइत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्राचीन एवं मध्ययुगीन कालजयी साहित्यक रिसर्च।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९७. वर्तमान परिप्रेक्ष्य मे तिरहुताक की प्रयोजन बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) पुनरुत्थान।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९८. तिरहुता शोध आ सांस्कृतिक कार्यमे कोना उपयोगी कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अलंकरणक रूपमे विशेष उपादेय।

२१९९. ओ विशेष रूपेँ ककरा तिरहुता सिखबाक प्रेरणा देलनि?

- (A) मैथिली पढ़निहार छात्र समुदायकेँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२००. खण्ड १२१६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कोश, तिरहुता टाइप आ तिरहुता ककहारा मार्फत जयकान्त मिश्र लिपि-पुनरुत्थानक ठोस प्रयास कएलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१७ : विदेह-सदेह २ — परामर्श मण्डलक संयोजक

२२०१. साहित्य अकादेमी द्वारा मैथिलीक मान्यता भेटलाक बाद प्रवासी मातृभाषानुरागीमे की फैलल?

- (A) प्रसन्नताक लहरि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०२. जनमानसक भाव कोना वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आनन्दक सागरमे डुब्बी मारए लागल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०३. मान्यता बाद लोक कोन आशा कएलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विकासक अवरुद्ध मार्गमे नव किरण विकीर्ण होएत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०४. मैथिली परामर्श मण्डलक प्रथम संयोजक के छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रमानाथ झा।

२२०५. रमानाथ झाक आकस्मिक निधनोपरान्त संयोजक के बनलाह?

- (A) जयकान्त मिश्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०६. जयकान्त मिश्र कतेक खेप परामर्श मण्डलक संयोजक रहलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दू खेप।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०७. हुनक कार्यकालमे उल्लेखनीय प्रकाशनक स्थिति कोना वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कोनो एहन उल्लेखनीय प्रकाशन नहि भेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०८. परामर्श मण्डल प्रसंग कोन संस्थासँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्य अकादेमीसँ।

२२०९. मान्यता पश्चात् परामर्श मण्डलक महत्व की छल?

- (A) मैथिलीक विकासक मार्ग खोलबाक आशा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१०. खण्ड १२१७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मान्यता पश्चात् जयकान्त मिश्र रमानाथ झाक बाद परामर्श मण्डलक संयोजक बनलाह, मुदा प्रकाशन-उपलब्धि सीमित रहल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१८ : विदेह-सदेह २ — संयोजक कालक प्रकाशन

२२११. जयकान्त मिश्रक कार्यावधिमे उमानाथ झा द्वारा सम्पादित कोन पुस्तक प्रकाशमे आएल?

- (A) विद्यापति गीत शती।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१२. जयधारी सिंह द्वारा संग्रहीत कोन पुस्तक प्रकाशमे आएल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली कथा संग्रह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१३. हुनक संयोजक कालक कतेक घटना चिरस्मरणीय कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दुइ घटना।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१४. प्रकाशनक मूल्यांकन स्रोतमे कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) उल्लेखनीय प्रकाशन नहि, मुदा किछु पुस्तक प्रकाशमे आएल।

२२१५. विद्यापति गीत शतीक सम्पादक के छलाह?

- (A) उमानाथ झा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१६. मैथिली कथा संग्रहक संग्रहकर्ता के छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयधारी सिंह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१७. संयोजक कालक प्रकाशन सूची ककर कार्यावधिसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जयकान्त मिश्रक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१८. एहि प्रकाशनक प्रसंग ककर बाद राखल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मान्यता भेटलाक बाद परामर्श मण्डल संयोजनक बाद।

२२१९. एहि खण्डक संतुलित निष्कर्ष की अछि?

- (A) कार्यकालमे सीमित प्रकाशन भेल, मुदा ओकर उल्लेख दस्तावेजी अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२०. खण्ड १२१८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संयोजक कालमे विद्यापति गीत शती आ मैथिली कथा संग्रह सन प्रकाशन भेल, मुदा उपलब्धि असाधारण नहि कहल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२१९ : विदेह-सदेह २ — राधाकृष्ण चौधरी इतिहास विवाद

२२२१. अकादेमी मैथिली साहित्यक इतिहास अंग्रेजीमे लिखबाक दायित्व ककरा देलक?

- (A) प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरीकेँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२२. राधाकृष्ण चौधरीक जीवन-वर्ष स्रोतमे कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1924-1984।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२३. ओ पाण्डुलिपि कतय समर्पित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) साहित्य अकादेमीमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२४. पाण्डुलिपि परामर्श मण्डलक समक्ष किएक गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विचारार्थ।

२२२५. स्रोत अनुसार पाण्डुलिपि कोन दशामे पड़ल?

- (A) बभन पेंचमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२६. ओ पाण्डुलिपि ककरा सँ वंचित कऽ देल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रकाशनसँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२७. एक प्रमुख कारण स्रोतमे की बताओल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिलीक इतिहास लेखनपर प्रो. मिश्रक एकाधिकार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२८. ई प्रसंग मैथिली इतिहास लेखनमे कोन स्थिति देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विवाद आ संस्थागत पेंच।

२२२९. प्रो. चौधरीक पाण्डुलिपिक विषय की छल?

- (A) मैथिली साहित्यक इतिहास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३०. खण्ड १२१९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) राधाकृष्ण चौधरीक मैथिली इतिहास-पाण्डुलिपि अकादेमीमे समर्पित भेल, मुदा संस्थागत पेंच आ विवादसँ प्रकाशन रोकायल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२० : विदेह-सदेह २ — दू इतिहास: ए हिस्ट्री आ ए सर्वे

२२३१. प्रो. मिश्र अपन पूर्व प्रकाशित इतिहासक कोन खण्ड संक्षिप्त कएलनि?

- (A) प्रथम खण्ड आ द्वितीय खण्ड।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३२. अकादेमी द्वारा प्रकाशित इतिहासक अंग्रेजी शीर्षक की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) A History of Maithili Literature।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३३. A History of Maithili Literature कोन वर्ष प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) 1976।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३४. ओकर मैथिली अनुवादक शीर्षक की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली साहित्यक इतिहास।

२२३५. मैथिली अनुवाद कोन वर्ष भेल?

- (A) 1988।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३६. प्रो. मिश्र स्वयं अनुवाद किएक कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हुनका आशंका छलनि जे अन्य अनुवादक एम्हर-ओम्हर ने कऽ देखि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३७. प्रो. चौधरी अपन पाण्डुलिपि कोन नामे प्रकाशित करौलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) A Survey of Maithili Literature।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३८. A Survey of Maithili Literature कोन वर्ष प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) 1976।

२२३९. दुनू इतिहासक स्वीकृति स्रोतमे कोना कहल अछि?

- (A) दुनू इतिहास मैथिलीमे विवादास्पद रहल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४०. खण्ड १२२०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिश्रक A History आ चौधरीक A Survey दुनू 1976क इतिहास-ग्रन्थ मैथिली साहित्य-जगतमे विवादक विषय बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२१ : विदेह-सदेह २ — इण्डियन लिटरेचर सिन्स इण्डिपेण्डेन्स विवाद

२२४१. अकादेमी कोन पुस्तक प्रकाशित कएलक जाहि मे स्वातंत्र्योत्तर भाषिक विकासक मूल्यांकन छल?

- (A) Indian Literature Since Independence।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४२. ई पुस्तक कोन वर्ष प्रकाशित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1973।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४३. मैथिली भाषाक स्वातंत्र्योत्तर काजक विकास पर आलेख के प्रस्तुत कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रोफेसर मिश्र।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४४. प्रकाशनोपरान्त ई आलेख ककर केन्द्र-बिन्दु बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) साहित्य जगतमे पैघ विवादक।

२२४५. आलोचना अनुसार आलेखमे समस्या की छल?

- (A) यथार्थ मूल्यांकनमे भ्रामक विचार।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४६. विरोधमे ककर पचीस अंकक लगधक लेख छपल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिला मिहिरक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४७. मिथिला मिहिरक सम्पादक के छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सुधांशु शेखर चौधरी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४८. ओ कोन सीरिज चलौलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) वादे-वादे जायते तत्वबोध।

२२४९. सीरिजमे प्रकाशित आलेख सभमे की भेल?

- (A) प्रो. मिश्रक कटु आलोचना।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५०. खण्ड १२२१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) Indian Literature Since Independence मे मिश्रक मैथिली-आलेख भ्रामक मूल्यांकनक आरोपसँ मिथिला मिहिरक व्यापक आलोचना-विवादक केन्द्र बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२२ : विदेह-सदेह २ — दिशा-बोधक समीक्षक आ सुशीला समीक्षा

२२५१. जयकान्त मिश्र जीवनपर्यन्त कोन साहित्यक अध्ययन-अध्यापनमे निरत रहलाह?

- (A) अंग्रेजी साहित्य।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५२. मैथिलीमे समीक्षा लिखबाक प्रेरणा की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मातृभाषामे समीक्षाक अभाव।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५३. हुनक वृहत समीक्षात्मक कृति कोन उपन्यासपर आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सुशीला।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५४. सुशीला उपन्यासक लेखक के छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रोफेसर गंगापति सिंह।

२२५५. सुशीला समीक्षा के प्रकाशित कएलनि?

- (A) मिथिला मिहिरक सम्पादक सुरेन्द्र झा सुमन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५६. सुशीला समीक्षाक महत्वक एक कारण की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली शब्दक बदला हिन्दी शब्द-समूहक प्रयोगक प्रतिवाद।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५७. ई आलेख जयकान्त मिश्र लेल की खोललक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली आलोचनामे प्रवेशक द्वार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५८. जनमानसक धारणा की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिलीमे जे लिखल जाइत अछि से ठीक, आलोचना नहि होमक चाही।

२२५९. कौन युवा साहित्यचिन्तक हिनका प्रोत्साहित कएलथिन?

- (A) बाबू भुवनेश्वर सिंह भुवन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६०. खण्ड १२२२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सुशीला उपन्यासक समीक्षा जयकान्त मिश्रकें मैथिली आलोचनामे दिशा-बोधक समीक्षक रूपमे स्थापित कएलक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२३ : विदेह-सदेह २ — इतिहास-लेखन आ आलोचनात्मक दिशा

२२६१. मैथिलीमे इतिहास-लेखनक परम्पराक शुभारम्भ ककरासँ मानल गेल?

- (A) जयकान्त मिश्रसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६२. इतिहास-लेखन स्रोतमे कोन श्रेणीमे परिणत कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समीक्षाक श्रेणीमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६३. आधुनिक आलोचक हुनक इतिहासमे की देखैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कतिपय दोष।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६४. ताहि दोषक उत्तरमे स्रोत की तर्क देल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) हुनका समक्ष कोनो प्रतिमान नहि छलनि।

२२६५. हुनक इतिहास परवर्ती शोध लेल की देलक?

- (A) अनेक दिशा-निर्देश।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६६. ककरा एहि दिशामे गहन अनुसंधान करबाक छैक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) परवर्ती पीढ़ीकेँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६७. हुनक इतिहास मैथिली आलोचना साहित्यकेँ की करौलक?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) दिशा-बोध।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६८. स्रोत अनुसार हमसभ आगाँ बढ़ि नहि पौलहुँ, ई कोन प्रकारक विषय अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) चिन्तनीय।

२२६९. एहि खण्डमे आलोचना-दृष्टिक संतुलन की अछि?

- (A) दोष मानितो आरम्भिक प्रतिमानहीनता बुझब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७०. खण्ड १२२३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक इतिहास-लेखनमे सीमा छल, मुदा ओ मैथिली आलोचना आ शोधक मूल दिशा-निर्देशक बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२४ : विदेह-सदेह २ — लोकसाहित्य, नाटक आ आधुनिक परिवर्तन

२२७१. जयकान्त मिश्रक लोकसाहित्य सम्बन्धी ग्रन्थक नाम की अछि?

- (A) An Introduction to Folk Literature of Mithila।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७२. ई ग्रन्थ कोन विधाक प्रथम ग्रन्थ कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलाक लोकसाहित्य विधाक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७३. ग्रन्थक प्रथम खण्डमे मुख्यतः की विवेचित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोकगीत आ लोकनाट्य सम्बन्धी गीत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७४. द्वितीय खण्डमे की चर्चा भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) लोक विश्वास, लोक परम्परा आ कतिपय लोक कथा।

२२७५. वैदेही समिति सम्मेलनमे ओ कोन समस्या दिस ध्यान आकर्षित कएलनि?

- (A) मैथिली इतिहास सम्बन्धी किछु समस्या।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७६. अध्यक्षीय भाषणमे ओ ककर भविष्य पर प्रकाश देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) नाट्य साहित्यक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७७. हुनक मान्यता अनुसार मैथिलीक भविष्य कोन माध्यमसँ सुरक्षित रहि सकैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नाटक आ रंगमंचक माध्यमसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७८. बीसम शताब्दीमे मैथिली साहित्यमे कोन स्वर गुंजित भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) परिवर्तनक स्वर।

२२७९. परिवर्तनक स्वरसँ जुड़ल कारणमे कोन विचारधारा/सिद्धान्त स्रोतमे अछि?

- (A) मार्क्सवाद आ फ्रायडक सिद्धान्त।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८०. खण्ड १२२४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लोकसाहित्य, नाट्य-संकेत आ आधुनिक परिवर्तनक समर्थनसँ जयकान्त मिश्र मैथिली संस्कृतिक भविष्य-दिशा देखौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२५ : विदेह-सदेह २ — कीर्त्तिनिजा नाटक विवादक आरम्भ

२२८१. A History of Maithili Literature क Volume-I मे मिथिलामे उपलब्ध नाटक सभकेँ प्रो. मिश्र कोन नामे सम्बोधित कएलनि?

- (A) कीर्त्तिनिजा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८२. प्रो. मिश्रक “कीर्त्तिनिजा” नामकरणपर पहिल आपत्ति के प्रस्तुत कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रमानाथ झा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८३. रमानाथ झा प्रो. मिश्रक मतक खण्डन करैत ओकरा की कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कीर्त्तिनिजा नाच।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८४. एहि मतभेदसँ मैथिली आलोचनामे कोन प्रवृत्ति शुरू भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विवादक एक परम्परा।

२२८५. प्रो. मिश्र रमानाथ झाक मतक उत्तर कतय देलनि?

- (A) अभिव्यञ्जनाक अग्रिम अंकमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८६. रमानाथ झाक बृहत् आलोचनात्मक लेख कोन संग्रहमे आयल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रमानाथ झा प्रबन्ध संग्रहमे।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८७. रमानाथ झा मैथिली नाटकपर कोन नामक ग्रन्थ प्रकाशित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कीर्त्तिनिजा नाटक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८८. कीर्त्तिनिजा नाटक ग्रन्थक प्रकाशन-वर्ष स्रोतमे की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) 1965।

२२८९. एहि विवादक मुख्य विषय की छल?

- (A) मिथिलाक उपलब्ध नाटकादिक नामकरण आ स्वरूप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९०. खण्ड १२२५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिश्रक कीर्त्तिनिजा नामकरणपर रमानाथ झाक आपत्तिसँ मैथिली नाटक-आलोचनाक विवाद-परम्परा आरम्भ भेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२६ : विदेह-सदेह २ — इतिहासकारक ईमानदारी आ रमानाथ झा

२२९१. प्रो. मिश्रक मान्यता अनुसार कीर्त्तिनिजा प्रसंगक धनराशि केकर जगाओल छल?

- (A) नेपालक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९२. इतिहास बुझबाक लेल स्रोतमे की अपेक्षा कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) बड़ तहमे जाए पड़त।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९३. इतिहासकार लेल प्रो. मिश्रक मान्यता अनुसार कोन गुण परमावश्यक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ईमानदार आ निष्पक्ष होएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९४. रमानाथ झा पर प्रो. मिश्रक अंग्रेजी टिप्पणी की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) रमानाथ झा वाज ए कन्जरवेटिव इमैजनेटिव हिस्टोरियन।

२२९५. एहि प्रसंगमे इतिहासकारक कर्तव्य कोना देखाओल गेल?

- (A) पूर्वग्रह छोड़ि गहिर तह धरि इतिहास पढ़ब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९६. रमानाथ झा सम्बन्धी टिप्पणीक भाव की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हुनका रूढ़िवादी कल्पनाशील इतिहासकार मानब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९७. कीर्त्तनिजा विवादमे इतिहासक प्रश्न की बनल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) नामकरणसँ बेसी पृष्ठभूमि आ स्रोत-तहक खोज।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९८. एहि खण्डमे आलोचनाक स्वर कतेक तीक्ष्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) व्यक्तिगत मतक प्रत्यक्ष आलोचना धरि।

२२९९. इतिहासकारक निष्पक्षता किएक जरूरी कहल गेल?

- (A) कारण नाटक-इतिहासक सही अर्थ गहिर स्रोत-विवेकसँ बुझाईत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३००. खण्ड १२२६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) कीर्त्तनिजा विवादमे प्रो. मिश्र इतिहासक गहिर तह, ईमानदारी आ निष्पक्षताकें मूल कसौटी मानलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२७ : विदेह-सदेह २ — लीला नाटकक नव संकेत

२३०१. कीर्त्तनिजा विवादक बाद मैथिली आलोचक लोकनि कोना विभक्त भेलाह?

- (A) दू भागमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०२. किछु वर्ष पश्चात् नव बिन्दु दिस संकेत के कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रोफेसर प्रेमशंकर सिंह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०३. प्रेमशंकर सिंहक ग्रन्थक नाम की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली नाटक ओ रंगमंच।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०४. मैथिली नाटक ओ रंगमंच कोन वर्षक कृति छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) 1978।

२३०५. प्रेमशंकर सिंह उपलब्ध नाटक सभकेँ ने कीर्त्तनिजा ने कीर्त्तनिजा नाच, बरु की कहलनि?

- (A) लीला नाटक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०६. प्रेमशंकर सिंहक मतक मूल्यांकन स्रोतमे कोना अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विचार करबाक एक नव दिशाक बोध।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०७. एहि विवादमे तीन नामकरण कोन-कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) कीर्त्तनिजा, कीर्त्तनिजा नाच आ लीला नाटक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०८. लीला नाटक मत ककर मतसभसँ अलग अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्रो. मिश्र आ रमानाथ झा दुनूक मतसभसँ।

२३०९. एहि खण्डमे आलोचनाक विकास की रूपमे देखाइत अछि?

- (A) पुरान विवादसँ नव वर्गीकरण दिस गमन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१०. खण्ड १२२७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रेमशंकर सिंह कीर्त्तनिजा विवादकेँ लीला नाटक नामक नव आलोचनात्मक दिशा दिस मोड़लनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२८ : विदेह-सदेह २ — आन्दोलनक सजग प्रहरी: नव चेतना

२३११. अनुसंधानोत्तर प्रो. मिश्रक मस्तिष्कमे कोन नव प्रवृत्तिक जागरण भेल?

- (A) मैथिलीक गौरव-गरिमाकेँ वर्तमान परिप्रेक्ष्यमे जागृत करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१२. मैथिलीक गौरव जगएबाक लेल ओ कोन मार्ग अपनौलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक मार्ग।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१३. ओ समाजमे नवजीवनक संचार लेल कोन अभियान शुरू कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जनजागरणक अभियान।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१४. ओ समाजकेँ कोन स्थितिसँ बाहर आनय चाहैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अकर्मण्य, निष्क्रिय, सुसुप्त, धार्मिक कट्टरता आ रुढ़िग्रस्त जीवनक अन्धकूपसँ।

२३१५. हुनक अभियानक लक्ष्य कोन जीवन-क्षेत्र सभ छल?

- (A) सामाजिक, सांस्कृतिक आ साहित्यिक जीवन।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१६. जनजागरणक प्रभाव ककरा पर पड़ल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मिथिलावासीपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१७. एहि खण्डमे प्रो. मिश्रक भूमिका कोना उभरैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रचनाकार आ आन्दोलनकारी दुनू रूपमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१८. हुनक आन्दोलनात्मक काजक प्रेरणा की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली गौरव-गरिमाक जागरण।

२३१९. जनजागरण अभियानक मूल आशय की अछि?

- (A) सुप्त समाजमे भाषा-संस्कृति सम्बन्धी नव चेतना अनब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२०. खण्ड १२२८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रो. मिश्र रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक जनजागरण द्वारा मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक जीवनमे नव चेतना अनबाक प्रयास कएलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२२९ : विदेह-सदेह २ — उदासीन सरकार आ सीताराम झाक पंक्ति

२३२१. बिहार आ केन्द्र सरकारक कोन भाव देखि प्रो. मिश्रक हृदयमे आक्रोश भेल?

- (A) उदासीनता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२२. सरकारी उदासीनताक कारणें मैथिली कोना देखाइत छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सर्वथा उपेक्षित।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२३. प्रो. मिश्र कविवर सीताराम झाक कोन पंक्तिसँ प्रभावित भेलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अछि सलाइ मे आगि, बरत की बिना रगड़ने।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२४. सीताराम झाक दोसर उद्धृत पंक्ति की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पायब निज अधिकार, कतहुँ की बिना झगड़ने।।

२३२५. सीताराम झाक जीवन-वर्ष स्रोतमे कोना देल अछि?

- (A) 1891-1975।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२६. उद्धृत पंक्तिक व्यापक प्रभाव ककरा पर पड़ल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जनमानसपर।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२७. पंक्ति “बिना रगड़ने” कोन आन्दोलन-दृष्टि दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अधिकार लेल संघर्ष आवश्यक अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२८. एहि खण्डमे सरकारी उदासीनता कोन प्रतिक्रिया जन्मबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषा-अधिकार लेल आक्रोश आ सक्रियता।

२३२९. सीताराम झाक पंक्ति प्रो. मिश्र लेल की बनल?

- (A) आन्दोलनक प्रेरक सूत्र।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३०. खण्ड १२२९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सरकारी उदासीनता आ सीताराम झाक संघर्ष-पंक्ति प्रो. मिश्रक भाषा-अधिकार आन्दोलनक प्रेरणा बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३० : विदेह-सदेह २ — मातृभाषा चेतना आ अधिकार-बोध

२३३१. जनजागरण अभियानक उद्देश्य जनमानसकें कोन महत्व बुझाएब छल?

- (A) मातृभाषाक महत्व।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३२. प्रो. मिश्र जनमानसकें कोन दिशा मे उताहुल देखए चाहैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) समुचित अधिकार प्राप्त करबाक दिशामे सहयोग लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३३. हुनका अनुभव भेल जे मिथिलांचलवासीमे ककर अभाव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भाषा चेतनाक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३४. भाषा चेतनाक अर्थमे कोन भाव सभ सन्निहित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मातृभाषा प्रेम, दायित्व-बोध, कर्तव्य-बोध, गौरव-बोध।

२३३५. भाषाक उन्नति आ विकास ककर चेतनापर निर्भर करैत अछि?

- (A) ओहि भाषा-भाषीक चेतनापर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३६. मैथिली भाषीक चेतना पर स्रोतक टिप्पणी की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ओ कमजोर/अभावग्रस्त रहल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३७. अधिकार प्राप्ति मार्गमें जनजागरणक भूमिका की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जनमानसकें मातृभाषा-कर्तव्य दिस प्रेरित करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३८. मातृभाषा चेतना किएक आवश्यक अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषाक उन्नति आ विकास ओकरहि पर निर्भर अछि।

२३३९. एहि खण्डमे आन्दोलनक मूल लक्ष्य की अछि?

- (A) भाषा-प्रेमकें अधिकार-बोधमे बदलनाइ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४०. खण्ड १२३०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रो. मिश्रक जनजागरण मातृभाषा-प्रेमकें दायित्व, गौरव आ अधिकार-बोधमे बदलबाक प्रयास छल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३१ : विदेह-सदेह २ — गाम-गाम आन्दोलनक रूपरेखा

२३४१. प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकें कोन स्वरूप देबाक आकांक्षी छलाह?

- (A) नव स्वरूप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४२. आन्दोलन-कार्यक्रम रूपायित करबाक हुनक इच्छा कोना व्यक्त भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) झुण्ड बान्हि कऽ ढोल बजा कऽ गाम-गाम घूमि मातृभाषाक महत्व बुझाएब।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४३. मुख्य-मुख्य स्थानपर की आयोजन करबाक बात छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मीटिंग।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४४. मीटिंगक उद्देश्य की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मातृभाषाक वास्तविक महत्व आ समस्या दिस जनमानसक ध्यान आकर्षित करब।

२३४५. ओ भाषा पर कोन वर्चस्व समाप्त करबाक आवश्यकता देखलनि?

- (A) एक जातिक वर्चस्व।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४६. मिथिलांचलक कोन समुदायकेँ आन्दोलनसँ जोड़बाक बलवती इच्छा छलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मुसलमान समुदायकेँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४७. एहि आन्दोलनक रूपरेखामे लोक-सम्पर्कक साधन की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) गाम-गाम भ्रमण, ढोल आ सभा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४८. एक जातिक वर्चस्व समाप्त करबाक आशय की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली आन्दोलनकेँ व्यापक सामाजिक आधार देब।

२३४९. एहि खण्डमे आन्दोलनक शैली कोना अछि?

- (A) जनसम्पर्क-आधारित लोक-आन्दोलन शैली।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५०. खण्ड १२३१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकेँ गाम-गामक जनसम्पर्क, सभा आ सामाजिक समावेशनसँ नव रूप देबए चाहैत छलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३२ : विदेह-सदेह २ — अन्यायी सत्ता आ महाप्रलयक हुँकार

२३५१. स्रोतमे उद्धृत पंक्ति “अन्यायी सत्ता छी प्रलय” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) अन्यायपूर्ण सत्ताक विरुद्ध प्रतिरोध।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५२. “हमरहिं लघु हुँकारसँ” पंक्ति कोन विश्वास देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) छोट आवाज सेहो महापरिवर्तन आन सकैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५३. एहि काव्यांशक उपयोग आन्दोलन-संदर्भमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ई जनमानसकें अन्याय विरुद्ध बोलबाक शक्ति दैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५४. स्रोतक पंक्ति अनुसार अन्यायी सत्ता ककर समान विषम अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) गगन समान।

२३५५. लघु हुँकारक फलस्वरूप की होइत अछि कहल गेल?

- (A) महाप्रलय।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५६. एहि उद्धरणक भाषा-आन्दोलनमे प्रतीकात्मक अर्थ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) छोट भाषिक प्रतिरोधो सत्ता-संरचना हिलाबय सकैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५७. ई पंक्ति कोन प्रसंगक बाद अबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली आन्दोलनकें नव स्वरूप देबाक प्रयासक बाद।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५८. एहि खण्डमे आन्दोलनक स्वर कोना बदलैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समझाएबासँ संघर्षी हुँकार धरि।

२३५९. अन्यायी सत्ता विरुद्ध कविताक उपयोग की करैत अछि?

- (A) भाषा-आन्दोलनमे भावनात्मक ऊर्जा जोड़ैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६०. खण्ड १२३२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अन्यायी सत्ता विरुद्ध लघु हुँकारक काव्यांश मैथिली आन्दोलनकें प्रतिरोधी भाव आ संघर्षी ऊर्जा दैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३३ : विदेह-सदेह २ — मैथिली आन्दोलनक राष्ट्रीय रूप

२३६१. प्रो. मिश्रक धारणा अनुसार मैथिली आन्दोलनकें की प्रदान कएल जाएब आवश्यक छल?

- (A) राष्ट्रीय रूप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६२. राष्ट्रीय रूप बिना ककर विकास सम्भावना नहि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६३. ओ कोन भाषा-समुदायक उदाहरण देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) ओड़िया, असमिया आ नेपाली भाषी।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६४. ओहि भाषा-समुदाय सभमे कोन भाव कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अपन भाषाक प्रति अगाध श्रद्धा।

२३६५. “अमार भाषा जननी”क नारा ककर संदर्भमे देल गेल?

- (A) अन्य भाषा-समुदाय सभक भाषिक श्रद्धाक संदर्भमे।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६६. मैथिली भाषीमे की उत्पन्न करबाक लेल आन्दोलन आवश्यक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अपन भाषाक प्रति स्नेह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६७. साहित्य अकादेमी मान्यता प्राप्त भाषासभक अगिला माँग की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) भारतीय संविधानक अष्टम अनुसूचीमे सम्मिलित होएब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६८. राष्ट्रीय रूपक लक्ष्य ककर कल्याणसँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली भाषाक।

२३६९. एहि खण्डमे आन्दोलनक विस्तार कोना देखाइत अछि?

- (A) क्षेत्रीय आन्दोलनसँ राष्ट्रीय भाषिक अधिकार दिस।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७०. खण्ड १२३३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकेँ राष्ट्रीय रूप, भाषिक स्नेह आ अष्टम अनुसूची लक्ष्यसँ जोड़ि देखैत छलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३४ : विदेह-सदेह २ — वी शैल ओवरकम आ संग्राम-गीत

२३७१. प्रो. मिश्रक धारणा अनुसार मैथिली आन्दोलनक सफलता लेल कोन प्रतीकात्मक गीत अपनाओल जा सकैत छल?

- (A) We Shall OverCome।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७२. स्रोतमे गीतकेँ ककर लिखल कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पौल रोबसनक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७३. स्रोतमे लूथर किंग कोन आन्दोलनमे गीतक उपयोग कएलनि कहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) निग्रो आन्दोलनमे।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७४. प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनमे गीतकेँ कोना घोषित करबाक आवश्यकता देखलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषा समूहक संग्राम गीत।

२३७५. गीतक पहिल पंक्ति स्रोतमे की अछि?

- (A) We Shall OverCome, We Shall Over Come।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७६. गीतक “Some day” भाव मैथिली आन्दोलनमे की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भविष्यक विजयक आशा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७७. जाधरि मिथिलांचलवासी एहि काव्यांशसँ अनुप्राणित नहि हैताह, ताधरि की नहि होएत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आन्दोलन सफलीभूत नहि भऽ सकत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७८. संग्राम गीतक आवश्यकता कोन बात देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आन्दोलनकेँ साझा भावनात्मक प्रतीक चाही।

२३७९. एहि खण्डमे विदेशी आन्दोलनक उदाहरण की लेल देल गेल?

- (A) मैथिली आन्दोलनकेँ प्रेरक जनगीत देबाक लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८०. खण्ड १२३४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) We Shall OverCome के उदाहरणसँ प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलन लेल साझा संग्राम-गीत आ विजय-विश्वासक आवश्यकता देखौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३५ : विदेह-सदेह २ — टिमटिमाइत दीप आ आन्दोलनक संकल्प

२३८१. जयकान्त मिश्र मैथिलीक नामपर चलाओल आन्दोलनकेँ की मानैत रहथि?

- (A) टिमटिमाइत दीप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८२. मैथिलीक नामपर जतेक संघर्ष चलाओल जाइत अछि, से साधारणतः की करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आन्दोलनकेँ उजागर करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८३. टिमटिमाइत दीपक रूपक की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आन्दोलन कमजोर सही, मुदा जीवित अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८४. छोट-छोट संघर्षक महत्व की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ सभ आन्दोलनक पहचान बनेनिहार अछि।

२३८५. एहि खण्डमे आन्दोलनक स्थिति कोना अछि?

- (A) संभावनाशील मुदा अस्थिर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८६. प्रो. मिश्रक आन्दोलन-दृष्टिमे निरन्तर संघर्ष किएक जरूरी अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) आन्दोलनक ज्योति बनेने राखबाक लेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८७. भाषा-आन्दोलनक छोटे प्रयास सभकेँ ओ कोना देखैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) उजागर करनिहार संकेत।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८८. टिमटिमाइत दीपक विरुद्ध अगिला आवश्यकता की बुझाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) दीपकेँ स्थिर आ व्यापक प्रकाशमे बदलब।

२३८९. एहि खण्डमे संघर्षक मूल्यांकन की अछि?

- (A) छोट संघर्षो भाषिक चेतना जगबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९०. खण्ड १२३५क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकेँ टिमटिमाइत दीप मानि प्रत्येक संघर्षकेँ ओकरा उजागर करबाक साधन बुझैत छलाह।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३६ : विदेह-सदेह २ — जनजागरणक अभाव आ अभिभावक-शिक्षक

२३९१. स्रोतक अनुसार मिथिलांचलमे ककर अभाव अछि?

- (A) जनजागरणक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९२. जनजागरणक अभावमे अभिभावक की नहि करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अपन भाषाक श्रीवृद्धि लेल प्रयत्न।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९३. मैथिल शिक्षक कोन काज लेल प्रयत्न नहि करैत छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली पढ़एबाक लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९४. मैथिलीकेँ आगाँ बढ़एबाक प्रश्नक उत्तर के देबाक चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिल समाज।

२३९५. एहि खण्डमे भाषा-विकासक उत्तरदायित्व ककरा पर राखल गेल?

- (A) अभिभावक, शिक्षक आ समाजपर।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९६. जनजागरणक अभावक प्रत्यक्ष परिणाम की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) भाषा-शिक्षा आ भाषा-विकासमे उदासीनता।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९७. मैथिली आगाँ नहि बढ़बाक कारणमे स्रोत की संकेत करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समाज अपन उत्तरदायित्व नहि निभबैत अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९८. एहि प्रसंगमे शिक्षकक भूमिका किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ओ मैथिली पढ़एबाक प्रत्यक्ष माध्यम छथि।

२३९९. भाषा-श्रीवृद्धि लेल अभिभावकक भूमिका की अछि?

- (A) घर-समाज स्तरपर भाषा-प्रयत्न करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४००. खण्ड १२३६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जनजागरणक अभावमे अभिभावक, शिक्षक आ समाज मैथिलीक शिक्षा-विकासक उत्तरदायित्व पूरा नहि करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३७ : विदेह-सदेह २ — मुम्बई सम्मेलन आ मातृभाषा शिक्षा

२४०१. अखिल भारतीय मैथिली सम्मेलन १९६९ मे कोन संस्था द्वारा आयोजित छल?

- (A) मिथिला मण्डल मुम्बई।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०२. ओहि सम्मेलनक विचारणीय बिन्दु की छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मातृभाषाक माध्यमे प्राथमिक शिक्षा।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०३. स्रोत-लेखक स्वयं ओहि सम्मेलनमे सम्मिलित भेल छलाह कि नहि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सम्मिलित भेल छलाह।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०४. सम्मेलनमे अपन विचार के प्रस्तुत कएने रहथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जयकान्त मिश्र।

२४०५. प्राथमिक शिक्षा मातृभाषामे देबाक प्रश्न कोन स्तरक शिक्षा संग जुड़ल अछि?

- (A) शैशवावस्था आ आरम्भिक शिक्षा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०६. एहि सम्मेलनक महत्त्व की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली शिक्षानीति पर सार्वजनिक विचार-विमर्श।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०७. मुम्बई सम्मेलन मैथिली आन्दोलनक कोन रूप देखबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) प्रवासी मैथिल मंचपर भाषा-शिक्षा विमर्श।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०८. एहि खण्डमे शिक्षा-प्रश्न कोन आन्दोलनसँ जुड़ैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली भाषा-अधिकार आन्दोलनसँ।

२४०९. सम्मेलन वर्ष स्रोतमे की अछि?

- (A) 1969।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१०. खण्ड १२३७क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) 1969क मुम्बई सम्मेलनमे मातृभाषा माध्यमे प्राथमिक शिक्षा मैथिली आन्दोलनक केन्द्रीय शिक्षानीतिक प्रश्न बनल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३८ : विदेह-सदेह २ — शैशवावस्था आ मातृभाषाक माध्यम

२४११. जयकान्त मिश्रक पहिल शिक्षा-बिन्दु अनुसार शैशवावस्थामे मातृभाषा माध्यम रहने की सहज होइत अछि?

- (A) मस्तिष्कक विकास।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१२. मातृभाषा माध्यम विषय-वस्तुक ज्ञान पर कोन प्रभाव करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रारम्भिक संस्कार स्थायी बनबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१३. बालक विषय-वस्तु कोना ग्रहण करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सुगमता पूर्वक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१४. मातृभाषा माध्यम ककरा बुझबामे सहायक होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विषय-वस्तु।

२४१५. पहिल बिन्दुक मूल निष्कर्ष की अछि?

- (A) मातृभाषा बाल-विकास आ ज्ञानार्जनकें सहज बनबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१६. शैशवावस्थामे शिक्षाक माध्यमक प्रश्न किएक संवेदनशील अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) एहि समय प्रारम्भिक संस्कार स्थायी होइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१७. मातृभाषा माध्यमे विकासक सम्भावना पर स्रोतमे की कहल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) विकासक सम्भावना अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१८. विषय-वस्तु बुझबामे सहायक शक्ति की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मातृभाषाक माध्यम।

२४१९. एहि खण्डमे मातृभाषा शिक्षा कोन दृष्टिसँ समर्थित अछि?

- (A) मानसिक विकास आ सीखबाक सुगमताक दृष्टिसँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२०. खण्ड १२३८क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) शैशवावस्थामे मातृभाषा माध्यम बालकक मस्तिष्क-विकास, स्थायी संस्कार आ विषय-बोध लेल अनिवार्य मानल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२३९ : विदेह-सदेह २ — प्रजातन्त्र आ प्राथमिक शिक्षा

२४२१. जयकान्त मिश्रक दोसर बिन्दु अनुसार प्रजातन्त्रक प्रथम शर्त की अछि?

- (A) जनमानसकें शिक्षित करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२२. शिक्षित जनमानस कोन भावसँ कार्य करैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सम्पूर्ण शक्तिक संग सहर्ष।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२३. समस्या उत्पन्न भेलापर शिक्षित जनमानस की कऽ पबैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समाधान आसानीसँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२४. जीवित प्रजातन्त्रक मूल मन्त्र की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्राथमिक शिक्षा मातृभाषाक माध्यमे देल जाए।

२४२५. मातृभाषा शिक्षा प्रजातन्त्रसँ कोना जुड़ल अछि?

- (A) जनमानसकें सचेत, समर्थ आ समस्या-समाधानक्षम बनबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२६. एहि बिन्दुमे शिक्षा केवल ज्ञान नहि, की बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लोकतांत्रिक शक्ति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२७. प्राथमिक शिक्षा मातृभाषामे देबाक राजनीतिक अर्थ की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) जीवित प्रजातन्त्रक आधार बनब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२८. जनमानसक शक्ति विषय-वस्तु बुझबामे सहायक होइत अछि, ई कोन माध्यमसँ सम्भव अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मातृभाषा-आधारित शिक्षा सँ।

२४२९. एहि खण्डक मुख्य सूत्र की अछि?

- (A) लोकतन्त्र आ मातृभाषा-शिक्षा एक-दोसरसँ जुड़ल अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३०. खण्ड १२३९क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्राथमिक शिक्षा मातृभाषामे देब जीवित प्रजातन्त्रक आधार अछि, किएक तँ ई जनमानसकें शिक्षित आ समर्थ बनबैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४० : विदेह-सदेह २ — मैथिली प्राचीन जीवित भाषा आ अनिवार्य शिक्षा

२४३१. जयकान्त मिश्र मैथिलीकें कोन प्रकारक भाषा कहलनि?

- (A) प्राचीनतम जीवित भाषा।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३२. प्राचीनतम जीवित भाषा होएबाक कारणें एकरा कोना लागू करबाक आवश्यकता कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अनिवार्य रूपेँ।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३३. मैथिली लागू करबाक लेल ककरा पर बाध्यकारी दबावक आवश्यकता कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) सरकारपर।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३४. मैथिली कोन राज्य सभक अधिकांश जिलामे बाजल जाइत अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बिहार एवं झारखण्ड।

२४३५. एहाँ मैथिली बाजल जाइत अछि, ततय की आवश्यक कहल गेल?

- (A) अनिवार्य रूपेँ लागू करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३६. एहि खण्डमे भाषा-अधिकारक आधार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीक प्राचीनता, जीवितता आ भाषाभौगोलिक विस्तार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३७. सरकारपर दबाव किएक आवश्यक कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अनिवार्य मातृभाषा शिक्षा लागू करए लेल।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३८. मैथिली शिक्षा लागू करबाक माग कोन स्तरपर अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्राथमिक शिक्षाक स्तरपर।

२४३९. एहि खण्डमे मैथिली शिक्षा केवल सांस्कृतिक नहि, की बनैत अछि?

- (A) नीतिगत आ प्रशासनिक माँग।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४०. खण्ड १२४०क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली प्राचीनतम जीवित भाषा आ बिहार-झारखण्डक व्यापक बोली होएबाक कारणेँ प्राथमिक शिक्षामे अनिवार्य लागू होबाक अधिकारी मानल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४१ : विदेह-सदेह २ — सरकारी उदासीनता आ पाठ्यपुस्तक संकट

२४४१. सरकारक उदासीनताक कारणें मैथिलीमे की प्रकाशित नहि भेल?

- (A) प्राथमिक शिक्षाक पुस्तक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४२. केवल पुस्तक नहि, आओर कोन व्यवस्था नहि अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अध्यापनक व्यवस्था।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४३. एहि स्थिति केँ स्रोतमे कोना वर्णित कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) चिन्तनीय विषय।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४४. सरकारी उदासीनता विरुद्ध की करबाक आवश्यकता कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) जनमत संग्रह आ सशक्त आन्दोलन।

२४४५. ककरा जगएबाक प्रयोजन कहल गेल?

- (A) बधिर सरकारकेँ।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४६. सरकारकेँ कोना वर्णित कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) सुसुप्त।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४७. जाधरि सरकार नहि जगाओल जाएत, ताधरि की नहि भेटत?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मिथिलांचलमे प्राथमिक शिक्षाक माध्यमसँ मैथिलीकेँ मान्यता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४८. एहि खण्डमे पाठ्यपुस्तक आ अध्यापनक अभाव कोन समस्या बनेलै?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली प्राथमिक शिक्षा लागू नहि होएबाक।

२४४९. सरकारी उदासीनता विरुद्ध जनमत संग्रह किएक चाही?

- (A) सामाजिक दबावसँ नीति बदलएबाक लेल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५०. खण्ड १२४१क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली प्राथमिक शिक्षाक पुस्तक आ अध्यापन व्यवस्था नहि बनल, तँ बधिर-सुसुप्त सरकार विरुद्ध जनमत आ आन्दोलन आवश्यक कहल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४२ : विदेह-सदेह २ — मिथिला विकास लेल संघर्ष-शक्ति

२४५१. मिथिला आ मैथिलीक सर्वतोभावेन विकास कखन सम्भव कहल गेल?

- (A) जखन समस्या सभसँ लड़बाक शक्ति जुटत।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५२. विविध समस्या सभक निदान ककर बिना सम्भव नहि अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लड़बाक शक्ति बिना।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५३. मातृभाषा शिक्षा आन्दोलन व्यापक रूपेँ ककर विकाससँ जुड़ल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मिथिला आ मैथिलीक सर्वांगीण विकाससँ।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५४. एहि खण्डमे भाषा-अधिकार ककर रूपमे देखल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सम्पूर्ण क्षेत्रीय विकासक आधार।

२४५५. स्रोतक अनुसार केवल निवेदन नहि, की आवश्यक अछि?

- (A) संघर्ष-शक्ति।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५६. सरकारक उदासीनता दूर करबाक लेल जनसमाजमे की चाही?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) संगठित प्रतिरोधक शक्ति।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५७. मैथिली प्राथमिक शिक्षा मान्यता ककर रास्ता खोलैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मिथिला-मैथिलीक विकास आ समस्या-निदानक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५८. एहि खण्डक संघर्ष-दृष्टि कोन पूर्व पंक्ति संग मेल खाइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पायब निज अधिकार, कतहुँ की बिना झगड़ने।

२४५९. भाषिक संघर्षक लक्ष्य केवल पाठ्यक्रम नहि, आओर की अछि?

- (A) क्षेत्रीय अस्मिता आ विकासक संरक्षण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६०. खण्ड १२४२क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिली प्राथमिक शिक्षा संघर्ष मिथिला-मैथिलीक सर्वांगीण विकास आ समस्या-निदान लेल आवश्यक संघर्ष-शक्ति बनि उठैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४३ : विदेह-सदेह २ — निःसारण: अवदानक संरक्षण

२४६१. निःसारण भागमे जयकान्त मिश्रक अभियानक मूल लक्ष्य की कहल गेल?

- (A) मैथिली साहित्यक प्राचीनतम परम्परा सुदृढ़ करब।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६२. मैथिली मान्यता लेल हुनक संघर्ष कोना रूपायित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) दधीचिक समान हठ्ठी गलौलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६३. हुनक अक्षय अवदानकें की करब प्रत्येक मैथिली भाषीक कर्तव्य कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) अक्षुण्ण रखब आ अग्रगति करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६४. हुनक आलेखादि कतय-ततय प्रकाशित अछि कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) विविध संग्रह आ पत्रिका सभमे।

२४६५. ओहि आलेख सभक वर्तमान दशा कोना वर्णित अछि?

- (A) धूलधूसरित भऽ रहल अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६६. एहि लेख सभकेँ प्रकाशमे आनब ककर पुनीत कर्तव्य कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) प्रत्येक मैथिली भाषीक।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६७. युगपुरुषक प्रति वास्तविक श्रद्धाञ्जलि की कहल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हुनक धूलधूसरित लेखन-संपदाकेँ संकलित-प्रकाशित करब।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६८. निःसारण भागमे अवदान-संरक्षण कोन रूपमे अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषिक-सांस्कृतिक दायित्व।

२४६९. दधीचि-उपमा ककर तीव्रता देखबैत अछि?

- (A) त्याग आ संघर्षक तीव्रता।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७०. खण्ड १२४३क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्रक धूलधूसरित आलेख-संपदा संकलित-प्रकाशित करब मैथिली समाजक पुनीत कर्तव्य कहल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४४ : विदेह-सदेह २ — आदर्श पुरुष आ चिरन्तन प्रेरणा

२४७१. जयकान्त मिश्र अपन सत्प्रयाससँ मैथिली साहित्यकेँ की प्रदान कएलनि?

- (A) समृद्ध आ व्यापक स्वरूप।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७२. हुनक प्रयाससँ मैथिलीक की सुरक्षित भऽ सकल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) अस्तित्व।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७३. हुनका समक्ष कोनो की नहि छलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आदर्श।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७४. तथापि मातृभाषा सम्बर्द्धनार्थ ओ कोना वर्णित छथि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आदर्श पुरुष।

२४७५. ओ की बनि मातृभाषानुरागक बीज वपन कएलनि?

- (A) मार्ग निर्देशक।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७६. ओ मैथिली प्रेमी जनमानस लेल कोन प्रेरणा-स्रोत बनल रहता?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) चिरन्तन प्रेरणा-स्रोत।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७७. स्रोतमे हुनक व्यक्तित्वक गुण सभमे की-की देल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) तप, त्याग, तपस्या, कर्मशीलता आ वैचारिक अटलता।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७८. हुनक वैदुष्यक आदर्श कोना वर्णित अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अद्वितीय।

२४७९. एहि समापनमे प्रो. मिश्रक मुख्य छवि की अछि?

- (A) मातृभाषा सम्बर्द्धनक मार्गदर्शक आदर्श पुरुष।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८०. खण्ड १२४४क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) जयकान्त मिश्र मैथिली साहित्यक अस्तित्व-सुरक्षा, मातृभाषानुराग आ वैचारिक अटलताक चिरन्तन प्रेरणा-स्रोत रूपमे प्रतिष्ठित छथि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४५ : विदेह-सदेह २ — तन्त्रानाथझा-सुभद्रझा जन्मशतवार्षिकीक आरम्भ

२४८१. डा. रमानन्द झा 'रमण'क लेख कोन जन्मशतवार्षिकी प्रसंगसँ आरम्भ होइत अछि?

- (A) तन्त्रानाथ झा आ सुभद्र झाक जन्मशतवार्षिकी।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८२. सुभद्र झाक प्रसिद्ध कथनमे ओ स्वयंकेँ की कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) हम आगि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८३. ओहि कथनमे तन्त्रानाथ झाकेँ सुभद्र झा की कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) हमरा प्रज्ज्वलित कएनिहार बसात।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८४. राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्रामक आगि बढ़लासँ मिथिला-समाजमे कोन चेतना घनीभूत भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) भाषा, साहित्य आ संस्कृतिक विकास-प्रचार-प्रसार-संरक्षणक चेतना।

२४८५. लेखकक अनुसार गत शताब्दीक पहिल दशक मैथिली भाषा-साहित्य लेल कोना अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८६. सांस्कृतिक मिथिलाक प्रबुद्ध मैथिल ओहि दशकमे की आरम्भ कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) मैथिलीमे पत्र-पत्रिकाक सम्पादन-प्रकाशन।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८७. एहि पत्र-पत्रिका आरम्भक प्रसंगमे कोन दू नाम आदरसँ स्मरण कएल गेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मधुसूदन ओझा आ मुरलीधर झा।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८८. लेखकक अनुसार ओहि दशकमे लगभग कतेक अवदानी मैथिली साहित्यकारक जन्म भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) एक सोड़हि।

२४८९. खण्ड १२४५क मुख्य आरम्भिक सूत्र की अछि?

- (A) स्वाधीनता-चेतना आ मैथिली सांस्कृतिक जागरण एक-दोसरसँ जुड़ल छल।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९०. एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) तन्त्रानाथ झा-सुभद्र झा जन्मशतवार्षिकी प्रसंग मैथिली भाषा-साहित्यक पहिल दशकक जागरण आ सांस्कृतिक चेतनाक पृष्ठभूमिमे राखल गेल।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड १२४६ : विदेह-सदेह २ — पहिल दशकक मैथिली आधार-निर्माता

२४९१. गत शताब्दीक पहिल दशकमे जनमल साहित्यकार सभ की कएलनि?

- (A) मैथिली भाषाक मानकीकरण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९२. ओ सभ भाषा लेल की स्थापित कएलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) विभिन्न प्रकारक प्रतिमान।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९३. हुनका लोकनिक संघर्षशील व्यक्तित्वसँ मैथिलीक की सुदृढ़ भेल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) आधार।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९४. लेखक मैथिलीकँ सरहपाद, ज्योतिरीश्वर आ ककर भाषा कहलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) महाकवि विद्यापतिक।

२४९५. एहि प्रयाससँ मैथिली भाषा-कुलमे कोन स्थान पाबि सकल?

- (A) राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तरपर गरिमापूर्ण स्थान।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९६. ओ साहित्यकार सभ अपन कारियित्री प्रतिभासँ मैथिली साहित्यमे की लगा देलनि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) उत्कृष्ट विविधवर्णी रचनाक पथार।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९७. हुनका लोकनिक ऊर्जा मुख्य रूपेँ ककर संवर्धन लेल छल?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) मैथिली साहित्यक।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९८. ओ सभ आबएबाला युगमे मातृभाषाप्रति लोकमे की रहए चाहैत छलाह?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) सहज अनुराग, सम्बद्धता आ प्रतिबद्धता।

२४९९. परती-परौत जोति-कोड़ि भूमि तैआर करबाक बिम्ब की देखबैत अछि?

- (A) भावी साहित्य-सर्जना लेल आधारभूमि निर्माण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५००. खण्ड १२४६क सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) पहिल दशकक मैथिली साहित्यकार सभ मानकीकरण, प्रतिमान, साहित्य-सर्जना आ भावी मातृभाषा-अनुराग लेल आधारभूमि निर्मित कएलनि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) आधारभूत संरचनाक विकास। — स्रोतमे पहिल प्राथमिकता आधारभूत संरचनाक विकास कहल अछि।
२. (B) स्थानीय भाषाक विकास आ शोध। — स्रोतमे स्थानीय भाषा विकास आ शोधक काज शुरू करबाक उल्लेख अछि।
३. (C) पाण्डुलिपिक प्रकाशन। — स्रोतमे पाण्डुलिपिक प्रकाशन आ पुस्तक बिक्रीक व्यवस्था कहल अछि।
४. (D) अकादमीकेँ आर्थिक रूपसँ मजबूत बनाबय लेल। — स्रोतमे पुस्तक बिक्रीसँ आर्थिक मजबूतीक बात अछि।
५. (A) मंद। — स्रोतमे गतिविधि मंद पड़ल कहल अछि।
६. (B) सरकारक इमानदार प्रयास। — स्रोत सरकार द्वारा गतिविधि सुचारू करबाक प्रयासकेँ स्वागत योग्य कहैत अछि।
७. (C) साहित्यक शोधार्थी आ छात्र सभ। — स्रोतमे शोधार्थी आ छात्र सभकेँ लाभक उल्लेख अछि।
८. (D) साहित्यप्रेमी सोझा सामग्री आओत। — स्रोतमे दुर्लभ पाण्डुलिपि पुस्तकाकार रूपमे अएबाक आशा अछि।
९. (A) संरचना, शोध, प्रकाशन आ आर्थिक व्यवस्था। — चारू तत्व अकादमीक मजबूतीक लेल आवश्यक बताओल गेल।
१०. (B) भाषा अकादमी सभकेँ आधारभूत संरचना, शोध, पाण्डुलिपि-प्रकाशन आ पुस्तक-बिक्रीसँ पुनर्जीवित करबाक जरूरत अछि। — ई खण्ड संस्थागत भाषा-विकासक योजना समेटैत अछि।
११. (C) मैथिली गीत। — स्रोतमे फुरसति भेटला पर मैथिली गीत सुनबाक कोशिशक उल्लेख अछि।
१२. (D) बियाहक गीत आ भक्ति गीत। — स्रोतमे बेसीतर बियाहक आ भक्ति गीत उपलब्ध कहल अछि।
१३. (A) सभकेँ एकठाम पौनाई मुश्किल। — स्रोतमे छिड़ाएल लोकगीत सभकेँ एकठाम पौनाई कठिन कहल अछि।
१४. (B) सभ गीतक रिकॉर्डिंग नहि भेल वा संकलन कठिन अछि। — स्रोतमे रिकॉर्डिंग आ संकलन दूनू कठिनाई बताओल अछि।
१५. (C) जतय मैथिल लोक मैथिली गीत-संगीतक आनन्द लऽ सकथि। — स्रोतमे दिल्ली-बंबई-अमेरिका धरि मैथिल लेल वेबसाइटक कल्पना अछि।
१६. (D) लोकप्रिय मैथिली गीत वेबसाइटपर राखबामे। — स्रोतमे गजेन्द्रजीसँ बातपर कापीराइट संकटक जानकारी भेटल।

१७. (A) गीत-संगीतक विराट संसार मैथिल भाषी धरि पहुँचा सकैत अछि। — स्रोतमे नव तकनीक उपयोगक सम्भावना बताओल अछि।
१८. (B) नहि, भाषा-संस्कृति रक्षाक साधन सेहो अछि। — गीत-संगीतक डिजिटल पहुँच भाषाई-सांस्कृतिक रक्षा बनैत अछि।
१९. (C) अंग्रेजी आ हिंदीक भाषाई साम्राज्यवाद। — स्रोतमे दुनू भाषाक साम्राज्यवादसँ बचनाई कठिन कहल अछि।
२०. (D) मैथिली गीत-संगीतक डिजिटल संकलन भाषा-संस्कृति संरक्षणक जरूरी उपाय अछि। — ई खण्ड डिजिटल माध्यम आ गीत-संरक्षणक आवश्यकता समेटैत अछि।
२१. (A) लोकगीत, नाटक, लोककथा आ आख्यान। — स्रोतमे एहि चारू धरोहरक उल्लेख अछि।
२२. (B) बड्ड पैघ धरोहर। — स्रोतमे लोकगीत, नाटक, लोककथा, आख्यानकेँ पैघ धरोहर कहल अछि।
२३. (C) संयोजन। — स्रोतमे ‘एकर संयोजनक जरूरत’ स्पष्ट अछि।
२४. (D) मैथिलीक सभ रूपकेँ दिल खोलि अपनायब। — स्रोतमे मैथिलीक सभ रूप अपनाबय पर बल अछि।
२५. (A) मैथिलीक व्यापक रूप स्वीकार करबाक लेल। — स्रोत संकीर्ण क्षेत्रीय ग्रंथि छोड़बाक आग्रह करैत अछि।
२६. (B) आम मैथिलसँ मजबूत जुड़ाव। — स्रोतमे आम मैथिलकेँ जोड़ि सकबाक उम्मीद अछि।
२७. (C) धरोहरक संकलन, संयोजन आ सर्वरूप स्वीकार। — लेखक लोकधरोहर आ समावेशी दृष्टिकेँ समाधान मानैत छथि।
२८. (D) दिल्ली-बंबईसँ अमेरिका धरि रहएबला मैथिल लेल। — स्रोतमे प्रवासी मैथिल धरि पहुँचाक कल्पना अछि।
२९. (A) भविष्यक भाषा-जुड़ावक साधन। — ई धरोहर नव तकनीकसँ भाषा-रक्षा मे उपयोगी बनैत अछि।
३०. (B) मैथिलीक लोकगीत, नाटक, लोककथा आ आख्यानक संयोजन आम मैथिलकेँ भाषासँ जोड़ि सकैत अछि। — ई खण्ड लोकधरोहरक डिजिटल-सामाजिक महत्त्व देखबैत अछि।
३१. (C) ऑडियो-विजुअल। — स्रोतमे आबएबला जमाना ऑडियो-विजुअलक कहल अछि।
३२. (D) गीत-संगीतक विराट संसार भाषी लोक धरि पहुँचत। — स्रोत नव तकनीककेँ सही उपयोग केलासँ पहुँच बढ़बाक बात कहैत अछि।
३३. (A) संग्रह, प्रसार आ पुनर्जीवनक साधन। — गीत, नाटक, लोककथा सभ ऑडियो-विजुअल माध्यममे जीवित भऽ सकैत अछि।
३४. (B) बिखरल सामग्रीकेँ व्यवस्थित मंच देब। — स्रोतमे सामग्री छिड़ाएल आ खंगालबाक समस्या अछि।
३५. (C) सहज उपलब्धता। — प्रवासी आ स्थानीय मैथिल सहज रूपेँ गीत-संगीत पाबथि, ई लक्ष्य अछि।
३६. (D) संग्रह संग अधिकार-सावधानी जरूरी अछि। — स्रोत कापीराइटक बाधा बतबैत अछि।
३७. (A) सुनबाक आ देखबाक जीवंतता। — नाटक, गीत, आख्यान सभ ध्वनि-दृश्य माध्यममे अधिक प्रभावी होइत अछि।
३८. (B) संरक्षित डिजिटल भंडार बनेबाक आवश्यकता देखबैत अछि। — शीर्षक स्वयं भाषा-संस्कृति रक्षाक संस्था जरूरी कहैत अछि।
३९. (C) पंचकोसीक संकीर्ण ग्रंथिसँ। — स्रोत व्यापक मैथिली-रूप अपनाबय पर जोर दैत अछि।
४०. (D) ऑडियो-विजुअल तकनीक मैथिली धरोहरकेँ संग्रहित, प्रसारित आ पुनर्जीवित करबाक प्रमुख साधन बनि सकैत अछि। — ई खण्ड नव तकनीकक सांस्कृतिक उपयोग समेटैत अछि।
४१. (A) रेलवे पुल आ सड़क पुल। — स्रोतमे कोसीपर रेलवे पुल आ हाईवे सड़क पुल दुनूक उल्लेख अछि।
४२. (B) मिथिलाकेँ फेरसँ जोड़ैबला। — कोसी नदी मिथिलाकेँ दू फाँकमे बाँटने छल, पुल जोड़ैबला कहल गेल।
४३. (C) मोकामासँ जयनगर तक भाया समस्तीपुर। — स्रोतमे मोकामा-जयनगर मार्गक कल्पना अछि।
४४. (D) मुजफ्फरपुरसँ बरौनी आ आगू गुवाहाटी दिस फोर लेन बनय। — स्रोतमे हाईवे २८ फोर लेन बनेबाक बात अछि।
४५. (A) प्रचुर बिजली। — स्रोतमे नेपालसँ बिजली आएलासँ मिथिलाक इलाका जगमगायब कल्पित अछि।
४६. (B) शांति आ सुव्यवस्था। — स्रोतमे नेपालमे जल्दी शांति आ सुव्यवस्था कायम होयबाक आशा अछि।
४७. (C) पर्यटन स्थलक विकास भेलासँ। — स्रोतमे पर्यटक आकर्षित करबाक लेल पर्यटन स्थलक विकास जरूरी कहल अछि।
४८. (D) पर्यटन सर्किट। — स्रोतमे एहि स्थलक जोड़ल सर्किटक विकासक बात अछि।
४९. (A) नीक पैकेजिंग द्वारा आकर्षणक आधार। — स्रोतमे संस्कृतिकेँ नीक पैकेजिंगक बात अछि।

५०. (B) पुल, सड़क, नेपालक बिजली आ सांस्कृतिक पर्यटन मिथिलाक विकास-दृष्टिक प्रमुख आधार छथि। — ई खण्ड अवसंरचना आ पर्यटन विकासक कल्पना प्रस्तुत करैत अछि।
५१. (C) पोखरि। — स्रोतमे ‘हमरा इलाकामे पोखरिक कोनो कमी नहि’ कहल अछि।
५२. (D) माछ-मखान। — स्रोतमे पोखरि माछ-मखान उत्पादनक आधार बनि सकैत अछि कहल अछि।
५३. (A) कए तरहक आर्थिक गतिविधि। — स्रोतमे सौन्दर्यीकरण द्वारा आर्थिक गतिविधि बढ़बाक बात अछि।
५४. (B) मेडिकल हब। — स्रोतमे दरभंगा आ पूर्णिया मेडिकल हब बनबाक कल्पना अछि।
५५. (C) निर्माण आ मोटर उद्योग। — स्रोतमे मुजफ्फरपुर निर्माण आ मोटर उद्योग केन्द्रक रूपमे आयल।
५६. (D) सिल्क आ हस्तकला। — स्रोतमे भागलपुरक सिल्क आ हस्तकलाक प्रतिष्ठा पुनः कल्पित अछि।
५७. (A) कलापर आधारित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार। — स्रोतमे मधुबनीमे कला-आधारित सेमिनारक बात अछि।
५८. (B) कोसीमे स्टीमर चलि सकैत। — स्रोतमे कोसीमे स्टीमर चलबाक कल्पना अछि।
५९. (C) अमेरिका आ कनाडाक सम्बन्धसँ। — स्रोतमे भारत-नेपाल सम्बन्ध अमेरिका-कनाडा सन होयबाक कल्पना अछि।
६०. (D) मिथिलाक पोखरि, कला, उद्योग, स्वास्थ्य आ नदी-संसाधन क्षेत्रीय अर्थनीतिक आधार बनि सकैत अछि। — ई खण्ड संसाधन-आधारित विकासक सपना समेटैत अछि।
६१. (A) मैथिली भाषा आ मिथिलांचलक विकास अपेक्षित रूपमे किएक नहि भेल। — स्रोतमे ई मूल प्रश्न स्पष्ट अछि।
६२. (B) किछु मुट्ठी भरि लोकक। — स्रोतमे आम मैथिलक सरोकार नहि आ किछु लोकक चिन्ता कहल अछि।
६३. (C) हिंदीमे। — स्रोतमे धियापुता मैथिली नहि, हिंदीमे बात करैत छथि कहल अछि।
६४. (D) तहमे जाएबाक। — स्रोतमे ‘अगर एकर तहमे जाइ’ कहि विश्लेषण शुरू अछि।
६५. (A) एकरा किछु खास इलाकासँ बाँधि देबाक प्रवृत्ति। — अगिला पंक्ति एहि अन्यायक दिशामे संकेत करैत अछि।
६६. (B) भाषा-संघर्षकें सीमित मंडली धरि रोकैत अछि। — स्रोत आम सरोकारक अभावपर चिन्ता करैत अछि।
६७. (C) मातृभाषिक व्यवहारक कमजोर पड़ब। — घर-परिवारक भाषिक बदलाव मैथिली-संकट देखबैत अछि।
६८. (D) नहि, सामाजिक, शैक्षिक आ भाषिक व्यवहारसँ जुड़ल अछि। — लेखक भाषा आ क्षेत्रीय विकास दुनूपर सवाल करैत छथि।
६९. (A) संतोषक आवरण हटाकऽ यथार्थपर विचार करब। — शीर्षक आ पाठ दुनू आत्मालोचनाक आग्रह करैत अछि।
७०. (B) मैथिली विकासक बाधा बुझबाक लेल आम मैथिलक भाषिक व्यवहार आ उदासीनतापर कठोर प्रश्न जरूरी अछि। — ई खण्ड आत्मालोचनात्मक भाषा-चिन्ता प्रस्तुत करैत अछि।
७१. (C) १८ अप्रैल १९६५। — स्रोतमे जन्म १८ अप्रैल १९६५ कहल अछि।
७२. (D) सहरसा जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआर गाम। — स्रोतमे लहुआर, महिषी, सहरसाक उल्लेख अछि।
७३. (A) स्वर्णपदक। — स्रोतमे एम.ए. मैथिली स्वर्णपदक प्राप्त कहल अछि।
७४. (B) मैथिली नाटकक सामाजिक विवर्तन। — स्रोतमे पी-एच.डी. विषय स्पष्ट अछि।
७५. (C) आधुनिक मैथिली नाटकमे चित्रित निर्धनताक समस्या। — स्रोतमे आलेख शीर्षक एहि रूपमे अछि।
७६. (D) गाममे। — आलेखक आरम्भमे अधिकांश जनता गाममे रहैत छथि कहल गेल।
७७. (A) अनियमित बरखा, सरकारी उपेक्षा, अशिक्षा आ पिछड़ापनक कारणें। — स्रोतमे ई कारण सभ देल अछि।
७८. (B) बेवस, लाचार आ शक्तिहीन। — स्रोतमे निर्धनताक प्रभाव एहि रूपमे आयल।
७९. (C) वीर-वीरेन्द्र, मनोरथ, कुहेस, कनियाँ-पुतरा, ओकरा आँगनक बारहमासा आदि। — स्रोतमे आधुनिक मैथिली नाटकक सूची देल अछि।
८०. (D) डॉ. शंभु कुमार सिंह आधुनिक मैथिली नाटकमे निर्धनताकें सामाजिक समस्या रूपमे पढ़ैत छथि। — ई खण्ड लेखक-परिचय आ निर्धनता-विमर्शक आरम्भ समेटैत अछि।
८१. (A) भयंकर अभिशाप। — स्रोतमे निर्धनता वा गरीबीकें मानव जीवनक भयंकर अभिशाप कहल गेल।
८२. (B) दोसरक दयापर। — स्रोत निर्धन मनुखकें दीन-हीन आ दोसरक दयापर जीबए बाध्य बतबैत अछि।

८३. (C) स्वतंत्रता आ आत्मिक उच्चताक दावा खोखला भऽ जाइत अछि। — लेखक पूछैत छथि जे एहन व्यक्ति स्वतंत्र वा उच्च काज कोना करि सकैत अछि।
८४. (D) तंगदिल, कमजोर आ अपन इच्छाक मारएबला। — स्रोतमे निर्धनताक मनोवैज्ञानिक असर एहि रूपमे कहल गेल।
८५. (A) मजदूर वा बोनिहार। — गामक गरीब लोक कमएबा शहर गेलापर मजदूर वा बोनिहार कहबैत छथि।
८६. (B) अनियमित बरखा, सरकारी उपेक्षा, अशिक्षा आ पिछड़ापन। — स्रोतमे गामक गरीबीक कारण रूपमे ई चारि तत्व आयल अछि।
८७. (C) व्यापक मानवीय संकट। — आलेख निर्धनताकें शरीर, विचार, स्वतंत्रता आ सम्मान सभसँ जोड़ैत अछि।
८८. (D) भारतीय ग्रामीण जीवनक गरीबीसँ। — आलेख भारतक गाम, किसान आ मजदूरक स्थिति सँ आरम्भ होइत अछि।
८९. (A) स्वतंत्र रूपसँ विचार प्रकट करब कठिन भऽ जाइत अछि। — स्रोतमे स्वतंत्र विचार-प्रकाशनपर गरीबीक बाधा संकेतित अछि।
९०. (B) निर्धनता मनुक्खक जीवन, इच्छा, स्वतंत्रता आ सम्मानकें क्षीण करैत अछि। — ई खण्ड गरीबीक मानवीय असर समेटैत अछि।
९१. (C) आधुनिक मैथिली नाटकमे। — आलेखक शीर्षक आ विवेचन आधुनिक मैथिली नाटकपर केन्द्रित अछि।
९२. (D) कनियाँ-पुतरा। — स्रोतमे हरिमोहन झाक कनियाँ-पुतरा सूचीबद्ध अछि।
९३. (A) ओकरा आँगनक बारहमासा। — ई नाटक निम्नवर्गीय जीवनक प्रमुख उदाहरण रूपमे आयल।
९४. (B) नायकक नाम जीवन। — स्रोतमे नचिकेताक नायकक नाम जीवनक उल्लेख अछि।
९५. (C) आगि धधकि रहल छै। — स्रोतमे एहि नाटकक नाम निर्धनता-सम्बन्धी उदाहरणमे आयल।
९६. (D) अंतिम प्रणाम। — स्रोतमे अंतिम प्रणामक उदाहरण गरीबीक दुर्दशा लेल देल अछि।
९७. (A) बुधिबधिया। — स्रोतमे बुधिबधियामे गरीबीक दृष्टान्त कहल अछि।
९८. (B) गरीबीक समस्या साहित्यिक विषय रूपमे बार-बार उठल अछि। — कतेक नाटकक उदाहरण निर्धनता-विमर्शक व्यापकता देखबैत अछि।
९९. (C) निम्नवर्ग आ सर्वहारा जीवन। — स्रोतमे निम्नवर्गीय समाज आ सर्वहारा वर्गक यातना पर बल अछि।
१००. (D) आधुनिक मैथिली नाटक गरीबीकें सामाजिक यथार्थक मुख्य समस्या रूपमे अंकित करैत अछि। — ई खण्ड उदाहरण-सूची द्वारा नाट्य-विमर्शक दिशा देखबैत अछि।
१०१. (A) दरिद्रनाथ। — स्रोतमे लक्ष्मीनाथ अपन निर्धनताकें कोसैत “दरिद्रनाथ” शब्द कहैत छथि।
१०२. (B) ओ सभ सोचि-समझि काज करैत आ सुख-सुविधा त्यागैत अछि। — स्रोतमे गरीबक धीया-पुता अपन सुख-सुविधा त्यागैत अछि कहल अछि।
१०३. (C) आर्थिक दशाक क्षीणतासँ मनुष्य संकटापन्न समस्या झेलैत अछि। — स्रोतमे एहि नाटक द्वारा आर्थिक संकटक दिग्दर्शन कहल गेल।
१०४. (D) व्यक्तिगत पीड़ासँ सामाजिक संकट धरि बढ़ैत अछि। — लक्ष्मीनाथक आत्मपीड़ा गरीब वर्गक व्यापक दशाक प्रतीक बनैत अछि।
१०५. (A) अपन निर्धनतापर करुण व्यंग्य। — दरिद्रनाथ कहब आत्म-व्यंग्य आ करुणा दुनू देखबैत अछि।
१०६. (B) आर्थिक अभावक नैतिक दबाव। — गरीबी व्यक्ति आ परिवारकें इच्छासँ अधिक विवशता दिस धकेलैत अछि।
१०७. (C) गरीबीक नाटकीय प्रस्तुति स्पष्ट करबाक लेल। — लेखक नाटकक माध्यमे निर्धनता समस्या देखबैत छथि।
१०८. (D) मानवीय संकट आ अपमानक रूपमे। — नाटकक उद्घरण निर्धनताकें आत्मसम्मानसँ जोड़ैत अछि।
१०९. (A) व्यक्ति विवशता मे सीमित भऽ जाइत अछि। — “मनोरथ”क विवेचन गरीबीक व्यावहारिक बन्धन देखबैत अछि।
११०. (B) “मनोरथ” गरीबीक निजी करुणा आ सामाजिक विवशता दुनूकें उजागर करैत अछि। — ई खण्ड लक्ष्मीनाथक कथनक आधार पर निर्धनता बुझबैत अछि।
१११. (C) सर्वहारा वर्गक यातनापूर्ण जीवन। — स्रोतमे एहि नाटकक केन्द्र सर्वहारा वर्गक यातना कहल अछि।
११२. (D) गरीब लोक लेल। — वासन्ती पवनसँ शिशिर धरि ऋतु-रमणीयता गरीबक लेल फुसि कहल अछि।
११३. (A) दुखक मास। — स्रोतमे कातिक मास खेतिहर मजदूरक लेल दुखक मास कहल अछि।
११४. (B) अन्नक अभाव। — गीतक पंक्तिमे “अन्नक नहि कोनो बाट” कहल अछि।
११५. (C) गरीब परिवारक बारहो मासक दुर्दशा। — स्रोतमे एक गरीब परिवारक बारहो मासक दुर्दैय स्थितिक चित्रण अछि।

११६. (D) दयनीय। — अन्नाभावक कारण निम्नवर्गीय स्थिति दयनीय भऽ जाएत अछि।
११७. (A) अलबम। — स्रोतमे “मिथिलाक निम्नवर्गीय समाजक अलबम” कहल गेल।
११८. (B) मिथिलाक लाख-लाख आँगनसँ। — स्रोतमे ध्वनि खाली एक आँगनसँ नहि, लाख-लाख आँगनसँ उठैत कहल अछि।
११९. (C) गरीबीक अनुभवमे प्रकृति-सुख अर्थहीन भऽ जाइत अछि। — गरीब लेल ऋतु सभ आराम नहि, कष्टक संकेत बनैत अछि।
१२०. (D) ई नाटक निम्नवर्गीय मिथिला समाजक बारहमासी गरीबीक मर्मस्पर्शी चित्र अछि। — स्रोतक विवेचन एहि नाटकक सामाजिक महत्त्व रेखांकित करैत अछि।
१२१. (A) मुइलाक बाद कफन किनबाक लेल टका नहि रहब। — स्रोतमे गरीबक मृत्युपर कफनक टकाक अभावक उल्लेख अछि।
१२२. (B) दस गोटे मिलि किछु कऽ सकबाक। — उद्धरणमे “दस गोटे मिलि जाए”क बात अछि।
१२३. (C) एकर देहपर एक बीत वस्त्र नहि। — स्रोतमे वस्त्रहीनता गरीबीक तीव्र संकेत रूपमे आयल अछि।
१२४. (D) लाभ गरीब लोक घरि नहि पहुँचि सकैत अछि। — स्रोतमे सरकारक व्यवस्था भेलो पर ओकर लाभ गरीब तक नहि पहुँचबाक बात अछि।
१२५. (A) तीन-तीनटा बच्चाकेँ भुखले सुतैत देखब। — स्रोतमे मुरारीक कथनमे बच्चा भुखले सुतैत अछि।
१२६. (B) फाटल वस्त्रमे। — उद्धरणमे घरवालीकेँ फाटल वस्त्रमे देखबाक बात अछि।
१२७. (C) भोजन, वस्त्र आ आवास जुटएब। — स्रोतमे सामान्य लोक परिवार लेल भोजन-वस्त्र-आवास जुटएबामे परेशान कहल अछि।
१२८. (D) गरीब दिस पर्याप्त ध्यान नहि। — स्रोत सरकारक ध्यान गरीब लोकक दिस नहि जाएत अछि कहैत अछि।
१२९. (A) नहि, कथा-स्थितिक नैतिक केन्द्र अछि। — कफन, भूख, वस्त्र-अभाव आ सरकारी उपेक्षा कथा-विमर्शक केन्द्र बनैत अछि।
१३०. (B) “अंतिम प्रणाम” आ “बुधिबधिया” गरीबीक देहगत, पारिवारिक आ संस्थागत यातना देखबैत अछि। — दुनू उदाहरण निर्धनताक बहुस्तरीय रूप खोलैत अछि।
१३१. (C) सामाजिक चेतनाक गतिशीलता आ परंपरागत रूढ़ि व्यवस्थाक जड़ता। — स्रोतमे एहि दू प्रवृत्तिक बीच तनावक बात अछि।
१३२. (D) संघर्ष, तनाव आ सामाजिक समस्या। — स्रोत आधुनिक सामाजिक मैथिली नाटकक मूल-स्वर एहि रूपमे बतबैत अछि।
१३३. (A) सामाजिक जीवनक यथार्थ व्यक्त करैत अछि। — स्रोतमे सामाजिक यथार्थक अभिव्यक्ति नाटककारक दृष्टिपर आधारित अछि।
१३४. (B) स्वाभाविकता मे। — स्रोतमे आर्थिक विपन्न जीवनक अस्तव्यस्तता स्वाभाविकतामे बदलल कहल अछि।
१३५. (C) साहित्यक सामाजिक उत्तरदायित्व। — नाटकक उदाहरण समाजक गरीबी आ वर्गीय यथार्थकेँ सामने अनैत अछि।
१३६. (D) ओ समाजक बदलैत दबाव देखबैत अछि। — स्रोतक तनाव-विमर्श आधुनिक नाटकक सामाजिक चेतना बुझबैत अछि।
१३७. (A) आर्थिक विपन्न लोकक। — स्रोत आर्थिक विपन्न जीवनक अस्तव्यस्तता पर जोर दैत अछि।
१३८. (B) नाटककारक सामाजिक दृष्टि आ रचना-दृष्टिपर। — स्रोतमे ई निर्भरता स्पष्ट अछि।
१३९. (C) गरीबीकेँ सामाजिक संरचना आ नाट्य-संवेदना सँ जोड़ब। — लेख समाजक आर्थिक विपन्नता आ नाटकक मूल-स्वरकेँ एक संग पढ़ैत अछि।
१४०. (D) आधुनिक मैथिली नाटक समाजक संघर्ष, तनाव आ आर्थिक विपन्नताकेँ यथार्थ रूपमे व्यक्त करैत अछि। — ई खण्ड आलेखक समेकित सामाजिक निष्कर्ष प्रस्तुत करैत अछि।
१४१. (A) अन्हारपर इजोतक कहिओ विजय नहि। — स्रोतमे एहि शीर्षकक आलोचना लेख आरम्भ होइत अछि।
१४२. (B) अन्हारपर इजोतक कहिओ विजय नहि, सरकारपर जनताक कोनो धाख नहि। — स्रोतमे शीर्षकक विस्तार एहि पूर्ण वाक्य रूपमे देल अछि।
१४३. (C) निराशावादी। — लेखक कहैत छथि जे पाठक देरी नहि करताह निराशावादी कहबा मे।
१४४. (D) अगुताथि जुनि। — स्रोतमे लेखक बार-बार “अगुताथि जुनि” कहैत छथि।
१४५. (A) अपूर्ण। — लेखक वस्तु बाहरसँ पूर्ण मुदा भीतरसँ अपूर्ण भऽ सकैत अछि कहैत छथि।
१४६. (B) व्यंग्यात्मक संवाद शैली। — पाठकसँ प्रत्यक्ष संवाद आ उलटबाँसी शैली व्यंग्यात्मक अछि।
१४७. (C) सरकारपर जनताक धाखक अभाव। — वाक्य जन-शक्ति आ सरकारक सम्बन्धपर व्यंग्य करैत अछि।
१४८. (D) व्यंग्यक अर्थ-क्षेत्र खोलबाक उपाय। — शीर्षक विस्तारसँ राजनीतिक व्यंग्यक प्रवेशद्वार बनैत अछि।

१४९. (A) नहि, ओ व्यंग्य आ आलोचनात्मक चेतना अछि। — लेखक निराशावादक आरोपकेँ उलटि आलोचनात्मक व्यंग्यक रूप दैत छथि।
१५०. (B) आशीष अनचिन्हार शीर्षकक उलटबाँसी सँ रुपकांत ठाकुरक राजनीतिक व्यंग्य दिस पाठककेँ लऽ जाइत छथि। — ई खण्ड लेखन-शैली आ शीर्षक-विस्तारक अर्थ समेटैत अछि।
१५१. (C) व्यंग्य। — स्रोतमे मैथिलीमे व्यंग्य गुण आ परिमाण दुनू मे कम अछि कहल गेल।
१५२. (D) व्यंग्य लिखाइतो स्तरीय आलोचना नहि होइत। — लेखक कहैत छथि जे लिखलाक बादो स्तरीय आलोचना दुर्लभ अछि।
१५३. (A) स्तरीय आलोचना आबितो हरिमोहन झाकेँ शिखर मानि सभकेँ भुट्टा बना देल जाइत अछि। — स्रोतमे ई तीक्ष्ण टिप्पणी अछि।
१५४. (B) हरिमोहन बाबू। — लेखक मैथिली आलोचनामे हरिमोहन बाबूक छायाक चर्चा करैत छथि।
१५५. (C) व्यंग्यकेँ अक्सर हास्य मानि लेल जाइत अछि। — स्रोतमे ९३% व्यंग्यकेँ हास्य मानि आलोचना करबाक बात अछि।
१५६. (D) व्यंग्यकारक असल राजनीतिक धार ओझल भऽ जाइत अछि। — लेखक हरिमोहन आ रुपकांत दुनूक संदर्भमे ई समस्या देखबैत छथि।
१५७. (A) हास्यक। — स्रोतमे बाँकी ७% हास्यक प्रतिनिधि पं. चन्द्रनाथ मिश्र “अमर” कहल गेल।
१५८. (B) हास्य-व्यंग्य सम्राट। — स्रोतमे सुच्चा व्यंग्य लिखलाक बादो एहि उपाधिपर टिप्पणी अछि।
१५९. (C) व्यंग्य आ हास्यक भेद स्पष्ट करब। — लेख मैथिली आलोचनामे विधागत सूक्ष्मता चाहैत अछि।
१६०. (D) मैथिली व्यंग्यक मुख्य संकट रचनाक कमी, आलोचनाक कमी आ हास्य-व्यंग्य भेदक भ्रम अछि। — ई खण्ड लेखकक विधागत आत्मालोचना समेटैत अछि।
१६१. (A) १९३०। — स्रोतमे रुपकांत ठाकुर १९३० मे जन्म-ग्रहण कएलनि कहल अछि।
१६२. (B) १९६०क लगीच। — स्रोतमे १९६०क लगीच रचनारत भेलाक उल्लेख अछि।
१६३. (C) १९७२। — स्रोतमे १९७२ मे मृत्यु प्राप्त भेलनि कहल अछि।
१६४. (D) बारह बर्ख। — स्रोतमे “मात्र बारह बर्ख” मे अनेक रचना आ पाँच पोथी प्रकाशित कहल अछि।
१६५. (A) पाँच प्रकाशित पोथीमे। — स्रोतमे मोमक नाक कथा-संग्रहक नाम देल अछि।
१६६. (B) कथा-संग्रह। — स्रोतक सूचीमे धूकल केरा कथा-संग्रह अछि।
१६७. (C) लगाम आ वचन वैष्णव। — स्रोतमे प्रकाशित पोथीमे ई दुनू नाटक अछि।
१६८. (D) उपन्यास। — स्रोतमे नहला पर दहला उपन्यास रूपमे सूचीबद्ध अछि।
१६९. (A) मात्र ६ गोट हास्य-व्यंग्य रचना। — स्रोतमे आलोचनात्मक उल्लेख मात्र ६ गोट रचना तक सीमित कहल अछि।
१७०. (B) रुपकांत ठाकुर अल्प आयु आ कम समयमे कथा, नाटक आ उपन्यासक महत्त्वपूर्ण व्यंग्यकार रूपमे उभरलाह। — ई खण्ड जीवन-काल आ कृति-सूची पर केन्द्रित अछि।
१७१. (C) समकालीन अथवा पूर्वकालिक राजनीति आ शासन-व्यवस्थापर निशाना। — स्रोतमे ई कार्यकारी परिभाषा देल गेल।
१७२. (D) अकादमिक परिभाषा नहि। — स्रोतमे “ओना ई अकादमिक परिभाषा नहि अछि” कहल अछि।
१७३. (A) राजनीति, शासन-व्यवस्था आ ओकर संचालक। — स्रोतमे एहि तीनू पर निशाना साधबाक बात अछि।
१७४. (B) पर्याप्त रूपेँ नहि जनैत छथि। — स्रोतमे राजनीतिक व्यंग्यक नाम तक नहि जनबाक तीक्ष्ण टिप्पणी अछि।
१७५. (C) नहि, सत्ता-संरचना पर चोट करबाक लेल। — स्रोतक परिभाषा शासन आ संचालकपर निशाना साधबाक बात करैत अछि।
१७६. (D) रुपकांत ठाकुर लग। — स्रोतमे “रुपकांत ठाकुर लग ल’ चली” कहल अछि।
१७७. (A) मोमक नाक। — स्रोतमे एहि व्यंग्य-संग्रहक परिचय कराएल गेल।
१७८. (B) नौ गोट कथा। — स्रोतमे ई व्यंग्य-संग्रह नौ गोट कथाक अछि कहल गेल।
१७९. (C) ओ अनिवार्य रूपेँ पहिल कथासँ शुरू नहि करताह। — स्रोतमे कथा-क्रम लेखकक व्यक्तिगत निर्णय कहल अछि।
१८०. (D) राजनीतिक व्यंग्य सत्ता, जनता आ शासन-संरचनाक आलोचना करबाक धारदार माध्यम अछि। — ई खण्ड विधागत परिभाषा आ रुपकांतक प्रवेशद्वार खोलैत अछि।
१८१. (A) मोमक नाक। — स्रोतमे मोमक नाक संग्रहक अंतिम कथा “मर्द माने की” सँ चर्चा शुरू अछि।

१८२. (B) मर्दक परिभाषा देल गेल हएत। — स्रोतमे शीर्षकसँ मर्दक परिभाषा बुझाईत अछि कहल गेल।
१८३. (C) मर्द माने कमौआ, कमौआ माने विआहल, विआहल माने बुड़िबक, बुड़िबक माने बड़द। — स्रोतमे ई सुच्चा मैथिल अभिव्यक्ति रूपमे उद्धृत अछि।
१८४. (D) कमौए मर्द होइत अछि। — स्रोतमे २००९ धरि ई सामाजिक धारणा रहल कहल अछि।
१८५. (A) खाली खटनाइसँ मतलब। — स्रोतमे अधिकारक प्रति निरपेक्ष श्रमशील बड़दसदृश स्थिति संकेतित अछि।
१८६. (B) मर्दानगी आ विवाह-संस्कारक सामाजिक दबाव। — कमौआ मर्दक विवाह करबएबाक सामाजिक प्रवृत्ति पर व्यंग्य अछि।
१८७. (C) सामाजिक चेतना। — लेखक कहैत छथि जे एतबे सँ लेखकक चेतनाक अनुमान कऽ लिअ।
१८८. (D) पुरुष-सत्ता आ श्रम-उपयोगक आलोचना। — शृंखलाबद्ध परिभाषा समाजक मर्द-कल्पनाकें व्यंग्यात्मक बनबैत अछि।
१८९. (A) समाजक सत्ता-रचना पर चोट करैत अछि। — व्यक्तिगत मर्द-परिभाषा सामाजिक सत्ता-संबंध उधारि दैत अछि।
१९०. (B) “मर्द माने की” मैथिल समाजक कमौआ-मर्द धारणा पर तीक्ष्ण सामाजिक व्यंग्य प्रस्तुत करैत अछि। — ई खण्ड कथा-व्याख्या आ सामाजिक संकेत समेटैत अछि।
१९१. (C) कमीशन खाएबला भातिज आ जमाय। — स्रोतमे भातिज आ जमायक काजे कमीशन खाएब कहल अछि।
१९२. (D) पित्ती आ ससुरोकेँ। — स्रोतमे पित्ती एवं ससुरोकेँ नहि छोड़बाक बात अछि।
१९३. (A) सरकारपर जनताक कोनो धाख नहि। — स्रोतमे ई राजनीतिक टिप्पणी उद्धृत अछि।
१९४. (B) बेशर्म, निर्लज्ज, हेहर, थेथर सरकार। — स्रोतमे एहि अर्थ-व्याख्याक शब्द आयल अछि।
१९५. (C) कांग्रेसी नेता संग। — स्रोतमे रेलगाड़ीकेँ कांग्रेसी नेता जकाँ कहल गेल।
१९६. (D) ओकर सुख-दुख अथवा उन्नति-अवनति। — स्रोतमे ई पंक्ति राजनीतिक रूपक बनैत अछि।
१९७. (A) विकासक लाभसँ बाहर छूटल लोक। — प्रश्न यात्रीक वास्तविक स्थान आ उपेक्षा पर चोट करैत अछि।
१९८. (B) उन्नतिक कागजी आकड़ा। — स्रोतमे योजनाक कागजी आँकड़ा मोन राखबाक टिप्पणी अछि।
१९९. (C) सत्ता, भ्रष्टाचार आ विकासक खोखलापन पर व्यंग्य। — दुनू कथा समाज-राजनीतिक व्यवस्था पर चोट करैत अछि।
२००. (D) रुपकांत ठाकुर निजी स्वार्थ, कमीशनखोरी आ कागजी विकास पर राजनीतिक व्यंग्य करैत छथि। — ई खण्ड कथाद्वयक राजनीतिक अर्थ समेटैत अछि।
२०१. (A) मोमक नाक। — स्रोतमे संग्रहक पहिल कथा आ पोथीक नाम “मोमक नाक” बताओल गेल।
२०२. (B) आजुक युगमे उनटि गेल। — स्रोतमे भला आदमीक परिभाषा उलटि गेल कहल अछि।
२०३. (C) मोमक नाक जकाँ लुजबुज। — स्रोतमे जनता मोमक नाक जकाँ लुजबुज कहल गेल।
२०४. (D) तिम्हरे घूमि जाइत अछि। — स्रोतमे जनता अवसरानुसार घूमि जाएबाक व्यंग्य अछि।
२०५. (A) जम्बूद्वीप सँ एखुनका भारतीय जनता धरि। — स्रोतमे स्वतंत्र भारत नहि, जम्बूद्वीपसँ भारतीय जनता धरि संकेत अछि।
२०६. (B) पाठकक मोनमे। — स्रोतमे पाठकक मोनमे रचना खचित रहबाक बात अछि।
२०७. (C) पाठकक मोनमे रहब। — स्रोतमे एहि सफलता पर बल अछि।
२०८. (D) अवसरवादी जन-चरित्रक। — मोमक नाक उपमा जनता केर दिशाहीन लचक पर व्यंग्य करैत अछि।
२०९. (A) नहि, जनता सेहो आलोचनाक दायरामे अछि। — रुपकांत दूनू पक्षकेँ व्यंग्यक लक्ष्य बनबैत छथि।
२१०. (B) “मोमक नाक” जनता, सत्ता आ अवसरवाद पर तीक्ष्ण व्यंग्य करैत अछि। — ई खण्ड रुपकांतक द्विपक्षीय आलोचनात्मक दृष्टि देखबैत अछि।
२११. (C) आकाशवाणीक बी हाइग्रेड कलाकार। — स्रोतमे हुनका आकाशवाणीक बी हाइग्रेड कलाकार कहल गेल।
२१२. (D) योगक शिक्षा। — स्रोतमे परम्परागत योगक शिक्षा प्राप्त कहल अछि।
२१३. (A) मैथिली लोकगीतकेँ। — लेखक लोकगीतकेँ संस्कृति-सुरक्षा केर श्रेय दैत छथि।
२१४. (B) कृत्रिमता। — स्रोतमे लोकगीतमे कृत्रिमता नहि होइत अछि कहल गेल।
२१५. (C) सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार, कला आ सामाजिक आकांक्षा। — स्रोतमे एहि सभक उल्लेख लोकगीतक अवलोकनसँ जुड़ल अछि।

२१६. (D) गीतक संग। — स्रोतमे सभ विधि-व्यवहार गीतक संग सम्पन्न होइबाक बात अछि।
२१७. (A) मूल संस्कृति आ परंपराक प्रति उदार बनाबए। — पूर्वज लोकनि समाजकें संस्कृति-परम्परा प्रति उदार बनाबए लेल लोकगीत विकसित कएलनि।
२१८. (B) रचनामे विविधता। — स्रोतमे परिवर्तनक संग लोकगीतक रचनामे विविधता आयल कहल अछि।
२१९. (C) लोककण्ठमे। — स्रोतमे ई परंपरा लोककण्ठमे स्थान पबैत रहल कहल अछि।
२२०. (D) मैथिली लोकगीत मिथिलाक संस्कृति, व्यवहार आ सामाजिक स्मृतिक जीवित आधार अछि। — ई खण्ड लोकगीतक सांस्कृतिक महत्त्व प्रस्तुत करैत अछि।
२२१. (A) सोहर, खेलउना, छठिहार, पीपर पिलाई, आँख अँजाई, बधैया आदि। — स्रोतमे जन्म-संबन्धी गीतक ई नाम दत्त अछि।
२२२. (B) पुत्रकामना। — स्रोतमे एक भक्त हृदय स्त्रीक पुत्रकामना व्यक्त करैत सोहर अछि।
२२३. (C) जीउरा जुड़एबाक। — गीतमे एक पुत्र भेटलासँ जिउरा जुड़बैत अछि कहल गेल।
२२४. (D) स्वार्थी आ कठोर। — स्रोतमे प्रसव-वेदनामे ई मनोदशा वर्णित अछि।
२२५. (A) सभ कष्ट बिसरि जाइत अछि। — स्रोतमे पुत्र जन्मक खुशीमे सभ कष्ट बिसरबाक बात अछि।
२२६. (B) दरद बाँटि लेबाक आशासँ। — गीतक पंक्तिमे अपन माएक दरद बाँटि लेबाक भाव अछि।
२२७. (C) सासु-बहुक प्रसवकालीन अनुभव। — गीतमे सासु निरमोहिया लगबाक स्त्री-मनोदशा अछि।
२२८. (D) नहि, लौकिक आ भावनात्मक दुनू अछि। — स्रोतमे लौकिक आ भक्ति प्रधान विषय दुनूक समावेश कहल अछि।
२२९. (A) परिवारक भीतर स्नेह, तनाव आ आशा सभ प्रकट करैत अछि। — सोहर प्रसव, पुत्रकामना आ नातेदारीक भाव व्यक्त करैत अछि।
२३०. (B) सोहर गीत जन्म, मातृत्व, पुत्रकामना आ स्त्री-मनक करुण अनुभवक लोक-साक्ष्य अछि। — ई खण्ड जन्म-संस्कार गीतक भाव-भूमि देखबैत अछि।
२३१. (C) छठिहार। — स्रोतमे जन्मक प्रथम उत्सव छठिहार कहल अछि।
२३२. (D) ननदि आ भाउजक बीच। — स्रोतमे ननदि-भाउजक हास-परिहास खेलउना आ बधइया गीतमे कहल अछि।
२३३. (A) ननदि आ भाउजक। — स्रोतमे ननदि आ भाउजक मधुर सम्बन्ध व्यक्त करैत खेलउना अछि।
२३४. (B) बिछिया, बोली, बेसरि आदि। — गीतक पंक्तिमे ननदिक आगमन आ अलंकार/माँगक बिम्ब अछि।
२३५. (C) इनाम। — स्रोतमे ननदि इनामक माँग करैत अछि कहल गेल।
२३६. (D) बउआ फिर्ता देबाक आग्रह। — स्रोतमे बच्चा उठाकऽ चलि गेलापर भाउजक आग्रह अछि।
२३७. (A) बउआ की लेतै? — भाउज तर्कसँ ननदिक माँग टारबाक कोशिश करैत अछि।
२३८. (B) अँगूठी, मुनरी, बाली, कनफूल आदि। — गीतमे ननदि अलग-अलग गहना अस्वीकार करैत विशेष माँग करैत अछि।
२३९. (C) परंपरागत सम्बन्धक मधुरता कोना प्रभावित होएत। — स्रोतमे गीत-परंपरा लुप्त भेलासँ सम्बन्ध-मधुरता प्रभावित होयबाक बात विचारणीय कहल गेल।
२४०. (D) छठिहार, खेलउना आ बधइया गीत ननदि-भाउज सम्बन्धक हास्य, अधिकार आ स्नेहकें सुरक्षित करैत अछि। — ई खण्ड जन्मोत्सवक सामाजिक गीतपर आधारित अछि।
२४१. (A) अत्यन्त व्यापक। — स्रोतमे विआह संस्कार गीतक परंपरा अत्यन्त व्यापक कहल अछि।
२४२. (B) सम्मर, कुमार, लगन आदि। — स्रोतमे वर-खोज प्रसंगक गीतक ई नाम देल गेल।
२४३. (C) पिता आ अन्य सम्बन्धी लोकनि। — स्रोतमे पिता आ अन्य सम्बन्धी लोकनि वर खोजए जाइत छथि कहल अछि।
२४४. (D) विआहपूर्वहिसँ। — स्रोतमे विआहपूर्वहिसँ गीतक रीत कहल गेल।
२४५. (A) सांस्कृतिक स्मृतिक कमजोर पड़ब। — लेख लुप्तप्राय गीतक संरक्षणक आवश्यकता देखबैत अछि।
२४६. (B) नहि, विधि-व्यवहारक सांस्कृतिक विधान सेहो अछि। — विआहक चरण सभ गीतक संग सम्पन्न होइत अछि।
२४७. (C) रिश्ता, विधि, हास्य आ करुणा। — स्रोत विआह संस्कारक विविध गीत-धारा खोलैत अछि।
२४८. (D) परंपरा बचएबाक आवश्यकता। — लेखक गीतक लुप्त होयबाक संकट पर ध्यान दैत छथि।

२४९. (A) वर-खोज आ लगन-प्रसंगकेँ गीतमय बनबैत अछि। — सम्मर, कुमार, लगन आदि गीत विवाह-पूर्व व्यवहारसँ जुड़ल अछि।
२५०. (B) मिथिलाक विवाह संस्कार गीत विवाह-पूर्व खोजसँ विवाह-विधि धरि सामाजिक-सांस्कृतिक जीवनकेँ सँजोइत अछि। — ई खण्ड विवाह-गीतक परंपरा आ संरक्षण-संकट पर केन्द्रित अछि।
२५१. (C) परिछन गीतक पारंपरिक गीत आ धुन। — स्रोतमे परिछन गीतक बहुतो पारंपरिक गीत-धुन लुप्तप्राय कहल अछि।
२५२. (D) बेटी लक्ष्मी आ जमाय विष्णु। — स्रोतमे बेटीकेँ लक्ष्मी आ जमायक विष्णु रूप व्यक्त करैत परिछन अछि।
२५३. (A) धुरछक। — स्रोतमे परिछनक आरम्भमे धुरछक अर्थात दुलहाक स्वागतगीत कहल अछि।
२५४. (B) कलश। — स्रोतमे सोहागिन स्त्री माथपर कलश लऽ दुलहाक समक्ष ठाढ़ होइत अछि।
२५५. (C) जलपूर्ण घटमे द्रव्य अर्पित करबाक। — स्रोतमे गीत दुलहासँ घटमे द्रव्य अर्पणक संकेत करैत अछि।
२५६. (D) चानन, सिन्दुर, काजर, बेसन, राई, लवण आदि। — स्रोतमे परिछन डाला केर विविध उपचार सूचीबद्ध अछि।
२५७. (A) सिंहक निर्भय चाल संग। — गीतमे दुलहा सिंह जकाँ नहू-नहू चलैत छथि।
२५८. (B) हरिक हाथक सुदर्शनसँ। — गीतमे कंगनक शोभा सुदर्शनसँ तुलना पबैत अछि।
२५९. (C) दुलहा-स्वागत आ वैवाहिक मंगलकेँ गीतमय करब। — परिछन विधि, प्रतीक आ स्वागतक गीत-संरचना अछि।
२६०. (D) परिछन आ धुरछक गीत विवाह-संस्कारक मंगल, प्रतीक आ स्वागत-परंपराकेँ जीवित रखैत अछि। — ई खण्ड विवाहक प्रारम्भिक विधि-गीत पर केन्द्रित अछि।
२६१. (A) करुणा प्रधान उदासी ओ समदाउन गीत। — स्रोतमे समदाउन गीतक पद आ भास लुप्तप्राय कहल अछि।
२६२. (B) सूरज गोसइयाँ/विधाता। — गीतमे बेटी-जनम आ निर्धन कोखिक करुण निवेदन अछि।
२६३. (C) नहिरासँ बिछोहक करुण भाव। — स्रोतमे कहरिया भासक समदाउनमे सीताक नहिरासँ बिछोह अछि।
२६४. (D) सुभग पवित्र भूमि। — गीतमे “सुभग पवित्र भूमि मिथिला नगरिया” आयल अछि।
२६५. (A) माएक नयनसँ गंगा नीर आ बाबूक कठोर हृदय। — स्रोतक गीतमे ई करुण पंक्ति अछि।
२६६. (B) बाबा, काकी, भाइ-भतीजा आ सखिया-सलेहर। — गीतमे नहिराक परिजन आ सखीक स्मृति अछि।
२६७. (C) विदाई आ नहिरासँ बिछोह। — स्रोतक गीत विवाह-विदाईक भाव-भूमिसँ संबंधित अछि।
२६८. (D) बेला, चमेली, चम्पा, मालती, वन आ गाछ। — गीतमे मिथिलाक प्रकृति नहिराक स्मृति बनैत अछि।
२६९. (A) विदाईक करुण लोक-संवेदना। — लेखक नव पीढ़ीमे एहि पद-भासक लुप्तप्रायता पर चिन्ता करैत छथि।
२७०. (B) समदाउन गीत मिथिलाक विदाई, नहिरा-स्मृति आ स्त्री-करुणाक महत्त्वपूर्ण लोक-साक्ष्य अछि। — ई खण्ड करुणा-प्रधान विवाह गीतक अर्थ समेटैत अछि।
२७१. (C) लगनी आ जँतसार। — स्रोतमे लगनी-जँतसार परस्पर सहयोग एवं श्रम प्रधान गीत कहल अछि।
२७२. (D) जाँत चलबएबाक। — स्रोतमे ई गीत जाँत चलबैत दू स्त्रीक स्वरमे गाओल जाइत छल।
२७३. (A) दू स्त्रीक। — स्रोतमे जाँत चलबैत दू स्त्रीक स्वरक परंपरा अछि।
२७४. (B) भक्तिभाव, करुणा आ व्यवहार प्रधान। — स्रोतमे लगनी गीत ई तीनू गुण रखैत अछि।
२७५. (C) समृद्ध बनबैत अछि। — स्रोतमे लगनी गीत सम्बन्ध समृद्ध बनेबामे सहायक कहल अछि।
२७६. (D) प्रायः बन्द। — स्रोतमे मशीनीकरणक कारण जाँतक चलन प्रायः बन्द कहल अछि।
२७७. (A) लोककण्ठमे। — स्रोतमे दूर देहातमे कतहु-कतहु लोककण्ठमे सुरक्षित कहल अछि।
२७८. (B) साहेबदास पदावलीसँ। — स्रोतमे राधाकृष्ण भक्तिपर आधारित लगनी साहेबदास पदावलीसँ संकलित कहल अछि।
२७९. (C) गृहस्थी श्रम-सांस्कृतिक बदलि जाएब। — जाँत आ श्रमगीतक क्षय घरेलू श्रम-सांस्कृति पर असर देखबैत अछि।
२८०. (D) लगनी आ जँतसार मिथिलाक श्रम, भक्ति, करुणा आ स्त्री-सहयोगक लोकगीत परंपरा अछि। — ई खण्ड श्रमप्रधान लोक-संगीतक सांस्कृतिक अर्थ समेटैत अछि।
२८१. (A) भक्तिभाव, करुणा आ व्यवहार। — स्रोतमे लगनी गीत भक्तिभाव, करुणा आ व्यवहार प्रधान कहल गेल अछि।

२८२. (B) समृद्ध करबाक। — स्रोतमे लगनी गीत परस्पर सम्बन्धकेँ समृद्ध बनेबामे सहायक कहल अछि।
२८३. (C) जाँत चलबैत दू स्त्रीक स्वर। — स्रोतमे ई गीत जाँत चलबैत दू स्त्रीक स्वरमे गाओल जाइत छल कहल अछि।
२८४. (D) जाँतक चलन प्रायः बन्द भऽ गेल। — स्रोतमे मशीनीकरणक युगमे जाँतक चलन प्रायः बन्द कहल गेल।
२८५. (A) कतहु-कतहु लोककण्ठमे सुरक्षित। — स्रोतमे दूर देहातमे एखनहुँ कतहु-कतहु लोककण्ठमे सुरक्षित कहल अछि।
२८६. (B) साहेबदास पदावलीसँ। — स्रोतमे लगनी गीत साहेबदास पदावलीसँ संकलित प्रस्तुत अछि।
२८७. (C) अभिन्न अंग। — स्रोतमे ई गीत गृहस्थीक अभिन्न अंग रहल अछि।
२८८. (D) घर-गृहस्थी श्रमकेँ भक्ति आ करुणा संग जोड़ैत अछि। — जाँत चलबैत गायन श्रमक बीच भाव-साझेदारी बनबैत अछि।
२८९. (A) गृहस्थी श्रमगीतक स्मृति लुप्त होयबाक चिन्ता। — मशीनीकरण आ जाँतक बंद चलनसँ गीतक व्यवहारिक आधार कम भेल।
२९०. (B) लगनी गीत मिथिलाक श्रम, भक्ति, करुणा आ स्त्री-सहयोगक जीवित परंपरा रहल अछि। — ई खण्ड लगनीक सांस्कृतिक संरचना स्पष्ट करैत अछि।
२९१. (C) कृष्ण/कान्हाकेँ। — गीतमे कान्हा, माधव, मोहन आ कृष्णक संबोधन अछि।
२९२. (D) हरि बिन एको घड़ी जीब कठिन। — गीतमे हरि जएला पर जियब कठिन होयबाक विरह अछि।
२९३. (A) मोहन सँ। — पंक्तिमे “जाहु जुनि मधुबन तेजि कहूँ मोहन” आयल अछि।
२९४. (B) अनुनय आ विरहपूर्ण विनती। — सपथ देब प्रेमपूर्ण आग्रहक तीव्रता देखबैत अछि।
२९५. (C) कृष्णक धर्म-संघर्ष आ अवतारी काजक संकेत लेल। — गीतमे कंसकेँ अधम गति देबाक प्रसंग अछि।
२९६. (D) कृष्णक पुनरागमनक आशा। — गीत विरहक बीच कृष्ण आएबाक आस राखैत अछि।
२९७. (A) गृहस्थी श्रमक गीत कृष्ण-विरहक भाव लैत अछि। — ई श्रमगीत भक्ति-विरहक पदावलीसँ जुड़ल अछि।
२९८. (B) कृष्ण-भक्तिक विविध स्नेहिल संबोधन। — एहि नाम सभसँ भक्ति-संबंधक आत्मीयता बनैत अछि।
२९९. (C) कृष्ण-विरह आ लौटबाक प्रार्थना। — गीतक पंक्ति सभ कृष्णक प्रस्थान रोकबाक अनुरोध करैत अछि।
३००. (D) लगनीक पहिल पद गृहस्थी श्रमगीतकेँ कृष्ण-विरहक भक्ति-संवेदना संग जोड़ैत अछि। — ई खण्ड पदक भक्तिपरक विरह भावकेँ केन्द्र करैत अछि।
३०१. (A) वचन मुखमे नहि आबए। — गीतमे “काहि कहब दुःख वचन ने आबए मुख” कहल अछि।
३०२. (B) विरहक असह्य अधैर्य। — उधो संबोधनक संग धैर्य न राखि सकबाक वेदना अछि।
३०३. (C) गोकुल छोड़ल कृष्णपर लोक-विरहक शिकायत। — पदमे “किए तेजि हरि गेल कुबुजी अधीन भेल” आयल अछि।
३०४. (D) हरिकेँ फेर के आनत। — गीत विरहमे कृष्णकेँ वापस अनबाक असमर्थता देखबैत अछि।
३०५. (A) मधुपुरमे। — पदमे “कत दूर मधुपुर जतए बसए माधव” आयल अछि।
३०६. (B) मुरली बजबैत कृष्णक स्मृति। — गीतमे वन-वन मुरली-स्वरक स्मृति अछि।
३०७. (C) विरहिणीक संदेश लिखबाक इच्छा। — गीतमे चनन काठी आ भाँति-भाँति लिखबाक बात अछि।
३०८. (D) विरहक शारीरिक-मानसिक पीड़ा। — अँधियारी राति हरि बिन छाती फाटबाक लोक-उक्ति अछि।
३०९. (A) कृष्ण-विरह, शिकायत आ संदेशक आकुलता। — दूनु पद उधो/सजनी संबोधनक माध्यमे विरह व्यक्त करैत अछि।
३१०. (B) उधो आ मधुपुरक लगनी पद कृष्ण-विरहक असह्यता, संदेश-व्याकुलता आ गोकुल-स्मृति व्यक्त करैत अछि। — ई खण्ड लगनीक पद २-३क भाव समेटैत अछि।
३११. (C) मलार गीत आ धुन। — स्रोतमे मलार गीत आ धुन लुप्तप्राय कहल अछि।
३१२. (D) समृद्ध। — स्रोतमे मिथिलामे मलार गीतक परंपरा समृद्ध कहल अछि।
३१३. (A) ओ गीत आ धुन। — स्रोतमे वर्तमानमे मलारक ओ गीत आ धुन लुप्तप्राय कहल गेल।
३१४. (B) साहेबदास पदावलीसँ। — स्रोतमे मलार गीतक पद साहेबदास पदावलीसँ संकलित प्रस्तुत अछि।

३१५. (C) दूनू लुप्तप्राय लोकसंगीत परंपराक अंश अछि। — लेख लगनी-जैतसारक बाद मलार गीतक क्षय पर आवैत अछि।
३१६. (D) मिथिलाक ऋतु-भाव आ राग-स्मृति बचएबाक लेल। — मलारक धुन आ पदक लुप्तता सांगीतिक स्मृतिक क्षय अछि।
३१७. (A) परंपरा समृद्ध छल, मुदा वर्तमानमे लुप्तप्राय अछि। — समृद्ध अतीत आ क्षीण वर्तमान एक संग रखल गेल अछि।
३१८. (B) लुप्तप्राय परंपराक दस्तावेजीकरण। — संकलन पद सभकेँ भावी पाठक लेल सुरक्षित करैत अछि।
३१९. (C) लोकगीत केवल शब्द नहि, गायन-स्वर परंपरा सेहो अछि। — लेख गीत आ धुन दुनूकेँ लुप्तप्राय बतबैत अछि।
३२०. (D) मलार मिथिलाक समृद्ध किंतु लुप्तप्राय गीत-धुन परंपरा अछि, जकर संरक्षण जरूरी अछि। — ई खण्ड मलारक सांस्कृतिक संकट पर केन्द्रित अछि।
३२१. (A) बड़ निरमोहिया। — पदमे “अली रे प्रीतम बड़ निरमोहिया” आयल अछि।
३२२. (B) प्रेमिका/विरहिणीक उपेक्षित विनती। — प्रियतम आतुर वचन नहि मानैत छथि।
३२३. (C) विरहमे राति कठिन भऽ जाएब। — रातिक विषमता विरहपीड़ा बढ़बैत अछि।
३२४. (D) प्रेम-विरहक देहगत व्याकुलता। — पदमे देह काँपब आ घाम आबब व्यक्त अछि।
३२५. (A) दूनू आँखिसँ नोर बहब। — मलार पद विरहिणीक रुदन चित्रित करैत अछि।
३२६. (B) थिर रहू आ सुख बीच दुःख बताउ। — पदमे भामिनिकेँ स्थिर रहि दुःख कहबाक आग्रह अछि।
३२७. (C) निरमोह प्रियतमक उपेक्षा आ विरहिणीक व्याकुलता। — समूचा पद प्रियतमक अनुत्तरता आ स्त्री-वेदना पर आधारित अछि।
३२८. (D) राति, देह, नोर आ विनतीक बिम्बसँ। — गीत विरहक शारीरिक आ भावनात्मक असर देखबैत अछि।
३२९. (A) प्रेममे उपेक्षा आ शिकायत। — ई संबोधन स्नेह आ रोष दुनू व्यक्त करैत अछि।
३३०. (B) पहिल मलार पद निरमोह प्रियतमक कारण उत्पन्न विरह, व्याकुलता आ करुण रुदन व्यक्त करैत अछि। — ई खण्ड मलारक भाव-गहनता देखबैत अछि।
३३१. (C) कओने विधि पाती लिखब। — पदमे “हे उधो लिखब कओने विधि पाती” अछि।
३३२. (D) अंचल पत्र, नयन जल, काजर आ नख। — गीतमे अंचल पत्र, नयन जल काजर, नख लिखबाक बिम्ब अछि।
३३३. (A) विरहमे स्थिरता न रहब। — लिखबाक काजो छाती थिर नहि रहबाक कारण कठिन अछि।
३३४. (B) बध करत। — गीतमे चन्द्र किरण एतय पियकेँ पीड़ा देबाक अर्थमे आयल अछि।
३३५. (C) जिबघाती। — पदमे तेसर पवन जिबघाती कहल अछि; विरहमे सुख-वस्तु सेहो पीड़ादायक अछि।
३३६. (D) श्याम आएताह। — पदमे “आओत श्याम विरहाती” आयल अछि।
३३७. (A) दुःख लिखि नहि सकबाक असमर्थता। — पत्र लिखबाक सामग्री भावक बिम्ब बनैत अछि, मुदा मन थिर नहि।
३३८. (B) चन्द्र किरण आ पवन। — एहि बिम्ब सभ विरहमे पीड़ादायक बनैत अछि।
३३९. (C) संदेश लिखबाक इच्छा आ विरहक अस्थिरता। — उधो संबोधनक माध्यमे संदेश-विरहक कथा बनैत अछि।
३४०. (D) मलारक पाती-पद विरहिणीक असमर्थ लेखन, अश्रु, प्रकृति-पीड़ा आ श्याम-आशाक गीत अछि। — ई खण्ड पदक संदेशात्मक करुणा पर केन्द्रित अछि।
३४१. (A) बड़ रे चतुर घटबरबा। — पदमे “हे उधो बड़ रे चतुर घटबरबा” अछि।
३४२. (B) बजओलनि। — गीतमे दूरसँ बजाओल आ नाव चढ़ाओल प्रसंग अछि।
३४३. (C) मँझधार लऽ गेल। — पदमे खेबि लऽ मँझधार गेल कहल अछि।
३४४. (D) डेरओलनि। — नाव हिलाओलासँ डर लगबाक भाव अछि।
३४५. (A) चपल, छेड़छाड़पूर्ण मिलन-स्थितिक बिम्ब। — गीतमे आँचर धरण, झिकझोरब आ गजमोति हर तोड़ब आयल अछि।
३४६. (B) सुकविदास। — अंतिम पंक्तिमे “सुकविदास कह” आयल अछि।
३४७. (C) चपल प्रेमक मंगल-कामना। — शिकायतक बादो घटबरबाक दीर्घायु-कामना अछि।

३४८. (D) मिलन-खेल आ जोखिमक भाव बनबैत अछि। — नावक खेल भावनात्मक हलचल संकेत करैत अछि।
३४९. (A) करुण विरहसँ अधिक चपल रति-लीलाक रूप लैत अछि। — एहि पदमे नाव, आँचर, हर टूटबाक जीवंतता अधिक अछि।
३५०. (B) चतुर घटबरबाक मलार पद प्रेम, चपलता, नाव-बिम्ब आ रति-लीलाक लोकगीत रूप प्रस्तुत करैत अछि। — ई खण्ड मलारक चंचल प्रेम-बिम्ब देखबैत अछि।
३५१. (C) प्रेम, श्रृंगार आ रति-भाव। — स्रोतमे बटगमनी गीत प्रेम, श्रृंगार आ रति-भावक अभिव्यक्तिसँ परिपूर्ण कहल अछि।
३५२. (D) मांगलिक अनुष्ठानक बाटमे। — स्रोतमे मांगलिक अनुष्ठानमे समूह बाटमे बटगमनी गीत गबैत अछि।
३५३. (A) डिहबार, ब्रह्मस्थान, माटिमंगल, आम-महु बियाह आदि लेल। — स्रोतमे ग्राम देवता डिहबार, ब्रह्मस्थान, माटिमंगल, आम-महु बियाहक उल्लेख अछि।
३५४. (B) ढोल-पिपही बाजा। — स्रोतमे ढोल-पिपही बाजाक संग स्त्री-समूहक निकलनिहार प्रसंग अछि।
३५५. (C) उमंग, उत्साह आ प्रगल्भताक अभाव। — स्रोतमे नव पीढ़ीमे एहि भावक कमी कहल अछि।
३५६. (D) गीतक प्रति उदासीनताक कारणे। — स्रोतमे उदासीनताक कारणे बटगमनी लुप्तप्राय कहल अछि।
३५७. (A) विधि लेल जात बाटकेँ गीतमय करबाक। — अनुष्ठानिक यात्रा गीतक संग सामुदायिक बनेत अछि।
३५८. (B) स्त्री गण लोकनिक समूह द्वारा गायन। — स्रोतमे स्त्री-समूहक गायन स्पष्ट अछि।
३५९. (C) नहि, अनुष्ठानिक स्त्री-उमंगक क्षय सेहो अछि। — लेख गीत संग उमंग, उत्साह आ प्रगल्भताक कमी देखबैत अछि।
३६०. (D) बटगमनी मांगलिक यात्रा, स्त्री-समूह, श्रृंगार आ लोक-उत्साहक लुप्तप्राय गीत परंपरा अछि। — ई खण्ड बटगमनीक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रसंग स्पष्ट करैत अछि।
३६१. (A) नायिकाक उक्तिमे। — स्रोतमे संभोगक वर्णन नायिकाक उक्तिमे प्रस्तुत कहल अछि।
३६२. (B) संभोग-श्रृंगारक भाव। — स्रोतमे ई सभ तत्त्व रति-भावक अभिव्यक्ति लेल आयल अछि।
३६३. (C) श्रृंगारिक नायिका-बिम्ब। — काँच कलीक बिम्ब यौवन आ श्रृंगार संकेत करैत अछि।
३६४. (D) प्रेमी-प्रेमिकाक शारीरिक सान्निध्य। — गोदमे बैसब श्रृंगारिक समीपता व्यक्त करैत अछि।
३६५. (A) अधर-स्पर्शक मधुरता। — सुधा-उपमा प्रेम-स्पर्शकेँ मधुर बनबैत अछि।
३६६. (B) यौवनाकर्षण। — गीतमे यौवन देखिकऽ लोभायबाक श्रृंगारिक भाव अछि।
३६७. (C) आलिंगन। — भुजपाश बान्हब प्रेमी आलिंगनक बिम्ब अछि।
३६८. (D) अनुभवक तीव्रता व्यक्त करैत। — नायिका अपन रति-अनुभवक तीव्रता कहैत छथि।
३६९. (A) अनकहल अंतरंग अनुभव। — गीत प्रत्यक्ष वर्णनसँ हटि संकेतात्मकता राखैत अछि।
३७०. (B) बटगमनीक नायिका-उक्ति श्रृंगार, आलिंगन, यौवनाकर्षण आ संकेतात्मक रति-अनुभव व्यक्त करैत अछि। — ई खण्ड श्रृंगारिक बटगमनीक रूप देखबैत अछि।
३७१. (C) परदेशसँ। — स्रोतमे बहुत दिनक बाद परदेशसँ आएल पतिक प्रसंग अछि।
३७२. (D) दीर्घ विरह बाद मिलनक हर्ष। — बहुत दिन बाद प्रियतमक आगमन उत्साह जगबैत अछि।
३७३. (A) स्नेहपूर्वक मिलन। — गीतमे मन दऽ नेह लगाएबाक बात अछि।
३७४. (B) आलिंगनक उत्कंठा। — अंक लगाएब प्रेम-आलिंगनक बिम्ब अछि।
३७५. (C) चतुर सयान। — गीतमे “पहु थिक चतुर सयानहि” आयल अछि।
३७६. (D) बर गान करबाक। — गीतमे “तखन करब बर गान” आयल अछि।
३७७. (A) गीत/गान। — गीतमे गाबि सुनेबाक प्रसंग अछि।
३७८. (B) प्रियतम द्वारा आदर/मान भेटबाक। — नायिका अपेक्षा करैत अछि जे पति मान देताह।
३७९. (C) विरह बाद पुनर्मिलनक उत्साह संग। — परदेशी पतिक आगमन श्रृंगारिक तैयारी आ मिलन-उत्सुकता जगबैत अछि।

३८०. (D) बटगमनीमे परदेशी पतिक आगमन स्त्रीक सजग प्रेम, मिलन-तैयारी आ गीतमय हर्षक रूपमे व्यक्त अछि। — ई खण्ड मिलन-उत्कंठाक बटगमनी देखबैत अछि।
३८१. (A) लुप्तप्राय होयबाक संकट। — स्रोतमे तीनू परंपराक क्षीण/लुप्तप्राय अवस्था पर बल अछि।
३८२. (B) ऋतु, विरह आ रागात्मक भावसँ। — मलार गीतक पद सभ विरह, पाती आ चतुर घटबरबाक रागात्मकता देखबैत अछि।
३८३. (C) मांगलिक अनुष्ठानक बाट। — स्त्री-समूह अनुष्ठान लेल जात काल बटगमनी गबैत छथि।
३८४. (D) लोकस्मृति आ सांस्कृतिक व्यवहारक संरक्षण। — गीतक क्षय केवल शब्दक नहि, जीवन-रीतिक क्षय सेहो अछि।
३८५. (A) लगनी आ मलारक संकलित पदकँ। — स्रोतमे दूनु पदावली-संकलनक उल्लेख अछि।
३८६. (B) परंपरा लिखित मात्र नहि, जीवित गायनमे रहल। — दूर देहातमे लोककण्ठमे गीतक बचल रहब लोक-संचार देखबैत अछि।
३८७. (C) लगनी-जैतसार। — जाँतक चलन बन्द भेलासँ लगनीक दैनिक प्रसंग क्षीण भेल।
३८८. (D) बटगमनी। — स्रोतमे नब पीढ़ीक मैथिल ललना सभमे उदासीनता क कारण बटगमनी लुप्तप्राय कहल अछि।
३८९. (A) लोकगीतक संग्रह, गायन आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण। — लुप्तप्राय स्थिति संरक्षणक आवश्यकता देखबैत अछि।
३९०. (B) लगनी, मलार आ बटगमनी मिथिलाक श्रम, विरह, राग, श्रृंगार आ मांगलिक जीवनक लुप्तप्राय लोकधरोहर अछि। — ई खण्ड लोकगीत-विमर्शक समेकित अर्थ प्रस्तुत करैत अछि।
३९१. (C) जयकान्त मिश्रपर विशेष। — स्रोतमे बटगमनीक बाद “जयकान्त मिश्रपर विशेष” शीर्षक आयल अछि।
३९२. (D) डॉ. गंगेश गुंजन। — स्रोतमे विशेषक अंतर्गत पहिल नाम डॉ. गंगेश गुंजन अछि।
३९३. (A) विद्या मिश्र। — स्रोतमे दोसर नाम विद्या मिश्र देल गेल अछि।
३९४. (B) ऐतिहासिक शोकक अवसर। — स्रोतमे निधनकँ मैथिली-मिथिला-मैथिलक महान पोथीक पुस्तकालयमे सजा देबाक ऐतिहासिक शोकक अवसर कहल गेल।
३९५. (C) महान पोथी। — ओ कहैत छथि—पोथी, अध्याय नहि, पोथी।
३९६. (D) समग्रता आ विराट ज्ञान-व्यक्तित्व। — अध्यायक बदला पोथी कहब हुनकर व्यापक विद्वत्ता मानैत अछि।
३९७. (A) श्रद्धांजलि आ आलोचनात्मक स्मरणक स्वरमे। — डॉ. गंगेश गुंजनक आरम्भ शोक, सम्मान आ मूल्यांकनसँ भरल अछि।
३९८. (B) गंगेश गुंजनक मूल्यांकन आ विद्या मिश्रक पारिवारिक स्मरण द्वारा। — दू लेखक विशेषकँ सार्वजनिक आ निजी दुनू आयाम दैत छथि।
३९९. (C) महान क्षति आ असाधारण विद्वत्ताक स्वीकार। — स्रोतमे “बहुत महान क्षति” आ मौलिकताक चर्चा अछि।
४००. (D) जयकान्त मिश्रपर विशेष श्रद्धांजलि, विद्वत्-मूल्यांकन आ पारिवारिक स्मरणक संयुक्त खण्ड रूपमे खुलैत अछि। — ई खण्ड विशेषक रूपरेखा प्रस्तुत करैत अछि।
४०१. (A) मैथिलीक लौकिक आ शास्त्रीय बुद्धिक। — स्रोतमे मौलिकता मैथिलीक लौकिक एवं शास्त्रीय बुद्धि समन्वय कहल अछि।
४०२. (B) व्यवहारक अति दूरगामी दृष्टांत। — स्रोतमे व्यवहारक अति दूरगामी दृष्टांत बनल कहल अछि।
४०३. (C) अगिला पीढ़ीक ईर्ष्या-योग्य सान्निध्यक भाव व्यक्त करबाक लेल। — फिराककँ देखबाक सौभाग्य जकाँ जयकान्त बाबूक स्नेह-शिक्षा महत्त्वपूर्ण कहल गेल।
४०४. (D) जयकान्त बाबूक स्नेह-शिक्षा पर। — स्रोतमे अपन पीढ़ी हुनकर स्नेह शिक्षाक सौभाग्यपर कृतार्थ बनत कहल अछि।
४०५. (A) किताब। — स्रोतमे संस्था मरैत अछि, किताब जीवित रहैत अछि कहल गेल।
४०६. (B) किताबक स्थायी जीवनक कारणे। — व्यक्तित्व पुस्तक-स्मृति रूपमे दीर्घजीवी ठहरैत अछि।
४०७. (C) परंपरा आ व्यवहार दुनूक गहिरी समझ। — स्रोत हुनकर मौलिकतामे लोक आ शास्त्रक संगम मानैत अछि।
४०८. (D) दीर्घकालिक प्रभाव। — दूरगामी दृष्टि समयक पार मूल्य राखैत अछि।
४०९. (A) मूल्यांकन विद्वत्ताक आधारपर, स्वर श्रद्धापूर्ण। — उक्तियाँ भावुक छैक, मुदा मौलिकता आ पुस्तक-स्मृति पर आधारित अछि।
४१०. (B) गंगेश गुंजन जयकान्त मिश्रकँ लौकिक-शास्त्रीय बुद्धि समन्वय, स्थायी पुस्तक-स्मृति आ पीढ़ीगत सौभाग्यक व्यक्तित्व मानैत छथि। — ई खण्ड जयकान्त बाबूक मौलिकता पर केन्द्रित अछि।

४११. (C) मैथिलीक आधुनिक वेद। — स्रोतमे स्पष्ट कथन अछि जे जयकान्त बाबू मैथिलीक आधुनिक वेद छथि।
४१२. (D) लेखक अपन कथनक साहस जानैत छथि। — ओ स्वीकार करैत छथि जे ई कथन सभकेँ रुचि नहि सकैत अछि।
४१३. (A) ज्ञान-स्रोत आ प्रमाण-व्यक्तित्वक गरिमा। — वेद रूपक हुनका आधुनिक मैथिली ज्ञानक आधार रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
४१४. (B) मूल्यांकन सेहो। — लेखक शोकक अवसर पर हुनकर ज्ञान-स्थिति आ कृतित्वक मूल्यांकन करैत छथि।
४१५. (C) हुनकर मौलिकता आ व्यापक ज्ञान-व्यक्तित्व। — पूर्व कथन सभ हुनका पोथी, आधुनिक वेद आ लौकिक-शास्त्रीय समन्वय मानैत अछि।
४१६. (D) मैथिली विद्वत्ता प्रति उच्चतम सम्मान। — वेदक उपमा ज्ञानक परम आदरक संकेत अछि।
४१७. (A) सच्चा श्रद्धा आ आत्मविश्वास। — ओ अपन भीतरक विश्वाससँ कथन करैत छथि, बाहरी प्रशंसा रूपेँ नहि।
४१८. (B) सांस्कृतिक-ज्ञानात्मक आधारस्तर पर। — आधुनिक वेद कहब हुनका मूल-स्रोतक दर्जा दैत अछि।
४१९. (C) स्थायी ग्रंथीयता आ ज्ञान-स्मृति द्वारा। — दूनु कथन पुस्तक/ज्ञानक दीर्घजीवन पर बल दैत अछि।
४२०. (D) “मैथिलीक आधुनिक वेद” कथन जयकान्त मिश्रक ज्ञान-गरिमा, स्थायी कृतित्व आ भाषिक-सांस्कृतिक महत्त्वक चरम सम्मान अछि। — ई खण्ड गंगेश गुंजनक मूल्यांकनक ऊँचाई देखबैत अछि।
४२१. (A) भाइजी काका। — स्रोतमे “भाइजी काका—डॉ. जयकान्त मिश्रक स्मरण” शीर्षक अछि।
४२२. (B) डॉ. जयकान्त मिश्रक। — स्रोतमे घरमे अंग्रेजीक विद्वान, कवि, मैथिली लेखकक चर्चामे जयकान्त मिश्रक चर्चा होइत कहल अछि।
४२३. (C) मैथिल आर मिथिलाक। — स्रोतमे मैथिल आर मिथिलाक विकास-उन्नतिक प्रति हुनकर समर्पणक बात अछि।
४२४. (D) आदर्श। — स्रोतमे ओ हमरा लेल आदर्श रहथि कहल गेल।
४२५. (A) हुनकासँ भेंट करबाक आ देखबाक। — स्रोतमे हुनकासँ भेंट/देखबाक लालसा कहल अछि।
४२६. (B) घरक चर्चा आ विद्वत्-प्रभावक माध्यमे। — घरमे चलैत चर्चा बालमनमे आदर्श छवि बनबैत अछि।
४२७. (C) निजी अनुभवसँ सार्वजनिक विद्वत्ता दिस खुलैत अछि। — ओ अपन बाल्य स्मृति सँ मिथिला-मैथिल विकासक चर्चा जोड़ैत छथि।
४२८. (D) साढ़ू। — स्रोतमे ओ सभसँ पैघ मामाजीक साढ़ू रहथि कहल अछि।
४२९. (A) विद्वत्ता संग आदर्शात्मक पारिवारिक प्रतिष्ठा। — बाल-आकर्षण आ घरक चर्चा हुनकर प्रतिष्ठा देखबैत अछि।
४३०. (B) विद्या मिश्रक स्मरण जयकान्त मिश्रकेँ बालमनक आदर्श, पारिवारिक प्रतिष्ठा आ मिथिला-मैथिली समर्पणक प्रतीक बनबैत अछि। — ई खण्ड निजी स्मरणक आरम्भ समेटैत अछि।
४३१. (C) विज्ञानक द्वितीय वर्षमे। — स्रोतमे ओ अपन स्नातक विज्ञानक द्वितीय वर्षमे छलिह कहल अछि।
४३२. (D) धनबाद। — स्रोतमे छोट बेटा अपन पितियौतक घरपर धनबाद आएल रहथि।
४३३. (A) धनबादमे। — स्रोतमे बाबूजी ओतहि पदस्थापित रहथि कहल अछि।
४३४. (B) हेमकान्त मिश्र। — स्रोतमे पितियौत हेमकान्त मिश्रसँ विवाह प्रस्ताव अनबाक बात अछि।
४३५. (C) एक मासक भीतर। — स्रोतमे एक मासक भीतर विवाह भऽ गेल कहल अछि।
४३६. (D) ओ विद्वान आ लेखकक परिवारसँ जुड़ए जा रहल छलीह। — स्रोतमे डॉ. जयकान्त मिश्रक भातिजक संग विवाह आ विद्वान परिवारक प्रसन्नता अछि।
४३७. (A) ओ परिवारक पुतोहु बनलीह। — स्रोतमे आब ओहि परिवारक पुतोहु रहलाक बात अछि।
४३८. (B) विद्वान लेखकक परिवारमे प्रवेशक सौभाग्य। — ओ विवाहकेँ केवल पारिवारिक घटना नहि, विद्वत् परिवारसँ जुड़ाव मानैत छथि।
४३९. (C) जयकान्त मिश्रक परिवार संग लेखिकाक प्रत्यक्ष सम्बन्ध जोड़ैत अछि। — भातिजक विवाह संबंध लेखिका के परिवारक भीतर लैत अछि।
४४०. (D) विद्या मिश्रक विवाह-प्रसंग जयकान्त मिश्रक विद्वान परिवारसँ निजी सम्बन्ध आ सम्मानक पुल बनबैत अछि। — ई खण्ड पारिवारिक स्मरणक विस्तार करैत अछि।
४४१. (A) डॉ. हरिवंश राय बच्चन। — स्रोतमे डॉ. हरिवंश राय बच्चनसँ पत्राचार माध्यमे नजदीक रहबाक बात अछि।
४४२. (B) इलाहाबादक डॉ. जयकान्त मिश्रक भातिजक संग विवाह होए जा रहल अछि। — स्रोतमे विवाह-सूचना बच्चनजीकेँ देल गेल।
४४३. (C) विद्वानक परिवारमे। — स्रोतमे विवाह एकटा विद्वानक परिवारमे होयबाक उत्तर भेटल।

४४४. (D) इलाहाबाद विश्वविद्यालयक अंग्रेजी विभागाध्यक्ष। — स्रोतमे अंग्रेजीक विभागाध्यक्षक प्रभार देबाक प्रसंग अछि।
४४५. (A) गुरु। — स्रोतमे ओ सर्वदा हमरा अपन गुरु मानैत छथि कहल गेल।
४४६. (B) अपन गुरु। — स्रोतमे डॉ. उमेश मिश्रकेँ अपन गुरु मानबाक बात अछि।
४४७. (C) आह्लादकारी। — स्रोतमे प्रशंसात्मक वर्णन आह्लादकारी रहए कहल अछि।
४४८. (D) उत्फुल्लित। — स्रोतमे एखनो सोचैत उत्फुल्लित भऽ जाएबाक बात अछि।
४४९. (A) अंग्रेजी आ मैथिली दुनू जगतक विद्वत-प्रतिष्ठा। — बच्चनजीक गुरु-स्मरण जयकान्त मिश्रक व्यापक अकादमिक गरिमा देखबैत अछि।
४५०. (B) हरिवंश राय बच्चनक स्मरण जयकान्त मिश्र आ हुनकर परिवारकेँ गहिरी विद्वत-परंपरा, गुरुता आ अकादमिक सम्मानसँ जोड़ैत अछि। — ई खण्ड जयकान्त मिश्रक व्यापक विद्वत प्रभाव देखबैत अछि।
४५१. (C) १९९९ ई. मे। — स्रोतमे “हम सभ १९९९ ई. मे संयुक्त राज्य अमेरिकामे बसि गेलहुँ” अछि।
४५२. (D) इलाहाबादमे। — स्रोतमे हृदय, आत्मा आ मस्तिष्क सर्वदा इलाहाबादमे रहैत छी कहल अछि।
४५३. (A) परिवारक प्रति आदर आ प्रेमक भाग रूपमे। — स्रोतमे छोट-छीन काज परिवार प्रति आदर-प्रेमक भाग अछि।
४५४. (B) समर्पण, परम्परा, सरलता आ संस्कृतिक प्रति लगाव। — स्रोतमे एहि चारि गुणकेँ अनुकरणीय कहल गेल।
४५५. (C) परिवारक मुखिया, गुरु आ भाइजी काका। — स्रोतमे ई तीनू रूपमे क्षति अनुभव करबाक बात अछि।
४५६. (D) परिवार आ समाजक लेल। — स्रोतमे ई परिवार आ समाज लेल पैघ क्षति कहल गेल।
४५७. (A) प्रवासमे रहितो मूल स्मृति आ परिवार-संस्कार जोगाएब। — भौगोलिक दूरीक बावजूद इलाहाबाद आ त्रिवेणी हृदयमे अछि।
४५८. (B) ओ विद्वत्ता संग मानवीय संस्कार जोड़ैत अछि। — स्मरण हुनका केवल विद्वान नहि, पारिवारिक-सांस्कृतिक गुरु बनबैत अछि।
४५९. (C) आदरपूर्ण पारिवारिक आत्मीयता। — संबोधन सम्मान आ आत्मीय सम्बन्ध दुनू बतबैत अछि।
४६०. (D) प्रवासक बावजूद विद्या मिश्रक स्मरण जयकान्त मिश्रकेँ इलाहाबाद, त्रिवेणी, परिवार, गुरुता आ संस्कृति-संस्कारक केन्द्र रूपमे राखैत अछि। — ई खण्ड पारिवारिक श्रद्धांजलिक समापन भाव समेटैत अछि।
४६१. (A) डा. चन्देश्वर शाह। — स्रोतमे होलीक संदेश शीर्षकक पूर्व डा. चन्देश्वर शाह नाम अछि।
४६२. (B) सम्मत जराएब/होलीका दहन। — स्रोतमे रंग-अबीर खेलबा सँ पहिने सम्महत जराएब आवश्यक कहल अछि।
४६३. (C) विष्णु भक्त। — स्रोतमे भक्त प्रह्लादक विष्णु भक्तिसँ हिरण्यकश्यप रुष्ट छल कहल अछि।
४६४. (D) होलिकाकेँ। — स्रोतमे होलिका बरदानक चछरि उपयोग करैत प्रह्लाद सहित आगिमे प्रवेश करबाक प्रसंग अछि।
४६५. (A) प्रह्लाद। — स्रोतमे चछरि प्रह्लादक रक्षा कएलक आ होलिका भस्म भेल।
४६६. (B) अन्याय-अत्याचार करनिहारक अंत होइत अछि। — लेख होलिकाक मृत्यु द्वारा अत्याचारीक अकाल परिणाम देखबैत अछि।
४६७. (C) धन-बल आ सुख-भोगक मद। — स्रोतमे ओ धनक बलसँ सभ किछु संभव बुझैत छल कहल अछि।
४६८. (D) जनकल्याणमे। — स्रोतमे ईश्वरीय शक्ति जनकल्याणमे, नहि जनविरोधी काजमे उपयोग करबाक चाही कहल अछि।
४६९. (A) भक्ति, अहंकार-विनाश आ शक्ति केर सदुपयोग। — लेख प्रह्लाद, हिरण्यकश्यप आ होलिकाक कथा सँ नैतिक संदेश निकालैत अछि।
४७०. (B) होलीक संदेश प्रह्लाद-होलिका कथासँ अन्याय-विरोध, अहंकार-विनाश आ जनकल्याणक नैतिक शिक्षा दैत अछि। — ई खण्ड कथात्मक नैतिकता पर आधारित अछि।
४७१. (C) कतहुँ-कतहुँसँ लकड़ी-काठी चुप्पे अनैत छथि। — स्रोतमे सम्मत लेल लोकक लकड़ी-काठी उठाकऽ अनबाक सावधानी प्रसंग अछि।
४७२. (D) ऋण करब। — स्रोतमे नीक भोजनक नामपर ऋण करबाक प्रतिफलपर चेतावनी अछि।
४७३. (A) भाँग, धथुर, दारू-ताड़ी। — लेख अत्यधिक नशा पर सावधान करैत अछि।
४७४. (B) अलकतरा आ इनामेल सन रंग। — स्रोतमे अलकतरा/इनामेल रंगक प्रयोग पर चेतावनी अछि।
४७५. (C) ओकर रोग बढ़ि सकैत अछि। — स्रोतमे एहन बलपूर्वक रंग लगएबाक निन्दा अछि।
४७६. (D) अपन आ समाजक हित। — विद्यापति गीतक उदाहरणसँ बुद्धिमानिपूर्वक समाजहितक संदेश देल गेल।

४७७. (A) नटवेश धरिकऽ नाच देखेबाक। — स्रोतमे “तौहें शिव धरु नटवेश नाँच देखाबहु” पंक्ति अछि।
४७८. (B) गंगाधार बहि धरती जलमग्न भऽ जाएत आ सर्प सभ अनर्थ करैत। — स्रोतमे शिव अपन नाचक व्यवधान बतबैत छथि।
४७९. (C) बुद्धिमानीपूर्वक गौराक मान राखि नाच देखाओल गेल। — स्रोतमे “राखल गौराक मान कि नाँच देखावल” कथनसँ सन्तुलनक शिक्षा अछि।
४८०. (D) होलीक व्यवहारिक संदेश उत्सवमे संयम, अहिंसा, सामाजिक जिम्मेदारी आ बुद्धिमानीपूर्वक आनंदक आग्रह करैत अछि। — ई खण्ड होलीक व्यवहारिक सावधानी आ सांस्कृतिक निरंतरता प्रस्तुत करैत अछि।
४८१. (A) यू.एस. मे मैथिलक होली। — शीर्षकहि मे यू.एस. मे मैथिलक होलीक अनुभव संकेतित अछि।
४८२. (B) हुनकर घरमे। — स्रोतमे “हमर सभक एहि बेरक होली हमर घरमे मनाओल गेल” कहल अछि।
४८३. (C) पचीस-तीस परिवार। — लेखमे 25-30 टा परिवार रहबाक उल्लेख अछि।
४८४. (D) सभ मैथिल रहथि। — स्रोत स्पष्ट कहैत अछि जे सभ मैथिल रहथि।
४८५. (A) प्रो. हरिमोहन झाक नाति आ डॉ. रमा झाक पुत्र। — लेखमे प्रतीक झाक परिचय एहि रूपमे देल गेल।
४८६. (B) पाबनि-तिहार पारम्परिक रूपमे मनाएब। — लेखिका कहैत छथि जे प्रयास पाबनि-तिहार पारम्परिक रूपमे मनाएबाक अछि।
४८७. (C) अनुकरण, अनुभव आ अर्थ-बोध। — स्रोतमे बच्चा सभ अनुकरण, अनुभव आ अर्थ बुझि सकए ई उद्देश्य कहल गेल।
४८८. (D) प्रवासमे सांस्कृतिक निरंतरता बनाएब। — परम्परा, बच्चा आ मैथिल परिवारक सहभागिता प्रवासी सांस्कृतिक निरंतरता देखबैत अछि।
४८९. (A) नहि, ई सामुदायिक-सांस्कृतिक आयोजन बनैत अछि। — लेखक वर्णनमे परिवार, परम्परा, बच्चा आ सामूहिकता प्रमुख अछि।
४९०. (B) विद्या मिश्रक लेख प्रवासी मैथिल परिवारक सामूहिक आ परम्परागत होलीक चित्र दैत अछि। — ई खण्ड यू.एस. मे मैथिल होलीक आयोजन आ अर्थ समेटैत अछि।
४९१. (C) हिरण्यकश्यप/होलिकाक। — स्रोतमे बच्चा सभ अपन लिखल हिरण्यकश्यप/होलिकाक नाटक मंचित कएने रहथि।
४९२. (D) होली पाबनि कोना आ किएक मनाओल जाइत अछि। — लेखिका कहैत छथि जे हुनका सभकेँ होलीक कारण आ प्रक्रिया बुझल छल।
४९३. (A) परम्परागत अर्थ सहित। — स्रोतमे रंग लगब, गरा मिलब, खानपान आ गीत सभक अर्थक चर्चा अछि।
४९४. (B) परम्पराक अभिन्न भाग। — लेखमे पारम्परिक खानपान आ होली गीतकेँ ज्ञानक अंग मानल गेल।
४९५. (C) पर्वक कथा आ मूल्य खेल-रूपमे बुझाएबाक लेल। — बच्चा सभक अपन लिखल नाटक सांस्कृतिक शिक्षा बनैत अछि।
४९६. (D) परम्परा ग्रहण करबाक सक्रिय पीढ़ी रूपमे। — बच्चा सभ नाटक लिखैत, मंचित करैत आ पर्वक अर्थ बुझैत अछि।
४९७. (A) देशसँ दूर सांस्कृतिक दूरी घटबैत अछि। — कथा, गीत आ नाटक द्वारा प्रवासमे मिथिला-स्मृति सक्रिय रहैत अछि।
४९८. (B) नहि, ज्ञान आ अनुभव सेहो अछि। — स्रोतमे अनुकरण, अनुभव आ अर्थ-बोधक बात स्पष्ट अछि।
४९९. (C) होलीक नैतिक-कथात्मक आधार समझबैत अछि। — नाटक द्वारा बच्चा सभ होलीक कारण सीखैत अछि।
५००. (D) प्रवासी होली बाल-पीढ़ीकेँ कथा, गीत, खानपान आ संस्कारसँ जोड़बाक माध्यम बनैत अछि। — ई खण्ड बच्चा सभक सांस्कृतिक शिक्षापर केन्द्रित अछि।
५०१. (A) न्यू-जर्सी, विर्जिनिया, वाशिंगटन डी.सी. आ मेरीलेण्डसँ। — स्रोतमे एहि चारि क्षेत्रक उल्लेख अछि।
५०२. (B) चारि-पाँच स्टेट्स। — स्रोतमे 4-5 गोटा स्टेट्सक मैथिल रहबाक बात अछि।
५०३. (C) सर्वोत्तम ड्रेस-समन्वय आ पार्सल देबाक प्रतियोगिता। — लेखमे एहि प्रतियोगिता सभक उल्लेख अछि।
५०४. (D) मिथिला संस्कृतिसँ। — स्रोतमे मिथिला संस्कृतिसँ सम्बन्धित गहन प्रश्न रहल कहल अछि।
५०५. (A) सभटा उत्तर पढ़ि वोट देल गेल। — लेखिका कहैत छथि जे सभ उत्तर पढ़ि तखन वोट देल गेल।
५०६. (B) बड्ड उत्साह आ उत्सुकता। — स्रोतमे सभ गोटे अवसर लेल उत्साहित आ उत्सुक कहल गेल।
५०७. (C) स्कूल-कॉलेजक बच्चा सभ। — लेखमे यू.एस.ए. मे बसंतक छुट्टी रहबाक कारण बच्चा सभ आएल कहल अछि।
५०८. (D) एतेक नीक लगल जे अगिला बरिख सेहो सम्मिलित होएबाक सोचलन्हि। — स्रोतमे बच्चा सभक सकारात्मक प्रतिक्रिया देल अछि।
५०९. (A) मिथिला-संस्कृतिकेँ खेल-प्रश्न आ सहभागितासँ जीवित राखब। — प्रतियोगिता ज्ञान, उत्साह आ सामूहिक स्मृति केँ जोड़ैत अछि।

५१०. (B) प्रवासी मैथिल होली बहु-राज्य सहभागिता, सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी आ बाल-उत्साहक आयोजन बनल। — ई खण्ड सहभागिता आ प्रतियोगिताक सांस्कृतिक भूमिका देखबैत अछि।
५११. (C) विनीत उत्पलक कविता-संग्रहपर। — शीर्षक “कविक आत्मोक्ति: कविताक अप्पना—विनीत उत्पलक कविता संग्रहपर” अछि।
५१२. (D) बजारे जकाँ मंदी पसरल अछि। — स्रोतमे भाषा-साहित्यक संसारमे सेहो बजार-जकाँ मंदी पसरल कहल अछि।
५१३. (A) कविता। — स्रोतमे कविताक विधा आओरो अनठिआएल कहल गेल।
५१४. (B) भव्य ड्राइंग रूमक इम्पोर्टेड दामी वस्तुक नमूना। — लेखक कविता केँ प्रतिष्ठा-प्रदर्शनीक वस्तु बनयबाक विरोध करैत छथि।
५१५. (C) भाषिक उपयोगिता आ क्रय-विक्रय-मूल्य। — स्रोतमे भाषा अपन उपयोगिता वा दामक बलें जीवित राखल जा रहल अछि कहल अछि।
५१६. (D) बजार आ कविताक भाषाक भेद। — स्रोतमे समकालीन कवि सभ लेल ई भेद बुझब आवश्यक कहल अछि।
५१७. (A) नव पैकेटक नव उत्पाद बनि जाएबाक। — लेखक चेतावनी दैत छथि जे कविता मॉलक उत्पाद जकाँ बनि सकैत अछि।
५१८. (B) उत्पल जीक कविता-पाण्डुलिपिक लाथें। — स्रोतमे कवि-पाण्डुलिपि एहि चर्चा केँ प्रेरित करैत अछि कहल गेल।
५१९. (C) कविता, भाषा आ बजारक द्वन्द्व। — लेखक भाषा-साहित्यक बाजार पर परिदृश्य आ कविताक स्वायत्तता पर चिन्ता करैत छथि।
५२०. (D) गंगेश गुंजन कविता केँ बाजार प्रदर्शनसँ बचाकऽ भाषिक-सांस्कृतिक जीवनसँ जोड़बाक आग्रह करैत छथि। — ई खण्ड बजार आ कविता सम्बन्धी आलोचनात्मक चिन्ता समेटैत अछि।
५२१. (A) भाषाक सवारीपर। — स्रोतमे “कविता भाषाहिक सवारीपर लोक धरिक अपन यात्रा करैत छैक” कहल अछि।
५२२. (B) तेहन यात्रा। — लेखक कविता, भाषा आ कविक सामर्थ्यक सम्बन्ध एहि वाक्यमे देलनि।
५२३. (C) ड्राइभरी-पायलटी वा बहलमानी-कोचमानी। — स्रोतमे यात्रा-रूपकमे कविता-निर्देशनक कर्मकुशलता जोड़ल गेल।
५२४. (D) कविताक अन्यान्य तत्व। — लेखक कहैत छथि जे अनेक तत्व कवि साधना आ स्वविवेकसँ विकसित करैत छथि।
५२५. (A) भाषा कविताक लोक-यात्राक माध्यम अछि। — कविता लोक धरि भाषाक माध्यमे पहुँचैत अछि।
५२६. (B) शिल्प, दिशा आ नियंत्रण। — ड्राइभरी-पायलटीक रूपक कवि-कर्मक तकनीक आ उत्तरदायित्व देखबैत अछि।
५२७. (C) नहि, भाषा, गन्तव्य, युग आ दर्शन धरि फैलल अछि। — स्रोतमे कविता-यात्रामे ई सभ तत्व अंतर्निहित कहल गेल।
५२८. (D) गंभीर आ नैतिक। — लेखक भाषा-बजार भेद आ कविताक लोक-यात्रा पर नैतिक दृष्टि रखैत छथि।
५२९. (A) यात्रा आ गन्तव्य दुनू प्रभावित होएत। — रूपकक अर्थ अछि जे भाषा कमजोर तँ कविता-यात्रा सेहो कमजोर।
५३०. (B) कविता भाषाक सवारीपर लोक धरि पहुँचैत अछि, तँ कविक भाषा-बोध आ शिल्प-दायित्व अत्यन्त महत्वपूर्ण अछि। — ई खण्ड कविता-भाषा रूपकक अर्थ खोलैत अछि।
५३१. (C) अपन कविता-पोथी अपने छपाबैत छथि। — स्रोतमे हिन्दी सन व्यापक भाषाक कवि पर्यन्त अपन पोथी स्वयं छपबैत छथि कहल गेल।
५३२. (D) धन दैत छथि वा सरकारी पुस्तकालयमे खपबाक वचन दैत छथि। — स्रोतमे प्रकाशनक एहि व्यवहारक उल्लेख अछि।
५३३. (A) अपन साहित्य अपने छपबावए पड़ैत छैक। — स्रोतमे मैथिलीमे प्रायः सभटा साहित्य लेखक-कविकें अपने छपबावए पड़ैत अछि।
५३४. (B) पोथी-प्रसार आ विक्रयसँ मैथिल लेखकक उद्यम देखएबाक लेल। — यात्रीजीक सन्दर्भ मैथिली प्रकाशन-संघर्षक उदाहरण अछि।
५३५. (C) मैथिली प्रकाशन-संरचनाक अभाव। — लेखक मैथिलीमे प्रकाशक-संकट पर चोट करैत छथि।
५३६. (D) मृत नहि तँ अनुपस्थित। — स्रोतमे साहित्यक अनुपस्थितिक अनुभवक बात अछि।
५३७. (A) नहि, साहित्यक प्रसार आ पाठक पहुँचसँ सेहो जुड़ल अछि। — पोथीक प्रसार, विक्रय, प्रकाशक आ पाठकक भाग्य सभ जुड़ल अछि।
५३८. (B) लेखक-निर्भर प्रकाशन व्यवस्था। — मैथिलीमे लेखकक स्वयं छपबाक विवशता मुख्य कठिनाई अछि।
५३९. (C) प्रकाशनक बाजार व्यवस्था। — ब्रांड प्रकाशन आ विक्रय-वचन साहित्यक बाजार-तंत्र देखबैत अछि।
५४०. (D) गंगेश गुंजन प्रकाशन-संकट द्वारा कविता, पाठक आ मैथिल लेखकक युग-यथार्थ उजागर करैत छथि। — ई खण्ड साहित्यक आर्थिक-संस्थागत संघर्षपर आधारित अछि।
५४१. (A) मैथिली कविताक पाण्डुलिपि। — स्रोतमे युवक अपन मैथिली कविताक पाण्डुलिपि दए भूमिका लिखबाक आग्रह करैत अछि।
५४२. (B) भूमिका लिखि देबाक। — स्रोतमे पाण्डुलिपि दए “भूमिका” लिखि देबाक आग्रह कहल गेल।

५४३. (C) दुस्साहसी। — गंगेश गुंजन लिखैत छथि जे युवक दुस्साहसी बुझएलाह।
५४४. (D) कविताक बाट। — स्रोतमे साहस बिना कविताक बाट धएब कठिन कहल गेल।
५४५. (A) अपन धर्मान्तरण। — लेखक भूमिका-लेखनक बदलेल प्रकृतिक टिप्पणी करैत छथि।
५४६. (B) स्वागत करब आवश्यक। — लेखक कहैत छथि जे भविष्य सामने हो तँ स्वागत कोना नहि हो।
५४७. (C) कवि-प्रतिभा प्रिय आ आश्चस्तिकारक। — स्रोतमे पाण्डुलिपि पढ़लापछि प्रतिभा आश्चस्तिकारक बुझाएल कहल अछि।
५४८. (D) स्वागत, स्नेह आ शुभाशंसा। — लेखक उद्गारमे स्वागत आ अन्तमे स्नेह-शुभाशंसा दैत छथि।
५४९. (A) नहि, सृजनात्मक साहसक संकेत अछि। — कविताक बाट धएबाक लेल साहस आवश्यक कहल गेल।
५५०. (B) विनीत उत्पलक पाण्डुलिपि लेखक लेल नव मैथिली कविताक आश्चस्तिकारक भविष्यक संकेत बनैत अछि। — ई खण्ड पाण्डुलिपि, साहस आ स्वागतक प्रसंग समेटैत अछि।
५५१. (C) हिनक कविताक संसार बुझबामे। — स्रोतमे कविक प्रस्तावना कविताक संसार बुझबामे विशेष सहायक कहल गेल।
५५२. (D) स्पष्ट बुद्धि आ पूर्ण मनोयोगसँ। — लेखक प्रस्तावनाक स्पष्टता आ मनोयोगक प्रशंसा करैत छथि।
५५३. (A) बुनियादी वर्तमान आ सरोकारक। — स्रोतमे प्रस्तावना रचनाक वर्तमान आ सरोकारक उद्घोष कहल गेल।
५५४. (B) अपन वर्तमान। — स्रोतमे नवीन पीढ़ीक रचनाकारक सामने अपन वर्तमाने चुनौती कहल अछि।
५५५. (C) अढ़मे। — स्रोतमे अतीत आ भविष्य अढ़मे रहबाक बात अछि।
५५६. (D) परोक्ष मुदा प्रमुख। — लेखक समकालीन रचनाकारक भूमिका परोक्ष मुदा प्रमुख मानैत छथि।
५५७. (A) समकालीनताक ज्ञान आ अनुभवकें विवेकसम्मत संवेदना रूपमे। — स्रोतमे कविक दायित्व एहि रूपमे व्याख्यायित अछि।
५५८. (B) सघनता आ व्यापकता सँ। — स्रोतमे एहि पकड़कें प्रतिभाक सामर्थ्यसँ जोड़ल गेल।
५५९. (C) कविक प्रतिभा-सामर्थ्यक। — लेखक प्रतिभाक सामर्थ्यकें युग-यथार्थक कलात्मक रूपसँ मापैत छथि।
५६०. (D) कवि अपन वर्तमान, युग-यथार्थ आ सामाजिक भविष्यकें विवेकसम्मत संवेदना मे रूपान्तरित करबाक दायित्व राखैत अछि। — ई खण्ड कविक प्रस्तावना आ समकालीन दायित्व खोलैत अछि।
५६१. (A) तात्त्विक किछु भेद नहि। — स्रोतमे दुनूक जिजीविषामे तात्त्विक भेद नहि कहल गेल।
५६२. (B) मनुक्खे। — लेखक कहैत छथि जे कवि अंततः मनुक्खे होइत अछि।
५६३. (C) तीन अर्थ-छायासँ। — स्रोतमे विनीतजीक कविता मोटामोटी तीन अर्थ छायासँ वेष्टित कहल अछि।
५६४. (D) कथनक कोटि, पकड़ आ प्रयोगक विधि। — स्रोतमे एहि तीन बिन्दुक उल्लेख अछि।
५६५. (A) टटका, ऊर्जावान-संवेदनशील कवि। — स्रोतमे हिनका टटका, ऊर्जावान-संवेदनशील कवि कहल गेल।
५६६. (B) पथ प्रशस्त हेतनि। — स्रोतमे कविक पथ प्रशस्त होयबाक विश्वास अछि।
५६७. (C) कालजयी कविताक आशा। — स्रोतमे बहुत-बहुत स्नेह-शुभाशंसाक संग कालजयी कविताक आशा अछि।
५६८. (D) जीवन-संघर्षक सहायात्री रूपमे। — मनुक्ख आ कविता दुनूक जिजीविषा अन्योनाश्रित कहल गेल।
५६९. (A) समालोचनात्मक आ उत्साहवर्धक। — लेखक बजारक संकट बीच प्रतिभा आ भविष्यक स्वागत करैत छथि।
५७०. (B) गंगेश गुंजन विनीत उत्पलक कवितामे कथन, पकड़ आ विधिक आधार पर ऊर्जावान भविष्यक संकेत देखैत छथि। — ई खण्ड काव्य-मूल्यांकन आ जिजीविषा-विचार समेटैत अछि।
५७१. (C) साझा प्रकाशन, ललितपुर। — स्रोतमे हुनकर परिचय साझा प्रकाशन, ललितपुरक अध्यक्ष रूपमे देल गेल।
५७२. (D) बघचौरा, जिला धनुषा। — स्रोतमे जन्मस्थान बघचौरा, जिला धनुषा नेपाल कहल गेल।
५७३. (A) कविता संग्रह। — परिचयमे एहि कृतिरूप कविता संग्रह देल अछि।
५७४. (B) दीर्घ कविता। — स्रोतमे “नहि, आब नहि” दीर्घ कविता रूपमे सूचीबद्ध अछि।
५७५. (C) कथा संग्रह। — स्रोतमे ई कथा-संग्रह कहल गेल।

५७६. (D) गीत, गजल संग्रह। — परिचयमे ई गीत-गजल संग्रह रूपमे आयल अछि।
५७७. (A) नाटक। — स्रोत सूचीमे रानी चन्द्रावती नाटक अछि।
५७८. (B) अनुसन्धान। — परिचयमे ई अनुसन्धान कृति रूपमे देल अछि।
५७९. (C) कविता, कथा, नाटक, गीत, सांस्कृतिक निबन्ध आ अनुसन्धान। — सूची अनेक विधामे हुनकर सक्रियता देखबैत अछि।
५८०. (D) रामभरोस कापडि “भ्रमर” नेपालक मैथिली रचना, संस्कृति आ संस्थागत साहित्यिक क्षेत्रक बहुविध व्यक्तित्व छथि। — ई खण्ड परिचय आ कृतिसूचीपर आधारित अछि।
५८१. (A) गोरखापत्र समाचारपत्र। — स्रोतमे वि.स. १९५८ मे गोरखापत्रसँ नेपाली पत्रकारिताक शुरुआत कहल गेल।
५८२. (B) वि.स. १९५८। — स्रोतमे वि.स. १९५८ मे गोरखापत्र प्रारम्भ भेल कहल अछि।
५८३. (C) नेपाली भाषा आ नेपाली भाषी सभक। — स्रोतमे ई पत्र नेपाली भाषा आ नेपाली भाषीक पृष्ठपोषण करैत आएल कहल अछि।
५८४. (D) समस्त नेपालक पत्रकारिताक व्यथा-कथा। — स्रोतमे एक सए आठ वर्षक इतिहासमे पत्रकारिताक व्यथा-कथा नुकाएल कहल अछि।
५८५. (A) गोरखासँ शाह वंशीय राजघराना धरिक। — स्रोतमे दू सए चालिस वर्षक गोरखासँ शाह शासन धरिक शोषणक बात अछि।
५८६. (B) उएह असमानता आ उपेक्षाक स्थिति। — स्रोतमे गणतंत्र नेपालमे सेहो अवस्था उएह रहल कहल अछि।
५८७. (C) राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा संचार-साहित्यिक क्षेत्रमे। — स्रोतमे राजनीति, समाज, अर्थ आ संचार-साहित्य क्षेत्रक संकेत अछि।
५८८. (D) नेपालक संचार-इतिहासमे भाषिक आ क्षेत्रीय उपेक्षा। — गोरखापत्रक नेपाली-केंद्रितता आ मधेश/अन्य भाषिक उपेक्षा मुख्य बिन्दु अछि।
५८९. (A) नहि, ओहि इतिहासमे उपेक्षित समुदाय केर व्यथा देखैत छथि। — व्यथा-कथा शब्द उपेक्षा आ असमानता उजागर करैत अछि।
५९०. (B) रामभरोस कापडि नेपालक पत्रकारिता-इतिहासमे नेपाली-केंद्रितता आ मधेशी/अन्य भाषिक उपेक्षाक प्रश्न उठबैत छथि। — ई खण्ड संचार क्षेत्रक असमानता पर आधारित अछि।
५९१. (C) साहित्य क्षेत्र। — शीर्षक “संचार एवं साहित्य क्षेत्रमे समावेशी स्वरूपक अपेक्षा” अछि।
५९२. (D) सब भाषिक-सांस्कृतिक समुदायक प्रतिनिधित्व। — समावेशी शब्द संचार-साहित्यक व्यापक प्रतिनिधित्वक माँग करैत अछि।
५९३. (A) सब समुदायक आवाजकेँ स्थान देब। — लेखक नेपाली-केंद्रित पृष्ठपोषणक आलोचना करैत छथि।
५९४. (B) भाषिक अस्मिता आ सांस्कृतिक न्याय लेल। — संचार-साहित्य क्षेत्रमे उपेक्षा भाषिक अस्मिता केँ प्रभावित करैत अछि।
५९५. (C) एक भाषा-समुदायकेँ प्राथमिकता देबाक रूपमे। — स्रोतमे गोरखापत्र नेपाली भाषा आ भाषी सभक पृष्ठपोषण करैत आएल कहल अछि।
५९६. (D) राजनीतिक परिवर्तनक बादो अवस्था उएह रहबाक। — गणतंत्र नेपालमे सेहो समान उपेक्षा रहबाक कथन अछि।
५९७. (A) एकभाषी/केन्द्रित प्रभुत्वक। — लेखक नेपाली-केंद्रित संचार इतिहासक आलोचना करैत छथि।
५९८. (B) बहुलता आ सम्मान। — बहुभाषिक समाजमे साहित्यिक प्रतिनिधित्व सांस्कृतिक सम्मान बढ़बैत अछि।
५९९. (C) संचार आ साहित्यकेँ लोकतांत्रिक बनएबाक आग्रह। — समावेशी स्वरूपक अपेक्षा लोकतांत्रिक संचार-साहित्यक माँग अछि।
६००. (D) नेपालक संचार आ साहित्य क्षेत्रमे वास्तविक समावेशिता बिना भाषिक-सांस्कृतिक न्याय संभव नहि। — ई खण्ड शीर्षकक मूल माँगक विवेचन करैत अछि।
६०१. (A) राजनीतिक इतिहास आ पत्रकारिता-संचारक उपेक्षा सन्दर्भमे। — स्रोतमे गोरखा-शाह शासन आ गणतंत्र नेपालक अवस्थाक चर्चा अछि।
६०२. (B) उपेक्षा आ असमानताक निरंतरता। — गणतंत्र नेपालमे सेहो अवस्था उएह कहल गेल।
६०३. (C) कारण प्रतिनिधित्व बिना लोकतंत्र अधूरा रहैत अछि। — लेखक संचार आ साहित्यक समावेशी स्वरूप माँगैत छथि।
६०४. (D) नहि, एखनक गणतंत्र नेपाल धरि फैलल अछि। — स्रोतमे “एखन धरिक गणतंत्र नेपालमे समेत” अवस्था उएह कहल अछि।
६०५. (A) राष्ट्रक बहुभाषिक यथार्थक अस्वीकार। — नेपाली-केंद्रित संचार नीति बहुभाषिक समाजकेँ पूरा स्थान नहि दैत।
६०६. (B) भाषा समुदायक क्षेत्रीय पहचानसँ जुड़ल अछि। — मधेश, नेपाली भाषा, पत्रकारिता आ साहित्यक प्रश्न एक दोसरसँ जुड़ल अछि।
६०७. (C) उपेक्षित समुदायक व्यथा-कथा दबि जाइत अछि। — स्रोतमे पत्रकारिताक इतिहासमे समस्त नेपालक व्यथा-कथा नुकाएल कहल अछि।
६०८. (D) बहुभाषिक आ बहुसमुदायिक पत्रकारिता। — समावेशी संचारक अपेक्षा एहि दिस संकेत करैत अछि।

६०९. (A) साहित्य समुदायिक अनुभवकें आवाज दैत अछि। — संचार एवं साहित्य दुनूमे समावेशिता माँगल गेल।
६१०. (B) रामभरोस कापडि नेपाली राज्य-संचारक इतिहासमे मधेशी प्रतिनिधित्वक कमी आ समावेशी सुधारक आवश्यकता देखबैत छथि। — ई खण्ड मधेश, राज्य आ संचार-प्रतिनिधित्वक सम्बन्ध समेटैत अछि।
६११. (C) भाषा-संस्कृति पर बाजार/प्रभुत्वक दबाव। — गंगेश गुंजन बाजार आ कविता पर, कापडि संचार-साहित्यक प्रभुत्व पर चिन्ता करैत छथि।
६१२. (D) लोक धरि पहुँचबाक माध्यम। — कविता भाषाक सवारीपर चलैत अछि आ पत्रकारिता सेहो भाषिक प्रतिनिधित्वसँ जुड़ल अछि।
६१३. (A) लोक-संवेदना। — दुनू विमर्श भाषा कें लोक जीवन आ न्यायसँ जोड़ैत अछि।
६१४. (B) बहुल सांस्कृतिक अनुभवक क्षरण। — बाजार कविताकें उत्पाद बनबैत अछि, एकभाषी संचार अन्य समुदाय दबबैत अछि।
६१५. (C) भाषिक अस्मिता आ सांस्कृतिक न्याय। — स्रोत-आलेख सभ भाषा, कविता, संचार आ समावेशिता पर केन्द्रित अछि।
६१६. (D) समुदायिक स्मृति आ पहचान बचाएब। — होली, कविता आ संचार तीनू सामुदायिक स्मृति सँ जुड़ल अछि।
६१७. (A) सक्रिय ग्रहणकर्ता आ संरक्षक। — गंगेश गुंजन पाठकक पहुँच आ कविताक जीवन पर बल दैत छथि।
६१८. (B) मैथिली सामाजिक-सांस्कृतिक चेतनाक दस्तावेज। — विविध लेख भाषा, समाज, प्रवास, कविता आ संचारक प्रश्न जोड़ैत अछि।
६१९. (C) भाषा आ संस्कृति कें बाजार, उपेक्षा आ विस्मृति सँ बचाएबाक साझा प्रयास आवश्यक अछि। — पूर्ववर्ती लेख सभक सम्मिलित अर्थ एहि निष्कर्ष दिस लैत अछि।
६२०. (D) भाषा, कविता, प्रवास आ संचारक चर्चा मिलिकऽ सांस्कृतिक न्याय आ स्मृति-संरक्षणक व्यापक परियोजना बनैत अछि। — ई खण्ड पूर्ववर्ती विमर्श सभक समेकन अछि।
६२१. (A) बाल-शिक्षणपर निबन्ध — हमर शिक्षण-यात्रा। — स्रोतक शीर्षकमे ई नाम अछि।
६२२. (B) पचीस-तीस बरख पुरान। — स्रोतमे “ई गोटे पचीस-तीस बरख पुरान गप्प” कहल अछि।
६२३. (C) ए.टी.डी. — आर्ट टीचर्स डिप्लोमा। — स्रोतमे ए.टी.डी.क अर्थ आर्ट टीचर्स डिप्लोमा देल अछि।
६२४. (D) मुम्बईक एक प्रसिद्ध स्कूलक प्राथमिक विभागमे। — स्रोतमे मुम्बई/तखन बम्बईक स्कूलक प्राथमिक विभागमे सहायक शिक्षक बनबाक उल्लेख अछि।
६२५. (A) आध दिन नोकरी आ आध दिन कॉलेजक पढ़ाइ। — स्रोतमे आध दिन नोकरी आ आध दिन अगिला पढ़ाइ कहल अछि।
६२६. (B) लेखकक पढ़एबाक पद्धति लऽ कऽ। — स्रोतमे पढ़एबाक पद्धति पर उपरागक उल्लेख अछि।
६२७. (C) मुख्याध्यापक धरि। — स्रोतमे बात मुख्याध्यापक धरि पहुँचि गेल कहल अछि।
६२८. (D) राष्ट्रपति अवार्डसँ। — स्रोतमे मुख्याध्यापक राष्ट्रपति अवार्डसँ विभूषित कहल गेल।
६२९. (A) बेटीक बियाहक दिनो भोरमे टेबुलपर हाजिर रहब। — स्रोतमे बेटीक विवाहक दिन सेहो काजक क्षतिपूर्तिक लेल भोरमे पहुँचबाक उदाहरण अछि।
६३०. (B) भालचन्द्र झा अपन बाल-शिक्षण अनुभवक आरम्भ कला-शिक्षक, प्रयोगशीलता आ स्कूल-संदर्भसँ करैत छथि। — ई खण्ड शिक्षण-यात्राक प्रारम्भिक पृष्ठभूमि बतबैत अछि।
६३१. (C) माए-बापकें छोड़ैत नहि आ कनैत रहैत छल। — स्रोतमे नेन्ना सभ पहिल बेर स्कूल अबैत कनबाक वर्णन अछि।
६३२. (D) कागज आ ऑइल पेस्टल। — स्रोतमे कागज आ मोमक रंग-पेन्सिल आनि सोझाँ राखबाक बात अछि।
६३३. (A) कागज चिरि देलक आ पेन्सिल टुकड़ी-टुकड़ी कऽ देलक। — स्रोतमे एहि प्रतिक्रिया वर्णित अछि।
६३४. (B) बिना उठौने पूरा कागज भरि देलक। — स्रोतमे ओ पेन्सिल कागजपर घसि पूरा कागज भरि देलक कहल अछि।
६३५. (C) बहुत दिन धरि। — स्रोतमे लेखक बहुत दिन धरि एहि विषयमे सोचैत रहलाह कहल अछि।
६३६. (D) छोटो-सँ-छोट प्रत्येक कृतिक किछु अर्थ आ प्रयोजन होइत अछि। — स्रोतमे प्रत्येक Act किछु अर्थ-प्रयोजन राखैत अछि कहल अछि।
६३७. (A) चित्रकला। — स्रोतमे आत्म-प्रगटीकरण हेतु चित्रकला सन प्रभावी माध्यम नहि कहल अछि।
६३८. (B) नेन्ना बिना संस्कार वा व्याकरण अपन मोनक गप्प व्यक्त कऽ सकैत अछि। — स्रोतमे चित्रकला कें स्वतः अभिव्यक्तिक माध्यम मानल गेल।
६३९. (C) बाल-मनोभाव बुझबाक सेतु। — नेन्नाक रंग-क्रिया शिक्षक कें ओकर आंतरिक भाव देखबैत अछि।

६४०. (D) चित्रकला शिशु मनक क्रोध, ऊर्जा, भय आ आत्म-अभिव्यक्तिक सहज माध्यम बनैत अछि। — ई खण्ड बाल-कला आ आत्म-प्रगटीकरण पर केन्द्रित अछि।
६४१. (A) एकटा आर प्रयोग। — स्रोतमे किछु दिन बाद लेखक फेर एकटा प्रयोग केलनि।
६४२. (B) साफ-सफाई करा कऽ पूरा फर्शपर उज्जर पलेन कागज राखलनि। — स्रोतमे कक्षाक साफ-सफाई आ फर्शपर कागज राखबाक प्रसंग अछि।
६४३. (C) नव-नव प्रयोग करबामे। — स्रोतमे रूटीनसँ हटिकऽ नब-नब प्रयोग करबाक रुचि कहल अछि।
६४४. (D) अनेक तरहक विधाक काज। — स्रोतमे कला शिक्षकक हैसियतसँ बिनु कहने अनेक विधाक काज करबाक वर्णन अछि।
६४५. (A) बालक मुक्त अभिव्यक्ति लेल स्थान देब। — फर्शपर कागज राखब सामूहिक आ मुक्त चित्र-क्रिया लेल छल।
६४६. (B) ओ बच्चाक स्वतः क्रिया आ अनुभूति केँ महत्व दैत अछि। — लेखकक प्रयोग बालक क्रियाक अर्थ खोजैत अछि।
६४७. (C) शिक्षणक वैकल्पिक दृष्टि। — उपरागक पृष्ठभूमिमे कला-आधारित शिक्षणक महत्त्व देखाइत अछि।
६४८. (D) नहि, बाल-मन पढ़बाक प्रयोगशाला अछि। — लेखक प्रत्येक कृतिक प्रयोजन पर विचार करैत छथि।
६४९. (A) सृजनशीलता आ आत्मविश्वास। — कला-आधारित प्रयोग बालक केँ अभिव्यक्ति दैत अछि।
६५०. (B) भालचन्द्र झाक कला-शिक्षण पद्धति रूटीन तोड़ि बालकक स्वतः अभिव्यक्ति आ प्रयोगपर आधारित अछि। — ई खण्ड शिक्षण-प्रयोगक दृष्टि स्पष्ट करैत अछि।
६५१. (C) अर्थपूर्ण आ प्रयोजनयुक्त। — स्रोतमे प्रत्येक कृतिक किछु अर्थ आ प्रयोजन होइत अछि कहल अछि।
६५२. (D) ओ शांत भऽ गेल। — स्रोतमे कागज भरलाक बाद नेन्ना शांत भऽ गेल कहल अछि।
६५३. (A) निरर्थक उपद्रव रूपमे नहि। — लेखक ओकर भीतर अर्थ, प्रयोजन आ आत्म-प्रगटीकरण देखैत छथि।
६५४. (B) बाल-क्रियाक अर्थ बुझबाक धैर्यमे। — लेखक बहुत दिन धरि ओहि घटना पर सोचैत रहलाह।
६५५. (C) अपन मोनक गप्प। — स्रोतमे नेन्ना अपन मोनक गप्प व्यक्त कऽ सकैत अछि कहल अछि।
६५६. (D) चित्रकला मे। — लेखक चित्रकलाकेँ सरल आ श्रेष्ठ माध्यम कहैत छथि।
६५७. (A) बाल-मनोविज्ञानक सम्मान। — क्रिया-व्यवहारक अर्थ देखब बाल-मनोविज्ञानक सम्मान अछि।
६५८. (B) अध्ययनक संकेत। — लेखक एहि क्रियासँ बाल-मन बुझबाक प्रक्रिया शुरू करैत छथि।
६५९. (C) दण्डदाता नहि, अर्थ-बुझनिहार सहयात्री। — लेखक प्रतिक्रियाकेँ दमन नहि, समझबाक प्रयास करैत छथि।
६६०. (D) संवेदनशील शिक्षक बालकक हर क्रियामे अर्थ खोजि ओकर आत्म-अभिव्यक्तिक मार्ग खोलैत अछि। — ई खण्ड बाल-व्यवहारक अर्थ-बोध पर केन्द्रित अछि।
६६१. (A) विशेष पारिवारिक अनुभवसँ प्रभावित विद्यार्थी। — स्रोतक अन्त भागमे विद्यार्थी, सतमाय, पिता, सतभाय-सतबहीनक प्रसंग अछि।
६६२. (B) घरबालीकेँ। — स्रोतमे “सभसँ पहिने अपना घरबालीकेँ बुझबिऔन्ह” कहल अछि।
६६३. (C) छुट्टी लऽ कऽ सपरिवार बाहर घुमि आउ। — स्रोतमे किछु दिनक छुट्टी आ पन्द्रह-बीस दिन बाहर घुमबाक सलाह अछि।
६६४. (D) ओहि बच्चाकेँ। — स्रोतमे कार्यक्रम ओकरा केन्द्रमे राखि बनएबाक बात अछि।
६६५. (A) सतभाय, सतबहीन, सतमाय आ पिता। — स्रोतमे एहि सभक समान सहभागिता चाही कहल अछि।
६६६. (B) सहज, देखाबा रहित। — स्रोतमे सहज व्यवहार आ कोनो देखाबा नहि रहबाक निर्देश अछि।
६६७. (C) जानि-बुझि कऽ ओकरा पर विशेष ध्यान देल जा रहल अछि। — स्रोतमे ई शंका टारबाक बात अछि।
६६८. (D) ने चर्चा होए आ ने पुनरावृत्ति। — स्रोतमे पुरनका अनुभवक ने चर्चा ने पुनरावृत्ति करबाक निर्देश अछि।
६६९. (A) बच्चाकेँ पुरनका दुःस्वप्नसँ बाहर अनएब। — लेखक बच्चाकेँ पुरनका अनुभव दुःस्वप्न मानि बाहर आबय देबाक बात कहैत छथि।
६७०. (B) बाल-शिक्षण केवल विद्यालयक काज नहि, परिवारक सहज, संवेदनशील आ सामूहिक व्यवहारसँ सेहो जुड़ल अछि। — ई खण्ड पारिवारिक उपचारात्मक भूमिका पर आधारित अछि।
६७१. (C) चित्रकला सन सृजनशील विषयकेँ। — स्रोतमे सकारात्मक उद्यमक श्रेय चित्रकला सन सृजनशील विषयकेँ देबाक बात अछि।
६७२. (D) अपन आंतरिक भावना व्यक्त। — स्रोतमे विद्यार्थी आंतरिक भावना व्यक्त करबामे सक्षम भेल कहल अछि।

६७३. (A) आंतरिक भावनाकें बाहर आनबाक माध्यम। — स्रोतक आरम्भ आ अन्त दुनू चित्रकलाकें आत्म-प्रगटीकरणसँ जोड़ैत अछि।
६७४. (B) तीनू मिलि बाल-विकासक वातावरण बनबैत अछि। — स्कूल-प्रयोग आ पारिवारिक उपाय एक दोसरसँ जुड़ल अछि।
६७५. (C) संवेदनशीलता, धैर्य आ सृजनशील प्रयोग। — लेखकक अनुभव एहि गुण सभ पर आधारित अछि।
६७६. (D) बालकक भीतरक भाव बुझू आ ओकरा अभिव्यक्ति दियौ। — चित्रकला, व्यवहार-बोध आ पारिवारिक सहजता एहि संदेशक भाग अछि।
६७७. (A) नहि, बाल-मन बुझबाक मूल साधन। — स्रोतमे चित्रकलाकें प्रभावी आत्म-प्रगटीकरण माध्यम कहल गेल।
६७८. (B) बाल-मनक नाजुकता प्रति सावधानी। — लेखक चोटकें दोहराए बिना सकारात्मक अनुभव देबाक बात करैत छथि।
६७९. (C) बाल-केन्द्रित, कला-आधारित आ परिवार-संवेदनशील शिक्षण-दृष्टि। — पूरा निबन्ध बालकक अनुभव केन्द्रमे राखैत अछि।
६८०. (D) “हमर शिक्षण-यात्रा” बाल-शिक्षणमे चित्रकला, संवेदना, प्रयोग आ परिवारक सामूहिक भूमिकाकें महत्त्व दैत अछि। — ई अन्तिम समेकन खण्ड बाल-शिक्षणपर निबन्धक मुख्य भाव समेटैत अछि।
६८१. (A) विनीत उत्पल। — शीर्षकमे वरिष्ठ पत्रकार आ उदीयमान कवि विनीत उत्पलक साक्षात्कार कहल अछि।
६८२. (B) २७ जुलाई १९३६। — साक्षात्कारमे जन्मतिथि २७ जुलाई, १९३६ कहल गेल।
६८३. (C) मामाक गाम अभुआढ़, सुपौल जिला। — उत्तरमे मामाक गाम सुपौल जिलाक अभुआढ़मे जन्मक उल्लेख अछि।
६८४. (D) अपन गाम मधुबनक डेओढ़मे। — स्रोतमे मामाक गामक बाद मधुबनक डेओढ़मे लालन-पालन कहल अछि।
६८५. (A) चारि भाइ। — साक्षात्कारमे हमर पिता चारि भाइ छलथि कहल गेल।
६८६. (B) संयुक्त परिवार। — स्रोतमे संयुक्त परिवार छल कहल अछि।
६८७. (C) १५-१६ बच्चा। — जीवकान्त १५-१६ बच्चाक संगे लालन-पालनक बात कहैत छथि।
६८८. (D) नवकांत झा। — परिवार-उत्तरमे छोट भाइ नवकांत झाक नाम अछि।
६८९. (A) सेंट्रल बैंकक नौकरीसँ। — स्रोतमे नवकांत सेंट्रल बैंकक नौकरसँ अवकाशक उल्लेख अछि।
६९०. (B) जीवकान्तक आरम्भिक जीवन संयुक्त परिवार, अभुआढ़-जन्म आ मधुबन-लालन-पालनक पृष्ठभूमिसँ बनल। — ई खण्ड जन्म, गाम आ परिवारक मूल जानकारी समेटैत अछि।
६९१. (C) चेन्नईमे बैंकमे। — स्रोतमे पैघ बेटा अरुण चेन्नईमे बैंकमे कार्यरत कहल अछि।
६९२. (D) लखीसरायमे एल.आई.सी.मे। — परिवार प्रसंगमे छोट वरुण लखीसरायमे एलआईसीमे काज करैत अछि कहल गेल।
६९३. (A) नेपालक राजविराजमे। — स्रोतमे बेटी प्रेम नेपालक राज विराजमे ब्याहल अछि।
६९४. (B) नहि, भाइ वा बच्चा मैथिलीमे नहि लिखैत छल। — जीवकान्त स्पष्ट कहैत छथि जे घरमे आन लोक मैथिलीमे नहि लिखैत अछि।
६९५. (C) शचि। — उत्तरमे कनियाँ शचिक उल्लेख अछि।
६९६. (D) फालतूक काज बुझैत छलीह। — स्रोतमे हुनका लगैत छल जे फालतूक काज कऽ रहल छी कहल अछि।
६९७. (A) अनिद्राक बीमारीक कारण। — जीवकान्त कहैत छथि जे हुनका अनिद्राक बीमारी छलन्हि।
६९८. (B) ओ सहयोग करए लगलीह। — स्रोतमे बादमे सहयोग करए लगलीह कहल गेल।
६९९. (C) कनियाँक। — ओ कहैत छथि जे एकरा लेल हम कनियाँक आभारी छी।
७००. (D) जीवकान्तक लेखन-जीवनमे पारिवारिक विरोधसँ सहयोग धरि बदलैत वातावरण महत्त्वपूर्ण रहल। — ई खण्ड परिवार आ लेखन-सहयोगक कथा अछि।
७०१. (A) देरीसँ। — स्रोतमे पढ़ैक महत्त्व नहि छल आ पढ़ाई देरीसँ शुरू भेल कहल अछि।
७०२. (B) ओ अपने गेल छलाह। — उत्तरमे स्कूलमे नाम लिखेबा लेल अपने गेल छलहुँ कहल गेल।
७०३. (C) माटिपर। — स्रोतमे हम सभ माटिपर लिखैत छलहुँ कहल अछि।
७०४. (D) तुलसीदासक रामायणक। — जीवकान्त गाममे तुलसीदासक रामायणक पाठक उल्लेख करैत छथि।
७०५. (A) तर्क-वितर्क आ अनेक अर्थ। — स्रोतमे श्लोकक दसटा अर्थ आ तर्क-वितर्कक प्रसंग अछि।

७०६. (B) बेंकटेश्वर स्टीम प्रेस। — उत्तरमे बेंकटेश्वर स्टीम प्रेससँ छपल मोटका रामायण कहल गेल।
७०७. (C) हमहूँ किएक नहि लिखी? — ओ सोचैत छलाह जे तुलसीदासक लिखलपर तर्क होइत अछि तँ हमहूँ किएक नहि लिखी।
७०८. (D) कविता। — स्रोतमे शुरूमे कविता लिखलहुँ, जे आर्यावर्तमे छपल कहल अछि।
७०९. (A) बी.ए.। — स्रोतमे १९६४ ई. मे प्राइवेटसँ बी.ए. कएलहुँ कहल अछि।
७१०. (B) रामायण-पाठ, माटिपर लिखबाक अभ्यास आ आर्यावर्तमे कविता-प्रकाशन जीवकान्तक लेखकीय आरम्भक आधार बनल। — ई खण्ड मैथिली-साहित्य दिश आरम्भिक आकर्षणक कथा दैत अछि।
७११. (C) छह मास। — स्रोतमे छह मास धरि अहापोहमे रहलहुँ कहल अछि।
७१२. (D) मिथिला मिहिर। — ओ कहैत छथि जे मिथिला मिहिर पढ़ैत छलहुँ, ओहिसँ बेसी प्रभावित भेलहुँ।
७१३. (A) हँ, प्रभावित भेलाह। — स्रोतमे रवींद्रनाथ टैगोरक साहित्यसँ सेहो प्रभावित भेलहुँ कहल गेल।
७१४. (B) नित दिन लिखबाक। — स्रोतमे निर्णय लेलहुँ जे हम नित दिन लिखब कहल गेल।
७१५. (C) इजोरिया आ टिटही। — स्रोतमे पहिल कविता “इजोरिया आ टिटही” छपल कहल अछि।
७१६. (D) जोश। — ओ कहैत छथि जे एकरासँ हमरा जोश भेटल।
७१७. (A) खजौली, देहोल, पोखराम आदि। — स्रोतमे खजौली, देहोल, पोखराम आदि गामक उल्लेख अछि।
७१८. (B) जीवनानुभवक व्यापक अनुभव। — उत्तरमे जीवनानुभवक व्यापक अनुभव लिखलहुँ कहल गेल।
७१९. (C) संस्कृत। — स्रोतमे इंग्लिश स्कूल खुजलासँ लोक संस्कृत बिसरि गेल कहल अछि।
७२०. (D) मिथिला मिहिर, पहिल कविता आ गाम-जीवनक अनुभव जीवकान्तक मैथिली-लेखन निर्णयकें दृढ़ केलक। — ई खण्ड साहित्यिक निर्णय आ आरम्भिक प्रकाशनक आधार देखबैत अछि।
७२१. (A) कविता। — स्रोतमे कविता हमर प्रिय अछि कहल गेल।
७२२. (B) बेसी नीकसँ। — ओ कहैत छथि जे कोनो गप कवितामे बेसी नीकसँ कहल जा सकैत अछि।
७२३. (C) कथामे सब किछु अलग-अलग नहि करैत छी। — स्रोतमे आलोचकक एहि टिप्पणीक उल्लेख अछि।
७२४. (D) अपन दिशसँ सूत्र जोड़ए। — उत्तरमे पाठककें अपन दिशसँ सूत्र जोड़ए पड़ैत अछि कहल गेल।
७२५. (A) कविता। — ओ स्पष्ट कहैत छथि जे हमर लेखनक मूल कविता अछि।
७२६. (B) कविताक संग। — स्रोतमे अपन गप कविताक संग प्रेषित करैमे नीक लगैत अछि।
७२७. (C) तार्किक परिणति तक। — स्रोतमे कविताक आरंभ कतहुँ हो, तार्किक परिणति तक पहुँचैत अछि कहल अछि।
७२८. (D) टर्न लऽ लैत अछि। — स्रोतमे लोक कहैत अछि जे हमर कविता आखिरमे टर्न लऽ लैत अछि।
७२९. (A) अलग-अलग गप। — स्रोतमे अलग-अलग पाठक अलग-अलग गप देखैत अछि कहल अछि।
७३०. (B) जीवकान्त कविता कें लेखनक मूल, गहन अभिव्यक्ति आ बहु-पाठ सम्भावनाक विधा मानैत छथि। — ई खण्ड हुनकर कविता-दृष्टि खोलैत अछि।
७३१. (C) जीवकान्त कहियो उपन्यास लिखताह। — स्रोतमे यात्रीजीक एहि कथनक उल्लेख अछि।
७३२. (D) लिखबाक आमंत्रण। — उत्तरमे मिथिला मिहिरसँ लिखबाक आमंत्रण आएल कहल गेल।
७३३. (A) चुनौतीक रूपमे। — स्रोतमे एकरा चुनौतीक रूपमे लेलहुँ कहल गेल।
७३४. (B) पटना। — स्रोतमे शिक्षक संघसँ जुड़ल रही ताहिसँ पटना जाइत रही कहल अछि।
७३५. (C) लोकसँ भेट आ प्रोत्साहन। — स्रोतमे पटनामे लोकसँ भेट आ प्रोत्साहनक उल्लेख अछि।
७३६. (D) तीनटा। — स्रोतमे तीनटा उपन्यास फरमाइशपर लिखलहुँ कहल अछि।
७३७. (A) धारावाहिक रूपमे। — स्रोतमे उपन्यास धारावाहिक रूपमे छपल कहल गेल।
७३८. (B) यात्रीजी, मिथिला मिहिर आ पटना-संपर्कसँ। — साक्षात्कारमे एहि तीनू प्रसंगक उल्लेख अछि।

७३९. (C) लेखनक मंच आ चुनौती। — आमंत्रणकें चुनौती मानि ओ लिखैत रहलाह।

७४०. (D) यात्रीजीक संकेत, मिथिला मिहिरक आमंत्रण आ पटना-संपर्क जीवकान्तक गद्य-लेखनकें गति देलक। — ई खण्ड प्रोत्साहन आ उपन्यासक आरम्भ समेटैत अछि।

७४१. (A) संदेहक दृष्टिसँ। — स्रोतमे पुरस्कारकें लोक संदेहक दृष्टिसँ देखैत अछि कहल गेल।

७४२. (B) नहि जनैत। — ओ कहैत छथि जे हम साहित्य अकादमीक पॉलिटिक्स नहि जनैत छी।

७४३. (C) गाममे रहैत छी। — स्रोतमे गाममे रहैत छी आ दोस्त नहि बनेलहुँक उल्लेख अछि।

७४४. (D) किछु अनुवाद। — स्रोतमे तखन हम किछु अनुवाद कएलहुँ कहल गेल।

७४५. (A) जीवकान्तक। — ओ कहैत छथि जे मैथिलीमे पहिल कहानी हमरे आएल।

७४६. (B) केदार कानन। — स्रोतमे एकटा अनुवाद केदार कानन केलथि कहल गेल।

७४७. (C) आदरसँ। — स्रोतमे हिंदी संपादक आ पत्रिका आदरसँ रचना छपैत रहए कहल अछि।

७४८. (D) कोलकाता, मुंबई आ दिल्ली। — स्रोतमे एहि तीन शहरक पत्रिकाक उल्लेख अछि।

७४९. (A) ओहि सभमे नहि पड़ैत छी। — स्रोतमे भऽ सकैत अछि पुरस्कार विलंबसँ भेटल, मुदा एहि सभमे हम नहि पड़ैत छी कहल गेल।

७५०. (B) जीवकान्त पुरस्कार-राजनीतिसँ दूर रहि अनुवाद, पत्रिका आ बहुभाषिक प्रकाशनद्वारा मैथिलीकें व्यापक मंच धरि लऽ गेलाह। — ई खण्ड पुरस्कार, पत्रिका आ अनुवादक प्रसंग जोड़ैत अछि।

७५१. (C) तकैत अछि चिड़ै। — स्रोतमे 2003 मे “तकैत अछि चिड़ै” कविता संग्रह छपल कहल गेल।

७५२. (D) २००३। — साक्षात्कारमे 2003 मे एहि संग्रहक प्रकाशनक उल्लेख अछि।

७५३. (A) तकैत अछि चिड़ै। — स्रोतमे एहि संग्रह पर साहित्य अकादमी पुरस्कार देलक कहल अछि।

७५४. (B) निशांतक चिड़िया। — स्रोतमे ओकर हिंदी अनुवाद “निशांतक चिड़िया” छपल कहल गेल।

७५५. (C) साहित्य अकादमी। — स्रोतमे एकरो साहित्य अकादमी छपलक कहल गेल।

७५६. (D) शोध। — स्रोतमे ढेरे विश्वविद्यालयमे शोध भऽ रहल अछि कहल गेल।

७५७. (A) प्रशंसा। — साक्षात्कारमे प्रखर आलोचक लेखनक प्रशंसा कए रहल अछि कहल अछि।

७५८. (B) काव्य-स्वीकृति आ संस्थागत मान्यता। — पुरस्कार, अनुवाद आ शोध एहि स्वीकृतिक संकेत अछि।

७५९. (C) मैथिली कविताक भाषापर पहुँच। — मैथिली संग्रहक हिंदी अनुवाद व्यापक पाठक धरि पहुँच देखबैत अछि।

७६०. (D) “तकैत अछि चिड़ै” जीवकान्तक काव्य-स्वीकृति, पुरस्कार, अनुवाद आ अकादमिक रुचिक केन्द्र बनल। — ई खण्ड संग्रह आ ओकर स्वीकार्यता समेटैत अछि।

७६१. (A) ओते प्रोफेशनल नहि। — स्रोतमे समीक्षक तौर पर हम ओते प्रोफेशनल नहि छी कहल अछि।

७६२. (B) छोट-छोट टिप्पणी। — उत्तरमे नव पोथी पढ़लाक बाद छोट-छोट टिप्पणी करैत छी कहल अछि।

७६३. (C) ६०-७० टा। — स्रोतमे पूरे ४० सालमे ६०-७० टा पोथीपर टिप्पणीक उल्लेख अछि।

७६४. (D) हास-परिहास आ चर्चा। — स्रोतमे मन बहलबैत छी, हास-परिहास आ चर्चा करैत छी कहल अछि।

७६५. (A) तेजीसँ। — स्रोतमे एखन नवलेखक तेजीसँ आबि रहल अछि कहल गेल।

७६६. (B) देहातसँ। — स्रोतमे देहातसँ सेहो लेखक आबि रहल अछि।

७६७. (C) अद्भुत लेखक। — स्रोतमे बीच वाला पीढ़ीमे अद्भुत लेखक भेल कहल अछि।

७६८. (D) लोक-विवशता आ निर्धनता। — स्रोतमे ई दुनू लोक विवशता, निर्धनताक विलक्षण चित्रण करैत छथि।

७६९. (A) गंभीर। — स्रोतमे मैथिली कविता सेहो गंभीर भऽ रहल अछि कहल गेल।

७७०. (B) जीवकान्त समीक्षा कें अनौपचारिक टिप्पणीक रूपमे करैत छथि आ नव लेखक/नव कविता मे गंभीरता देखैत छथि। — ई खण्ड समीक्षा-प्रवृत्ति आ नवलेखनक मूल्यांकन करैत अछि।

७७१. (C) यूरोपसँ। — स्रोतमे समीक्षा यूरोपसँ आएल अछि कहल गेल।

७७२. (D) अन्वेषण आ समुचित परिप्रेक्ष्य। — स्रोतमे यूरोपमे अन्वेषणक संग समुचित परिप्रेक्ष्यमे समीक्षा कहल अछि।
७७३. (A) पिछड़ल। — स्रोतमे हिन्दुस्तान एहि विधामे पिछड़ल अछि कहल गेल।
७७४. (B) नीक समीक्षा नहि भऽ रहल अछि। — स्रोतमे हिंदी भाषामे सेहो नीक समीक्षा नहि भऽ रहल अछि कहल अछि।
७७५. (C) समीक्षा नहि, भाषण दैत छथि। — स्रोतमे नामवर सिंह समीक्षा नहि कऽ भाषण दैत छथि टिप्पणी अछि।
७७६. (D) तटस्थ मूल्यांकनक कमी। — स्रोतमे तटस्थ भऽ कऽ मूल्यांकन नहि भऽ रहल अछि कहल गेल।
७७७. (A) नीक लेखक दबा देल जाइत अछि, अयोग्यकें कन्हापर बैसा देल जाइत अछि। — स्रोतमे एहि प्रकारक तीक्ष्ण टिप्पणी अछि।
७७८. (B) नीक समीक्षा नहि भेल। — स्रोतमे विद्यापतिपर आइ धरि कियो मैथिलीमे नीक समीक्षा नहि केलक कहल अछि।
७७९. (C) विधा-योग्य साधन आ दक्षताक आवश्यकता। — ई रूपक बतबैत अछि जे समीक्षा लेल सही बौद्धिक औजार चाही।
७८०. (D) जीवकान्त मैथिली-हिन्दी समीक्षा मे तटस्थता, परिप्रेक्ष्य आ बौद्धिक औजारक गंभीर कमी देखैत छथि। — ई खण्ड समीक्षा-विमर्शक कठोर आलोचना प्रस्तुत करैत अछि।
७८१. (A) अपन अनुभव। — स्रोतमे सभ लोकक अपन अनुभव होइत अछि कहल गेल।
७८२. (B) शास्त्र। — उत्तरमे ओकरे ठीक-ठाक कए लेखक शास्त्र बना दैत अछि कहल अछि।
७८३. (C) पुनर्जीवित। — स्रोतमे सभटा लेखक अपन अनुभवकें पुनर्जीवित करैत अछि।
७८४. (D) शिक्षक स्तर बढ़ासँ। — स्रोतमे जहिना-जहिना शिक्षक स्तर बढ़त, तहिना मैथिली प्रचार-प्रसार बढ़त कहल अछि।
७८५. (A) शिक्षकक कमी। — स्रोतमे मिथिलामे शिक्षकक कमी अछि कहल गेल।
७८६. (B) एखनो बेसी नहि अछि। — स्रोतमे स्त्री शिक्षा एखनो बेसी नहि अछि कहल अछि।
७८७. (C) आर्थिक स्थिति नीक होएत। — स्रोतमे साक्षरता बढ़त तँ आर्थिक स्थिति नीक होएत कहल अछि।
७८८. (D) इंटरनेटपर। — स्रोतमे इंटरनेटपर मैथिली बढ़ि रहल अछि कहल गेल।
७८९. (A) गौरीनाथ आ कोलकाताक स्वस्ति फाउंडेशन। — स्रोतमे गौरीनाथ आ स्वस्ति फाउंडेशनक उल्लेख अछि।
७९०. (B) जीवकान्त अनुभव, शिक्षक-स्तर, साक्षरता, स्त्री-शिक्षा आ इंटरनेटकें मैथिली विकाससँ जोड़ैत छथि। — ई खण्ड प्रचार-प्रसारक सामाजिक आधार बतबैत अछि।
७९१. (C) सुरक्षा आ सड़क। — स्रोतमे जनताकें सुरक्षा चाही, सड़क चाही कहल गेल।
७९२. (D) त्रुटि सेहो भेटल। — स्रोतमे आजादी भेटल, त्रुटि सेहो भेटल कहल गेल।
७९३. (A) कमजोर लोकक। — स्रोतमे कमजोर लोकक संग दुर्व्यवहार भऽ रहल अछि।
७९४. (B) अन्यायक खिलाफ आवाज उठएबाक। — स्रोतमे अन्यायक खिलाफ आवाज उठबैत हमर मनोदशा अछि कहल अछि।
७९५. (C) किरणजीसँ। — स्रोतमे १९७० ई. मे कोलकातामे किरणजीसँ भेटक उल्लेख अछि।
७९६. (D) सत्ता विरोधी अछि। — स्रोतमे किरणजी कहलथि जे हमर स्टैंड सत्ता विरोधी अछि।
७९७. (A) हुनकर गप ठीक छल। — स्रोतमे हुनकर गप ठीक छल कहल अछि।
७९८. (B) कमजोर लोक आ अन्याय-विरोधसँ। — साक्षात्कारमे कमजोर लोकक दुर्व्यवहार आ अन्यायक विरोध मुख्य कारण अछि।
७९९. (C) न्यायमुखी चेतना। — अन्यायक खिलाफ आवाज उठाएब रचनात्मक नैतिकता देखबैत अछि।
८००. (D) जीवकान्तक विद्रोही प्रवृत्ति सत्ता-विरोध नहि मात्र, कमजोर लोकक पक्ष आ अन्याय-विरोधक साहित्यिक नैतिकता अछि। — ई खण्ड रचनात्मक विद्रोहक आधार खोलैत अछि।
८०१. (A) छल। — स्रोतमे मार्क्सवादक पहिने सेहो गरीबी छल कहल गेल।
८०२. (B) विद्यापति। — स्रोतमे विद्यापति अपन कवितामे गरीबीक व्यापक वर्णन कएने छथि कहल गेल।
८०३. (C) कखन हरब दुख मोर। — स्रोतमे “कखन हरब दुख मोर” गीतक उल्लेख अछि।
८०४. (D) हँ, प्रभावित मानैत छथि। — स्रोतमे हम सेहो मार्क्सवादसँ प्रभावित छी कहल गेल।

८०५. (A) लोहियासँ। — स्रोतमे लोहियासँ सेहो प्रभावित छी कहल अछि।
८०६. (B) बराबरी आ समानता। — स्रोतमे बराबरी आ समानताक विचारकेँ प्रमुखता दैत छी कहल गेल।
८०७. (C) दीक्षा। — स्रोतमे एकरा लेल दीक्षा नहि लेलहुँ कहल गेल।
८०८. (D) लिखल जाइत रहल अछि। — स्रोतमे गरीबीक खिलाफ गरीबक पक्षमे सभ दिन लिखल जाइत रहल अछि।
८०९. (A) समानता आ गरीबक पक्ष। — उत्तर सभमे गरीबी, बराबरी, समानता आ गरीबक पक्ष प्रमुख अछि।
८१०. (B) जीवकान्त मार्क्सवादकेँ गरीबी-विमर्श, बराबरी, समानता आ लोहियावादी प्रभावक संग पढ़ैत छथि। — ई खण्ड विचारधारा आ सामाजिक न्यायक सम्बन्ध देखबैत अछि।
८११. (C) हिंसाक पक्षमे। — स्रोतमे मार्क्सवाद उत्तम विचार छी, मुदा हिंसाक पक्षमे बेसी अछि कहल गेल।
८१२. (D) कम। — स्रोतमे भारतीय राजनीति आ संस्कृतिमे मार्क्सवादक संभावना कम अछि।
८१३. (A) समाजवाद। — मार्क्सवादक कम संभावना कारण एतए समाजवाद प्रबल भेल कहल अछि।
८१४. (B) सर्वे भवन्तु सुखिनः। — स्रोतमे भारतीय संस्कृति “सर्वे भवन्तु सुखिनः” पर आधारित कहल गेल।
८१५. (C) गांधी। — स्रोतमे एतए गांधी प्रासंगिक छथि कहल गेल।
८१६. (D) अपन रास्तासँ भटकैत अछि। — स्रोतमे मार्क्सवाद बारंबार अपन रास्तासँ भटकैत अछि।
८१७. (A) कठिन। — स्रोतमे मार्क्सवादक नीतिकेँ जमीनपर उतारब कठिन अछि।
८१८. (B) राष्ट्रवादक। — स्रोतमे रूसक जमीनपर उतरल मार्क्सवाद राष्ट्रवादक प्रबल समर्थक बनि गेल कहल अछि।
८१९. (C) समर्थक-आलोचकक विवेकपूर्ण स्थिति। — ओ प्रभाव स्वीकार करैत छथि मुदा हिंसा आ व्यवहारिक सीमाक आलोचना करैत छथि।
८२०. (D) जीवकान्त मार्क्सवादक समानतामूल्य स्वीकार करैत, हिंसा आ भारतीय परिस्थिति मे ओकर सीमाकेँ गांधी-संस्कृति संदर्भमे देखैत छथि। — ई खण्ड मार्क्सवादक समालोचनात्मक विवेचन अछि।
८२१. (A) अछूत भऽ गेलहुँ। — स्रोतमे “सुमन” जीक बड़ाइ लिखलहुँ तँ हम अछूत भऽ गेलहुँ कहल अछि।
८२२. (B) अध्यात्मपर लिखल। — स्रोतमे हुनकर अध्यात्मपर लिखल अद्भुत अछि कहल गेल।
८२३. (C) संस्कृतमे। — स्रोतमे संस्कृतमे लिखलन्हि कहल अछि।
८२४. (D) संस्कृति आ मूल्यक। — स्रोतमे ओ संस्कृति आ मूल्यक विषयक ध्वजवाहक छलाह कहल गेल।
८२५. (A) उत्कृष्टता तक। — स्रोतमे ओ मैथिली कविताकेँ उत्कृष्टता तक लऽ गेलथि।
८२६. (B) वेद-पुराण। — स्रोतमे मार्क्सवादी भऽ जाइ तकर माने वेद-पुराण बिसरि जाइ नहि कहल गेल।
८२७. (C) फरमाइशी लेख। — स्रोतमे अभिनंदन ग्रंथ लेल फरमाइशी लेख लिखाओल गेल छल।
८२८. (D) काव्य आ आध्यात्म। — स्रोतमे हम हुनकर काव्य आ आध्यात्मपर लिखलहुँ कहल अछि।
८२९. (A) मार्क्सवादक संग सांस्कृतिक स्मृतिक स्वीकृति। — ओ मार्क्सवादी भएओ वेद-पुराण आ मूल्य-संस्कृति नहि बिसरबाक बात करैत छथि।
८३०. (B) जीवकान्त सुमनजीक काव्य-अध्यात्मकेँ मान दैत मार्क्सवाद आ सांस्कृतिक परम्परा बीच संवाद स्थापित करैत छथि। — ई खण्ड वैचारिक उदारता आ मूल्य-स्मृति पर केन्द्रित अछि।
८३१. (C) अपन विषय। — स्रोतमे पाँच साल बाद हम अपन विषय परिवर्तन केलहुँ कहल गेल।
८३२. (D) परिवर्तन। — स्रोतमे हर क्षेत्रमे अपनेकेँ परिवर्तन करबाक चाही कहल गेल।
८३३. (A) कालजयी। — स्रोतमे जे परिवर्तनक समर्थक होएत ओ कालजयी होएत कहल अछि।
८३४. (B) पंजाब आ बंगालसँ। — स्रोतमे असहमतिक कविता पंजाब आ बंगालसँ आएल।
८३५. (C) सुभाष मुखोपाध्याय। — स्रोतमे बंगालमे सुभाष मुखोपाध्यायक उल्लेख अछि।
८३६. (D) सभ दिन बदलैत। — स्रोतमे कविताक विषय सभ दिन बदलैत रहैत अछि।
८३७. (A) शृंगार आ भक्ति। — स्रोतमे विद्यापति शृंगार आ भक्तिकेँ लऽ कए लिखलथि।

८३८. (B) ई मनुष्यकेँ बर्बाद कऽ रहल अछि। — स्रोतमे देशप्रेमक गपमे मनुष्यक बरबादी देखल गेल कहल अछि।
८३९. (C) आदमी, मित्रता, सुख-दुख। — स्रोतमे आदमी, मित्रता, सुख-दुख कविताक विषय रहैत अछि।
८४०. (D) जीवकान्त कविता मे परिवर्तन, विषय-विस्तार आ समयानुसार रूप-बदलावकेँ कालजयी सृजनक शर्त मानैत छथि। — ई खण्ड कविताक गतिशीलता पर आधारित अछि।
८४१. (A) पैरवी-पैगाम आ गुटबाजी। — स्रोतमे पैरवी-पैगाम आ गुटबाजी होइत अछि कहल गेल।
८४२. (B) सिद्धांतवादी। — स्रोतमे अपन गाम आ समाज सिद्धांतवादी नहि अछि कहल गेल।
८४३. (C) जवाहरवादी। — स्रोतमे जवाहरवादी अछि ताहिसँ तुरंत झुकि जाइत अछि कहल गेल।
८४४. (D) क्वालिटीसँ। — स्रोतमे क्वालिटीसँ समझौता भऽ जाइत अछि कहल गेल।
८४५. (A) अपवित्र। — स्रोतमे नीक लोकक नाम लेबासँ लोक अपवित्र भऽ जाइत अछि कहल अछि।
८४६. (B) गुणवत्ता पर गुटबाजी भारी पड़ब। — पैरवी, गुटबाजी आ क्वालिटी-संझौता मुख्य आलोचना अछि।
८४७. (C) रचनात्मक मूल्यांकन प्रभावित करैत अछि। — गुटबाजी आ गुणवत्ता-संझौता साहित्यिक स्वीकृति पर असर करैत अछि।
८४८. (D) कटु मुदा आत्मालोचनात्मक। — ओ अपन समाजक कमजोरी खुलिकऽ कहैत छथि।
८४९. (A) न्यायपूर्ण मूल्यांकन। — गुटबाजी तटस्थता आ गुणवत्ता दुनूकेँ प्रभावित करैत अछि।
८५०. (B) जीवकान्त मैथिली समाजमे पैरवी, गुटबाजी आ गुणवत्ता-संझौता केँ साहित्यिक-सामाजिक संकट रूपमे देखैत छथि। — ई खण्ड समाज-आलोचना समेटैत अछि।
८५१. (C) गुरुजी। — स्रोतमे हम गुरुजी रही, साइंस टीचर रही कहल गेल।
८५२. (D) शिष्य बनबे करत। — स्रोतमे शिष्य तँ बनबे करत कहल अछि।
८५३. (A) अपन प्रभाव। — स्रोतमे सभ आदमी अपन प्रभाव छोड़ैत अछि।
८५४. (B) कुणाल, प्रदीप बिहारी आदि। — स्रोतमे कुणाल, प्रदीप बिहारी आदि नाम अछि।
८५५. (C) मिथिला मिहिरमे। — स्रोतमे तारानंद वियोगी मासमे दूटा कविता मिथिला मिहिरमे पढ़ैत रहबाक बात अछि।
८५६. (D) यात्रीजी आ विद्यापतिक। — स्रोतमे हम यात्रीजी आ विद्यापतिक चेला छी कहल गेल।
८५७. (A) कमांडो, पुरस्कार-पैरवीकार वा दलाल। — स्रोतमे कमांडो नहि, पुरस्कार लेल पैरवीकार नहि, दलाल नहि कहल अछि।
८५८. (B) हमर की गलती? — स्रोतमे एहि प्रश्नाकुल उत्तरक उल्लेख अछि।
८५९. (C) स्वाभाविक साहित्यिक प्रेरणा रूपमे। — ओ प्रभावकेँ भीड़ वा पैरवी नहि, रचनात्मक प्रेरणा मानैत छथि।
८६०. (D) जीवकान्त चेला-विवादकेँ रचनात्मक प्रभाव आ शिक्षक-संबंधक स्वाभाविक परिणाम मानि पैरवी-संस्कृतिकेँ अस्वीकार करैत छथि। — ई खण्ड प्रभाव, शिष्यत्व आ नैतिक सीमाक विवेचन अछि।
८६१. (A) गामक कविता, कविताक गाम। — स्रोतमे विवेकानंद ठाकुरक कविता संग्रह “गामक कविता, कविताक गाम” पर समीक्षा कहल गेल।
८६२. (B) सभटा समकालीन संभावनाकेँ खारिज करैत अछि। — स्रोतमे एहि वाक्यक उल्लेख अछि।
८६३. (C) गौरीनाथकेँ। — स्रोतमे हम गौरीनाथकेँ एकटा पत्र पठेने छलहुँ कहल अछि।
८६४. (D) आओरो लोककेँ। — स्रोतमे संगे-संग पत्रक फोटोस्टेट कॉपी आओरो लोककेँ पठेने छलहुँ।
८६५. (A) संभव नहि। — स्रोतमे एकहि रचनासँ सभटा कविता खारिज भऽ जाए, एहन संभव नहि अछि।
८६६. (B) कोनो पत्रिकामे नहि। — स्रोतमे हमर विरोधक पत्र कोनो पत्रिकामे नहि आएल कहल अछि।
८६७. (C) मुद्दा। — स्रोतमे मुद्दा गौरीनाथ एकरा मुद्दा बना देलन्हि कहल अछि।
८६८. (D) गदगदी समीक्षा। — विनीत उत्पलक टिप्पणीमे गदगदी समीक्षा शब्द अछि।
८६९. (A) दारू, पैसा आ मूर्खता पी कऽ विषवमन करैत अछि। — स्रोतक शीर्षक आ उत्तरमे ई कठोर टिप्पणी अछि।
८७०. (B) जीवकान्त समीक्षा-विवादमे एकपक्षीय खारिजकरण, गदगदी समीक्षा आ आलोचनात्मक अनैतिकताक कड़ा विरोध करैत छथि। — ई खण्ड समीक्षा विवादक तीक्ष्ण पक्ष समेटैत अछि।

८७१. (C) मायानंद मिश्र। — प्रश्नमे मायानंद मिश्रक “मंत्रपुत्र” प्रसंग उठाओल गेल।
८७२. (D) ओ जरूर सोचने हेताह। — स्रोतमे किछु जरूर सोचने हेताह, सोचिए कऽ लेने हेताह कहल गेल।
८७३. (A) ईमानदार। — स्रोतमे लोककेँ सभ ठाम ईमानदार हेबाक चाही कहल अछि।
८७४. (B) पंजरि प्रेम प्रकासिया। — स्रोतमे “पंजरि प्रेम प्रकासिया” मे हम खूब ईमानदारीसँ लिखने छी कहल अछि।
८७५. (C) बदनाम। — स्रोतमे जे लेखक जीवनक सत्य लिखलक ओ अपन धरतीपर बदनाम भऽ गेल।
८७६. (D) राजकमल चौधरी। — स्रोतमे राजकमल चौधरी साहित्यमे समाजक सत्य लिखलक कहल अछि।
८७७. (A) प्रकाशक आ सर्कुलेशन। — स्रोतमे पब्लिशर्स आ सर्कुलेशनक मामलामे समर्पित लोकक जरूरत कहल अछि।
८७८. (B) गीता प्रेस। — स्रोतमे गीता प्रेसक पोथी सभ ठाम बिकाइत अछि।
८७९. (C) खैरातमे। — स्रोतमे लोक-वेद खैरातमे पोथी लएले चाहैत अछि कहल अछि।
८८०. (D) जीवकान्त लेखकीय ईमानदारी, समाज-सत्यक जोखिम आ मैथिली पोथीक प्रकाशन-सर्कुलेशन संकटकें एकसंग देखैत छथि। — ई अन्तिम खण्ड नैतिकता आ पोथी-प्रसारक प्रश्न समेटैत अछि।
८८१. (A) गजेन्द्र ठाकुर। — शीर्षकमे “राजमोहन झासँ गजेन्द्र ठाकुरक साक्षात्कार” स्पष्ट अछि।
८८२. (B) मैथिलीकेँ जन-सामान्यसँ दूर प्रदर्शनक वस्तु बनाओल गेल। — स्रोतमे साहित्यकार सभ मैथिलीकेँ प्रदर्शनक वस्तु बना देलखिन्ह कहल गेल।
८८३. (C) साहित्यकारकेँ दोषी कोना कहब, से प्रश्न करैत छथि। — ओ पूछैत छथि जे एहि लेल साहित्यकारकेँ कोना दोषी कहैत छी।
८८४. (D) गोष्ठी आ कवि-सम्मेलन धरि। — स्रोतमे अपन लिखलथि आ गोष्ठी-कवि सम्मेलन धरि सीमित रहलाह कहल अछि।
८८५. (A) गाम-घर। — स्रोतमे गाम-घर छोड़ि देलन्हिक स्पष्ट उल्लेख अछि।
८८६. (B) फैशन जेकाँ। — प्रश्नमे फैशन जेकाँ साहित्य लिखल, पढ़ल आ सुनल गेल कहल अछि।
८८७. (C) नहि करथि। — ओ कहैत छथि जे पहिनुका साहित्यकार तँ एना नहि करथि।
८८८. (D) साहित्य आ समाजक बीच बढ़ैत दूरी। — दुनू पक्षक प्रश्न-उत्तर मैथिली साहित्यक जनसँ दूरी पर केन्द्रित अछि।
८८९. (A) दूर रहल। — स्रोतमे साहित्यकार समाज आ राजनीतिसँ दूर रहलाह कहल अछि।
८९०. (B) साक्षात्कारक आरम्भ मैथिली साहित्यक जन-विमुखता, गोष्ठी-केन्द्रितता आ समाजसँ दूरीक प्रश्नसँ होइत अछि। — ई खण्ड साहित्य आ जन-सामान्यक सम्बन्ध पर आरम्भिक बहस अछि।
८९१. (C) हरिमोहन झाक। — स्रोतमे एकटा हरिमोहन झाकेँ छोड़ि गाममे लोक दोसरक रचना नहि पढ़ने-सुनने छथि कहल अछि।
८९२. (D) गाम-गाम जाइत छल, बादमे बन्द भऽ गेल। — स्रोतमे मिथिला मिहिर गाम-गाम जाइत छलै, बन्द भऽ गेलै कहल अछि।
८९३. (A) नहि। — गजेन्द्र ठाकुर एहि बातक स्पष्ट उल्लेख करैत छथि।
८९४. (B) रहस्य जेकाँ। — स्रोतमे ई एकटा रहस्य जेकाँ छैक कहल गेल।
८९५. (C) ओ सम्पूर्ण समाज नहि, एक विशेष वर्ग चित्रित केलन्हि। — राजमोहन झा दलित समाज वंचित रहबाक प्रसंग संग ई आलोचना कहैत छथि।
८९६. (D) पाठक-वर्ग। — स्रोतमे कहल अछि जे हुनके साहित्यसँ पाठक वर्ग तैयार भेल।
८९७. (A) नहि। — राजमोहन झा कहैत छथि जे तैयार समाधान नहि भेटल अछि।
८९८. (B) दोसर साहित्यकार हरिमोहन झा जेकाँ लोकधरि किएक नहि पहुँचलाह। — गजेन्द्र ठाकुरक प्रश्नक केन्द्र ई तुलना अछि।
८९९. (C) पाठक वर्गक अस्तित्वमे आएब। — ओ हरिमोहन झाक साहित्यकेँ पाठक-वर्ग निर्माणसँ जोड़ैत छथि।
९००. (D) हरिमोहन झाक लोकप्रियता मैथिलीमे पाठक-वर्ग निर्माणक महत्त्वपूर्ण उदाहरण बनैत अछि, मुदा ओकर सीमा आ कारण दूनू बहसक विषय रहैत अछि। — ई खण्ड लोकप्रियता, पाठक आ समाज-चित्रणक प्रश्न समेटैत अछि।
९०१. (A) साहित्य उद्देश्यपूर्ण होएबाक चाही वा मात्र मनोरंजन। — स्रोतमे ई प्रश्न सीधा उठाओल गेल अछि।
९०२. (B) रहबाक चाही। — ओ कहैत छथि जे मनोरंजन तँ रहबाके चाही, नहि तँ कियो पढ़बे नहि करत।
९०३. (C) मात्र मनोरंजन। — स्रोतमे अन्तिम उद्देश्य मनोरंजन नहि होएबाक चाही कहल अछि।

१०४. (D) विभिन्न स्तरक। — राजमोहन झा कहैत छथि जे विभिन्न स्तरक लोक लेल विभिन्न स्तरक साहित्य चाही।
१०५. (A) लोकक आवश्यकता। — स्रोतमे जकर जे आवश्यकता छै तकर पूर्ति होएबाक चाही कहल अछि।
१०६. (B) मनोरंजन आ उद्देश्य दून। — मनोरंजन आवश्यक अछि, मुदा अन्तिम लक्ष्य मात्र ओ नहि।
१०७. (C) स्वयं-विश्लेषण। — ओ “सेल्फ एनालाइज” करबाक बात कहैत छथि; अर्थ स्वयं-विश्लेषण अछि।
१०८. (D) मनोरंजनक तत्व। — ओ कहैत छथि जे मनोरंजन नहि रहत तँ कियो पढ़बे नहि करत।
१०९. (A) पाठकसँ दूरी कम करबाक संकट। — जन-सामान्य धरि पहुँचल साहित्यमे मनोरंजन आ उद्देश्यक संतुलन जरूरी अछि।
११०. (B) राजमोहन झा साहित्यकेँ मनोरंजक होएबाक संग लोकक आवश्यकता पूर्ति करनिहार उद्देश्यपूर्ण विधा मानैत छथि। — ई खण्ड साहित्यक लक्ष्य पर केन्द्रित अछि।
१११. (C) मैथिली भाषा मरि रहल अछि। — स्रोतमे “मैथिली भाषा मरि रहल अछि” कथन उठाओल गेल अछि।
११२. (D) नीक चीज। — ओ कहैत छथि जे माइग्रेसन नीक चीज छियैक।
११३. (A) भाषा-संरक्षणक संकट। — प्रश्नमे माइग्रेसन आ भाषा-त्यागक सम्बन्ध रखल गेल अछि।
११४. (B) अंग्रेजी। — स्रोतमे भारतसँ बाहर जे जाइत छथि हुनकर भाषा अंग्रेजी कहल गेल।
११५. (C) हिन्दी। — स्रोतमे अदहा गोटे हिन्दी बाजए लगैत छथि कहल अछि।
११६. (D) भाषा प्रेम। — स्रोतमे लोकमे भाषा प्रेम घटल अछि कहल अछि।
११७. (A) मैथिली। — ओ स्पष्ट कहैत छथि जे लोक मैथिली छोड़ि रहल अछि।
११८. (B) हिन्दी-विरोधक कारण। — स्रोतमे नेपालमे हिन्दी विरोधक कारण अप्रत्यक्ष रूपसँ मैथिलीकेँ लाभ कहल गेल।
११९. (C) खराब। — स्रोतमे भारतमे स्थिति खराब छै कहल अछि।
१२०. (D) माइग्रेसन, अंग्रेजी-हिन्दीक दबाव आ घटैत भाषा-प्रेम मैथिलीक जन-आधार पर संकट बनि रहल अछि, यद्यपि नेपालक स्थिति अलग संकेत दैत अछि। — ई खण्ड भाषा-संकट आ प्रवासक सम्बन्ध देखबैत अछि।
१२१. (A) समर्पण। — स्रोतमे पहिलुका लोक जेना समर्पण आब लोकमे नहि छै कहल गेल।
१२२. (B) भाषा-संकट गंभीर अछि। — उक्त संदर्भमे ओ भारतक मैथिली भाषी प्रदेशमे भाषा-त्यागक बात सत्य मानैत छथि।
१२३. (C) हिन्दी-विरोधसँ। — स्रोतमे नेपालमे हिन्दी विरोधक कारण मैथिलीकेँ लाभ कहल अछि।
१२४. (D) मैथिली भाषाक स्थिति। — पूर्व-प्रश्न भाषा आ मैथिली छोड़बाक विषयक अछि।
१२५. (A) लोक मैथिली छोड़ए लगैत अछि। — राजमोहन झा भाषा-प्रेम घटब आ मैथिली छोड़बाक बात संग-संग कहैत छथि।
१२६. (B) पहिने समर्पण बेसी, आब कम। — स्रोतमे पहिलुका समर्पण आ आबक कमीक तुलना अछि।
१२७. (C) राजनीतिक-सामाजिक परिस्थिति भाषाक स्थिति बदलैत अछि। — नेपालमे हिन्दी विरोधक अप्रत्यक्ष लाभ आ भारतमे खराब स्थिति एहि भिन्नता देखबैत अछि।
१२८. (D) चिन्तित। — प्रश्न-उत्तर दुनू मैथिली छोड़बाक प्रवृत्ति पर चिन्ता व्यक्त करैत अछि।
१२९. (A) भाषा-रक्षा केर सामाजिक आधार। — भाषा प्रेम घटिते लोक मैथिली छोड़ि रहल अछि।
१३०. (B) राजमोहन झा भारतमे मैथिलीक खराब स्थिति, घटैत भाषा-प्रेम आ पहिलुक समर्पणक कमी पर चिन्ता व्यक्त करैत छथि। — ई खण्ड भाषा-प्रेम आ क्षेत्रीय परिस्थिति पर केन्द्रित अछि।
१३१. (C) बबुआ जी झा “अज्ञात”। — स्रोतमे बबुआ जी झा “अज्ञात”केँ साहित्य अकादमी पुरस्कार देबाक प्रसंग अछि।
१३२. (D) नहि। — ओ कहैत छथि जे हम विरोध नहि कएने रहियन्हि।
१३३. (A) दिल्लीमे आन-आन सभ। — स्रोतमे दिल्लीमे आन-आन सभ कएने रहथि कहल गेल।
१३४. (B) आरम्भ। — गजेन्द्र ठाकुर आरम्भक तीसम अंकमे सामूहिक वक्तव्यक उल्लेख करैत छथि।
१३५. (C) “प्रतिज्ञा पाण्डव”। — स्रोतमे बबुआजी झा “अज्ञात”क “प्रतिज्ञा पाण्डव”क उल्लेख अछि।
१३६. (D) सुरेश्वर झा। — स्रोतमे अनुवाद पुरस्कार सुरेश्वर झाकेँ देल जएबाक विरोध कहल अछि।

१३७. (A) स्थगित। — ओ कहैत छथि जे आरम्भ बन्द नहि भेल अछि, स्थगित अछि।
१३८. (B) विरोधक आधार आ चयन-न्याय। — बात पुरस्कार, विरोध, वक्तव्य आ चयनपर केन्द्रित अछि।
१३९. (C) मैथिली साहित्यिक जगतमे सार्वजनिक विवाद। — स्रोतमे पुरस्कार-विरोधक सामूहिक वक्तव्यक उल्लेख अछि।
१४०. (D) बबुआ जी झा “अज्ञात” आ सुरेश्वर झा सम्बन्धी पुरस्कार-विवाद मैथिली साहित्यिक संसारमे चयन, विरोध आ पत्रिका-आधारित हस्तक्षेपक प्रश्न खोलैत अछि। — ई खण्ड पुरस्कार-विवादक मूल सन्दर्भ दैत अछि।
१४१. (A) “बीछल बेराएल मराठी”। — स्रोतमे एहि कृतिकेँ मूलभाषासँ सोझे अनूदित कहल अछि।
१४२. (B) “बिहाड़ि आउ”। — स्रोतमे “बिहाड़ि आउ” बंगला सँ मैथिली अनुवाद कहल गेल।
१४३. (C) पाठक-शून्यता, साहित्यक जनसँ दूरी, भाषाक मृत होएबाक खतरा। — स्रोतमे ई तीनू समस्या एकसाथ उठाओल गेल अछि।
१४४. (D) विरोध होइत अछि, मुदा लोक परवाह नहि करैत छथि। — स्रोतमे राजमोहन झाक ई उत्तर अछि।
१४५. (A) “ओ लोकनि जे नहि घुरलाह”। — स्रोतमे ई नाम मेनका मल्लिक द्वारा अनुवादित कहल गेल।
१४६. (B) मेनका मल्लिक। — स्रोतमे मेनका मल्लिक द्वारा अनुवादक उल्लेख अछि।
१४७. (C) “अक्षर आर्कषट्ठा”। — स्रोतमे एहि नामसँ अनुवाद प्रदीप बिहारी द्वारा कहल गेल।
१४८. (D) प्रदीप बिहारी। — स्रोतमे प्रदीप बिहारीक नाम अछि।
१४९. (A) अनन्त बिहारी लाल दास “इन्दु”। — स्रोतमे अनन्त बिहारी लाल दास “इन्दु” केँ अनुवाद पुरस्कार देबाक प्रशंसा होएबाक चाही कहल गेल।
१५०. (B) अनुवाद पुरस्कारक बहसमे सीधा अनुवाद, जूरीक पढ़ाइ, चयन-निरन्तरता आ मैथिली पाठक-संकट एकसंग उठैत अछि। — ई खण्ड अनुवाद आ चयन प्रक्रियाक प्रश्न समेटैत अछि।
१५१. (C) पुरने लोक सभ। — स्रोतमे जूरीमे सभटा पुरने लोक सभ छथि कहल गेल।
१५२. (D) पहिल कथा, पहिल कविता, पहिल नाटक, पहिल पत्र-पत्रिका आदि। — स्रोतमे एहि उपाधि सभ लेल घमासानक बात अछि।
१५३. (A) गुटबन्दी। — स्रोतमे आइ काल्हिक साहित्यकारमे गुटबन्दी बेशी भेल अछि कहल गेल।
१५४. (B) नहि। — ओ कहैत छथि पहिने नहि रहए।
१५५. (C) जीन मेरी गुस्ताव ली क्लाजियो। — स्रोतमे ई नाम नोबल पुरस्कारसँ जोडल गेल अछि।
१५६. (D) अमेरिकाक न्यू जर्सीक। — स्रोतमे मेरिकाक न्यू जर्सीक फिलिप रॉथ कहल गेल।
१५७. (A) अनुवादपर ध्यान नहि देल जाइत अछि। — स्रोतमे आत्ममुग्धताक कारण अनुवादपर ध्यान नहि देल जाइत अछि कहल गेल।
१५८. (B) बहुत जरूरी। — ओ कहैत छथि ट्रांसलेशन तँ बहुत जरूरी छैक।
१५९. (C) तुलना करब आ जीवनानुभवकेँ विस्तार देब। — स्रोतमे तुलना आ विस्तार दूनू बात अछि।
१६०. (D) जूरीक पुरानपन, साहित्यिक गुटबन्दी आ अनुवादक उपेक्षा मैथिली साहित्यक तुलनात्मक विस्तारमे बाधा रूपमे देखाओल गेल अछि। — ई खण्ड गुटबन्दी आ अनुवादक महत्त्व पर केन्द्रित अछि।
१६१. (A) १९२८। — स्रोतमे रामाश्रय झा “रामरंग” (१९२८-) कहल गेल।
१६२. (B) विद्वान, वागयकार, शिक्षक आ मंच सम्पादक। — स्रोतमे हुनकर चारि परिचय देल गेल अछि।
१६३. (C) गजेन्द्र ठाकुर। — शीर्षकमे रामरंगजी सँ गजेन्द्र ठाकुरक गप-शप अछि।
१६४. (D) ६ जुलाई २००८। — स्रोतमे कोष्ठकमे ६ जुलाई २००८ देल अछि।
१६५. (A) गोर लगैत छी। — स्रोतमे आरम्भ “गोर लगैत छी”सँ होइत अछि।
१६६. (B) ८० बरख पार केलहुँ। — स्रोतमे रामरंगक उत्तर अछि: ८० बरख पार केलहुँ।
१६७. (C) संगीतमे बहटरल रहैत छी। — ओ स्वास्थ्यक उत्तरमे संगीतमे बहटरल रहबाक बात कहैत छथि।
१६८. (D) संगीतक अपन फराक भाषा होइत अछि। — स्रोतमे संगीतक तँ अपन फराक भाषा होइत छैक कहल गेल।
१६९. (A) विद्यापति आ लोचनसँ। — स्रोतमे मैथिली संगीत विद्यापति आ लोचनसँ शुरू भऽ अहाँ धरि अबैत अछि कहल गेल।

१७०. (B) रामाश्रय झा “रामरंग”क परिचय विद्वान-संगीतकार-शिक्षक रूपमे होइत अछि आ संवाद हुनकर अस्सी बरखक संगीत-साधनासँ आरम्भ होइत अछि। — ई खण्ड रामरंगजीक परिचय आ संवादक आरम्भ दैत अछि।
१७१. (C) तीन। — स्रोतमे तीन रागक रचना कएलहुँ अछि कहल गेल।
१७२. (D) राग तीरभुक्ति। — स्रोतमे १. राग तीरभुक्ति देल अछि।
१७३. (A) राग विद्यापति कल्याण। — स्रोतमे राग विद्यापति कल्याणक उल्लेख अछि।
१७४. (B) राग वैदेही भैरव। — स्रोतमे राग वैदेही भैरव देल अछि।
१७५. (C) मैथिली भाषामे। — स्रोतमे एहि दुनू रागमे मैथिली भाषामे खयाल बनल अछि कहल गेल।
१७६. (D) राग भूपाली आ बिलावल। — स्रोतमे बालकाण्डमे रागभूपाली आ बिलावलमे मैथिली खयाल कहल गेल।
१७७. (A) श्री गणेशजीक वन्दना। — स्रोतमे पृष्ठ ३ पर बिलावलमे श्री गणेशजीक वन्दना अछि।
१७८. (B) श्री शंकरजीक वन्दना। — स्रोतमे पृष्ठ २० पर राग भूपालीमे श्री शंकरजीक वन्दना अछि।
१७९. (C) राग तीरभुक्ति। — स्रोतमे पृष्ठ ८७ पर राग तीरभुक्तिमे मिथिला प्रदेशक वन्दना अछि।
१८०. (D) रामरंगजी मिथिला-सम्बद्ध राग, मैथिली खयाल आ संगीत रामायणक रचनासँ मैथिली संगीत-परम्पराकेँ शास्त्रीय विस्तार दैत छथि। — ई खण्ड हुनकर राग-रचना आ मैथिली संगीत सामग्री समेटैत अछि।
१८१. (A) राग वैदेही भैरव। — स्रोतमे पृष्ठ १२० पर राग वैदेही भैरवक रचना अछि।
१८२. (B) हिन्दीमे। — स्रोतमे राग वैदेही भैरवक (हिन्दीमे) रचना कहल अछि।
१८३. (C) पंचम भाग। — स्रोतमे अभिनव गीताञ्जलीक पंचम भागमे कहल गेल।
१८४. (D) २६५ आ २६६। — स्रोतमे पृष्ठ २६५ आ २६६क उल्लेख अछि।
१८५. (A) तीनू रागक पूर्ण रागशास्त्र नहि अछि। — स्रोतमे पूर्ण रागशास्त्र विद्यापति कल्याण, तीरभुक्ति वा वैदेही भैरवक नहि अछि कहल गेल।
१८६. (B) बहुत रचना मोन अछि। — स्रोतमे बहुत रचना मोन अछि कहल गेल।
१८७. (C) हाथ थरथराइत अछि। — स्रोतमे हाथ थरथराइत अछि आब हमर कहल गेल।
१८८. (D) पुस्तकाकार छपबाक लेल। — स्रोतमे विवरण लिखि दैतियैक तँ पुस्तकाकार छपि सकैत कहल गेल।
१८९. (A) तीनूक विस्तृत विवरण पठाएब, लिखैत छी। — स्रोतमे तैयो हम तीनूक विस्तृत विवरण पठाएब, लिखैत छी कहल गेल।
१९०. (B) रामरंगजीक राग-साधना संग ओकर लिखित रागशास्त्र, संरक्षण आ पुस्तकाकार प्रकाशनक आवश्यकता संवादमे प्रमुख बनैत अछि। — ई खण्ड संगीत-संरक्षणक प्रश्न उठबैत अछि।
१९१. (C) जितेन्द्र झा। — शीर्षकसँ ठीक पहिने जितेन्द्र झाक नाम देल अछि।
१९२. (D) शुक्र दिन ११ दिसम्बर। — स्रोतमे शुक्र दिन ११ दिसम्बर कऽ सड़कपर कवितावाचनक उल्लेख अछि।
१९३. (A) मिथिला राज्यक माग। — स्रोतमे मिथिला राज्यक माग कएल अछि।
१९४. (B) ई कोनो नव बात नहि। — स्रोतमे नेपालमे चक्काजाम हएब कोनो नव बात नहि कहल गेल।
१९५. (C) रचनात्मक चक्काजाम। — स्रोतमे रचनात्मक चक्काजाम कहल गेल।
१९६. (D) पिडारी चौकपर। — स्रोतमे जनकपुरक प्रवेशद्वार पिडारी चौकपर गोष्ठी कहल गेल।
१९७. (A) प्रवेशद्वार। — स्रोतमे जनकपुरक प्रवेशद्वार रहल पिडारी चौक कहल अछि।
१९८. (B) मिथिलाराज्यक व्यवस्था। — स्रोतमे नव संविधानमे मिथिलाराज्यक व्यवस्था हएबाक माग कहल गेल।
१९९. (C) नव संविधान लिखबाक प्रक्रिया। — स्रोतमे एखन नव संविधान लिखबाक प्रक्रिया चलि रहल अछि कहल गेल।
१०००. (D) जनकपुरक चक्काजाम कवि गोष्ठी साहित्यिक अभिव्यक्तिकेँ मिथिला राज्यक राजनीतिक-सांस्कृतिक मागसँ जोड़ैत अछि। — ई खण्ड रचनात्मक आन्दोलनक चित्र दैत अछि।
१००१. (A) मिथिला राज्य आ मधेशीक हक-अधिकार। — स्रोतमे रन्जु झा मिथिला राज्य आ मधेशीक हक अधिकार सुनिश्चित हएबाक चाही कहलनि।
१००२. (B) छलाह। — स्रोतमे हुनकर नाम सहभागीसूचीमे अछि।

१००३. (C) सुनिल मल्लिक। — स्रोतमे मिनापक अध्यक्ष सुनिल मल्लिकक उल्लेख अछि।
१००४. (D) सहभागी। — स्रोतमे एहि नाम सभक सहभागिताक उल्लेख अछि।
१००५. (A) मिथिला राज्य संघर्ष समिति जनकपुर आ मिनापक सहभागितामे। — स्रोतमे ई दुनू सहभागिता देल अछि।
१००६. (B) जनकपुर-महेन्द्रनगर सड़क खण्ड। — स्रोतमे जनकपुर महेन्द्रनगर सड़क खण्डकमे सवारी साधन नहि चलि सकल कहल गेल।
१००७. (C) कमजोर। — स्रोतमे संविधान सभामे मिथिला राज्यक माग कमजोर पड़ि रहल समय कहल गेल।
१००८. (D) थोड़बहुत चर्चा बटोरलक। — स्रोतमे एहि तरहक गोष्ठीसँ मिथिला राज्यक माग थोड़बहुत चर्चा बटोरलक कहल अछि।
१००९. (A) राज्य-अधिकारक मागकेँ सार्वजनिक आवाज देब। — साहित्यकार आ रंगकर्मी सड़कपर कवितावाचन करैत माग उठबैत छथि।
१०१०. (B) चक्काजाम कवि गोष्ठी नव संविधान, मिथिला राज्य, मधेशी अधिकार आ जनकपुरक सांस्कृतिक प्रतिरोधकेँ एक मंचपर आनैत अछि। — ई खण्ड सहभागिता आ आन्दोलनक प्रभाव समेटैत अछि।
१०११. (C) पारम्परिक मैथिली विवाह गीत। — स्रोतमे पारम्परिक मैथिली विवाह गीत समेटल क्यासेट कहल गेल।
१०१२. (D) परिछनसँ विदाई धरि। — स्रोतमे विआहक परिछनसँ विदाई धरिक गीत संग्रहित अछि।
१०१३. (A) अंशुमाला। — स्रोतमे अंशुमालाक एकल प्रस्तुति कहल गेल।
१०१४. (B) जयमाल गीत। — स्रोतमे विशेषता जयमाल गीत रहल गायिका अंशुमाला कहैत छथि।
१०१५. (C) मौलिक गीत। — स्रोतमे जयमाल गीत मिथिलाक मौलिक गीत कहल गेल।
१०१६. (D) वरियाती खएबाक काल। — स्रोतमे जीमनार वरियाती खएबाक काल गाओल जाएबला गीत कहल अछि।
१०१७. (A) नहि चढ़ैत अछि। — स्रोतमे आब बहुतो ठोरपर नहि चढ़ैत छन्हि कहल अछि।
१०१८. (B) महत्त्व। — स्रोतमे एहि क्यासेटमे एकरा महत्त्व देल गेल अछि।
१०१९. (C) नव आ पुरान दुनू पीढ़ीक लोककेँ। — स्रोतमे नव पुरान दुनू पीढ़ीक लोक पसन्द कऽ रहल कहल गेल।
१०२०. (D) “प्रिय पाहुन” विवाहक परम्परागत गीत-संसारकेँ परिछनसँ विदाई धरि अंशुमालाक स्वरमे सहेजबाक प्रयास अछि। — ई खण्ड क्यासेटक विषय आ सांस्कृतिक महत्त्व बतबैत अछि।
१०२१. (A) अछि। — स्रोतमे कन्या लगन गीत संकलित गीतमे अछि।
१०२२. (B) अछि। — स्रोतमे परिछन गीतक उल्लेख अछि।
१०२३. (C) प्रिय पाहुन। — स्रोतमे ई गीत प्रिय पाहुनक गीत-सूचीमे अछि।
१०२४. (D) अछि। — गीत-सूचीमे देहरि छेकाओन देल अछि।
१०२५. (A) अछि। — स्रोतमे सिन्दुरदान आ समदाओनक गीत संकलित अछि।
१०२६. (B) नुकाएल प्रेम। — स्रोतमे सीमाक भीतर हँसी मजाक आ ताहिभितर नुकाएल प्रेम देखएबाक प्रयास कहल गेल।
१०२७. (C) गंगा क्यासेट। — स्रोतमे गंगा क्यासेटक प्रस्तुति कहल गेल।
१०२८. (D) केवल ऑडियो रूपमे। — स्रोतमे एखन मात्र अडियो रूपमे अछि कहल गेल।
१०२९. (A) हृदय नारायण झा आ शशि किरण झा। — स्रोतमे गीत संकलन हृदय नारायण झा आ शशि किरण झाक कहल अछि।
१०३०. (B) “प्रिय पाहुन”मे विवाहक प्रमुख संस्कार-गीत, मर्यादित हास्य, प्रेम, गीत-संकलन आ ऑडियो प्रस्तुति एकसाथ संग्रहीत अछि। — ई खण्ड गीत-सूची आ निर्माण-सूचना समेटैत अछि।
१०३१. (C) कमल मोहन चुन्नुक। — स्रोतमे संगीत कमल मोहन चुन्नुकक कहल गेल।
१०३२. (D) बहुत बेसी आशा। — स्रोतमे गायिका अंशुमालाके एहि क्यासेटसँ बहुत बेसी आशा छन्हि कहल गेल।
१०३३. (A) अलग स्थान। — स्रोतमे आधुनिक गीतक बजारमे ई विवाह गीत अलग स्थान बनाओत से आशा कहल गेल।
१०३४. (B) मैथिली विवाह-गीत परम्परा। — लेख भरि विवाहक परम्परागत गीत सभ पर केन्द्रित अछि।
१०३५. (C) विवाह-संस्कारक गीत-सम्पदा सहेजब। — परिछन, लगन, सिन्दुरदान, विदाई आदि गीत संकलन एहि उद्देश्य देखबैत अछि।

१०३६. (D) मिथिला विवाहक मौलिकता आ विलुप्ति-संकटक। — जयमाल मौलिक कहल गेल आ जीमनार ठोरसँ हटैत गीत रूपमे याद कएल गेल।
१०३७. (A) परम्पराक पीढ़ीगत सेतु। — क्यासेट पुरान परम्परा केँ नव पीढ़ीसँ जोड़बाक संकेत दैत अछि।
१०३८. (B) गीत-परम्परा सुनबाक रूपमे जीवित रहैत अछि। — क्यासेटक ऑडियो रूप विवाह-गीतक श्रव्य संरक्षण करैत अछि।
१०३९. (C) ई विवाह गीत आधुनिक बजारमे अलग स्थान बनाओत। — अन्तिम वाक्य एहि आशाकेँ प्रकट करैत अछि।
१०४०. (D) “प्रिय पाहुन” आधुनिक गीतक बजारमे मैथिली विवाह-गीत परम्पराकेँ अलग पहचान देबाक सांस्कृतिक परियोजना रूपमे देखल गेल अछि। — ई खण्ड संगीत, आशा आ सांस्कृतिक संरक्षण पर केन्द्रित अछि।
१०४१. (A) आइ-काल्हिक चुनावपर टिप्पणी। — स्रोतमे हिन्दुस्तान समाचार पत्रमे खुशवंत सिंह जीक आइ काल्हिक चुनावपर शब्द उद्धृत अछि।
१०४२. (B) देशक राजनीतिक दिशा बदलि रहल अछि। — स्रोतमे देशक राजनीतिक दिशा बदलि रहल अछि कहल गेल।
१०४३. (C) बुधियार भऽ रहल छथि। — उद्धरणमे वोटर बुधियार भऽ रहल छथि कहल गेल।
१०४४. (D) जिम्मेदारी। — उद्धरणमे नेता लोकनिक लेल जिम्मेदारी तैयार कए रहल अछि।
१०४५. (A) भारत-पाक युद्ध। — स्रोतमे १९७१ क भारत-पाक युद्धक कालक स्मृति अछि।
१०४६. (B) भारतीय सैनिकपर। — स्रोतमे बूढ़-पुरान लोक भारतीय सैनिकपर गर्व कए रहल रहथि।
१०४७. (C) जे.पी. आन्दोलन। — स्रोतमे १९७४ क आसपासक जे.पी. आन्दोलनक उल्लेख अछि।
१०४८. (D) न्यायवादी-आन्दोलनकारी। — स्रोतमे सभ युवा न्यायवादी-आन्दोलनकारी भए गेल रहथि कहल अछि।
१०४९. (A) दुमकामे। — स्रोतमे दुमकामे प्रदर्शनमे भाग लेने रहथि।
१०५०. (B) अमरनाथ झा वर्तमान चुनाव-चेतना केँ १९७१ युद्ध-स्मृति आ १९७४ जे.पी. आन्दोलनक ग्रामीण अनुभवसँ जोड़ैत छथि। — ई खण्ड चुनाव, स्मृति आ जनचेतना पर केन्द्रित अछि।
१०५१. (C) बड्ड खराब। — स्रोतमे हुनकर मैट्रिकक परीक्षा बड्ड खराब गेल छलन्हि कहल अछि।
१०५२. (D) आन्दोलनकारी। — स्रोतमे से ओ आन्दोलनकारी बनि गेल रहथि कहल अछि।
१०५३. (A) जेल। — स्रोतमे जेल गेल रहथि कहल अछि।
१०५४. (B) पैघ क्रान्तिकारी। — स्रोतमे हमहूँ अपनाकेँ पैघ क्रान्तिकारी बुझए लागल छलहुँ कहल अछि।
१०५५. (C) कक्षा ७-८। — स्रोतमे तहिया हम कक्षा ७-८ मे पढ़ित रही कहल अछि।
१०५६. (D) अपन पहिल कविता। — स्रोतमे आपात कालक विरोधमे हम अपन पहिल कविता लिखने रही कहल अछि।
१०५७. (A) माझिल भाए। — स्रोतमे माझिल भाए हँसीमे फाड़ि कए उड़ा देलन्हि।
१०५८. (B) जनता पार्टी। — स्रोतमे १९७७ क चुनावमे सभ गोटे जनता पार्टीक संग देलन्हि कहल अछि।
१०५९. (C) जनता पार्टीकेँ। — स्रोतमे कुलगुरु सेहो जनते पार्टीकेँ भोट देल जाए कहलनि।
१०६०. (D) जे.पी. आन्दोलन आ आपातकाल अमरनाथ झाक किशोर मनमे राजनीतिक चेतना, कविता आ जनतापक्षी उत्साहक आरम्भ बनल। — ई खण्ड व्यक्तिगत स्मृति आ राष्ट्रीय राजनीति जोड़ैत अछि।
१०६१. (A) जनता पार्टीक पक्षक माहौल। — स्रोतमे १९७७ चुनाव आ जनता पार्टी प्रसंगसँ ई नारा जुड़ल अछि।
१०६२. (B) पूर्ण क्रान्तिकारी। — स्रोतमे हमर १४ वर्षीय किशोर मन पूर्ण क्रान्तिकारी भऽ गेल रहए कहल अछि।
१०६३. (C) झारखण्डक संताल परगनाक गाम। — स्रोतमे आइक झारखण्डक संताल परगनाक एक गामक खिस्सा कहल अछि।
१०६४. (D) गोबरसँ। — स्रोतमे माटिक धरतीकेँ गोबरसँ निपबाक हेतु पानि-गोबर आनबाक प्रसंग अछि।
१०६५. (A) १ किलोमीटरसँ। — स्रोतमे १ किलोमीटरसँ पानि आनए पड़ैत छल।
१०६६. (B) लग-पासक जंगलसँ २-३ किलोमीटरसँ। — स्रोतमे जंगलसँ २-३ किलोमीटरसँ गोबर आनए पड़ैत छल।
१०६७. (C) पहिने रोटी दिअ, तखन राजनीति करब। — स्रोतमे भूखाएल-नंगटे रहनिहार क्षेत्रक धारणा पर व्यंग्य अछि।
१०६८. (D) धर्मगुरु। — स्रोतमे जनसाधारण मात्र नहि वरन् धर्मगुरु धरि हस्तक्षेप कएने रहथि।

१०६९. (A) स्वयम्भू बौद्धिकतापर व्यंग्य। — स्रोतमे ई अभिव्यक्ति आत्म-व्यंग्य आ बौद्धिक दम्भक आलोचना रूपमे आबैत अछि।
१०७०. (B) अमरनाथ झा ग्रामीण अभाव, किशोर क्रांतिकारिता आ बौद्धिक दम्भपर व्यंग्यक माध्यमे राजनीति-स्मृति लिखैत छथि। — ई खण्ड ग्रामीण राजनीति आ आत्मालोचना समेटैत अछि।
१०७१. (C) श्रद्धा आ स्मरण। — शीर्षक स्वयं विष्णु प्रभाकरक सादगीक स्मरण करैत अछि।
१०७२. (D) काफी महत्त्वपूर्ण। — स्रोतमे १९९० क वर्ष काफी महत्त्वपूर्ण लगैत अछि कहल गेल।
१०७३. (A) प्रो. राजकुमार जैनक संग। — स्रोतमे शाइत प्रो. राजकुमार जैन जीक संग गेल रही कहल अछि।
१०७४. (B) खादी धरी, गाँधी टोपी पहिरने। — स्रोतमे वयोवृद्ध खादी धरी, गाँधी टोपी पहिरने विष्णु प्रभाकरक उल्लेख अछि।
१०७५. (C) १९९५ तक। — स्रोतमे ई सिलसिला १९९५ तक चलल कहल गेल।
१०७६. (D) लेखक, कवि, कलाकार आ पत्रकार। — स्रोतमे नामी-गिरामी लेखक, कवि, कलाकार आ पत्रकारक साहचर्य रहल कहल गेल।
१०७७. (A) हिन्दीक। — स्रोतमे इतिहास पढ़बैत छी, मुदा लोक हमरा हिन्दीक शिक्षक बुझैत रहथि कहल अछि।
१०७८. (B) अहाँ अपन बौद्धिक लुकसँ आतंकित करैत छी। — स्रोतमे डॉक्टर हेमचंद जैनक ई टिप्पणी देल अछि।
१०७९. (C) तिहाड़ जेल। — स्रोतमे पुलिस गिरफ्तार कए तिहाड़ जेल भेज देलक कहल अछि।
१०८०. (D) अमरनाथ झा विष्णु प्रभाकरक सादगी, काफी हाउसक साहित्यिक मंडली आ भारतीय भाषा आन्दोलनक स्मृतिकेँ आत्मीय श्रद्धांजलि रूपमे जोड़ैत छथि। — ई खण्ड साहित्यिक साहचर्य आ स्मृति पर केन्द्रित अछि।
१०८१. (A) दिल्ली विश्वविद्यालयक स्वामी श्रद्धानंद कॉलेजक इतिहास विभागक असोसिएट प्रोफेसर। — स्रोतमे अमरनाथ झा अपन पद आ संस्थाक परिचय एही रूपमे दैत छथि।
१०८२. (B) ज्योतींद्र प्रसाद झा “पंकज”। — स्रोतमे श्री ज्योतींद्र प्रसाद झा “पंकज” नामक उल्लेख अछि।
१०८३. (C) १९१९ मे। — स्रोतमे पंकजजीक जन्म-वर्ष १९१९ देल गेल अछि।
१०८४. (D) देवघरक हिंदी विद्यापीठमे। — स्रोत अनुसार १९३४ मे ओ देवघरक हिंदी विद्यापीठमे अध्यापन शुरू कएलनि।
१०८५. (A) संताल परगना। — स्रोतमे संताल परगनामे हिंदी साहित्य आ कविता जागृत करबाक श्रेय हुनका देल गेल।
१०८६. (B) समस्त संताल परगनाकेँ शिक्षाक लौ सँ रौशन करब। — स्रोत हुनकर प्रतिभाकेँ क्षेत्रीय शिक्षा-जागरणसँ जोड़ैत अछि।
१०८७. (C) शिक्षकक हैसियतसँ कमान सम्हारब। — स्रोतमे कहल अछि जे ओ शिक्षकक हैसियतसँ आन्दोलनक कमान सम्हारलनि।
१०८८. (D) संताल परगना महाविद्यालय, दुमका। — स्रोतमे ओहि महाविद्यालयक संस्थापक शिक्षक आ हिंदी विभागाध्यक्ष बनबाक बात अछि।
१०८९. (A) कविता, समीक्षा आ एकांकी। — स्रोतमे तत्कालीन पत्र-पत्रिकामे एहि विधासभमे हुनकर लेखनक उल्लेख अछि।
१०९०. (B) आचार्य पंकज शिक्षण, आन्दोलन आ साहित्यक माध्यमे संताल परगनाक सांस्कृतिक जागरणक व्यक्तित्व छथि। — ई खण्ड पंकजजीक आरम्भिक जीवन आ कार्यक आधार परिचय दैत अछि।
१०९१. (C) स्नेहदीप। — स्रोतमे १९५८ मे “स्नेहदीप” नामक कविता-संग्रह छपबाक उल्लेख अछि।
१०९२. (D) उदगार। — स्रोतमे १९६४ मे “उदगार” नामक संग्रहक उल्लेख अछि।
१०९३. (A) पंकज-गोष्ठी। — स्रोतमे संगठनक अध्यक्ष पंकजजी केँ बनाओल गेल आ नाम हुनके नामपर राखल गेल।
१०९४. (B) संपूर्ण संताल परगनाक असगर आ सभसँ पैघ साहित्यिक आन्दोलन। — स्रोतमे एहि दशकमे पंकज-गोष्ठीक व्यापकता वर्णित अछि।
१०९५. (C) अर्पण। — स्रोतमे कविता-संकलन “अर्पण” कहल गेल।
१०९६. (D) साहित्यकार। — स्रोतमे एकांकी संकलन “साहित्यकार” नामसँ देल अछि।
१०९७. (A) लक्ष्मी नारायण “सुधांशु”, जनार्दन प्रसाद मिश्र “परमेश” आ बुद्धिनाथ झा “कैरव”। — स्रोतमे ई समकालीन नाम पंकजजीक साहित्यिक परिप्रेक्ष्य मे आयल अछि।
१०९८. (B) रामधारी सिंह “दिनकर” आ सुमित्रानंदन पन्त आदि। — स्रोतमे दिनकर, पन्त, जानकी वल्लभ शास्त्री आदि नाम उल्लेखित अछि।
१०९९. (C) कोनो साहित्यकारहि नहि कहाइत रहथि। — स्रोत पंकज-गोष्ठीक साहित्यिक मान्यताकेँ अत्यन्त प्रभावशाली बतबैत अछि।

११००. (D) पंकज-गोष्ठी पंकजजीक नेतृत्वमे संताल परगनाक साहित्यिक संस्थागत आन्दोलन बनल। — ई खण्ड कृति, संस्था आ प्रभावक सम्बन्ध देखबैत अछि।
११०१. (A) ५८ वर्ष। — स्रोतमे ५८ सालक अल्पायुमे १९७७ मे दिवंगत भेल कहल गेल।
११०२. (B) संताल परगनाक साहित्यकार आ लाखों लोक। — स्रोतमे ई लोक-स्मृतिक विशेष उल्लेख अछि।
११०३. (C) किम्बदन्ती। — स्रोतमे कतहु पंकजजी सम्बन्धी किम्बदन्ती नहि होए एहन नहि कहल गेल।
११०४. (D) बृहत्तर हिंदी जगत समक्ष। — स्रोतक अन्तमे ओ एहि प्रस्तुति लेल सहायता माँगैत छथि।
११०५. (A) लगभग ३५० बरससँ। — स्रोतमे आधुनिक झारखण्डक देवघर जिला अंतर्गत खैरबनी ग्रामक उल्लेख अछि।
११०६. (B) घरमे शुद्ध मैथिली नहि बाजैत छी। — स्रोतमे ओ मैथिली नहि बजबाक आ मिश्रित बोलीक उल्लेख करैत छथि।
११०७. (C) मैथिली आ अंगिका। — स्रोतमे किछु मैथिली आ किछु अंगिका मिश्रित बोली कहल गेल।
११०८. (D) क्षमा करबाक। — स्रोतमे मैथिली लिखबामे त्रुटि होय तँ क्षमा करबाक विनय अछि।
११०९. (A) स्थानीय साहित्यिक महापुरुषकें बृहत्तर जगतमे पुनः चिन्हएबाक। — लेखक पंकजजीक विस्मरण आ पुनर्प्रस्तुति दुनूक प्रश्न उठबैत छथि।
१११०. (B) पंकजजीक स्मृति लोकजीवनमे जीवित अछि आ अमरनाथ झा ओकरा व्यापक साहित्यिक मानचित्रमे पुनः राखए चाहैत छथि। — ई खण्ड स्मृति, भाषा आ साहित्यिक पुनर्स्थापनकें जोड़ैत अछि।
११११. (C) ११३ गोटेक रचना। — स्रोतमे पहिल २५ अंकक ११३ रचना प्रकाशित भेल कहल अछि।
१११२. (D) १४ वर्षीय तूलिका सँ ८८ वर्षीय श्री आद्याचरण झा धरि। — स्रोतमे पीढ़ी-विस्तार एहि रूपमे देल गेल।
१११३. (A) सी.बी.एस.ई.क १०म कक्षाक तैयारीमे लागल रहबाक कारण। — स्रोतमे हुनकर परीक्षा-तैयारी कारण बताओल गेल।
१११४. (B) डी.ए.वी., बी.एस.ई.वी., पटना। — स्रोतमे विद्यालयक नाम एहि रूपमे अछि।
१११५. (C) ९६.८ प्रतिशत। — स्रोतमे परीक्षा-परिणाम ९६.८ प्रतिशत देल गेल।
१११६. (D) इन्जीनियरिंगक तैयारीमे। — स्रोतमे ओ इन्जीनियरिंग तैयारीमे लागल छथि कहल अछि।
१११७. (A) युवा प्रतिभाक फेर पत्रिका-संवादमे प्रवेश। — संपादकीय टिप्पणी पुनः रचना आ पाठकक समक्ष प्रस्तुति बतबैत अछि।
१११८. (B) विभिन्न पीढ़ीक रचनाकारकें स्थान देबाक क्षमता। — १४ वर्षीय सँ ८८ वर्षीय धरि उल्लेख पत्रिकाक पीढ़ी-विस्तार देखबैत अछि।
१११९. (C) शिक्षा आ रचनात्मकता दुनू संग। — स्रोतमे परीक्षा-परिणाम आ रचनात्मक वापसी दुनू आयल अछि।
११२०. (D) तूलिका प्रसंग विदेहमे नव पीढ़ीक शैक्षिक उपलब्धि आ रचनात्मक उपस्थिति दुनूक संकेत दैत अछि। — ई खण्ड नव पीढ़ीक लेखक-पाठक सम्बन्धक परिचय दैत अछि।
११२१. (A) कक्षा २। — स्रोतमे स्वास्तिकाक परिचय कक्षा २ रूपमे देल अछि।
११२२. (B) माउन्ट कार्मेल, पटना। — स्रोतमे कक्षा २, माउन्ट कार्मेल, पटना लिखल अछि।
११२३. (C) बाल रचनाकार/बाल प्रतिभा। — कक्षा २क छात्राक उल्लेख बाल-उपस्थिति देखबैत अछि।
११२४. (D) पीढ़ी-समावेशक मंच। — एक ओर किशोर छात्रा, दोसर ओर बाल छात्रा—दुनू उल्लेख मंचक विस्तार देखबैत अछि।
११२५. (A) भविष्यक पाठक-लेखक समुदाय तैयार करबाक लेल। — स्वास्तिका प्रसंग नव पीढ़ीकें साहित्यिक परिप्रेक्ष्यमे रखैत अछि।
११२६. (B) नहि, केवल संक्षिप्त परिचय भेटैत अछि। — स्रोतमे नाम, कक्षा आ विद्यालयक संक्षिप्त सूचना अछि।
११२७. (C) उपलब्ध तथ्यसँ बाहर नहि जाएब। — स्रोतमे सीमित सूचना अछि, तँ केवल ओतबेक आधारपर प्रश्न उचित अछि।
११२८. (D) बाल पाठक/रचनाकारक सामाजिक उपस्थिति। — कक्षा २क विद्यार्थी उल्लेख बाल-संलग्नता देखबैत अछि।
११२९. (A) विदेहमे शिशु सँ किशोर धरि प्रतिभाकें जगह भेटैत अछि। — दूनू प्रसंग पत्रिकाक पीढ़ीगत विस्तार दिखबैत अछि।
११३०. (B) स्वास्तिका प्रसंग विदेहमे बाल उपस्थिति आ भविष्यक साहित्यिक पीढ़ीक संकेत अछि। — ई खण्ड न्यून स्रोत-सूचना पर आधारित तथ्यात्मक समेकन करैत अछि।
११३१. (C) रामभरोस कापड़ि भ्रमरक। — स्रोतमे ई रामभरोस कापड़ि भ्रमरक ३२ कथाक संग्रह कहल गेल।
११३२. (D) ३२ गोटे कथा। — स्रोतमे ३२ गोटे कथाक संग्रह कहल अछि।

११३३. (A) हुगली ऊपर बहैत गंगा। — स्रोतमे संग्रहक नामक अन्तिम कथा एहि नामसँ चिन्हित अछि।
११३४. (B) हीरा आ सोना बाई। — स्रोतमे हीरा आ सोना बाईक माध्यमे नारी संवेदना उभरबाक बात अछि।
११३५. (C) देह। — स्रोत स्पष्ट कहैत अछि—नारी मात्र देह नहि थिक।
११३६. (D) अपन धन-सम्पत्ति। — स्रोतमे कामुक पुरुष नारीक देहक अवयवकेँ धन-सम्पत्ति बुझैत अछि कहल अछि।
११३७. (A) धनक अतिशय लिप्सा। — स्रोतमे धनलिप्सा मानवीय मूल्यबोधकेँ गिड़ने जा रहल अछि कहल अछि।
११३८. (B) नारी-संवेदना आ मानवीय मर्यादा। — हीरा-सोनाबाई प्रसंग देह, पीड़ा, सम्मान आ मनुष्यता पर केन्द्रित अछि।
११३९. (C) नारीकेँ भोग-सामग्री बुझबाक मानसिकता। — आलोचना पुरुष-कामुकता आ अमानवीयता पर तीक्ष्ण प्रश्न उठबैत अछि।
११४०. (D) “हुगली ऊपर बहैत गंगा”क आलोचना नारी-देहक वस्तुकरणक विरोध आ नारी-मोनक प्रतिष्ठापर आरम्भ होइत अछि। — ई खण्ड संग्रह आ शीर्षक कथाक मूल आलोचनात्मक धरातल दैत अछि।
११४१. (A) असन्तोष आ खौंड़ी मेटएबाक लेल। — स्रोतमे हीराक आगमनक उद्देश्य मोन बहटारब कहल अछि।
११४२. (B) कोताही। — स्रोतमे सोनाबाई अपन पेशामे कोनो कोताही नहि करैत अछि।
११४३. (C) नारीक प्रति सम्मान-भाव जागि जाइत अछि। — स्रोतमे हीराक हृदयमे नारीक प्रति सम्मान-भाव जागबाक बात अछि।
११४४. (D) सुच्चा मनुक्खक दर्शन। — स्रोतमे सोनाक आँखि चमकि उठैत अछि आ सुच्चा मनुक्खक दर्शनक भाव अछि।
११४५. (A) अपनत्व-बोध। — स्रोतमे दुनूक सुरक्षा-भावमे अपनत्व-बोध जागबाक उल्लेख अछि।
११४६. (B) कनेक कमजोर। — स्रोतमे शिल्पक दृष्टिँ कथा कनेक कमजोर कहल गेल अछि।
११४७. (C) मनुष्यक मनुष्यताक स्वाद। — स्रोतमे रक्त आ स्नेहसँ अपनत्व-बोध मनुष्यताक स्वाद चीखबैत अछि कहल अछि।
११४८. (D) मोनक राग। — स्रोतमे दैहिक भोगसँ बेसी मोनक राग पर बल अछि।
११४९. (A) सम्मान आ मानवीय संवेदनाक संभावना। — कथा वस्तुकरणक बीचो मानवीय पहचानक पल खोलैत अछि।
११५०. (B) हीरा-सोनाबाई प्रसंग देह-व्यापारक अन्हारमे सेहो मनुष्यता, सम्मान आ अपनत्वक चमक देखबैत अछि। — ई खण्ड शीर्षक कथाक भाव-मध्य पर केन्द्रित अछि।
११५१. (C) जन-समाज। — स्रोतमे समाज लोकेक थिक—एहि प्रश्नक रूपमे आलोचना आयल अछि।
११५२. (D) भोगक सामग्री। — स्रोतमे स्त्रीकेँ भोगक सामग्री बुझबाक मानसिकता पर आलोचना अछि।
११५३. (A) विकृतिक विषाक्त चढ़ि। — स्रोतमे विकृतिक विषाक्त चढ़ि फाटि असली छवि जगजियार होयबाक बात अछि।
११५४. (B) मानवीय आकांक्षाक पूर्तिमे सहायक। — स्रोतमे विश्वास-हार्दिकताक आधार पर आकर्षण जीवन-सत्यक सहायक कहल अछि।
११५५. (C) वास्तविक प्रेम-भाव। — स्रोतमे वास्तविक प्रेम-भावक अंकुरणक संकेत अछि।
११५६. (D) सामाजिक अस्मिताक व्यापक बोध। — स्रोतमे स्त्री-पुरुषक सहज आकर्षणमे सामाजिक अस्मिता बोधक उल्लेख अछि।
११५७. (A) दुनूक संघर्षमे। — स्रोतमे संघर्षक माध्यमे सामाजिक यथार्थ झलकबाक बात अछि।
११५८. (B) नहि, सामाजिक अस्मिता आ अमानवीयता-विरोधक प्रश्न अछि। — हीरा-सोनाक प्रसंग समाज, नारी, पुरुष-अहं आ मूल्यबोधसँ जुड़ल अछि।
११५९. (C) वासना-प्रधान समाजमे मानवीय सम्बन्ध कतेक सम्भव अछि। — स्रोत देह, वासना, विश्वास आ हार्दिकता बीच तनाव खोलैत अछि।
११६०. (D) भ्रमरक कथा-संसार देह-वासना आ भौतिकताक बीच सामाजिक अस्मिता आ मनुष्यता खोजैत अछि। — ई खण्ड शीर्षक कथाक सामाजिक अर्थ समेटैत अछि।
११६१. (A) भोगवादी लिप्सा। — स्रोतमे रेखाक भोगवादी लिप्सा बसल-बसाओल घर उजारबापर पहुँचैत अछि।
११६२. (B) अर्थ-लिप्सा सम्बन्धकेँ गीडि जाइत अछि। — स्रोतमे अर्थ-लिप्सा सम्बन्धकेँ खा जाइत अछि कहल गेल।
११६३. (C) प्रेम आ यौन सम्बन्धी गेंठ खोलैत उपसंस्कृतिपर। — स्रोतमे प्रेम-यौन गेंठ फोलैत उपसंस्कृति पर प्रहारक उल्लेख अछि।
११६४. (D) साम्यवादी विचारधारा। — स्रोतमे कामरेड कथा साम्यवादी विचारधारासँ जुड़ल अछि।
११६५. (A) गरीब-गरीब सभ एक हो। — स्रोतमे गरीब-गरीब सभ एक हो भन्ने भाव स्पष्ट अछि।

११६६. (B) असमानताक खधिया। — स्रोतमे धनी-गरीबक बीच असमानताक खधिया चकरगर होयबाक बात अछि।
११६७. (C) आत्मचेतना जगएबाक। — स्रोतमे आत्मचेतना जगएबाक उद्देश्यक उल्लेख अछि।
११६८. (D) भोगवादी लिप्सा आ वर्गीय आत्मचेतना। — एक कथा सम्बन्ध-भंगक भोगवाद खोलैत अछि, दोसर वर्गीय जागरण।
११६९. (A) व्यक्तिगत वासना सँ वर्गीय असमानता धरि। — स्रोतक चर्चा भोग, सम्बन्ध, गरीबी आ साम्यवादी चेतना जोड़ैत अछि।
११७०. (B) भ्रमरक कथामे भोगवादी विघटन आ गरीबक आत्मचेतना दुनू सामाजिक यथार्थक रूपमे उभरैत अछि। — ई खण्ड भगजोगनी आ कामरेड प्रसंग समेटैत अछि।
११७१. (C) कतार दिस। — स्रोतमे कतार दिस उड़ान भरबाक लोभ आ पाड़ कमएबाक सपना अछि।
११७२. (D) दस हजार टाका। — स्रोतमे पहिल एजेन्ट दस हजार टाका लेल कहल अछि।
११७३. (A) अस्सी हजार। — स्रोतमे दोसर खेप अस्सी हजारक उल्लेख अछि।
११७४. (B) पन्चान्वे हजार। — स्रोतमे तेसर खेप पन्चान्वे हजारक कर्जापर टाका बहबाक बात अछि।
११७५. (C) उड़ान भरबाक। — स्रोतमे ठकायलाक बादो ओकर उड़ान भरबाक आशा रहल अछि।
११७६. (D) चोखे नफा। — स्रोतमे दस हजारसँ पच्चीस हजार धरिक चोखे नफाक संकेत अछि।
११७७. (A) पर्दाफाश। — स्रोतमे पाखण्डी चरित्रक पर्दाफाशक उल्लेख अछि।
११७८. (B) जीवन जीनाइये मात्र। — स्रोत जीवन-मूल्यबोधक लेल जीबाक वकालत संकेत करैत अछि।
११७९. (C) ठगी, कर्जा आ असुरक्षित आशा। — रजिन्दरक कतार-सपना एजेन्ट-शोषणसँ जुड़ि जाइत अछि।
११८०. (D) “उड़ान” प्रवासी कमाइक सपनाक भीतर एजेन्ट-ठगी आ जीवन-मूल्यक संकट उजागर करैत अछि। — ई खण्ड प्रवास-लालसा आ शोषणक कथा-आलोचना समेटैत अछि।
११८१. (A) एक मधेश, एक प्रदेश। — स्रोतमे “जइ मधेशमे एक मधेश, एक प्रदेश”क आन्दोलनक उल्लेख अछि।
११८२. (B) खधिया। — स्रोतमे मधेशी-पहाड़ी बीचक खधिया समानतामे पटि जाएबाक भाव अछि।
११८३. (C) मास्टेरीमे। — स्रोतमे अयोधी मास्टरक जीवन कोहुनाक मास्टेरीमे खेपाएल कहल अछि।
११८४. (D) नोकरी। — स्रोतमे एकमात्र बेटा अशोककें नोकरी नहि भेटबाक बात अछि।
११८५. (A) व्यवस्था तेहन बनल जे मधेशकें के पूछए। — स्रोतमे योग्यता रहितो व्यवस्थागत उपेक्षा सूचित अछि।
११८६. (B) आक्रोश। — स्रोतमे अस्मितापर चोट लागलासँ पीड़ित मोनमे आक्रोश पनुगबाक बात अछि।
११८७. (C) गौरवबोध। — स्रोतमे मधेशी होयबाक गौरवबोध आ विषमताक संघर्ष अछि।
११८८. (D) राष्ट्रीयता, अस्मिता आ समएक सत्य। — स्रोतमे राष्ट्रीयताक परिप्रेक्ष्य, भावना आ समयक सत्यक उल्लेख अछि।
११८९. (A) व्यक्तिगत पीड़ासँ सामूहिक अस्मिता धरि। — अयोधी मास्टरक जीवन आ मधेश माग संग सामाजिक दृष्टि बनैत अछि।
११९०. (B) मधेश प्रसंग व्यवस्था-उपेक्षा, अस्मिताबोध आ समानताक आन्दोलनक कथा-रूप प्रस्तुत करैत अछि। — ई खण्ड मधेशी अस्मिता आ सामाजिक न्यायक प्रश्न समेटैत अछि।
११९१. (C) सरोजा। — स्रोतमे निरसन बाबूक पुत्री सरोजाक दुःस्थितिक उल्लेख अछि।
११९२. (D) अन्तन आ रानीक संग। — स्रोतमे अन्तन ओ रानीक संग छलाइत जीवनक उल्लेख अछि।
११९३. (A) मार्मिक पीड़ा। — स्रोतमे सरोजाक मार्मिक पीड़ा उभारिक सामाजिक परिवर्तन दिस ध्यान आकृष्ट कराओल गेल।
११९४. (B) आरो उघार करैत अछि। — स्रोतमे स्त्रीक त्रास मार्मिक उद्घाटन द्वारा दम्भ खुलबाक बात अछि।
११९५. (C) सरेआम चौबटियापर नग्न भऽ जाइत अछि। — स्रोतमे अभिभावकत्विक नीतिकें नग्न करबाक तीक्ष्ण कथन अछि।
११९६. (D) सार्वभौमिक। — स्रोतमे निजी संवेदनाकें सार्वभौमिक बना देबाक बात अछि।
११९७. (A) हृदयहीनता आ मूल्यहीनता। — स्रोतमे हृदयहीनता आ मूल्यहीनताकें देखार करबाक बात अछि।
११९८. (B) परिवर्तनक सुगबुगी। — स्रोतमे परिवर्तनक सुगबुगीमे मानवीय सोच आ संवेदनाक उल्लेख अछि।

११९९. (C) अमानवीयताक खोल चीरीचोंत करब। — स्रोतमे अमानवीयताक खोलकेँ चीटीचोंत करबाक सनेस कहल अछि।
१२००. (D) “नेओक जोड़” स्त्री-दुःस्थिति, अभिभावकत्विक छल आ सामाजिक परिवर्तनक आवश्यकता उजागर करैत अछि। — ई खण्ड सरोजा प्रसंगक सामाजिक अर्थ खोलैत अछि।
१२०१. (A) पंजाबमे। — स्रोतमे किसुनमा पंजाबमे कमाइत मनसूबा पोसने घर अबैत अछि।
१२०२. (B) उत्तीमपुरवाली। — स्रोतमे पत्नी उत्तीमपुरवालीक प्रति अनुराग-भावक उल्लेख अछि।
१२०३. (C) आन बापक बच्चा। — स्रोतमे “आन बापक बच्चा”क कारण ओकर मनोरथ भग्न होयबाक बात अछि।
१२०४. (D) अबोध नेनाक हत्या। — स्रोतमे नेनाक मूड़ी छपाक् करबाक निर्दय प्रसंग अछि।
१२०५. (A) अमरलती बनि। — स्रोतमे रेखाक अमरलती बनि चतरैत आनक घर उजारबाक बात अछि।
१२०६. (B) आनक बसल-बसाओल घर उजारैत अछि। — स्रोतमे सहारा बनैत आनक घर उजारि-पुजारि देबाक बात अछि।
१२०७. (C) काम-भाव। — स्रोतमे रमेशक कामलोलुपतासँ रेखाक काम-भाव जाग्रत होयबाक बात अछि।
१२०८. (D) उभारैत अछि। — स्रोतमे कुव्यवस्था आ मानवीय व्यथाकेँ कथाकार उभारलनि कहल अछि।
१२०९. (A) वासना, अविश्वास आ हिंसक नैतिक विघटन। — दूनु कथामे सम्बन्धक टूटन आ नैतिक संकट तीव्र अछि।
१२१०. (B) किसुनमा आ अमरलती प्रसंग परिवार, वासना, अविश्वास आ हिंसक परिणामक सामाजिक त्रास देखबैत अछि। — ई खण्ड सम्बन्ध-विघटनक अँधार रूप समेटैत अछि।
१२११. (C) सम्बन्धक पीड़ा। — स्रोतमे आशाक हृदयमे सम्बन्धक पीड़ा आ प्रेमक उपजाक मानसिक पीड़ाक उल्लेख अछि।
१२१२. (D) मोन-मिलानी। — स्रोतमे आशा ओ संदीपक मोन-मिलानीक उल्लेख अछि।
१२१३. (A) सम्बन्ध-सूत्र खण्डित करैत अछि। — स्रोतमे विरक्ति भाव सम्बन्ध-सूत्र खण्डित करबाक कारण बनैत अछि।
१२१४. (B) मानसिक पीड़ा सहबाक क्षमता। — स्रोतमे आशा प्रेमक परिणामसँ उपजल पीड़ाकेँ सहबाक क्षमता विकसित करैत छथि।
१२१५. (C) स्मृतिक तरंग। — स्रोतमे बालमोनक स्मरणसँ नरेशक मोनमे स्मृतिक तरंगक उल्लेख अछि।
१२१६. (D) निडरता, निश्छलता आ सौहार्द्र। — स्रोतमे बालपनक निडरता, निश्छलता आ सौहार्द्र भावक उल्लेख अछि।
१२१७. (A) भय, सुरक्षा, षड्यंत्र आ सामाजिक विद्रूपता। — स्रोतमे वयस्क जीवनक भय-सुरक्षा-षड्यंत्रक प्रसंग अछि।
१२१८. (B) छल-क्षुद्रताक खोल। — स्रोतमे सामाजिक व्यक्तित्वक दोगला मुँह आ छलक खोलक आलोचना अछि।
१२१९. (C) प्रेमक पीड़ा आ बालस्मृतिक निर्मलता। — स्रोतमे प्रेमजन्य संघर्ष आ बालपनक स्मृति दुनू अछि।
१२२०. (D) भ्रमरक कथा प्रेम, परिवार, स्मृति आ सामाजिक मुखौटाक बीच मानवीय पीड़ाकेँ उभारैत अछि। — ई खण्ड आशा-संदीप आ नरेशक प्रसंगक समेकन करैत अछि।
१२२१. (A) जीवनक राग। — स्रोतमे भ्रमरक कथामे जीवनक राग अछि कहल गेल।
१२२२. (B) विशेष श्रद्धा-भाव। — स्रोतमे नारीक प्रति विशेष श्रद्धा-भावक उल्लेख अछि।
१२२३. (C) नारी जीवनक संघर्ष। — स्रोतमे बेसिए कथामे नारी जीवनक संघर्ष अछि।
१२२४. (D) सामाजिक विडम्बनामे। — स्रोतमे युग यथार्थक त्रासदी सामाजिक विडम्बनामे उपजैत अछि कहल।
१२२५. (A) अबला नारीक। — स्रोतमे अबला नारीक चीख आ परिवेशक दंशक उल्लेख अछि।
१२२६. (B) रोटीक समस्या। — स्रोतमे टूटैत सम्बन्ध, अर्थलिप्सा, कामुकता आ रोटीक समस्या एक संग आयल अछि।
१२२७. (C) सहज आ सरल। — स्रोतमे सार्थक अभिव्यक्ति सहज ओ सरल भाषामे परोसल गेल कहल अछि।
१२२८. (D) सामाजिक सत्य उजागर करैत। — देह-भोगक दर्द आ नारी-मनक पीड़ा सामाजिक सत्य देखबैत अछि।
१२२९. (A) नारी संघर्षक माध्यमे समाजक विडम्बना देखब। — स्रोत भ्रमरक कथा-दृष्टिकेँ नारी संघर्षसँ जोड़ैत अछि।
१२३०. (B) भ्रमरक कथा नारी-संघर्ष, सामाजिक विडम्बना आ जीवनक रागक माध्यमे नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यकेँ समृद्ध करैत अछि। — ई खण्ड भ्रमरक कथा-दृष्टिक मूल स्वर समेटैत अछि।
१२३१. (C) समाजक लोकक। — स्रोतमे समाजक लोक दायित्वे थिक कहल गेल।

१२३२. (D) परित्याग। — स्रोतमे जीवनमे नहि उतरि सकए तकर परित्याग उचित-विहित कहल गेल।
१२३३. (A) प्रेमक। — स्रोतमे जीवनक अर्थक खोजमे प्रेमक आसरा लेबाक उल्लेख अछि।
१२३४. (B) युगक अनुकूल। — स्रोतमे समएक परिवर्तनकेँ युगक अनुकूल टाँकिक नव समाज बनएबाक आकांक्षा अछि।
१२३५. (C) आर्थिक स्थिति आ सांस्कृतिक आयाम। — स्रोतमे सामाजिक विषमता, आर्थिक स्थिति आ सांस्कृतिक आयामपर विमर्श अछि।
१२३६. (D) नव सामाजिक मूल्यबोधक। — स्रोतमे परिवर्तनकारी सोच नव सामाजिक मूल्यबोधक संवाहक बनैत अछि।
१२३७. (A) आलोचनात्मक। — स्रोत फोकिला मानसिकताक संग सड़ल परंपरा उठबैत रहबाक विरोध करैत अछि।
१२३८. (B) समाजक परिवर्तनकारी प्रश्न पनुगबैत रहब। — कथाकार सामाजिक विसंगति आ सांस्कृतिक प्रश्न उठबैत छथि।
१२३९. (C) प्रेम, परिवर्तन आ सामाजिक मूल्यबोध। — स्रोतक तीनू प्रवाह एक संग आलोचनाक आधार बनैत अछि।
१२४०. (D) भ्रमरक कथाकार सड़ल परंपरा छोड़ि प्रेम, परिवर्तन आ नव सामाजिक मूल्यबोधक पक्षधर छथि। — ई खण्ड संस्कृतिक गतिशीलता आ परिवर्तनकारी दृष्टि समेटैत अछि।
१२४१. (A) शोषित-पीड़ितक। — स्रोतमे हिनक लेखनी शोषित-पीड़ितक अस्मिता-अधिकारक बात उठबैत अछि।
१२४२. (B) दबल-कुचलल लोकक। — स्रोतमे दबल-कुचलल लोकक पक्षमे भऽ जाएबाक उल्लेख अछि।
१२४३. (C) वासना मे। — स्रोतमे पुरुषक पौरुषत्व वासनामे विशेष केन्द्रित भऽ आएल कहल अछि।
१२४४. (D) समतामूलक आ प्रेममूलक धारा। — स्रोतमे समतामूलक ओ प्रेममूलक धारा रस-प्लवित कहल अछि।
१२४५. (A) दम्भ, क्रूर मानसिकता आ अव्यवस्था। — स्रोतमे स्त्री वर्गक प्रति पुरुषक दम्भ आ क्रूर मानसिकता उजागर अछि।
१२४६. (B) रोटीक औकाति। — स्रोतमे रोटीक औकाति देखबैत अछि कहल गेल।
१२४७. (C) मानसिक विकार। — स्रोतमे नारीक अन्तरमोनमे पैसिक मानसिक विकार स्वच्छ करबाक बात अछि।
१२४८. (D) साम्राज्यवादी संस्कृति। — स्रोतमे साम्राज्यवादी संस्कृति प्रति विद्रोह भाव मुखरित कहल अछि।
१२४९. (A) नहि, सामाजिक मूल्यबोधक संवाहक बनैत अछि। — स्रोत स्पष्ट करैत अछि जे ई केवल कामुकता नहि, मूल्यबोधक संवाहक अछि।
१२५०. (B) भ्रमरक कथा शोषितक अधिकार, नारी-अस्मिता आ पुरुष-दम्भक आलोचना मार्फत सामाजिक मूल्यबोध गढ़ैत अछि। — ई खण्ड सामाजिक न्याय आ नारी-विमर्शक बिन्दु समेटैत अछि।
१२५१. (C) शिल्पक प्रति। — स्रोतमे कथ्यक प्रति सजग, मुदा शिल्पक प्रति ओतबे नहि कहल गेल।
१२५२. (D) कथा-सौन्दर्य। — स्रोतमे शैलीक कमजोरी कथा-सौन्दर्यकेँ बाधित करैत अछि।
१२५३. (A) अनुभववादी दृष्टि। — स्रोतमे अनुभववादी दृष्टि सतत चौकन्ना रहल कहल गेल।
१२५४. (B) अपन गाम-घर आ पड़ोसियाक देखल-भोगल यथार्थ। — स्रोतमे गाम-घर, अड़ोसिया-पड़ोसियाक यथार्थक चित्रण कहल अछि।
१२५५. (C) कहबाक क्षमता। — स्रोतमे कहबाक क्षमता अछि, जे शिल्प-विकासमे आरो निखरत कहल अछि।
१२५६. (D) सजग। — स्रोतमे कथाकारक चौकन्ना दृष्टि समाजक प्रति सजग कहल अछि।
१२५७. (A) पात्रक। — स्रोतमे ओ ओहि पात्रक सृष्टि करैत छथि जे समाजमे आइयो निरीह अछि।
१२५८. (B) नारी पात्रसँ। — स्रोतमे खासक नारी पात्र हिनक संवेदनशील मोनकेँ छुबैत अछि।
१२५९. (C) कथाक सौन्दर्य। — स्रोतमे सजीव चरित्र-चित्रण पर कथाक सौन्दर्य मुखरित होयबाक बात अछि।
१२६०. (D) भ्रमरक कथा शिल्पगत सीमाक बावजूद अनुभव, समाज-सजगता आ पात्र-संवेदनासँ प्रभावी बनैत अछि। — ई खण्ड आलोचनात्मक संतुलन रखैत अछि—सीमा आ सामर्थ्य दुनू।
१२६१. (A) मात्रात्मक आ गुणात्मक दुनू दृष्टिसँ। — स्रोतमे मात्रात्मक ओ गुणात्मक दुनू दृष्टिँ प्रभावक उल्लेख अछि।
१२६२. (B) भण्डार। — स्रोतमे कथा-साहित्यक भण्डार भरबाक बात अछि।
१२६३. (C) मूल्यबोधक संवाहक। — स्रोतमे कथा दृष्टिमे मूल्यबोधक संवाहक कहल गेल।
१२६४. (D) मानवीय मूल्यबोधक जीवन-दृष्टि। — स्रोतमे मानवीय मूल्यबोधक जीवन-दृष्टि नेने कथा कहल अछि।

१२६५. (A) अपन औकाति। — स्रोतमे सामाजिक परिवर्तनमे अपन औकाति सिद्ध करबे करत कहल अछि।
१२६६. (B) ऐतिहासिक मूल्यक वस्तु। — स्रोतमे भविष्यमे ऐतिहासिक मूल्यक वस्तु बनबाक आशा अछि।
१२६७. (C) देखनुक आ मनमोहक। — स्रोतमे छपाइ-सफाइक दृष्टि देखनुक आ मनमोहक कहल गेल।
१२६८. (D) आवरण। — स्रोतमे पोथीक आवरण विशेष आकर्षित करैत अछि कहल अछि।
१२६९. (A) आशा आ विश्वास। — स्रोतक अन्तमे आशा ओ विश्वास जगबिते अछि कहल गेल।
१२७०. (B) भ्रमरक कथा नेपालीय मैथिली कथा-साहित्यमे मात्रा, गुण, मूल्यबोध आ भविष्यक ऐतिहासिक महत्त्वक दृष्टि उल्लेखनीय अछि। — ई खण्ड समीक्षा-लेखकक समेकित निष्कर्ष प्रस्तुत करैत अछि।
१२७१. (C) जितेन्द्र झा। — स्रोतमे शीर्षक “आशाक किरण”क बाद जितेन्द्र झाक नाम अछि।
१२७२. (D) विद्युतीय संचार माध्यममे। — स्रोतमे मैथिलीभाषा विद्युतीय संचार माध्यममे स्थान बना रहल अछि कहल गेल।
१२७३. (A) सौभाग्य मिथिला। — स्रोतमे दिल्लीसँ सौभाग्य मिथिला नामक टेलिभिजन संचालनक उल्लेख अछि।
१२७४. (B) मनोरंजनात्मक। — स्रोतमे ई मनोरंजनात्मक टेलिभिजन कहल गेल।
१२७५. (C) गीत-नाद आ टेली-श्रृंखला। — स्रोतमे गीतनाद आ टेली-श्रृंखला प्रसारणक प्रमुखता देल गेल।
१२७६. (D) अपन संचार माध्यम। — स्रोतमे समुदायक अपन संचार माध्यमक अभाव स्पष्ट अछि।
१२७७. (A) आन भाषाक माध्यमसँ सुसूचित होयबाक बाध्यता। — स्रोतमे मिथिला आन भाषाक माध्यमसँ सूचना पाबए बाध्य अछि।
१२७८. (B) मैथिली भाषामे। — स्रोतमे नेपाल वनक मधेश स्पेशलद्वारा मैथिली समाचार आ गीतनाद प्रसारणक उल्लेख अछि।
१२७९. (C) सशक्त संचार माध्यम। — स्रोतमे सशक्त संचार माध्यम बिना सुनिश्चित भविष्य कल्पना मात्र रहबाक बात अछि।
१२८०. (D) “आशाक किरण” मैथिली टेलिभिजनक आरम्भिक प्रयास, संचार-अभाव आ भाषिक भविष्यक प्रश्नक एक संग रखैत अछि। — ई खण्ड मैथिली आ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमक सम्बन्ध समेटैत अछि।
१२८१. (A) १० अक्टूबर १९६१। — स्रोतमे जन्म तिथि १० अक्टूबर १९६१ देल गेल अछि।
१२८२. (B) श्री श्याम सुन्दर झा। — स्रोत-परिचयमे पिता रूपमे श्री श्याम सुन्दर झाक नाम अछि।
१२८३. (C) श्रीमती चन्द्रकला देवी। — स्रोतमे माता रूपमे श्रीमती चन्द्रकला देवी लिखल अछि।
१२८४. (D) तुमौल। — स्रोतमे सम्पर्क-पतामे ग्राम-तुमौल देल गेल अछि।
१२८५. (A) पुतइ। — स्रोतमे पत्रालय-पुतइ लिखल अछि।
१२८६. (B) दरभंगा। — स्रोतमे जिला-दरभंगा (बिहार) देल गेल अछि।
१२८७. (C) अध्यापन। — स्रोतमे व्यवसाय: अध्यापन कहल गेल अछि।
१२८८. (D) चित्रकला, अभिनय, गीत-संगीत आ सामाजिक कार्य। — स्रोतमे अभिरूचिमे लेखनक संग चित्रकला, अभिनय, गीत-संगीत आ सामाजिक कार्य देल गेल अछि।
१२८९. (A) शिक्षण, साहित्य, कला आ सामाजिक कार्यसँ जुड़ल बहुआयामी व्यक्तित्व। — परिचयमे व्यवसाय, अभिरूचि आ रचनाक क्षेत्र बहुआयामी रूप देखबैत अछि।
१२९०. (B) फूल चन्द्र झा “प्रवीण” दरभंगाक शिक्षकीय, रचनात्मक आ सांस्कृतिक व्यक्तित्व छथि। — ई खण्ड जीवन-परिचय, परिवार, स्थान, व्यवसाय आ अभिरूचिक तथ्य समेटैत अछि।
१२९१. (C) रचना संसारमे। — स्रोतमे रचना संसार अन्तर्गत कविता-संग्रहक सूचीमे ई नाम अछि।
१२९२. (D) कविता-संग्रह। — स्रोतक रचना-सूचीमे “वसंतक बजनिजा” कविता-संग्रह अन्तर्गत आयल अछि।
१२९३. (A) फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क। — स्रोतमे ई हुनकर कविता-संग्रह रूपमे देल गेल।
१२९४. (B) कविता-संग्रह। — स्रोतमे ई कविता-संग्रहक सूचीमे अछि।
१२९५. (C) नाटक। — स्रोतमे नाटक सूचीमे आन्दोलन, लुत्ती आदि देल गेल अछि।
१२९६. (D) नाटक। — स्रोतक नाटक-सूचीमे ई नाम आयल अछि।

१२९७. (A) कथा-संग्रह। — स्रोतमे कथा-संग्रह रूपमे “भूत होइत भविष्य” देल गेल अछि।
१२९८. (B) निबंध-संग्रह। — स्रोतमे निबंध-संग्रह: “हमरा जनैत” कहल गेल अछि।
१२९९. (C) अंग्रेजीसँ। — स्रोतमे अनुवाद- मल्लिनाथ (अंग्रेजीसँ) लिखल अछि।
१३००. (D) फूल चन्द्र झा “प्रवीण” कविता, नाटक, कथा, निबंध, सम्पादन आ अनुवाद सभमे सक्रिय रचनाकार छथि। — रचना-संसारक सूची हुनकर बहुविध साहित्यिक योगदान देखबैत अछि।
१३०१. (A) पहिल खण्ड। — स्रोतमे “बाबू भोलालाल दास रचनावली, (पहिल खण्ड)” लिखल अछि।
१३०२. (B) संकलन-सम्पादन। — स्रोतमे ई संकलन-सम्पादनक सूचीमे देल गेल अछि।
१३०३. (C) कविचूड़ामणि पं. काशीकांत मिश्र “मधुप” सम्मान। — स्रोतमे साहित्यकार संसद द्वारा राष्ट्रीय शिखर सम्मान- कविचूड़ामणि पं. काशीकांत मिश्र “मधुप” (2006) देल अछि।
१३०४. (D) विद्यापति सम्मान। — स्रोतमे सम्मान-सूचीमे विद्यापति (2008) अछि।
१३०५. (A) सुमन स्मृति सम्मान। — स्रोतमे सुमन स्मृति सम्मान (2009) देल अछि।
१३०६. (B) सम्पादन सहयोग। — स्रोतमे ‘जखन-तखन’ पत्रिकामे सम्पादन सहयोग कहल गेल।
१३०७. (C) राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कविसम्मेलनमे। — स्रोतमे राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कविसम्मेलनमे सहभागिता देल गेल अछि।
१३०८. (D) गीत, कविता, कथा, लेख आ निबंध। — स्रोतमे गीत, कविता, कथा, लेख, निबंध आदिक रचनात्मक सहयोगक उल्लेख अछि।
१३०९. (A) रचनाकारक विस्तृत साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक संक्षिप्त परिचय देब। — सम्पादक-टिप्पणी रचना, सम्मान, सहभागिता आ योगदान एकत्र करैत अछि।
१३१०. (B) फूल चन्द्र झा “प्रवीण”क कार्य रचना-संग्रहसँ आगाँ बढ़ि सम्पादन, सम्मान आ सार्वजनिक साहित्यिक सहभागिता धरि विस्तृत अछि। — ई खण्ड हुनकर संस्थागत आ सार्वजनिक साहित्यिक उपस्थिति समेटैत अछि।
१३११. (C) शिशु लोक साहित्यक। — स्रोतमे मैथिली लोक साहित्यमे शिशु लोक साहित्यक अम्बार लागल अछि कहल गेल।
१३१२. (D) किछु लिपिबद्ध आ बेसी मौखिक। — स्रोतमे किछु लिपिबद्ध आ बेसी मौखिक कहल अछि।
१३१३. (A) अज्ञात लोक रचनाकारक द्वारा। — स्रोतमे अज्ञात समए आ अज्ञात लोक रचनाकारक बात अछि।
१३१४. (B) मौखिक परम्परामे। — स्रोतमे वेदक रचना जकाँ हजारो वर्ष धरि मौखिक परम्परामे जीबैत रहल कहल अछि।
१३१५. (C) मौलिकता। — स्रोतमे मौलिकता दिनानुदिन नष्ट भेल जा रहल अछि कहल गेल।
१३१६. (D) शब्द आ उच्चारणमे अन्तर। — स्रोतमे शब्द आ उच्चारणमे अन्तर पाओल जाइत अछि।
१३१७. (A) पद्य विधा। — स्रोतमे पद्य विधाकेँ केन्द्रमे राखि विचार कएल गेल अछि।
१३१८. (B) थोड़-बहुत आनो विधासभ पर विचार। — स्रोतमे पद्य केन्द्रमे राखि आनो विधासभपर विचारक बात अछि।
१३१९. (C) मौखिक परम्परा टूटलासँ शब्द, उच्चारण आ मौलिकता बदलैत अछि। — स्रोत मौखिकता, क्षेत्रीय अन्तर आ मौलिकता-नाशक समस्या उठबैत अछि।
१३२०. (D) मैथिली शिशु लोक साहित्य अज्ञात लोक-रचनाकारक मौखिक धरोहर अछि, जकर संरक्षण आवश्यक अछि। — ई खण्ड आलेखक मूल अवधारणा आ संरक्षण-संकट स्पष्ट करैत अछि।
१३२१. (A) मैथिलीक नेना गीत। — स्रोतमे “मैथिलीक नेना गीत” उपयोगी सिद्ध भेल कहल गेल।
१३२२. (B) “शिशु गीत आ खेल” तथा सम्पूर्ण बाल साहित्य। — स्रोतमे डा. अणिमा सिंहक ई कृतिसभक उल्लेख अछि।
१३२३. (C) “मैथिली बाल साहित्य”। — स्रोतमे डा. दमन कुमार झाक समालोचनात्मक ग्रंथ “मैथिली बाल साहित्य”क उल्लेख अछि।
१३२४. (D) तीन भागमे। — स्रोतमे निम्नलिखित तीन भाग देल गेल अछि।
१३२५. (A) लालन-पालनसँ सम्बद्ध। — स्रोतक वर्गीकरणमे पहिल भाग लालन-पालनसँ सम्बद्ध अछि।
१३२६. (B) खेल आ मनोरंजनसँ सम्बद्ध। — स्रोतमे दोसर भाग खेल आ मनोरंजनसँ सम्बद्ध देल गेल।
१३२७. (C) ज्ञानोपयोगी। — स्रोतक तेसर भाग ज्ञानोपयोगी अछि।

१३२८. (D) बालजीवनक भिन्न अवस्थासँ जुड़ल सामग्री व्यवस्थित करब। — तीनू भाग बालक पालन, खेल आ ज्ञानक क्षेत्र अलग-अलग करैत अछि।
१३२९. (A) पूर्व संकलन आ अध्ययनक आधार देखबैत अछि। — लेखक उपयोगी ग्रंथ सभक नाम दऽ अध्ययनक आधार स्पष्ट करैत छथि।
१३३०. (B) आलेख शिशु लोक साहित्यकें लालन-पालन, खेल-मनोरंजन आ ज्ञानोपयोगी तीन विभागमे रखि पूर्व ग्रंथ सभक आधार स्वीकार करैत अछि। — ई खण्ड स्रोत, वर्गीकरण आ अध्ययन-पद्धति स्पष्ट करैत अछि।
१३३१. (C) घर-आँगनसँ दलान धरि सीमित। — स्रोतमे एहि प्रकारक परिवेशक सीमा घर-आँगनसँ दलान धरि कहल गेल।
१३३२. (D) सोहर। — स्रोतमे नेनाकें जन्म लितहि “सोहर” कानमे पड़ैत छैक कहल गेल।
१३३३. (A) परिवर्तित होइत जाइत अछि। — स्रोतमे अवस्था बदलिते साहित्य परिवर्तित होइत जाइत अछि।
१३३४. (B) कड़ूतेलसँ। — स्रोतमे दिन-राति मिला कऽ कतेको बेर कड़ूतेलसँ जाँतल-पीचल जाइत छैक कहल अछि।
१३३५. (C) “चै-चै-चै बौआ सूतभै”। — स्रोतमे एहि पंक्तिसँ आरम्भ भेल पद उद्धृत अछि।
१३३६. (D) नेनाक देह/माथ पर तेल-पचायब आ लालन-पालन। — ई पंक्ति तेल लगबैत कालक पालन-पदमे आयल अछि।
१३३७. (A) अपन दुनू टाँगपर। — स्रोतमे अपन दुनू टाँगपर नेनाकें पारि देह उँगारबाक बात अछि।
१३३८. (B) नेनाक देह उँगारबाक पालन-पदमे। — स्रोतमे देह उँगारैत कहल जाएबला पंक्तिमे ई अंश अछि।
१३३९. (C) स्पर्श, तेल-मालिश, देह-संभार आ सुतएबाक वातावरण। — जन्मोत्तर लालन-पालनमे मालिश, स्पर्श आ गीत एक संग अछि।
१३४०. (D) लालन-पालनक आरम्भिक शिशु लोक साहित्य जन्म, सोहर, तेल-मालिश आ घरेलू स्नेहक पद सभसँ बनैत अछि। — ई खण्ड घर-आँगनक शिशु-संस्कारक लोक साहित्य देखबैत अछि।
१३४१. (A) डरे कानए लगैत अछि। — स्रोतमे नेनाकें हाथसँ लोकैत छथि आ नेना डरे कानए लगैत अछि कहल अछि।
१३४२. (B) नेनाकें बहटारए/हाथसँ लोकएबाक बाद। — स्रोतमे डेराएल नेनाकें पुनः एहि पंक्तिसँ बहटारबाक संकेत अछि।
१३४३. (C) मामा गाम, नाना गाम आ अपन गाम। — स्रोतमे “बौआ मामा गाम देखू / बौआ नाना गाम देखू / बौआ अपन गाम देखू” अछि।
१३४४. (D) दादा-दादीक। — स्रोतमे मामा गाममे रहल नेनाक प्रसंगमे दादा-दादीक चौल कहल गेल।
१३४५. (A) नाना-नानीक। — स्रोतमे अपन गाममे रहल तँ नाना-नानीक चौल कएल जाइत अछि।
१३४६. (B) संझा-मैयासँ। — स्रोतमे छोट-छोट नेनाक रक्षार्थ संझा-मैयासँ प्रार्थना कहल गेल।
१३४७. (C) रक्षा-प्रार्थना पद्य। — ई पंक्ति संझा मैया आ नेनाक रक्षा सम्बन्धी प्रार्थनामे आयल अछि।
१३४८. (D) रक्षा करथि। — स्रोत पंक्तिमे “काल-भैरव रक्षा करय” अछि।
१३४९. (A) नेनाक सुख-निद्रा आ रक्षा-कामना। — रक्षा-पद्य मे सुखक राती, दुःख-दरिद्र पाछू आ सुख-शृंगार आगाँक कामना अछि।
१३५०. (B) मामा-नाना गामक खेल-पद्य आ संझा मैया रक्षा-प्रार्थना नेनाक लालन-पालनमे सम्बन्ध, खेल आ सुरक्षा-कामना जोड़ैत अछि। — ई खण्ड घरेलू शिशु-संस्कारक सम्बन्धात्मक आ रक्षात्मक पक्ष समेटैत अछि।
१३५१. (C) नजरि-गुजरि। — स्रोतमे बेसी देखनुहुक नेनाकें नजरि-गुजरि लगबाक डरक प्रसंग अछि।
१३५२. (D) बजार। — स्रोतमे पंक्ति अछि: “हँसनी-खिलनी गेल बजार”।
१३५३. (A) राजा धनपाल आ मौरगनी माए। — स्रोत पंक्तिमे दोहाइ राजा धनपाल, दोहाइ मौरगनी माए आयल अछि।
१३५४. (B) डिम्हा घुमबैत आनन्द लैत अछि। — स्रोतमे दीपक इजोतपर दृष्टि केन्द्रित कऽ डिम्हा घुमबैत आनन्द लेबाक बात अछि।
१३५५. (C) दीप मिझा कऽ लोक राखि लैत छल। — स्रोतमे प्राचीन कालमे छठिहारक रातिक दीप मिझा कऽ राखबाक जनश्रुति अछि।
१३५६. (D) छः वर्ष धरि। — स्रोतमे बेटाकें छः वर्ष धरि एहि दीपसँ टोटमा करैत छल कहल गेल।
१३५७. (A) तीन वर्ष धरि। — स्रोतमे बेटीकें तीन वर्ष धरि टोटमा करबाक बात अछि।
१३५८. (B) “आनी-मानी हम जानी”। — स्रोतमे नेनाक कपारपर आँगुर घुमबैत एहि पंक्ति कहल जाइत अछि।
१३५९. (C) जिज्ञासा पूरा होएबाक सम्भावना प्रबल। — स्रोतमे बिचला आँगुर पकड़लासँ जिज्ञासा पूरा होएबाक सम्भावना प्रबल मानल जाइत अछि।
१३६०. (D) नजरि-गुजरि, दीप-टोटमा आ आनी-मानी शिशु लोकविश्वास, खेल आ बालबोधक लोक विधि देखबैत अछि। — ई खण्ड शिशु-संरक्षण आ लोकविश्वासक मिश्रित रूप समेटैत अछि।

१३६१. (A) बेर-बेर खसि पड़ैत अछि। — स्रोतमे ठाढ़ होएबाक आरम्भमे नेना बेर-बेर खसैत अछि कहल गेल।
१३६२. (B) आँगुरक भंडर। — स्रोतमे लोक बेर-बेर आँगुरक भंडर दैत ठाढ़ होएबाक लेल प्रोत्साहित करैत अछि।
१३६३. (C) नेनाकेँ ठाढ़ होएब आ डेग उठएब सिखएबामे। — स्रोतमे ई पद नेनाकेँ बूलब सिखएबाक माध्यम कहल गेल।
१३६४. (D) प्रोत्साहनक भाव। — ई पंक्ति नेनाक डेग उठएबाक उत्साह बढ़बैत अछि।
१३६५. (A) कथा-गीतक परम्परा। — स्रोतमे झौलाएत नेनाकेँ कोरामे लऽ कथा-गीतक परम्परा रहल कहल गेल।
१३६६. (B) “चन्ना मामा आ रे आ, पारे आ”। — स्रोतमे चन्नामामा गीतक एहि आरम्भिक पंक्ति अछि।
१३६७. (C) दूध-भात। — स्रोतमे “सोनाकेँ कटोरामे / दूध-भात नेने आ” अछि।
१३६८. (D) पूड़ी-पकमान आ फोका मखान। — स्रोतमे केराक भार, पूड़ी-पकमान, फोका मखान आयल अछि।
१३६९. (A) खोअएबाक अभिनय। — स्रोतमे हाथसँ नेनाकेँ खोअएबाक अभिनयक उल्लेख अछि।
१३७०. (B) डेग सिखएबाक पद आ चन्ना मामा गीत शिशु-चेष्टा, खेल, आहार-कल्पना आ स्नेहिल अभिनयकेँ जोड़ैत अछि। — ई खण्ड शारीरिक विकास आ कथा-गीतक संयुक्त भूमिका देखबैत अछि।
१३७१. (C) “एक तारा दू तारा”। — स्रोतमे तरेगण दिस तकबैत “एक तारा दू तारा” पंक्ति आयल अछि।
१३७२. (D) बड़ बुधियारि। — स्रोतमे “तारा बेटी बड़ बुधियारि” अछि।
१३७३. (A) बालु। — स्रोत पंक्तिमे “गंगाकातसँ बालु अनलक” अछि।
१३७४. (B) कनुनियाँ। — स्रोतमे “सेहो बालु कनुनियाँ लेलक” अछि।
१३७५. (C) गैया। — श्रृंखलामे घस्सा गैया खेलक पंक्ति अछि।
१३७६. (D) दूध। — स्रोतमे “सेहो गैया दूध देलक” अछि।
१३७७. (A) बिलैया। — स्रोत पंक्तिमे दूध बिलैया पीलक अछि।
१३७८. (B) चिलहोरबा। — स्रोतमे “सेहो मूसा चिलहोरबा खेलक” अछि।
१३७९. (C) मामा। — स्रोतमे राजा हाथी देलक आ हाथी मामा लेलक अछि।
१३८०. (D) “एक तारा दू तारा” गीत शिशु-मनोरंजनमे क्रमिक विनिमय, कल्पना आ स्मृति-श्रृंखलाक लोक-कला देखबैत अछि। — ई खण्ड तरेगण-गीतक संरचना आ बालस्मृति अभ्यास समेटैत अछि।
१३८१. (A) जाँघपर। — स्रोतमे नेनाकेँ जाँघपर लऽ कनपट्टी आ माथ सोहरबैत लोरी गाबबाक बात अछि।
१३८२. (B) नीचाँ-उपर। — स्रोतमे जाँघकेँ नीचाँ-उपर करैत लोरीक परम्परा कहल गेल।
१३८३. (C) “आगे निनियाँ आ आ”। — स्रोतमे लोरी “आगे निनियाँ आ आ / बौआ लए निन ला ला” सँ आरम्भ अछि।
१३८४. (D) लोरी। — स्रोतमे ई लोरीक पंक्ति रूपमे देल गेल।
१३८५. (A) मातृकसँ/ममहरसँ। — स्रोतक दू रूपमे बौआ मातृकसँ आ ममहरसँ अयलै कहल गेल।
१३८६. (B) आरब चाउरक भात आ सोरहिया गायक दूध। — स्रोतमे ममहरक खानेमे आरब चाउरक भात आ सोरहिया गायक दूध अछि।
१३८७. (C) बोनक बगुला। — स्रोत पंक्तिमे “बोनक बगुला देल छोड़ाय” अछि।
१३८८. (D) बौआ लाख बरीस जीबथि। — स्रोतमे “जिबिहँ सै बौआ लाख बरीस” अछि।
१३८९. (A) दीर्घायु होएबाक। — स्रोतमे लोरी सभक माध्यमसँ दीर्घायु कामना सेहो कएल जाइछ कहल गेल।
१३९०. (B) लोरी शिशु-निद्रा, ममहरक स्नेह, भोजन-कल्पना आ दीर्घायु-कामनाकेँ एक संग बाँधैत अछि। — ई खण्ड मैथिली लोरीक भावात्मक आ संस्कारात्मक पक्ष देखबैत अछि।
१३९१. (C) अपने उतान भऽ। — स्रोतमे लोक अपने उतान भऽ पड़ि रहैत अछि आ नेनाकेँ पैरपर बैसाय खेलैत अछि।
१३९२. (D) पैरपर। — स्रोतमे नेनाकेँ पैरपर बैसाय बेर-बेर पैर उपर-नीचाँ करबाक उल्लेख अछि।
१३९३. (A) घुघुआ-मना। — स्रोतमे कत्तौ-कत्तौ “घुघुआ-मना” नामसँ जानल जाइत अछि।

१३९४. (B) धुआँ-चुआँ। — स्रोतमे कत्तौ-कत्तौ “धुआँ-चुआँ” नाम सेहो देल गेल।
१३९५. (C) घुआँ घूँ लल्ले छूँ लल्ले। — स्रोतमे “घुआँ घूँ लल्ले छूँ लल्ले मनसा नाम की” अछि।
१३९६. (D) पटना। — स्रोत पंक्तिमे “मामा गेलै पटना” अछि।
१३९७. (A) अंगना। — स्रोतमे “मामी सुतलै अंगना” अछि।
१३९८. (B) “दोड़ हो भगिनमा”। — स्रोत पंक्तिमे मामा घरमे चोर पैसल / दोड़ हो भगिनमा अछि।
१३९९. (C) पैर उठाएल जाइत अछि। — स्रोतमे “नव घर उठे” कहि पैर उठाएल जाइत अछि।
१४००. (D) घुघुआ-मना/धुआँ-चुआँ पालन-खेलमे देह-गतिशीलता, गीत, नाटक आ नेनाक आनन्द एक संग उपस्थित अछि। — ई खण्ड शिशु-मनोरंजनक देहात्मक लोक रूप देखबैत अछि।
१४०१. (A) एक ने एकटा लोकक सानिध्य। — स्रोतमे जागल नेनाकेँ लोकक सानिध्य चाही, नहि तँ कानय लगैत अछि।
१४०२. (B) नानी, दादी, दीदी आदि। — स्रोतमे गायक अतिरिक्त नानी, दादी, दीदी आदि मोन बहटारबाक लेल गाबैत छथि।
१४०३. (C) खेत। — स्रोतमे “गोला बड़द खेत खाइ छौ गै” अछि।
१४०४. (D) बाबा। — स्रोतमे “डीहपर रखबार के गै / बाबा गै” अछि।
१४०५. (A) आम। — स्रोतमे “लाल गाछी गेली, लाला आम पेली” अछि।
१४०६. (B) लाल गाछी गेली पद्यमे। — ई पंक्ति लाल गाछी/लाला आम पद्यक भाग अछि।
१४०७. (C) चूड़ा। — स्रोतमे “बाबा आँगनमे चूड़ा कुटाय” अछि।
१४०८. (D) नजरि लगबाक कारण। — स्रोतमे “कोन बेटखउकी नजरि लगौलक / पड़बा रूसल जाइ छै” अछि।
१४०९. (A) कानैत/जागैत नेनाकेँ मोनोरंजन आ सांत्वना देब। — स्रोतमे नेनाक मोन बहटारबाक प्रसंगमे ई पद्य देल गेल।
१४१०. (B) नेनाक मोन बहटारबाक पद्य परिवार, पशु, खेत, डर, हास्य आ सान्त्वनाक लोक-संसार बनबैत अछि। — ई खण्ड शिशु-मन बहटारबाक सामूहिक घरेलू परम्परा देखबैत अछि।
१४११. (C) दीदी अर्थात पिउसिक। — स्रोतमे दीदी अर्थात पिउसिक बड़ महत्वपूर्ण योगदान रहलैक कहल गेल।
१४१२. (D) मिरचाइ। — स्रोतमे “डलिया दे मिरचाइ तोड़ए लेल” पंक्ति अछि।
१४१३. (A) बाबा घर। — स्रोतमे “बाबा घर नुकाएब गे” अछि।
१४१४. (B) सब बरियतिया हँसली। — स्रोतमे “सब बरियतिया हँसली गे” अछि।
१४१५. (C) खोपड़ीमे। — स्रोतमे “बेटा कनै छी खोपड़ीमे” अछि।
१४१६. (D) पमरियाकेँ। — स्रोतमे “नाचय दहिन पमरियाकेँ” अछि।
१४१७. (A) दालि भात। — स्रोतमे “खाइ लेल देलहुँ दालि भात” अछि।
१४१८. (B) सोहारी। — स्रोतमे “खाए लेलक सोहारी” अछि।
१४१९. (C) अलंग-पलंग। — स्रोतमे “सुतइ लेल देलहुँ अलंग-पलंग” अछि।
१४२०. (D) दीदी-पद्य शिशु-लालनमे पिउसि/दीदीक भूमिकाकेँ हास्य, खेल आ घरेलू सम्बन्धक संग रखैत अछि। — ई खण्ड दीदीक योगदान आ पद्यक खेल-धर्मिता समेटैत अछि।
१४२१. (A) नैहर आनि लेबाक। — स्रोतमे बेटीकेँ संतानक योग्यता होइत नैहर आनि लेबाक परम्परा बाँचल कहल गेल।
१४२२. (B) मामा, मामी, नाना, नानीक। — स्रोतमे मामा, मामी, नाना, नानीक बेसी दुलार-मलार भेटबाक बात अछि।
१४२३. (C) पोखरी। — स्रोतमे “मामा हौ पोखरी भीड़पर जइहऽ” अछि।
१४२४. (D) चिक्कन पड़बा। — स्रोतमे “चिक्कन पड़बा मारिकऽ आनिहऽ” अछि।
१४२५. (A) तेल फोरन। — स्रोतमे “मामी हाथकेँ दीहऽ / तेल फोरन मिलाकऽ करिहऽ” अछि।
१४२६. (B) लाल-लाल कुटिया। — स्रोतमे “अपने खइहऽ लाल-लाल कुटिया / हमरा दीहऽ झोर” अछि।

१४२७. (C) उधिआए। — स्रोतमे “मामी यै भात उधिआए” अछि।
१४२८. (D) सुग्गा। — स्रोतमे “कोठी पर सुग्गा स्नान करैए” अछि।
१४२९. (A) ममहरक दुलार आ शिकायतक बाल-स्वर। — पद्य मे अपने लाल-लाल कुटिया खाए आ हमरा झोर देब—एहि बाल-शिकायतक भाव अछि।
१४३०. (B) मामा-मामी पालन-पद्य नैहर, ममहरक दुलार, भोजन, शिकायत आ बाल-भावनाकें जीवित रखैत अछि। — ई खण्ड मातृक-संबंधित शिशु लोक-संस्कारक रूप देखबैत अछि।
१४३१. (C) बेसी विस्तृत। — स्रोतमे ई परिवेश बेसी विस्तृत कहल गेल अछि।
१४३२. (D) परती-पराँत, विद्यालय-परिसर आ खेलक मैदान। — स्रोतमे रस्ता-पेरा, परती-पराँत, विद्यालय-परिसर, खेलक मैदान आदि ठाम कहल गेल।
१४३३. (A) भोर साँझ। — स्रोतमे नेनाक झुण्ड भोर साँझ जमा होइत अछि कहल अछि।
१४३४. (B) रंग-बिरंगक खेल खेलाइत अछि। — स्रोतमे नेनाक झुण्ड जमा भऽ रंग-बिरंगक खेल खेलबाक बात अछि।
१४३५. (C) अटकन-मटकन। — स्रोतमे छोट-छोट नेनाक खेलमे “अटकन-मटकन” उदाहरण रूपमे देल गेल।
१४३६. (D) पुरनी पत्ता। — स्रोतमे “पूस महागर पुरनी पत्ता” अछि।
१४३७. (A) करैला। — स्रोतमे “माघ मास करैला फरए” अछि।
१४३८. (B) सिंगही आ मुँगरी। — स्रोतमे “सिंगही लेबै की मुँगरी” अछि।
१४३९. (C) बिट्टू काटल जाइत अछि। — स्रोतमे सिंगही कहला पर बिट्टू काटबाक बात अछि।
१४४०. (D) खेल-मनोरंजनक शिशु लोक साहित्य घरसँ बाहर रस्ता, विद्यालय आ खेलक मैदान धरि पसरल सामूहिक बाल-संसार अछि। — ई खण्ड खेलक परिवेश आ सामूहिक बाल-भागीदारी देखबैत अछि।
१४४१. (A) महागर जागर। — स्रोतमे दोसर रूपमे “केरा कूस महागर जागर” अछि।
१४४२. (B) हिल्लै-डोल्लै। — स्रोतमे “पुरनिक पत्ता हिल्लै-डोल्लै” अछि।
१४४३. (C) फूलै। — स्रोतमे “माघ मास करैला फूलै” अछि।
१४४४. (D) जामुन गोटी। — स्रोतमे आमुन गोटी, जामुन गोटी कहल गेल।
१४४५. (A) अटकन-मटकन। — स्रोतमे ई पंक्ति अटकन-मटकन गीतमे अछि।
१४४६. (B) मुक्कासँ मारल जाइत अछि। — स्रोतमे मुँगरी कहला पर मुक्कासँ मारबाक खेल-नियम अछि।
१४४७. (C) उत्तर-आधारित खेल-क्रिया। — नेनाक उत्तर अनुसार बिट्टू काटब वा मुक्का मारब खेलक नियम बनैत अछि।
१४४८. (D) मौखिक परम्परामे पाठ-भेद। — दू रूपमे शब्द बदलल अछि, जे मौखिक परम्पराक क्षेत्रीय/लोक-भेद देखबैत अछि।
१४४९. (A) चयन, प्रतीक्षा आ हास्यपूर्ण दण्डक खेल। — प्रश्न-उत्तर आ क्रिया नेनाक ध्यान आ आनन्द दुनू बढ़बैत अछि।
१४५०. (B) अटकन-मटकनक विभिन्न रूप शिशु लोकगीतक मौखिक विविधता, खेल-नियम आ बाल-आनन्दक उदाहरण अछि। — ई खण्ड एकहि खेलक रूपान्तर आ क्रियात्मक नियम समेटैत अछि।
१४५१. (C) ठाँए-ठाँए। — स्रोतमे “गाछ करै ठाँए-ठाँए” अछि।
१४५२. (D) गौंगिआए। — स्रोतमे “नदी गौंगिआए” अछि।
१४५३. (A) दुनू अलगल जाए। — स्रोतमे “कमलक फूल दुनू अलगल जाए” अछि।
१४५४. (B) चमेली क फूल। — स्रोतमे “सीकीक डाली चमेलीक फूल” अछि।
१४५५. (C) बड़ी दूर। — स्रोतमे “चकमक देवता चल बड़ी दूर” अछि।
१४५६. (D) हथबरबा भैया। — स्रोतमे “हाथीपर हथबरबा भैया” अछि।
१४५७. (A) रजपूत। — स्रोतमे “घोड़ापर रजपूत” अछि।
१४५८. (B) तीन-तीन बंका। — स्रोतमे “बंका बिकाइए तीन-तीन बंका” अछि।
१४५९. (C) धान कूटैत। — स्रोतमे “रामजीके सुतल पुतहुआ / कूटैत रहए धान” अछि।

१४६०. (D) गाछ-नदी-देवता-हाथी-घोड़ा-पद्य बाल-खेलमे प्रकृति, यात्रा, जातीय पात्र आ घरेलू श्रमक रंगीन लोकचित्र रचैत अछि। — ई खण्ड खेल-पद्यक चित्रात्मकता आ लयात्मक कल्पना देखबैत अछि।
१४६१. (A) मैथिली शिशु लोक साहित्य। — स्रोतमे बाल मनोविज्ञान, समुचित विकास आ उल्लास लेल मैथिली शिशु लोक साहित्य थोड़े नहि प्रतीत होइछ कहल गेल।
१४६२. (B) फुद्दी। — स्रोतमे “एकटा छलै फुद्दी” सँ बाल-कथा काव्य आरम्भ होइत अछि।
१४६३. (C) कुसपर। — स्रोत पंक्तिमे “ओ बैसल कुसपर” अछि।
१४६४. (D) पेट। — स्रोतमे “कुस ओकर पेट चीरि देलक” अछि।
१४६५. (A) तीनटा धार। — स्रोतमे “ओहिसँ निकलल तीनटा धार” अछि।
१४६६. (B) दूटा। — स्रोतमे “दूटा सुखले-सुखले छल” अछि।
१४६७. (C) तीनटा हेलबार। — स्रोतमे “ताहिमे पैसल तीनटा हेलबार” अछि।
१४६८. (D) दूटा। — स्रोतमे “दूटा डुबिए-डुबिए गेल” अछि।
१४६९. (A) तीनटा ब्राह्मण। — स्रोतमे “से नोतलक तीनटा ब्राह्मण” अछि।
१४७०. (B) फुद्दी कथा-काव्य असम्भव, उलटबाँसी आ संख्या-श्रृंखला द्वारा बालमनक खेल, हास्य आ स्मृति अभ्यास करबैत अछि। — ई खण्ड बाल-कथा काव्यक संरचना आ मनोवैज्ञानिक उपयोग देखबैत अछि।
१४७१. (C) बड़ मनोयोगसँ। — स्रोतमे एहि प्रकारक लोक साहित्य नेना सब बड़ मनोयोगसँ सुनैत अछि।
१४७२. (D) मौखिक परम्परा। — स्रोतक आरम्भमे शिशु लोक साहित्यक मौखिक परम्पराक आधार स्पष्ट अछि।
१४७३. (A) मौखिक परम्परामे जीबाक कारणें। — स्रोतमे मौखिक परम्परामे जीबाक कारणें मौलिकता दिनानुदिन नष्ट भेल जा रहल अछि।
१४७४. (B) लोक-विशेष, वर्ग-विशेष आ क्षेत्र-विशेषक कारणें। — स्रोतमे एहि तीन कारणसँ शब्द-उच्चारणक अन्तर बताओल गेल।
१४७५. (C) घर-आँगनसँ दलान धरि। — स्रोतमे लालन-पालन साहित्यक परिवेश घर-आँगनसँ दलान धरि सीमित अछि।
१४७६. (D) रस्ता-पेरा, परती-पराँत, विद्यालय-परिसर आ खेलक मैदान धरि। — स्रोतमे खेल-मनोरंजनक विस्तृत परिवेशक ठाम सभ देल गेल।
१४७७. (A) नेनाक दीर्घायु होएबाक। — स्रोतमे लोरी सभसँ दीर्घायु कामना सेहो कएल जाइछ कहल गेल।
१४७८. (B) सम्बन्धक सामूहिकता। — एहि पद्य सभमे परिवारक अनेक सम्बन्ध शिशुक संग सक्रिय देखाइत अछि।
१४७९. (C) पद्यक पाठभेदकें लोक-परम्पराक अंग मानब। — स्रोतमे क्षेत्र/वर्ग अनुसार शब्द-उच्चारणक अन्तरक बात अछि, तँ पाठभेद महत्त्वपूर्ण अछि।
१४८०. (D) मैथिली शिशु लोक साहित्य बालविकास, परिवार, लोकविश्वास, खेल, स्मृति आ मौखिक परम्पराक बहुमूल्य धरोहर अछि। — ई समेकन खण्ड शिशु लोक साहित्यक संरक्षण आ अध्ययनक महत्त्व बतबैत अछि।
१४८१. (A) डार। — स्रोतमे नेना-भुटका झुण्ड एक-दोसरक डार पकड़ि रेलगाड़ी बनबैत अछि।
१४८२. (B) इंजिन। — स्रोतमे एक गोटा इंजिन आ आर सभ नेना डिब्बा बनबाक बात अछि।
१४८३. (C) डिब्बा। — स्रोतमे इंजिन छोड़ि आर सभ नेना डिब्बा बनैत अछि।
१४८४. (D) घुमि-घुमि कऽ। — स्रोतमे नेना सभ घुमि-घुमि कऽ पद्य कहबाक वर्णन अछि।
१४८५. (A) झकमक। — पद्यक आरम्भ “रेलगाड़ी झकमक” सँ होइत अछि।
१४८६. (B) लोहारक। — पंक्तिमे “पहिया लोहारक” अछि।
१४८७. (C) सरकारक। — स्रोत-पंक्तिमे “बेल सरकारक” अछि।
१४८८. (D) पानी। — पंक्तिमे “कुँइआमे पानी” अछि।
१४८९. (A) बान्हपर। — स्रोतमे “एक सय हाथी बान्हपर गेल” अछि।
१४९०. (B) रेलगाड़ी खेलमे नेना सभ देह-श्रृंखला, भूमिका-विभाजन आ पद्य-लय द्वारा सामूहिक अभिनय करैत अछि। — ई खण्ड रेलगाड़ी खेलक रचना आ अभिनय विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१४९१. (C) कबड्डी। — स्रोतमे मिथिलाक खेलमे कबड्डीक बड़ पुरान परम्परा रहल अछि कहल गेल।

१४९२. (D) कबड्डी-कबड्डीकार। — स्रोतमे “कबड्डी-कबड्डीकार” पंक्ति अछि।
१४९३. (A) अण्डापार। — पद्य पंक्तिमे “मैना बच्चा अण्डापार” अछि।
१४९४. (B) आबऽ दे। — स्रोतमे “चेत कबड्डी आबऽ दे” अछि।
१४९५. (C) तबला बजाबऽ दे। — पंक्तिमे “तबला बजाबऽ दे” अछि।
१४९६. (D) पइसा। — स्रोतमे “तबलामे पइसा” अछि।
१४९७. (A) कपार। — स्रोतमे “कबड्डी खेलऽ गेलहुँ कपार फुटि गेल” अछि।
१४९८. (B) हाथ। — पंक्तिमे “रेशमक डोरामे हाथ कटि गेल” अछि।
१४९९. (C) प्लेट। — स्रोतमे “आम चकलेट चीनी प्लेट” अछि।
१५००. (D) कबड्डी-पद्य पुरान खेल-परम्परा, लय, जोखिम, हास्य आ शारीरिक खेलक लोक-स्मृति समेटैत अछि। — ई खण्ड कबड्डी खेलक लोक-पद्य विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५०१. (A) मिथिलाक कन्या लोकनिक मध्य। — स्रोतमे ई खेल मिथिलाक कन्या लोकनिक मध्य खेलाएल जाइत रहल कहल अछि।
१५०२. (B) गिरगिट। — स्रोतमे एकटा कन्या गिरगिट बनैत अछि।
१५०३. (C) दूटा। — स्रोतमे दूटा कन्या ओकर दुनू जाँघ पकड़ि ठाढ़ होइत अछि।
१५०४. (D) दुनू पैर। — स्रोतमे एकटा कन्या ओकर दुनू पैर पकड़ि ओहिपर बैसि जाइत अछि।
१५०५. (A) कहाँ-कहाँसँ आएल छी। — पद्यक आरम्भमे “कहाँ-कहाँसँ आएल छी” प्रश्न अछि।
१५०६. (B) देस-देससँ आएल छी। — स्रोतमे “बौआ लाला-बौआ लाला / देस-देससँ आएल छी” अछि।
१५०७. (C) गुद्दा। — स्रोतमे “आम छोड़ि गुद्दा” पंक्ति अछि।
१५०८. (D) राजाक बेटीक हाथमे। — पद्यक क्रममे गुद्दा राजाक बेटीक हाथमे देबाक बात अछि।
१५०९. (A) साँप आ बाघ। — स्रोतमे “मजे कोठलिया की सब / साँप छै, बाघ छै” अछि।
१५१०. (B) गिरगिटरानी खेल कन्या-समूहक शारीरिक अभिनय, प्रश्नोत्तर पद्य आ कल्पनात्मक लोक-कथा-शृंखला अछि। — ई खण्ड गिरगिटरानी खेलक अभिनय-विधान विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५११. (C) हे गिरगिटियाँ रानी। — स्रोतमे दोसर पाठ “हे गिरगिटियाँ रानी!” सँ शुरू होइत अछि।
१५१२. (D) तौँ कतएसँ अएलह। — स्रोतमे “तौँ कतएसँ अएलह” पंक्ति अछि।
१५१३. (A) कान खोड़ि गुजुआ। — स्रोतमे “कान खोड़ि गुजुआ” अछि।
१५१४. (B) राजा बेटी हाथक लेल। — स्रोतमे “राजा बेटी हाथक लेल” पंक्ति अछि।
१५१५. (C) हाथी छोड़ि घोड़ा। — स्रोतमे “हाथी छोड़ि घोड़ा देल” अछि।
१५१६. (D) विरदावनमे। — पंक्तिमे “विरदावनमे चरए गेल” अछि।
१५१७. (A) साँप आ बाघ। — स्रोतमे “साँप देखल, बाघ देखल” अछि।
१५१८. (B) मूड़ी। — स्रोतमे ओ अपन मूड़ी उठा उत्तर दैत रहैत अछि।
१५१९. (C) घुमबैत। — स्रोतमे तीनू सहयोगी कन्या ओकरा घुमबैत रहैत अछि।
१५२०. (D) गिरगिटियाँ रानीक दोसर पाठ यात्रा, उपहार, पशु-चित्र आ देह-अभिनयक मिश्रित बाल-लोकनाट्य अछि। — ई खण्ड गिरगिटियाँ रानीक दोसर पाठ विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५२१. (A) गाछक अभिनय। — स्रोतमे एकटा नेना ठाढ़ भऽ गाछक अभिनय करैत अछि।
१५२२. (B) पैर। — स्रोतमे आओर नेना ओकर पैर पकड़ि मूड़ी गोंतिकऽ बैसि रहैत अछि।
१५२३. (C) कटहर फलक। — स्रोतमे कटहर फलक अभिनय करैत कहबाक वर्णन अछि।
१५२४. (D) के हुहुआए। — पंक्तिमे “हमरा बाड़ी-हमरा बाड़ी के हुहुआए” अछि।

१५२५. (A) राज कोतवाल। — स्रोतमे “राज कोतवाल” अछि।
१५२६. (B) आरब चौरा, नव ढकना। — स्रोतमे “आरब चौरा, नव ढकना” अछि।
१५२७. (C) टेबैत अछि। — स्रोतमे कोतवाल नेना सभकेँ हाथसँ टेबैत अछि।
१५२८. (D) काँच छै तऽ छोड़ि दू। — स्रोतमे गाछक संवाद “काँच छै तऽ छोड़ि दू” अछि।
१५२९. (A) पाकल छै तऽ लऽ लू। — स्रोतमे “पाकल छै तऽ लऽ लू” अछि।
१५३०. (B) कटहरक गाछ खेलमे नेना सभ गाछ, फल आ कोतवालक भूमिका द्वारा लोक-कृषि आ अभिनय सीखैत अछि। — ई खण्ड कटहरक गाछ बला खेल विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५३१. (C) पाँच गोत नेना द्वारा। — स्रोतमे ई खेल पाँच गोत नेना द्वारा खेलाएल जाइत अछि।
१५३२. (D) कोनो खाली घरमे। — स्रोतमे कोनो खाली घरमे खेलबाक उल्लेख अछि।
१५३३. (A) चारिटा कोन। — स्रोतमे चारिटा कोन होएबाक बात अछि।
१५३४. (B) विद्यालयमे। — स्रोतमे खाली दलानक कोठली वा विद्यालयमे खेलाइत अछि।
१५३५. (C) झिझिर कोना-झिझिर कोना। — स्रोतमे पद्य एही आवृत्तिसँ शुरू होइत अछि।
१५३६. (D) कोन कोना जैब। — स्रोतमे “कोन कोना जैब” अछि।
१५३७. (A) एहि कोना जैब, ओहि कोना जैब। — स्रोतमे एहि/ओहि कोना जाएबाक पंक्ति अछि।
१५३८. (B) चारि कोन। — चारि कोनक व्यवस्था नेनाक स्थान-बोधक अभ्यास बनैत अछि।
१५३९. (C) समूह-आधारित। — पाँच गोत नेना आ चारि कोनक व्यवस्था सामूहिक खेलक रूप अछि।
१५४०. (D) झिझिर कोना खेल चारि कोन, पाँच नेना आ स्थान-चयनक पद्य द्वारा बाल-स्थानबोध विकसित करैत अछि। — ई खण्ड झिझिर कोना खेलक संरचना विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५४१. (A) सामूहिक खेल। — स्रोतमे ई एकटा सामूहिक खेल थिक कहल गेल।
१५४२. (B) हत्था जोड़ि सोझ पाँतीमे। — स्रोतमे नेना सभ हत्था जोड़ि कऽ सोझ पाँतीमे ठाढ़ होइत अछि।
१५४३. (C) की रे बकरिया। — स्रोतमे “की रे बकरिया” पंक्ति अछि।
१५४४. (D) छकरिया। — स्रोतमे “की रे छकरिया” अछि।
१५४५. (A) खेतमे। — स्रोतमे “बकरी कत्तऽ / खेतमे” अछि।
१५४६. (B) खेत्तौ। — स्रोतमे “धान किएक खेलकौ / खेत्तौ” पंक्ति अछि।
१५४७. (C) नहि देबबौ। — स्रोतमे “रोज लेबबौ / नहि देबबौ” अछि।
१५४८. (D) दू हाथक बीच दऽ बन्हएबाक अभिनय। — स्रोतमे दू हाथक बीच दऽ नेना सभ बन्हएबाक अभिनय करैत अछि।
१५४९. (A) साँप-डिगडिग। — स्रोतमे “साँप-डिगडिग” बजबाक उल्लेख अछि।
१५५०. (B) साँप डिग-डिग सामूहिक पाँती, प्रश्नोत्तर, बकरी-धान प्रसंग आ बन्हएबाक अभिनयसँ बनल खेल अछि। — ई खण्ड साँप डिग-डिग सामूहिक खेल विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५५१. (C) आत्मरक्षाक उपाय। — स्रोतमे पशु-पक्षी अपन नेनाकेँ दौड़ि, बाजि, खेलाए कऽ आत्मरक्षा सिखबैत अछि।
१५५२. (D) खिस्सा-पिहानी गद्य आ पद्य दुनूमे। — स्रोतमे आत्मरक्षार्थ अनेक खिस्सा-पिहानी गद्य आ पद्य दुनूमे उपलब्ध अछि।
१५५३. (A) बगिया गाछक खिस्सा। — स्रोतमे बगिया गाछक खिस्सा उदाहरणस्वरूप देल गेल।
१५५४. (B) गोनू झाक खिस्सा। — स्रोतमे गोनू झाक खिस्सा सभसँ बेसी लोकप्रियता पाबि रहल कहल गेल।
१५५५. (C) सातो भाइ परदेस गेल। — स्रोतमे “सातो भाइ परदेस गेल...” खिस्साक उल्लेख अछि।
१५५६. (D) आँझुलकँ। — स्रोतमे “आँझुलकँ दुःख देने गेल” पंक्ति अछि।
१५५७. (A) सौतिनक खिस्सा। — स्रोतमे झाँझी कुकुरक सौतिनक खिस्सा देल गेल।

१५५८. (B) मोर मन नहि पतिआइ। — स्रोतमे “मोर मन मोर मन नहि पतिआइ” अछि।
१५५९. (C) अबोध नेना केँ सावधानी आ आत्मरक्षा सिखाएब। — लेखक पशु-पक्षीक आत्मरक्षा-प्रशिक्षणसँ शिशु लोक साहित्यक तुलना करैत छथि।
१५६०. (D) आत्मरक्षा-सम्बद्ध खिस्सा-पिहानी नेना सभकेँ खेल-गल्पक माध्यमसँ सावधानी, बुद्धि आ जीवन-व्यवहार सिखबैत अछि। — ई खण्ड आत्मरक्षा, खिस्सा-पिहानी आ लोक-शिक्षा विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५६१. (A) निरर्थक शब्द सभक प्रयोग। — स्रोतमे किछु लोक-साहित्य मे निरर्थक शब्द सभक प्रयोग बुझना जाइत अछि कहल गेल।
१५६२. (B) औका-बौका। — स्रोतमे उदाहरण “औका-बौका, तीन तरौका” सँ शुरू होइत अछि।
१५६३. (C) तीन तरौका। — स्रोतमे “तीन तरौका” अछि।
१५६४. (D) लाठी। — पंक्तिमे “लौआ-लाठी” अछि।
१५६५. (A) काठी। — स्रोतमे “चानन काठी” अछि।
१५६६. (B) इजय-विजय। — पंक्तिमे “चाननके बागमे इजय-विजय” अछि।
१५६७. (C) ईटा-माटी। — स्रोतमे दोसर उदाहरण “ईटा-माटी सोनेक टाट” सँ शुरू अछि।
१५६८. (D) आठम। — पंक्तिमे “आठम लड़की भागल जाइ” अछि।
१५६९. (A) नाचए छमाछम। — स्रोतमे “भौजी नाचए छमाछम” अछि।
१५७०. (B) निरर्थक प्रतीत होइत शब्द बाल-लोकपद्य मे ध्वनि, लय, हास्य आ स्मरण-आनन्दक साधन बनैत अछि। — ई खण्ड निरर्थक शब्द आ ध्वनि-आनन्द विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५७१. (C) सामाजिक जीवनक पहिल पाठशाला। — स्रोतमे “परिवारकेँ सामाजिक जीवनक पहिल पाठशाला” कहल गेल।
१५७२. (D) अनेक प्रकारक शिक्षा। — स्रोतमे नेनाकेँ अनेक प्रकारक शिक्षा देल जाइत रहल अछि कहल गेल।
१५७३. (A) अंक ज्ञान। — स्रोतमे अंक ज्ञानक लेल “अट्टा-पट्टा” खेल देल गेल।
१५७४. (B) अट्टा-पट्टा। — स्रोतमे “अट्टा-पट्टा” खेलक नाम अछि।
१५७५. (C) दहिना हाथपर। — स्रोतमे नेनाक दहिना हाथपर अपन दहिना हाथसँ थापर मारल जाइत अछि।
१५७६. (D) आँगुर। — स्रोतमे बेरा-बेरी आँगुर पकड़ि पद्य कहल जाइत अछि।
१५७७. (A) पाँचगो। — स्रोतमे “बौआकेँ पाँचगो बेट्टा” अछि।
१५७८. (B) गायमे। — पंक्तिमे “एगो गेल गायमे” अछि।
१५७९. (C) महींसमे। — स्रोतमे “दोसर महींसमे” अछि।
१५८०. (D) ज्ञानोपयोगी शिशु लोक साहित्य परिवार, खेल आ अंक-अभ्यास द्वारा नेना सभक आरम्भिक शिक्षा करबैत अछि। — ई खण्ड ज्ञानोपयोगी शिशु लोक साहित्यक आरम्भ विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१५८१. (A) बड़दमे। — स्रोतमे तेसर बड़दमे कहल गेल।
१५८२. (B) बकरीमे। — स्रोतमे चारिम गेल बकरीमे अछि।
१५८३. (C) छकरीमे। — स्रोतमे पाँचम गेल छकरीमे अछि।
१५८४. (D) अपन आँगुर। — स्रोतमे तरहथीपर अपन आँगुर रखबाक वर्णन अछि।
१५८५. (A) रन्हलक, पकौलक, खएलक, पीलक। — स्रोतमे एतऽ बुढ़िया रन्हलक, पकौलक, खएलक, पीलक अछि।
१५८६. (B) हाथसँ काँख धरि। — स्रोतमे हाथसँ काँख धरि लऽ जाएबाक बात अछि।
१५८७. (C) जोर-जोरसँ हँसैत लोट-पोट भऽ जाइत अछि। — स्रोतमे नेना गुदगुदी लगलापर हँसैत-हँसैत लोट-पोट होएबाक वर्णन अछि।
१५८८. (D) एकसँ पाँच धरि। — स्रोतमे एहि प्रकारेँ एकसँ पाँच धरि अंकक ज्ञान कराओल जाइत अछि।
१५८९. (A) शिक्षणक आनन्दमय साधन। — थापर, आँगुर आ गुदगुदी अंकज्ञानकेँ खेलमे बदलैत अछि।
१५९०. (B) अट्टा-पट्टा खेल स्पर्श, आँगुर, गुदगुदी आ पशु-क्रम द्वारा एकसँ पाँच धरि अंकज्ञान करबैत अछि। — ई खण्ड अट्टा-पट्टा आ एकसँ पाँच धरि अंकज्ञान विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।

१५९१. (C) दू आ दूसँ अधिक नेना। — स्रोतमे दू आ दूसँ अधिक नेना ठाढ़ भऽ खेलबाक उल्लेख अछि।
१५९२. (D) आँगुरसँ। — स्रोतमे आँगुरसँ संकेत करैत खेलाइत अछि।
१५९३. (A) बीस। — स्रोतमे “दस, बीस, तीस...” अछि।
१५९४. (B) सौ धरि। — स्रोतमे दससँ सौ धरि क्रम देल अछि।
१५९५. (C) धागा। — पंक्तिमे “सौमे लागल धागा” अछि।
१५९६. (D) निकलिकऽ भागा। — स्रोतमे “चोर निकलिकऽ भागा” अछि।
१५९७. (A) सोइती। — पंक्तिमे “रानी बेटी सोइती” अछि।
१५९८. (B) गोइती। — स्रोतमे “फूलकँ माला गोइती” अछि।
१५९९. (C) बिस्कुट। — स्रोतमे “मेम खाए बिस्कुट” अछि।
१६००. (D) दहाइ-सैकड़ा खेल गिनती, संकेत, चोर-रानी कथा आ लयक माध्यमसँ संख्याबोध बढ़बैत अछि। — ई खण्ड दहाइ आ सैकड़ा गिनतीक खेल विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६०१. (A) बीचमे। — स्रोतमे एकटा नेना बीचमे ठाढ़ होइत अछि।
१६०२. (B) हत्था जोड़ी कऽ वृत्ताकार। — स्रोतमे चारूकात नेना सभ हत्था जोड़ी कऽ वृत्ताकार ठाढ़ होइत अछि।
१६०३. (C) कत्ते पानी। — स्रोतमे बार-बार “घो-घो रानी कत्ते पानी” प्रश्न अछि।
१६०४. (D) एड़ी धरि। — स्रोतमे पहिल स्तर “एड़ी धरि” अछि।
१६०५. (A) ठेहुन धरि। — स्रोतमे ठेहुन धरि अगिला स्तर अछि।
१६०६. (B) डाँड़। — स्रोतमे जाँघ धरि पछाति डाँड़ धरि अछि।
१६०७. (C) पेट। — स्रोतमे ढोढ़ी धरि पछाति पेट धरि अछि।
१६०८. (D) डूबि कऽ नहएबाक अभिनय। — स्रोतमे अंतमे “चुभुक” कहि सब नेना डूबि कऽ नहएबाक अभिनय करैत अछि।
१६०९. (A) अंगक ज्ञान। — स्रोतमे एहि माध्यमसँ अंगक ज्ञान कराओल जाइत अछि।
१६१०. (B) घो-घो रानी खेल पानीक स्तर, देह-अंग आ अभिनयक माध्यमसँ नेना सभकँ अंग-ज्ञान दैत अछि। — ई खण्ड घो-घो रानी आ अंग-ज्ञान विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६११. (C) उठा कऽ पैघ आकार बनबैत अछि। — स्रोतमे नेना दुनू हाथ उठा पैघ आकार बनबैत अछि।
१६१२. (D) छोट करैत जाइत अछि। — स्रोतमे आकार क्रमशः छोट करबाक वर्णन अछि।
१६१३. (A) छिट्टा। — स्रोतमे “एतेक टा की-छिट्टा” अछि।
१६१४. (B) पथिया। — स्रोतमे “एतेक टा की-पथिया” अछि।
१६१५. (C) मउनी। — स्रोतमे “एतेक टा की-मउनी” अछि।
१६१६. (D) चुक्का। — स्रोतमे “एतेक टा की-चुक्का” अछि।
१६१७. (A) अंडा। — स्रोतमे “चुक्कामे की-अण्डा” अछि।
१६१८. (B) कउआ। — स्रोतमे “के फोरए-कउआ” अछि।
१६१९. (C) कूदऽ लगैत अछि। — स्रोतमे सभ नेना कूदऽ लगैत अछि।
१६२०. (D) छिट्टा-पथिया-मउनी-चुक्का खेल हाथक आकार, वस्तु-नाम आ कूदक माध्यमसँ आकार-ज्ञान करबैत अछि। — ई खण्ड छिट्टा-पथिया आ आकार-ज्ञान विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६२१. (A) किछु वस्तुक उपयोगक ज्ञान। — स्रोतमे एहि खेलक माध्यमसँ वस्तुक उपयोगक ज्ञान कराओल जाइत अछि।
१६२२. (B) एगो लोहा। — स्रोतमे “एगो लोहा पेलिए” अछि।
१६२३. (C) हाँसू गढ़ाबऽ लेल। — स्रोतमे लोहासँ हाँसू गढ़ाएबाक बात अछि।

१६२४. (D) खड़ही कटाबऽ लेल। — स्रोतमे हाँसू खड़ही कटाबऽ लेल अछि।
१६२५. (A) बंगला छराबऽ लेल। — स्रोतमे खड़ही बंगला छराबऽ लेल अछि।
१६२६. (B) भैसी बन्हाबऽ लेल। — स्रोतमे बंगला भैसी बन्हाबऽ लेल अछि।
१६२७. (C) चोतबा पड़ाबऽ लेल। — स्रोतमे भैसी चोतबा पड़ाबऽ लेल अछि।
१६२८. (D) अंगना निपाबऽ लेल। — स्रोतमे चोतबा अंगना निपाबऽ लेल अछि।
१६२९. (A) कारण-कार्य आ उपयोग-सम्बन्ध। — हर वस्तुसँ अगिला उपयोग जुड़ैत अछि, जे कारण-कार्य शृंखला सिखबैत अछि।
१६३०. (B) वस्तु-उपयोग खेल लोहा, हाँसू, खड़ही, बंगला, भैसी आ चोतबा द्वारा उपयोग-शृंखला बुझबैत अछि। — ई खण्ड वस्तु-उपयोगक शृंखला: लोहासँ खड़ही धरि विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६३१. (C) गहूँम सुखाबऽ लेल। — स्रोतमे अंगना गहूँम सुखाबऽ लेल अछि।
१६३२. (D) आटा पिसाबऽ लेल। — स्रोतमे गहूँम आटा पिसाबऽ लेल अछि।
१६३३. (A) पूरी पकाबऽ लेल। — स्रोतमे आटा पूरी पकाबऽ लेल अछि।
१६३४. (B) भौजीकेँ मँगाबऽ लेल। — स्रोतमे पूरी भौजीकेँ मँगाबऽ लेल अछि।
१६३५. (C) बेटा जनमाबऽ लेल। — स्रोतमे भौजी बेटा जनमाबऽ लेल अछि।
१६३६. (D) कोरामे खेलाबऽ लेल। — स्रोतमे बेटा कोरामे खेलाबऽ लेल अछि।
१६३७. (A) टाइल-गुल्ली। — स्रोतमे “टाइल-गुल्ली टूटि गेल” अछि।
१६३८. (B) रूसि गेल। — स्रोतमे “बौआ रूसि गेल” अछि।
१६३९. (C) धान्य, आटा, भोजन, परिवार आ नेना-पालनक क्रमसँ। — गहूँम सँ आटा, पूरी, भौजी, बेटा आ कोरा धरि क्रम घरेलू जीवनक शृंखला बनबैत अछि।
१६४०. (D) अंगना सँ बौआ धरि उपयोग-शृंखला नेना सभकेँ घरेलू श्रम, भोजन, परिवार आ पालनक सम्बन्ध सिखबैत अछि। — ई खण्ड वस्तु-उपयोगक शृंखला: अंगनासँ बौआ धरि विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६४१. (A) मैथिली शिशु लोक-साहित्य नेनाक प्रत्येक पक्षसँ जुड़ल रहल अछि। — स्रोतमे स्पष्ट निष्कर्ष अछि जे ई नेनाक प्रत्येक पक्षसँ जुड़ल अछि।
१६४२. (B) लालन-पालन आ खेल-मनोरंजनसँ सम्बद्ध। — स्रोतमे एहि दू प्रकारक अधिकता पाओल गेल कहल अछि।
१६४३. (C) एकता। — स्रोतमे एकता, सहयोग, सहानुभूति आ प्रेमक भावना जगैत अछि।
१६४४. (D) सहयोग। — स्रोतमे सहयोगक उल्लेख अछि।
१६४५. (A) सहानुभूति। — स्रोतमे सहानुभूतिक उल्लेख अछि।
१६४६. (B) खेलक माध्यमसँ। — स्रोतमे खेलक माध्यमसँ प्रेमक भावना जगैत अछि।
१६४७. (C) आरम्भहिसँ। — स्रोतमे अभिनय, नृत्य, गीत आदिक ज्ञान आरम्भहिसँ होमए लगैत अछि।
१६४८. (D) नृत्य आ गीत। — स्रोतमे अभिनय, नृत्य, गीत आदिक ज्ञान कहल गेल।
१६४९. (A) सहेजि कऽ समेटबाक। — स्रोतमे शिशु लोक साहित्य सन अमूल्य धरोहरकेँ सहेजि समेटबाक प्रयोजन अछि।
१६५०. (B) मैथिली शिशु लोक-साहित्य बालजीवनक प्रत्येक पक्ष, खेल, प्रेम, सहयोग, अभिनय, नृत्य आ गीतक शिक्षा समेटैत अछि। — ई खण्ड शिशु लोक-साहित्यक समेकित उपयोगिता विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६५१. (C) अपन मौलिकता। — स्रोतमे दिनानुदिन ई अपन मौलिकताकेँ त्यागि रहल कहल गेल।
१६५२. (D) विकृत रूप। — स्रोतमे विकृत रूप अपनौने जा रहल अछि।
१६५३. (A) धरोहरक मूल्यवान वस्तु नष्ट भऽ जाएबाक। — स्रोतमे एहि धरोहरक मूल्यवान वस्तु नष्ट होएबाक प्रबल सम्भावना कहल गेल।
१६५४. (B) काज। — स्रोतमे पहिनो बहुत गोटा काज कएलनि अछि कहल गेल।
१६५५. (C) काज। — स्रोतमे प्रायः एखनो कऽ रहलाह अछि कहल गेल।
१६५६. (D) ततेक विस्तृत। — स्रोतमे एकर फलक ततेक विस्तृत अछि कहल गेल।

१६५७. (A) फलक अत्यन्त विस्तृत अछि। — स्रोतमे उपलब्ध संकलन यथेष्ट नहि मानल जाएबाक कारण फलक-विस्तार बताओल गेल।
१६५८. (B) लोकक ठोरपर। — स्रोतमे लोकक ठोरपर छिड़िआएल रहबाक बात अछि।
१६५९. (C) मौलिक शिशु लोक-साहित्यकें नष्ट होएबासँ बचाएब। — मौलिकता-ह्रास आ विकृति स्रोतक मुख्य चिन्ता अछि।
१६६०. (D) शिशु लोक-साहित्यक मौलिकता विकृत भेल जा रहल अछि, तँ उपलब्ध संकलनसँ आगाँ बढ़ि ठोरपर छिरिआएल सामग्री सहेजब आवश्यक अछि। — ई खण्ड मौलिकता, विकृति आ संरक्षणक आवश्यकता विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६६१. (A) पाश्चात्य-सभ्यता। — स्रोतमे पाश्चात्य-सभ्यता मिथिलाकें चारूकातसँ गछारने जा रहल अछि कहल गेल।
१६६२. (B) द्विकल द्विकल लिटिल स्टार। — स्रोतमे चन्न मामा त्यागि द्विकल द्विकल लिटिल स्टार दिस आँखि मुनिकऽ भागबाक बात अछि।
१६६३. (C) अपन विशिष्ट-वस्तु। — स्रोतमे अपन विशिष्ट-वस्तु त्यागने जा रहल कहल गेल।
१६६४. (D) यक्ष प्रश्न। — स्रोतमे “हमरा सभक समक्ष यक्ष प्रश्न” कहल गेल।
१६६५. (A) एहिठामक संस्कृतिक। — स्रोतमे ई निधि एहिठामक संस्कृतिक विशिष्ट परिचिति दैत रहल अछि।
१६६६. (B) अक्षुण्ण। — स्रोतमे “कोनाकऽ अक्षुण्ण राखल जाए” प्रश्न अछि।
१६६७. (C) स्थानीय लोक-स्मृति आ पाश्चात्य प्रभावक संघर्ष। — चन्न मामा बनाम द्विकल द्विकल प्रसंग एहि संघर्षक संकेत अछि।
१६६८. (D) अनुकरणक अचेत प्रवृत्ति। — लेखक स्थानीय धरोहर त्यागि बाहरी गीत दिस भागबाक आलोचना करैत छथि।
१६६९. (A) मैथिली शिशु लोक-साहित्य। — स्रोतमे चन्न मामा लोक-पद्यक स्थानीय अमूल्य निधि रूपमे आयल अछि।
१६७०. (B) चन्न मामा आ द्विकल द्विकलक तुलना मिथिलाक शिशु-लोकधरोहर पर पाश्चात्य प्रभावक दबाव देखबैत अछि। — ई खण्ड पाश्चात्य प्रभाव आ चन्न मामा प्रश्न विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६७१. (C) इक्कीसम शताब्दीक। — स्रोतमे इक्कीसम शताब्दीक देहति पार करबाक बात अछि।
१६७२. (D) सुदूर देहात धरि। — स्रोतमे विज्ञान सुदूर देहात धरि पसारि चुकल अछि।
१६७३. (A) चिरकाल धरि। — स्रोतमे नव तकनीक द्वारा चिरकाल धरि संकलित-जोगा राखबाक बात अछि।
१६७४. (B) संकलित। — स्रोतमे असंकलित साहित्य संकलित कऽ राखबाक बात अछि।
१६७५. (C) जोगा कऽ। — स्रोतमे संकलित कऽ जोगा कऽ राखबाक बात अछि।
१६७६. (D) जन-जन धरि। — स्रोतमे जन-जन धरि प्रचार-प्रसार कराओल जा सकैत अछि।
१६७७. (A) समधानल डेग। — स्रोतमे एकटा समधानल डेग उठएबाक आवश्यकता कहल गेल।
१६७८. (B) जोरगर प्रयास। — स्रोतमे जोरगर प्रयास करबाक बात अछि।
१६७९. (C) लोकधरोहरक दीर्घकालिक संरक्षण आ प्रसार। — चिरकाल धरि जोगा राखब आ जन-जन धरि प्रसार स्रोतक लक्ष्य अछि।
१६८०. (D) नव तकनीक, समधानल डेग आ जोरगर प्रयास द्वारा असंकलित मैथिली शिशु लोक-साहित्यक संरक्षण आ जन-प्रसार सम्भव अछि। — ई खण्ड नव तकनीक आ संरक्षणक जोरगर प्रयास विषयक स्रोत-विवरण पर आधारित अछि।
१६८१. (A) केदार कानन। — शीर्षकपूर्वक स्रोतमे केदार काननक नाम देल अछि।
१६८२. (B) गंभीर साम्यवादी दृष्टि, जीवनानुभव आ मैथिल जीवनक चित्रण। — स्रोतमे हिनक निजी पहचानमे गंभीर साम्यवादी दृष्टि, रचल-पचल जीवनानुभव आ मैथिल जीवन-परम्पराक चित्रण कहल गेल अछि।
१६८३. (C) हुनका कहबाक अपन ढंग अछि। — स्रोतमे अभिव्यक्तिमे कहबाक अपन ढंग हुनक पहचान कहल गेल।
१६८४. (D) ओ एक बएसपर आबि गेलाक बाद लेखन शुरू कएलनि। — स्रोतमे “एक बएसपर आबि गेलाक बाद” लेखनक शुरुआत कहल गेल।
१६८५. (A) नहि, से बुझाइत नहि अछि। — स्रोत कहैत अछि जे देरिसँ आरम्भ भेलाक बात कृतिक परायणसँ बुझाइत नहि अछि।
१६८६. (B) वस्तु सभ कागतपर उतरबासँ पहिनहि मानस मे रचित-खचित छल। — स्रोतमे एहि बातक स्पष्ट उल्लेख अछि।
१६८७. (C) सघन-बीहड़ झंझावात। — स्रोतमे जीवनक सघन-बीहड़ झंझावात सहि लेखनक्षेत्रमे उतरबाक बात अछि।
१६८८. (D) श्रेष्ठ शिल्पी रूपमे। — स्रोतमे जगदीश जी सनक श्रेष्ठ शिल्पीक स्वागत करैत प्रसन्नता होइत अछि कहल गेल।
१६८९. (A) अनुभव, विचार आ शिल्पक सम्मान। — स्रोताधारित विवेचनमे जीवनानुभव, साम्यवादी दृष्टि आ शिल्पक सराहना अछि।

१६९०. (B) केदार कानन जगदीश प्रसाद मंडलकेँ जीवनानुभव, साम्यवादी दृष्टि आ मैथिल अभिव्यक्तिक श्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि। — ई खण्ड समीक्षा-दृष्टि आ कथाकारक निजी पहचान पर आधारित अछि।
१६९१. (A) जगदीश प्रसाद मंडलक। — स्रोतमे हिनक पछताबा कथा समीक्षा लेल प्रस्तुत अछि।
१६९२. (B) सुपौलमे। — स्रोतमे सुपौलमे आयोजित कथा गोष्ठीक उल्लेख अछि।
१६९३. (C) स्वतंत्रता सेनानीक घरसँ। — स्रोतमे रघुनाथ स्वतंत्रता सेनानीक घरसँ बहराएल कहल गेल।
१६९४. (D) इंजीनियरिंगक पढ़ाइक पछाति। — स्रोतमे इंजीनियरिंगक पढ़ाइ पछाति नोकरी लेल अमेरिका जाएबाक बात अछि।
१६९५. (A) अपन पत्नी संग। — स्रोतमे पत्नीक संग अमेरिका जाएबाक उल्लेख अछि।
१६९६. (B) माता-पिता, परिवार, सर-सम्बन्धी आ समाज। — स्रोतमे एहि सभकेँ छोड़ि जाएबाक बात कहल गेल।
१६९७. (C) चाक-चिक्य आ भोगवादी समाज। — स्रोतमे ओहिठामक चाक-चिक्य आ भोगवादी समाज कहल गेल।
१६९८. (D) पाइ कमाएब। — स्रोतमे पाइ कमाएबाक अतिरिक्त कथूक चिन्ता नहि कहल गेल।
१६९९. (A) पाइ आ भोगवादी जीवनक कारण परिवार-संस्कारसँ दूरी। — रघुनाथक अमेरिका-गमन आ पारिवारिक दूरी स्रोतक मूल तनाव अछि।
१७००. (B) रघुनाथ इंजीनियरिंगक बाद पत्नी संग अमेरिका जाइत छथि आ परिवार-समाज छोड़ि भोगवादी जीवनमे पाइ-केंद्रित भऽ जाइत छथि। — ई खण्ड पछताबा कथाक आरम्भिक कथानक पर आधारित अछि।
१७०१. (A) शिवनाथ आ हुनक पत्नी। — स्रोतमे शिवनाथ आ हुनक पत्नी रघुनाथक माता-पिता रूपमे आयल छथि।
१७०२. (B) गामपर। — स्रोतमे ओ दुनू परानी गामपर रहि जाएब कहल गेल।
१७०३. (C) पुत्रक वियोगमे। — स्रोतमे थोड़ेक दिन पुत्रक वियोगमे मलीन रहबाक बात अछि।
१७०४. (D) ढंगसँ आ सुखसँ। — स्रोत कहैत अछि जे ओ दुनू ढंगसँ अपन जीवन जीबैत छथि आ सुखसँ रहैत छथि।
१७०५. (A) फ्लैशबैकमे। — स्रोतमे “फ्लैश बैकमे ई कथा चलैत अछि” कहल गेल, आशय फ्लैशबैक संरचना अछि।
१७०६. (B) अनेक-अनेक उपकथा। — स्रोतमे अनेक उपकथा उद्घाटित होएबाक बात अछि।
१७०७. (C) वियोगक बादो स्वाभिमानी ग्रामीण संतुलन। — स्रोतमे वियोगक बाद सुखसँ जीवन जीबैत दम्पतीक चित्र अछि।
१७०८. (D) स्मृतिमूलक आ फ्लैशबैक-आधारित। — स्रोतमे कथा फ्लैशबैकमे चलबाक संकेत अछि।
१७०९. (A) कथानकक बहुस्तरीयता। — अनेक उपकथा खुलब कथाक बहुस्तरीय गठनक संकेत अछि।
१७१०. (B) रघुनाथक माता-पिता गाममे रहि वियोगक बादो जीवन सँभालैत छथि, आ कथा फ्लैशबैकद्वारा उपकथा खोलैत अछि। — ई खण्ड माता-पिता आ कथा-रचनाक संरचना पर आधारित अछि।
१७११. (A) रघुनाथक पत्नी। — स्रोतमे अमेरिकाक जीवनसँ पहिने रघुनाथक पत्नी उबैत अछि कहल गेल।
१७१२. (B) ने क्यो संगी ने क्यो गप कएनिहार। — स्रोतमे संगी आ गप कएनिहारक अभावक उल्लेख अछि।
१७१३. (C) पश्चाताप। — स्रोतमे यैह पश्चाताप रघुनाथकेँ होएबाक बात अछि।
१७१४. (D) ओछाइनपर छटपटाइत टा रहि जाइत अछि। — स्रोतमे रघुनाथक निष्क्रिय छटपटाहटक वर्णन अछि।
१७१५. (A) गाम अएबाक कार्यरूप परिणति नहि देखबैत। — स्रोतमे गाम अएबाक कार्यरूप अथवा आन परिणति नहि देखाएल गेल।
१७१६. (B) भावनात्मक अछि, कार्यरूप नहि बनैत। — ओ पश्चाताप करैत छथि मुदा गाम अएबाक परिणति नहि।
१७१७. (C) पत्नीकेँ। — स्रोतमे पत्नी पहिने उबैत छथि।
१७१८. (D) असहाय आ निष्क्रिय अपराध-बोध। — स्रोतक छवि पश्चातापक निष्क्रियता देखबैत अछि।
१७१९. (A) प्रवासक बाद उत्पन्न पश्चातापद्वारा। — रघुनाथ आ पत्नी दुनूक अनुभवमे पछताबा प्रकट अछि।
१७२०. (B) अमेरिकाक एकाकी जीवनसँ पत्नी उबैत छथि, रघुनाथो पछताइत छथि, मुदा पश्चाताप कार्यरूप निर्णय धरि नहि पहुँचैत। — ई खण्ड प्रवासी जीवनक उबारूपन आ पश्चाताप पर आधारित अछि।
१७२१. (A) मोनलगू। — स्रोतमे कथा मोनलगू कहल गेल।
१७२२. (B) कतहु नहि। — स्रोतमे पढ़बामे क्रम भंग कतहु नहि होइत अछि कहल गेल।

१७२३. (C) मैथिल अभिव्यक्ति। — स्रोतमे मैथिल अभिव्यक्तिक रूप नीक लगबाक बात अछि।
१७२४. (D) आम तोड़ैसँ पहिनहि खसि पड़बाक। — स्रोतमे पाकल आम तोड़ै लेल चढ़ि आम तोड़ैसँ पहिनहि खसि पड़बाक उपमा अछि।
१७२५. (A) अएनापर पाथरक लोढ़ी खसलासँ। — स्रोतमे मन चूर-चूर होएबाक ई उपमा अछि।
१७२६. (B) फूटल फुकना बैलूनक हवा जेकाँ। — स्रोतमे पैघ अरमान सपना फूटल बैलूनक हवा जेकाँ मिलि जाएबाक बात अछि।
१७२७. (C) पाकल आमक आँठी जेकाँ। — स्रोतमे करेज आरो सक्त भेल पाकल आमक आँठी जेकाँ कहल गेल।
१७२८. (D) अंडीक तेलमे जरैत डिबिया। — स्रोतमे अंडीक तेलमे जरैत डिबियाक इजोत जेकाँ अभिव्यक्ति अछि।
१७२९. (A) ओ अनुभवकँ आरो व्यापकता दैत नव-नव कृति देताह। — स्रोतमे व्यक्तिगत बधाइ आ नव-नव कृतिसँ परिचित करएबाक आशा व्यक्त अछि।
१७३०. (B) पछताबा कथा मोनलगू, अविच्छिन्न आ मैथिल उपमासँ समृद्ध कहल गेल अछि। — ई खण्ड कथाक भाषा, उपमा आ समीक्षकीय सराहना पर आधारित अछि।
१७३१. (A) प्रेमशंकर सिंह। — स्रोतमे शीर्षकपूर्वक प्रेमशंकर सिंहक नाम अछि।
१७३२. (B) १९२२-२००९। — स्रोतमे प्रोफेसर डाक्टर जयकान्त मिश्र (१९२२-२००९) कहल गेल।
१७३३. (C) दिव्य अक्षर पुरुष। — स्रोतमे “दिव्य अक्षर पुरुष” पदप्रयोग अछि।
१७३४. (D) प्रतिष्ठित करबाक लेल। — स्रोतमे मैथिलीकँ विश्व स्तरपर प्रतिष्ठित करबामे संघर्ष कहल गेल।
१७३५. (A) प्राथमिक शिक्षा नीति। — स्रोतमे मातृभाषाक माध्यमे प्राथमिक शिक्षा नीति लागू करएबाक बात अछि।
१७३६. (B) प्रणयन। — स्रोतमे वैज्ञानिक आलोचनात्मक ग्रंथक प्रणयन करबाक उल्लेख अछि।
१७३७. (C) नव दिशा। — स्रोतमे शोध एवं अनुसंधानक नव दिशा कहल गेल।
१७३८. (D) साहित्यक हेड़ाएल-भुतिआएल विभूति। — स्रोतमे एहि पदप्रयोगक उल्लेख अछि।
१७३९. (A) नव रक्तक संचार। — स्रोतमे मातृभाषाक निष्प्राण धमनीमे नव रक्तक संचार कहल गेल।
१७४०. (B) प्रेमशंकर सिंह जयकान्त मिश्रकँ मातृभाषा, शोध, शिक्षा आ साहित्य-उत्थानक दिव्य अक्षर पुरुष मानैत छथि। — ई खण्ड जयकान्त मिश्रक समग्र व्यक्तित्व पर आधारित अछि।
१७४१. (A) जयकान्त मिश्रक। — स्रोतमे मैथिली अध्ययन-अनुशीलनक कारण छात्रावस्थासँ नामसँ अवगत रहबाक बात अछि।
१७४२. (B) पटना मे। — स्रोतमे बिहारक राजधानी पटनामे प्रथम दर्शनक अवसर भेटल।
१७४३. (C) बिहार पब्लिक सर्भिस कमीशनमे इन्टरभ्यू देबाक हेतु। — स्रोतमे मैथिली विभागक रीडर एवं विभागाध्यक्ष इन्टरभ्यू हेतु आएबाक उल्लेख अछि।
१७४४. (D) प्रोफेसर शैलेन्द्र मोहन झा। — स्रोतमे अपन गुरुदेव प्रोफेसर शैलेन्द्र मोहन झाक दर्शनार्थ जाएबाक बात अछि।
१७४५. (A) १९६३ ई.। — स्रोतमे सन् १९६३ ई. क घटना कहल गेल।
१७४६. (B) पटना विश्वविद्यालयक एम.ए. मैथिलीक अन्तिम वर्ष। — स्रोतमे ई विवरण अछि।
१७४७. (C) शैलेन्द्र बाबू। — स्रोतमे शैलेन्द्र बाबू परिचय देलथिन कहल गेल।
१७४८. (D) मैथिलीक लेक्चरर। — स्रोतमे भागलपुर विश्वविद्यालयमे मैथिलीक लेक्चरर होएबाक उल्लेख अछि।
१७४९. (A) सारगर्भित गंभीर व्याख्यान। — स्रोतमे आयोजनमे सारगर्भित गंभीर व्याख्यान देबाक बात अछि।
१७५०. (B) लेखकक जयकान्त मिश्रसँ प्रथम परिचय पटना मे भेल आ बादमे विद्यापति पर्वमे हुनक व्याख्यान मातृभाषानुराग जगबैत अछि। — ई खण्ड प्रथम दर्शन आ प्रारम्भिक सम्पर्क पर आधारित अछि।
१७५१. (A) इलाहाबाद। — स्रोतमे निजी पुस्तकालय देखबाक हेतु इलाहाबाद जाएबाक उल्लेख अछि।
१७५२. (B) कन्यादान आ द्विरागमन। — स्रोतमे हरिमोहन झाक कन्यादान आ द्विरागमन पर समालोचना देखबाक बात अछि।
१७५३. (C) १९३३। — स्रोतमे कन्यादान (१९३३) कहल गेल।
१७५४. (D) १९४३। — स्रोतमे द्विरागमन (१९४३) कहल गेल।
१७५५. (A) श्रीकृष्ण मिश्र। — स्रोतमे श्रीकृष्ण मिश्रक वृहत समालोचना कहल गेल।

१७५६. (B) मिथिला मिहिर। — स्रोतमे मिथिला मिहिरमे प्रकाशित भेल कहल गेल।
१७५७. (C) आवश्यक सामग्री टाइप करबा देलनि। — स्रोतमे इच्छानुरूप सामग्री टाइप करबा देबाक बात अछि।
१७५८. (D) जिराक्स। — स्रोतमे ओहि समय जिराक्सक आविष्कार नहि भेल छलैक कहल गेल।
१७५९. (A) स्मृतिक धरोहर। — स्रोतमे टाइप कॉपी स्मृतिक धरोहर रूपमे वर्तमान कहल गेल।
१७६०. (B) जयकान्त मिश्रक निजी पुस्तकालय आ शोध-सहायता लेखक लेल अमूल्य सिद्ध भेल। — ई खण्ड इलाहाबाद पुस्तकालय, पुरान पत्रिका आ शोध-सामग्री पर आधारित अछि।
१७६१. (A) तकर ठेकान नहि। — स्रोतमे भेटक संख्या अनिश्चित कहल गेल।
१७६२. (B) जयकान्त मिश्रक। — स्रोतमे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग स्तरपर भेटक उल्लेख अछि।
१७६३. (C) चेतना समितिक। — स्रोतमे चेतना समितिक संगोष्ठीक उल्लेख अछि।
१७६४. (D) मिथिला सांस्कृतिक संगम प्रयाग। — स्रोतमे मिथिला सांस्कृतिक संगम प्रयागक आयोजनोत्सवक उल्लेख अछि।
१७६५. (A) हुनकासँ भेट भेल छल। — स्रोतमे ब्रजकिशोर वर्माक “हुनकासँ भेट भेल छल” पुस्तकक सम्पादनक क्रम अछि।
१७६६. (B) सहस्राधिक बेर। — स्रोतमे सहस्राधिक बेर दर्शन आ सान्निध्यक बात अछि।
१७६७. (C) मातृभाषाक सेवार्थ। — स्रोतमे मातृभाषाक सेवार्थ शुभकामनासँ उत्प्रेरित करबाक बात अछि।
१७६८. (D) गुरुतुल्य प्रेरणा आ संरक्षण। — स्रोतमे अशेष शुभकामना आ उत्प्रेरणाक भाव अछि।
१७६९. (A) साहित्य, विश्वविद्यालय, संगोष्ठी आ संपादन-कार्य। — स्रोतमे एहि सभ प्रसंगमे भेटक उल्लेख अछि।
१७७०. (B) लेखकक जयकान्त मिश्रसँ दीर्घ सम्पर्क विश्वविद्यालय, संगोष्ठी, प्रयाग आयोजन आ संपादन-कार्यक माध्यमे निरन्तर गाढ़ भेल। — ई खण्ड सान्निध्य आ प्रेरणात्मक सम्बन्ध पर आधारित अछि।
१७७१. (A) संस्कृतक पठन-पाठन। — स्रोतमे संस्कृतक पठन-पाठनक प्रति आस्था आ श्रद्धा कहल गेल।
१७७२. (B) महामहोपाध्याय पण्डित जयदेव मिश्र। — स्रोतमे पितामह जयदेव मिश्रक नाम अछि।
१७७३. (C) महामहोपाध्याय डाक्टर उमेश मिश्र। — स्रोतमे पिता उमेश मिश्र (1895-1967)क नाम अछि।
१७७४. (D) संस्कृत शिक्षण। — स्रोतमे संस्कृत शिक्षणक प्रति अनुराग कहल गेल।
१७७५. (A) पाश्चात्य शिक्षा अनुरूप। — स्रोतमे पठन-पाठन पाश्चात्य-शिक्षानुरूप भेल कहल गेल।
१७७६. (B) पिता आ प्रोफेसर अमरनाथ झा। — स्रोतमे पिता एवं प्रोफेसर अमरनाथ झाक छत्रछाया कहल गेल।
१७७७. (C) आधुनिक यूरोपियन परम्परा। — स्रोतमे इलाहाबाद आधुनिक यूरोपियन परम्पराक केन्द्र-बिन्दु कहल गेल।
१७७८. (D) अंग्रेजी विभाग। — स्रोतमे बहुभाषाविद अमरनाथ झा अंग्रेजी विभागक सर्वेसर्वा कहल गेल।
१७७९. (A) मातृभाषानुराग। — स्रोतमे मातृभाषानुराग एतेक बलवती छल कहल गेल।
१७८०. (B) संस्कृत-प्रधान परिवार आ पाश्चात्य शिक्षा-दुनू पृष्ठभूमिक बीच जयकान्त मिश्रक मातृभाषानुराग जीवनभर सक्रिय रहल। — ई खण्ड पारिवारिक पृष्ठभूमि आ मातृभाषा-निष्ठा पर आधारित अछि।
१७८१. (A) २१ वर्ष। — स्रोतमे मात्र 21 वर्षक अवस्थामे लेक्चरर पद सुशोभित करबाक बात अछि।
१७८२. (B) स्टडीज एण्ड मार्डन यूरोपियन विभाग। — स्रोतमे विभागक नाम एहि रूपे आयल अछि।
१७८३. (C) रीडर, यूनिभर्सिटी प्रोफेसर आ विभागाध्यक्ष। — स्रोतमे 1944 मे ई पदसभ देल अछि।
१७८४. (D) १९८३ ई.। — स्रोतमे सन् 1983 ई.मे अवकाश कहल गेल।
१७८५. (A) नहि। — स्रोतमे अवकाशोपरान्त अध्यापन कार्यसँ मुक्ति नहि भेटलनि कहल गेल।
१७८६. (B) भिजीटिंग फेलो। — स्रोतमे सागर विश्वविद्यालय भिजीटिंग फेलो रूपमे चयन कएलक कहल गेल।
१७८७. (C) १९८५ सँ १९८८ धरि। — स्रोतमे सन् 1985 सँ सन् 1988 धरि कार्यरत रहबाक बात अछि।
१७८८. (D) ऑल इण्डिया बोर्ड फार रिसर्च एवार्ड इन ह्यूमैनिटीज। — स्रोतमे मैसूर विश्वविद्यालयक आमंत्रणक संदर्भ अछि।

१७८९. (A) डीन फैकल्टी ऑफ लैंग्वेजेज एण्ड सोशल साइंस। — स्रोतमे 1992 सँ 1994 धरि एहि विभागमे अध्यापन करबाक बात अछि।
१७९०. (B) जयकान्त मिश्रक अध्यापन-यात्रा इलाहाबादसँ सागर, मैसूर आ चित्रकूट धरि विस्तृत रहल। — ई खण्ड अध्यापन-जीवनक क्रम पर आधारित अछि।
१७९१. (A) वरद पुत्र। — स्रोतमे प्रथम मैथिल सरस्वतीक वरद पुत्र कहल गेल।
१७९२. (B) जीवनदान। — स्रोतमे मातृभाषाकें जीवनदान देलनि कहल गेल।
१७९३. (C) इलाहाबाद विश्वविद्यालयक पृष्ठभूमि आ अध्यापन-वृत्तिसँ। — स्रोतमे शैक्षणिक पृष्ठभूमि आ अध्यापन वृत्तिक कारण कहल गेल।
१७९४. (D) अनुसन्धानक। — स्रोतमे अनुसन्धानक तीव्र आकांक्षा कहल गेल।
१७९५. (A) शेक्सपियरक ड्रामापर। — स्रोतमे शेक्सपियरक ड्रामापर काज करबाक इच्छा कहल गेल।
१७९६. (B) प्रोफेसर अमरनाथ झाक लग। — स्रोतमे गुरुवर अमरनाथ झाक लग जाएबाक बात अछि।
१७९७. (C) शेक्सपियरपर हजारो पोथी उपलब्ध अछि। — स्रोतमे विश्वक भाषामे हजारो पोथी उपलब्ध रहबाक तर्क अछि।
१७९८. (D) ओ ऑक्सफोर्डक प्रकाशन पढ़त, भारतीय लेखकक पोथी नहि। — स्रोतमे एहि आशयक प्रश्न उठाओल गेल।
१७९९. (A) जयकान्त मिश्र मैथिली शोध दिस प्रेरित भेलाह। — अमरनाथ झाक सलाह हुनका मैथिलीक काज दिस मोड़ैत अछि।
१८००. (B) अमरनाथ झाक दूरदर्शी सलाह जयकान्त मिश्रकें शेक्सपियर छोड़ि मैथिली अनुसन्धान दिस मोड़लक। — ई खण्ड अनुसन्धान-प्रेरणा पर आधारित अछि।
१८०१. (A) मैथिलीक काज। — स्रोतमे “मैथिलीक काज” स्पष्ट कहल गेल।
१८०२. (B) ओ सन्न रहि गेलाह। — स्रोतमे अंग्रेजी शोध-प्रबन्धक विषय मैथिली कोना होएत सोचि सन्न रहबाक बात अछि।
१८०३. (C) मैथिली। — स्रोतमे ओ पुनः “मैथिली?” कहि जिज्ञासा कएलनि।
१८०४. (D) हँ, मैथिली। — स्रोतमे डॉ. झा “हँ, मैथिली!” कहलथिन।
१८०५. (A) मैथिली साहित्यक विषय। — स्रोतमे अमैथिल भाषी जानकारी प्राप्त करत कहल गेल।
१८०६. (B) अंग्रेजीमे डी.फिल.। — स्रोतमे अंग्रेजीमे लिखल रहतैक तँ अंग्रेजीमे डी.फिल. डिग्री भेटत कहल गेल।
१८०७. (C) दूरदर्शी। — स्रोतमे प्रोफेसर झा एक दूरदर्शी साहित्य-मनीषी रहथि कहल गेल।
१८०८. (D) उपयुक्त सलाह आ प्रेरणा। — स्रोतमे उपयुक्त सलाह आ प्रेरणा देलथिन कहल गेल।
१८०९. (A) अजर, अमर आ अक्षुण्ण यशक भागी। — स्रोतमे एहि वाक्यक उल्लेख अछि।
१८१०. (B) अमरनाथ झाक सलाहसँ जयकान्त मिश्र अंग्रेजी माध्यमे मैथिलीपर शोध करबाक ऐतिहासिक संकल्प धरलनि। — ई खण्ड मैथिली शोध-विषयक निर्णय पर आधारित अछि।
१८११. (A) मैथिली आ प्रोफेसर मिश्रक। — स्रोतमे मैथिली आ प्रोफेसर मिश्र एक दोसराक पर्याय कहल गेल।
१८१२. (B) अनोना। — स्रोतमे बिनु नामोल्लेख मैथिलीक कृति अनोना लगैछ कहल गेल।
१८१३. (C) ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचर। — स्रोतमे A History Of Maithili Literature क उल्लेख अछि।
१८१४. (D) डी.फिल.। — स्रोतमे सन् 1948 मे डी. फिल. उपाधि देबाक बात अछि।
१८१५. (A) १९४८ ई.। — स्रोतमे सन् 1948 ई. उल्लेख अछि।
१८१६. (B) दुइ खण्डमे। — स्रोतमे कृति दुइ खण्डमे प्रकाशित भेल कहल गेल।
१८१७. (C) मैथिली साहित्यक अमूल्य निधि। — स्रोतमे अमूल्य निधि रूपमे उद्घोषित कहल गेल।
१८१८. (D) साहित्येतिहासिक ग्रंथ। — स्रोतमे मैथिलीक कोनो साहित्येतिहासिक ग्रंथ नहि छल कहल गेल।
१८१९. (A) दिशा-बोधक अनुसंधान। — स्रोतमे एहि अनुसंधानकें दिशा-बोधक कहल गेल।
१८२०. (B) ए हिस्ट्री ऑफ मैथिली लिटरेचर मैथिली साहित्येतिहासक प्रथम दिशा-बोधक अनुसन्धान रूपमे प्रतिष्ठित भेल। — ई खण्ड कृतिक उपाधि, प्रकाशन आ महत्त्व पर आधारित अछि।
१८२१. (A) मैथिली साहित्य सम्पन्न भाषा-साहित्य थिक। — स्रोतमे अन्य भाषा-भाषीकें मैथिली साहित्यक सम्पन्नता बोध भेल कहल गेल।

१८२२. (B) तेरहम शताब्दीसँ। — स्रोतमे तेरहम शताब्दीसँ अविच्छिन्न पृष्ठभूमि कहल गेल।
१८२३. (C) प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी। — स्रोतमे सुनीति कुमार चटर्जीक कथन अछि।
१८२४. (D) प्रथमे-प्रथमे प्रकाशित इतिहास, स्वागतयोग्य। — स्रोतमे प्रथम इतिहास प्रकाशित भेल तँ स्वागतयोग्य कहल गेल।
१८२५. (A) जयकान्त मिश्र। — स्रोतमे ई श्रेय हिनके छनि कहल गेल।
१८२६. (B) प्रोफेसर अमरनाथ झा। — स्रोतमे द्वितीय खण्डपर अमरनाथ झा आमुख लिखलनि।
१८२७. (C) प्रियरंजन सेन। — स्रोतमे प्रियरंजन सेन निर्देशक कहल गेल।
१८२८. (D) अत्यन्त साहसिक। — स्रोतमे गौरवमय इतिहास आधुनिक परिप्रेक्ष्यमे प्रस्तुत करब साहसिक काज कहल गेल।
१८२९. (A) कृतिक ऐतिहासिक गरिमा आ स्वीकार्यता। — सुनीति कुमार, अमरनाथ झा आ प्रियरंजन सेनक उल्लेख एहि स्वीकार्यताक संकेत अछि।
१८३०. (B) जयकान्त मिश्रक इतिहास सुनीति कुमार चटर्जी, अमरनाथ झा आ प्रियरंजन सेन सन विद्वानक मान्यतासँ प्रतिष्ठित भेल। — ई खण्ड इतिहासक स्वागत आ विद्वत् प्रतिक्रिया पर आधारित अछि।
१८३१. (A) एन इण्ट्रोडक्शन टु द फोक लिटरेचर ऑफ मिथिला। — स्रोतमे An Introduction to the folk literature of Mithila क उल्लेख अछि।
१८३२. (B) मिथिलांचलक लोक साहित्य। — स्रोतमे मिथिलांचलक परिसरमे उपलब्ध लोक साहित्यक विश्लेषण कहल गेल।
१८३३. (C) लोक साहित्यसँ संबंधित उपलब्ध सामग्री। — स्रोतमे उपलब्ध लोक-साहित्य सामग्री संकलित करबाक बात अछि।
१८३४. (D) अंग्रेजीमे। — स्रोतमे अंग्रेजीमे विश्लेषण कऽ प्रमाणित कएलनि कहल गेल।
१८३५. (A) समृद्धशाली विपुल लोक साहित्य जनमानसमे छिड़िआएल अछि। — स्रोतमे ई बात स्पष्ट अछि।
१८३६. (B) अनुसंधानक। — स्रोतमे ताहि दिशामे अनुसंधानक प्रयोजन कहल गेल।
१८३७. (C) मिथिलाक समृद्ध जन-सांस्कृतिक भंडार रूपमे। — स्रोतमे विपुल लोक साहित्य जनमानसमे छिड़िआएल प्रमाणित भेल।
१८३८. (D) अंग्रेजी माध्यमे मिथिलाक लोक-साहित्यक परिचय। — स्रोतमे अंग्रेजीमे विश्लेषणक उल्लेख अछि।
१८३९. (A) साहित्येतिहाससँ लोकसाहित्य धरि व्यापकता। — इतिहास आ लोक-साहित्य दुनू पर हुनक शोध स्रोतमे आयल अछि।
१८४०. (B) जयकान्त मिश्र मिथिलाक लोक-साहित्यक संकलन, अंग्रेजी विश्लेषण आ अनुसन्धानक आवश्यकता प्रमाणित करैत छथि। — ई खण्ड लोक-साहित्यक अध्ययन पर आधारित अछि।
१८४१. (A) दुइ बेर। — स्रोतमे पड़ोसी राष्ट्र नेपालक दुइ बेर यात्रा कहल गेल।
१८४२. (B) शोध-प्रबन्धक सामग्री संकलन। — स्रोतमे प्रथम यात्रा शोध-प्रबन्धक सामग्री संकलनार्थ कहल गेल।
१८४३. (C) पहिल यात्रामे नहि भेटल पाण्डुलिपिकें मूर्त रूप देब। — स्रोतमे प्रथम यात्रामे नहि भेटल सामग्री हेतु पुनः जाएबाक बात अछि।
१८४४. (D) मैथिली भाषा आ साहित्यक नाटकादिक पाण्डुलिपि। — स्रोतमे नाटकादिक पाण्डुलिपि संचयन कऽ प्रकाशित कराओल गेल।
१८४५. (A) प्रकाशित करौलनि। — स्रोतमे प्रकाशित करौलनि कहल गेल।
१८४६. (B) भावी अनुसन्धानकर्ता। — स्रोतमे भावी अनुसन्धानकर्ताक पथ-प्रदर्शन कहल गेल।
१८४७. (C) अंग्रेजी आ मैथिलीमे। — स्रोतमे सारगर्भित भूमिका अंग्रेजी आ मैथिलीमे लिखबाक उल्लेख अछि।
१८४८. (D) नाटकादिक। — स्रोतमे भूमिका द्वारा मूल्यांकन आ ऐतिहासिकता उद्घाटित कएल गेल।
१८४९. (A) ओझरौठ सोझराओल गेल। — स्रोतमे समस्यादिक ओझरौठकेँ सोझरा देबाक बात अछि।
१८५०. (B) जयकान्त मिश्रक नेपाल-यात्रा मैथिली नाटक-पाण्डुलिपि संचयन, प्रकाशन आ भावी शोधक पथ-प्रदर्शन लेल महत्वपूर्ण रहल। — ई खण्ड नेपाल-यात्रा आ पाण्डुलिपि-संपादन पर आधारित अछि।
१८५१. (A) सम्पूर्ण अवधारणा। — स्रोतमे हिनक अनुसंधान सम्पूर्ण अवधारणाकेँ बदलि देलक कहल गेल।
१८५२. (B) सकारात्मक। — स्रोतमे अवधारणा सकारात्मक भेल कहल गेल।
१८५३. (C) गंभीर अध्ययनक विषय। — स्रोतमे मैथिली गंभीर अध्ययनक विषय मानल जाए लागल कहल गेल।
१८५४. (D) मैथिली साहित्यक विकास मार्ग। — स्रोतमे मैथिली साहित्यक विकास मार्ग प्रशस्त भेल कहल गेल।

१८५५. (A) स्तुत्य। — स्रोतमे प्रयास स्तुत्य कहल गेल।
१८५६. (B) उपेक्षासँ गंभीर शास्त्रीय अध्ययन दिस गमन। — स्रोतमे मैथिली गंभीर अध्ययनक विषय मानल जाए लगबाक बात अछि।
१८५७. (C) मैथिली साहित्यक। — स्रोतमे साहित्यक विकास मार्ग प्रशस्त भेल।
१८५८. (D) अध्ययन-मान्यता निर्माण। — अनुसंधानक बाद मैथिली गंभीर अध्ययनक विषय बनल।
१८५९. (A) गहन अनुसन्धान। — स्रोतमे हिनक अनुसंधानक प्रभाव वर्णित अछि।
१८६०. (B) जयकान्त मिश्रक अनुसन्धान मैथिलीकेँ गंभीर अध्ययनक विषय बनबैत सकारात्मक अवधारणा आ विकास-पथ तैयार कएलक। — ई खण्ड शोधक प्रभाव पर आधारित अछि।
१८६१. (A) साहित्य-साधना। — स्रोतमे “साहित्य-साधना” उपशीर्षक आयल अछि।
१८६२. (B) मौलिक, सम्पादित आ स्वतंत्र आलेखादि। — स्रोतमे साहित्य-साधनाक अन्तर्गत मौलिक, सम्पादित एवं स्वतंत्र आलेखादिक रचनावली कहल गेल।
१८६३. (C) अंग्रेजी आ मैथिलीमे। — स्रोतमे अंग्रेजी एवं मैथिलीमे रचनावली कहल गेल।
१८६४. (D) नव दिशा। — स्रोतमे मैथिली साहित्यकेँ नव दिशा देबाक निमित्त लेखन कहल गेल।
१८६५. (A) समान रूपेण। — स्रोतमे उपर्युक्त दुनू भाषामे समान रूपेण लेखन कएलनि।
१८६६. (B) अमैथिल भाषी सेहो गौरव-गरिमा जानय-बुझय। — स्रोतमे अमैथिल भाषी सेहो गौरव-गरिमा जानए-बुझए उद्देश्य कहल गेल।
१८६७. (C) स्थानीय आ वैश्विक पाठक-दुनू धरि पहुँचनाइ। — स्रोतमे अमैथिल भाषी धरि मैथिलीक गौरव पहुँचब उद्देश्य अछि।
१८६८. (D) हुनक लेखनक बहुविध रूप। — स्रोतमे मौलिक, सम्पादित, स्वतंत्र आलेखादि सभक उल्लेख अछि।
१८६९. (A) मैथिली साहित्यसँ। — स्रोतमे मैथिली साहित्यकेँ नव दिशा देबाक निमित्त कहल गेल।
१८७०. (B) जयकान्त मिश्रक साहित्य-साधना मैथिली आ अंग्रेजी दुनू भाषामे मैथिलीक गौरव-गरिमा प्रसारित करबाक उद्देश्यसँ चलल। — ई खण्ड साहित्य-साधनाक भाषा आ उद्देश्य पर आधारित अछि।
१८७१. (A) १९४९। — स्रोतमे A History of Maithili Literature Volume-I-1949 देल अछि।
१८७२. (B) १९५०। — स्रोतमे Volume-II-1950 देल अछि।
१८७३. (C) १९५०। — स्रोतमे ई कृति Volume-I-1950 रूपमे देल अछि।
१८७४. (D) १९५१। — स्रोतमे Volume-II-1951 देल अछि।
१८७५. (A) १९६३। — स्रोतमे A case of Maithili-1963 देल अछि।
१८७६. (B) १९६५। — स्रोतमे मौलिक मैथिली अन्तर्गत कीर्त्तनिजा नाटक-1965 देल अछि।
१८७७. (C) १९६७। — स्रोतमे तिरहुता ककहारा-1967 देल अछि।
१८७८. (D) १९६९। — स्रोतमे मैथिलीमे प्राथमिक शिक्षा-1969 देल अछि।
१८७९. (A) १९७३। — स्रोतमे वृहत मैथिली शब्दकोश खण्ड-1-1973 देल अछि।
१८८०. (B) जयकान्त मिश्रक कृति-सूचीमे मैथिली साहित्य इतिहास, लोक-साहित्य, मैथिली-प्रकरण, कीर्त्तनिजा नाटक, तिरहुता ककहारा, प्राथमिक शिक्षा आ शब्दकोश प्रमुख रूपेँ आबैत अछि। — ई खण्ड अंग्रेजी आ मैथिली प्रमुख कृतिसूची पर आधारित अछि।
१८८१. (A) अंग्रेजीक प्रोफेसरक रूपमे। — स्रोतमे जीवकोपार्जन अंग्रेजीक प्रोफेसर रूपमे भेल कहल गेल।
१८८२. (B) रचनात्मक प्रवृत्ति। — स्रोतमे ओहू साहित्य मे रचनात्मक प्रवृत्तिक परिचय देबाक बात अछि।
१८८३. (C) १९५५ आ १९६५। — सूचीमे Lectures on Thomas Hardy-1955 एवं 1965 देल अछि।
१८८४. (D) १९५७ आ १९६३। — सूचीमे Lectures on Four Poets-1957 एवं 1963 देल अछि।
१८८५. (A) १९७७। — सूचीमे Complete style in English Poetry-1977 देल अछि।
१८८६. (B) १९८७। — सूचीमे Romantic Poets 1987 देल अछि।
१८८७. (C) १९९२। — सूचीमे Victorian Poets 1992 देल अछि।

१८८८. (D) अंग्रेजी अध्यापक आ आलोचक दुनू रूप। — सूची हुनक अंग्रेजी साहित्यिक आलोचनात्मक कार्य देखबैत अछि।
१८८९. (A) ओ द्विभाषिक वैदुष्यक प्रमाण दैत अछि। — स्रोतमे अंग्रेजी आ मैथिली दुनू भाषामे समान लेखनक बात अछि।
१८९०. (B) जयकान्त मिश्र अंग्रेजीक प्रोफेसर रहि अंग्रेजी आलोचना-साहित्य मे सेहो सक्रिय रचनात्मक योगदान देलनि। — ई खण्ड मौलिक अंग्रेजी कृतिसूची पर आधारित अछि।
१८९१. (A) मैथिलीक नाटकादि आ अन्य कृति। — स्रोतमे नेपाल दरबार लाइब्ररीमे नाटकादि एवं अन्य कृति उपलब्ध भेल कहल गेल।
१८९२. (B) नेपाल दरबार लाइब्ररीमे। — स्रोतमे नेपाल दरबार लाइब्ररीक स्पष्ट उल्लेख अछि।
१८९३. (C) सयत्न आनि ऐतिहासिक भूमिका लिखि सम्पादित कऽ। — स्रोतमे तकरा सयत्न आनि भूमिका लिखि सम्पादन-प्रकाशन कहल गेल।
१८९४. (D) ज्योतिरीश्वर। — सम्पादित सूचीमे धूर्तसमागम-ज्योतिरीश्वर-1960 अछि।
१८९५. (A) शिवदत्त। — सूचीमे गौरी परिणय-शिवदत्त-1960 देल अछि।
१८९६. (B) १९६०। — सूचीमे गौरी स्वयंवर-कान्हाराम-1960 अछि।
१८९७. (C) विद्यापति। — सूचीमे गोरक्षविजय-विद्यापति-1961 देल अछि।
१८९८. (D) रमापति। — सूचीमे रुक्मिणी परिणय-रमापति-1961 अछि।
१८९९. (A) पाण्डुलिपि-संरक्षण आ ऐतिहासिक संपादनक परम्परा। — नेपालसँ प्राप्त सामग्रीक सम्पादन एहि बातक प्रमाण अछि।
१९००. (B) जयकान्त मिश्र नेपाल दरबार लाइब्ररीसँ मैथिली नाटक-पाण्डुलिपि आनि ऐतिहासिक भूमिका सहित सम्पादित-प्रकाशित कएलनि। — ई खण्ड नेपाल-संचित सम्पादित कृतिसूची पर आधारित अछि।
१९०१. (A) नन्दीपति। — सूचीमे कृष्ण केलिमाला-नन्दीपति-1961 अछि।
१९०२. (B) श्रीकान्त गणक। — सूचीमे श्री कृष्णजन्मरहस्य-श्रीकान्त गणक-1961 देल अछि।
१९०३. (C) १९६२। — सूचीमे गौरीस्वयंवर-लालकवि-1962 देल अछि।
१९०४. (D) मल्लशासक। — सूचीमे विद्या विलाप-मल्लशासक-1965 अछि।
१९०५. (A) Maithili Section। — सूचीमे Medieval & Modern Indian Literature- Maithili Section देल अछि।
१९०६. (B) महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्र। — सूचीमे आधुनिक गद्यक निर्माता महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्र-2006 अछि।
१९०७. (C) कीर्तिपताका-विद्यापति-1960। — स्रोतमे सह सम्पादन अन्तर्गत ई कृति देल अछि।
१९०८. (D) उमेश मिश्रक। — गोविन्द झा लिखित उमेश मिश्र मोनोग्राफक अंग्रेजी अनुवादक उल्लेख अछि।
१९०९. (A) साहित्य अकादेमी। — स्रोतमे साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित भारतक साहित्य निर्माता सिरीज कहल गेल।
१९१०. (B) जयकान्त मिश्रक सम्पादन, सह-सम्पादन आ अनुवाद मैथिली धरोहरकेँ आधुनिक शोध-पाठक धरि पहुँचबैत अछि। — ई खण्ड सम्पादित कृति, सह-सम्पादन आ अनुवाद पर आधारित अछि।
१९११. (A) मैथिली पत्रकादिमे। — स्रोतमे हिनक निबंध मैथिली पत्रकादिमे प्रकाशित होइत रहल कहल गेल।
१९१२. (B) मिथिला मिहिरमे। — सूचीमे मिथिला मिहिर-1943 देल अछि।
१९१३. (C) चौपाड़ि मधुमास-2011। — सूचीमे ई रूपे देल अछि।
१९१४. (D) प्रथम अखिल भारतीय लेखक सम्मेलन, रचना संग्रह प्रथम भाग। — सूचीमे एहि शीर्षकक संदर्भ अछि।
१९१५. (A) नाटक विभाग। — सूचीमे नाटक विभागक अध्यक्षीय भाषण-1956 अछि।
१९१६. (B) वैदेही नवम्बर-दिसम्बर 1957। — सूचीमे एहि पत्र आ समयक उल्लेख अछि।
१९१७. (C) वैदेही जनवरी 1958। — सूचीमे हमर नेपाल यात्रा, वैदेही जनवरी-1958 अछि।
१९१८. (D) चेतना समिति संगोष्ठी-1972। — सूचीमे एहि वर्षसहित देल अछि।
१९१९. (A) १९७३। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1973 अछि।
१९२०. (B) जयकान्त मिश्रक आरम्भिक निबन्ध-सूची उपन्यास-समीक्षा, इतिहास, नाटक, अंग्रेजी-प्रभाव, नेपाल-यात्रा आ पूर्वाचलीय सांस्कृतिक विमर्श धरि फैलल अछि। — ई खण्ड निबन्ध-सूची १ सँ ८/९ धरि पर आधारित अछि।

१९२१. (A) १९७४। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1974 देल अछि।
१९२२. (B) १९७७। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1977 देल अछि।
१९२३. (C) चेतना समिति स्मारिका-1977। — सूचीमे ई जानकारी अछि।
१९२४. (D) मिथिला मिहिर, 11 जून 1978। — सूचीमे मिथिला मिहिर 11 जून-1978 देल अछि।
१९२५. (A) १९७९। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1979 अछि।
१९२६. (B) १९८०। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1980 अछि।
१९२७. (C) १९८४। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1984 देल अछि।
१९२८. (D) १९८६। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1986 अछि।
१९२९. (A) १९८९। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1989 देल अछि।
१९३०. (B) जयकान्त मिश्रक निबन्ध भाषा, संविधान, रंगमंच, संस्कृति, प्रतिबद्धता, समालोचना आ मैथिली आन्दोलनक लगातार बौद्धिक रेखा बनबैत अछि। — ई खण्ड निबन्ध-सूचीक मध्य आ उत्तर भाग पर आधारित अछि।
१९३१. (A) १९८७। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1987 देल अछि।
१९३२. (B) चेतना समिति स्मारिका-1987। — सूचीमे एहि रूपे देल अछि।
१९३३. (C) १९८८। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-1988 अछि।
१९३४. (D) २०००। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी 2000 देल अछि।
१९३५. (A) २००३। — सूचीमे चेतना समिति संगोष्ठी-2003 अछि।
१९३६. (B) साहित्य-साधनाक यथार्थ परिचय। — स्रोतमे समग्र कृतिक अवलोकनसँ ई परिचय भेटैत अछि कहल गेल।
१९३७. (C) सतत कार्यरत। — स्रोतमे मातृभाषाक विकासार्थ सतत कार्यरत रहलाह कहल गेल।
१९३८. (D) अक्षय कृति। — स्रोतमे अक्षय कृति परवर्ती पीढ़ीक छोड़ि गेलाह कहल गेल।
१९३९. (A) पाथेय। — स्रोतमे अद्वितीय वैदुष्यक आदर्श वर्तमान पीढ़ीक लेल पाथेय बनल कहल गेल।
१९४०. (B) जयकान्त मिश्रक उत्तरवर्ती लेखन आ समग्र कृति मातृभाषा-विकासक सतत साधना आ नव जीवनक संभावना देखबैत अछि। — ई खण्ड उत्तरवर्ती निबन्ध आ समग्र साहित्य-साधना पर आधारित अछि।
१९४१. (A) मातृभाषानुरागी एवं साहित्यानुरागी कीर्ति पुरुष। — स्रोतमे ई पदप्रयोग अछि।
१९४२. (B) मैथिलीक सम्मानार्थ। — स्रोतमे मैथिलीक सम्मानार्थ योगदानक उल्लेख अछि।
१९४३. (C) विभिन्न मातृभाषा सेवी संस्थादि। — स्रोतमे राष्ट्रीय अकादेमी आ मातृभाषा-सेवी संस्थादिक उल्लेख अछि।
१९४४. (D) मातृभाषा आ साहित्यक सेवा। — स्रोतमे मातृभाषा, साहित्य आ मैथिलीक सम्मानार्थ योगदान प्रमुख आधार अछि।
१९४५. (A) गौरवान्वित कएल गेलन्हि। — स्रोतमे समए-समएपर सम्मानित गौरवान्वित कएल गेलन्हि कहल गेल।
१९४६. (B) साहित्य अकादेमी। — बादक सूचीमे नेशनल एकेडेमी ऑफ लेटर्स अर्थात् साहित्य अकादेमी कहल गेल।
१९४७. (C) समाज-मान्य मातृभाषा-सेवक रूप। — भाषा-साहित्य सेवा पर संस्थागत सम्मान मिलल।
१९४८. (D) हुनक योगदानसँ प्रेरित संस्था-समाज। — स्रोतमे योगदानसँ अनुप्राणित भऽ सम्मानित करबाक बात अछि।
१९४९. (A) सेवा सँ सम्मानक प्राप्ति। — मातृभाषा-साहित्य सेवा सम्मानक आधार बनल।
१९५०. (B) जयकान्त मिश्रक मातृभाषा-साहित्य सेवा राष्ट्रीय आ मातृभाषा-सेवी संस्थाद्वारा बारम्बार सम्मानित भेल। — ई खण्ड सम्मानक सामान्य परिप्रेक्ष्य पर आधारित अछि।
१९५१. (A) अखिल भारतीय मैथिली सम्मेलनक अवसरपर। — सूचीमे 31 दिसम्बर 1969 मे मिथिला मण्डल मुम्बईक सम्मानपत्रक उल्लेख अछि।
१९५२. (B) 31 दिसम्बर 1969। — सम्मान-सूचीमे ई तिथि अछि।
१९५३. (C) १९९०। — सूचीमे चेतना समिति 1990मे सम्मानित कएलक कहल गेल।

१९५४. (D) मिथिला विभूति ताम्रपत्र। — स्रोतमे मिथिला विभूति ताम्रपत्रसँ सम्मानित कएलक कहल गेल।
१९५५. (A) मातृभाषाक अतुलित सेवा। — सूचीमे मातृभाषाक अतुलित सेवाक कारणेँ कहल गेल।
१९५६. (B) १९९५ ई.। — सम्मान-सूचीमे प्रयाग-1995 ई. अछि।
१९५७. (C) साहित्यिक, रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक कार्य। — स्रोतमे एहि कार्यसँ अनुप्राणित भऽ सम्मानपत्र देबाक बात अछि।
१९५८. (D) १९९९ ई.। — सूचीमे विगत शताब्दीक अवसान बेलामे 1999 ई. कहल गेल।
१९५९. (A) मातृभाषाक उत्थानार्थ कार्य। — स्रोतमे मातृभाषाक उत्थानार्थ कार्यसँ अनुप्राणित भऽ सम्मानपत्र देबाक बात अछि।
१९६०. (B) मुम्बई, पटना, प्रयाग आ धनबादक संस्थासभ जयकान्त मिश्रक मातृभाषा-सेवा, आन्दोलन आ उत्थान-कार्यक सम्मान कएलक। — ई खण्ड आरम्भिक/क्षेत्रीय सम्मान-सूची पर आधारित अछि।
१९६१. (A) २००० ई.। — सूचीमे विगत शताब्दीक अन्तिम वर्ष अर्थात् 2000 ई.मे भाषा सम्मान देल गेल।
१९६२. (B) कालजयी मध्यकालीन मैथिली साहित्यक विशेषज्ञ रूपमे। — स्रोतमे एहि रूपमे विभूषित कएलक कहल गेल।
१९६३. (C) 28 मई 2000। — सूचीमे 28 मई 2000 तिथि अछि।
१९६४. (D) साहित्य अकादेमी नई दिल्ली आ मिथिला सांस्कृतिक संगम प्रयाग। — स्रोतमे संयुक्त तत्वावधानक उल्लेख अछि।
१९६५. (A) मिथिला सांस्कृतिक परिषद कोलकाता। — सूचीमे बंगभूमिक जगता ज्योति संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद कोलकाता 2006 मे अभिनन्दन कएलक।
१९६६. (B) बंगभूमिक जगता ज्योति संस्था। — स्रोतमे ई पदप्रयोग अछि।
१९६७. (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य विशेषज्ञक मान्यता। — भाषा सम्मानक कारणमे ई विशेषज्ञता कहल गेल।
१९६८. (D) लेखक-व्यक्तित्वक सार्वजनिक स्वीकार्यता। — साहित्य अकादेमी आ प्रयागक संयुक्त आयोजन एहि स्वीकार्यताक संकेत अछि।
१९६९. (A) राष्ट्रीय आ प्रवासी मैथिल सांस्कृतिक मान्यता। — अकादेमी आ कोलकाता परिषदक सम्मान एहि स्तरक अछि।
१९७०. (B) साहित्य अकादेमीक भाषा सम्मान, मीट द ऑथर आ कोलकाता अभिनन्दन जयकान्त मिश्रक राष्ट्रीय-प्रवासी प्रतिष्ठा प्रमाणित करैत अछि। — ई खण्ड उत्तरवर्ती सम्मान-सूची पर आधारित अछि।
१९७१. (A) अति प्राचीन कालहिसँ। — स्रोतमे प्रयाग अति प्राचीन कालहिसँ मैथिल मातृभाषानुरागीक कार्य स्थल रहल अछि।
१९७२. (B) गंगा-यमुना आ विलुप्त सरस्वतीक संगम। — स्रोतमे धर्मावलंबी मैथिल समाजक कारणेँ संगमक उल्लेख अछि।
१९७३. (C) विद्याक केन्द्र हैबाक कारणेँ विद्यानुरागी लोकनिक जमावड़ा। — स्रोतमे एतए विद्याक केन्द्र होएबाक कारण कहल गेल।
१९७४. (D) जयकान्त मिश्र। — स्रोतमे स्वाधीनतासँ पूर्व प्रयागक मातृभाषानुरागी जयकान्त मिश्र कहल गेल।
१९७५. (A) दू संस्था। — स्रोतमे दू संस्थाक स्थापना कहल गेल।
१९७६. (B) तीरभुक्ति पब्लिकेशन्स। — स्रोतमे तीरभुक्ति पब्लिकेशन्सक नाम अछि।
१९७७. (C) अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति। — स्रोतमे ई नाम देल अछि।
१९७८. (D) १९४४ ई.। — स्रोतमे सन् 1944 ई.मे कहल गेल।
१९७९. (A) भाषा-साधनाक संगठनात्मक रूप। — संस्था-स्थापना मैथिलीक विकासार्थ भेल।
१९८०. (B) प्रयागक सांस्कृतिक-शैक्षिक वातावरणमे जयकान्त मिश्र 1944 मे तीरभुक्ति पब्लिकेशन्स आ अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति स्थापित कएलनि। — ई खण्ड प्रयाग आ संस्था-निर्माण पर आधारित अछि।
१९८१. (A) ऐतिहासिक। — स्रोतमे जकर वर्तमान परिदृश्य ऐतिहासिक भऽ गेल अछि कहल गेल।
१९८२. (B) जनजागरण। — स्रोतमे जनजागरण अनलक कहल गेल।
१९८३. (C) कतिपय समकालीन साहित्यकार लोकनिक। — स्रोतमे समकालीन साहित्यकार लोकनिक पुस्तकक प्रकाशनक उल्लेख अछि।
१९८४. (D) ऐतिहासिक महत्व। — स्रोतमे जकर ऐतिहासिक महत्व अछि कहल गेल।
१९८५. (A) मैथिली समाचार। — स्रोतमे मैथिली समाचार एक अनियतकालीन पत्रिका कहल गेल।
१९८६. (B) नव प्रकाशन। — स्रोतमे मात्र सूचनात्मक समाचारक अतिरिक्त नव प्रकाशनसँ पाठककेँ अवगत करबैछ कहल गेल।

१९८७. (C) स्वतन्त्र मिथिला राज्य। — स्रोतमे स्वतन्त्र मिथिला राज्यक समर्थनमे समाचार आ प्रयास प्रकाशित करैत आबि रहल अछि।
१९८८. (D) विगत दुइ दशकसँ। — स्रोतमे विगत दुइ दशकसँ प्रकाशित करैत आबि रहल अछि।
१९८९. (A) जयकान्त मिश्र स्वयं। — स्रोतमे एकर सम्पादन ओ स्वयं करथि कहल गेल।
१९९०. (B) जयकान्त मिश्रक संस्थासभ प्रकाशन, जनजागरण आ मैथिली समाचारक माध्यमे भाषिक-सांस्कृतिक चेतना सक्रिय कएलक। — ई खण्ड संस्थागत प्रकाशन आ पत्रिका पर आधारित अछि।
१९९१. (A) Poets, Essayist and Novelist। — स्रोतमे संक्षेपमे पी.ई.एन. कहल जाएबासँ पहिने ई नाम देल अछि।
१९९२. (B) सोफिया वाडिया। — स्रोतमे अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था सोफिया वाडिया द्वारा संस्थापित कहल गेल।
१९९३. (C) सक्रिय सदस्य। — स्रोतमे उक्त संस्थाक ई सक्रिय सदस्य भऽ कहल गेल।
१९९४. (D) भारतीय भाषा-साहित्यानुरागी लोकनिक। — स्रोतमे भारतीय भाषा साहित्यानुरागी लोकनिक ध्यान मैथिली दिस आकर्षित कएलनि।
१९९५. (A) पुनराख्यान। — स्रोतमे मैथिली भाषा आ साहित्यक पुनराख्यान कएने कहल गेल।
१९९६. (B) भारतक प्राचीनतम भाषाक रूपमे। — स्रोतमे एहि संस्थाद्वारा मैथिलीकेँ भारतक प्राचीनतम भाषाक रूपमे मान्यता दिऔलनि कहल गेल।
१९९७. (C) अग्रिम योजनाकेँ क्रियान्वित करबामे अभूतपूर्व सहायता। — स्रोतमे मान्यता भेटलाक पश्चात् ई सहायता कहल गेल।
१९९८. (D) कार्य-विवरणीमे। — स्रोतमे अधिवेशनमे पठित भाषणादि ओकर कार्य विवरणीमे प्रकाशित अछि।
१९९९. (A) अन्तर्राष्ट्रीय/भारतीय साहित्यिक मंचपर मैथिली प्रतिष्ठा। — पी.ई.एन. मार्फत मैथिलीक ध्यान आकर्षित कराओल गेल।
२०००. (B) जयकान्त मिश्र पी.ई.एन. मे सक्रिय रहि मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्य जगतमे प्राचीनतम भाषा रूपे प्रतिष्ठित करौलनि। — ई खण्ड पी.ई.एन. मे मैथिली पर आधारित अछि।
२००१. (A) बड़ौदा। — स्रोतमे बड़ौदा (1957) देल अछि।
२००२. (B) भुवनेश्वर। — स्रोतमे भुवनेश्वर (1959) अछि।
२००३. (C) लखनऊ। — स्रोतमे लखनऊ (1964) अछि।
२००४. (D) मैथिली भाषा आ साहित्यक। — स्रोतमे मैथिली भाषा आ साहित्यक पुनराख्यान कएलनि कहल गेल।
२००५. (A) अग्रिम योजनाकेँ क्रियान्वित करबामे सहायता भेटल। — स्रोतमे अभूतपूर्व सहायता भेटल कहल गेल।
२००६. (B) संस्थाक कार्य-विवरणी। — स्रोतमे ओकर कार्य विवरणीमे प्रकाशित अछि।
२००७. (C) लगातार मंचीय सक्रियता। — तीन अधिवेशनमे सम्मिलित भऽ मैथिली प्रस्तुत कएल गेल।
२००८. (D) मैथिली भाषा-साहित्यक ध्यान आकर्षण आ मान्यता। — स्रोतमे ध्यान आकर्षित करब आ मान्यता दिऔनाइ कहल गेल।
२००९. (A) प्राचीन आ साहित्यसम्पन्न भाषा। — मान्यता प्राचीनतम भाषाक रूपमे भेटल।
२०१०. (B) 1957, 1959 आ 1964क पी.ई.एन. अधिवेशनसभमे जयकान्त मिश्र मैथिली भाषा-साहित्यक पुनराख्यान कऽ भाषिक मान्यताक मार्ग मजबूत कएलनि। — ई खण्ड पी.ई.एन. अधिवेशनक्रम पर आधारित अछि।
२०११. (A) डा. रंगनाथ रामचन्द्र दिवाकर। — स्रोतमे बिहारक तत्कालीन राज्यपाल डा. रंगनाथ रामचन्द्र दिवाकर कहल गेल।
२०१२. (B) ऑल इण्डिया पर। — स्रोतमे “ऑल इण्डिया पर एक भाषण” देलनि कहल गेल।
२०१३. (C) ज्ञान ग्रन्थस्थ प्राचीन भाषा। — स्रोतमे मैथिली ज्ञान ग्रन्थस्थ प्राचीन भाषा थिक कहल गेल।
२०१४. (D) अति महत्वपूर्ण। — स्रोतमे एकर विकासमे अति महत्वपूर्ण भूमिका कहल गेल।
२०१५. (A) अत्यधिक उत्साहित। — स्रोतमे ओ अत्यधिक उत्साहित भऽ काज प्रारम्भ कएलनि।
२०१६. (B) मैथिलीक भविष्यक दिशा-निर्देश। — स्रोतमे ई ऐतिहासिक परिदृश्य मैथिलीक भविष्यक दिशा-निर्देश करैछ कहल गेल।
२०१७. (C) काज तेज करबाक प्रेरणा। — स्रोतमे व्याख्यान सुनि जोर-सोरसँ काज प्रारम्भ कएलनि।
२०१८. (D) ज्ञान-ग्रन्थ आ प्राचीनता। — दिवाकरक भाषणमे मैथिली ज्ञान ग्रन्थस्थ प्राचीन भाषा कहल गेल।
२०१९. (A) मैथिलीक प्राचीन गौरवक सार्वजनिक प्रदर्शन। — दिवाकरक भाषण आ जयकान्त मिश्रक उत्साह एहि दिशा दिस अछि।

२०२०. (B) डा. रंगनाथ रामचन्द्र दिवाकरक मैथिली-समर्थक उद्गार जयकान्त मिश्रक पुस्तक प्रदर्शनी आ मान्यता-कार्य तेज करबाक प्रेरणा देलक। — ई खण्ड पुस्तक प्रदर्शनीक प्रेरक प्रसंग पर आधारित अछि।
२०२१. (A) प्राच्य एवं प्रतीच्य उच्च शिक्षाक। — स्रोतमे इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्राच्य एवं प्रतीच्य उच्च शिक्षाक हृदय स्थल कहल गेल।
२०२२. (B) इलाहाबाद विश्वविद्यालयमे। — स्रोतमे हिनक कर्मभूमि ओही विश्वविद्यालयमे रहलनि कहल गेल।
२०२३. (C) इलाहाबाद। — स्रोतमे प्रथम प्रधानमंत्री नेहरूक जन्मभूमि ओही शहर कहल गेल।
२०२४. (D) सन् 1960 ई. मे। — स्रोतमे 1960 ई.मे आनन्द भवनमे भेटक उल्लेख अछि।
२०२५. (A) आनन्द भवनमे। — स्रोतमे आनन्द भवनमे दर्शनार्थीक रूपमे कहल गेल।
२०२६. (B) अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समितिक अध्यक्ष आ अंग्रेजी विभागक व्याख्याता रूपमे। — स्रोतमे ई दुहरा परिचय देल गेल।
२०२७. (C) चित्रा। — स्रोतमे वैद्यनाथ मिश्र यात्रीक काव्य-संग्रह चित्रा देल गेल।
२०२८. (D) गल्पाञ्जलि। — स्रोतमे गल्पाञ्जलि कथा-संग्रह उपहार देल गेल।
२०२९. (A) वैद्यनाथ मिश्र यात्रीक। — स्रोतमे वैद्यनाथ मिश्र यात्री (1911-1998)क कृति कहल गेल।
२०३०. (B) जयकान्त मिश्र 1960 मे आनन्द भवनमे नेहरूक यात्रीक चित्रा आ गल्पाञ्जलि उपहार दऽ मैथिलीक साहित्यिक परम्परा रखलनि। — ई खण्ड नेहरू भेट आ पुस्तक-उपहार पर आधारित अछि।
२०३१. (A) तेरहम शताब्दीसँ गौरवशाली साहित्यिक परम्परा उपलब्ध अछि। — स्रोतमे ई बात स्पष्ट अछि।
२०३२. (B) सर्वथा उपेक्षित। — स्रोतमे सरकारी मान्यताक अभावमे सर्वथा उपेक्षित कहल गेल।
२०३३. (C) ध्यानसँ आ स्नेहपूर्वक। — स्रोतमे नेहरू ध्यानसँ कथनकँ स्नेहपूर्वक सुनलथिन।
२०३४. (D) संस्थागत पुनर्गठनक। — अंग्रेजी उद्धरणमे Institutional reorganization is not soul management... आशय ई अछि।
२०३५. (A) सुदृढ़ साहित्यसँ भाषाक समृद्धि अनुभव होइत अछि। — उद्धरणमे richness of a language आ sound literatureक बात अछि।
२०३६. (B) मैथिली भाषा-साहित्यक सरकारी मान्यता लेल आग्रह। — स्रोतमे मान्यताक अभाव आ गौरवशाली परम्परा नेहरू समक्ष रखल गेल।
२०३७. (C) मैथिलीक प्राचीन साहित्यिक निरन्तरता देखेबाक लेल। — स्रोतमे गौरवशाली साहित्यिक परम्परा तेरहम शताब्दीसँ कहल गेल।
२०३८. (D) मैथिली साहित्यक समृद्धि पर सहानुभूतिपूर्ण ध्यान। — नेहरू ध्यानसँ सुनलथिन आ भाषाक समृद्धि पर कथन कएलनि।
२०३९. (A) दूनू मैथिली गौरव प्रस्तुत करबाक साधन छल। — चित्रा-गल्पाञ्जलि उपहार आ परम्पराक निवेदन साथ भेल।
२०४०. (B) नेहरू समक्ष जयकान्त मिश्र मैथिलीक तेरहम शताब्दीसँ चलैत साहित्यिक परम्परा आ सरकारी उपेक्षा रखलनि। — ई खण्ड नेहरू समक्ष मैथिली-मान्यता निवेदन पर आधारित अछि।
२०४१. (A) इलाहाबाद हाईकोर्टक चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति बी. मल्लिक। — स्रोतमे एहि रूपे नाम देल गेल।
२०४२. (B) एहि रूपेँ मातृभाषाकँ मान्यता नहि भेटि सकैछ। — स्रोतमे हुनक सलाहक आरम्भ एहि आशयसँ अछि।
२०४३. (C) आन्दोलनक तरीका। — स्रोतमे आन्दोलनक तरीका अपनाबए पड़त कहल गेल।
२०४४. (D) जनमानस आ साहित्य चिन्तक लोकनिक। — स्रोतमे दूनूक ध्यान आकर्षित करबाक बात अछि।
२०४५. (A) समृद्धशाली, गौरवशाली आ वैभवशाली साहित्यक परम्परा। — स्रोतमे एहि तीन विशेषणक प्रयोग अछि।
२०४६. (B) उत्प्रेरित। — स्रोतमे न्यायमूर्ति मल्लिकक सत्प्रेरणा आ विचारसँ उत्प्रेरित भऽ कहल गेल।
२०४७. (C) निवेदनसँ जन-साहित्यिक प्रदर्शन दिस। — आन्दोलनक तरीका अपनाबए आ परम्परा प्रदर्शन करबाक सलाह देल गेल।
२०४८. (D) समृद्ध साहित्यक सार्वजनिक परिचय। — स्रोतमे जनमानस आ साहित्यचिन्तकक ध्यान आकर्षित करबाक बात अछि।
२०४९. (A) रणनीतिक मार्गदर्शक। — हुनक सलाह पछिला पुस्तक-प्रदर्शनी आयोजनक प्रेरक बनल।
२०५०. (B) न्यायमूर्ति बी. मल्लिक जयकान्त मिश्रक मैथिली मान्यता लेल साहित्य-समृद्धि देखबैत आन्दोलनक तरीका अपनाबए कहलनि। — ई खण्ड बी. मल्लिकक सलाह पर आधारित अछि।
२०५१. (A) सर गंगानाथ संस्कृत रिसर्च इन्स्टीच्यूटमे। — स्रोतमे ई स्थान देल अछि।
२०५२. (B) 15 दिसम्बर 1961 ई. केँ। — स्रोतमे तिथि स्पष्ट देल अछि।

२०५३. (C) जस्टिस बी. मल्लिक। — स्रोतमे उद्घाटन हेतु जस्टिस मल्लिकसँ अनुरोध कएल गेल।
२०५४. (D) कमीशन फॉर माइनोरिटी लैंग्वेजजक चेयरमैन। — स्रोतमे भारत सरकारक कमीशन फॉर माइनोरिटी लैंग्वेजजक चेयरमैन कहल गेल।
२०५५. (A) स्वीकार कएलनि। — स्रोतमे ई सुखद संयोग कहल गेल जे उद्घाटन स्वीकार कएलथिन।
२०५६. (B) मैथिली भाषा आ साहित्यक प्राचीनतम गौरवशाली परम्परा। — स्रोतमे एहि अवगतताक उल्लेख अछि।
२०५७. (C) अमित छाप छोड़लक। — स्रोतमे अपन अमित छाप छोड़लक कहल गेल।
२०५८. (D) यशस्वी कवि वैद्यनाथ मिश्र यात्रीक। — स्रोतमे यात्री मैथिलीमे काव्यपाठ कएने रहथि।
२०५९. (A) मैथिलीक गौरवक सार्वजनिक विद्वत् परिचय। — प्रबुद्ध लोकनि प्राचीन परम्परासँ अवगत भेलाह।
२०६०. (B) 1961क इलाहाबाद मैथिली पुस्तक प्रदर्शनी जस्टिस मल्लिकक उद्घाटन आ यात्रीक काव्यपाठ सहित मैथिलीक गौरव सार्वजनिक कएलक। — ई खण्ड इलाहाबाद पुस्तक प्रदर्शनी पर आधारित अछि।
२०६१. (A) दिल्लीमे एहन प्रदर्शनी आयोजित करब। — स्रोतमे राजधानी दिल्लीमे आयोजन सोचल गेल।
२०६२. (B) अपन प्रोभिडेण्ट फण्डसँ। — स्रोतमे प्रोभिडेण्ट फण्डसँ लोन लऽ कऽ आयोजन कहल गेल।
२०६३. (C) 8 आ 9 जनवरी 1963 ई.। — स्रोतमे ई तिथि देल अछि।
२०६४. (D) दिल्लीक आजाद भवनमे। — स्रोतमे आजाद भवनमे आयोजन कहल गेल।
२०६५. (A) मिथिलांचलक विभिन्न क्षेत्रसँ चन्दा एकत्रित भेल। — स्रोतमे चन्दा एकत्रित भेल आ भालण्टीयर गेल रहथि।
२०६६. (B) हृदयाकर्षक। — स्रोतमे सजावट हृदयाकर्षक छल कहल गेल।
२०६७. (C) मिथिला इन्स्टीच्यूट दरभंगा आ पटना विश्वविद्यालय। — स्रोतमे एहि दुनूक विशेष उल्लेख अछि।
२०६८. (D) ललितनारायण मिश्र एवं यमुना प्रसाद मंडल। — स्रोतमे सांसद रूपमे ई नाम अछि।
२०६९. (A) भारत सरकारक संसदीय कार्य मंत्री बाबू सत्यनारायण सिंह। — स्रोतमे हुनक सहयोगक उल्लेख अछि।
२०७०. (B) 1963क दिल्ली राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी जयकान्त मिश्रक निजी जोखिम, सामुदायिक सहयोग, विशाल पुस्तक-संग्रह आ नेहरू उद्घाटनसँ ऐतिहासिक बनल। — ई खण्ड दिल्ली राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी पर आधारित अछि।
२०७१. (A) पन्द्रह मिनट। — स्रोतमे ओ पन्द्रह मिनट विलम्बसँ पहुँचलाह कहल गेल।
२०७२. (B) हतप्रभ। — स्रोतमे पुस्तकक अम्बार देखि हतप्रभ भऽ गेलाह कहल गेल।
२०७३. (C) लम्बा समयसँ रहैत आ आइयो लोकमे जीवित भाषा। — उद्धरणमे Maithili had been for long time and is today a living language कहल गेल।
२०७४. (D) प्रोत्साहनक। — उद्धरणमे the Language desires encouragement कहल गेल।
२०७५. (A) प्रोफेसर हरिमोहन झा। — स्रोतमे हिनक नाम अछि।
२०७६. (B) अनेको राजनीतिक, साहित्यिक आ मैथिली-प्रेमी गण्यमान्य। — स्रोतमे एहि रूपे उल्लेख अछि।
२०७७. (C) सिनेमा हॉलमे। — स्रोतमे शानदार सजावट कारणेँ झाँकी सिनेमा हॉलमे प्रदर्शित भेल कहल गेल।
२०७८. (D) सफल आयोजक। — स्रोतमे उपर्युक्त प्रदर्शनी सफल आयोजक रहबाक प्रमाण कहल गेल।
२०७९. (A) एक डेग आगू बढ़ल। — स्रोतमे मैथिली आन्दोलन एक डेग आगू बढ़ल कहल गेल।
२०८०. (B) दिल्ली प्रदर्शनी नेहरूक सकारात्मक टिप्पणी, जन-उपस्थिति आ दृश्य-प्रसारसँ मैथिली आन्दोलनकेँ एक डेग आगू बढ़ौलनि। — ई खण्ड दिल्ली प्रदर्शनीक परिणाम आ आन्दोलन-प्रभाव पर आधारित अछि।
२०८१. (A) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयक अक्षरानुक्रमसँ बीस प्रतिनिधि पाँच वर्ष लेल। — स्रोतमे सामान्य परिषदक सदस्यता-प्रक्रिया एहि रूपे देल अछि।
२०८२. (B) सम्बद्ध विश्वविद्यालयक कुलपति। — स्रोतमे नामक अनुशंसा कुलपति द्वारा होइत अछि कहल गेल।
२०८३. (C) महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्र। — स्रोतमे हुनक पिता श्री महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्र कहल गेल अछि।
२०८४. (D) सर कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक। — स्रोतमे बिहार सरकार द्वारा ई नियुक्ति देल गेल अछि।

२०८५. (A) तीन बेर। — स्रोतमे तीन बेर नाम प्रस्तावित कएल गेल कहल अछि।
२०८६. (B) हुनका आशंका छलनि जे जनमानस पुत्रक नाम अनुशंसा पर आरोप लगाओत। — स्रोतमे पुत्रक नाम अनुशंसित कएलनि से आरोपक आशंका वर्णित अछि।
२०८७. (C) सामाजिक दबाबक कारणें। — स्रोतमे अन्ततः सामाजिक दबाबक कारण कुलपति अनुशंसा कएलथिन।
२०८८. (D) मैथिलीक मान्यतार्थ आन्दोलन। — स्रोतमे सदस्य बनितहि ओ मैथिलीक मान्यतार्थ आन्दोलन प्रारम्भ कएलनि कहल अछि।
२०८९. (A) मैथिलीक गौरवशाली साहित्यिक परम्परा दिस। — स्रोतमे अन्य भाषा-भाषी सदस्यक ध्यान एहि परम्परा दिस आकर्षित करबाक बात अछि।
२०९०. (B) जयकान्त मिश्र सामान्य परिषदमे प्रवेश कऽ मैथिली मान्यताक आन्दोलनकेँ संस्थागत स्तरपर आगू बढ़ौलनि। — ई खण्ड परिषद प्रवेश आ आन्दोलनक आरम्भ पर आधारित अछि।
२०९१. (A) अपन पुत्रक नाम अनुशंसित करबाक आरोप लगत। — स्रोतमे कुलपतिक आशंका एहि रूपमे देल अछि।
२०९२. (B) एहन व्यक्तिक नाम जाय जे मैथिलीक पुरातन परम्परा सबल तर्कसँ प्रस्तुत कऽ सकए। — स्रोतमे कुलपतिक इच्छा मैथिलीक मान्यतार्थ समर्थ प्रतिनिधि चाहबाक रूपमे अछि।
२०९३. (C) प्रोफेसर जयकान्त मिश्रकेँ। — स्रोतमे जयकान्त मिश्रक नाम एहि योग्यता कारणें प्रस्तावित भेल।
२०९४. (D) बिनु कोनो टिप्पणी कएने। — स्रोतमे कुलपति फाइल बिनु टिप्पणी वापस करथि कहल अछि।
२०९५. (A) जयकान्त मिश्रक नाम अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करब। — स्रोतमे कार्यालय तीन बेर नाम प्रस्तुत कएलक।
२०९६. (B) कुलपति जयकान्त मिश्रक नाम अनुशंसित कएलथिन। — स्रोतमे सामाजिक दबाबक बाद अनुशंसा भेल कहल अछि।
२०९७. (C) साहित्य अकादेमीक सामान्य परिषदक सदस्य। — स्रोतमे ओ सामान्य परिषदक सदस्य भऽ गेलाह कहल अछि।
२०९८. (D) साहित्य अकादेमीक संस्थागत मंच। — स्रोत-संदर्भमे सामान्य परिषदमे प्रवेशसँ आन्दोलनक संस्थागत आधार बनैत अछि।
२०९९. (A) नैतिक संकोच आ मातृभाषा-सेवा बीचक द्वन्द्व। — कुलपतिक संकोच आ सामाजिक दबाब दुनू मिलि ई तनाव बनैत अछि।
२१००. (B) उमेश मिश्रक नैतिक संकोच सामाजिक दबाबक बाद हटैत अछि आ जयकान्त मिश्र अकादेमीमे मैथिलीक आवाज बनैत छथि। — ई खण्ड अनुशंसाक नैतिक परिस्थिति पर आधारित अछि।
२१०१. (A) मैथिलीक मान्यतार्थ आन्दोलन प्रारम्भ करब। — स्रोतमे सदस्य बनितहि आन्दोलन प्रारम्भ कएलनि कहल अछि।
२१०२. (B) गौरवशाली साहित्यिक परम्परा। — स्रोतमे साहित्यिक परम्पराक ध्यान आकर्षित करबाक उल्लेख अछि।
२१०३. (C) साहित्य अकादेमीसँ मैथिलीकेँ मान्यता दियाबय। — अगिला शीर्षक 'मैथिलीक मान्यता' मे ई उद्देश्य स्पष्ट अछि।
२१०४. (D) त्याग आ बलिदान। — स्रोतमे मैथिली मान्यताक पाछाँ त्याग आ बलिदानक इतिहास कहल गेल।
२१०५. (A) दृढ़ संकल्प आ लगातार प्रयत्न। — स्रोतक भाव मैथिलीक मान्यता लेल अनवरत लगन देखबैत अछि।
२१०६. (B) मैथिलीक महत्व निरूपित करब। — स्रोतमे सदस्य लोकनिक ध्यानकर्षण आ महत्व-निरूपण उल्लेखित अछि।
२१०७. (C) अकादेमीक राष्ट्रीय मंचपर मैथिलीक पक्ष स्पष्ट करब। — स्रोतमे अंग्रेजीमे नेहरू आ सदस्य लोकनिक समक्ष तर्क देबाक बात अछि।
२१०८. (D) संस्थागत आन्दोलनकारी आ भाषा-प्रतिनिधि। — स्रोतक घटनाक्रम एहि भूमिका दिस संकेत करैत अछि।
२१०९. (A) भाषा-मान्यताक प्रयास परिषदक भीतर पहुँचल। — सामान्य परिषदमे प्रवेशक बाद मान्यता-प्रयास आरम्भ भेल।
२११०. (B) अकादेमी प्रवेश जयकान्त मिश्रकेँ मैथिली मान्यताक राष्ट्रीय संस्थागत प्रवक्ता बनौलक। — ई खण्ड अकादेमी प्रवेशक बादक आन्दोलन पर आधारित अछि।
२१११. (A) दू। — स्रोतमे दू बुकलेट लिखलनि कहल गेल।
२११२. (B) A case for Maithili। — स्रोतमे पहिल बुकलेटक नाम एहि रूपमे अछि।
२११३. (C) They say about Maithili। — स्रोतमे दोसर शीर्षक एहि रूपमे देल अछि।
२११४. (D) साहित्य अकादेमीक सदस्य लोकनिक बीच। — स्रोतमे सदस्य लोकनिक बीच वितरित कएलनि कहल अछि।
२११५. (A) मैथिलीक महत्व आ मान्यताक पक्ष स्पष्ट करब। — स्रोतमे मातृभाषा मैथिलीक महत्व निरूपित करबाक बात अछि।
२११६. (B) मैथिलीकेँ मान्यता भेटबाक चाही। — स्रोतमे नेहरूक संकेत एहि रूपमे उल्लेखित अछि।

२११७. (C) नेहरूक मृत्यु भऽ गेलनि। — स्रोतमे नेहरूक मृत्युक कारणेँ परिस्थिति बदलल कहल गेल।
२११८. (D) अकादेमीक माननीय सदस्य लोकनिक। — स्रोतमे सदस्य लोकनिक ध्यानकर्षण लेल बुकलेट बाँटल गेल।
२११९. (A) दस्तावेजी तर्क आ लिखित अभियान। — बुकलेट आ वितरण एहि साधनक रूपमे उपस्थित अछि।
२१२०. (B) जयकान्त मिश्र दू अंग्रेजी बुकलेट द्वारा मैथिली मान्यताक संस्थागत तर्क सदस्य लोकनिक बीच पहुँचौलनि। — ई खण्ड बुकलेट-आधारित मान्यता अभियान पर आधारित अछि।
२१२१. (A) प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी। — स्रोतमे नेहरूक बाद प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी अध्यक्ष बनलाह।
२१२२. (B) मैथिलीक गौरव-गरिमा आ महत्वसँ। — स्रोतमे ओ मैथिलीक गौरव-गरिमा आ महत्वसँ पूर्व परिचित छलाह।
२१२३. (C) मान्यता भेटबामे मात्र वैधानिक प्रक्रिया शेष बुझाए लगल। — स्रोतमे ओ अत्यधिक आशान्वित भेलाह कहल अछि।
२१२४. (D) एक समिति। — स्रोतमे एहि लेल एक समिति गठित भेल कहल गेल।
२१२५. (A) प्रो. हजारी प्रसाद द्विवेदी आ डा. सुभद्र झा। — स्रोतमे ई तीन सदस्यक नाम अछि।
२१२६. (B) 1900-1992। — स्रोतमे डा. सुकुमार सेनक कोष्ठकमे 1900-1992 देल अछि।
२१२७. (C) 1907-1979। — स्रोतमे प्रोफेसर हजारी प्रसाद द्विवेदीक जीवन-वर्ष देल अछि।
२१२८. (D) 1909-2000। — स्रोतमे डा. सुभद्र झाक जीवन-वर्ष देल अछि।
२१२९. (A) दिल्लीमे। — स्रोतमे समितिक बैठक दिल्लीमे आहूत भेल कहल अछि।
२१३०. (B) सुनीति कुमार चटर्जीक अध्यक्षताक बाद मैथिली मान्यताक प्रक्रिया समिति गठन धरि पहुँचल। — ई खण्ड अध्यक्ष-परिवर्तन आ समिति गठन पर आधारित अछि।
२१३१. (A) मिथिलांचलमे। — स्रोतमे मिथिलांचलमे जनजागरण भेल कहल अछि।
२१३२. (B) प्रवासी मातृभाषा सेवी संस्थादिक। — स्रोतमे कोलकाताक प्रवासी मातृभाषा सेवी संस्था सभक उल्लेख अछि।
२१३३. (C) पोस्टकार्ड अभियान। — स्रोतमे पोस्टकार्ड अभियान चला कऽ समर्थन कएलक कहल अछि।
२१३४. (D) मैथिली मान्यताक माँगकेँ समर्थन देब। — स्रोतमे एहि माँगक समर्थनक हेतु अभियानक उल्लेख अछि।
२१३५. (A) ऐतिहासिक घटनाक रूपमे सतत चिरस्थायी। — स्रोतमे हुनक सत्प्रयास ऐतिहासिक घटना रूपमे चिरस्थायी रहत कहल अछि।
२१३६. (B) प्रवासी संस्था सभक समर्थन संग। — स्रोतमे कोलकाताक प्रवासी संस्था आ मिथिलांचलक जनजागरण साथ-साथ देल अछि।
२१३७. (C) जन-सहभागिता आ संस्थागत दबाब। — पोस्टकार्ड अभियान आ जनजागरण मिलि एहि रूपकेँ देखबैत अछि।
२१३८. (D) मातृभाषा-सेवा आ समर्थन। — स्रोतमे प्रवासी मातृभाषा सेवी संस्थादिक कहल गेल अछि।
२१३९. (A) मान्यता अभियान केवल व्यक्तिगत नहि, सामुदायिक सेहो बनल। — जनजागरण आ पोस्टकार्ड अभियानसँ सामुदायिक आधार स्पष्ट अछि।
२१४०. (B) मिथिलांचल आ प्रवासी संस्था सभक जनजागरण-पोस्टकार्ड अभियान मैथिली मान्यता माँगकेँ व्यापक बनौलक। — ई खण्ड मान्यता अभियानक जनाधार पर आधारित अछि।
२१४१. (A) तिरहुता। — स्रोतमे तिरहुता वा मिथिलाक्षर वा मैथिलाक्षर वा मैथिली लिपि कहल गेल।
२१४२. (B) मैथिलाक्षर। — स्रोतमे मिथिलाक्षर वा मैथिलाक्षर दुनू नाम अछि।
२१४३. (C) ई लिपि तिरहुत देशक थिक। — स्रोतमे तिरहुता नामसँ ई लिपि तिरहुत देशक थिक कहल अछि।
२१४४. (D) परस्पर अन्योन्याश्रित। — स्रोतमे भाषा-सभ्यता आ लिपि-भाषाक सम्बन्ध परस्पर अन्योन्याश्रित कहल अछि।
२१४५. (A) भाषाक प्रति आकर्षण घटैत जाएत। — स्रोतमे अपन लिपिसँ सम्बन्ध छूटलासँ भाषाक आकर्षण कम होइत जाएत कहल अछि।
२१४६. (B) संख्या दिनानुदिन नगण्य भेल जा रहल अछि। — स्रोतमे जाननिहारक संस्था नगण्य भेल जा रहल अछि कहल अछि।
२१४७. (C) चिन्तनीय विषय। — स्रोतमे ई मैथिली हेतु चिन्तनीय विषय कहल गेल।
२१४८. (D) गम्भीरतापूर्वक। — स्रोतमे ओ गम्भीरता पूर्वक विचार कएलनि कहल अछि।
२१४९. (A) मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बचएबाक लेल। — स्रोत-संदर्भमे लिपि आ भाषा सम्बन्धसँ ई प्रयोजन स्पष्ट अछि।

२१५०. (B) तिरहुता मैथिलीक स्वतंत्र प्राचीन लिपि अछि, जकर संरक्षण भाषा-स्वातंत्र्यसँ जुड़ल अछि। — ई खण्ड तिरहुता-लिपिक स्वतंत्र अस्तित्व पर आधारित अछि।
२१५१. (A) आकर्षण। — स्रोतमे भाषाक प्रति आकर्षण कम होइत जाएत कहल अछि।
२१५२. (B) मैथिली। — स्रोतमे तकर प्रत्यक्ष प्रमाण मैथिली कहल अछि।
२१५३. (C) मैथिली लेल। — स्रोतमे ई मैथिली हेतु चिन्तनीय विषय कहल गेल।
२१५४. (D) प्रयास। — स्रोतमे एकर संरक्षणार्थ प्रयासक प्रयोजन अछि कहल गेल।
२१५५. (A) भाषाक अलग सांस्कृतिक अस्तित्व। — स्रोतमे स्वतंत्र आधुनिक भारतीय भाषा जकाँ मैथिलीकेँ अपन स्वतंत्र लिपि छैक कहल गेल।
२१५६. (B) कारण भाषा-आकर्षण आ स्वतंत्रता कमजोर पड़ैत अछि। — स्रोतक तर्कमे लिपि-सम्बन्ध छूटला पर भाषिक आकर्षण घटैत अछि।
२१५७. (C) संरक्षणक ठोस आवश्यकता स्वीकार करब। — स्रोतमे संरक्षणार्थ प्रयासक प्रयोजन कहल गेल।
२१५८. (D) एक-दोसर पर निर्भर। — स्रोतमे अन्योन्याश्रित सम्बन्ध कहल अछि।
२१५९. (A) किएक तँ स्वतंत्र लिपि स्वतंत्र परम्पराक प्रमाण बनैत अछि। — अकादेमी प्रसंगमे स्वतंत्र लिपिक अस्तित्व प्रश्न बनल छल।
२१६०. (B) लिपिसँ दूरी मैथिली चेतनाक क्षय करैत अछि, तँ तिरहुता संरक्षण भाषिक अस्तित्वक शर्त बनैत अछि। — ई खण्ड लिपि-भाषा सम्बन्धक संकट पर आधारित अछि।
२१६१. (A) मैथिलीक स्वतंत्र लिपिक अस्तित्व छैक वा नहि। — स्रोतमे मान्यता प्रसंगमे ई प्रश्न उपस्थित भेल छल।
२१६२. (B) मैथिलीकेँ अपन स्वतंत्र लिपि छैक। — स्रोतमे ओ उत्तर देलथिन जे एकरा अपन स्वतंत्र लिपि छैक।
२१६३. (C) पुरातन इतिहास। — स्रोतमे स्वतंत्र लिपिक पुरातन इतिहास छैक कहल गेल।
२१६४. (D) लिपिक कारणें। — स्रोतमे लिपिक कारणें कठिनता भेलनि कहल अछि।
२१६५. (A) मैथिलीक स्वतंत्र अस्तित्व सिद्ध करबाक कठिनता। — स्रोतमे वर्तमान कठिनता संरक्षित लिपि रहितहुँ नहि होइत कहल अछि।
२१६६. (B) स्वतंत्र भाषिक अस्तित्वक प्रमाण। — स्रोतमे स्वतंत्र लिपिक अस्तित्व मान्यता प्रश्नक उत्तर अछि।
२१६७. (C) लिपि, पुरातन इतिहास आ भाषिक स्वातंत्र्य। — स्रोतक तर्क एहि तीन तत्व पर आधारित अछि।
२१६८. (D) मैथिली मान्यताक वैधानिक प्रश्न संग। — स्रोतमे साहित्य अकादेमीक मान्यता प्रसंगमे प्रश्न उठल अछि।
२१६९. (A) मैथिलीकेँ हिन्दी अंग कहबाक प्रवृत्ति। — आगाँक स्रोतमे लिपि लोपसँ मैथिलीकेँ हिन्दी अंग उद्धोषित करबाक बात अछि।
२१७०. (B) अकादेमीमे मैथिली मान्यताक तर्क स्वतंत्र तिरहुता लिपि आ ओकर पुरातन इतिहास पर टिकैत छल। — ई खण्ड मान्यता-प्रसंगक लिपि-तर्क पर आधारित अछि।
२१७१. (A) कैथी। — स्रोतमे तिरहुताक संगहि कैथी लिपिक प्रचलन कहल गेल।
२१७२. (B) तिरहुता। — स्रोतमे दरभंगा राजक कार्यकलापमे तिरहुता प्रयोगक उल्लेख अछि।
२१७३. (C) हिन्दी-बहुल देवनागरी। — स्रोतमे तिरहुता बहिष्कृत कऽ हिन्दी बहुल देवनागरी लादल गेल कहल अछि।
२१७४. (D) तिरहुता शनैः-शनैः जनमानससँ विलुप्त होइत गेल। — स्रोतमे ई भयंकर दुष्परिणाम कहल गेल।
२१७५. (A) मैथिलीकेँ हिन्दीक अंग कहल गेल। — स्रोतमे विद्वान लोकनि मैथिलीकेँ हिन्दीक अंग उद्धोषित कएलनि कहल अछि।
२१७६. (B) ब्रजभाषा आ अवधी। — स्रोतमे ब्रजभाषा आ अवधीक प्रसंगमे कहल जाइछ लिखल अछि।
२१७७. (C) एहन विवादक उद्भावना। — स्रोतमे तिरहुता रहितए तँ एहन विवाद नहि होइत कहल गेल।
२१७८. (D) देवनागरी। — स्रोतमे संस्कृत हेतु वैकल्पिक रूपमे देवनागरीक प्रयोग बढ़ल कहल अछि।
२१७९. (A) ओ तिरहुताक स्थानपर देवनागरी प्रयोग करए लगलाह। — स्रोतमे मैथिली साहित्य निर्माता लोकनि देवनागरी प्रयोग करए लगलाह कहल अछि।
२१८०. (B) दरभंगा राजसँ जनमानस धरि तिरहुता हटि देवनागरीक प्रभाव बढ़ल, जाहिसँ मैथिलीक स्वतंत्रता विवादित भेल। — ई खण्ड तिरहुता-देवनागरी परिवर्तनक परिणाम पर आधारित अछि।
२१८१. (A) कतिपय प्रयास अवश्य कएल गेल। — स्रोतमे कतिपय प्रयास अवश्य कएल गेल कहल अछि।
२१८२. (B) कोनो प्रयास सफल नहि भऽ सकल। — स्रोतमे कोनो प्रयास सफल नहि भेल कहल अछि।

२१८३. (C) समाचार पत्र। — स्रोतमे दरभंगासँ तिरहुता लिपिमे समाचार पत्र बाहर करबाक प्रयासक उल्लेख अछि।
२१८४. (D) ओहो विफल रहल। — स्रोतमे ओहो विफल रहल कहल अछि।
२१८५. (A) तिरहुता आ कैथी। — स्रोतमे लोक तिरहुता आ कैथी लिपिमे पढ़ैत-लिखैत छल कहल अछि।
२१८६. (B) नहि, अतिरिक्त कोनो लिपिक प्रयोगक ज्ञान नहि छल। — स्रोतमे अतिरिक्त कोनो लिपिक प्रयोगक ज्ञान नहि छलैक कहल अछि।
२१८७. (C) जीवनाथ राय। — स्रोतमे जीवनाथ राय (1891-1964)क उल्लेख अछि।
२१८८. (D) मैथिलीक प्रथम पुस्तक। — स्रोतमे ओ 'मैथिलीक प्रथम पुस्तक'क रचना कएलनि कहल अछि।
२१८९. (A) ओ सफल नहि भऽ सकल। — स्रोतमे प्रयास सफल नहि भेल कहल गेल।
२१९०. (B) तिरहुता बचएबाक समाचार-पत्र आ पुस्तक-आधारित प्रयास भेल, मुदा व्यापक रूपेँ सफल नहि भऽ सकल। — ई खण्ड पुनर्जीवन-प्रयासक सीमित परिणाम पर आधारित अछि।
२१९१. (A) विशुद्ध तिरहुता लिपिक टाइप। — स्रोतमे ओ विशुद्ध तिरहुता टाइप बनएबाक अथक प्रयास कएलनि।
२१९२. (B) कोश तिरहुता लिपिमे प्रकाशित हो। — स्रोतमे तिरहुता लिपिमे कोश प्रकाशित होबाक इच्छा देल अछि।
२१९३. (C) तिरहुता ककहारा। — स्रोतमे तिरहुता ककहारा (1967) नामक पुस्तक लिखलनि कहल अछि।
२१९४. (D) 1967। — स्रोतमे कोष्ठकमे 1967 देल अछि।
२१९५. (A) सफलीभूत नहि भऽ पौलनि। — स्रोतमे हुनक प्रयास सफल नहि भेल कहल अछि।
२१९६. (B) प्राचीन एवं मध्ययुगीन कालजयी साहित्यक रिसर्च। — स्रोतमे रिसर्च अधिक सुकर होइत कहल अछि।
२१९७. (C) पुनरुत्थान। — स्रोतमे वर्तमान परिप्रेक्ष्य मे पुनरुत्थान प्रयोजनीय अछि कहल गेल।
२१९८. (D) अलंकरणक रूपमे विशेष उपादेय। — स्रोतमे रिसर्च आ सांस्कृतिक कार्यादिमे अलंकरण रूपमे उपादेय कहल अछि।
२१९९. (A) मैथिली पढ़निहार छात्र समुदायकेँ। — स्रोतमे विशेषतः मैथिली पढ़निहार छात्र समुदायकेँ प्रेरणा देलनि कहल अछि।
२२००. (B) कोश, तिरहुता टाइप आ तिरहुता ककहारा मार्फत जयकान्त मिश्र लिपि-पुनरुत्थानक ठोस प्रयास कएलनि। — ई खण्ड तिरहुता ककहारा आ कोश-प्रयास पर आधारित अछि।
२२०१. (A) प्रसन्नताक लहरि। — स्रोतमे समग्र मिथिलांचल आ प्रवासी मातृभाषानुरागीमे प्रसन्नताक लहरि फैलल कहल अछि।
२२०२. (B) आनन्दक सागरमे डुब्बी मारए लागल। — स्रोतमे जनमानस आनन्दक सागरमे डुब्बी मारए लागल कहल अछि।
२२०३. (C) विकासक अवरुद्ध मार्गमे नव किरण विकीर्ण होएत। — स्रोतमे ई आशा स्पष्ट देल अछि।
२२०४. (D) रमानाथ झा। — स्रोतमे प्रथम संयोजक रमानाथ झा (1906-1971)क उल्लेख अछि।
२२०५. (A) जयकान्त मिश्र। — स्रोतमे रमानाथ झाक निधनक बाद जयकान्त मिश्र संयोजक बनलाह।
२२०६. (B) दू खेप। — स्रोतमे ओ दू खेप संयोजक रहला कहल अछि।
२२०७. (C) कोनो एहन उल्लेखनीय प्रकाशन नहि भेल। — स्रोतमे ई स्पष्ट टिप्पणी अछि।
२२०८. (D) साहित्य अकादेमीसँ। — स्रोतमे अकादेमी द्वारा मान्यता आ परामर्श मण्डलक सन्दर्भ अछि।
२२०९. (A) मैथिलीक विकासक मार्ग खोलबाक आशा। — स्रोतमे विकासक अवरुद्ध मार्गमे नव किरणक आशा अछि।
२२१०. (B) मान्यता पश्चात् जयकान्त मिश्र रमानाथ झाक बाद परामर्श मण्डलक संयोजक बनलाह, मुदा प्रकाशन-उपलब्धि सीमित रहल। — ई खण्ड संयोजक-भूमिका पर आधारित अछि।
२२११. (A) विद्यापति गीत शती। — स्रोतमे उमानाथ झा सम्पादित विद्यापति गीत शतीक उल्लेख अछि।
२२१२. (B) मैथिली कथा संग्रह। — स्रोतमे जयधारी सिंह द्वारा संग्रहीत मैथिली कथा संग्रहक उल्लेख अछि।
२२१३. (C) दुइ घटना। — स्रोतमे संयोजक कालक दुइ घटना चिरस्मरणीय अछि कहल गेल।
२२१४. (D) उल्लेखनीय प्रकाशन नहि, मुदा किछु पुस्तक प्रकाशमे आएल। — स्रोतमे उल्लेखनीय प्रकाशन नहि भेल, तथापि किछु पुस्तकक नाम देल अछि।
२२१५. (A) उमानाथ झा। — स्रोतमे उमानाथ झा द्वारा सम्पादित कहल अछि।

२२१६. (B) जयधारी सिंह। — स्रोतमे जयधारी सिंह द्वारा संग्रहीत कहल अछि।
२२१७. (C) जयकान्त मिश्रक। — स्रोतमे हिनक कार्यावधिमे निम्नस्थ पुस्तक प्रकाशमे आएल कहल अछि।
२२१८. (D) मान्यता भेटलाक बाद परामर्श मण्डल संयोजनक बाद। — स्रोत क्रममे मान्यता आ संयोजकत्वक बाद प्रकाशन चर्चा अछि।
२२१९. (A) कार्यकालमे सीमित प्रकाशन भेल, मुदा ओकर उल्लेख दस्तावेजी अछि। — स्रोतमे प्रकाशन सीमित रहबाक बादो नामोल्लेख अछि।
२२२०. (B) संयोजक कालमे विद्यापति गीत शती आ मैथिली कथा संग्रह सन प्रकाशन भेल, मुदा उपलब्धि असाधारण नहि कहल गेल। — ई खण्ड संयोजक कालक प्रकाशन पर आधारित अछि।
२२२१. (A) प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरीकें। — स्रोतमे इतिहासकार प्रो. राधाकृष्ण चौधरीकें दायित्व देल गेल।
२२२२. (B) 1924-1984। — स्रोतमे प्रो. राधाकृष्ण चौधरी (1924-1984) देल अछि।
२२२३. (C) साहित्य अकादेमीमे। — स्रोतमे ओ यथासमय पाण्डुलिपि साहित्य अकादेमीमे समर्पित कएलनि।
२२२४. (D) विचारार्थ। — स्रोतमे विचारार्थ प्रस्तुत कएल गेल कहल अछि।
२२२५. (A) बभन पेंचमे। — स्रोतमे पाण्डुलिपि एहन बभन पेंचमे पड़ल कहल अछि।
२२२६. (B) प्रकाशनसँ। — स्रोतमे कतिपय कारणों ओकरा प्रकाशनसँ वंचित कएल गेल।
२२२७. (C) मैथिलीक इतिहास लेखनपर प्रो. मिश्रक एकाधिकार। — स्रोतमे एकर प्रमुख कारण एहि रूपमे देल अछि।
२२२८. (D) विवाद आ संस्थागत पेंच। — स्रोतमे पाण्डुलिपि विवादास्पद पेंचमे पड़बाक बात अछि।
२२२९. (A) मैथिली साहित्यक इतिहास। — स्रोतमे अंग्रेजीमे मैथिली साहित्यक इतिहास लिखबाक दायित्व देल गेल।
२२३०. (B) राधाकृष्ण चौधरीक मैथिली इतिहास-पाण्डुलिपि अकादेमीमे समर्पित भेल, मुदा संस्थागत पेंच आ विवादसँ प्रकाशन रोकायल। — ई खण्ड इतिहास-पाण्डुलिपि विवाद पर आधारित अछि।
२२३१. (A) प्रथम खण्ड आ द्वितीय खण्ड। — स्रोतमे पूर्व प्रकाशित इतिहास प्रथम आ द्वितीय खण्ड संक्षिप्त कएलनि कहल अछि।
२२३२. (B) A History of Maithili Literature। — स्रोतमे एहि शीर्षकसँ 1976 मे प्रकाशनक उल्लेख अछि।
२२३३. (C) 1976। — स्रोतमे शीर्षकक संग 1976 देल अछि।
२२३४. (D) मैथिली साहित्यक इतिहास। — स्रोतमे मैथिली अनुवाद 'मैथिली साहित्यक इतिहास' कहल गेल।
२२३५. (A) 1988। — स्रोतमे मैथिली अनुवाद 1988 देल अछि।
२२३६. (B) हुनका आशंका छलनि जे अन्य अनुवादक एम्हर-ओम्हर ने कऽ देथि। — स्रोतमे ई शंका स्पष्ट अछि।
२२३७. (C) A Survey of Maithili Literature। — स्रोतमे एहि नामे प्रकाशनक उल्लेख अछि।
२२३८. (D) 1976। — स्रोतमे ई शीर्षक 1976 नामे प्रकाशित कहल गेल।
२२३९. (A) दुनू इतिहास मैथिलीमे विवादास्पद रहल। — स्रोतमे उक्त दुनू इतिहास विवादास्पद रहल कहल अछि।
२२४०. (B) मिश्रक A History आ चौधरीक A Survey दुनू 1976क इतिहास-ग्रन्थ मैथिली साहित्य-जगतमे विवादक विषय बनल। — ई खण्ड दू इतिहास-ग्रन्थक विवाद पर आधारित अछि।
२२४१. (A) Indian Literature Since Independence। — स्रोतमे एहि पुस्तकक नाम देल अछि।
२२४२. (B) 1973। — स्रोतमे Indian Literature Since Independence (1973) देल अछि।
२२४३. (C) प्रोफेसर मिश्र। — स्रोतमे प्रोफेसर मिश्र आलेख प्रस्तुत कएलनि कहल अछि।
२२४४. (D) साहित्य जगतमे पैघ विवादक। — स्रोतमे आलेख पैघ विवादक केन्द्र बिन्दु बनल कहल अछि।
२२४५. (A) यथार्थ मूल्यांकनमे भ्रामक विचार। — स्रोतमे अज्ञानता वा सूचना-अभावसँ भ्रामक विचार प्रस्तुत कएलनि कहल अछि।
२२४६. (B) मिथिला मिहिरक। — स्रोतमे पटनासँ प्रकाशित मिथिला मिहिरक पचीस अंकक लगधक लेखन उल्लेखित अछि।
२२४७. (C) सुधांशु शेखर चौधरी। — स्रोतमे सम्पादक सुधांशु शेखर चौधरी (1920-1990) देल अछि।
२२४८. (D) वादे-वादे जायते तत्वबोध। — स्रोतमे एहि नामे एक सीरिज चलौलनि कहल अछि।

२२४९. (A) प्रो. मिश्रक कटु आलोचना। — स्रोतमे हुनक कटु आलोचना कएल गेल कहल अछि।
२२५०. (B) Indian Literature Since Independence मे मिश्रक मैथिली-आलेख भ्रामक मूल्यांकनक आरोपसँ मिथिला मिहिरक व्यापक आलोचना-विवादक केन्द्र बनल। — ई खण्ड स्वातंत्र्योत्तर मूल्यांकन-विवाद पर आधारित अछि।
२२५१. (A) अंग्रेजी साहित्य। — स्रोतमे ओ जीवनपर्यन्त अंग्रेजी साहित्यक अध्ययन-अध्यापनमे निरत रहलाह।
२२५२. (B) मातृभाषामे समीक्षाक अभाव। — स्रोतमे मातृभाषामे समीक्षाक सर्वथा अभाव देखि लिखबाक शुभारम्भ कएलनि।
२२५३. (C) सुशीला। — स्रोतमे प्रो. गंगापति सिंहक उपन्यास सुशीला पर समीक्षाक उल्लेख अछि।
२२५४. (D) प्रोफेसर गंगापति सिंह। — स्रोतमे प्रोफेसर गंगापति सिंह (1894-1969)क उपन्यास सुशीला कहल अछि।
२२५५. (A) मिथिला मिहिरक सम्पादक सुरेन्द्र झा सुमन। — स्रोतमे सुरेन्द्र झा सुमन (1910-2002) प्रकाशित कएलनि।
२२५६. (B) मैथिली शब्दक बदला हिन्दी शब्द-समूहक प्रयोगक प्रतिवाद। — स्रोतमे उपन्यासकारक हिन्दी शब्द-प्रयोगक सतर्क प्रतिवाद महत्त्वपूर्ण कहल अछि।
२२५७. (C) मैथिली आलोचनामे प्रवेशक द्वार। — स्रोतमे ई आलेख मैथिली आलोचनामे प्रवेशक द्वार खोललक कहल अछि।
२२५८. (D) मैथिलीमे जे लिखल जाइत अछि से ठीक, आलोचना नहि होमक चाही। — स्रोतमे ई धारणा स्पष्ट वर्णित अछि।
२२५९. (A) बाबू भुवनेश्वर सिंह भुवन। — स्रोतमे भुवनेश्वर सिंह भुवन (1907-1944) अतिशय प्रोत्साहित कएलथिन।
२२६०. (B) सुशीला उपन्यासक समीक्षा जयकान्त मिश्रक मैथिली आलोचनामे दिशा-बोधक समीक्षक रूपमे स्थापित कएलक। — ई खण्ड सुशीला समीक्षा आ आलोचना-प्रवेशक प्रसंग पर आधारित अछि।
२२६१. (A) जयकान्त मिश्रसँ। — स्रोतमे हिनकहिसँ मैथिलीमे इतिहास-लेखनक परम्पराक शुभारम्भ कहल अछि।
२२६२. (B) समीक्षाक श्रेणीमे। — स्रोतमे इतिहास-लेखन वस्तुतः समीक्षाक श्रेणीमे परिणत अछि कहल गेल।
२२६३. (C) कतिपय दोष। — स्रोतमे तथाकथित आलोचकक कथन छनि जे इतिहासमे कतिपय दोष अछि।
२२६४. (D) हुनका समक्ष कोनो प्रतिमान नहि छलनि। — स्रोतमे प्रतिमान नहि छलनि जेकर आलोकमे विस्तृत विश्लेषण करितथि।
२२६५. (A) अनेक दिशा-निर्देश। — स्रोतमे अनेक दिशा निर्देश कएलनि कहल अछि।
२२६६. (B) परवर्ती पीढ़ीकेँ। — स्रोतमे परवर्ती पीढ़ीकेँ गहन अनुसंधान करबाक बात अछि।
२२६७. (C) दिशा-बोध। — स्रोतमे इतिहास मैथिली आलोचना साहित्यकेँ दिशा-बोध करौलक कहल अछि।
२२६८. (D) चिन्तनीय। — स्रोतमे ई चिन्तनीय थिक कहल अछि।
२२६९. (A) दोष मानितो आरम्भिक प्रतिमानहीनता बुझब। — स्रोतमे दोषक चर्चा संग प्रतिमान-अभावक तर्क अछि।
२२७०. (B) जयकान्त मिश्रक इतिहास-लेखनमे सीमा छल, मुदा ओ मैथिली आलोचना आ शोधक मूल दिशा-निर्देशक बनल। — ई खण्ड इतिहास-लेखनक आलोचनात्मक महत्त्व पर आधारित अछि।
२२७१. (A) An Introduction to Folk Literature of Mithila। — स्रोतमे An Introduction/Introduction to Folk Literature of Mithila एहि विधाक प्रथम ग्रन्थ कहल अछि।
२२७२. (B) मिथिलाक लोकसाहित्य विधाक। — स्रोतमे लोकसाहित्य सम्बन्धी एहि विधाक प्रथम ग्रन्थ कहल अछि।
२२७३. (C) लोकगीत आ लोकनाट्य सम्बन्धी गीत। — स्रोतमे प्रथम खण्डमे लोकगीत, लोकनाट्य सम्बन्धी गीतक विवेचन अछि।
२२७४. (D) लोक विश्वास, लोक परम्परा आ कतिपय लोक कथा। — स्रोतमे द्वितीय खण्डान्तर्गत ई विषय देल अछि।
२२७५. (A) मैथिली इतिहास सम्बन्धी किछु समस्या। — स्रोतमे प्रथम अखिल भारतीय लेखक सम्मेलनक रचना संग्रहमे एहि समस्याक चर्चा अछि।
२२७६. (B) नाट्य साहित्यक। — स्रोतमे नाट्य साहित्यक भविष्यपर प्रकाश देबाक उल्लेख अछि।
२२७७. (C) नाटक आ रंगमंचक माध्यमसँ। — स्रोतमे मैथिली नाटक आ रंगमंचक माध्यमे भविष्य सुनिश्चित भऽ सकैछ कहल अछि।
२२७८. (D) परिवर्तनक स्वर। — स्रोतमे बीसम शताब्दीमे परिवर्तनक स्वर गुंजित भेल कहल अछि।
२२७९. (A) मार्क्सवाद आ फ्रायडक सिद्धान्त। — स्रोतमे आर्थिक विचारमे मार्क्सवाद, फ्रायड सिद्धान्त, बौद्धिकता वृद्धि आदिक उल्लेख अछि।

२२८०. (B) लोकसाहित्य, नाट्य-संकेत आ आधुनिक परिवर्तनक समर्थनसँ जयकान्त मिश्र मैथिली संस्कृतिक भविष्य-दिशा देखौलनि। — ई खण्ड लोकसाहित्य, नाटक आ आधुनिक परिवर्तन पर आधारित अछि।
२२८१. (A) कीर्त्तनिजा। — स्रोतमे उपलब्ध नाटकादिकेँ कीर्त्तनिजा नामे सम्बोधित करबाक उल्लेख अछि।
२२८२. (B) रमानाथ झा। — स्रोतमे रमानाथ झा द्वारा अभिव्यञ्जनाक प्रथम अंकमे आपत्ति देल गेल अछि।
२२८३. (C) कीर्त्तनिजा नाच। — स्रोतमे रमानाथ झा ओकरा कीर्त्तनिजा नाच कहलनि।
२२८४. (D) विवादक एक परम्परा। — स्रोतमे एहि प्रसंगपर आलोचनाक्षेत्रमे विवादक परम्परा शुरू भेल कहल अछि।
२२८५. (A) अभिव्यञ्जनाक अग्रिम अंकमे। — स्रोतमे प्रो. मिश्र उक्त पत्रिकाक अग्रिम अंकमे खण्डन कएलनि कहल अछि।
२२८६. (B) रमानाथ झा प्रबन्ध संग्रहमे। — स्रोतमे रमानाथ झा प्रबन्ध संग्रह (1371 साल) मे बृहत् आलोचनाक उल्लेख अछि।
२२८७. (C) कीर्त्तनिजा नाटक। — स्रोतमे इहो कीर्त्तनिजा नाटक (1965) नामक ग्रन्थ प्रकाशनक उल्लेख अछि।
२२८८. (D) 1965। — स्रोतमे कीर्त्तनिजा नाटकक कोष्ठकमे 1965 देल अछि।
२२८९. (A) मिथिलाक उपलब्ध नाटकादिक नामकरण आ स्वरूप। — स्रोतमे कीर्त्तनिजा/कीर्त्तनिजा नाच नामकरणक विवाद अछि।
२२९०. (B) मिश्रक कीर्त्तनिजा नामकरणपर रमानाथ झाक आपत्तिसँ मैथिली नाटक-आलोचनाक विवाद-परम्परा आरम्भ भेल। — ई खण्ड कीर्त्तनिजा नामकरण-विवाद पर आधारित अछि।
२२९१. (A) नेपालक। — स्रोतमे “ई नेपालक जगाओल धनराशि थिक” कहल गेल अछि।
२२९२. (B) बड़ तहमे जाए पड़त। — स्रोतमे इतिहास बुझबाक हेतु बड़ तहमे जाए पड़त कहल अछि।
२२९३. (C) ईमानदार आ निष्पक्ष होएब। — स्रोतमे इतिहासकारकेँ ईमानदार आ निष्पक्ष होएब परमावश्यक कहल अछि।
२२९४. (D) रमानाथ झा वाज ए कन्जरवेटिव इमैजनेटिव हिस्टोरियन। — स्रोतमे ई अंग्रेजी टिप्पणी उद्धृत अछि।
२२९५. (A) पूर्वग्रह छोड़ि गहिर तह धरि इतिहास पढ़ब। — स्रोतमे बड़ तहमे जाएब आ निष्पक्षता पर जोर अछि।
२२९६. (B) हुनका रुढ़िवादी कल्पनाशील इतिहासकार मानब। — उद्धरणक अर्थ एहि आलोचनात्मक संकेत दिस जाइत अछि।
२२९७. (C) नामकरणसँ बेसी पृष्ठभूमि आ स्रोत-तहक खोज। — स्रोतमे इतिहास बुझबाक हेतु बड़ तहमे जाए पड़त कहल अछि।
२२९८. (D) व्यक्तिगत मतक प्रत्यक्ष आलोचना धरि। — रमानाथ झा पर कन्जरवेटिव इमैजनेटिव हिस्टोरियन टिप्पणी देल गेल।
२२९९. (A) कारण नाटक-इतिहासक सही अर्थ गहिर स्रोत-विवेकसँ बुझाइत अछि। — स्रोतमे इतिहासकारक ईमानदारी आ निष्पक्षता आवश्यक कहल अछि।
२३००. (B) कीर्त्तनिजा विवादमे प्रो. मिश्र इतिहासक गहिर तह, ईमानदारी आ निष्पक्षताकेँ मूल कसौटी मानलनि। — ई खण्ड इतिहासकार-दृष्टि आ रमानाथ झा पर टिप्पणी पर आधारित अछि।
२३०१. (A) दू भागमे। — स्रोतमे मैथिली आलोचक लोकनि दू भागमे विभक्त भऽ गेलाह कहल अछि।
२३०२. (B) प्रोफेसर प्रेमशंकर सिंह। — स्रोतमे प्रोफेसर प्रेमशंकर सिंह द्वारा नव बिन्दु संकेतक उल्लेख अछि।
२३०३. (C) मैथिली नाटक ओ रंगमंच। — स्रोतमे मैथिली नाटक ओ रंगमंच नामक ग्रन्थक उल्लेख अछि।
२३०४. (D) 1978। — स्रोतमे मैथिली नाटक ओ रंगमंच (1978) देल अछि।
२३०५. (A) लीला नाटक। — स्रोतमे एहि सभ नाटकादिकेँ लीला नाटक कहलनि।
२३०६. (B) विचार करबाक एक नव दिशाक बोध। — स्रोतमे ओ नव दिशाक बोध करौलनि जे विचारणीय थिक कहल अछि।
२३०७. (C) कीर्त्तनिजा, कीर्त्तनिजा नाच आ लीला नाटक। — स्रोतक क्रममे ई तीन नाम सामने अबैत अछि।
२३०८. (D) प्रो. मिश्र आ रमानाथ झा दुनूक मतसभसँ। — स्रोतमे ने कीर्त्तनिजा ने कीर्त्तनिजा नाच, प्रत्युत लीला नाटक कहल अछि।
२३०९. (A) पुरान विवादसँ नव वर्गीकरण दिस गमन। — कीर्त्तनिजा विवादक बाद लीला नाटकक नव संकेत भेटैत अछि।
२३१०. (B) प्रेमशंकर सिंह कीर्त्तनिजा विवादकेँ लीला नाटक नामक नव आलोचनात्मक दिशा दिस मोड़लनि। — ई खण्ड लीला नाटक मत आ नव आलोचनात्मक दिशा पर आधारित अछि।
२३११. (A) मैथिलीक गौरव-गरिमाकेँ वर्तमान परिप्रेक्ष्यमे जागृत करब। — स्रोतमे अनुसंधानोत्तर एहि नव प्रवृत्तिक उल्लेख अछि।

२३१२. (B) रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक मार्ग। — स्रोतमे रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक मार्गक अनुसरण कएलनि कहल अछि।
२३१३. (C) जनजागरणक अभियान। — स्रोतमे जनजागरणक अभियानक सूत्रपातक उल्लेख अछि।
२३१४. (D) अकर्मण्य, निष्क्रिय, सुसुप्त, धार्मिक कट्टरता आ रूढ़िग्रस्त जीवनक अन्धकूपसँ। — स्रोतमे समाजक ई अवस्था वर्णित अछि।
२३१५. (A) सामाजिक, सांस्कृतिक आ साहित्यिक जीवन। — स्रोतमे मिथिलाक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक जीवनमे नव चेतना अनबाक बात अछि।
२३१६. (B) मिथिलावासीपर। — स्रोतमे हुनक आन्दोलनात्मक प्रभाव मिथिलावासीपर पड़ल कहल अछि।
२३१७. (C) रचनाकार आ आन्दोलनकारी दुनू रूपमे। — स्रोतमे रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक रूप स्पष्ट अछि।
२३१८. (D) मैथिली गौरव-गरिमाक जागरण। — स्रोतमे मैथिलीक गौरव-गरिमा जागृत करबाक उद्देश्य अछि।
२३१९. (A) सुप्त समाजमे भाषा-सांस्कृतिक सम्बन्धी नव चेतना अनब। — स्रोतक वर्णन एहि आशयकें स्पष्ट करैत अछि।
२३२०. (B) प्रो. मिश्र रचनात्मक आ आन्दोलनात्मक जनजागरण द्वारा मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक जीवनमे नव चेतना अनबाक प्रयास कएलनि। — ई खण्ड आन्दोलनक सजग प्रहरी रूप पर आधारित अछि।
२३२१. (A) उदासीनता। — स्रोतमे बिहार एवं केन्द्र सरकारक उदासीनताक कारणें आक्रोशक उल्लेख अछि।
२३२२. (B) सर्वथा उपेक्षित। — स्रोतमे ई भाषा सर्वथा उपेक्षित देखल कहल अछि।
२३२३. (C) अछि सलाइ मे आगि, बरत की बिना रगड़ने। — स्रोतमे सीताराम झाक एहि पंक्तिक उद्धरण अछि।
२३२४. (D) पायब निज अधिकार, कतहुँ की बिना झगड़ने। — स्रोतमे अधिकार-संघर्षक ई पंक्ति देल अछि।
२३२५. (A) 1891-1975। — स्रोतमे कविवर सीताराम झा (1891-1975) देल अछि।
२३२६. (B) जनमानसपर। — स्रोतमे कविवरक पंक्तिक व्यापक प्रभाव जनमानसपर पड़ल कहल अछि।
२३२७. (C) अधिकार लेल संघर्ष आवश्यक अछि। — उद्धरणक अर्थ अधिकार संघर्ष बिना नहि भेटत भन्ने अछि।
२३२८. (D) भाषा-अधिकार लेल आक्रोश आ सक्रियता। — स्रोतमे उपेक्षा देखि हृदयमे आक्रोश आ जनजागरणक प्रसंग अछि।
२३२९. (A) आन्दोलनक प्रेरक सूत्र। — स्रोतमे ओ पंक्तिसँ अतिशय प्रभावित भेलाह कहल अछि।
२३३०. (B) सरकारी उदासीनता आ सीताराम झाक संघर्ष-पंक्ति प्रो. मिश्रक भाषा-अधिकार आन्दोलनक प्रेरणा बनल। — ई खण्ड सरकारक उपेक्षा आ संघर्ष-प्रेरणा पर आधारित अछि।
२३३१. (A) मातृभाषाक महत्व। — स्रोतमे जनमानस मातृभाषाक महत्व जानए-बुझए से उद्देश्य देल अछि।
२३३२. (B) समुचित अधिकार प्राप्त करबाक दिशामे सहयोग लेल। — स्रोतमे समुचित अधिकार प्राप्ति हेतु सहयोग लेल उताहुल होएबाक बात अछि।
२३३३. (C) भाषा चेतनाक। — स्रोतमे भाषा चेतनाक सर्वथा अभाव कहल अछि।
२३३४. (D) मातृभाषा प्रेम, दायित्व-बोध, कर्तव्य-बोध, गौरव-बोध। — स्रोतमे भाषा चेतनाक अर्थ एहि भाव सभसँ समझाओल गेल अछि।
२३३५. (A) ओहि भाषा-भाषीक चेतनापर। — स्रोतमे भाषाक विकास भाषा-भाषीक चेतनापर निर्भर कहल अछि।
२३३६. (B) ओ कमजोर/अभावग्रस्त रहल। — स्रोतमे मैथिली भाषीमे भाषा चेतनाक सर्वथा अभाव कहल अछि।
२३३७. (C) जनमानसकें मातृभाषा-कर्तव्य दिस प्रेरित करब। — स्रोतमे जनमानसकें महत्व बुझाबय आ सहयोग लेल उताहुल करबाक बात अछि।
२३३८. (D) भाषाक उन्नति आ विकास ओकरहि पर निर्भर अछि। — स्रोतमे विकासक निर्भरता भाषा-भाषीक चेतनापर कहल अछि।
२३३९. (A) भाषा-प्रेमकें अधिकार-बोधमे बदलनाइ। — स्रोतमे प्रेम, दायित्व, गौरव आ अधिकार-प्राप्ति सभ एकसंग अछि।
२३४०. (B) प्रो. मिश्रक जनजागरण मातृभाषा-प्रेमकें दायित्व, गौरव आ अधिकार-बोधमे बदलबाक प्रयास छल। — ई खण्ड भाषा चेतना आ अधिकार-बोध पर आधारित अछि।
२३४१. (A) नव स्वरूप। — स्रोतमे ओ मैथिली आन्दोलनकें नव स्वरूप प्रदान करबाक आकांक्षी रहथि कहल अछि।
२३४२. (B) झुण्ड बान्हि कऽ ढोल बजा कऽ गाम-गाम घूमी मातृभाषाक महत्व बुझाएब। — स्रोतमे ई रूपरेखा स्पष्ट देल अछि।
२३४३. (C) मीटिंग। — स्रोतमे मुख्य-मुख्य स्थानपर मीटिंग आयोजनक उल्लेख अछि।
२३४४. (D) मातृभाषाक वास्तविक महत्व आ समस्या दिस जनमानसक ध्यान आकर्षित करब। — स्रोतमे ई उद्देश्य स्पष्ट अछि।

२३४५. (A) एक जातिक वर्चस्व। — स्रोतमे एहि भाषापर एक जातिक वर्चस्व समाप्त करबाक लेल आन्दोलनक आवश्यकता कहल अछि।
२३४६. (B) मुसलमान समुदायकें। — स्रोतमे मिथिलांचलक मुसलमानकें आन्दोलन संग जोड़बाक इच्छा उल्लेखित अछि।
२३४७. (C) गाम-गाम भ्रमण, ढोल आ सभा। — स्रोतमे ढोल बजा कऽ गाम-गाम घूमब आ मीटिंग आयोजन देल अछि।
२३४८. (D) मैथिली आन्दोलनकें व्यापक सामाजिक आधार देब। — स्रोतक प्रसंगमे वर्चस्व समाप्ति आ मुसलमान समुदाय जोड़ब व्यापकता दिस संकेत करैत अछि।
२३४९. (A) जनसम्पर्क-आधारित लोक-आन्दोलन शैली। — ढोल, गाम-गाम भ्रमण, मीटिंग ई लोक-आन्दोलनक रूप अछि।
२३५०. (B) प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकें गाम-गामक जनसम्पर्क, सभा आ सामाजिक समावेशनसँ नव रूप देबए चाहैत छलाह। — ई खण्ड आन्दोलनक लोक-रूपरेखा पर आधारित अछि।
२३५१. (A) अन्यायपूर्ण सत्ताक विरुद्ध प्रतिरोध। — उद्धरणमे अन्यायी सत्ता आ हुँकारक प्रतिरोधी भाव अछि।
२३५२. (B) छोट आवाज सेहो महापरिवर्तन आन सकैत अछि। — पंक्तिमे लघु हुँकारसँ महाप्रलयक नियम कहल अछि।
२३५३. (C) ई जनमानसकें अन्याय विरुद्ध बोलबाक शक्ति दैत अछि। — स्रोतमे आन्दोलनक नव रूपक बीच ई पंक्ति उद्धृत अछि।
२३५४. (D) गगन समान। — उद्धरणमे “गगन सम अति विषम” देल अछि।
२३५५. (A) महाप्रलय। — उद्धृत पंक्तिमे “महाप्रलय होइछ नियम” अछि।
२३५६. (B) छोट भाषिक प्रतिरोधो सत्ता-संरचना हिलाबय सकैत अछि। — उद्धरण आन्दोलनक प्रतिरोधी ऊर्जा व्यक्त करैत अछि।
२३५७. (C) मैथिली आन्दोलनकें नव स्वरूप देबाक प्रयासक बाद। — स्रोत-क्रममे नव आन्दोलन-रूपरेखाक तुरन्त बाद ई काव्यांश अछि।
२३५८. (D) समझाएबासँ संघर्षी हुँकार धरि। — ढोल-मीटिंगक लोक-रूपरेखाक बाद प्रतिरोधी पंक्ति अबैत अछि।
२३५९. (A) भाषा-आन्दोलनमे भावनात्मक ऊर्जा जोड़ैत अछि। — स्रोतमे आन्दोलन-संदर्भमे काव्यांश उद्धृत अछि।
२३६०. (B) अन्यायी सत्ता विरुद्ध लघु हुँकारक काव्यांश मैथिली आन्दोलनकें प्रतिरोधी भाव आ संघर्षी ऊर्जा दैत अछि। — ई खण्ड आन्दोलनक प्रतिरोधी काव्य-स्वर पर आधारित अछि।
२३६१. (A) राष्ट्रीय रूप। — स्रोतमे जाधरि राष्ट्रीय रूप नहि देल जाएत ताधरि विकास सम्भावना नहि कहल अछि।
२३६२. (B) मैथिलीक। — स्रोतमे मैथिलीक विकासक सम्भावना राष्ट्रीय रूपसँ जोड़ल अछि।
२३६३. (C) ओड़िया, असमिया आ नेपाली भाषी। — स्रोतमे ओड़िया, असमिया आ नेपाली भाषीक उदाहरण अछि।
२३६४. (D) अपन भाषाक प्रति अगाध श्रद्धा। — स्रोतमे हुनका सभक अपन भाषाक प्रति अगाध श्रद्धा उल्लेखित अछि।
२३६५. (A) अन्य भाषा-समुदाय सभक भाषिक श्रद्धाक संदर्भमे। — स्रोतमे ओड़िया/असमिया/नेपाली भाषीक संदर्भमे एहि नाराक उल्लेख अछि।
२३६६. (B) अपन भाषाक प्रति स्नेह। — स्रोतमे मैथिली भाषीकें अपन भाषाक प्रति स्नेह उत्पन्न करबाक लेल आन्दोलनक प्रयोजन अछि।
२३६७. (C) भारतीय संविधानक अष्टम अनुसूचीमे सम्मिलित होएब। — स्रोतमे अकादेमी मान्यता प्राप्त भाषासभक अष्टम अनुसूची प्रसंग अछि।
२३६८. (D) मैथिली भाषाक। — स्रोतमे राष्ट्रीय रूप बिना भाषाक कल्याण सम्भावना नहि कहल अछि।
२३६९. (A) क्षेत्रीय आन्दोलनसँ राष्ट्रीय भाषिक अधिकार दिस। — राष्ट्रीय रूप आ अष्टम अनुसूची प्रसंग ई विस्तार देखबैत अछि।
२३७०. (B) प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकें राष्ट्रीय रूप, भाषिक स्नेह आ अष्टम अनुसूची लक्ष्यसँ जोड़ि देखैत छलाह। — ई खण्ड आन्दोलनक राष्ट्रीयीकरण पर आधारित अछि।
२३७१. (A) We Shall OverCome। — स्रोतमे Paul Robeson/Luther King संदर्भमे We Shall OverCome गीत देल अछि।
२३७२. (B) पौल रोबसनक। — स्रोतमे पौल रोबसनक लिखल गीत कहल गेल।
२३७३. (C) निग्रो आन्दोलनमे। — स्रोतमे लूथर किंग द्वारा निग्रो आन्दोलनमे उपयोगक उल्लेख अछि।
२३७४. (D) भाषा समूहक संग्राम गीत। — स्रोतमे हमरा लोकनिकें भाषा समूहक संग्राम गीत घोषित करबाक आवश्यकता कहल अछि।
२३७५. (A) We Shall OverCome, We Shall Over Come। — स्रोतमे ई पंक्ति उद्धृत अछि।
२३७६. (B) भविष्यक विजयक आशा। — स्रोतमे संघर्ष-गीतक रूपमे ई आशावादी भाव अछि।
२३७७. (C) आन्दोलन सफलीभूत नहि भऽ सकत। — स्रोतमे स्पष्ट ई बात देल अछि।

२३७८. (D) आन्दोलनकें साझा भावनात्मक प्रतीक चाही। — स्रोतमे भाषा समूहक संग्राम गीत घोषित करबाक आवश्यकता बताओल गेल।
२३७९. (A) मैथिली आन्दोलनकें प्रेरक जनगीत देबाक लेल। — पौल रोबसन-लूथर किंग उदाहरण एहि हेतु अछि।
२३८०. (B) We Shall OverCome के उदाहरणसँ प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलन लेल साझा संग्राम-गीत आ विजय-विश्वासक आवश्यकता देखौलनि। — ई खण्ड संग्राम-गीत आ आन्दोलन-प्रेरणा पर आधारित अछि।
२३८१. (A) टिमटिमाइत दीप। — स्रोतमे ई आन्दोलन टिमटिमाइत दीप मानल गेल अछि।
२३८२. (B) आन्दोलनकें उजागर करैत अछि। — स्रोतमे जतेक संघर्ष चलाओल जाइत अछि ओ आन्दोलन उजागर करैत अछि कहल अछि।
२३८३. (C) आन्दोलन कमजोर सही, मुदा जीवित अछि। — दीप रूपक आन्दोलनक अस्तित्व आ अस्थिरता दुनू देखबैत अछि।
२३८४. (D) ओ सभ आन्दोलनक पहचान बनेनिहार अछि। — स्रोतमे प्रत्येक संघर्ष आन्दोलन उजागर करैत अछि कहल अछि।
२३८५. (A) संभावनाशील मुदा अस्थिर। — टिमटिमाइत दीपक बिम्ब एहि भावकें व्यक्त करैत अछि।
२३८६. (B) आन्दोलनक ज्योति बनेने राखबाक लेल। — दीपक बिम्ब आ संघर्षक उल्लेखसँ ई आशय निकलैत अछि।
२३८७. (C) उजागर करनिहार संकेत। — स्रोतमे संघर्ष आन्दोलनकें उजागर करैत अछि कहल अछि।
२३८८. (D) दीपकें स्थिर आ व्यापक प्रकाशमे बदलब। — स्रोतक आन्दोलनात्मक प्रसंगमे राष्ट्रीय रूप आ जनजागरण एही आवश्यकता दिखबैत अछि।
२३८९. (A) छोट संघर्षो भाषिक चेतना जगबैत अछि। — स्रोतमे जतेक संघर्ष आन्दोलन उजागर करैत अछि कहल अछि।
२३९०. (B) प्रो. मिश्र मैथिली आन्दोलनकें टिमटिमाइत दीप मानि प्रत्येक संघर्षकें ओकरा उजागर करबाक साधन बुझैत छलाह। — ई खण्ड आन्दोलनक जीवित मुदा नाजुक स्थिति पर आधारित अछि।
२३९१. (A) जनजागरणक। — स्रोतमे मिथिलांचलमे जन जागरणक अभाव कारणें समस्या कहल अछि।
२३९२. (B) अपन भाषाक श्रीवृद्धि लेल प्रयत्न। — स्रोतमे अभिभावक अपन भाषाक श्रीवृद्धि लेल प्रयत्न नहि करैत छथि कहल अछि।
२३९३. (C) मैथिली पढ़एबाक लेल। — स्रोतमे मैथिल शिक्षक मैथिली पढ़एबाक हेतु प्रयत्न नहि करैत छथि कहल अछि।
२३९४. (D) मैथिल समाज। — स्रोतमे यावत मैथिल समाज एहि प्रश्नक उत्तर नहि देत, तावत मैथिली आगाँ नहि बढ़त भाव अछि।
२३९५. (A) अभिभावक, शिक्षक आ समाजपर। — स्रोतमे अभिभावक, मैथिल शिक्षक आ मैथिल समाज तीनू उल्लेखित अछि।
२३९६. (B) भाषा-शिक्षा आ भाषा-विकासमे उदासीनता। — अभिभावक आ शिक्षकक प्रयत्नहीनता एहि परिणामकें देखबैत अछि।
२३९७. (C) समाज अपन उत्तरदायित्व नहि निभबैत अछि। — स्रोतमे मैथिल समाजकें प्रश्नक उत्तर देबाक आवश्यकता अछि।
२३९८. (D) ओ मैथिली पढ़एबाक प्रत्यक्ष माध्यम छथि। — स्रोतमे मैथिल शिक्षकक मैथिली पढ़एबाक प्रयत्नक अभाव उल्लेखित अछि।
२३९९. (A) घर-समाज स्तरपर भाषा-प्रयत्न करब। — स्रोतमे अभिभावक अपन भाषाक श्रीवृद्धि लेल प्रयत्न नहि करैत छथि कहल अछि।
२४००. (B) जनजागरणक अभावमे अभिभावक, शिक्षक आ समाज मैथिलीक शिक्षा-विकासक उत्तरदायित्व पूरा नहि करैत अछि। — ई खण्ड जनजागरण-अभाव आ सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित अछि।
२४०१. (A) मिथिला मण्डल मुम्बई। — स्रोतमे सन् १९६९ मे मिथिला मण्डल मुम्बई द्वारा आयोजित सम्मेलनक उल्लेख अछि।
२४०२. (B) मातृभाषाक माध्यमे प्राथमिक शिक्षा। — स्रोतमे विचारणीय बिन्दु ई देल अछि।
२४०३. (C) सम्मिलित भेल छलाह। — स्रोतमे “हमहुँ सम्मिलित भेल छलहुँ” लिखल अछि।
२४०४. (D) जयकान्त मिश्र। — स्रोतमे जयकान्त मिश्र अपन विचार प्रस्तुत कएने रहथि कहल अछि।
२४०५. (A) शैशवावस्था आ आरम्भिक शिक्षा। — अगिला बिन्दुमे शैशवावस्थामे मातृभाषा माध्यमक चर्चा अछि।
२४०६. (B) मैथिली शिक्षानीति पर सार्वजनिक विचार-विमर्श। — मातृभाषा माध्यमे प्राथमिक शिक्षा सम्मेलनक विचारणीय बिन्दु छल।
२४०७. (C) प्रवासी मैथिल मंचपर भाषा-शिक्षा विमर्श। — मिथिला मण्डल मुम्बई आ अखिल भारतीय सम्मेलन एहि बातक संकेत अछि।
२४०८. (D) मैथिली भाषा-अधिकार आन्दोलनसँ। — मातृभाषा माध्यमे प्राथमिक शिक्षा भाषा-अधिकारक केंद्रीय भाग अछि।
२४०९. (A) १९६९। — स्रोतमे सन् १९६९ ई.मे सम्मेलनक उल्लेख अछि।
२४१०. (B) १९६९क मुम्बई सम्मेलनमे मातृभाषा माध्यमे प्राथमिक शिक्षा मैथिली आन्दोलनक केन्द्रीय शिक्षानीतिक प्रश्न बनल। — ई खण्ड मुम्बई सम्मेलन आ शिक्षा-विषय पर आधारित अछि।

२४११. (A) मस्तिष्कक विकास। — स्रोतमे मातृभाषा माध्यम रहलापर मस्तिष्कक विकास सहज-सुगम कहल अछि।
२४१२. (B) प्रारम्भिक संस्कार स्थायी बनबैत अछि। — स्रोतमे विषय-वस्तु ज्ञान प्रारम्भिक संस्कार स्थायी होइत अछि कहल अछि।
२४१३. (C) सुगमता पूर्वक। — स्रोतमे ओ सुगमता पूर्वक ग्रहण करैछ कहल अछि।
२४१४. (D) विषय-वस्तु। — स्रोतमे विषय-वस्तु बुझबामे सहायक कहल अछि।
२४१५. (A) मातृभाषा बाल-विकास आ ज्ञानार्जनकें सहज बनबैत अछि। — स्रोतमे मस्तिष्क-विकास, ग्रहण-सुगमता आ विषय-बोधक चर्चा अछि।
२४१६. (B) एहि समय प्रारम्भिक संस्कार स्थायी होइत अछि। — स्रोतमे प्रारम्भिक संस्कार स्थायी होइत अछि कहल अछि।
२४१७. (C) विकासक सम्भावना अछि। — स्रोतमे सुगमतासँ ओकर विकासक सम्भावना अछि कहल अछि।
२४१८. (D) मातृभाषाक माध्यम। — पहिल बिन्दुमे मातृभाषा माध्यम विषय-वस्तु बुझबामे सहायक अछि।
२४१९. (A) मानसिक विकास आ सीखबाक सुगमताक दृष्टिसँ। — स्रोतमे मस्तिष्क विकास आ सुगम ग्रहणक तर्क अछि।
२४२०. (B) शैशवावस्थामे मातृभाषा माध्यम बालकक मस्तिष्क-विकास, स्थायी संस्कार आ विषय-बोध लेल अनिवार्य मानल गेल। — ई खण्ड मातृभाषा माध्यमक बाल-विकास तर्क पर आधारित अछि।
२४२१. (A) जनमानसकें शिक्षित करब। — स्रोतमे प्रजातन्त्रक प्रथम शर्त जनमानसकें शिक्षित करब कहल अछि।
२४२२. (B) सम्पूर्ण शक्तिक संग सहर्ष। — स्रोतमे शिक्षित जनमानस सम्पूर्ण शक्ति संग सहर्ष काज करत कहल अछि।
२४२३. (C) समाधान आसानीसँ। — स्रोतमे समस्या उत्थान पर समाधान आसानीसँ कऽ पबैछ कहल अछि।
२४२४. (D) प्राथमिक शिक्षा मातृभाषाक माध्यमे देल जाए। — स्रोतमे ई वाक्य स्पष्ट अछि।
२४२५. (A) जनमानसकें सचेत, समर्थ आ समस्या-समाधानक्षम बनबैत अछि। — स्रोतमे शिक्षित जनमानस आ समाधान-क्षमता पर जोर अछि।
२४२६. (B) लोकतांत्रिक शक्ति। — प्रजातन्त्रक प्रथम शर्त आ जनशिक्षा प्रसंग ई भाव दैत अछि।
२४२७. (C) जीवित प्रजातन्त्रक आधार बनब। — स्रोतमे जीवित प्रजातन्त्रक मूल मन्त्र एहि रूपमे अछि।
२४२८. (D) मातृभाषा-आधारित शिक्षा सँ। — स्रोतक दोसर बिन्दु मातृभाषा प्राथमिक शिक्षा पर केन्द्रित अछि।
२४२९. (A) लोकतन्त्र आ मातृभाषा-शिक्षा एक-दोसरसँ जुड़ल अछि। — स्रोतमे प्रजातन्त्रक मूल मन्त्र मातृभाषा माध्यमक प्राथमिक शिक्षा कहल अछि।
२४३०. (B) प्राथमिक शिक्षा मातृभाषामे देब जीवित प्रजातन्त्रक आधार अछि, किएक तँ ई जनमानसकें शिक्षित आ समर्थ बनबैत अछि। — ई खण्ड प्रजातन्त्र आ मातृभाषा शिक्षा पर आधारित अछि।
२४३१. (A) प्राचीनतम जीवित भाषा। — स्रोतमे मैथिली एक प्राचीनतम जीवित भाषा थिक कहल अछि।
२४३२. (B) अनिवार्य रूपेँ। — स्रोतमे एकरा अनिवार्य रूपेँ लागू करबाक प्रयासक प्रयोजन अछि।
२४३३. (C) सरकारपर। — स्रोतमे सरकारपर एकरा लागू करबाक हेतु बाध्य करबाक प्रयोजन कहल अछि।
२४३४. (D) बिहार एवं झारखण्ड। — स्रोतमे बिहार एवं झारखण्ड राज्यक अधिकांश जिलामे ई बाजल जाइत अछि।
२४३५. (A) अनिवार्य रूपेँ लागू करब। — स्रोतमे अधिकांश जिलामे अनिवार्य लागू करबाक दबावक बात अछि।
२४३६. (B) मैथिलीक प्राचीनता, जीवितता आ भाषाभौगोलिक विस्तार। — स्रोतमे प्राचीनतम जीवित भाषा आ बिहार-झारखण्ड जिलाक उल्लेख अछि।
२४३७. (C) अनिवार्य मातृभाषा शिक्षा लागू करए लेल। — स्रोतमे सरकारपर बाध्य करबाक प्रयोजन अछि।
२४३८. (D) प्राथमिक शिक्षाक स्तरपर। — पूर्व प्रसंग मातृभाषा माध्यमे प्राथमिक शिक्षा अछि।
२४३९. (A) नीतिगत आ प्रशासनिक माँग। — सरकारपर दबाव आ अनिवार्य लागू करबाक बात ई दर्शबैत अछि।
२४४०. (B) मैथिली प्राचीनतम जीवित भाषा आ बिहार-झारखण्डक व्यापक बोली होएबाक कारणेँ प्राथमिक शिक्षामे अनिवार्य लागू होबाक अधिकारी मानल गेल। — ई खण्ड अनिवार्य मैथिली शिक्षा तर्क पर आधारित अछि।
२४४१. (A) प्राथमिक शिक्षाक पुस्तक। — स्रोतमे मैथिलीमे प्राथमिक शिक्षाक पुस्तक प्रकाशित नहि भेल कहल अछि।
२४४२. (B) अध्यापनक व्यवस्था। — स्रोतमे ओकर अध्यापनक व्यवस्था नहि अछि कहल गेल।
२४४३. (C) चिन्तनीय विषय। — स्रोतमे ई चिन्तनीय विषय थिक कहल अछि।

२४४४. (D) जनमत संग्रह आ सशक्त आन्दोलन। — स्रोतमे विरोधमे जनमत संग्रह कऽ सशक्त आन्दोलनक आवश्यकता देल अछि।
२४४५. (A) बधिर सरकारकें। — स्रोतमे बधिर सरकारकें जगाएबाक प्रयोजन कहल गेल।
२४४६. (B) सुसुप्त। — स्रोतमे सुसुप्त सरकारकें जगाओल नहि जाएत ताधरि मान्यता नहि भेटत कहल अछि।
२४४७. (C) मिथिलांचलमे प्राथमिक शिक्षा माध्यमसँ मैथिलीकें मान्यता। — स्रोतमे एहि आशयक वाक्य स्पष्ट अछि।
२४४८. (D) मैथिली प्राथमिक शिक्षा लागू नहि होएबाक। — स्रोतमे पुस्तक आ अध्यापनक अभाव मातृभाषा शिक्षाक बाधा अछि।
२४४९. (A) सामाजिक दबावसँ नीति बदलएबाक लेल। — स्रोतमे जनमत संग्रह आ सशक्त आन्दोलनक आवश्यकता कहल अछि।
२४५०. (B) मैथिली प्राथमिक शिक्षाक पुस्तक आ अध्यापन व्यवस्था नहि बनल, तँ बधिर-सुसुप्त सरकार विरुद्ध जनमत आ आन्दोलन आवश्यक कहल गेल। — ई खण्ड पाठ्यपुस्तक-संकट आ सरकारी उदासीनता पर आधारित अछि।
२४५१. (A) जखन समस्या सभसँ लड़बाक शक्ति जुटत। — स्रोतमे विकास आ निदान ताधरि सम्भव नहि, जाधरि लड़बाक शक्ति नहि कहल अछि।
२४५२. (B) लड़बाक शक्ति बिना। — स्रोतमे समस्या निदान ओकरा सँ लड़बाक शक्ति पर निर्भर कहल अछि।
२४५३. (C) मिथिला आ मैथिलीक सर्वांगीण विकाससँ। — स्रोतमे मिथिला आ मैथिलीक सर्वतोभावेन विकासक उल्लेख अछि।
२४५४. (D) सम्पूर्ण क्षेत्रीय विकासक आधार। — मिथिला आ मैथिलीक सर्वतोभावेन विकास भाषा-शिक्षा संघर्षसँ जोड़ल अछि।
२४५५. (A) संघर्ष-शक्ति। — स्रोतमे लड़बाक शक्ति पर जोर अछि।
२४५६. (B) संगठित प्रतिरोधक शक्ति। — सशक्त आन्दोलन आ लड़बाक शक्ति स्रोतक भाव अछि।
२४५७. (C) मिथिला-मैथिलीक विकास आ समस्या-निदानक। — स्रोतमे प्राथमिक शिक्षा मान्यता नहि भेटल ताधरि विकास सम्भव नहि।
२४५८. (D) पायब निज अधिकार, कतहुँ की बिना झगड़ने। — पूर्व स्रोत-पंक्ति आ लड़बाक शक्ति एके भाव दैत अछि।
२४५९. (A) क्षेत्रीय अस्मिता आ विकासक संरक्षण। — मिथिला आ मैथिलीक सर्वतोभावेन विकासक उल्लेख अछि।
२४६०. (B) मैथिली प्राथमिक शिक्षा संघर्ष मिथिला-मैथिलीक सर्वांगीण विकास आ समस्या-निदान लेल आवश्यक संघर्ष-शक्ति बनि उठैत अछि। — ई खण्ड संघर्ष-शक्ति आ सर्वांगीण विकास पर आधारित अछि।
२४६१. (A) मैथिली साहित्यक प्राचीनतम परम्परा सुदृढ़ करब। — स्रोतमे प्राचीनतम परम्पराकें सुदृढ़ करबाक जनजागरण अभियानक उल्लेख अछि।
२४६२. (B) दधीचिक समान हड्डी गलौलनि। — स्रोतमे दधीचिक समान हड्डी गलौलनि कहल गेल।
२४६३. (C) अक्षुण्ण रखब आ अग्रगति करब। — स्रोतमे ई प्रत्येक मैथिली भाषी जनमानसक पुनीत कर्तव्य कहल अछि।
२४६४. (D) विविध संग्रह आ पत्रिका सभमे। — स्रोतमे आलेखादि यत्र-तत्र विविध संग्रहादि, पत्रिकादिमे प्रकाशित कहल अछि।
२४६५. (A) धूलधूसरित भऽ रहल अछि। — स्रोतमे वर्तमानमे धूलधूसरित भऽ रहल अछि कहल गेल।
२४६६. (B) प्रत्येक मैथिली भाषीक। — स्रोतमे संकलित कऽ प्रकाशमे आनब प्रत्येक मैथिली भाषीक पुनीत कर्तव्य अछि।
२४६७. (C) हुनक धूलधूसरित लेखन-संपदाकें संकलित-प्रकाशित करब। — स्रोतक भाव युगपुरुष प्रति वास्तविक श्रद्धाञ्जलि एहि काजमे देखैत अछि।
२४६८. (D) भाषिक-सांस्कृतिक दायित्व। — स्रोतमे प्रत्येक मैथिली भाषीक कर्तव्य कहल अछि।
२४६९. (A) त्याग आ संघर्षक तीव्रता। — दधीचिक समान हड्डी गलौलनि वाक्य तप-त्यागक बिम्ब अछि।
२४७०. (B) जयकान्त मिश्रक धूलधूसरित आलेख-संपदा संकलित-प्रकाशित करब मैथिली समाजक पुनीत कर्तव्य कहल गेल। — ई खण्ड निःसारणक अवदान-संरक्षण पर आधारित अछि।
२४७१. (A) समृद्ध आ व्यापक स्वरूप। — स्रोतमे हिनके धनि जे ओ मैथिली साहित्यकें समृद्ध आ व्यापक स्वरूप प्रदान कएलनि कहल अछि।
२४७२. (B) अस्तित्व। — स्रोतमे जे मैथिलीक अस्तित्वकें सुरक्षित कऽ सकल कहल अछि।
२४७३. (C) आदर्श। — स्रोतमे हुनका समक्ष कोनो आदर्श नहि छलनि कहल अछि।
२४७४. (D) आदर्श पुरुष। — स्रोतमे तथापि मातृभाषाक सम्बर्द्धनार्थ ओ आदर्श पुरुष रहथि कहल अछि।
२४७५. (A) मार्ग निर्देशक। — स्रोतमे ओ मार्ग निर्देशक बनि मातृभाषानुरागक बीज वपन कएलनि।
२४७६. (B) चिरन्तन प्रेरणा-स्रोत। — स्रोतमे ओ मैथिली प्रेमी जनमानसकें चिरन्तन प्रेरणा-स्रोत बनल रहता कहल अछि।

२४७७. (C) तप, त्याग, तपस्या, कर्मशीलता आ वैचारिक अटलता। — स्रोतमे एहि गुण सभक उल्लेख अछि।
२४७८. (D) अद्वितीय। — स्रोतमे ओ अपन अद्वितीय वैदुष्यक आदर्श छोड़ि गेलाह कहल अछि।
२४७९. (A) मातृभाषा सम्बर्द्धनक मार्गदर्शक आदर्श पुरुष। — स्रोतक समापन ई छवि निर्मित करैत अछि।
२४८०. (B) जयकान्त मिश्र मैथिली साहित्यक अस्तित्व-सुरक्षा, मातृभाषानुराग आ वैचारिक अटलताक चिरन्तन प्रेरणा-स्रोत रूपमे प्रतिष्ठित छथि। — ई खण्ड समापनक आदर्श-पुरुष मूल्यांकन पर आधारित अछि।
२४८१. (A) तन्त्रानाथ झा आ सुभद्र झाक जन्मशतवार्षिकी। — स्रोतमे “तन्त्रानाथझा/ सुभद्रझा जन्मशतवार्षिकी” शीर्षक देल अछि।
२४८२. (B) हम आगि। — स्रोतमे उद्धृत पंक्ति “हम आगि...” सँ ई स्पष्ट अछि।
२४८३. (C) हमरा प्रज्ज्वलित कएनिहार बसात। — उद्धरणमे तन्त्रानाथकें आगि प्रज्ज्वलित करनिहार बसात कहल गेल अछि।
२४८४. (D) भाषा, साहित्य आ संस्कृतिक विकास-प्रचार-प्रसार-संरक्षणक चेतना। — स्रोतमे स्वाधीनता-संग्रामक आगिसँ एहि चेतनाक घनीभूत होएबाक चर्चा अछि।
२४८५. (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण। — स्रोतमे पहिल दशक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण कहल गेल अछि।
२४८६. (B) मैथिलीमे पत्र-पत्रिकाक सम्पादन-प्रकाशन। — स्रोतमे पत्र-पत्रिका सम्पादन-प्रकाशन ओहि दशकमे आरम्भ भेल कहल अछि।
२४८७. (C) मधुसूदन ओझा आ मुरलीधर झा। — स्रोतमे विद्यावाचस्पति मधुसूदन ओझा एवं म.म. मुरलीधर झाक नाम देल अछि।
२४८८. (D) एक सोड़हि। — स्रोतमे कमसँ कम एक सोड़हि मैथिलीक अवदानी साहित्यकारक जन्म भेल कहल अछि।
२४८९. (A) स्वाधीनता-चेतना आ मैथिली सांस्कृतिक जागरण एक-दोसरसँ जुड़ल छल। — स्रोतमे स्वाधीनता-संग्रामक आगि संग भाषा-संस्कृति चेतनाक घनीभवन जोड़ल अछि।
२४९०. (B) तन्त्रानाथ झा-सुभद्र झा जन्मशतवार्षिकी प्रसंग मैथिली भाषा-साहित्यक पहिल दशकक जागरण आ सांस्कृतिक चेतनाक पृष्ठभूमिमे राखल गेल। — ई खण्ड जन्मशतवार्षिकी आ प्रारम्भिक भाषा-सांस्कृतिक जागरण पर आधारित अछि।
२४९१. (A) मैथिली भाषाक मानकीकरण। — स्रोतमे ओ सभ मातृभाषा प्रेमसँ मैथिली भाषाक मानकीकरण कएल कहल अछि।
२४९२. (B) विभिन्न प्रकारक प्रतिमान। — स्रोतमे भाषा लेल विभिन्न प्रतिमान स्थापित कएल कहल अछि।
२४९३. (C) आधार। — स्रोतमे संघर्षशील व्यक्तित्वसँ मैथिलीक आधार सुदृढ़ भेल कहल अछि।
२४९४. (D) महाकवि विद्यापतिक। — स्रोतमे सरहपाद, ज्योतिरीश्वर आ महाकवि विद्यापतिक भाषा मैथिली कहल अछि।
२४९५. (A) राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तरपर गरिमापूर्ण स्थान। — स्रोतमे मैथिलीकें राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तरपर गरिमापूर्ण स्थान पाबि सकल कहल अछि।
२४९६. (B) उत्कृष्ट विविधवर्णी रचनाक पथार। — स्रोतमे उत्कृष्ट विविधवर्णी रचनाक पथार लगाओल कहल अछि।
२४९७. (C) मैथिली साहित्यक। — स्रोतमे समस्त क्षमता आ ऊर्जा मैथिली साहित्यक संवर्धन लेल छल कहल अछि।
२४९८. (D) सहज अनुराग, सम्बद्धता आ प्रतिबद्धता। — स्रोतमे एहि तीनू बातक कमी नहि आए से चिंता देल अछि।
२४९९. (A) भावी साहित्य-सर्जना लेल आधारभूमि निर्माण। — स्रोतक कृषि-बिम्ब भविष्यक सर्जना-भूमि तैयार करबाक संकेत अछि।
२५००. (B) पहिल दशकक मैथिली साहित्यकार सभ मानकीकरण, प्रतिमान, साहित्य-सर्जना आ भावी मातृभाषा-अनुराग लेल आधारभूमि निर्मित कएलनि। — ई खण्ड मैथिलीक आधार-निर्माता पीढ़ी पर आधारित अछि।